फिल्म-संगीत

(प्रथम भाग)

(LIGHT MUSIC)
(Ist. Part)

सम्पादक

प्रभूलाल गर्ग ('सङ्गीत' सम्पादक)

❀

प्रकाशक

सङ्गीत कार्यालय,

हाथरस—यू० पी० ।

❀

प्रथम संस्करण—११००, दिसम्बर १६३६

द्वितीय संस्करण—१५००, जनवरी १६४२

मूल्य २) रुपया

प्रकाशक—
प्रभूलाल गर्ग
सङ्गीत कार्यालय-हाथरस।

पुस्तक मिलने के पते—
१—गर्ग एण्ड कम्पनी हाथरस।
२—सङ्गीत कार्यालय हाथरस।

मुद्रक—
प्रभूलाल गर्ग
सङ्गीत प्रेस, हाथरस।

भूमिका

फिल्मगीतों ने सर्व साधारण पर अपना ऐसा प्रभाव जमाया है कि वे उन गीतों को सुनने और सुनाने के लिये अत्यन्त ही उत्सुक रहते हैं। सङ्गीत प्रेमी जनता ऐसी एक पुस्तक की आवश्यकता बहुत दिनों से अनुभव कर रही थी, जिसमें प्रसिद्ध प्राप्त फिल्मी गानों की स्वरलिपियां ज्यादा से ज्यादा मिलसकें।

फिल्म लाइन के प्रेमी सिनेमा के गानों को ठीक-ठीक उसी तर्ज़ में गाने की पूरी कोशिश करते हैं, जिस तर्ज़ में कि वे उन फिल्मों में गाये गये हैं, किन्तु सफलता मुश्किल से ही होती है, क्योंकि चतुर डाइरेक्टर फिल्मगीतों की बन्दिश एक अनोखे ही ढङ्ग से बांधते हैं, इन गीतों की तर्ज़ बनाने में वे भारतीय राग रागनियों की छाया तो लेते ही हैं साथ ही बङ्गला और विलायती सङ्गीत का पुट देकर उसे एक नये सांचे में ढाल देते हैं। इसीलिये तो इसे Light Music कहा जाता है।

कुछ भी सही, यह तो मानना ही पड़ेगा कि आजकल नवयुवकों के दिलमें फिल्मी गीतों ने घर बना लिया है, छोटे बड़े सभी के मुँह पर इनका कुछ न कुछ अन्श विद्यमान है। यहांतक कि राग रागिनी के गाने वाले सङ्गीत विशारद भी इनके जादू से नहीं बच सकते हैं वे इस ओर काफ़ी आकर्षित भी हुए हैं। यह दूसरी बात है कि वे लोग उसे उच्चकोटि का सङ्गीत नहीं मानते, किन्तु सच जानिये! इन गीतों को गाये बिना वे भी नहीं रहते।

सहगल, के० सी० डे०, सुरेन्द्र, पंकज मल्लिक, काननबाला आदि के गानों की हूबहू कापी करना आसान बात नहीं। गाने वाले गाते हैं, तर्ज़ की नकल करने को कोशिश भी करते हैं, सुनने वालों को भी यह मालुम होता है ठीक गारहे हैं, किन्तु सङ्गीतज्ञों से यह भेद छिपा नहीं रहता जब कि वे सीधे रास्ते जाते-जाते एक दम बहक जाते हैं और उस समय ज़रूरत पड़जाती है उस गीत के स्वरों को जानने की!

ऐसे ही जिज्ञासुओं के लिये यह पुस्तक तैयार हुई है, इसमें ७० गीतों की पूरी-पूरी स्वरलिपियां हैं। प्रायः सभी ख़ास-ख़ास फिल्मों के सर्व प्रिय गाने स्वरलिपियों सहित इस पुस्तक में दिये गए हैं। इन स्वलिपियों को तैयार करने वाले भी प्रसिद्ध सङ्गीतज्ञ हैं अतः इनके शुद्ध होने में भी कोई सन्देह नहीं है। गाने हूबहू उसी तर्ज़ में स्वरलिपिबद्ध किए गए हैं, जिस तर्ज़ में कि वे उन फिल्मों में गाए गए हैं। ख़ास बात यह भी है कि स्वलिपियों की शैली सरल हैं जिन्हें साधारण सङ्गीत जानने वाला भी आसानी से निकाल सकता है। प्रस्तुत पुस्तक के सम्पादक एवं प्रकाशक महोदय श्रीयुत् प्रभूलाल जी गर्ग परम सङ्गीतानुरागी सङ्गीत सेवी एवं उत्साही सज्जन हैं। समय समय पर आप सङ्गीतानुरागियों के लाभार्थ ऐसी ही कृतियां जनता के समक्ष उपस्थित करते रहते हैं। इस पुस्तक से भी आशा ही नहीं हमें दृढ़ विश्वास है कि सङ्गीत प्रेमी सज्जनों को बहुत लाभ

होगा। यह उनकी मनोरंजन की सामिग्री ही नहीं प्रत्युत ज्ञान वृद्धि की वस्तु भी होगी। साधारण जनता से लेकर सङ्गीत विशारद सज्जन तक इस पुस्तक से लाभान्वित हुये बिना नहीं रहेंगे। ऐसी सुन्दर एवं उपादेय कृति को जनता के करों में पहुंचाने के लिए निःसन्देह प्रकाशक महोदय बधाई के पात्र हैं।

श्री० गर्ग जी से मुझे यह भी मालुम हुआ है कि इस पुस्तक के आगे के भाग भी छपते रहेंगे, जिनमें आगे आने वाले नये नये फिल्मीगीतों की मनोहर स्वलिपियां होंगी। आशा है जनता प्रकाशक महोदय के इस प्रयास को सफल बनाने के लिये प्रस्तुत पुस्तक को अपनाकर उनका उत्साह बढ़ायेगी।

श्री चतुर्वेदी भवन,
जयपुर।

'उमेश' चतुर्वेदी
साहित्यभूषण-कविरत्न

धन्यवाद!

"फिल्म सङ्गीत" के लिए जिन महानुभावों ने स्वरलिपियाँ भेजने की कृपा की है उनका मैं अत्यन्त आभारी हूँ और आशा करता हूं कि इसके अन्य भागों के लिये भी नये-नये फिल्म गीतों की स्वर-लिपियां भेजने की कृपा करेंगे।

इस पुस्तक में कुछ स्वरलिपिकारों के नाम संक्षेप में स्वरलिपियों के नीचे दिये गये हैं, उनके पूरे नाम इस प्रकार हैं:—

N. P. K. श्री निरंजन प्रसाद जी कौशल्य
D. I. S. प्रोफेसर दोस्त मोहम्मद इब्राहीम सिन्धी
S. N. G. श्रीयुत एस. एन. गोस्वामी
R. N. G. गोस्वामी रघुनन्दन जी तैलङ्ग
V. S. श्रीयुत विष्णु शर्मा

सम्पादक-

उपहार

श्री० ____________________

____

____

सादर समर्पित

____

विषय सूची — फ़िल्म-संगीत

७० स्वरलिपियां, पृष्ठ संख्या २०० मूल्य २) डा० ।=) सङ्गीत कार्यालय, हाथरस।

चिन्ह-परिचय

निम्न लिखित चिन्हों का प्रयोग इस पुस्तक में किया गया है। प्रत्येक पाठक के लिये इनका ध्यान पूर्वक अवलोकन कर लेना अत्यन्त आवश्यक है।

चिन्ह	विवरण
ग	जिस स्वर पर कोई चिन्ह न हो, वह मध्य सप्तक का शुद्ध स्वर है।
ग —	जिस स्वर के नीचे पड़ी रेखा हो, वह कोमल स्वर है।
म	कोमल मध्यम पर कोई चिन्ह न होगा क्योंकि वह शुद्ध स्वर माना गया है।
। म	तीव्र मध्यम इस प्रकार होगा। अन्य किसी भी तीव्र स्वर पर यह निशान न होगा क्योंकि मध्यम के सिवा सभी तीव्र स्वर शुद्ध माने गये हैं।
ध़	इस प्रकार नीचे बिन्दी वाले स्वर मन्द्र सप्तक के हैं।
सं	ऊपर बिंदी वाले स्वर उच्च (तार) सप्तक के हैं।
ग—	जिस स्वर के आगे ऐसी जितनी पड़ी लकीरें हों, उसे उतनी ही मात्रा तक और बजाइये जैसे ग — — यहां पर गन्धार के आगे २ मात्रा ठहरना होगा, किन्तु कहीं पर ग-- इस प्रकार लकीरें सटी हुई आवें वहां एक मात्रा काल में ही (गअअ) बजाकर पूरा करना होगा।
ऽ	गीत में जिन अक्षरों के आगे यह चिन्ह जितने हों, उसे उतनी ही मात्रा तक और गाइये, जैसे मे ऽ ऽ २ मात्रा बढ़ाकर 'मे' गाया जायगा, किन्तु कहीं मेऽऽ इस प्रकार मिले हुये (सटेहुये) अक्षर हों तो वहां १ मात्रा में ही (मेएए) बोला जायगा।
मप मपध	इस प्रकार २ या ३ स्वर मिले हुये (सटे हुये) हों वे एक मात्रा के समय में ही बजाये जांयगे।
⌒	यह चिन्ह स्वरों के ऊपर जहां आवे, वहां पर मींड़ देनी होगी।
× +	यह चिन्ह "सम" के हैं।
०	यह खाली ताल का चिन्ह है।
।	यह भरी ताल का चिन्ह है।
*	यह फूल जहां पर हो, वहां १ मात्रा काल के लिए चुप रहना होगा।

कृष्ण हरे कृष्ण हरे, कृष्ण हरे !

हिज़मास्टर्स रैकार्ड	**	ताल	**	गायक
प्रार्थना	**	दादरा और तिताला	**	ज़ोहरा और रामा

गोपीनाथ गोपाल, प्रीतम दीन दयाल।
प्रान प्यारे प्रान के अधार, कृष्ण हरे, कृष्ण हरे, कृष्ण हरे ॥

(अन्तरा)

धन-धन गोकुल, धन-धन मथुरा, धन धन-यमुना जहाँ थे गोपाल ॥
कृष्ण हरे, कृष्ण हरे, कृष्ण हरे.. ॥
कृष्ण मुरारी, बांके बिहारी, गोवर्धन गिरवर गिरधारी।
कहीं ग्वाल बने, कहीं बंशी बजाई, चक्र सुदर्शन तुमने धारा ॥
कृष्ण हरे, कृष्ण हरे ....॥
वोही मोरमुकट, वोही केश की लट, उसी यमुनाके तट पर हो नटखट।
मेरे प्यारे नटखट, मेरे प्यारे नटखट, मेरे प्यारे नटखट।
कुंज में मन के बसत बिहारी. लीलाधारी, सङ्कटहारी।
देवकीनन्दन, नन्दकेलाल! कृष्ण हरे, कृष्ण हरे................................॥

सिर्फ कन्सर्ट (ताल दादरा मात्रा ६)

+			ı			+			ı		
						प	–	–	–	–	पस
ग	–	–	स	*	सग	प	–	–	ग	*	रग
ध	–	न	प	–	–	ग	प	ध	न॒	ध	प
ग	स	ध़	प़	प़	–	–	–	–	–	–	–

अब गीत शुरू हुआ (ताल तिताला, १६ मात्रा)

+				२				०				३			
ग	–	–	–	र	–	–	–	ध़	स	र	ग	र	–	–	–
गो	ऽ	ऽ	ऽ	पी	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	थ	गो	पा	ऽ	ऽ	ल

ध़	स	र	ग	ग	र	स	र	ग	प	–	–	–	–	–	–
प्री	ऽ	त	म	दी	ऽ	न	द	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
ग	प	ध	न॒	ध	प	ग	र	ग प	–	–	–	–	–	–	–
प्रा	न	प्या	रे	प्रा	न	के	आ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
र	–	र	प़	र	–	–	–	स	ग	र	स	ऩ॒	ध़	–	–
कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ
ध़	ऩ॒	स	र	प़	–	–	–	र	–	र	प़	र	–	–	–
कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ
स	ग	र	स	ऩ॒	ध़	–	–	ध़	ऩ॒	स	र	प़	–	–	–
कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ
प़ध़	ऩ	ऩ	ध़	ध़ऩ	स	स	ऩ	ऩस	र	र	स	सर	ग	ग	–
धऽ	न	ध	न	गोऽ	ऽ	कु	ल	धऽ	न	ध	न	मऽ	थु	रा	ऽ
रग	म	म	ग	ग	म	प	–	ध	प	म	ग	प	–	–	–
धऽ	न	ध	न	य	मु	ना	ऽ	ज	हां	थे	गो	पा	ऽ	ऽ	ल
र	–	र	प़	र	–	–	–	स	ग	र	स	ऩ॒	ध़	–	–
कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ

ध़	ऩ	स	र	प़	-	-	-	र	-	र	प़	र	-	-	-
कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ
स	ग	र	स	ऩ	ध़	-	-	ध़	ऩ	स	र	प़	-	-	-
कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ

कन्सर्ट

र	-	र	प़	र	-	-	रर	स	गग	र	सस	ऩ	-	-	-
ध़	ऩ	स	र	प़	-	ध़	ऩ	प़	-	ध़	ऩ	प़	-	ध़	ऩ

गाना

र	ग	ग	ग	ग	-	ग	र	रग	म॑प	प	म॑	ग	म॑	र	-
कृ	ऽ	ष्ण	मु	रा	ऽ	री	ऽ	बाँऽ	ऽऽ	के	बि	हा	ऽ	री	ऽ
र	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	प	ग	म॑	ग	ध	प	म॑	प	-
गो	ऽ	व	र	ध	न	गि	र	व	र	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ
प़	-	प	म॑	म॑प	ध	ध	ध	ध	-	ध	न	धन	सं	सं	न
*	*	क	हीं	ग्वा	ऽ	ल	ब	ने	ऽ	क	हीं	बंऽ	ऽ	सी	ब
ध	न	प	-	प	म॑	प	ध	प	म	म	ग	र	ग	स	-
जा	ऽ	ई	ऽ	च	क	र	सु	द	र	श	न	तु	म	ने	ऽ
म	-	-	ग	प	-	-	-	र	-	र	प़	र	-	-	-
धा	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ

स	ग	र	स	न्	ध्	–	–	ध्	न्	स	र	प्	–	–	–
कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ

कन्सर्ट और गाना।

प	–	ग	प	–	र्	ग्	प्	–	–	ग	प	–	र्	ग्	प्
कोरनेट…………				क्लारनेट… … …				कोरनेट…………				क्लारनेट……………			
प	पध	म	मप	ग	गम	र	रग	स	सर	न्	न्स	ध्	धन्	प्	–
काष्ट तरंग बजेगी…				…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…
र्	ग्	प्	–	न्	स	र	–	न्	स	ग	–	–	–	न्	स
कोरनेट…………				क्लारनेट… … …				कोरनेट…………				…	…	वो	ही
र	–	ग	स	र	र	न्	स	र	ग	म	ग	र	र	र	ग
मो	ऽ	र	मु	कु	ट	वो	ही	के	ऽ	श	की	ल	ट	उ	सी
प	प	प	प	म	ग	म	म	र	ग	म	ग	र	र	न्	स
ज	म	ना	के	त	ट	प	र	हो	ऽ	न	ट	ख	ट	मो	रे
र	ग	म	ग	र	र	न्	स	र	ग	म	ग	र	–	रग	मप
प्या	रे	न	ट	ख	ट	मो	रे	प्या	रे	न	ट	ख	ट	ऽऽ	ऽऽ
ध	–	ध	प	न	–	न	ध	प	ध	म	म	रम	पध	प	–
कुं	ऽ	ज	में	म	न	के	ऽ	ब	स	त	बि	हाऽ	ऽऽ	री	;

प	ध	ध	–	धन	पध	ध	–	धन	सं	सं	न	ध	न	प	–
ली	ऽ	ला	ऽ	धाऽ	ऽऽ	री	ऽ	संऽ	ऽ	क	ट	हा	ऽ	री	ऽ
प	म॑	प	ध	प	म	म	ग	र	ग	स	स	म	–	–	ग
दे	ऽ	ब	की	नं	ऽ	द	न	नं	ऽ	द	के	ला	ऽ	ल	ऽ
प	–	–	–	र	–	र	प़	र	–	–	–	स	ग	र	स
ऽ	ऽ	ऽ	ल	कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	ह
ऩ	ध़	–	–	ध़	ऩ	स	र	प़	–	–	–	प़	–	ऩ	–
रे	ऽ	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ष्ण	ह	रे	ऽ	ऽ	ऽ	(काष्ठतरङ्ग बजेगी)			
–	प़प़	प़प़	प़प़	प़	–	ऩ	–	–	प़प़	प़प़	प़प़	प़	–	–	–

(१)—स्वरलिपि० श्री मदनलाल वायोलिन मास्टर

❀ ❀
❀

गोकुल से गये गिरधारी……!

न्यूथियेटर्स-फिल्म	✠ ✠	ताल कहरवा	✠ ✠	गायक
"विद्यापती"	✠ ✠	(मध्यलय)	✠ ✠	के. सी. डे.

> नोट-इसमें गद्य (बातें) और पद्य (गाना) दोनों ही हैं, अतः छोटे टाइप में गद्य हैं और बड़े टाइप में गाने के बोल हैं।

अनुराधा! ओ अनुराधा!! क्यूं री पगली, अरी इस तरह रोने से क्या होगा? अरी! तुम आंसू पोंछ रही हो? मगर मुझे हिचकियों की आवाज़ सुनाई देरही है। अच्छा सुनो, तुम्हें एक कहानी सुनाऊं-बहुत दिन हुये, एकबारः-

गोकुल से गये गिरधारी! हुई सूनी नगरी सारी!
जित देखो उत छाई उदासी, रोवत हैं नर-नारी॥ गोकुल०॥

गिरधारी तो गोकुल से चले गये! जो बृन्दावन वाले थे उनका क्या हाल हुआः-

नैंन न नींद न चैन जिया में, शोक हुआ अतिभारी!

और गोपियों की हालत तो और भी खराब थी! बेचारी कहती थींः—

कैसे जाऊं जमुना जल भरने, तट पै न आज मुरारी!

मगर सब से ज़्यादा दुख जानती हो किसे हुआ था? अनुराधा जैसी एक राधा थी, बेचारी-बेचारी रो-रो कर कहती थीः-

कान्ह-कान्ह हर आन रटत मन, भूलत नाँहि बिहारी।
कहे विद्यापति, मधुसूदन ने, राधे! राधे मनसे विसारी॥

स्वरलिपि☞

+				।				+				।			
														स	-
														गो	ऽ
र	र	म	म	प	-	न॒	सं	ध	-	प	-	-	-	प	ध
कु	ल	से	ग	ये	ऽ	गि	रि	धा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	हु	ई
-	ध	सं	सं	-	न॒न॒	न॒	-	ध	-	प	म	ग	र	स	-
ऽ	सू	ऽ	नी	ऽ	नग	री	ऽ	सा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	गो	ऽ

र	र	म	प	प	–	न̱	सं	ध	–	प	–	–	–	*	*
कु	ल	से	ग	ये	ऽ	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
म	म	म	–	म	–	म	म	*	ग	ग	ग	र	–	स	–
जि	त	दे	ऽ	खो	ऽ	उ	त	*	छा	ई	उ	दा	ऽ	सी	ऽ
*	ध़	स	स	र	–	म	प	म	–	र	–	–	–	प	–
*	रो	व	त	हैं	ऽ	न	र	ना	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	मम	म	–	म	–	म	म	*	ग	ग	ग	र	–	स	–
ऽ	जित	दे	ऽ	खो	ऽ	उ	त	*	छा	ई	उ	दा	ऽ	सी	ऽ
*	ध़	स	स	र	–	म	प	म	–	र	–	*	*	स	–
*	रो	व	त	हैं	ऽ	न	र	ना	ऽ	री	ऽ	*	*	गो	ऽ

कुल से गये गिरधारी (पहिली लाइन वाले स्वरों पर)

ध़	स	स	स	स	र	र	स	स	र	र	र	र	–	स	–
नै	ऽ	न	न	नीं	ऽ	द	न	चै	ऽ	न	जि	या	ऽ	में	ऽ
ग	–	ग	ग	ग	–	म	प	म	–	म	–	–	–	–	–
शो	ऽ	क	हु	आ	ऽ	अ	ति	भा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	प	प	प	–	प	प	प	म	–	म	म	ग̱	ग̱	र	–
कै	ऽ	से	जा	ऽ	ऊँ	ज	मु	ना	ऽ	ज	ल	भ	र	ने	ऽ

र	-	प	प	-	प	प	प	म	-	ग	-	-	*	प	प
कै	ऽ	से	जा	ऽ	ऊँ	ज	मु	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	ज	मु
म	-	म	म	ग	ग	र	-	र	प	प	प	-	प	प	प
ना	ऽ	ज	ल	भ	र	ने	ऽ	कै	ऽ	से	जा	ऽ	ऊँ	ज	मु
म	-	म	म	ग	ग	र	-	म	प	प	प	प	ध	न	सं
ना	ऽ	ज	ल	भ	र	ने	ऽ	त	ट	पै	न	आ	ऽ	ज	मु
न	ध	प	-	-	-	-	-	पध	न	न	न	-	न	न	न
रा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	काऽ	ऽ	न्ह	का	ऽ	न्ह	ह	र
पध	नसं	सं	सं	सं	सं	सं	सं	न	सं	न	न	ध	-	प	म
आऽ	ऽऽ	न	र	ट	त	म	न	भू	ऽ	ल	त	ना	ऽ	हिं	बि
प	-	प	-	प	ध	धन	सं	सं	न	न	न	ध	-	प	म
हा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	भू	ल	त	ना	ऽ	हिं	बि
प	-	प	-	-	*	*	*	*	*	सं	सं	सं	सं	-	-
हा	ऽ	री	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	क	हे	वि	द्या	ऽ	ऽ
सं	रं	-	-	-	-	-	-	-	-	*	*	*	*	सं	सं
प	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	म	धु

सरं	गमं	मं	मं	मं	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
सू ऽ	ऽऽ	द	न	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	मं	–	गं	–	रं	–	सं	–	*	*	ध	सं	सं	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	रा	ऽ	धे	ऽ
ध	सं	सं	–	रं	गं	मं	पं	मं	गं	रं	–	–	–	*	*
रा	ऽ	धे	ऽ	म	न	से	बि	सा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

2—N. P. K.

फूल सजन तुम मेरो मन भँवरा !

बौम्बे टाकीज फिल्म "भावी"	तीन ताल मात्रा १६	गायिका श्री० रेणुका देवी

फूल सजन तुम मेरो मन भँवरा !
मेरो मन भँवरा, मेरो मन भँवरा । फूल सजन.........॥
तुम साजन आकाश के चन्दा, मेरो मन साजन प्रेम चकोरा ।
प्रेम चकोरा, प्रेम चकोरा ।
तुम साजन खुशबू फूलन की, मेरो मन, साजन पवन झकोरा ।
पवन झकोरा, पवन झकोरा । फूल सजन...............॥

—स्थाई—

०				३				×				२			
प	न॒	ध	प	र	ग	म	प	म	ग	म	र	स	र	स	–
फू	ऽ	ल	स	ज	न	तु	म	मे	रो	म	न	भँ	व	रा	ऽ

*	सस	ग	र	र	ग	म	प	म	ग	म	र	स	र	स	-
*	मेरो	म	न	भँ	व	रा	ऽ	मे	रो	म	न	भँ	व	रा	ऽ

अन्तरा नं० १

स	स	ग	मग	प	प	*	प	र	ग	म	प	ग	म	ग	पस
तु	म	सा	ऽऽ	ज	न	*	आ	का	ऽ	श	के	चं	ऽ	दा	ऽऽ
स	स	ग	मग	प	प	*	प	र	ग	म	प	ग	म	ग	-
तु	म	सा	ऽऽ	ज	न	*	आ	का	ऽ	श	के	चं	ऽ	दा	ऽ
न	ध	प	प	र	ग	म	प	ग	म	र	र	स	र	स	-
मे	रो	म	न	सा	ऽ	ज	न	प्रे	ऽ	म	च	को	ऽ	रा	ऽ
*	स	ग	ग	र	ग	म	प	ग	म	र	र	स	र	स	-
*	प्रे	म	च	को	ऽ	रा	ऽ	प्रे	ऽ	म	च	को	ऽ	रा	ऽ

अन्तरा नं० २

स	स	ग	मग	प	प	*	पप	र	ग	म	प	ग	म	ग	मग
तु	म	सा	ऽऽ	ज	न	*	खुश	बू	ऽ	फू	ऽ	ल	न	की	ऽऽ

इसी प्रकार इसे दुबारा फिर कहिये

न	ध	प	प	र	ग	म	प	म	ग	म	र	स	र	स	-
मे	रो	म	न	सा	ऽ	ज	न	प	व	न	झ	को	ऽ	रा	ऽ
*	सस	ग	ग	र	ग	म	प	म	ग	म	र	स	र	स	-
*	पव	न		को	ऽ	रा	ऽ	प	व	न	झ	को	ऽ	रा	ऽ

सुनाऊँ किसको मनकी बात....?

फिल्म		तीन ताल		गायिका
'जम्बो'		(मात्रा १६)		श्री० सरलादेवी

सुनाऊं किसको मनकी बात ?
इत उत भटकत दिन बीतत हैं, तारे गिन गिन रात।
यह कठोर संसार हमारा, जिससे जङ्गल मन हर प्यारा ॥
भालू चीते शेर भेड़िये बसें यहां दिन रात ॥ सुनाऊं० ॥
झरना भी कल कल करता है, प्रेम जोश में वह बहता है ॥
तारों में इस चाँद को देखो, कैसी सुन्दर रात ॥ सुनाऊँ० ॥

अस्थाई

ग
सु

०				३				×				२			
र	मग	र	स	र	र	म	-	म	ध	पध	संन	ध	-	-	ग
ना	ऽऽ	ऊँ	ऽ	कि	स	को	ऽ	म	न	कीऽ	ऽऽ	बा	ऽ	त	सु
ध	ध	ध	ध	ध	ध	ध	न	धपम	मम	म	प	म	ग	र	स
इ	त	उ	त	भ	ट	क	त	ऽऽऽ	दिन	बी	ऽ	त	त	हैं	ऽ
र	-	-	म	म	ध	पध	संन	ध	प	-	-	-	-	-	*
ता	ऽ	ऽ	रे	गि	न	गिऽ	नऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	*
ध	ध	ध	ध	-	ध	ध	न	धपम	म	म	प	ग	-	र	स
य	ह	क	ठो	ऽ	र	सं	ऽ	ऽऽऽ	सा	र	ह	मा	ऽ	रा	ऽ

ध	ध	ध	–	ध	–	ध	न	पम	मम	म	प	ग	–	र	स
जि	स	से	ऽ	जं	ऽ	ग	ल	ऽऽ	मन	ह	र	प्या	ऽ	रा	ऽ
रं	–	–	रं	रं	–	रंगं	रंसं	सं	सं	सं	रं	न	न	सं	–
भा	ऽ	ऽ	लू	ची	ऽ	ऽते	ऽ	शे	ऽ	र	भे	ऽ	ड़ि	ये	ऽ
न	न	–	न	ध	म	प	ध	नसं	–	–	–	–	–	–	ग
ब	सें	ऽ	य	हां	ऽ	दि	न	राऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	सु

नाऊँ किसको मनकी बात……………………………………।

सं	सं	सं	–	न	–	ध	प	ध	न	धन	रं	सं	न	ध	–
झ	र	ना	ऽ	भी	ऽ	क	ल	क	ल	कऽ	र	ता	ऽ	है	ऽ
सं	सं	सं	सं	न	न	ध	प	ध	न	धन	रं	सं	न	ध	–
प्रे	ऽ	म	जो	ऽ	श	में	ऽ	व	ह	बऽ	ह	ता	ऽ	है	ऽ
रं	–	रं	–	रं	–	रं	गंरंसं	सं	–	सं	सं	न	–	सं	–
ता	ऽ	रों	ऽ	में	ऽ	इ	सऽऽ	चां	ऽ	द	को	दे	ऽ	खो	ऽ
न	–	न	–	ध	म	प	ध	नसं	–	–	–	–	–	–	ग
कै	ऽ	सी	ऽ	सु	ऽ	न्द	र	राऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	सु

नाऊँ किसको मनकी बात……… ……………………।

मोरे अँगना में आये आली······।

न्यू थियेटर्स फिल्म	卐 卐	ताल तीन	卐 卐	गायिका
"विद्यापति"	卐 卐	(मध्यलय)	卐 卐	श्री० कानन देवी

गीत

मोरे आँगना में आये आली ! मैं चाल चलूँ मतवाली।
जब आँचल हमरा पकड़ें, हम हँस-हँस उनसे झगड़ें।
चोली पै नजरिया जाये, मोरी चुनरी लिपट मोसे जाये।
वो और बढ़ें मोरे पैयां पड़ें, कहें मानों बात हमारी।
मैं आह भरूँ मुख फेर कहूं, नहीं मानूंगी बात तिहारी॥

(बैक ग्राउण्ड म्यूज़िक)

०				३				+				२			
प	म	–	म	ग	र	ग	र	स	–	–	प़	ऩ	स	ग	र
प	म	–	म	ग	र	ग	र	स	–	–	म	प	ध	सं	–
प	ध	सं	रं	गं	गं	सं	रं	–	न	सं	–	ध	न	–	प
प	ध	न	सं	–	न	ध	प	न	ध	प	म	ग	र	स	र
प	म	–	म	ग	र	ग	र	स	–	–	प़	ऩ	स	ग	र
प	म	–	म	ग	र	ग	र	स	–	–	–	–	–		

अब गाना शुरू हुआ	स	स
	मो	रे

–	र	म	म	प	ध	–	पध	सं	न	सं	–	–	–	पधसंरंगं	रंगं
ऽ	आं	ग	ना	में	आ	ऽ	येऽ	आ	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मैंऽऽऽऽ	ऽऽ

– रं सं न	नधपम – मध प	मग – र –	रग म गम प
ऽ चा ल च	लूंऽऽऽ ऽ मऽ त	वाऽ ऽ ली ऽ	ऽऽ ऽ ऽऽ ऽ
– र म म	प पध – पध	धसं – सं –	– – ध ध
ऽ आं ग ना	मैं आऽ ऽ येऽ	आऽ ऽ ली ऽ	ऽ ऽ ज य
– ध ध ध	– धन संन सं	ध न नध प	– – प प
ऽ आं च ल	ऽ हऽ मऽ रा	प क ड़ेंऽ ऽ	ऽ ऽ ह म
म प म प	म ध प म	र मग गर –	– – न –
हँ स हँ स	उ न से ऽ	झ गऽ ड़ेऽ ऽ	ऽ ऽ चो ऽ
न – न न	न न नध प	प ध पध नसं	सं – न सं
ली – पे न	ज रि याऽ ऽ	आ ऽ जाऽ ऽऽ	ये ऽ चो ऽ
ध न ध सं	न ध नध प	प ध पध नसं	सं – प प
ली ऽ पै न	ज रि याऽ ऽ	आ ऽ जाऽ ऽऽ	ये ऽ मो री
प ध न रं	सं सं न न	नध पध प संन	सं धसं नध प
चु न री लि	प ट मो से	जाऽ ऽऽ ये हांऽ	ऽ हांऽ ऽऽ ऽ
प ध न रं	सं सं न न	नध पध प –	नध पम गर स
चु न री लि	b ट मो से	जा ऽऽ ये ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ
– र म म	प ध – पध	सं न सं –	– – पधसरंगं रंगं
ऽ आं ग ना	मैं आ ऽ येऽ	आ ऽ ली ऽ	ऽ ऽ मैंऽऽऽऽ ऽऽ

-	रं	सं	न	नधपम	-	मध	प	मग	-	र	-	रग	म	गम	प
ऽ	चा	ल	च	लूऽऽऽ	ऽ	मऽ	त	वाऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ

-	र	म	म	प	ध	-	पध	धसं	-	सं	-	-	-		
ऽ	आं	ग	ना	में	आ	ऽ	येऽ	आऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ		

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक

स	ग	प	-	-	प	ग	स	स	ग	प	-	-	-	गम	पध
सं	पध	-म	प	गम	-र	स	ग	प	-	-	गम	गम	गप	गम	रग
स	ग	प	-	-	प	ग	स	स	ग	प	-	-	-	गम	पध
सं	पध	-म	प	गम	-र	स	ग	प	-	-	गम	गम	गप	गम	गर

तान और गाना

सर	गम	पध	नसं	संन	धप	मग	रस	संन	संरं	संन	सं	गप	मग	ग	प
हा	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	हाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वो

ग	म	ग	र	स	-	प	प	ग	म	ग	र	स	-	सस	-
औ	ऽ	र	ब	ढें	ऽ	मो	रे	पैं	ऽ	या	प	ड़ूं	ऽ	कहें	ऽ

-	र	म	म	प	ध	न	सं	नध	-	प	-	-	-	न	-
ऽ	मा	ऽ	नो	बा	ऽ	त	ह	माऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ

-	न	न	न	न	-	सं	रं	ध	सं	न	ध	प	-	न	-
ऽ	आ	ह	भ	रूं	ऽ	मु	ख	फे	ऽ	र	क	हूं	ऽ	मैं	ऽ

–	न	न	न	न	–	सं	रं	ध	सं	न	ध	पन	धप	धम	म
ऽ	आ	ह	भ	रू	ऽ	मु	ख	फे	ऽ	र	क	हूँ	ऽऽ	नऽ	हिं
–	म	मप	प	प	ध	न	सं	नध	–	प	–	न	-धप	सं	सं
ऽ	मा	नूंऽ	गी	बा	ऽ	त	ति	हाऽ	ऽ	री	ऽ	हां	ऽऽ	न	हिं
–	सं	सं	सं	नसं	–	सं	न	धन	न	–	प	पध	प	धप	म
ऽ	मा	नूं	गी	बाऽ	ऽ	त	ति	हाऽ	री	ऽ	ति	हाऽ	री	नऽ	हिं
–	प	प	प	प	ध	न	सं	नध	–	प	–	रं	–	–	–
ऽ	मा	नूं	गी	बा	ऽ	त	ति	हाऽ	ऽ	री	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सं	सं	–	सं	सं	सं	सं	–	रं	गं	रंसं	सं	–	न
ऽ	ऽ	न	हिं	ऽ	मा	नूं	गी	बा	ऽ	त	ति	हाऽ	री	ऽ	ति
धन	न	धप	म	–	प	प	प	प	ध	न	सं	नध	–	प	–
हा	री	न	हिं	ऽ	मा	नूं	गी	बा	ऽ	त	ति	हाऽ	ऽ	री	ऽ
नध	पम	गर	स	–	र	म	म	प	प	–	पध	सं	न	सं	–
ऽऽ	ऽऽ	मो	रे	ऽ	आं	ग	ना	में	आ	ऽ	येऽ	आ	ऽ	ली	ऽ
–	–	पधसंरंगं	–	–	रं	सं	न	नधपम	–	मध	प	मग	–	र	–
ऽ	ऽ	मैंऽऽऽऽ	ऽ	ऽ	चा	ल	च	लूँऽऽऽ	ऽ	मऽ	त	वाऽ	ऽ	ली	ऽ
रग	म	गम	प	–	र	म	म	प	पध	–	पध	सं	–	सं	–
ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	आं	ग	ना	में	आऽ	ऽ	येऽ	आ	ऽ	ली	ऽ

–	–	पध	संरंगं	–	रं	सं	न	नधपम	–	मध	प	मग	–	गर	ग
ऽ	ऽ	मैंऽ	ऽऽऽ	ऽ	चा	ल	च	लूंऽऽऽ	ऽ	मऽ	त	वाऽ	ऽ	लीऽ	ऽ
रग	म	गम	प	–	र	म	म	प	पध	–	पध	सं	न	सं	–
ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	आं	ग	ना	में	आऽ	ऽ	येऽ	आ	ऽ	ली	ऽ
–	–	–	–	सं	–	ध	–	सं	–						
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ						

5—D. I. S.

भला करे भगवान तिहारा....!

मिनर्वा फिल्म	ताल	गायिका
"जेलर"	कहरवा	"शीला"

भला करे भगवान तिहारा।
झोली मेरी भरते जाओ, दया दयालू करते जाओ,
अन्धी को है भीख सहारा। भला ....॥
मांगे तुमरी ख़ैर भिखारन, सुखमें बीते तुमरा जीवन,
तुम बिन जगमें कौन हमारा? भला .... ॥

+				।				+				।			
र	म	–	म	प	–	ध	म	प	–	प	सं	संन	धप	मग	रस
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ति	हाऽ	ऽऽ	राऽ	ऽऽ
र	म	–	म	प	–	ध	म	प	–	प	❀	❀	❀	❀	❀
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	❀	❀	❀	❀	❀

प	ध	ध	सं	सं	-	सं	-	रं	रं	रं	गं	रं	-	सं	-
भो	ऽ	ली	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ	भ	र	ते	ऽ	जा	ऽ	ओ	ऽ
न	न	-	न	न	-	न	-	ध	ध	ध	न	ध	-	प	सं
द	या	ऽ	द	या	ऽ	लू	ऽ	क	र	ते	ऽ	जा	ऽ	ओ	ऽ
सं	सं	न	न	न	-	न	-	ध	ध	ध	न	ध	-	प	-
द	या	ऽ	द	या	ऽ	लू	ऽ	क	र	ते	ऽ	जा	ऽ	ओ	ऽ
प	ध	ध	सं	सं	-	सं	-	संरं	गं	रं	सं	न	-	न	-
अं	ऽ	धी	ऽ	की	ऽ	है	ऽ	भीऽ	ऽ	ख	स	हा	ऽ	रा	ऽ
प	ध	-	ध	प	-	म	म	ग	-	-	म	ग	र	स	-
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वान्	ऽ	ऽ	ति	हा	ऽ	रा	ऽ
र	म	-	म	प	-	ध	ध	ध	रं	रं	सं	न	ध	प	म
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न	ति	हा	ऽ	रा	ऽ
म	र	म	म	प	-	ध	ध	ध	रं	रं	सं	न	ध	प	म
ऽ	भ	ला	क	रे	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ति	हा	ऽ	रा	ऽ
प	न	न	न	ध	-	ध	ध	ध	प	प	म	म	ध	प	-
ऽ	भ	ला	क	रे	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ति	हा	ऽ	रा	ऽ
न	न	न	न	ध	-	ध	ध	ध	प	प	म	म	ध	प	-
ऽ	भ	ला	क	रे	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ति	हा	ऽ	रा	ऽ

स	म	म	-	म	म	म	-	ग	-	ग	ग	र	-	स	स
मां	ऽ	गे	ऽ	तु	म	री	ऽ	खै	ऽ	र	भि	खा	ऽ	र	न
ध	ध	ध	-	ध	-	धप	म	म	म	प	-	मग	रस	स	स
सु	ख	में	ऽ	बी	ऽ	तेऽ	ऽ	तु	म	रा	ऽ	जीऽ	ऽऽ	व	न
प	ध	न	सं	सं	सं	सं	-	संरं	गं	रं	मं	गं	रं	सं	-
तु	म	बि	न	ज	ग	में	ऽ	कौऽ	ऽ	न	ह	मा	ऽ	रा	ऽ
न	न	-	न	न	-	न	न	ध	-	-	प	म	ग	र	स
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वान्	ऽ	ऽ	ति	हा	ऽ	रा	ऽ
र	न	-	न	न	-	न	न	ध	-	-	प	म	ग	र	स
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वान्	ऽ	ऽ	ति	हा	ऽ	रा	ऽ
र	म	-	म	प	-	ध	म	प	-	प	सं	ध	प	म	रस
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	*	*	*	*	*
र	म	-	म	प	-	ध	म	प	-	प	सं	संन	धप	मग	रस
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	*	*	*	*	*
र	म	-	म	प	-	ध	म	प	-	प	सर	गम	पध	नसं	रं
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न	*	*	*	*	*
रं	-	रं	-	रं	-	रं	-	रं	रं	रं	गं	रं	-	सं	-
झो	ऽ	ली	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ	भ	र	ते	ऽ	जा	ऽ	ओ	ऽ

ध	रं	रं	-	रं	-	रं	-	रं	रं	रं	गं॒	रं	-	सं	-
झो	ऽ	ली	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ	भ	र	ते	ऽ	जा	ऽ	ओ	ऽ
ध	ध	-	सं	सं	-	सं	-	सं	रं	सं	-	न॒	-	ध	-
द	या	ऽ	द	या	ऽ	लू	ऽ	क	र	ते	ऽ	जा	ऽ	ओ	ऽ
प	ध	ध	सं	सं	-	सं	-	सरं	गं	रं	मं	गं	रं	सं	-
अं	ऽ	धी	ऽ	की	ऽ	है	ऽ	भीऽ	ऽ	ख	स	हा	ऽ	रा	ऽ
न॒	न॒	-	न॒	न॒	-	न॒	न॒	ध	-	-	प	म	ग	र	स
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वान्	ऽ	ऽ	ति	हा	ऽ	रा	ऽ
र	न॒	-	न॒	न॒	-	न॒	न॒	ध	-	-	प	म	ग	र	स
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वान्	ऽ	ऽ	ति	हा	ऽ	रा	ऽ
र	म	-	म	प	-	ध	म	प	-	प	सं	संन॒	धप	मग	रस
भ	ला	ऽ	क	रे	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ति	हाऽ	ऽऽ	राऽ	ऽऽ

देहली रैडियो स्टेशन से बच्चों के प्रोग्राम में गाया जाने वाला गाना

राष्ट्रीय गीत

"हिंदोस्तां हमारा"

(ताल कहरवा)

स्वरलिपिकर्ता श्री० चंद्रकलादेवी भट्ट म्यूज़िक मिस्ट्रैस

स्थायी—सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा।
हम बुल्बुलें हैं इसकी ये गुल सितां हमारा॥
अन्तरा-पर्वत वो सबसे ऊँचा, हम साया आसमांका।
वो सन्तरी हमारा, वो बाग़बां हमारा॥
,, २-गोदी में खेलती हैं जिसकी हज़ारों नदियां।
गुलशन है जिन्के दम से, रश्के जहां हमारा॥
,, ३-मज़हब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना।
हिन्दी हैं हम वतन है, हिन्दोस्तां हमारा॥

स्थाई ☞

														ऩ	स
														सा	ऽ
+				।				+				।			
प	-	-	-	प	प	-	ध	म	प	म	ध	प	म	ग	र
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ज	हां	ऽ	से	अ	ऽ	ऽ	ऽ	च्छा	ऽ	हिं	ऽ
ग	-	-	-	स	गम	प	म	ग	र	स	-	स	र	न	स
दो	ऽ	ऽ	ऽ	स	तांऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ह	म
प	-	-	-	प	प	-	ध	म	प	म	ध	प	म	ग	र
बुल	ऽ	ऽ	ऽ	बु	लें	ऽ	हैं	इ	ऽ	ऽ	ऽ	स्की	ऽ	ये	ऽ
ग	-	-	-	स	गम	प	म	ग	र	स	-	स	-		
गुल	ऽ	ऽ	ऽ	सि	तांऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ		

अन्तरा															
														प	ध
														प	र
सं	–	–	सं	न	संरंगं	–	रं	न	ध	न	–	–	–	न	सं
व	ऽ	ऽ	त	वो	सऽऽ	ब	से	ऊँ	ऽ	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ह	म
प	ध	प	ध	म	मप	धन	धन	प	ध	प	–	प	प	न	स
सा	ऽ	ऽ	ऽ	या	आऽ	ऽऽ	सऽ	मां	ऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	व	ह
प	–	–	–	प	ध	प	ध	म	प	म	ध	प	म	ग	र
सं	ऽ	ऽ	ऽ	त	री	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	व	ह
ग	–	–	–	स	गम	प	म	ग	र	स	–	स	र		
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ग़	बांऽ	ऽ	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ		

नोटः—शेष अन्तरानुसार। यह गायन भैरवी रागिनी में है। भैरवी में मुख्यतः सब स्वर कोमल होते हैं, परन्तु कुशल गायक माधुर्य्य वृद्धि के लिये प्रायः कहीं कहीं शुद्ध स्वरों का भी किञ्चित मात्र प्रयोग कर लिया करते हैं। उपरोक्त गायन हूबहू वैसा ही रखने की कोशिश की गई है। इसमें रिं, और ध कहीं कहीं शुद्ध भी प्रयुक्त हुये हैं।

—C. D. Bhatt

ओ जादूगर मतवाले....!

सागर–फिल्म		ताल		गायक
"डायना माइट"		कहरवा		बिब्बो और सुरेन्द्र

ओ जादूगर मत वाले ! ये कैसे रङ्ग निराले ?
प्रेम समाधी ले बैठा क्यूँ ? बोले ना चाले ॥ ओ...... ...॥
नाच रही है विश्व मोहनी, माया फन्दा डाले ।
दुनियाँ के इस इन्द्र जाल से, हे जगदीश बचाले ॥ ओ ...... ॥

प	–
ओ	ऽ

स्वरलिपि

+				+				+				+			
*	गम	पध	प	ग	ग	ऩ	स	ऩस	रग	र	–	ऩस	रग	र	–स
*	जा	ऽऽ	दू	ग	र	म	त	वाऽ	ऽऽ	ले	ऽ	*	*	*	*ये
सर	ग	ग	र	ग	म	प	प	ग	प	म	–	रग	रग	प	–
कैऽ	ऽ	से	ऽ	रं	ऽ	ग	नि	रा	ऽ	ले	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ओ	ऽ
*	गम	पध	प	ग	ग	ऩ	स	ऩस	रग	र	–	सर	मप	धप	ध
*	जाऽ	ऽऽ	दू	ग	र	म	त	वाऽ	ऽऽ	ले	ऽ	*	*	*	*
*	ध	ध	ध	प	ध	म	–	र	म	म	प	मप	धन	ध	–
*	प्रे	म	स	मा	ऽ	धी	ऽ	ले	ऽ	बै	ऽ	ठाऽ	ऽऽ	क्यूं	ऽ
ध	ध	न	ध	प	ध	म	–र	सर	मप	रम	पध	गर	गर	प	–
ऽ	ना	ऽ	बो	ले	ऽ	ना	ऽऽ	चाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	लेऽ	ऽऽ	ओ	ऽ

जादूगर मतवाले...................... ....।

*	न	न	न	पध	मप	ग	-	रग	म	ग	र	न	र	स	-
*	ना	च	र	हीऽ	ऽऽ	है	ऽ	विऽ	ऽ	श्व	मो	ऽ	ह	नी	ऽ
स	म	म	ग	म	प	मप	ध	प	-	म	-	ग	म	प	ध
मा	ऽ	या	ऽ	फं	ऽ	दाऽ	ऽ	डा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	न	न	पध	मप	ग	-	रग	म	ग	र	न	र	स	-
*	ना	च	र	हीऽ	ऽऽ	है	ऽ	विऽ	ऽ	श्व	मो	ऽ	ह	नी	ऽ
स	म	म	ग	म	प	मप	ध	प	-	म	-	ग	-	-	-
मा	ऽ	या	ऽ	फं	ऽ	दाऽ	ऽ	डा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	न	न	-	न	-	प	ध	न	-	सं	रं	न	न	सं	-
दु	नि	यां	ऽ	के	ऽ	इ	स	इ	ऽ	न्द्र	जा	ऽ	ल	से	ऽ
प	रं	रं	रं	सं	-	न	न	पध	पध	न	-	प	ध	न	-
हे	ऽ	ज	ग	दी	ऽ	श	ब	चाऽ	ऽऽ	ले	ऽ	*	*	*	*
मप	ध	ध	ध	प	-	म	म	र	-	म	-	र	ग	म	-
हेऽ	ऽ	ज	ग	दी	ऽ	श	ब	चा	ऽ	ले	ऽ	*	*	*	*
प	रं	रं	रं	सं	-	न	न	पध	पध	न	-	प	ध	न	-
हे	ऽ	ज	ग	दी	ऽ	श	ब	चाऽ	ऽऽ	ले	ऽ	*	*	*	*
मप	ध	ध	ध	प	-	म	म	र	-	म	-	र	ग	म	प
हेऽ	ऽ	ज	ग	दी	ऽ	श	ब	चा	ऽ	ले	ऽ	*	*	*	ओ

- गम पध प	ग॒ ग॒ न॒ स	न॒स रग॒ र -	न॒स रग॒ र -स
ऽ जाऽ ऽऽ दू	ग र म त	वाऽ ऽऽ ले ऽ	* * * *ये

कैसे रङ्ग निराले……………………।

8—N. P. K.

बन तितली बन तितली……!

बौम्बे टाकीज	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
फिल्म "भावी"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	"मीरा"

बन तितली, बन तितली।
मैं फूल-फूल पर जाती, रसपाती उड़जाती।
बन तितली……………………।
एक फूल से बात बनाती, दूजे को रङ्ग रूप दिखाती॥
दोनों से रस पाती, उड़जाती। बन तितली…………॥
तीजे से मैं आंख मिलाती, चौथे से मैं आंख छुपाती।
दोनों से रस पाती उड़जाती। बन तितली…………॥
एक दो तीन चार पांचछै सात आठ, सबको पढ़ाती एकही पाठ।
मुसकाती, मन भाती रस पाती, उड़जाती,
बन तितली……………………॥

			स स
			ब न
×	।	×	।
ग र ग म	ग र स स	ग र ग -	- - स -
ति त ली ऽ	ऽ ऽ ब न	ति त ली ऽ	ऽ ऽ मैं ऽ

र	ग	र	र	ग	र	ग	प	ग	र	स	ऩ	ध़	प़	स	स
फू	ऽ	ल	फू	ऽ	ल	प	र	जा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	र	स
ग	र	ग	–	–	–	प	प	प	–	प	र	–	–	स	स
पा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	उ	ड़	जा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न
ग	र	ग	म	ग	र	स	स	ग	र	ग	–	–	–	–	–
ति	त	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न	ति	त	ली	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ग	प	प	प	–	प	प	–	म॑	प	प	प	म॑	–	ग	–
ए	ऽ	क	फू	ऽ	ल	से	ऽ	बा	ऽ	त	ब	ना	ऽ	ती	ऽ
स	र	स	र	ग	–	ग	ग	र	ग	र	म	ग	र	स	–
दू	ऽ	जे	ऽ	को	ऽ	रं	ग	रू	ऽ	प	दि	खा	ऽ	ती	ऽ
*	स	ध़	स	र	–	ग	प	ग	र	स	ऩ	ध़	प़	प	प
*	दो	नों	ऽ	से	ऽ	र	स	पा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	उ	ड़
प	–	प	र	–	–	स	स	ग	र	ग	म	ग	र	स	स
जा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न	ति	त	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न
ग	र	ग	–	–	–	–	–	स	ऩ	ध़	प़	ध़	ऩ	स	ग
ति	त	ली	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	ती	ऽ	जे	ऽ	से	ऽ	मैं	ऽ
ग	–	ग	ग	ग	र	ग	–	स	ऩ	ध़	प़	ध़	ऩ	स	ग
आं	ऽ	ख	मि	ला	ऽ	ती	ऽ	चौ	ऽ	थे	ऽ	से	ऽ	मैं	ऽ

ध	प	प	प	म॑	प	प	–	*	स	ध़	स	र	–	ग	प
आं	ऽ	ख	छु	पा	ऽ	ती	ऽ	*	दो	नों	ऽ	से	ऽ	र	स
ग	र	स	ऩ	ध़	प़	प	प	प	–	प	र	–	–	स	स
पा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	उ	ड़	जा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न
ग	र	ग	म	ग	र	स	स	ग	र	ग	–	–	–	–	–
ति	त	ली	ऽ	ऽ	ब	ऽ	न	ति	त	ली	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
न	ध	प	म॑	ध	प	म॑	ग	न	ध	प	न	ध	–	प	–
एक	दो	तीन	चार	पांच	छै	सात	आठ	स	ब	को	प	ढ़ा	ऽ	ती	ऽ
ध	प	न	ध	प	–	म॑	ग	प	म॑	ग	प	म॑	ग	र	स
ए	ऽ	क	ही	पाठ	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*	मु	स
ग	र	म॑	ग	प	म॑	ध	प	न	ध	सं	न	रं	सं	न	ध
का	ऽ	ती	ऽ	*	*	म	न	भा	ऽ	ती	ऽ	*	*	र	स
प	म॑	प	ग	ध	प	प	प	गम॑	प	म॑	र	–	–	स	स
पा	ऽ	ती	ऽ	*	*	उ	ड़	जाऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न
ग	र	ग	म	ग	र	स	स	ग	र	ग	–	–	–	–	–
ति	त	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न	ति	त	ली	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

आये सजनी शुभ दिन आये.... !

न्यू थियेटर्स फिलम	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"मंजिल"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	हरीमती

आये सजनी शुभ दिन आये ।
सबकी बिगड़ी राम बनाये ॥
देख-देख के मन ललचाये, आँख मिली दिल भी मिल जाये ।
मोह का रसिया रस बरसाये, जलती अगनी मार बुझाये ॥
शगूने नेक नहीं है हँसी में रो देना ।
न अपनी नाव कहीं आप ही डुबो देना ॥
सदा बहार बने यह तुम्हारा राज सुहाग ।
जो सुख-दुखों से मिला है वो फिर न खो देना ॥
यह रोग वह है जो सिसका के जान लेता है ।
उसी की जीत है जो हार मान लेता है ॥ आये सजनी......॥

स्थायी

		सं	सं
		आ	ये

+				।				+				।			
सं	सं	सं	-	सं	सं	सं	सं	पन	संरं	रं	रं	सं	प	सं	सं
स	ज	नी	ऽ	शु	भ	दि	न	आऽ	ऽऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	आ	ये
सं	सं	सं	-	सं	सं	सं	सं	पन	संरं	रं	सं	प	ग	ग	ग
स	ज	नी	ऽ	शु	भ	दि	न	आऽ	ऽऽ	ऽ	ये	ऽ	स	ब	की
ग	म	गम	पन	प	ग	र	ग	स	र	ऩ	स	-	-	सं	सं
बि	ग	ड़ीऽ	ऽऽ	ऽ	रा	म	ब	ना	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ये

—अन्तरा—

ग	-	ग	ग	-	ग	ग	-	र	ग	र	म	ग	र	स	-
दे	ऽ	ख	दे	ऽ	ख	के	ऽ	म	न	ल	ल	चा	ऽ	ये	ऽ
सं	-	सं	सं	सं	-	सं	सं	पन	संरं	रं	सं	न	ध	प	-
आँ	ऽ	ख	मि	ली	ऽ	दि	ल	भीऽ	ऽऽ	मि	ल	जा	ऽ	ये	ऽ
गं	-	गं	गं	गं	गं	गं	-	सं	गं	मं	पं	गं	रं	सं	-
मो	ऽ	ह	का	र	लि	या	ऽ	र	स	ब	र	सा	ऽ	ये	ऽ
गं	गं	गं	-	सं	सं	न	-	प	-	प	म	गम	पन	प	-
ज	ल	ती	ऽ	अ	ग	नी	ऽ	मा	ऽ	र	बु	झाऽ	ऽऽ	ये	ऽ
गं	गं	गं	-	सं	सं	न	-	प	-	प	म	गम	पन	सं	सं
ज	ल	ती	ऽ	अ	ग	नी	ऽ	मा	ऽ	र	बु	झाऽ	येऽ	आ	ये

यहां से ताल दादरा मात्रा ६

									न	न	-न
									श	गू	ऽने
+			०			+			०		
न	-	न	न	न	नध	प	ध	ध	ध	-	म
ने	ऽ	क	न	हीं	ऽऽ	है	ऽ	हूँ	सी	ऽ	में
प	न	ध	प	प	-	-	-	प	प	-प	प
रो	ऽ	दे	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	न	अ	ऽप	नी
प	ध	प	म	प	म	ग	म	ग	र	स	न
ना	ऽ	व	क	हीं	ऽ	आ	ऽ	प	ही	ऽ	डु

स	ग	र	स	स	–	–	–	ग	ग	–	म
बो	ऽ	दे	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	स	दा	ऽ	ब
प	–	प	न	न	–	प	प	न	न	–	न
हा	ऽ	र	र	हे	ऽ	य	ह	तु	म्हा	ऽ	रा
सं	–	न	रं	सं	–	–	सं	गं	गं	गं	रं
रा	ऽ	ज	सु	हा	ऽ	ऽ	ग	जो	सु	ख	दु
सं	रं	सं	न	न	–	प	ध	प	म	प	म
खों	ऽ	से	मि	ला	ऽ	है	ऽ	वो	फि	र	न
ग	म	ग	म	प	–	–	–	गं	गं	गं	गं
खो	ऽ	दे	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ये	रो	ऽ	ग
गं	गं	गं	गं	गं	रं	सं	रं	रं	सं	न	न
व	ह	है	जो	सि	स	का	ऽ	के	जा	ऽ	न
संरं	गंमंगं	रं	सं	सं	–	–	–	गं	गं	–	रं
लेऽ	ऽऽऽ	ता	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	उ	सी	ऽ	की
सं	रं	सं	न	न	–	प	ध	प	म	प	म
जी	ऽ	त	है	जो	ऽ	हा	ऽ	र	मा	ऽ	न
ग	म	प	प	न	सं	–	–	गं	गं	गं	रं
ले	ऽ	ता	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	उ	सी	ऽ	की

सं	रं	सं	न	न	–	प	ध	प	म	प	म
जी	ऽ	त	है	जो	ऽ	हा	ऽ	र	मा	ऽ	न

ग	म	ग	र	स	–	–	–
ले	ऽ	ता	ऽ	है	ऽ		ऽ

10—S. N. G.

मन साफ़ तेरा है या नहीं.........?

प्रभात फिल्म	ताल	गायक
"दुनियां न माने"	कहरवा	परसराम

मन साफ़ तेरा है या नहीं? पूछले जी से।
फिर जो कुछ भी करना है तुझे कर वो खुशीसे-
—घबरा न किसी से।
शर्बत के जो धोखे में तुझे ज़हर पिलाये,
रोने प जो हँसता रहे, हँस-हँस के रुलाये।
लेजाना जो चाहे तुझे कांटों की गली से-फिर जो० ॥
तू लोगों की आंखों में बला हो तो बला हो ॥
अच्छी वो बुराई है जो दुनियां का भला हो।
कटता है,गला तेरा अगर कुन्द छुरी से-फिर जो० ॥
जिस काम से तू ज़िन्दा सुबह शाम रहेगा,
कर तू तो वही तेरा सदा नाम रहेगा।
सच्चे नहीं डरते हैं ज़माने में किसी से-फिर जो० ॥

+		o			×		o			×		o				
*	ऽ	ऽ	ऽ	म	न	सा	ऽ	फ़	ते	रा	ऽ	है	ऽ	या	न	हीं	ऽ
*	–	–	–	स	–	प	–	प	प	प	–	प	–	प	प	प	–

पू ऽ छ ले जी से	से ऽ ऽ ऽ हां ऽ	पू ऽ छ ले जी ऽ
प - म प प ध	ध - - - म -	ग - स र र ग
से ऽ ऽ ऽ हां ऽ	पू ऽ छ ले जी ऽ	से ऽ ऽ ऽ म न
र - - - र -	र - स र ग -	स - - - स -
सा ऽ फ ते रा ऽ	है ऽ या न हीं ऽ	पू ऽ छ ले जी ऽ
प - प प प -	प - म ध प -	प - म प प ध
से ऽ ऽ ऽ फि र	जो ऽ कुछ भी क र	ना ऽ है तु झे ऽ
ध - - - म प	ध - प म म म	ग - र र र -
क र वो खु शी ऽ	से ऽ ऽ ऽ घ ब	रा ऽ न कि सी ऽ
र - स र ग -	र - - - र र	र - स र ग -
से ऽ ऽ ऽ म न	सा ऽ फ ते रा ऽ	है ऽ या न हीं ऽ
स - - - ऩ -	ऩ - ऩ स र -	स - ऩ ध़ प़ -
पू ऽ छ ले जी ऽ	से ऽ ऽ ऽ फि र	जो ऽ कुछ भी क र
प - म प प ध	ध - - - म प	ध - प म म म
ना ऽ है तु झे ऽ	क र वो खु शी ऽ	से ऽ ऽ ऽ घ ब
ग - र र र -	र - स र ग -	स - - - र र
रा ऽ न कि सी ऽ	से ऽ ऽ ऽ ऽ मन	
र - स र ग -	स - - - - स	

ठेका कहरवा (बाजा बजेगा)

प	-प	प	स	प	-प	प	स	प	म	प	ध	पध	नध	म	प
प	म	प	ध	पध	नध	म	प	पध	धप	मप	पम	गम	मग	र	र
र	स	र	ग	र	–	–	र	र	स	सग	रग	स	–	–	स

ऊपर वाली गत २ बार बजाइये।

फिर ठेका दादरा	ए	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	शर
	गम	पध	नसं	ध	सं	–	–	ग–

+			०			+			०			+			०		
बत	ऽ	के	जो	धो	ऽ	खे	ऽ	में	तु	झे	ऽ	ज़	ह	र	पि	ला	ऽ
ग	–	ग	प	ध	–	सं	–	सं	सं	सं	–	न	–	न	ध	ध	न
ये	ऽ	ऽ	ऽ	शर	ऽ	बत	ऽ	के	जो	धो	ऽ	खे	ऽ	में	तु	झे	ऽ
प	–	–	–	ग	–	ग	–	ग	प	ध	–	रं	–	सं	सं	सं	–
ज़	ह	र	पि	ला	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	रो	ऽ	ने	ऽ	पे	जो	हँ	स
न	न	प	ध	ध	न	प	–	–	–	ग	–	ग	–	ग	प	ध	–
ता	ऽ	र	हे	हँ	स	हँ	स	के	रु	ला	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ले	ऽ
सं	–	सं	सं	सं	–	न	–	प	ध	ध	न	प	–	–	–	स	–
जा	ऽ	ना	जो	चा	ऽ	हे	ऽ	तु	झे	कां	ऽ	टों	ऽ	की	ग	ली	ऽ
प	–	प	प	प	–	प	–	प	प	प	–	प	–	म	प	ध	–

से	ऽ	ऽ	ऽ	फि	र	जो कुछ भी करना है तुझे करले खुशी से, घबरा······
प	ध	–	–	म	प	

इसके बाद ये लाइनें ++++ इस प्रकार बजाओ:—
तू लोगों की आंखों में············शर्बत के जो धोखे में
अच्छी वो बुराई है··············शर्बत के जो धोखे में
कटता है गला तेरा··············ले जाना जो चाहे

×						×						×					
			०						०						०		
																जि	स
																ग	–
का	ऽ	म	से	तू	ऽ	ज़ि	न्दा	ऽ	सु	ब	ह	शा	ऽ	म	र	हे	ऽ
ग	–	ग	प	ध	–	सं	सं	–	सं	सं	–	ग	–	प	ध	ध	न
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	जिस	का	ऽ	म	से	तू	ऽ
प	–	–	–	–	–	न॒	धप	मग	मप	––	ग	ग	–	ग	प	ध	–
ज़ि	न्दा	ऽ	सु	ब	ह	शा	ऽ	म	र	हे	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	क	र
सं	सं	–	सं	सं	–	न	–	प	ध	ध	न	प	–	–	–	ग	–
तू	ऽ	तो	न	हीं	ऽ	ते	रा	ऽ	स	दा	ऽ	ना	ऽ	म	र	हे	ऽ
ग	–	ग	प	ध	–	सं	सं	–	सं	सं	–	न	–	प	ध	ध	न
गा	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	च्चे	ऽ	न	हीं	ड	र	ते	ऽ	हैं	ज़	मा	ऽ
प	–	–	–	न॒	–	न॒	–	न॒	न॒	न॒	–	न॒	–	न॒	न॒	न॒	–
ने	ऽ	में	कि	सी	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ	फि	र	जो कुछभी करना है तुझे					
ध	–	प	म	प	ध	ध	–	–	–	म	प						

	मन
(ठेका कहरवा द्रुतलय)	सा

साऽ	फ़	ते	रा	है	ऽया	न	हीं	पू	ऽछ	लेऽ	जीऽ	से	ऽ	ऽ	हां
प-	प	प	स	प	-प	प	म	प	-म	मप	धन	ध	-	-	प
पू	ऽछ	लेऽ	जी	से	ऽ	ऽ	अरे	पू	छ	ले	जीऽ	से	ऽ	ऽ	फिर
प	-म	मप	धन	ध	-	-	प-	प	-म	मप	धन	ध	-	-	मप

जो कुछ भी करना हो तुझे कर························ ·· ···।

गाती हूँ मुझको गाना है····!

रणजीत मोवीटोन	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"गोरख आया"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	राजकुमारी, बनारस

—गाना—

गाती हूँ मुझको गाना है, गाना तो एक बहाना है ।
दिल का दर्द मिटाना है । गाती ·························॥
इस गाने में क्या दर्द भरा, कोई जाने क्या कोई माने क्या,
प्रेम की आग लगी है दिल में, उसको आज बुझाना है ।
गाती हूँ मुझको··· ································ ················॥

ठेका बन्द रहेगा

सं	-	-	-	न	-	-	-	ध	-	प	म	-	-	-	-	म	म
गा	ऽ	ऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	हूँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	मु	झ

मपमप	मपधन	धपमग	म	ग	-	-	-	म	ध	-	-	म	मध
कोऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नाऽ

नसं	सं	-	ध	सं	-	-	-	-	-	-	-
ऽऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

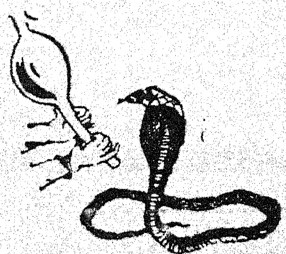
ठेका कहरवा शुरू

+				।				+				।			
सं	-	न	-	ध	-	मम	ग	म	ध	धन	सं	न	सं	-	-
गा	ऽ	ती	ऽ	हूँ	ऽ	मुझ	को	गा	ऽ	नाऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
सं	-	न	ध	प	म	ग	ग	म	-	गम	प	म	-	-	-
गा	ऽ	ना	तो	ए	ऽ	क	ब	हा	ऽ	नाऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	ग	-	ग	ग	म	प	ग	-	-	र	स	-	-	-
दि	ल	का	ऽ	द	र	द	मि	टा	ऽ	ऽ	ना	है	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	ग	-	ग	ग	म	प	ग	-	-	र	स	-	-	-
दि	ल	क	ऽ	द	र	द	मि	टा	ऽ	ऽ	ना	है	ऽ	ऽ	ऽ
सं	गं	गं	-	गं	-	गं	-	*	रं	रं	रं	गं	सं	सं	रं
इ	स	गा	ऽ	ने	ऽ	में	ऽ	*	क्या	द	र	द	भ	रा	ऽ
-	रंरं	रं	रं	रं	रं	रं	-	सं	रं	सं	गं	रं	-	सं	संरं
ऽ	कोई	जा	ऽ	ने	ऽ	क्या	ऽ	को	ई	मा	ऽ	ने	ऽ	क्या	ऽऽ

गं	गंगं	गं	–	गं	–	गं	–	❋	रं	रं	रं	गं	सं	सं	रं
ऽ	इस	गा	ऽ	ने	ऽ	में	ऽ	❋	क्या	द	र	द्	भ	रा	ऽ
–	रंरं	रं	–	रं	–	रं	–	सं	रं	सं	गं	रं	–	सं	–
ऽ	कोई	जा	ऽ	ने	ऽ	क्या	ऽ	को	ई	मा	ऽ	ने	ऽ	क्या	ऽ
सं	–	सं	सं	सं	–	सं	सं	न	–	न	–	ध	ध	प	–
प्रे	ऽ	म	की	आ	ऽ	ग	ल	गी	ऽ	है	ऽ	दि	ल	में	ऽ
म	म	म	–	म	–	म	म	ग	–	गम	प	म	–	–	–
उ	स	को	ऽ	आ	ऽ	ज	बु	झा	ऽ	नाऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	ग	–	ग	ग	म	प	ग	–	र	–	स	–	–	–
दि	ल	का	ऽ	द	र	द	मि	टा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

गाती हूँ........................।

12—N. P. K.



देखो देखो री सजनी........!

भवनानी प्रोडक्शन	**	ताल	**	गायिका
"हिमालय की बेटी"	**	कहरवा	**	माया चटरजी और पार्टी

देखो देखो री सजनी, बागों में आई बहार।
नाहीं नाहीं री सजनी, जोबन पै छाई बहार॥
कितनी खुशबू है चमन में, गुल भी फूले गुलशन में,
मैं इनके बनाऊँगी हार।
कितना रस है बैनन में, तिरछी चितवन नैनन में!
प्रीतम से पाओगी प्यार।

×				।				×				।			
*	*	स	प	प	–	प	–	र	म	र	स	ऩ	स	र	–
*	*	दे	ऽ	खो	ऽ	दे	ऽ	खो	ऽ	री	ऽ	स	ज	नी	ऽ
र	–	र	प	प	–	प	–	र	म	र	म	–	स	र	ऩ
ऽ	ऽ	बा	ऽ	गों	ऽ	में	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ब
स	–	स	स	रम	पन	संरं	संन	पध	पम	रम	रऩ	स	–	स	प
हा	ऽ	र	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	दे	ऽ
प	–	प	–	र	म	र	स	ऩ	स	र	–	र	–	र	प
खो	ऽ	दे	ऽ	खो	ऽ	री	ऽ	स	ज	नी	ऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ
प	–	प	–	र	म	र	म	–	स	र	ऩ	स	–	र	स
गों	ऽ	में	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ब	हा	ऽ	र	*
सर	मप	रम	रऩ	स	–	स	प	प	–	प	–	र	म	र	स
*	*	*	*	*	*	ना	ऽ	हीं	ऽ	ना	ऽ	हीं	ऽ	री	ऽ

ऩ	स	र	-	र	-	र	प	प	प	प	-	र	म	र	म
स	ज	नी	ऽ	ऽ	ऽ	जो	ऽ	थ	न	पै	ऽ	छा	ऽ	ऽ	ऽ
-	स	र	ऩ	स	-	स	सं	नप	मर	सर	मप	नप	मप	मर	सऩ
ऽ	ई	ऽ	ब	हा	ऽ	र	✱	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀
स	-	र	म	म	-	म	म	प	-	प	न	ध	म	प	-
❀	❀	कि	त	नी	ऽ	खु	श	बू	ऽ	है	च	म	न	में	ऽ
प	-	म	म	म	-	म	-	र	-	र	र	स	ऩ	स	-
ऽ	ऽ	गु	ल	भी	ऽ	फू	ऽ	ले	ऽ	गु	ल	श	न	में	ऽ
र	प	प	प	प	-	प	-	र	म	र	म	-	र	स	ऩ
मैं	ऽ	इ	न	के	ऽ	ब	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	गी
स	-	स	नप	मप	मर	मर	सऩ	स	-	र	प	प	-	प	-
हा	ऽ	र	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	इ	न	के	ऽ	ब	ऽ
र	म	र	म	-	र	स	ऩ	स	-	स	सस	रम	पन	संरं	संन
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	गी	हा	ऽ	र	❀	❀	❀	❀	❀
पध	पम	रम	रऩ	स	-	र	म	म	-	म	म	प	-	प	न
❀	❀	❀	❀	❀	❀	कि	त	ना	ऽ	र	स	है	ऽ	बै	ऽ
ध	म	प	-	प	-	म	म	म	-	म	म	र	र	र	ग
न	न	में	ऽ	ऽ	ऽ	ति	र	छी	ऽ	चि	त	व	न	नै	ऽ

स	ऩ	स	-	र	म	प	न॒	प	म	प	-	र	म	र	म
न	न	में	ऽ	प्री	ऽ	ऽ	ऽ	त	म	से	ऽ	पा	ऽ	ऽ	ऽ
ऽ	र	स	ऩ	स	-	स	सर	मप	न॒प	मप	मर	स	-	प	-
-	ऊँ	ऽ	गी	प्या	ऽ	र	*	*	*	*	*	*	*	प्री	ऽ
प	प	प	-	र	म	र	म	-	र	स	ऩ	स	-	स	सल
त	म	से	ऽ	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	गी	प्या	ऽ	र	*
रम	पन	संरं	न॒	पध	पम	रम	रऩ	स	-						
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	देखो-देखो री सजनी					

बागों में आई बहार..............................!

13-N P. K.

पंजाबी गीत

(ताल कहरवा)

स्वरकार—

(मास्टर—टी० आर० शुक्ल म्यूजिक डायरेक्टर श्री सूर्यविजय कम्पनी ऑफ़ बौम्बे)

स्थाई—पी पी पपीये पाया शोर, ते पैलां पादे मोर,
शामा आजा आजा। बूँदां ते बरसन जोर।
पी पी पपीये पाया शोर।

अन्तरा (१)—बरषा दी रानी बन ठन आई, काली-काली घट ने रिमझिम लाई।
बदलां ने पाई रा घनघोर, शामा आजा आजा।
(२)—बिजली चमके चमक डराये, प्रेम दी मारी पई ललचाये।
विरहों उदासी पाया जोर, शामा आजा आजा० ॥

—स्थाई—

स	र	म	प	ध॒	म	प	सं	-	-	रं	न॒	सं	न॒	ध॒	प
पी	पी	प	पी	ये	पा	या	शो	र	ऽ	ते	पै	लाँ	पाँ	दे	मो

–	म	म	पध	नसं	धन	धन	पध	पध	प	म	–	ग	ग	ग	र
र	शा	माँ	आऽ	ऽऽ	जाऽ	ऽऽ	आऽ	ऽऽ	जा	ऽ	ऽ	बूं	दा	ते	ब

र	स	न	सन	संरं	मंगं	रंसं	नध	पम	गर	स	–	–	–	–	–
र	स	न	जोऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

स	र	म	प	ध	म	प	सं	गंरं	संन	पन	संरं	सं	–	–	–
पी	पी	प	पी	ये	पा	या	शो	रऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा।

न	सं	ध	न	सं	–	सं	–	नन	रं	रं	गंरं	संन	पन	संरं	सं
ब	र	षा	दी	रा	ऽ	नी	ऽ	बन	ठ	न	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ई

न	सं	ध	न	सं	सं	सं	–	नन	रं	रं	गंरं	संन	पन	संरं	सं
का	ली	का	ली	घ	टा	ने	ऽ	रिम	झि	म	ला	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ई

संसं	सं	सं	न	सं	न	धध	प	–	म	म	पध	नसं	धन	धन	पध
बद	लां	ने	पा	ई	ए	घन	घो	र	शा	मा	आऽ	ऽऽ	जाऽ	ऽऽ	आऽ

पध	प	म	–	ग	ग	ग	र	र	स	न	संन	संरं	मंगं	रंसं	नध
ऽऽ	जा	ऽ	ऽ	बूं	दाँ	ते	ब	र	स	न	जोऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

पम	गर	स	–	–	–	–	–								
ऽऽ	ऽऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

सूर्य किरन नवजीवन लाई ....!

'बौम्बे टाकीज़' कृत		ताल		स्वरलिपिकार
फिल्म "सावित्री"		दादरा		श्री० सुधाराम जी

सूर्य किरन नवजीवन लाई लाई।
साथ जोत बन जग में आई आई ॥
१-अन्तरा—फैली चहुँ ओर छटा,
छाई घन घोर घटा।
नवयुग का सन्देशवा लाई लाई ॥
२-अन्तरा—उघरी घनश्याम श्याम फैली है छटा धाम।
नवयुग की उजियारी आई आई ॥

—स्थाई—

×			०			×			०		
सू	ऽ	र्य	कि	र	न	न	व	जी	ऽ	व	न
ग	ग	ग	म	म	प	ग	म	ग॒	र	ऩ॒	स
ला	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ
ऩ॒	-	स	ग	-	-	स	ग	म	प	-	-
सा	ऽ	थ	जो	ऽ	त	ब	न	ज	ग	में	ऽ
म	प	न॒	ध	प	ध	म	प	म	ग	स	र
आ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ
ऩ॒	-	स	ग	-	-	स	ग	म	प	-	-

—अन्तरा—

फै	ऽ	ली	ऽ	च	हुं	ओ	ऽ	र	छ	टा	ऽ
म	-	प	न	न	न	सं	-	न	सं	सं	-

छा	ऽ	ई	ऽ	घ	न	घो	ऽ	र	घ	टा	ऽ
म	-	प	न	न	न	सं	-	न	सं	-	सं
न	व	यु	ग	का	ऽ	सं	ऽ	दे	श	वा	ऽ
प	न	सं	गं	रं	सं	न	सं	न	ध	म	प
ला	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
म	ग	म	न	ध	प	म	-	प	न	ध	प
ला	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ
ऩ	-	स	ग	-	-	स	ग	म	प	-	-

15—S. R. M.

मन मूरख क्यों दीवाना·······!

बौम्बेटाकीज	ॐ ॐ	ताल	ॐ ॐ	गायिका
फिल्म "भावी"	ॐ ॐ	कहरवा	ॐ ॐ	रेणुकादेवी

मन मूरख क्यों दीवाना है ?
आज रहे कल जाना है ॥ मन···········॥
आज खिली जो धूप तो कल को घन अँधियारा छाना है। मन······॥
फूल चमन में खिला आज तो कल उसको मुरझाना है ॥ मन······॥
जिसको हम चाहें कुछ ठहरे-चला उसे हां जाना है ॥ मन······॥

स्वरलिपि☞

														ध़	ऩ
														म	न
+				।				+				।			
सर	ग	र	स	ऩस	रस	ऩध़	प़ध़	ऩ	-	स	ऩ	स	-	-	-
मूऽ	ऽ	र	ख	क्योंऽ	ऽऽ	दीऽ	ऽऽ	वा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

ग	-	ग	ग	ग	म	र	ग	गम	पध	ग	म	मग	रग	न	स
आ	ऽ	ज	र	है	ऽ	क	ल	जाऽ	ऽऽ	ना	ऽ	हैऽ	ऽऽ	म	न

अन्तरा (१)

स	प	प	प	प	–	म	ग	म	–	म	म	गम	पम	गर	स
आ	ऽ	ज	खि	ली	ऽ	जो	ऽ	धू	ऽ	प	तो	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
स	प	प	प	प	–	मग	रग	म	–	म	स	ग	ग	ग	-
आ	ऽ	ज	खि	ली	ऽ	जोऽ	ऽऽ	धू	ऽ	प	तो	क	ल	को	ऽ
ग	ग	ग	ग	ग	–	ग	म	ग	म	प	म	गर	स	ध	न
घ	न	अँ	धि	या	ऽ	रा	ऽ	छा	ऽ	ना	ऽ	हैऽ	ऽ	म	न

अन्तरा (२)

स	प	प	प	प	प	म	ग	म	म	–	ग	–	ग	म	–
फू	ऽ	ल	च	म	न	में	ऽ	खि	ला	ऽ	आ	ऽ	ज	तो	ऽ
स	प	प	प	प	प	मग	रग	म	म	–	ग	–	ग	म	–
फू	ऽ	ल	च	म	न	मेंऽ	ऽऽ	खि	ला	ऽ	आ	ऽ	ज	तो	ऽ
ग	ग	ग	ग	ग	–	ग	म	ग	म	प	म	गर	स	ध	न
क	ल	उ	स	को	ऽ	मु	र	झा	ऽ	ना	ऽ	हैऽ	ऽ	म	न

अन्तरा (३)

स	स	न	–	ध	ध	न	ध	प	प	ध	प	मग	रग	म	–
जि	स	को	ऽ	ह	म	चा	ऽ	हैं	ऽ	कु	छ	ठह	ऽऽ	रे	ऽ

स	ग	-	ग	ग	म	ग	म	ग	म	ग	म	ग	र	ग	म
च	ला	ऽ	उ	से	ऽ	हां	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	हां	ऽ
ग	म	प	म	ग	र	ग	म	ग	म	प	म	ग	र	-	-
जा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	हां	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
ग	म	प	प	ग	र	ध़	ऩ	स	ग	ग	स	ग	म	प	प
च	ला	ऽ	उ	से	ऽ	हां	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	म	न
र	म	ग	ग	गर	सर	ऩध़	प़ध़	ऩ	-	स	ऩ	स	स	ध़	ऩ
मू	ऽ	र	ख	क्योंऽ	ऽऽ	दीऽ	ऽऽ	वा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	म	न

16—S. N. H.

सांवरिया मन भाया रे........!

न्यू थियेटर्स फिल्म	ताल	गायिका
"मुक्ती"	तिताला	काननबाला

सांँवरिया मन भाया रे । आँख से मन में समाया रे ॥
पीताम्बर का रूप निराला । शीश मुकट ने लुभाया रे ॥
सांस में भर कर धुन बंशी की, पीतम गीत सुनाया रे ॥
जी के सारे रंग मिटा के, अपना रंग जमाया रे ॥

स्थाई—

+				२				०				३			
र	-	म	प	मप	धन	ध	प	प	ध	म	ग	र	ग	ऩ	स
सां	ऽ	व	रि	याऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	म	न	भा	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ

म	-	प	न	न	-	सं	-	प	प	न	सं	न	प	ध	र
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सां	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
र	-	म	प	मप	धन	ध	प	प	ध	म	ग	र	ग	न्	म
सां	ऽ	व	रि	याऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	म	न	भा	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ
र	-	म	म	प	प	प	-	न	सं	न	सं	न	प	म	र
आँ	ऽ	ख	से	म	न	में	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*
र	-	म	प	प	ध	प	प	रम	पध	मप	ध	म	ग	र	ग
आं	ऽ	ख	से	म	न	में	स	माऽ	ऽऽ	या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ

सांवरिया मन भाया रे ....।

अन्तरा नं० १

स	-	स	र	र	र	रग	सर	सर	र,	र	म	म	प	प	सं
पी	ऽ	त	म्	ब	र	काऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ,	पी	ऽ	त	म्	ब	र
न	-	ध	प	-	-	सं	-	सं	सं	न	-	न	-	सं	-
का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रू	ऽ	प	नि	रा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	न	सं	रं	गं	रं	सं	न	-	धन	सं	न	ध	प	म
शी	ऽ	श	मु	क	ट	ने	लु	भा	ऽऽ	याऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा नं० २

सर	गर	र	र	स	न्	न्	-	न्	स	स	र	गम	गम	ग	र
सांऽ	ऽऽ	स	में	भ	र	के	ऽ	धु	न	ब	न	सीऽ	ऽऽ	की	ऽ

*	म	म	म	प	–	ग	म	मप	ध	पध	न	ध	–	प	–
*	प्री	त	म	गी	ऽ	त	सु	नाऽ	ऽ	याऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
*	म	–	प	न	–	सं	–	*	सं	रं	रं	संरं	गं	रं	सं
*	जी	ऽ	के	सा	ऽ	रे	ऽ	*	रं	ग	मि	टाऽ	ऽ	के	ऽ
न	न	सं	–	रं	न	सं	–	न	न	सं	–	रं	न	सं	–
अ	प	ना	ऽ	*	*	*	*	अ	प	ना	ऽ	अ	प	ना	ऽ
न	सं	नसं	रंगं	रं	–	सं	सं	न	–	धन	सं	न	ध	प	म
अ	प	नाऽ	ऽऽ	रं	ऽ	ग	ज	मा	ऽ	याऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ

17—N P. K.

चलता रहे सागर भी भरता रहे पैमाना !

"बौम्बेटाकीज" ** ताल ** गायक
फिल्म "निर्मला" ** खेमटा (दादरा) ** अशोक कुमार

चलता रहे सागर भी, भरता रहे पैमाना।
आबाद रहे साक़ी, तू और तेरा मैख़ाना॥
बीमारे ग़मे फुरकत हूँ, जाम इक पिलादे।
उजड़े हुये चमन को, साक़ी तू फिर खिलादे॥
फिर जलवए जानाना, साक़ी मुझे दिखादे।
बिछुड़े हुये सनम से, इक बार फिर मिलादे॥

स्वरलिपि☞

म	प
च	ल

+			०			+			०		
ग	–	ग	ग	म	प	ग	म	ग	र	स	स
ता	ऽ	र	हे	सा	ऽ	ग	र	भी	ऽ	भ	र

स	र	र	म	म	प	ध	प	न	ध	म	प
ता	ऽ	र	हे	पै	ऽ	मा	ऽ	ना	ऽ	आ	ऽ
ग	–	ग	ग	म	प	ग	म	ग	र	स	–
बा	ऽ	द	र	हे	ऽ	सा	ऽ	क़ी	ऽ	तू	ऽ
स	र	र	म	म	प	ध	प	न	ध	प	ध
औ	र	ते	रा	मै	ऽ	ख़ा	ऽ	ना	ऽ	तू	ऽ
स	र	र	म	म	प	ध	प	न	ध	प	ध
औ	र	ते	रा	मै	ऽ	ख़ा	ऽ	ना	ऽ	बी	ऽ
म	–	प	ध	न	–	सं	सं	सं	सं	ध	सं
मा	ऽ	रे	ग़	मे	ऽ	फु	र	क	त	हूँ	ऽ
ध	सं	न	ध	सं	रं	न	सं	न	ध	प	ध
जा	ऽ	म	इ	क	पि	ला	ऽ	दे	ऽ	बी	ऽ
म	–	प	ध	न	–	सं	सं	सं	सं	ध	सं
मा	ऽ	रे	ग़	मे	ऽ	फु	र	क	त	हूँ	ऽ
*	ध	ध	सं	सं	रं	न	सं	न	ध	प	ध
*	जा	म	इ	क	पि	ला	ऽ	दे	ऽ	उ	ज
म	प	प	न	ध	ध	सं	सं	सं	*	ध	सं
ढे	ऽ	हु	ए	ऽ	च	म	न	को	*	सा	ऽ

ध	सं	न	ध	सं	सं	ध	सं	न	ध	प	ध
क़ी	ऽ	तू	फि	र	खि	ला	ऽ	दे	ऽ	उ	ज
म	प	प	न	ध	ध	सं	सं	सं	*	सं	रं
ड़े	ऽ	हु	ये	ऽ	च	म	न	को	*	सा	ऽ
ध	सं	न	ध	सं	सं	ध	सं	न	ध	प	ध
क़ी	ऽ	तू	फि	र	खि	ला	ऽ	दे	ऽ	फि	र
म	प	ध	ध	ध	म	प	ध	म	–	म	प
ज	ल	व	ये	जा	ऽ	ना	ऽ	ना	ऽ	सा	ऽ
ग	म	ग	र	म	म	प	ध	म	–	प	ध
की	ऽ	मु	झे	ऽ	दि	खा	ऽ	दे	ऽ	फि	र
म	प	ध	ध	ध	म	प	ध	म	–	म	प
ज	ल	व	ये	जा	ऽ	ना	ऽ	ना	ऽ	सा	ऽ
ग	म	ग	र	म	म	प	ध	म	ग	र	स
की	ऽ	मु	झे	ऽ	दि	खा	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ
फिर इन्हीं स्वरों पर बाजा बजाकर आगे बढ़िये....................										प	ध
										बि	छु
म	प	ध	ध	म	म	प	ध	ध	म	म	प
ड़े	ऽ	हु	ये	ऽ	स	न	म	से	ऽ	इ	क

ग	म	ग	र	म	प	प	ध	म	–	प	ध
बा	ऽ	र	फि	र	मि	ला	ऽ	दे	ऽ	बि	छु
म	प	ध	ध	म	म	प	ध	ध	म	म	प
ड़े	ऽ	हु	ये	ऽ	स	न	म	से	ऽ	इ	क
ग	म	ग	र	म	प	प	ध	म	ग	र	स
बा	ऽ	र	फि	र	मि	ला	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ

18—N. P. K.

हम पिंजरे की मैंना........!

बौम्बे टाकीज फिल्म		ताल		गायिका
"वचन"	❊❊	कहरवा	❊❊	"मीरा"

❊ गीत ❊

हम पिंजरे की मैंना-मैंना, मैंना-मैंना... ....!
प्रेम की डोर बँधी, हां-हां।
तुम बन की चिड़िया भूली हो, अभी पवन झकोरे झूली हो।
जब प्रेम झकोरे झूलोगी, तब सुध-बुध सारी भूलोगी॥
मन में होगा एक तार नया, जीवन का एक आधार नया।
जब देखोगी संसार नया, खुल जायेंगे नैना—नैना॥
नैना नैना........................॥ हम पिंजरे..............॥
तुम उड़ती फिरती बन-बन में, हम रहतीं साजन के मन में॥
बन की तो एक हद होती है, मन नगरी पै हद होती है॥
आज़ाद कौन ?......बन की चिड़िया, या पिंजरे की मैंना-मैंना।
मैंना मैंना..॥

स	स
ह	म

स्वरलिपि☞

×				'				×				'			
स	र	र	स	ऩ	स	ध़	ऩ	स	–	स	र	स	–	स	ग
पिं	ज	रे	ऽ	की	ऽ	मैं	ऽ	ना	ऽ	मैं	ऽ	ना	ऽ	मैं	ऽ
र	–	र	ग	स	–	स	ग	र	–	र	ग	स	–	स	स
ना	ऽ	मैं	ऽ	ना	ऽ	मैं	ऽ	ना	ऽ	मैं	ऽ	ना	ऽ	ह	म
स	र	र	स	ऩ	स	ध़	ऩ	स	–	*	र	ग	ध	म॑	प
पिं	ज	रे	ऽ	की	ऽ	मैं	ऽ	ना	ऽ	*	प्रे	ऽ	म	की	ऽ
ग	म	ग	र	स	–	ध़	स	स	–	स	स	स	र	र	स
डो	ऽ	र	बं	धी	ऽ	हां	ऽ	हाँ	ऽ	तु	म	ब	न	को	ऽ
ऩ	स	ध़	ऩ	स	ग	ग	–	ग	–	ग	ग	–	ग	ध	ध
चि	ड़ि	या	ऽ	भू	ऽ	ली	ऽ	हो	ऽ	अ	भी	ऽ	प	बन	झ
प	ध	ग	म	–	ग	र	म	ग	–	ग	म	प	–	–	प
को	ऽ	रे	ऽ	ऽ	भू	ऽ	ली	हो	ऽ	ज	ब	प्रेम	ऽ	ऽ	झ
प	–	प	ध	पध	न	ध	–	प	–	ग	म	प	–	–	–
को	ऽ	रे	ऽ	भूऽ	ऽ	लो	ऽ	गो	ऽ	ज	ब	प्रे	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग	म	प	–	–	–	–	–	ग	म	प	–	–	प
ऽ	म	*	*	*	*	*	*	*	*	ज	ब	प्रेम	ऽ	ऽ	झ

प	-	प	ध	पध	न	ध	-	प	-	म	म	*	मम	म	म
को	ऽ	रे	ऽ	भूऽ	ऽ	लो	ऽ	गी	ऽ	त	ब	*	सुध	बु	ध
म	-	म	ग	-	र	स	र	ग	-	ध	ध	ध	-	ध	-
सा	ऽ	री	ऽ	ऽ	भू	ऽ	लो	गी	ऽ	म	न	में	ऽ	हो	ऽ
ध	-	ध	ध	प	-	प	प	प	-	म	-	म	म	म	-
गा	ऽ	ए	क	ता	ऽ	र	न	या	ऽ	जी	ऽ	व	न	का	ऽ
म	म	म	-	म	-	म	म	ग	-	ग	ग	ग	-	ग	-
ए	क	आ	ऽ	धा	ऽ	र	न	या	ऽ	ज	ब	दे	ऽ	खो	ऽ
ग	-	ग	-	ग	-	ग	ग	र	-	स	स	स	र	र	स
गी	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	र	न	या	ऽ	खु	ल	जा	ऽ	यें	ऽ
ऩ	स	ध़	ऩ	स	-	स	र	स	-	स	ग	र	-	र	ग
गे	ऽ	नै	ऽ	ना	ऽ	नै	ऽ	ना	ऽ	नै	ऽ	ना	ऽ	नै	ऽ
स	-	स	ग	र	-	र	ग	स	-	स	स	स	र	र	स
ना	ऽ	नै	ऽ	ना	ऽ	नै	ऽ	ना	ऽ	ह	म	पिं	ज	रे	ऽ
ऩ	स	ध़	ऩ	स	-	म	म	-	म	म	म	म	म	ग	-
की	ऽ	मैं	ऽ	ना	ऽ	तु	म	ऽ	उ	ड़	ती	फि	र	ती	ऽ
र	र	र	ग	स	-	प	प	-	म	म	म	म	-	ग	ग
ब	न	ब	न	में	ऽ	ह	म	ऽ	र	ह	ती	सा	ऽ	ज	न

र	-	र	ग	स	-	स	स	म	-	म	-	म	म	म	म
के	ऽ	म	न	में	ऽ	ब	न	की	ऽ	तो	ऽ	ए	क	ह	द
ग	-	ग	-	प	-	सं	सं	सं	सं	सं	-	न	-	न	ध
हो	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	म	न	न	ग	री	ऽ	पै	ऽ	ह	द
ध	-	प	-	प	-	न	-	न	-	न	न	-	न	ध	न
हो	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	आ	ऽ	ज़ा	ऽ	द	कौ	ऽ	न	*	*
ध	सं	सं	सं	-	सं	ग	म	पध	न	ध	प	प	-	म	ग
*	*	*	*	*	*	ब	न	कीऽ	ऽ	चि	ड़ि	या	ऽ	या	ऽ
ग	म	ग	र	स	-	स	र	स	-	स	र	स	-	स	ग
पिं	ज	रे	ऽ	की	ऽ	मै	ऽ	ना	ऽ	मै	ऽ	ना	ऽ	मै	ऽ
र	-	र	ग	स	-	स	ग	र	-	र	ग	स	-	स	स
ना	ऽ	मै	ऽ	ना	ऽ	मै	ऽ	ना	ऽ	मै	ऽ	ना	ऽ	ह	म
स	र	र	स	ऩ	स	ध़	ऩ	स	-						
पिं	ज	रे	ऽ	की	ऽ	मै	ऽ	ना	ऽ						

कलियां रसीली सैयां....!

सागर फिल्म "डायनामाइट"	ताल कहरवा	गायक सुरेन्द्र और बिब्बो

कलियां रसीली सैयां, भँवरा गँवार है।
कच्ची हैं कलियां देख दिवाने, दो दिन धीरज धर मस्ताने।
होता हुआ ये सिंगार है, भँवरा गँवार है॥ कलियां...॥
जीवन में रस धार बहेगी, रार भरी तकरार रहेगी।
स्वर्ग यही संसार है, भँवरा गँवार है॥ कलियां...॥
चातक प्यासा नदी किनारे, रूठ गये हैं भाग हमारे।
दिल के सब अरमान पुकारें, टूटा हुआ ये सितार है॥
भँवरा गँवार है॥ कलियां.....॥

म
क

स्वरलिपि

+				+				+				+			
म	ग	म	ग	र	ग	सर	गर	स	र	ऩ	–	ऩ	–	–	स
लि	यां	ऽ	र	सी	ऽ	लीऽ	ऽऽ	सैं	ऽ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भं
स	र	प़	म	र	–	–	ऩ	स	–	–	*	*	प	प	प
व	रा	ऽ	गं	वा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	*	*	क	च्ची	हैं
म	प	ग	म	*	प	प	प	पध	न	धन	सं	सं	रं	रं	रं
क	लि	यां	ऽ	*	दे	ख	दि	वाऽ	ऽ	नेऽ	ऽ	ऽ	दो	दि	न
संगं	रंगं	सं	न_	ध	ध	पम	गम	मप	धन_	प	–	*	प	प	प
धीऽ	ऽऽ	र	ज	ध	र	मऽ	ऽस	ताऽ	ऽऽ	ने	ऽ	*	हो	ता	हु

मध	पध	म	म	ग	–	र	स	ऩ	स	र	–	पध	पध	*	*
आऽ	ऽऽ	ये	लि	गा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
सस	र	र	म	र	–	–	ऩ	स	–	–	म				
भँव	रा	ऽ	गँ	वा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	क	लियां रसीली सैयां···			
स	म	म	ग	म	–	प	सं	धन॒	धप	म	ग	र	–	स	–
जी	ऽ	व	न	में	ऽ	र	स	धाऽ	ऽऽ	र	ब	हे	ऽ	गी	ऽ
स	म	म	म	म	–	ग	म	प	–	ध	ध	पन	धन	प	–
रा	ऽ	र	भ	री	ऽ	त	क	रा	ऽ	र	र	हेऽ	ऽऽ	गी	ऽ
*	सं	सं	सं	नसं	धन	प	–	पध	न	ध	न	प	ध	न	रं
*	स्व	र्ग	य	हीऽ	ऽऽ	सं	ऽ	साऽ	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ
सं	सं	सं	सं	नसं	धन	प	–	पध	न	ध	न	प	–	मप	मग
ऽ	स्व	र्ग	य	हीऽ	ऽऽ	सं	ऽ	साऽ	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	*	*
र	–	*	स	स	र	प	म	र	–	–	ऩ	स	–	*	*
*	*	*	भँ	व	रा	ऽ	गँ	वा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	*	*
स	म	म	म	प	–	प	–	प	पध	न॒	प	ग	म	प	–
चो	ऽ	त	क	प्या	ऽ	सा	ऽ	न	दीऽ	ऽ	कि	ना	ऽ	रे	ऽ
*	न॒	न॒	न॒	धन॒	पध	म	–	प	न	न	सं	न	रं	सं	–
*	रू	ठ	ग	येऽ	ऽऽ	हैं	ऽ	भा	ऽ	ग	ह	मा	ऽ	रे	ऽ

※	न	न	न	न	सं	न	सं	पन	संरं	सं	सं	ध	न॒	प	ध
※	दि	ल	के	स	ब	अ	र	माऽ	ऽऽ	न	पु	का	ऽ	रे	ऽ
न	न	न	न	न	सं	न	सं	पन	संरं	सं	सं	ध	न॒	प	ध
ऽ	दि	ल	के	स	ब	अ	र	माऽ	ऽऽ	न	पु	का	ऽ	रे	ऽ
सं	-	न॒	प	ग॒	-	स	र	ग॒	-	-	म	ग॒	र	स	-
टू	ऽ	टा	हु	आ	ऽ	ये	लि	ता	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	ऽ
स	-	-	स	स	र	प	म	र	-	-	ऩ	स	-	-	म
※	※	※	भँ	व	रा	ऽ	गं	वा	ऽ	ऽ	र	है	ऽ	ऽ	क
म	ग	म	ग	र	ग	सर	गर	स	र	ऩ	-	ऩ	-	-	-
लि	यां	ऽ	र	सी	ऽ	लीऽ	ऽऽ	सै	ऽ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

20—N. P. K.

भँवरा गँवार है……ऊपर वाले स्वरों पर बजाओ।

मुझे पहचानते हो ?....हां....!

बौम्बेटाकीज		ताल		गायक
"जीवन प्रभात"	**	दादरा और कहरवा	**	देविकारानी, मुमताज़अली

(उमा)-मुझे पहचानते हो ? (रमो) हां......!
(उमा)-मुझे तुम जानते हो ? (रमो) हां......! (उमा) हुं हुं
(उमा)-वरषा की बदली, हवा के पंखों पर मैं आती।
नदी की लहरों में लहराती, रेत के कन-कन में रमजाती।
(रमो)-सीप में मोती खेत में दाना।
(उमा)-जग जीवन बन जाती। परवत नदी टीले घाटी॥
बूंदन मोती मेंह बरसाती,
(रमो)-ऊंच नीच का भेद छोड़कर, सबके मन हरषाती।
मैं छोड़ मात की छाती, यहां दौड़ी-दौड़ी आती॥
और मां की आंख बचाकर, (उमा) हां ?
(रमो)-हां,............(उमा) हां।

बाजा बजेगा (दादरा)

+			०			+			०			+			०		
स	र	स	ग	–	ग	र	ग	र	म	–	म	ग	–	ग	ध	–	ध
प	ध	प	न	–	न	ध	न	ध	सं	–	सं						

नसं	नरं	संन	(न)ध	(न)ध	(न)ध	पध	पन̲	धप	म	पम	पम
गप	गध	पम	ग	(ग)र	(ग)र	रग	रम	गर	स	स	स
र	ग	प	ध	–	–	–	–	न̲	ध	प	ध
म	प	म	ध	ध	–	सं	–	न̲	ध	प	ध
म	प	म	ध	ध	–	सं	–	न	रं	–	सं
न	प	ध	सं	सं	–	तबला बजेगा					

न
मु

ताल दादरा☞

०			+			०			+		
ध	प	ध	म	प	म	ध	ध	–	सं	–	न
झे	प	ह	चा	ऽ	न	ते	हो	ऽ	हां	ऽ	मु
ध	प	ध	म	प	म	ध	ध	–	सं	–	–
झे	तु	म	जा	ऽ	न	ते	हो	ऽ	हां	ऽ	ऽ
रं	–	–	न	प	ध	सं	सं	–	स	ग	*
									हुँ	हुँ	*

(ताल कहरवा)

×				।				×				।			
र	र	र	–	म	–	म	प	ध	–	–	सं	न	ध	प	ध
व	र	ऽ	षा	की	ऽ	ब	द	लो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	र	र	–	म	–	म	प	ध	–	–	प	ध	न	ध	प
व	र	षा	ऽ	की	ऽ	ब	द	ली	ऽ	ऽ	ह	वा	ऽ	के	ऽ
ध	सं	न	सं	ध	न	ध	प	मप	-म	प	ध	ध	न	सं	रं
पं	ऽ	खो	ऽ	प	र	मैं	ऽ	आ	ऽ	ती	ऽ	*	*	*	*
गं	–	–	रं	सं	ध	सं	–	सं	–	सं	–	सं	गं	रं	गं
*	*	*	न	दी	ऽ	की	ऽ	ल	ह	रों	ऽ	में	ऽ	ल	ह

स	-	सं	-	न	रं	सं	न	ध	-	-	प	ध	ध	ध	प
रा	ऽ	ती	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	रे	ऽ	त	के	ऽ
ध	न	न	ध	प	ध	प	प	म	-	म	म	र	ग	म	प
क	न	क	न	में	ऽ	र	म	जा	ऽ	ती	ऽ	*	*	*	*
म	ध	प	ध	म	-	म	-	ग	प	म	ग	र	-	स	-
सी	ऽ	प	में	मो	ऽ	ती	ऽ	खे	ऽ	त	में	दा	ऽ	ना	ऽ
र	गप	प	ध	ध	ध	धसं	नध	प	धप	म	-	मध	पम	गर	स-
ज	गऽ	जी	ऽ	व	न	बऽ	नऽ	जा	ऽऽ	ती	ऽ	*	*	*	*
म	-	म	म	ग	-	म	-	-	ग	प	म	र	-	स	-
प	र	व	त	न	ऽ	दी	ऽ	ऽ	टी	ऽ	ले	घा	ऽ	टी	ऽ
-	ध	ध	प	ध	न	न	ध	प	ध-	ध	प	म	प	म	-
ऽ	बूं	द	न	मो	ऽ	ती	ऽ	ऽ	मेंह	ब	र	सा	ऽ	ती	ऽ
ध	सं	सं	ध	न	ध	प	-	म	सं	न	सं	ध	न	सं	रं
ऊं	ऽ	च	नी	ऽ	च	का	ऽ	भे	ऽ	द	छो	ऽ	ड़	क	र
गं	रं	सं	न	ध	न	प	ध	सं	-	सं	-	ध	न	सं	रं
स	ब	के	ऽ	म	न	ह	र	षा	ऽ	ती	ऽ	*	*	*	*
नसं	नरं	संन	ध-	म	ग	म	प	प	प	ध	प	म	ग	र	ग
*	*	*	*	मैं	ऽ	छो	ऽ	ड़	मा	ऽ	त	की	ऽ	छा	ऽ

म	–	–	–	मग	र	–	ग	–	र	–	ग	–	गर	स	–
ती	ऽ	ऽ	ऽ	यहां	दौ	ऽ	ड़ी	ऽ	दौ	ऽ	ड़ी	ऽ	आऽ	ती	ऽ
सं	सं	ध	न	प	ध	न	रं	गं	रं	सं	नसं	सं	सं	रं	सं
औ	र	मां	ऽ	की	ऽ	आँ	ऽ	ख	ब	रा	ऽऽ	क	र	हां	हां
सं															
हां															

21—R. N. GOSWAMI.

ये माया आनी जानी है......।

मिनर्वा फिल्म		ताल		गायक
"जेलर"		कहरवा		शीला और पार्टी

ये माया आनी जानी है, ये माया बहता पानी है।
ये चलती ढलती छाया है, ये सब दो दिन की काया है।
ये जग कर्मों की खेती है, जो लेती है वह देती है।
सब कुछ है जबतक जीवन है, जीवन से ये सब तन मन है।

स्वरलिपि☞

														स	नृ
														ये	ऽ
+				'				+				'			
स	र	र	–	र	ग	र	स	स	र	र	ग	स	–	स	म
मा	ऽ	या	ऽ	आ	ऽ	नीं	ऽ	जा	ऽ	नी	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ

म	-	म	-	म	म	म	ग	ग	म	ग	म	र	-	र	प
मा	ऽ	या	ऽ	ब	ह	ता	ऽ	पा	ऽ	नी	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ
प	-	म	-	म	म	म	ग	ग	म	ग	म	र	-	प	-
मा	ऽ	या	ऽ	ब	ह	ता	ऽ	पा	ऽ	नी	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ
प	ध	ध	सं	सं	सं	न	-	ध	-	ध	न	प	-	प	-
च	ल	ती	ऽ	ढ	ल	ती	ऽ	छा	ऽ	या	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ
प	ध	ध	-	प	प	म	-	ग	-	ग	म	र	-	र	ध
स	ब	दो	ऽ	दि	न	की	ऽ	का	ऽ	या	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ
ध	ध	ध	-	प	प	म	-	ग	-	ग	प	र	-	प	न
स	ब	दो	ऽ	दि	न	की	ऽ	का	ऽ	या	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ
न	न	न	न	न	-	न	-	ध	-	ध	न	प	-	प	सं
ज	ग	क	र	मों	ऽ	की	ऽ	खे	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ
न	न	न	न	न	-	न	-	ध	-	ध	न	प	-	प	-
ज	ग	क	र	मों	ऽ	की	ऽ	खे	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	जो	ऽ
प	ध	ध	-	प	-	म	-	ग	-	ग	म	र	-	र	ध
ले	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	वो	ऽ	दे	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	जो	ऽ
ध	-	ध	-	प	-	म	-	ग	-	ग	म	र	-	प	प
ले	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	वो	ऽ	दे	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	स	ब

ध	सं	सं	-	सं	सं	सं	सं	संरं	गं	रं	रं	सं	-	न	-
कु	छ	है	ऽ	ज	ब	त	क	जीऽ	ऽ	व	न	है	ऽ	जी	ऽ
न	न	न	-	न	-	न	न	ध	ध	ध	न	प	-	प	सं
ब	न	से	ऽ	ये	ऽ	स	ब	त	न	म	न	है	ऽ	जी	ऽ
न	न	न	-	न	-	न	न	ध	ध	ध	न	प	-	प	-
ब	न	से	ऽ	ये	ऽ	स	ब	त	न	म	न	है	ऽ	जी	ऽ
ध	सं	न	-	ध	-	म	म	ग	ग	स	ग	र	-	न	न
ब	न	से	ऽ	ये	ऽ	स	ब	त	न	म	न	है	ऽ	ये	ऽ

माया आनी जानी है, ये माया बहता पानी है..............।

22–N. P. K.

दरशन हुए तिहारे साजन.....।

न्यूथियेटर्स कृत		ताल		गायक
फिल्म "विद्यापति"		तिताला		पहाड़ी सान्याल

दरशन हुये तिहारे साजन जागे भाग हमारे।
रंग डारा मोहि प्रेम रंग में, उमंग–उमंग है अङ्ग–अङ्ग में।
कित में बसत अब नैन तुमारे-प्यारे-प्यारे-रस न्यारे साजन ॥
—जागे भाग... ....

आंखों के आज सामने आँखों का चांद है।
आ पास देख आज तेरा चांद मात है। भूल रहे हैं सितारे ॥

(ताल तिताला)

०				३				+				२			
प	न	ध	प	म	ग	-	र	गम	पध	ग	म	ग	र	स	स
द	र	श	न	हु	ये	ऽ	ति	हाऽ	ऽऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ज	न

*	स	ग	ग	प	–	न	रं	न	–	सं	–	न	–	पम	ग
*	जा	ऽ	गे	भा	ऽ	ग	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
प	न	ध	प	म	ग	–	र	गम	पध	ग	म	ग	र	स	स
द	र	श	न	हु	ये	ऽ	ति	हाऽ	ऽऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ज	न
*	स	ग	ग	प	–	न	रं	न	–	सं	–	–	–	*	*
*	जा	ऽ	गे	भा	ऽ	ग	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
स	प	प	–	प	–	प	न	प	ग	ग	म	ग	र	स	–
रं	ग	डा	ऽ	रा	ऽ	मो	हि	प्रे	ऽ	म	रं	ग	में	ऽ	ऽ
स	स	स	स	र	र	र	–	रग	म	ग	म	प	ध	प	–
उ	मं	ग	उ	मं	ग	है	ऽ	अंऽ	ऽ	ग		ऽ	ग	में	ऽ
स	प	प	–	प	–	पध	पन	ध	प	ग	प	ग	र	स	–
रं	ग	डा	ऽ	रा	ऽ	मोऽ	ऽऽ	हि	प्रे	म	रं	ऽ	ग	में	ऽ
स	स	स	स	र	र	र	–	रग	म	ग	म	प	ध	प	–
उ	मं	ग	उ	मं	ग	है	ऽ	अंऽ	ऽ	ग	अं	ऽ	ग	में	ऽ
प	न	सं	रं	रं	गंरं	सं	सं	पन	संरं	सं	सं	न	–	प	–
कि	त	में	ब	स	तऽ	अ	ब	नैऽ	ऽऽ	न	ति	हा	ऽ	रे	ऽ
पन	सं	न	प	–	प	ग	र	गम	पध	ग	म	ग	र	स	स
प्याऽ	ऽ	रे	प्या	ऽ	रे	र	स	न्या	ऽऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ज	न

प	न	सं	रं	नसंगं	रं	सं	सं	पन	सरं	सं	सं	न	–	प	–
कि	त	में	ब	सऽऽ	त	श्र	ब	नैऽ	ऽऽ	न	ति	हा	ऽ	रं	ऽ
पन	सं	न	प	–	प	ग	र	गम	पध	ग	म	ग	र	म	स
प्याऽ	ऽ	रे	प्या	ऽ	रे	र	स	न्याऽ	ऽऽ	रे	ऽ	सा	ऽ	ज	न

—ठेका बन्द—

ग	–	ग	–	ग	ग	–	ग	रग	रग	म	प	ध	प	म	म
श्रां	ऽ	खों	ऽ	के	श्रा	ऽ	ज	साऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	ने
ग	–	–	–	प	–	प	–	प	गम	गम	पध	पध	पम	गर	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श्रां	ऽ	खों	ऽ	का	चांऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
गम	गम	प	म	ग	–	–	–	पनसरं	पनसंरं	नसंरं-	नसंरं-	नसंरंमं	गं	–	–
ऽऽ	ऽऽ	ऽ	द	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गं	–	गं	–	ग	सं	गं	सं	न	न	–	–	ग	–	म	प
श्रा	ऽ	पा	ऽ	स	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ख	ऽ	ऽ	श्रा	ऽ	ज	ते
प	–	–	–	ध	सं	–	–	ध	–	–	ध	सं	रं	गं	धसंरं
रा	ऽ	ऽ	ऽ	चां	ऽ	ऽ	ऽ	द	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽ
धसंरं	संरंगं	रं		गं	–	–	–	–	–	*	*				
ऽऽऽ	ऽऽऽ	त		है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ				

ठेका शुरू

*	पं	पं	पं	पं	–	मं	गं	रंगं	मंपं	मं	गं	गंमं	पंमं	गंरं	सं-
*	भू	ल	र	है	ऽ	हैं	सि	ताऽ	ऽऽ	रे	ऽ	**	**	**	**
*	पं	पं	पं	पं	–	मं	गं	रंगं	मंपं	मं	गं	गंमं	पंमं	गंरं	सं-
*	भू	ल	र	है	ऽ	हैं	सि	ताऽ	ऽऽ	रे	ऽ	**	**	**	**
*	ग	प	प	ग	प	प	प	पध	ध	ग	ग	प	ध	सं	न
ऽ	भू	ल	र	है	ऽ	हैं	सि	ताऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	*

ठेका बन्द

ध	–	ग	–	प	ध	ध	रं	सं	–	–	–	सं	धसंरंगं	धसंरंगं
*	*	भू	ऽ	ल	र	है	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	सि	ताऽऽऽ	ऽऽऽऽ

गंमं	गंमं	गं	–	–	–
ऽऽ	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ

23—N. P. K.

याद न कर दिले हर्जीं.......!

सागर फिल्म	**	ताल	**	गायक
"डकन क्वीन"	**	दादरा	**	सुरेन्द्र

याद न कर दिले हर्जीं, भूली हुई कहानियां।
यार की बज़्मे नाज़ में, गुज़री हुई जवानियां॥
तेरी बला से जाने जां, रोते हैं हम तो क्या हुआ।
इश्क में यूं ही बे सकूं कटती हैं ज़िन्दगानियाँ॥
आपको मुझसे इश्क था, इसलिये आप चुप रहे।
कहती रही ग़मे जवां, आपकी बे ज़बानियां॥

—स्थाई—

×			०			+			०		
म	ध	प	म	–	प	र	–	र	स	–	–
या	द	न	कर	ऽ	दि	ले	ऽ	ह	ज़ीं	ऽ	ऽ
ध़	स	र	म	–	र	रम	पध	–प	ध	प	–
भू	ली	हु	ई	ऽ	क	हाऽ	ऽऽ	ऽनि	यां	ऽ	ऽ
र	ध	प	म	–	प	र	–	र	स	–	–
या	र	की	बज़	ऽ	मे	ना	ऽ	ज़	में	ऽ	ऽ
ध़	स	र	म	–	र	रम	पध	–प	ध	प	–
गुज़	री	हु	ई	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	ऽनि	यां	ऽ	ऽ

अन्तरा नं० १

र	ध	प	म	–	प	र	–	र	स	–	–
या	द	न	कर	ऽ	द	ले	ऽ	ह	ज़ीं	ऽ	ऽ
म	म	म	ध	–	ध	ध	धनसं	न	सं	–	–
ते	री	ब	ला	ऽ	से	जा	ऽऽऽ	ने	जां	ऽ	ऽ
ध सं	सं	सं	सं	–	सं	न	–	सं	ध	–	–
रो	ते	हैं	हम	ऽ	तो	क्या	ऽ	हु	आ	ऽ	ऽ
म	म	म	ध	–	ध	ध	धनसं	न	सं	–	–
ते	री	ब	ला	ऽ	से	जा	ऽऽऽ	ने	जां	ऽ	ऽ

सं	सं	सं	सं	–	सं	न	–	सं	ध	ध	रं
रो	ते	हैं	हम	ऽ	तो	क्या	ऽ	हु	आ	ऽ	ऽ
सं	सं	सं	सं	–	सं	न	–	सं	ध	मपध	म
रो	ते	हैं	हम	ऽ	तो	क्या	ऽ	हु	आ	ऽऽऽ	ऽ
म	ध	प	म	–	प	र	–	र	स	–	–
इश	क	में	यूं	ऽ	हि	वे	ऽ	स	कूँ	ऽ	ऽ
ध़	स	र	म	–	र	रम	पध	-प	ध	प	–
कट	ती	हैं	ज़िन	ऽ	द	गाऽ	ऽऽ	ऽनि	यां	ऽ	ऽ

अन्तरा नं० २

×			०			×			०		
म	म	म	ध	ध	ध	ध	धनसं	न	सं	–	–
आ	प	को	मु	झ	से	इ	ऽऽश	क	था	ऽ	ऽ
संसं	सं	सं	सं	–	सं	न	न	सं	ध	मपध	म
इस	लि	ये	आ	ऽ	प	चु	प	र	हे	ऽऽऽ	ऽ
म	म	म	ध	ध	ध	ध	धनसं	न	सं	–	न
आ	प	को	मु	झ	से	इ	ऽऽश	क	था	ऽ	ऽ
ध	नध	पधपध	नधनसं	सं	*	संसं	सं	सं	सं	–	सं
ऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ	*	इस	लि	ये	आ	ऽ	प

न	न	सं	ध	ध	सं	संसं	सं	सं	सं	-	सं
चु	प	र	हे	ऽ	ऽ	इस	लि	ये	आ	ऽ	प
न	न	सं	ध	मपध	म	मम	ध	प	म	-	प
चु	प	र	हे	ऽऽऽ	ऽ	कह	ती	र	ही	ऽ	ग़
र	-	र	स	-	-	ध़	स	र	म	-	र
मे	ऽ	ज़	बां	ऽ	ऽ	आ	प	की	वे	ऽ	ज़
रम	पध	-प	ध	प	-	म	ध	प	मम	-	प
बा	ऽऽ	ऽनि	यां	ऽ	ऽ	या	द	न	कर	ऽ	दि

24-N P K

न जाने क्या है दिल का राज़....!

न्यू थियेटर्स फिल्म		ताल		गायिका
"मुक्ती"		कहरवा		काननबाला

क्या यही होती है उल्फत, क्या यूँ ही आता है दिल ?
देखते ही उनकी सूरत, महब हो जाता है दिल ॥

गीत

न जाने क्या है दिल का राज़ ? सोज़ ये है या साज़ ?
बे देखे आराम न आये, उनको पाये खुद खो जाये।
फिर भी न आवे बाज़—न जाने..................?
कोई बनाये कोई खिजाये, शौक सिवा हो शरम न आये।
और करे है नाज़—न जाने क्या..................?

और कोई क्यूं कर पहिचाने, अपना भेद वो खुद भी न जाने।
कौन है ये अन्दाज़। न जाने क्या..............................॥

(शैर, बिना ताल के गाई जायगी)

म
ग - ग -ग प - * नसं सं - धनध- पधपध पधनसं सं सं सं
क्या ऽ ऽ ऽय ही ऽ * होती है ऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ ऽऽऽऽ उ ल्फ त

प प
न - नन ध - ध ध न - ध प - मपमप ग प ध
क्या ऽऽ यूं ही - ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आऽऽऽ ऽ ता ऽ

धनपध न - ध प - * ध - ध ध ध - * धध धन न
ऽऽऽऽ ऽ ऽ है दिल ऽ * दे ऽ ख ते ही ऽ * उन कीऽ ऽ

प ध न न
ध प - ग म ग र - ग प प ग प - ध ध न सं सं -
ऽ ऽ ऽ सू ऽ र त ऽ म ह ब हो ऽ ऽ जा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

नध प ध प -
ताऽ ऽ है दिल ऽ

स्थाई, ताल कहरवा☞

०	+	०	+	प न
प - मग रग	र ग प प	- मग रस न	स - स,	प
जा ऽ नेऽ ऽऽ	ऽ क्या ऽ है	ऽ दिल ऽऽ का	रा ऽ ज़,	*
प - मग रग	स स - ग	प - न ध	न - न,	प
* * * *	ऽ सोज़ ऽ ये	है ऽ या ऽ	सा ऽ ज़,	न

अन्तरा नं० १

+				०				+				०			
*	ग	प	प	धन	ध	न	-	सं	-	सं	सं	संन	धप	धन	सं
*	बे	ऽ	दे	खेऽ	ऽ	आं	ऽ	रा	ऽ	म	न	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	ये
न	न	न	*	न	सं	न	सं	न	न	धन	सं	ध	न	प	-
उ	न	को	*	पा	ऽ	ये	ऽ	खु	द	खोऽ	ऽ	जा	ऽ	ये	ऽ
*	नन	न	न	न	-	नसं	नसं	न	ध	पप,	प	प	-	मग	रग
*	फिर	भी	न	आ	ऽ	येऽ	ऽऽ	बा	ऽ	ऽज़,	न	जा	ऽ	नेऽ	ऽऽ

अन्तरा नं० २

+				०				+				०			
*	स	ग	ग	ऩ	स	ऩ	-	-	स	र	र	सर	गम	ग	-
*	को	ई	ब	ना	ऽ	ये	ऽ	ऽ	को	ई	खि	जाऽ	ऽऽ	ये	ऽ
ग	प	प	प	प	-	गप	धन	न	प	ग	प	र	-	स	-
शौ	ऽ	क़	सि	वा	ऽ	होऽ	ऽऽ	ऽ	श	र्म	न	आ	ऽ	ये	ऽ
*	प	न	न	न	-	नसं	नसं	न	ध	पप,	प	प	-	मग	रग
*	औ	र	क	रे	ऽ	हैऽ	ऽऽ	ना	ऽ	ऽज़,	न	जा	ऽ	नेऽ	ऽऽ

अन्तरा नं० ३

+				०				+				०			
*	ग	न	न	पध	पध	ग	प	पप	*	प	प	पध	नध	नसं	सं
*	औ	र	को	ईऽ	ऽऽ	क्यूं	ऽ	कर	*	प	हि	चाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ने

*	न	न	न	*	न	न	सं न	सं	पध	न	सं	ध	न	प	-
*	श्र	प	ना	*	भे	द	वोऽ	ऽ	खुद	भी	न	जा	ऽ	ने	ऽ
*	न	न	न	नसं	नसं	पध	नसं	न	ध	पप,	प	प	-	मग	रग
*	कौ	न	है	येऽ	ऽऽ	श्रंऽ	ऽऽ	दा	ऽ	ऽज़,	न	जा	ऽ	नेऽ	ऽऽ

22—N. P. K.

मन हर लीनो कृष्ण मुरार.....!

हिज़मास्टर्स रेकार्ड	* *	ताल	* *	गायक
गीत	* *	तिताला या कहरवा	* *	ज़ोहरा और रामा

मन हर लीनो कृष्ण मुरार, साँवरिया मदन मोहन नन्द कुमार !
हिरदे अन्दर बिराजे गिरधर, कृष्ण मुरार, कृष्ण मुरार, कृष्ण मुरार !
कुन्जन बन में, मोरे मन में, बन्सरी बाजे, आज वही है अमृत धार।
इसमें डूबा है जग सारा, बनर डूबा तनमन डूबा, त्रिभुवन डूबा, प्रेमकी धार !
कृष्ण मुरार ! कृष्ण मुरार !! कृष्ण मुरार !!!
रङ्ग तरंगों में खेलकरे ंवरा, कहीं रास लीला करे कहीं है निरंकार !
अपार है वह सोलह कला अवतार ! लीला धारी—
नटवर मनहर गिरधर प्यारा ! बनवारी, जग हितकारी !
कृष्ण मुरार ! कृष्ण मुरार !! कृष्ण मुरार !!!

क्लारनेट बजेगी ।

								सस	सस	सस	सस	स	-स	स	-
स	-	र	ग	रग	र	स	ध़	स	-	र	ग	स	-	-	-
स	-	र	ग	रग	र	स	ध़	स	-	र	ग	स	-	-	-

सिर्फ़ कोरनेट—

प़ - ध़ स	ऩस ऩध़ प़ स	ऩस ऩध़ प़ ध़	प़ - - -
प़ - ध़ स	ऩस ऩस प़ स	ऩस ऩध़ प़ ध़	प़ - - -

क्लारनेट—

ग - म॑ प	र - स ध़	ग - म॑ प	र - स ध़
स - र ग	स - र ग	स - - -	- - - -

गाना—

स र ग म	र ग म॑ प	प म॑ ग म	र म ग र
म न ह र	ली ऽ ऽ ऽ	नो ऽ ऽ ऽ	कृ ऽ ष्ण मु
स - स ध	स - स -	प म॑ प ध	प - प म॑
रा र (कोरनेट)	... ...	साँ ऽ व री	या ऽ म द
प सं न ध	प म॑ प ध	प - प ग	प सं प ग
न मो ह न	नं ऽ द कु	मा र (कोरनेट)	... ...
प म॑ प म॑	ग म ग र	ग म ग र	ऩ र स स
हि र दे ऽ	अ न द र	बि रा ऽ जे	गि र ध र
सं न सं रं	सं - प म॑	प ध प -	र स र ग
कृ ऽ ष्ण मु	रा र कृ ऽ	ष्ण मु रा र	कृ ऽ ष्ण मु
स पप प म॑	प ध प -	ग - - स	र - - ग
रार (कोरनेट)...	... ...	... ...	... ...

स	–	–	–	–	–	–	–	स	ध	ध	ध	ध	ध	ध	–
...	...	...	...	...	...	...	...	कुँ	ऽ	ज	न	ब	न	में	ऽ
प	ध	न	सं	ध	न	प	–	ग	म	ग	र	ग	म	प	–
मो	ऽ	रे	ऽ	म	न	में	ऽ	बं	ऽ	स	री	बा	ऽ	जे	ऽ
स	ध	ध	ध	ध	ध	ध	–	प	ध	न	सं	ध	न	प	–
आ	ऽ	ज	ब	ही	ऽ	है	ऽ	अ	म	र	त	धा	ऽ	रा	ऽ
प	ध	न	ध	प	–	म	–	ग	म	ग	र	ग	म	प	–
इ	स	में	ऽ	डू	ऽ	बा	ऽ	है	ऽ	ज	ग	सा	ऽ	रा	ऽ
प़	रं	रं	रं	रं	न	सं	–	ध	न	ध	सं	न	ध	प	–
वृ	न	ब	न	डू	ऽ	बा	ऽ	त	न	म	न	डू	ऽ	बा	ऽ
ग	म	ग	न	ध	न	प	–	म	ग	म	र	स	–	–	–
त्रि	भु	व	न	डू	ऽ	बा	ऽ	प्रे	ऽ	म	की	धा	ऽ	ऽ	र
सं	न	सं	रं	सं	–	प	मं	प़	ध	प	–	र	स	र	ग
कृ	ऽ	ष्ण	मु	रा	र	कृ	ऽ	ष्ण	मु	रा	र	कृ	ऽ	ष्ण	मु
स	संसं		संन	सं़	नन	सं	रं	रं़	संसं	रं	गं	सं	–	पध	नसं
रार(सिर्फ कोरनेट)				...	...	...	...	...	...	...	...	...	....	(काष्टतरंग)	
पध	पध	नसं	नध	पध	पध	नसं	नध	पसं	पसं	नसं	नध	प	ग	स	–
...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	(कोरनेट			

गाना—

ग	प	ग	प	-	प	-	प	ध	न	प	ध	सं	न	प	-
रं	ग	त	रं	ऽ	गौ	ऽ	में	खे	ल	क	रे	साँ	व	रा	ऽ
प	रं	रं	-रं	रं	रं	रं	रं	रं	गं	रंगं	मं	गं	रं	रंगं	मं
क	हीं	रा	ऽस	ली	ला	क	रे	क	हीं	हैऽ	नि	रं	ऽ	काऽ	ऽ
गं	रं	-	-	-	-	-	-	म	सं	-	रं	सं	न॒	न॒	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	अ	पा	ऽ	र	है	ऽ	वो	ऽ
ध	न॒	प	ध	म	प	ध	पध	सं	-	-	-	-	-	-	-
सो	ऽ	लह	क	ला	ऽ	अ	बऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
म	-	म	ग	ग	र	रग	म	ग	र	-	-	-	-	-	-
ला	ऽ	ला	ऽ	धा	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	म॑	म॑	म॑	म॑	प	म॑	प	म॑	प	न॒	ध	प	म॑	प	-
न	ट	व	र	म	न	ह	र	गि	र	ध	र	प्या	ऽ	रा	ऽ
सं	-	न	-	ध	-	प	प	म॑	-	रं	-	सं	-	-	-
ब	न	वा	ऽ	री	ऽ	ज	ग	हि	त	का	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
सं	न	सं	रं	सं	-	प	म॑	प	ध	प	-	र	स	र	ग
कृ	ऽ	ष्ण	मु	रा	र	कृ	ऽ	ष्ण	मु	रा	र	कृ	ऽ	ष्ण	मु
स	-	-	-	-	-	-	-								
रा	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

२६ (स्वरलिपिकार—श्री० मदनलाल वायोलिन मास्टर)

“लैला मजनू” नाटक से

कोरस

(एमन) चौताला

स्वरकारः— प्रो० जयचन्द्र शर्मा

बिनती करत तोरे द्वार । रखियो प्रभु मोरी लाज
सकल जगत नाम जपत, नाम लेत सुख पावत,
कृपा करो मोरे करतार ॥

+		०		२		०		३		४	
प	न	ध	सं	न	प	म॑	प	ग	ऩ	र	स
बि	न	ती	क	र	त	तो	ऽ	रे	द्वा	ऽ	र
न	रं	गं	–	न	सं	नध	नध	पम॑	ग	ध	प
र	खि	यो	ऽ	प्र	भु	मोऽ	ऽऽ	रीऽ	ला	ऽ	ज

(अन्तरा)

प	प	प	ध	ग	प	सं	–	सं	रं	न	सं
स	क	ल	ज	ग	त	ना	ऽ	म	ज	प	त
न	–	ध	प	म॑	ग	न	ध	प	म॑	ग	र
ना	ऽ	म	ले	ऽ	त	सु	ख	पा	ऽ	व	त
न	रं	गं	–	न	सं	नध	नध	पम॑	ग	ध	प
कृ	ऽ	पा	ऽ	क	रो	मोऽ	रेऽ	कर	ता	ऽ	र

दुगुन स्थाई—

पन	धसं	नप	म॑प	गऩ	रस	नरं	गं-	नसं	नध	पग	धप
बिन	त क	रत	तोऽ	रेद्वा	ऽर	रखि	योऽ	प्रभु	मोऽ	रीला	ऽज

दुगुन—अन्तरा

पप	पध	गप	सं-	सरं	नसं	न-	धप	मग	नध	पम	गर
सक	लज	गत	नाऽ	मज	पत	नाऽ	मले	ऽत	सुख	पा	वत
नरं	गं-	नसं	नध	पग	धप	पन	धसं	नप	मप	गन्	रस
कुऽ	पा	करौ	मोरे	कर	तार	बिन	तीक	रत	तोऽ	रेद्वा	ऽर

स्थायी – दुगन—तीया

पन	धसं	नप	मप	गन्	रस	मप	गन्	रस	मप	गन्	रस
बिन	तीक	रत	तोऽ	रेद्वा	ऽर	तोऽ	रेद्वा	ऽर	तोऽ	रेद्वा	ऽर

दूसरे ढङ्ग से दुगुन तीया
("बिनती करत" ३ बार)

पन	धसं	नप	पन	धसं	नप	पन	धसं	नप	मप	गन्	रस
बिन	तीक	रत	बिन	तीक	रत	बिन	तीक	रत	तोऽ	रेद्वा	ऽर

दोहरे बोल दुगुन

पन	धप	नध	संन	पसं	नप	मप	गम	पग	नर	सन्	रस
बिन	तीबि	नती	कर	तक	रत	तोऽ	रेतो	ऽरे	द्वार	रद्वा	ऽर

आड़ तिहाई

+		०		२	
पनध	संनप	मपग	नरस	पनध	संनप
बिनती	करत	तोऽरे	द्वाऽर	बिनती	करत

मंपग	नूरस	पनध	संनध	मंपग	नूरस
तोऽरे	द्वाऽर	विनती	करत	तोऽरे	द्वाऽर

नोटः—स्थाई के पांच काम दिये जारहे हैं अन्तरे के काम पाठक गण खुद बनालें जिससे अभ्यास के साथ साथ आपका ज्ञान भी बढ़ेगा ।

27—J. C. S.

शब्दकार-
पं० वसन्तकुमार जी जोशी

प्रार्थना

(तिताला और दादरा)

स्वरकार-
पं० नारायणदत्त जी जोशी

हे जगदीश्वर हे करतार ॥
सुफल कामना करो हमारी, जग संकट निस्तार ॥
हम तुमसे बार बार, पिता कहें पुकार,
दया करोगे लाज धरोगे । तब हो बेड़ा पार ॥ २ ॥
तुम हो जगत के कर्त्ता, दुख—द्वन्द दोष हर्त्ता,
निर्मल मन दो, बुद्धि विमल दो, हरिये सभी विकार ॥३॥

(स्थायी—तीन ताल)

०				३				+				२			
स	-	सं	नृ	स	र	ग	र	स	नृ	धृ	र	स	-	-	स
हे	ऽ	ज	ग	दी	ऽ	श्व	र	हे	ऽ	क	र	ता	ऽ	ऽ	र
स	म	म	म	-	म	म	-	म	ध	-	प	म	-	म	प
सु	फ	ल	का	ऽ	म	ना	ऽ	क	रो	ऽ	ह	मा	ऽ	री	ऽ
ग	ग	ग	-	र	ग	स	र	ग	-	-	-	-	-	-	ग
ज	ग	सं	ऽ	क	ट	नि	ऽ	स्ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र

अन्तरा दादरा ☞

+			०			+			०		
										स	स
										ह	म
स	-	ध़	स	-	र	ग	-	-	-	ग	म
तु	ऽ	म्से	बा	ऽ	र	बा	ऽ	ऽ	ऽ	र	पि
प	-	ध	म	-	र	ग	-	-	-	-	ग
ता	ऽ	क	हैं	ऽ	पु	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र

तीन ताल

०				३				+				२			
प	प	-	प	प	-	प	ध	म	-	म	म	म	-	म	प
द	या	ऽ	क	रो	ऽ	गे	ऽ	ला	ऽ	ज	ध	रो	ऽ	गे	ऽ
ग	ग	ग	-	र	ग	स	र	ग	-	-	-	-	-	-	ग
त	ब	हो	ऽ	बे	ऽ	ड़ा		पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र

दूसरा अन्तरा भी इसी अन्तरे के समान जानिये। 29–N. D. J

मोपै मोहनी सी डार गयौ !

थियेट्रिकल	**	ताल	**	स्वरकार व शब्दकार
गीत	**	दादरा	**	श्री० विश्वम्भरसहाय 'व्याकुल'

मोपै मोहनी सी डार गयौ रे। मोहन नैन सैन मार गयौ रे॥
काहे करेजे पीर उठे मोहे यह समझाओ बीर।
नैनन देखो सो नीर बहायौ जियरा काहे अधीर॥
'व्याकुल' डार मँझधार गयौरे। मोहन नैन सैन⋯⋯

स्थाई ☞

+			०			+			०		
									प	प	ध
									मो	पै	ऽ

पध	नसं	नसं	ध	न	ध	प	ध	प	म	ग	–
मोऽ	ऽऽ	हऽ	नी	ऽ	सी	डा	ऽ	र	ग	यो	ऽ
म	–	–	र	ध	प	म	प	म	ग	म	ग
रे	ऽ	ऽ	मो	ह	न	नै	ऽ	न	सै	ऽ	न
र	ग	र	स	ऩ	–	स	–	–			
मा	ऽ	र	ग	यो	ऽ	रे	ऽ	ऽ			
				अन्तरा					स	र	र
									का	हे	क
म	म	–	प	प	ध	पध	नसं	सं	न	न	ध
रे	जे	ऽ	पी	र	उ	ठेऽ	मोऽ	हे	ये	स	म
प	म	ध	प	–	–	सं	न	ध	प	म	ग
झा	ओ	ऽ	बी	ऽ	र	नै	न	न	दे	खो	सो
ध	प	म	ग	र	स	प	म	ग	र	स	ऩ
नी	र	ब	हा	यो	ऽ	जि	य	रा	का	हे	अ
स	–	स	प	सं	न:	ध	न	ध	प	ध	प
धी	ऽ	र	ब्या	कु	ल	डा	ऽ	र	म	झ	ऽ
म	प	म	ग	स	ग	म	–	–			
धा	ऽ	र	ग	यो	ऽ	रे	–	–	मोहन नैन सैन……		

मेरो ललना झूले पालना....!

फिल्म		ताल		स्वरलिपिकर्ता
"जीवन प्रभात"	**	कहरवा	**	"श्री शान्तीदेवी"

मेरो ललना झूले पालना, मेरो मुन्ना झूले पालना।
हरे गुलाबी रेशम की डोर लगी, सोने चांदी की पटियें खूब बनी।
पड़ौ पड़ौ मारे किलकारी, मन मोहे तोरी छबि प्यारी।
मांके मन में उठत हिलोरें। झूला झूले लालना,
मेरो मिठुआ झूले पालना॥
बड़ौ भयौ तो छोड़ौ झूला, डोले इत उत चढ़ौ गढ़ूला।
बात बनावे भोली—भोली, भूख लगे पर दौड़ौ आवे,
पढ़े तोतली बोली-मां ओती दे, मां दू दू दे, पालना, मेरौ मुन्ना......॥
रोतो रोतो घर में आवे, मां छाती से दौड़ लगावे।
किन ने मारा ? बाबू बबुआ कौन लाया ? बाबू, दुद् कौन पिलाया ?
अम्मा पाला, किछका बेता ? मेरा प्यारा राज दुलारा।
अम्मा अम्मा कहता प्यारा, लालना मेरौ मुनुआँ झूले पालना,
मेरौ ललना झूले, पालना मेरौ मुन्ना झूले................॥

स्वरलिपि स्थायी

														स	ऩ
														मे	रो
+				।				+				।			
स	ग	ग	म	प	म̇	प	ध	-	म	प	म	ग	-	ग	म
ल	ल	ना	ऽ	भू	ऽ	ले	ऽ	ऽ	पा	ल	ऽ	ना	ऽ	मे	रो

ग	प	म॑	प	ग	प	म	ग	म	गर	ग	र	स	-	-	-
मु	ऽ	आ	ऽ	भू	ऽ	ले	ऽ	ऽ	पाऽ	ऽ	ल	ना	ऽ	ऽ	ऽ
-	ऩ	ऩ	ऩ	स	-	ग	म	ग	प	म॑	प	ग	म	प	ध
ऽ	ह	रे	गु	ला	ऽ	बी	ऽ	रे	ऽ	श	म	की	ऽ	ऽ	ऽ
-	न	ध	न	प	-	-	-	-	ऩ	-	ऩ	स	-	ग	म
ऽ	डो	र	ल	गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सो	ऽ	ने	चाँ	ऽ	दी	ऽ
ग	प	म॑	प	ग	म	प	ध	-	न	ध	न	प	-	-	-
की	ऽ	प	टि	यँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	खू	ब	ब	नी	ऽ	ऽ	ऽ
प	न	-	ध	न	सं	सं	न	ध	सं	न	ध	म॑	ध	प	-
प	ड़ौ	ऽ	प	ड़ौ	ऽ	मा	ऽ	रे	ऽ	कि	ल	का	ऽ	ऽ	री
प	न	न	ध	न	सं	सं	न	ध	सं	न	ध	म॑	ध	प	-
म	न	मो	ऽ	हे	ऽ	तो	ऽ	री	ऽ	छ	बि	प्या	ऽ	री	ऽ
ग	म	ग	म	प	न	ध	सं	न	रें	सं	न	धन	धन	प	-
माँ	ऽ	के	ऽ	म	न	में	ऽ	उ	ठ	त	हि	लोऽ	ऽऽ	रे	ऽ

(सिर्फ साज़ बजेंगे)

ग	म	ग		प	म॑	प	ध	-	ग	प	म	ग	-	ग	म
ग	प	म॑	प	ग	प	म	ग	म	गर	ग	र	स	-	स	ऩ

स	ग	ग	म	प	म॑	ध	प	-	ग	प	म	ग	-	ग	म
भू	ऽ	ला	ऽ	भू	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ल	ना	ऽ	मे	रौ
ग	प	म॑	प	ग़	प	म	ग	म	गर	ग	र	स	-	स	ऩ
मि	ठु	आ	ऽ	भू	ऽ	ले	ऽ	ऽ	पाऽ	ऽ	ल	ना	ऽ	*	*
स	ग	ग	म	प	म॑	प	ध	-	ग	प	म	ग	-	ग	म
ग	प	म॑	ग	ग	प	म	ग	म	गर	ग	र	स	-	स	ऩ
ऩ	स	-	स	स	ग	ग	-	ग	म	प	म	ग	र	स	ऩ
ब	ड़ौ	ऽ	भ	यौ	ऽ	तो	ऽ	छो	ऽ	ड़ो	ऽ	भू	ऽ	ला	ऽ
प़	ऩ	ऩ	-	ऩ	स	स	स	ग	म	प	म	ग	र	स	ऩ
डो	ऽ	ले	ऽ	इ	त	उ	त	च	ढ़ौ	ऽ	ग	डू	ऽ	ला	ऽ
स	म	ग	म	प	-	न	सं	ध	सं	न	ध	म	ध	प	-
बा	ऽ	त	ब	ना	ऽ	वे	ऽ	भो	ऽ	ली	ऽ	भो	ऽ	ली	ऽ
प	न	ध	सं	न	ध	प	म॑	प	ध	प	म	ग	र	ग	र
भू	ऽ	ख	ल	गे	ऽ	प	र	दौं	ऽ	ड़ौ	ऽ	आ	ऽ	वे	ऽ
गम	पध	प	म	ग	र	स	ऩ	स	म	ग	प	-	-	-	-
पऽ	ढ़ेऽ	ऽ	तो	ऽ	त	ली	ऽ	बो	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
										-	स	समगम	पप	पनधसं	नधप-
माँ	माँ	ओती	दे	माँ	माँ	दूदू	दे	पनसंरं	संनधप	मगरस-मा		धौऽइ	उठावे	दूऽधपिलाऽवेऽ	

		–	स	समगम पप पनधसं नधप–				–	ग	प	म	ग	–	ग	म
पनसंरं संनधप मगरस–मां				दीऽक्षउठावेद्दऽत्रपिलाऽवेऽ				ऽ	पा	ऽ	ल	ना	ऽ	मे	रौ
ग	प	म॑	प	ग	प	म	ग	म	गर	ग	र	स	–	स	ऩ
मु	ऽ	न्हा	ऽ	भू	ऽ	ले	ऽ	ऽ	पाऽ	ऽ	ल	ना	ऽ	*	*

न्वार बार साज़ बजेंगे

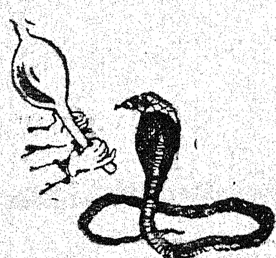
स	ग	ग	म	प	म॑	प	ध	–	ग	प	म	ग	–	ग	म
ग	प	म॑	प	ग	प	म	ग	म	गर	ग	र	स	–	स	ऩ

गाना

प़	ऩ	ऩ	–	ऩ	स	स	–	ग	म	प	म	ग	र	स	ऩ
रो	ऽ	तौ	ऽ	रो	ऽ	तौ	ऽ	घ	र	में	ऽ	आ	ऽ	वे	ऽ
प़	ऩ	ऩ	–	ऩ	स	स	–	ग	म	प	म	ग	र	स	ऩ
माँ	ऽ	छा	ऽ	ती	ऽ	से	ऽ	दौ	ऽ	ड़	ल	गा	ऽ	वे	ऽ
ऩस	गम	प	गप	पन	सं	नसं	गंमं	पंमं	गंरं	सांन	धप	मग	रस	–	-र
किन	ने	मा	रा	बा	ऽ	ऽ	ऽ	बू	ऽ	बबु	आ	कौ	ऽन	ला	या
बा	ऽ	ऽ	ऽ	बू	ऽ	दु	द्दू	कौ-	नृपि	ला	या	अम्	ऽ	ऽ	ऽ
मा	ऽ	पा	ला	किछ	का	बे	ता	अम्	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ
स	म	ग	म़	प	म॑म॑	प	ध	प	न	ध	सं	न	ध	म॑	प
मे	रा	प्या	रा	रा	जदु	ला	रा	अं	मा	अम्	मा	कह	ता	प्या	रा

–	ग	प	म	ग	–	ग	म	ग	प	मं	प	ग	प	म	ग
ऽ	ला	ऽ	ल	ना	ऽ	मे	रो	मु	नु	आँ	ऽ	भू	ऽ	ले	ऽ
म	गर	ग	र	स	–	स	ऩ	स	ग	ग	म	प	मं	प	ध
ऽ	पाऽ	ऽ	ल	ना	ऽ	मे	रो	ल	ल	ना	ऽ	भू	ऽ	ले	ऽ
–	ग	प	म	ग	–	ग	म	ग	प	मं	प	ग	प	म	ग
ऽ	पा	ऽ	ल	ना	ऽ	मे	रो	मुन्	ऽ	ना	ऽ	भू	ऽ	ले	ऽ
म	गर	ग	र	स	–	स	ऩ	स	ग	ग	म	प	मं	प	ध
ऽ	पाऽ	ऽ	ल	ना	ऽ	*	*	(बाजे बजेंगे)							
–	ग	प	म	ग	–	ग	म	ग	प	मं	प	ग	प	म	ग
म	गर	ग	र	सा	–	–	–								

68—S. DEVI.



रखिया बँधवो भैया, सावन....!

फिल्मगीत "छाया"	मिश्र मांड़ ताल लावनी	रत्नप्रभा द्वारा गाया हुआ

रखिया बँधावो भैया, सावन आया रे !
पूजन की थाली, मङ्गल हरियाली,
तोरी बलैयां भैया, जुग-जुग जीयो रे। रखिया० ॥
सूरज चन्दा से तुम, राम लछमन जैसे,
प्यारे हमारे भैया ! जुग-जुग जीयो रे। रखिया० ॥

(बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक)

२				३				०				१			
प	ध	पम	गर	स	प	मग	रस	र	ग	रस	ऩध़	प़	ध़	स	-
सर	गम	पध	नसं	नध	पम	गर	सऩ	सऩ	ध़प़	ध़ऩ	सर	ध़	ऩ	स	ग
														र	खि
ग	-	-	स	र	स	सर	ग	र	स	स	-	-	-	स	ग
या	ऽ	ऽ	बं	धा	ऽ	वो	ऽ	भै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	र	खि
ग	-	-	स	र	स	सर	ग	र	स	स	-	-	-	ध़	स
या	ऽ	ऽ	बं	धा	ऽ	वो	ऽ	भै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ
र	ग	म	-	गग	गम	र	स	सर	गर	स	ऩ	स	-	स	ग
व	ऽ	ऽ	न	आ	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	र	खि
ग	-	-	स	र	स	सर	ग	र	स	स	-	ऩ	ध़	ध़	ग
या	ऽ	ऽ	बं	धा	ऽ	वो	ऽ	भै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	र	खि

ग	–	–	स	र	स	सर	ग	र	स	स	–	–	–	प	–
या	ऽ	ऽ	बं	धा	ऽ	वो	ऽ	भै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	पू	ऽ
प	–	पन	ध	प	म	ग	र	स	र	र	–	–	–	प	–
ज	ऽ	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ	था	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ
प	–	पन	ध	प	म	ग	र	स	र	र	–	–	–	–	–
ग	ऽ	ल	ऽ	ह	री	ऽ	ऽ	या	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

फिर बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक (पृष्ठ-सङ्गीत)

प	ध	पध	न	ध	प	म	ग	म	प	मप	ध	प	म	ग	र
र	ग	रग	म	ग	र	स	ऩ	ध़	ऩ	स	–	–	–	प	–
														पू	ऽ
प	–	पन	ध	प	म	ग	र	स	र	र	–	–	–	प	–
ज	ऽ	न	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ	था	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मं	ऽ
प	–	पन	ध	प	म	ग	र	स	र	र	–	–	–	ग	–
ग	ऽ	ल	ऽ	ह	रि	ऽ	ऽ	या	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	तो	ऽ
ग	–	–	स	र	स	सर	ग	र	स	स	–	ऩ	ध़	ध़	ग
री	ऽ	ऽ	ब	लैं	ऽ	था	ऽ	भै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	तो	ऽ
ग	–	–	स	र	स	सर	ग	र	स	स	–	–	–	ध़	स
री	ऽ	ऽ	ब	लैं	ऽ	या	ऽ	भै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	जु	ग

र	ग	म	-	गम	गम	र	स	सर	गर	स	ऩ	स	-	र	ग
जु	ऽ	ग	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	र	खि
र	ग	र	ग	र	स	सर	ग	र	स	स	-	ऩ	ध़	र	ग
या	ऽ	ऽ	वँ	धा	ऽ	वो		भै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	र	खि
र	ग	र	ग	र	स	सर	ग	र	स	स	-	-	-	ध़	स
या	ऽ	ऽ	बँ	धा	ऽ	वो	ऽ	भै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ
र	ग	म	-	गम	गम	र	स	सर	गर	स	ऩ	स	-	ध़	स
व	ऽ	न	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	र	खि

32—S. S.

पुजारी मोरे मन्दिर में.........!

सागर मोवीटोन फिल्म	* *	ताल	* *	गायक
"जागीरदार"	* *	कहरवा	* *	सुरेन्द्र और बिब्बो

पुजारी मोरे मन्दिर में आओ ।
नैनों की गङ्गा जमुना में, साजन आवो नहाओ ॥ पुजारी...॥
प्रेम देव की करूँ आरती, स्नेह सुधा बरसाओ ।
दिल के तारों पर सजनी तुम, दीपक राग सुनाओ ॥ पुजारी...॥
बचपन रूठ गयो क्यूँ मोसे, कोई ये बतलाओ ।
जोबन रूठ न जाये बालम, ऐसी राह बताओ ॥ पुजारी...॥
चन्द्र गहन है, चन्द्रमुखी तुम, आओयहां छिप जाओ ।
रूप सुधा की मस्त पियाली, पीओ और पिलाओ ॥ पुजारी...॥

+				।				+				।			
			स	सर	ग	रग	म	-	ग	ग	गर	सग	रग	नध़	ऩ
			पु	जाऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽ	मो	रे	मंऽ	दिऽ	रऽ	मेंऽ	ऽ

स	-	स	-	-	-	-	-	ग	स	सर	ग	ग	-	ग	र
आ	ऽ	ओ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नै	ऽ	नोंऽ	ऽ	की	ऽ	ऽ	गं
म	-	म	म	ग	प	म	-	ग	स	सर	ग	ग	-	ग	र
गा	ऽ	ज	मु	ना	ऽ	में	ऽ	नै	ऽ	नोंऽ	ऽ	क	ऽ	गं	ऽ
म	-	म	म	ग	प	म	-	-	ग	ग	गर	सग	रस	ऩध़	ऩ
गा	ऽ	ज	मु	ना	ऽ	में	ऽ	ऽ	सा	ज	नऽ	आऽ	ऽऽ	ओ	न
स	-	स	स	सर	ग	रग	म	-	ग	ग	गर	सग	रस	ऩध़	ऩ
हा	ऽ	वो	पु	जाऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽ	मो	रे	मंऽ	दिऽ	रऽ	मेंऽ	ऽ
स	-	स	-	-	-	-	-	स	प	प	प	-	प	ग	म
आ	ऽ	ओ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प्रे	ऽ	म	दे	ऽ	व	की	ऽ
पध	न	ध	प	ग	म	प	-	-	न	न	नध	पन	धप	मग	म
कऽ	ऽ	रूँ	आ	ऽ	र	ती	ऽ	ऽ	स्ने	ह	सुऽ	धाऽ	ऽऽ	बऽ	र
प	-	प	-	-	-	-	-	न	न	न	-	न	-	न	-
सा	ऽ	ओ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दि	ल	के	ऽ	ता	ऽ	रों	ऽ
ध	ध	ध	न	प	-	म	प	प	सं	न	-	न	-	न	-
प	र	स	ज	नी	ऽ	तु	म	दि	ल	के	ऽ	ता	ऽ	रों	ऽ
ध	ध	ध	न	प	-	म	म	प	ध	प	म	ग	र	स	ऩ
प	र	स	ज	नी	ऽ	तु	म	दी	ऽ	प	क	रा	ऽ	ग	सु

स	-	स	स	सर	ग	रग	म	-	ग	ग	गर	सग	रस	नध	न
ना	ऽ	वो	पु	जाऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽ	मो	रे	मंऽ	दिऽ	रऽ	मैंऽ	ऽ
स	-	स	-	-	-	-	-	स	म	म	ग	रम	गर	स	स
आ	ऽ	ओ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	च	प	न	रूँऽ	ऽऽ	ठ	ग
र	-	म	-	प	-	प	ध	म	म	म	ग	रम	गर	स	स
यो	ऽ	क्यों	ऽ	मो	ऽ	से	ऽ	ब	च	प	न	रूँऽ	ऽऽ	ठ	ग
र	-	म	-	पध	न	ध	प	-	न	-	न	न	-	न	न
यो	ऽ	क्यों	ऽ	मोऽ	ऽ	से	ऽ	ऽ	को	ऽ	ई	ये	ऽ	ब	त
ध	प	पध	न	ध	-	प	म	प	सं	सं	रं	न	-	न	न
ला	ऽ	वोऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जो	ऽ	ब	न	रूँ	ऽ	ठ	न
ध	-	ध	न	प	-	म	-	प	ध	प	म	ग	र	स	न
जा	ऽ	ये	ऽ	बा	ऽ	ल	म	ऐ	ऽ	सो	ऽ	रा	ऽ	ह	ब
स	-	स	स	सर	ग	रग	म	-	ग	ग	गर	सग	रस	नध	न
ता	ऽ	ओ	पु	जाऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽ	मो	रे	मंऽ	दिऽ	रऽ	मैंऽ	ऽ
स	-	स	-	-	-	-	-	स	-	ग	म	प	प	ग	म
आ	ऽ	ओ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	चं	ऽ	द्र	ग	ह	न	है	ऽ
पध	न	न	नध	पन	धप	म	प	-	न	न	न	नसं	नध	प	ध
चंऽ	ऽ	न्द्र	मुऽ	खीऽ	ऽऽ	तु	म	ऽ	आ	ओ	य	हांऽ	ऽऽ	छि	प

न	-	सं	-	-	-	-	-	-	रं	रं	रंगं	सं	गंरं	सं	न
आ	ऽ	ओ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रू	प	सुऽ	धाऽ	ऽऽ	की	ऽ
-	ध	-	न	ध	प	प	-	प	ध	प	म	ग	र	स	न
ऽ	म	ऽ	स्त	पि	या	ली	ऽ	पी	ऽ	ओ	ऽ	औ	ऽ	र	पि
स	-	स	स												
ला	ऽ	ओ	पु	जारी मोरे मन्दिर ....पहिली लाइन के स्वरों पर बजाओ ।											

33—S.

प्रीति में है जीवन जोखों.....!

न्यू थियेटर्स कृत फिल्म	ताल	गायक
"दुश्मन"	धुमाली	सहगल

प्रीति में है जीवन जोखों, कि जैसे कोल्हू में सरसों ।
भोर सुहानी चंचल बालक, लरकाई दिखलाये ।
हाथ से बैटा गढ़े खिलौने, पाँव से तोड़त जाये ॥
वो तो है एक मूरख बालक, तू तो नहिं नादान ।
आप बनावे, आप बिगाड़े, ये नहीं तेरी शान ॥

।				+				।				+			
म	-	-	प	धन	धन	धन	धन	धप	-	-	-	गप	मप	मपधप	मप
प्री	ऽ	ऽ	त	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
ग	-	-	-	गम	-	र	स	सर	-	ग	रस	-	-	-	स
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जी	ऽ	व	न	जो	ऽ	खों	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि

र	-	म	-	-	प	-	ध	सं	-	-	-	सं	रं	न	-
जै	ऽ	से	ऽ	ऽ	को	ऽ	ल्हू	में	ऽ	ऽ	ऽ	स	र	सों	ऽ
-	-	-	-	ध	नध	प	-	-	-	-	-	म	-	-	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प्री	ऽ	ऽ	त
धन	धन	धन	धन	धप	-	-	-	मप	मप	मपधप	मप	ग	-	-	-
में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गम	-	र	स	सर	-	-ग	रस								
जी	ऽ	व	न	जो	ऽ	खों	ऽ								
* मग	-	म		ध	-	धन	संरं	सं	-	सं	सं	सं	-	सं	सं
* भोर	ऽ	सु		हा	ऽ	नी	ऽ	चं	ऽ	च	ल	बा	ऽ	ल	क
* संरं	रं	-		सं	न	न	न	नसं	रं	नसं	रं	-	-	-	-
* लर	का	ऽ		ई	ऽ	दि	ख	ला	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
* संरं	-	रं		रं	-	रं	-	* मंगं	-	गं		रंगं	रंसं	सं	-
* हाथ	ऽ	से		बै	ऽ	ठा	ऽ	* गढ़े	ऽ	खि		लौ	ऽ	ने	ऽ
* संरं	-	गं		गंरं	सं	रं	रंगं	रंगं	रंसं	सं	-	-	-	-	-
* पाँव	ऽ	से		तो	ऽ	ड़	त	जा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
* सं	-	न		सं	-	-	-	-	न	म	ध	न	-	न	न
* वो	ऽ	तो		है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ	तो	है	ऽ	ए	क

-	धन॒	न॒	न॒	मग॒	ग॒	ग॒	ग॒								
ऽ	मू	र	ख	बा	ऽ	ल	क								
-	म	-	म	प	ध	-	ध	न	-	-	ध	-	सं	-	-
*	तू	ऽ	तो	न	हिं	ऽ	ना	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ
*	रं	रं	रं	रं	-	सरं	-	*	मं	मं	मं	संपंमंगं॒	-	गं॒	-
*	आ	प	ब	ना	ऽ	ये	ऽ	*	आ	प	बि	गा	ऽ	ड़े	ऽ
*	गं॒	-	गं॒	गं॒	गं॒रंसं	-	रं	रंमं	-	-	-	-	-	-	-
*	ये	ऽ	न	हिं	ते	ऽ	री	शा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ
*	मं	-	मं	मं	पंमंगं॒	-	मंपं	मंपं	-	-	-	-	-	-	-
*	ये	ऽ	न	हिं	ते	ऽ	री	शा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ

34—D. I. S.

कौन देश है जाना बाबू........।

न्यूथियेटर्स कृत फ़िल्म	ताल	गायक
"मुक्ती"	कहरवा	पंकज मल्लिक

कौन देश है जाना बाबू—कौन देश है जाना ?
खड़े खड़े क्या सोच रहा है, हुआ कहां से आना ? बाबू......॥
सूरज डूबा, चाँद न निकला, बीना समय सुहाना।
रात अँधेरी बाट न सूझे, समझ के पांव उठाना ॥ बाबू......॥
साथ ही आवन जावन हरदम, येही सुनाती गाना।
जीते जी है चलना फिरना, मरे तो एक बेगाना ॥ बाबू......॥

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक (सिर्फ साज़)	स र॒

+	।	+	।
म - - पध	म - - सर	म - - पध	म - - -
मप ध - -	मप धप मग सर	म - - पध	म - - सर
म सं न ध	प म ग -	मप धन सं -न	सं -नसं गं -
- - - गं	रं सं गं -	- - - गं	रं सं न ध
प म ग र	स - सर गम	पध नसं रं -	- - - रं
सं न ध पध	म - - सर	म - - पध	म - - पध
सं धध -सं धध	सं धध सं धध	सं - - -	म - - -
ध - - -	सं - - -		

अब गाना शुरू आ।

स - र म	- म म -	गप पध प म	- पध सं -
कौ ऽ न दे	ऽ श है ऽ	जा ऽ ना ऽ	ऽ बा बू ऽ
नसं - न ध	- ध प म	गप पध प -	- - - -
कौ ऽ न दे	ऽ श है ऽ	जा ऽ ना ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
म प - म	प - प -	मप ध - ध	ध प म -
ख ड़े ऽ ख	ड़े ऽ क्या ऽ	सो ऽ ऽ चर	हा ऽ है ऽ
म म - म	म - म ग	म ध ध -	- प नध -
हु आ ऽ क	हां ऽ से ऽ	आ ऽ ना ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
❀ सं सं सं	नसं रंसं नध न	- सं सं न	सं रं सं -
❀ सू र ज	डू ऽ बा ऽ	ऽ चां द न	नि क ला ऽ

-	-	-	-	-	-	-	-	-	नसं	धन	सं	-	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	सं	सं	सं	संन	सं	नध	न	-	सं	सं	न	सं	रं	सं	-
ऽ	सू	र	ज	डू	ऽ	बा	ऽ	ऽ	चां	द	न	नि	क	ला	ऽ
सं	रं	रं	सं	सं	संगं	-	गं	रं	-	सं	-	-	धनसंरं	गंरंगं	मंगं
बी	ऽ	ता	ऽ	स	मय	ऽ	सु	हा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	सं	सं	सं	संन	सं	नध	न	-	सं	सं	न	सं	रं	सं	-
ऽ	सू	र	ज	डू	ऽ	बा	ऽ	ऽ	चां	द	न	नि	क	ला	ऽ
सं	रं	रं	सं	सं	संगं	-	गं	रं	-	सं	-	-	-	-	-
बी	ऽ	ता	ऽ	स	मय	ऽ	सु	हा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	-	सं	सं	सं	-	सं	प	पन	संरं	-	सं	न	सं	नध	प
रा	ऽ	त	अं	धे	ऽ	री	ऽ	बा	ऽ	ऽ	टन	सू	ऽ	झे	ऽ
ध	ध	ध	ध	धप	मप	-	म	ग	म	प	ध	पधप	मपम	गमग	रस
स	म	झ	के	पां	ऽ	ऽ	वउ	ठा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	सग	-	ग	र	स	स	ग	र	-	स	स	ध	र	स	स
ऽ	सा	ऽ	थही	आ	ऽ	व	न	जा	ऽ	व	न	ह	र	द	म
-	प	प	म	प	ध	नध	न	पं	नध	प	-	-	गमपध	धनसं	नध
ऽ	ये	ही	सु	ना	ऽ	ती	ऽ	गा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

-	सग	-	ग	र	स	स	ग	र	-	स	स	ध़	र	स	स
ऽ	सा	ऽ	थही	आ	ऽ	व	न	जा	ऽ	व	न	ह	र	द	म
-	प	प	म	प	ध	नध	न	प	नध	प	-	-	-	-	-
ऽ	ये	ही	सु	ना	ऽ	ती	ऽ	गा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	रं	-	रं	रं	-	रं	-	-	गं	गं	गं	रं	रं	नसंरंगं	संरं
ऽ	जी	ते	ऽ	जी	ऽ	है	ऽ	ऽ	च	ल	ना	फि	र	ना	ऽ
-	रं	-	रं	रं	-	रं	-	-	गं	गं	गं	रं	रं	सं	-
ऽ	जी	ऽ	ते	जी	ऽ	है	ऽ	ऽ	च	ल	ना	फि	र	ना	ऽ
न	नसं	-	गं	रं	सं	-	सं	न	सं	नसं	रं	संरंसं	नसंन	धनध	पम
म	रे	ऽ	तो	प	ऽ	ऽ	कबे	गा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	-	प	प	-	-	प	म	प	ध	-	पधप	मपम	गमग	रस
म	रे	ऽ	तो	प	ऽ	ऽ	कबे	गा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

काहे अकेला डोलत बादल...?

सागर मोवीटोन फ़िल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
"ग्रामोफून सिंगर"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	सुरेन्द्र

काहे अकेला डोलत बादल, मोहे भी संग लेजा।
पीर कहां होती है बादल, काहे तू रोता है, बादल?
मैं भी तेरे संग रोऊँगा, मोहे भी संग लेजा।

+				।				+				।			
*	न	न	सं	ध	–	प	–	प	म	मपध	प	ग	म	प	प
*	का	हे	अ	के	ऽ	ला	ऽ	ऽ	डो	लऽऽ	त	बा	ऽ	द	ल
*	न	न	न	न	सं	रं	न	सं	सं	सं	सं	स	न	न	न
*	मो	हे	भी	सं	ग	ले	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	हे	भी
न	सं	रं	न	सं	सं	प	न̲	म	प	प	प	प	प	प	प
सं	ग	ले	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	न	सं	ध	–	प	–	–	म	मपध	प	ग	म	प	प
*	का	हे	अ	के	ऽ	ला	ऽ	ऽ	डो	लऽऽ	त	बा	ऽ	द	ल
*	न	न	न	न	सं	रं	न	सं	–	–	–	–	–	–	–
*	मो	हे	भी	सं	ग	ले	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा—

*	गं̲	गं̲	गं̲	गं̲	–	गं̲	–	सं	संरं	संरं	गं̲रं	सं	न	न	न
*	पी	र	क	हाँ	ऽ	हो	ऽ	ऽ	तीऽ	हैऽ	ऽऽ	बा	ऽ	द	ल

*	न	न	न	सं	रं	सं	न	सं	सं	नसं	रंगं	–	गं	गं	गं
*	का	हे	तू	रो	ऽ	ता	ऽ	है	ऽ	हांऽ	ऽऽ	ऽ	पी	र	क
गं	–	गं	–	सं	संरं	संरं	गंरं	सं	न	न	न	–	न	न	न
हां	ऽ	हो	ऽ	ऽ	तीऽ	हैऽ	ऽऽ	बा	ऽ	द	ल	ऽ	का	हे	तू
सं	रं	सं	न	सं	सं	प	ध	प	प	–	–	धन	सं	न	प
रो	ऽ	ता	ऽ	है	ऽ	बा	ऽ	द	ल	ऽ	ऽ	मैंऽ	ऽ	भी	ऽ
म	प	ग	म	ध	ध	न	–	सं	न	सं	–	–	न	न	न
ते	ऽ	रे	ऽ	सं	ग	रो	ऽ	ऊँ	ऽ	गा	ऽ	ऽ	मो	हे	भी
सं	रं	सं	न	नसं	न	धन	ध	पध	प	मप	म				
सं	ग	ले	ऽ	जाऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ				
												*	न	न	न
												*	मो	हे	भी
सं	रं	सं	न	सं	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
सं	ग	ले	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

ऋतु है सुहानी मस्त हवायें....।

न्यूथियेटर्स फिल्म		ताल		गायिका
"स्ट्रीट सिंगर"	⁜ ⁜	कहरवा	⁜ ⁜	कानन बाला

ऋतु है सुहानी मस्त हवायें, छाई हैं ऊदी-ऊदी घटायें।
सुख का जागना, सुख का सोना, हर करवट सुख होना-होना है ॥
दुनियां आगे बढ़े तो हम भी-पीछे क्यों रह जांय ?
फूलों से रानाई सीखी, गुञ्चों से ज़ेबाई सीखी ॥
जैसे रङ्ग रचे हो सब में, वही रङ्ग रँग जांय।
हम भी वही रंग रँग जांय ॥

।				×				।				+			
*	गग	ग	र	गम	पध	म	प	-	गम	र	स	ऩ	र	स	-
*	रुत	है	सु	हा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	म	स्त	ह	वा	ऽ	यें	ऽ
-	ध	ध	ध	धन	संरं	न	सं	-	ध	ध	प	म॑	ध	प	-
ऽ	छा	ई	हैं	ऊ	ऽ	दी	ऽ	ऽ	ऊ	दी	घ	टा	ऽ	यें	ऽ
-स	स	सऩ	धऩ	-	ऩ	-	र	स	-	-	-	-	-	-	-
सु	ख	का	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ग	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ग	रग	-	-	-	ग	प	-	-	प	ग	-	-	-	-
सु	ख	का	ऽ	ऽ	ऽ	सो	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स़	र	ग	प	ध	सं	न	ध	प	-	ग	स	-	र	गपधप	-
ह	र	क	र	ब	ट	सु	ख	हो	ऽ	ना	हो	ऽ	ना	है	-

स	स	सन्	न्	-	र	-	स	ग	ग	रग	-	ग	प	ग	-
सु	ख	का	जा	ऽ	ग	ऽ	ना	सु	ख	का	ऽ	सो	ऽ	ना	ऽ
स	र	ग	प	ध	सं	न	ध	प	-	ग	स	-	र	गपधप	-
ह	र	क	र	व	ट	सु	ख	हो	ऽ	ना	हो	ऽ	ना	है	ऽ
स	स	सन्	धन्	-	न्	-	र	स	-	-	-	-	-	-	-
सु	ख	का	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ग	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	न	ध	-	-	ग	प	प	गप	गप	-	प	प	-	प	-
दु	नि	यां	ऽ	ऽ	आ	ऽ	गे	ब	ढ़े	ऽ	तो	हम	ऽ	भी	ऽ
-	स	-	र	ग	म	प	म	ग	-	-	म	प	ध	न	सं
ऽ	पी	ऽ	छे	क्यों	ऽ	र	ह	जां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य
सं	न	ध	-	-	ग	प	प	गप	गप	-	प	प	-	प	-
दु	नि	यां	ऽ	ऽ	आ	ऽ	गे	ब	ढ़े	ऽ	तो	हम	ऽ	भी	ऽ
-	स	-	र	ग	म	प	म	ग	-	म	-	ग	र	स	-
ऽ	पी	ऽ	छे	क्यों	ऽ	र	ह	जाँ	ऽ	य	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	स	-	ध्	स	-	स	र	ग	म॑	प	म	ग	र	ग	-
ऽ	फू	लों	ऽ	से	ऽ	रा	ऽ	ना	ऽ	ई	ऽ	सी	ऽ	खी	ऽ
-	प	-	ग	प	-	प	-	ग	प	ध	सं	धसं	धप	ग	-
ऽ	गुं	ऽ	चों	से	ऽ	ज़े	ऽ	बा	ऽ	ई	ऽ	सी	ऽ	खी	ऽ

-	ध	-	ध	ध	-	ध	प	पध	संरं	सं	न	ध	ध	प	-
ऽ	जै	ऽ	से	रं	ऽ	ग	र	चे	ऽ	हों	ऽ	स	ब	में	ऽ
ग	प	-	ग	-	र	स	र	ग	-	ग	र	ग	प	ध	सं
व	ही	ऽ	रं	ऽ	ग	रँ	ग	जां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य
-	संध	-	ध	ध	-	ध	प	पध	संरं	सं	न	ध	ध	प	-
ऽ	जै	से	ऽ	रं	ऽ	ग	र	चे	ऽ	हों	ऽ	स	ब	में	ऽ
ग	प	-	ग	-	र	स	र	ग	-	-	ग	प	ग	प	-
व	ही	ऽ	रं	ऽ	ग	रँ	ग	जां	ऽ	ऽ	य	हम	ऽ	भी	ऽ
ग	प	-	ग	-	र	स	ऩ	ध़	-	-	-	-	-	-	-
व	ही	ऽ	रं	ऽ	ग	रं	ग	जां	ऽ	य	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

37—D. I. S.

सखी खेलूंगी मैं होरी........!

हिजमास्टर्स रेकार्ड	तीन ताल	गायिका
होली	मात्रा १६	जुथिकाराय

सखि खेलूंगी मैं होरी।
सखि, गिरधर नागर से। सखि खेलूंगी..................॥
मैं प्रीतम फाग रचाऊं, आज तो मैं आदर से। खेलूंगी मैं...॥
डारूंगी मन होरी रङ्ग में, नाचूंगी मैं रङ्ग रङ्ग में.........॥
लिपट रहूंगी श्याम अङ्ग से। सखि...........................॥
प्रीतम के सङ्ग होरी गाऊं, चरनन की रज माथे लगाऊं।
दासी मीरा प्रीतम गिरधर, होवें जनम भर के॥ सखि.....॥

														प	ध
														स	खि

स्वरलिपि☞

०				३				+				२			
पध	सं	न	ध	प	–	ग	म	प	–	प	–	–	–	प	प
खेऽ	ऽ	लूँ	ऽ	गी	ऽ	मैं	ऽ	हो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	स	खि
न	न	न	न	सं	नसं	ध	सं	न	–	ध	न	ध	प	प	ध
गि	र	ध	र	ना	ऽऽ	ग	र	से	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	खि
पध	सं	न	ध	प	–	ग	म	प	–	प	–	–	–	प	–
खेऽ	ऽ	लूँ	ऽ	गी	ऽ	मैं	ऽ	हो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
रं	–	रं	र	सं	न	न	सं	रं	–	रं	–	–	–	प	प
प्री	ऽ	त	म	फा	ऽ	ग	र	चा	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ज
पध	न	–	ध	न	–	सं	रं	सं	–	न	–	ध	न	ध	प
तोऽ	ऽ	ऽ	मैं	आ	ऽ	द	र	से	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	पध	सं	न	ध	प	म	ग	प	–	प	–	–	–	प	प
ऽ	खेऽ	ऽ	लूँ	गी	ऽ	मैं	ऽ	हो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	स	खि
न	न	न	न	सं	–	ध	सं	न	–	ध	न	ध	प	प	ध
गि	र	ध	र	ना	ऽऽ	ग	र	से	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	खि
पध	सं	न	ध	प	–	ग	म	प	–	प	–	–	–	–	–
खेऽ	ऽ	लूँ	ऽ	गी	ऽ	मैं	ऽ	हो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा १

* प	–	पध	म	–	म	ग	र	ग	स	र	–	ग	प	–	
* डा	ऽ	रूँऽ	गी	ऽ	म	न	हो	ऽ	री	रं	ऽ	ग	में	ऽ	
* न	–	रं	नरं	नध	प	–	ध	न	प	ध	न	ध	प	–	
* ना	ऽ	चूँ	गीऽ	ऽऽ	मैं	ऽ	रं	ऽ	ग	रं	ऽ	ग	में	ऽ	
प	रं	रं	सं	संरं	गं	सं	–	न	–	प	ध	–	रं	सं	–
लि	प	ट	र	हूंऽ	ऽ	गी	ऽ	श्या	ऽ	म	अं	ऽ	ग	से	ऽ
म	ग	–	म	प	ध	न	रं	सं	–	न	–ध	पध	–प	गम	प
गु	ला	ऽ	ल	के	ऽ	स	र	के	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	सऽ	खि
* पध	सं	न	ध	प	ग	म	प	–	प	–	–	–	प	प	
* खेऽ	ऽ	लूँ	गी	ऽ	मैं	ऽ	हो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	स	खि	
न	न	न	न	सं	–	ध	सं	न	–	ध	न	ध	प	प	ध
गि	र	ध	र	ना	ऽ	ग	र	से	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	खि
पध	सं	न	ध	म	–.	ग	म	प	–	प	–	–	–	–	–
खेऽ	ऽ	लूँ	ऽ	गी	ऽ	मैं	ऽ	हो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	प	न	–	न	सं	रं	–	रं	–	सं	नसं	रं	–
प्री	ऽ	त	म	के	ऽ	सं	ग	हो	ऽ	री	ऽ	गा	ऽऽ	ऊँ	ऽ
–	रंरं	रं	गं	सं	–	सं	सं	न	–	न	न	ध	–	प	–
* चर	न	न	की	ऽ	र	ज	मा	ऽ	थे	ल	गा	ऽ	ऊँ	ऽ	

*	र	ग	प	प	ध	पध	न	-	न	रं	सं	न	ध	प	प
*	दा	ऽ	सी	मी	ऽ	राऽ	ऽ	ऽ	प्री	त	म	गि	र	ध	र
न	-	न	न	सं	न	सं	रं	सं	-	न	-ध	पध	-प	गम	प
हो	ऽ	वें	ज	न	म	भ	र	के	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	सऽ	खि
*	न	न	न	सं	न	सं	रं	सं	-	न	-ध	पध	-प	गम	प
*	हो	वें	ज	न	म	भ	र	के	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	सऽ	खि
पध	सं	न	ध	प	-	ग	म	प	-	प	-	-	-	प	प
खेऽ	ऽ	लूँ	ऽ	गी	ऽ	मैं	ऽ	हो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	स	खि
न	न	न	न	सं	-	ध	सं	न	-	ध	न	ध	प	प	ध
गि	र	ध	र	ना	ऽ	ग	र	से	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	खि
पध	सं	न	ध	प	-	ग	म	प	-	प	-	-	-	-	-
खेऽ	ऽ	लूं	ऽ	गी	ऽ	मैं	ऽ	हो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	रं	रं	रं	-	सं	-	न	-	ध	-	प	-	-	-
स	खि	खे	ऽ	लूँ	ऽ	गी	ऽ	मैं	ऽ	हो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
र	ग	प	प	प	प	मप	ध	ध	प	पध	न	-	ध	धन	सं
स	खि	गि	र	ध	र	नाऽ	ऽ	ग	र	सेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
प	पध	सं	न	ध	प	ग	म	प	-	प	-	-	-	-	-
ऽ	खेऽ	ऽ	लूँ	गी	ऽ	मैं	ऽ	हो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

३८—(स्वरलिपिकार-श्री० शान्तिस्वरूप वैश्य)

सारी दुनियाँ गोरख धन्धा.....!

न्यूथियेटर्स-फिल्म "मञ्जिल"	ताल कहरवा	गायिका हरीमती

दुनियाँ गोरख धन्दा। सारी दुनियाँ गोरख धन्दा ॥
उलझन में ले काम समझ से, खुल जायेगा फन्दा ॥ सारी......॥
दिन बदली के निपट अँधेरे, जैसे काली रातें,
ऋतु वरषा को देख समझले, उलटी सीधी बातें,
अपना ऐब कहेना कोई, यह दुनियाँ का धन्दा ॥ सारी......॥
चोर दिया लेकर नहिं चलता, क्यों बनता है अन्धा ?
सारी दुनियाँ गोरख धन्दा ॥

+				।				+				।			
प	ध	प	म	ग	स	ग	म	प	मं	प	-	-	-	-	-
दु	नि	याँ	ऽ	गो	ऽ	र	ख	ध	न	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	म	ग	स	ग	म	प	मं	प	-	सं	न	सं	-
दु	नि	यां	ऽ	गो	ऽ	र	ख	ध	न	धा	ऽ	सा	ऽ	री	ऽ
प	ध	प	म	ग	स	ग	म	प	मं	प	-	-	-	-	-
दु	नि	याँ	ऽ	गो	ऽ	र	ख	ध	न	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

अन्तरा — १

ध	ध	ध	ध	ध	-	ध	-	ध	<u>न</u>	ध	सं	न	ध	प	-
उ	ल	झ	न	में	ऽ	ले	ऽ	का	ऽ	म	स	म	झ	से	ऽ
प	प	ध	सं	सं	-	रं	गं	सं	न	सं	न	सं	<u>न</u>	ध	प
खु	ल	जा	ऽ	ये	ऽ	गा	ऽ	फ	न	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	प	ध	सं	सं	-	रं	गं	सं	न	सं	-	-	-	-	-
खु	ल	जा	ऽ	ये	ऽ	गा	ऽ	फ	न	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

सं	न	सं	-	प	ध	प	म	ग	स	ग	म	प	मं	प	-
सा	ऽ	री	ऽ	दु	नि	याँ	ऽ	गो	ऽ	र	ख	ध	न	धा	ऽ

अन्तरा—२

र	र	र	र	र	-	र	-	र	ग	र	म	ग	र	स	-
दि	न	ब	द	ली	ऽ	के	ऽ	नि	प	ट	अं	धे	ऽ	रे	ऽ

स	र	म	म	-	म	प	म	प	-	प	-	ग	र	-	-
*	जै	ऽ	से	ऽ	का	ऽ	ली	रा	ऽ	तें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

ध	ध	ध	ध	ध	-	ध	-	ध	न	ध	सं	न	ध	प	-
ऋ	तु	ब	र	षा	ऽ	को	ऽ	दे	ऽ	ख	स	म	झ	ले	ऽ

-	प	प	प	-	मप	ध	प	ग	-	र	-	-	-	-	-
उ	ल	टी	ऽ	*	सीऽ	ऽ	धी	बा	ऽ	तें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	प	प	-	-	मप	ध	प	ग	-	र	-	सर	मप	धन	धप
उ	ल	टी	ऽ	*	सीऽ	ऽ	धी	बा	ऽ	तें	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

न	न	न	न	-	न	न	न	न	-	न	-	सं	न	सं	-
अ	प	ना	ऽ	*	ऐ	ब	क	हे	ऽ	ना	ऽ	को	ऽ	ई	ऽ

ध	न	प	ध	ध	न	सं	रं	ध	न	प	-	-	-	-	-
य	ह	दु	नि	याँ	ऽ	का	ऽ	ध	न	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	-	न	न	न	-	न	-	ध	न	ध	सं	न	ध	प	-
चो	ऽ	र	दि	या	ऽ	ले	ऽ	क	र	न	हिं	च	ल	ता	ऽ
प	-	ध	ध	सं	-	रं	गं	सं	न	सं	न	सं	न	सं	न
क्यों	ऽ	ब	न	ता	ऽ	है	ऽ	अं	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	न	सं	-	प	ध	प	म	ग	स	ग	म	प	म॑	प	-
सा	ऽ	री	ऽ	दु	नि	यां	ऽ	गो	ऽ	र	ख	ध	न	धा	ऽ

39—L. N. G.

नाहिं आवे चैन, बालम प्यारे !

फ़िल्म गीत	卐 卐	तीन ताल	卐 卐	गायक
"मदरइण्डिया"	卐 卐	मात्रा १६	卐 卐	आशिक़हुसेन

नाहिं आवे चैन, बालम प्यारे !
तोरे बिना अब नाहिं आवे चैन।
फूँक न दे विरहा की अगनी, मन करे है बैन।
तारे गिन-गिन,याद में साजन ! कटै है सारी रैन !!
फिर नैनन में नींद कहां जब, लागे नैन से नैन ॥ नांही······· ॥

बैकग्राउन्ड म्यूज़िक (सिर्फ साज़)

०	३	+	२
ध् न् र स	ध् न् र स	ध् न् र स	ध् न् र स
- रसन्स ध्न्सग	मध नगं - -	सं -रंसं न -	- न -संन ध
- - म -पम	ग - - -	र ग म ग	र स र न्
र ग - प	म - - -	गम गर सग र	

(गाना शुरू हुआ)

* न् - स	- ग - प	म - - -	गम गर सग र
* ना ऽ हिं	ऽ आ ऽ वे	चै ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ न
गम - ध ध	मधनसं - - -	नसंरंसं न - -	ध प म गमपम
बा ऽ ल म	प्या ऽ ऽ ऽ	ऽ रे ऽ ऽ	तो ऽ रे बि
म - - -	- - र स	- न् - स	- ग - प
ना ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ अ ब	ऽ ना ऽ हीं	ऽ आ ऽ वे
म - - -	गम गर सग र	न् - न् -	- - स न्स
चै ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ न	फूं ऽ क ऽ	ऽ ऽ न दे
- - - -	न् स न् स	- - न्स रग	र - स -
ऽ ऽ ऽ ऽ	वि र हा ऽ	ऽ ऽ की ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
न् - स -	न् - ध् -	न - सं -	न - ध -
अ ऽ ग ऽ	नी ऽ ऽ ऽ	(सिर्फ बाजे बजेंगे)	

ऩ	-	ऩ	-	-	-	स	ऩस	-	-	-	-	ऩ	स	ऩ	स
फूं	ऽ	क	ऽ	ऽ	ऽ	न	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वि	र	हा	ऽ
-	-	ऩस	रग	-	-	स	-	ऩ	-	स	-	_	-	ध़	-
ऽ	ऽ	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ऽ	ग	ऽ	नो	ऽ	ऽ	ऽ
-	ऩध़	ऩ	स	सर	ग	रग	प	म	-	-	-	गम	गर	सग	र
ऽ	म	न	क	रै	ऽ	है	ऽ	बै	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न

(जलद त्रिताल)

-	म	ग	म	ध	ध	न	न	सं	-	सं	सं	नसंरं	-	सं	सं
ऽ	ता	ऽ	रे	गि	न	गि	न	या	ऽ	द	में	सा	ऽ	ज	न
-	सं	सं	सं	गंमं	गंरं	सं	न	सं	-	-	-	संन	धप	मग	रस
ऽ	क	टै	है	सा	ऽ	री	ऽ	रै	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न
-	न	न	न	न	सं	धन	धन	धन	ग	ग	म	गर	-	स	सस
ऽ	फि	र	नै	न	न	में	ऽ	ऽ	नीं	द	क	हां	ऽ	ऽ	जब
-	ऩ	-	स	-	ग	-	प	म	-	-	-	गम	गर	सग	र
ऽ	ला	ऽ	गे	ऽ	नै	न	से	नै	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न
❀ ऩ	-	स	-	ग	-	प	म	-	-	-	-	-	-	-	
❀ ना	ऽ	हीं	ऽ	आ	ऽ	वे	चै	ऽ	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	

(सिर्फ बाजे बजेंगे) मध्यलय

ग	म	ग	र	स	ग	र	-	-	-	-	-	-	-	-	-

(गाना)

*	ऩ	–	स	–	ग	–	प	म	–	–	–	–	–	–	–
*	ना	ऽ	हिं	ऽ	आ	ऽ	वे	चै	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

40—D. I. S.

बीती जात बरषा ऋतु.......!

रेकार्ड गीत	卐 卐	ताल दादरा	卐 卐	गायिका
"देश"	卐 卐	मात्रा ६	卐 卐	मलकाजान

बीती जात बरषा ऋतु सजन नाहिं आये।
दादुर मोर पपीहा बोले, पियु-पियु कर जिया पुकारे।
उमगे जोबन विरहा सतावे, ऐसा पिया दुख देरी॥

+			०			+			०		
नसं	रं	सं	न॒	ध	प	ध	प	म	ग	म	ग
बीऽ	ऽ	ती	जा	ऽ	त	ब	र	षा	ऽ	ऋ	तु
र	ग	र	स	ऩ	स	र	ग	र	म	ग	र
स	ज	न	ना	ऽ	हिं	आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ
र	प	म	ग	–	–	प	नं	सं	नसंरंसं	न॒ध	प
आ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	येऽऽऽ	ऽऽ	ऽ

अन्तरा

म	म	प	न	न	न	सं	–	न	सं	–	सं
दा	दु	र	मो	र	प	पी	ऽ	हा	बो	ऽ	ले

न	न	न	न	सं	सं	न	सं·	रं	न	ध	प
पी	यु	पी	यु	क	र	जि	या	पु	का	ऽ	रे
प	रं	रं	रं	रं	रं	न	न	न	न	सं	सं
उ	म	गे	जो	ब	न	वि	र	हा	स	ता	वे
प	प	प	प	न	सं	नसंरं	नध	प	प	रं	रंरं
ऐ	सा	पि	या	दु	ख	देऽऽ	रीऽ	ऽ	दे	ऽ	रीऽ
र	म	म	र	प	प	प	न	सं	नसंरं	नध	प
दे	ऽ	री	दे	ऽ	री	दे	ऽ	ऽ	रीऽऽ	ऽऽ	ऽ

३—तानें।

१—सर मप नसं नध पम ग –

२—सर मप नसं रंरं संन धप –

३—सर मप नसं रंगं मंगं रंसं नध पम गर मग रग स –

२—फिरकत।

१—नस रम गर मप मग रऽ मप नध पम गर मप संन

धप मग रर मप नसंरं रं संनं धप मग रग सर स

२—सर मप नसं नध पम ग सर मप न सं सर मप न सं सर मप न सं

41–L. N. G.

सोये भाग जगे.........!

बौम्बे टाकीज़	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायिका
फिल्म "आज़ाद"	✠ ✠	दादरा और कहरवा	✠ ✠	"लीला चिटनिस"

कहीं सपना न हो ।
आंख खुले और कोई अपना न हो । कहीं.........॥
सोये भाग जगे, जीवन का अँधियारा ।
मिला आज उजियारा ॥ सोये भाग जगे ॥
नाचूँगी, गाऊँगी, खुशियां मनाऊँगी ।
याद भुलाऊँगी ॥ सोये भाग जगे..................॥

ताल दादरा☞

+			०			+			०		
										स	स
										क	हीं
र	म	र	म	प	म	प	–	–	–	स	स
स	प	ना	ऽ	ऽ	न	हो	ऽ	ऽ	ऽ	क	हीं
र	म	र	म	प	म	प	–	–	–	–	–
स	प	ना	ऽ	ऽ	न	हो	ऽ	ऽ	–	❀	❀
प	प	प	सं	–	–	प	म	–	म	र	स
आं	ख	खु	ले	ऽ	ऽ	औ	ऽ	र	को	ऽ	ई
र	म	र	म	प	म	प	–	–	–	स	स
अ	प	ना	ऽ	ऽ	न	हो	ऽ	ऽ	ऽ	क	हीं
र	म	र	म	प	म	प	–	–	–	–	–
स	प	ना	ऽ	ऽ	न	हो	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀

कहरवा

+				।				+				।			
सर	ग	ग	र	ग	म	प	ध	प	-	-	-	प	म॑	प	-
सोऽ	ऽ	ये	ऽ	भा	ऽ	ग	ज	गे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
ग	प	प	प	प	-	प	म	ग	-	ग	म	-	-	-	-
जी	ऽ	व	न	का	ऽ	अं	धि	या	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	म	प	प	-	प	ध	ध	पध	न॒	ध	-	-	-	-	-
मि	ला	ऽ	आ	ऽ	ज	उ	जि	याऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
सर	ग	ग	र	ग	म	प	ध	प	-	-	-	प	म॑	प	-
सोऽ	ऽ	ये	ऽ	भा	ऽ	ग	ज	गे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
स	र	ग	-	र	ग	म	-	ग	म	प	प	म	प	ध	-
ना	चूँ	गी	ऽ	गा	ऊँ	गी	ऽ	खु	शि	यां	म	ना	ऊँ	गी	ऽ
प	ध	ध	प	म	-	ग	-	ग	म	-	-	-	-	-	-
या	ऽ	द	भु	ला	ऽ	ऊँ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
सर	ग	ग	र	ग	म	प	ध	प	-	-	-	प	म॑	प	-
सोऽ	ऽ	ये	ऽ	भा	ऽ	ग	ज	गे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
सर	ग	ग	र	ग	म	प	ध	प	-	-	-	-	-	-	-
सोऽ	ऽ	ये	ऽ	भा	ऽ	ग	ज	गे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

इन हसीनों की अदा........!

ग़ज़ल	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
"जलील"	卐 卐	लावनी और दादरा	卐 卐	नारायण.ऽ.कांबले(कव्वाल)

इन हसीनों की अदा तुर्फ़ बला होती है।
जो वफ़ा इनसे करे, उसपै जफ़ा होती है॥

देखने के हैं ये सब, नाज़ो नज़ाकत वाले।
ऐसे फूलों में कहीं बूए वफ़ा होती है॥

अच्छी सूरत को सँवरने की ज़रूरत क्या है।
सादगी में भी क़यामत की अदा होती है॥

कुछ समझ में नहीं आता ये मामला क्या है?
जुल्म करने से तेरी क़द्र सिवा होती है॥

मयकशी तर्क है गो एक ज़माने से 'ज़लील'।
अब भी पीलेता हूं जिस रोज़ घटा होती है॥

(बिना ताल)

न न न न — — — न सं ध — — — — — धध धन ध — म ग र स
इन ह सी नों ऽ ऽ ऽ की अ दा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ आऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

ग म ध न सं — — — न न न न — — — न सं ध — — — — न
ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ इन ह सी नों ऽ ऽ ऽ की अ दा ऽ ऽ ऽ ऽ तु

(यहां से ताल लावनी शुरू)

+				।				+				।			
न	न	न	सं	ध	—	म	—	ध	—	न	—	सं	—	—	न
र्फ	ब	ला	ऽ	हो	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तु
न	न	न	सं	ध	—	म	—	ध	—	न	—	सं	—	—	—
र्फ	ब	ला	ऽ	हो	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

"जो वफा इनसे करे........" भी इसी प्रकार बजाओ

(यहां से ठेका दादरा)

×			०			×			०		
–	–	म	म	ध	न	सं	–	सं	सं	सं	सं
ऽ	ऽ	दे	ख	ने	ऽ	के	ऽ	हैं	ये	स	ब
सं	–	सं	सं	सं	–	न	ध	न	सं	ध	–
ना	ऽ	ज़ो	न	ज़ा	ऽ	क	त	वा	ऽ	ले	ऽ

(बिना ताल)

–	–	–	–	–	न	न	न	न	–	–	–	न	सं	ध	–	–	–	–	–	धध	धन
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऐ	से	फू	लों	ऽ	ऽ	ऽ	में	क	हीं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आऽ	ऽऽ
ध	–	–	–	–	–	न	न	न	न	–	–	–	न	सं	ध	–	–	–	–	–	न
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऐ	से	फू	लों	ऽ	ऽ	ऽ	में	क	हीं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वू

(ठेका लावनी)

न	न	न	सं	ध	–	म	–	ध	–	न	–	सं	–	–	न
ए	व	फ़ा	ऽ	हो	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वू
न	न	न	सं	ध	–	म	–	ध	न	न	–	सं	–	–	–
प	व	फ़ा	ऽ	हो	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

एक चांदी का है मंदिर......!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म		तीनताल		गायक
"जीवन प्रभात"		मात्रा १६		देविकारानी, मुमताज़अली

एक चांदी का है मन्दिर, सोने की मूरत सुन्दर।
मैं प्रेम भेट मन लेकर आया देवी द्वारे पर।
सहसा बन्द हुआ द्वार, बंधा आंसुओं का तार॥
हा मैं जा न सका अन्दर॥
तोड़ फोड़ के द्वार, दनदनाति मैं भीतर जाकर,
भेट भोग सब डाल सामने, देवी को दिखलाकर।
कहती, मनजा-मनजा-मनजा॥
भेट भोग सब चट कर जाती, और ठेंगा दिखलाकर।
कहती, तनजा-तनजा-तनजा॥

(सिर्फ़ बाजे बजेंगे)

०				३				×				२		ध़	ऩ
र	ग	र	स	-	नध़	प़	ध़	ऩ	-	स	-	ऩ	स	ध़	ऩ
र	ग	र	स	-	नध़	प़	ध़	ऩ	-	स	-	-	-	-	-
स	ध़	ध़	ध़	-	ऩ	प़	ध़	धऩ	सर	नस	धऩ	पऩ	धप़	म़	-
म़	म	ग	म	र	ग	स	र	स	प	-	र	ग	र	स	-
र	ग	र	स	-	नध़	प़	ध़	ऩ	-	स	-	ऩ	स	ध	ऩ
र	ग	र	स	-	नध़	प़	ध़	ऩ	-	स	-	-	-	-	-

(अन्तरा)

स	-	स	स	सर	ग	ग	गर	म	-	म	म	ग	प	म	-
ग	ग	ग	ग	ग	म	र	ग	गम	पध	मप	गम	र	गर	ऩ	स
स	-	न	ध	न	-	प	ध	ग	म	-	प	रम	गर	सऩ	स
र	ग	र	स	-	नध़	प़	ध़	ऩ	-	स	-	ऩ	स	ध़	ऩ
ऩ	-	-	-	-	-	-	-	स	-	-	-	-	-	-	-

						गाना शुरू☞								स	र
														ए	क
०				३				+				२			
स	ऩ॒	ऩ॒	-	ध़	ऩ॒	प़	ध़	ऩ	-	स	-	-	-	स	र
चां	ऽ	दी	ऽ	का	ऽ	है	ऽ	मं	ऽ	दिर	ऽ	ऽ	ऽ	सो	ऽ
स	ऩ॒	ऩ॒	-	ध़	ऩ॒	प़	ध़	ऩ	-	स	-	-	-	ध़	ऩ॒
ने	ऽ	की	ऽ	मू	ऽ	र	त	सु	ऽ	दर	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
स	र	र	र	-	ग	ग	म	र	-	स	-	-	-	ध़	ऩ॒
प्रे	ऽ	म	भे	ऽ	ट	म	न	ले	ऽ	कर	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ
स	ग	ग	-	ग	-	ग	म	र	-	स	-	-	-	र	स
या	ऽ	दे	ऽ	वी	ऽ	द्वा	ऽ	रे	ऽ	पर	ऽ	ऽ	ऽ	सह	सा
-	-	-	र	स	ऩ॒	ध़	ऩ॒	स	ग	-	-	-	-	र	स
ऽ	ऽ	ऽ	बं	द	हु	आ	ऽ	द्वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	बं	धा
-	-	-	र	स	ऩ॒	ध़	ऩ॒	स	ग	-	-	-	-	गम	र
ऽ	ऽ	ऽ	आं	सु	ओं	ऽ	का	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	हांऽ	मैं
-	-	ध़	-	ऩ	ध़	प़	ध़	ऩ	-	स	-	ध़	ऩ॒	स	ग
ऽ	ऽ	जा	ऽ	न	स	का	ऽ	अं	ऽ	दर	ऽ	❀	❀	❀	❀
-	-	ध़	ऩ	स	ग	-	-	स	ग	म	प	म	ग	(म)	-

ग	स	स	सर	ग	ग	ग	र	म	–	म	म	म	म	गम	पम
तो	ऽ	ड़	फोऽ	ऽ	ड़	के	ऽ	द्वा	ऽ	र	द	न	द	नाऽ	ऽऽ
ग	–	ग	–	ग	म	प	म	ग	र	स	–	गम	पम	गर	स–
ती	ऽ	मैं	ऽ	भी	ऽ	त	र	जा	ऽ	कर	ऽ	*	*	*	*
ग	स	स	सर	ग	ग	ग	र	म	–	म	म	म	म	गम	पम
तो	ऽ	ड़	फोऽ	ऽ	ड़	के	ऽ	द्वा	ऽ	र	द	न	द	नाऽ	ऽऽ
ग	–	ग	–	ग	म	प	म	ग	र	स	–	पम	धप	मग	म
ती	ऽ	मैं	ऽ	भी	ऽ	त	र	जा	ऽ	कर	ऽ	*	*	*	*
स	प	म	प	ग	म	ग	म	र	ग	र	स	र	ऩ	स	–
भे	ऽ	ट	भो	ऽ	ग	स	ब	डा	ऽ	ल	सा	ऽ	म	ने	ऽ
र	ग	र	स	र	स	ऩध़	ऩ	स	ग	ग	स	ग	म	प	–
दे	ऽ	वी	ऽ	को	ऽ	दिऽ	ख	ला	ऽ	क	र	क	ह	ती	ऽ
र	ग	र	स	र	स	ऩ	ध़	ऩ	–	स	–	रग	रस	ऩध	ऩ–
म	न	जा	ऽ	म	न	जा	ऽ	म	न	जा	ऽ	*	*	*	*
र	ग	र	स	र	स	ऩध़	ऩ	स	ग	ग	स	ग	म	प	–
दे	ऽ	वी	ऽ	को	ऽ	दिऽ	ख	ला	ऽ	क	र	क	ह	ती	ऽ
र	ग	र	स	र	स	ऩ	ध़	ऩ	ऩ	स	–	–	–	–	–
म	न	जा	ऽ	म	न	जा	ऽ	म	न	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

स	प	प	प	–	ध	प	ध	प	म	म	म	मग	रग	म	–
मे	ऽ	ट	भो	ऽ	ग	स	ब	च	ट	क	र	जाऽ	ऽ	ऽऽ	ती
स	प	म	प	ग	म	ग॒	र	स	ग	ग	सं	ग	म	प	–
औ	र	टो	ऽ	ला	ऽ	दि	ख	ला	ऽ	क	र	क	ह	ती	ऽ
म	ग	म	–	ग॒	र	ग॒	–	र	ऩ	स	–	–	–	स	र
त	न	जा	ऽ	त	न	जा	ऽ	त	न	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ए	क

44—S. N. G.

फुल-बगिया मोरी आना.........

बौम्बे टाकीज फिल्म	भीम पलासी	गायिका
"भावी"	तिताला	मीरा देवी

फुल-बगिया मोरी आना-भँवरा रैन भये-हां आना भँवरा रैन भये ।
बालूँ चन्दा बाती—जायूँगी भर राती ।
भूल न जाना—प्रीत निभाना—आना भँवरा ।
जो भँवरा तुम रैन न आये-प्राण मेरे मुरझाये ॥
नैनन नीर बहाना भँवरा, फिर से मुझे खिलाना ।
भूल न जाना-प्रीत निभाना-आना भँवरा, रैन भये ॥

स्वरलिपि☞

														ग॒	म
														फु	ल
०				३				×				२			
प	न॒	ध	प	–	न॒ध	पम	म	प	म	ध	प	–	–	ग॒	म
ब	गि	या	ऽ	ऽ	मोऽ	ऽऽ	री	आ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	फु	ल
प	न॒	ध	प	–	म	ग॒	म	प	म	ध	प	–	–	ग॒	म
ब	गि	या	–	ऽ	मो	ऽ	री	आ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ

प	न	ध	प	म	प	म	ग	र	स	म़	ऩ	स	-	ग	म
आ	ऽ	ना	ऽ	भँ	व	रा	ऽ	रै	ऽ	न	भ	ये	ऽ	हां	ऽ

अन्तरा (१)

ग	र	स	ऩ	स	ग	म	प	ग	-	म	-	म	प	म	प
बा	ऽ	लूँ	ऽ	चं	ऽ	दा	ऽ	बा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	र	स	ऩ	स	ग	म	प	ग	-	म	-	-	-	-	*
जा	ऽ	गूँ	ऽ	गी	ऽ	भ	र	रा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*
प	न	सं	गं	रं	-	सं	-	प	न	सं	रं	न	-	ध	प
भू	ऽ	ल	न	जा	ऽ	ना	ऽ	प्री	ऽ	त	नि	भा	ऽ	ना	ऽ
प	न	ध	प	म	प	म	ग	र	स	ऩ	ऩ	स	-	ग	म
आ	ऽ	ना	ऽ	भँ	व	रा	ऽ	रै	ऽ	न	भ	ये	ऽ	हां	ऽ

अन्तरा (२)

ऩ	-	ऩ	ऩ	प़	ऩ	स	ग	ग	-	ग	ग	र	-	स	-
जो	ऽ	भँ	व	रा	ऽ	तु	म	रै	ऽ	न	न	आ	ऽ	ये	ऽ
ऩ	-	ऩ	ऩ	प़	ऩ	स	ग	र	-	स	-	-	-	-	-
प्रा	ऽ	ण	मे	रे	ऽ	मु	र	झा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ऩ	-	ऩ	ऩ	प़	ऩ	स	ग	र	-	स	-	स	र	स	र
प्रा	ऽ	ण	मे	रे	ऽ	मु	र	झा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

ग॒	र	स	न॒	स	ग॒	म	प	ग॒	–	म	–	प	न॒	प	म
नै	ऽ	न	न	नी	ऽ	र	ब	हा	ऽ	ना	ऽ	भँ	व	रा	ऽ
ग॒	र	स	ग॒	स	ग॒	म	प	ग॒	–	म	–	म	प	म	प
फि	र	से	ऽ	मु	झे	ऽ	खि	ला	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	न॒	सं	गं	रं	–	सं	–	प	न॒	सं	रं	न॒	–	ध	प
भू	ऽ	ल	न	जा	ऽ	ना	ऽ	प्री	ऽ	त	नि	भा	ऽ	ना	ऽ
प	न॒	ध	प	म	प	म	ग॒	र	स	न॒	न॒	स	–	ग॒	म
आ	ऽ	ना	ऽ	भँ	व	रा	ऽ	रै	ऽ	न	भ	ये	ऽ	हां	ऽ

45—N P. K

साँवरिया प्रेम की बन्शी……!

न्यूथियेटर्स–फ़िल्म		ताल		गायिका
"स्ट्रीट सिंगर"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	काननदेवी

सांवरिया प्रेम की बन्शी सुनाये।
पतली—पतली ज़रा सी बन्शी, बड़े-बड़े गान गाये।
सात सुरों के फेर बदल से, सारे राग बजाये॥ साँवरिया……॥
निरमोही को रूप दिखाये, मोही को तरसाये।
मूँ पर डाल के कारी कमरिया, दिन को रात बनाये॥ साँवरिया……॥
मन के ध्यान से राधारानी, लम्बी दौड़ लगाये।
मथुरा से, गोकुल तक जाय, दरशन कर लौट आये।
लौट आय, फिर जाय। बन्शी सुनाये॥

(स्वरलिपि) ☞

।	+	।	+ स
			साँ

ग	–	म	–	गमप	गमप	गम	प	प	–	–	–	–	ग	पम	ग
व	ऽ	रि	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	म	रगर	मग	–	रम	गर	स	–	–	–	–	ग	म	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प्रे	ऽ	ऽ	ऽ
–	गर	सर	मप	धप	धप	धप	प	ग	–	र	–	रग	रग	रग	ऩ
ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	की	बं	ऽ	ऽ	ऽ	सी	ऽ	ऽ	सु
स	–	–	–	–	–	–									स
ना	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ									साँ
ग	म	प	–	–	गम	ध	प	मग	र	स	ऩ	स	–	–	–
व	रि	या	ऽ	ऽ	प्रे	म	की	ब	न	सी	सु	ना	ऽ	ऽ	ऽ
–	ग	ग	ग	ग	ग	ग	–	ग	सग	मप	म	ग	र	स	–
य	प	त	ली	प	त	ली	ऽ	ज़	रा	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	ग	ग	ग	मग	र	ग	प	म	–	–	–	ग	–	र	सम
ऽ	ब	ड़े	ब	ड़े	ऽ	गा	न	गा	ऽ	ये	ऽ	ब	न	सी	ऽ
–	गम	प	प	प	–	प	–	–	गम	पध	नन	न	न	धनसंन	न
ऽ	सा	ऽ	तसु	रों	ऽ	के	ऽ	ऽ	फे	ऽ	रब	द	ल	से	ऽ
–	प	ध	प	मग	र	ग	प	म	–	–	–	–	–	–	–
ऽ	सा	रे	ऽ	रा	ऽ	ग	ब	जा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

–	म	प	न	–	न	सं	–	–	न	सं	गं	रं	–	रं	–
ऽ	नि	र	मो	ऽ	ही	को	ऽ	ऽ	रू	प	दि	खा	ऽ	ये	ऽ
–	न	–	न	न	–	न	न	नध	पम	पन	संरं	संरं	नसं	धन	प
ऽ	मो	ऽ	ही	को	ऽ	त	र	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ
–	न	न	न	न	–	न	न	न	ध	न	सं	न	ध	प	–
ऽ	मूं	प	र	डा	ऽ	ल	के	का	ऽ	री	क	म	रि	या	ऽ
–	प	ध	प	मग	र	ग	प	म	–	–	–	–	–	–	–
ऽ	दि	न	को	रा	ऽ	त	ब	ना	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	प	प	–	प	प	म	प	सं	न	सं	सं	न	ध	प
म	न	के	ध्या	ऽ	न	से	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	रा	ऽ	नी	ऽ
प	ध	ध	प	म	प	ग	म	प	–	–	–	–	–	–	–
लं	ऽ	बी	ऽ	दौ	ऽ	ड़	ल	गा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	न	न	न	–	सं	–	–	–	न	न	धन	–	सं	–
ऽ	ऽ	म	थु	रा	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ	म	थु	रा	ऽ	से	ऽ
–	–	–	सं	न	सं	न	ध	प	–	–	–	प	ध	ध	प
ऽ	ऽ	ऽ	गो	कु	ल	त	क	जा	ऽ	य	ऽ	द	र	स	न
म	प	ग	म	प	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
क	र	लौ	ट	आ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

म	प	ग	म	-	न॒	ध	सं	न	-	-	-	-	-	-	-
लौ	ऽ	ट	आ	ऽ	य	फि	र	जा	ऽ	ये	ऽ		ऽ	ऽ	ऽ
ध	-	ध	ध	-	ध	म	प	प	-	ध	-	प	ध	न॒	स
लौ	ऽ	ट	आ	ऽ	य	फि	र	जा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	ग	ग	-	-	ग	-	प	म	-	-	ग	र	म	ग	र
ऽ	ब	न	ऽ	ऽ	सी	ऽ	सु	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	म	म	प	-	-	-	-	प	ध	प	धन॒	ध	मप	मप	-
ऽ	ब	न	सी	ऽ	ऽ	ऽ	सु	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	ध	न	ध	-	रं	सं	-	-	-	-	-	-	सं
ब	न	सी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सु	ना	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सां

बरिया प्रेम की·········· ·························!

46—D. I. S.

अमवा की डाली-डाली··········!

'न्यू थियेटर्स' फ़िल्म	तीन ताल	गायक
"विद्यापति"	और कहरवा	काननदेवी और धूमीखां

अमवा की डाली-डाली झूल रही है आली।
पीकर मद की प्याली-मैं चाल चलूँ मतवाली।
मतवाली, मतवाली मतवाली। मैं चाल चलूँ मतवाली···।
डर डर डर डर डर डर डा, डर डर डर डर डर डर डा।
मोरे आँगना में आये आली आली-मैं चाल चलूँ मतवाली।
झूल रही है आली-अमवा की डाली। अमवा की·······॥

(सिर्फ साज़ बजेंगे) पृष्ठ सङ्गीत ।

०	३	+	२
ध मप -ग म	रग -स ग -र	स - - -	- - - -
Compliment music	सहायक सङ्गीत ☞	सग प सग	प सग प सग
- - - -	- - म ग	र - - -	- - रग मप
प सग प सग	प सग		
ध मप -ग म	रग -स ग -र	स - - -	- पध पम गर
गम प म प	- पध पम गर	स र ध़ र	- गम ग -र
स - ग -	प - सं -	- न ध सं	न ध सं न
ध प ग पध	प - - -	- - स र	ग र ग म॑
ध म॑प ग म	ग - - म	प ध न सं	- न ध सं
न ध सं न	ध प ग पध	प - - -	- - स र
ग र ग म॑	प म॑प ग म	ग - - -	- - रग पध
ध मप -ग म	रग -स ग -र	स - - -	- प़ऩ स र
	सहायक सङ्गीत ☞	सग प सग	प सग प सग
स - - -	- - म ग	र - - -	- - रग पध
प सग प सग	प सग ☜	Compliment music	
ध मप -ग म	रग -स ग -र	स - - -	- - - -

कम्पलीमेन्ट म्यूजिक का अर्थ है—सहायक सङ्गीत । छोटे टाइप में जो स्वर दिये हैं वे सहायक सङ्गीत के स्वर हैं, यानी कुछ बाजों से स - - - की ध्वनि निकल रही है, उनके साथ-साथ कुछ बाजे "सग प सग प" बजा रहे हैं।

गाना शुरू (ताल कहरवा)

+	।	+	।
❋ प़ऩ ऩ स	ऩस रम रम पध	धपम -र र स	ऩ स - -स
❋ अम वा की	डा ली डा ली	झूम ऽर ही है	आ ली ऽ ऽमैं

र	रर	म	म	प	–	–	प	रम	रप	म	रर	ऩ	स	–	–
पी	कर	मद्	की	प्या	ली	ऽ	यूं	चा	लच	लूं	मत	वा	ली	ऽ	ऽ
–	–	न	–न	सं	सं	संरं	सं	न॒ध	प	पध	प	म	ग	र	ग॒
ऽ	ऽ	म	त	वा	ली	म	त	वा	ली	म	त	वा	ऽ	ऽ	ऽ
र	–	न	–न	सं	सं	संरं	सं	न॒ध	प	पध	प	म	ग	र	ग॒
ली	ऽ	म	ऽत	वा	ली	म	त	वा	ली	म	त	वा	ऽ	ऽ	ऽ
र	–	–	स	र	रर	म	मम	प	प	–	स	र	रर	म	मम
ली	ऽ	ऽ	मैं	चा	लच	लूँ	मत	वा	ली	ऽ	मैं	चा	लच	लूं	मत
प	प	–	स	रर	रर	मम	मम	पप	प	–	स	रर	रर	मम	मम
वा	ली	ऽ	डर	डर	डर	डर	डर	डर	डा	ऽ	डर	डर	डर	डर	डर
पप	प	–	मप	मप	पम	मध	धप	गम	मग	रग	गर	रग	गर	–	स
डर	डा	ऽ	मोरे	आं	ग	ना	में	आ	ये	आ	ली	आ	ली	ऽ	मैं
र	रर	म	मम	प	प	–	–	म	–म	म	ग	रग	रम	गर	सऩ
चा	लच	लूं	मत	वा	ली	ऽ	ऽ	झूम	ऽर	ही	हैं	आ	ली	ऽ	ऽ
*	प़प़	ऩ	स	ऩस	रम	पध	प	म	–म	ग	र	ऩ	स	–	–
*	आम	वा	की	डा	ली		ऽ	झूम	ऽर	ही	है	आ	ली	–	–
*	प़प़	ऩ	स	र	र	–	–	*	प़प़	ऩ	स	ऩस	रम	रम	पध
*	आम	वा	की	डा	ली	ऽ	ऽ	*	आम	वा	की	डा	ली	डा	ली

धपम -र र स	ऩ स - -	* प़प़ ऩ स	ऩप़ रम रम पध
झूम ऽर ही है	आ ली ऽ ऽ	* अम वा की	डा ली डा ली

धपम -र र स	ऩ स - -	ऩ स - -	- - - -
झूम ऽर ही है	आ ली ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक (सिर्फ साज़)

पम गर मग रस	गर सऩ स -	प़ ऩ - -	- - - -
पम गर मग रस	सर गम प -	सं - - -	- - म ग
र - - -	- - रग मप	ध मप -ग म	रग -स ग -र
स - - -	- - ऩस र	स - - -	- - म ग
र - - -	- - रग मप	ध मप -ग म	रग -स ग -र
स - - -	- -		

गाना ☞	न -न म ऽत

सं सं संरं सं	नध प पध प	म ग र ग	र - - स
वा ली म ऽत	वा ली म ऽत	वा ऽ ऽ ऽ	ली ऽ ऽ मैं

र रर म मप	प प - स	र रर म मप	प प - मप
चा लच लूं मत	वा ली ऽ मैं	चा लच लूँ मत	वा ली मो रे

मप पम मध धप	गम मग रग गर	रग गर - स	र रर म मम
आं ग ना में	आ ये आ ली	आ ली ऽ मैं	चा लच लूं मत

प	प	–	–	म	म-	ग	र	रग	रग	गर	सन्	*	पप्	न्	स
वा	ली	ऽ	ऽ	झूम	र	ही	है	आ	ली	ऽ	ऽ	*	अम	वा	की
न्स	रम	पध	प	म	-म	ग	र	रग	रम	गर	सन्	*	पप्	न्	स
डा	ली	ऽ	ऽ	झूम	ऽर	ही	है	आ	ली	ऽ	ऽ	*	अम	वा	की
र	र	–	–	*	पप्	न्	स	न्स	रम	रम	पध	धपम	-र	र	स
डा	ली	ऽ	ऽ	*	अम	वा	की	डा	ली	डा	ली	झूम	ऽर	ही	है
न्	स	–	–	–	–	–	–								
आ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

47—D. I. S.

एक बँगला बने न्यारा........!

न्यूथियेटर्स—फ़िल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
"प्रेसीडेन्ट"	卐 卐	तिताल और दादरा।	卐 卐	"सहगल"

एक बँगला बने न्यारा, रहे कुनवा जिसमें सारा ॥ एक......॥
सोने का बँगला, चन्दन का जंगला, विश्व कर्मके द्वारा। अति सुन्दर प्यारा प्यारा॥ एक...॥
इतना ऊँचा बँगला होवे, मानो गगन का तारा।
जिसपै चढ़कर इन्द्र धनुष पर, झूला झूले चाँद हमारा।
भण्डार होय लक्ष्मी के हाथों में सारा।
पाये अब जी भर के सुख जिसने विपद उठाई ॥

(बैक ग्राउण्ड म्यूज़िक) तीन ताल

०				३				+				२			
ग़	म़	ध़	ऩ	स	र	ग	म	गर	सर	स	-	र	ग	म	प
प	ध	न	सं	न	सं	न	सं	ध	-	-	प	मप	धप	म	-
मग	पम	गर	मग	रस	ऩ	सर	गम	गर	सऩ	-स	धप़	ऩध़	पम़	मग़	म
म	प	प	-	-	-	प	ध	म	न	न	ध	प	धनधप	म	-
म	प	प	-	प	ध	न	सं	नध	पध	प	-	-	-	-	-
ग	-	-	-	-	-	ग	म	र	म	ग	र	स	र	ध़	स
ग	-	-	-	-	र	स	र	ऩ	स	र	स	ऩ	ध़	प़	म़
ग़	म़	ध़	ऩ	स	र	ग	म	गर	सर	स	-	र	ग	म	प
ग़	म़	ध़	ऩ	स	र	ग	म	गर	सर	स	-	-	-		

गाना शुरू☞

		ग	ग
		प	क

ग	म	ग	र	स	र	ऩ	स	स	-	-	ग	-	-	म	म
बँ	ग	ला	ब	ने	ऽ	न्या	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	हे
म	प	प	म	प	संन	न	सं	ध	नध	प	धप	म	-	-	-
कु	न	वा	ऽ	जि	स	में	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
*	ऩ	ऩ	ध़	प़	ध़	मप़	-	-	ऩ	ऩ	ध़	प़	ध़	धप़	म़
*	सो	ने	का	बँ	ग	ला	ऽ	ऽ	चं	दन	का	जँ	ग	ला	ऽ
प़	-	ऩ	ऩ	स	स	र	ग	रगर	स	-	-	-	-	म	म
वि	ऽ	श्व	क	ऽ	र्म	के	ऽ	द्वा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ति

म प-प म	प सं न न सं	ध नध प धप	म - न ध
सु द र ऽ	प्या ऽ रा ऽ	प्या ऽ ऽ ऽ	रा ऽ इ त

इसके बाद फ़ौरन ही ताल दादरा शुरू होजाती है।

ताल दादरा (खेमटा)

+ ०	+ ०	+ ०	+ ०
न र स र र -	र ग म ग र ग	स ग र स न ध	न स स - ग म
ना ऽ ऊं ऽ चा ऽ	बं ग ला हो ऽ वे	मा नो ग ग न का	ता ऽ रा ऽ मा ऽ
र म ग र स न	न स स - - -	म म प न ध म	प - - - - -
नो ऽ ग ग न का	ता ऽ रा ऽ ऽ ऽ	जि स पै ऽ च ढ़	के ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
र म प न ध म	प प - न - न	ध प ध प ध -	- प म र म प
इ ऽ न्द्र ध नु ष	प र ऽ झू ऽ ला	ऽ झू ऽ ले ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ चां ऽ द
न ध - प - -	- प ध न - सं	सं - रं ध सं न	ध प ध म - प
ह मा ऽ रा ऽ ऽ	ऽ भं ऽ डा ऽ र	हो ऽ य ल छ म	के ऽ ऽ हा ऽ थों
- न - ध - प	- - - ग - ग	- ग म र म ग	र स र ध न स
ऽ में ऽ सा ऽ रा	ऽ ऽ ऽ पा ऽ ये	ऽ अ ब जी भ र	के सु ख जि स ने
र ग र म - म	- - - म - म	- ग म र म ग	र स र ध - न
वि पद उ ठा ऽ ई	ऽ ऽ ऽ पा ऽ ये	ऽ अ ब जी भ र	के सु ख जि ऽ स
- स - र - ग	र म - म - -		
ऽ ने ऽ वि ऽ पद	उ ठा ऽ ई ऽ ऽ		

मैं तेरे गले की माला.........!

सागर-फिल्म	ताल	गायक
"ग्रामोफून सिङ्गर"	कहरवा	सुरेन्द्र और बिब्बो

मैं तेरे गले की माला।
तू सागर मैं सरिता, तू कवि मैं कविता।
तू मेरी नज़र की ज्वाला, मैं तेरे गले की माला॥
दीपक बन संसार जलादे, आग लगादे, आग लगादे।
हँस और हँसकर प्रेम सिखादे, प्रेम सिखाने वाला,
तू प्रेम सिखाने वाला। मैं तेरे गले की माला॥

स्वरलिपि

														र	ग॒
														मैं	ऽ
स	ग॒	र	स	ऩ॒	ध़	प़	ध़	म़॑	–	प़	–	–	–	प़	म़॑
ते	रे	ऽ	ग	ले	ऽ	की	ऽ	मा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
प़	ऩ	–	ऩ	ऩ	–	ऩ	प़	प़	ऩ	ऩ	स	ऩ	स	र	ग॒
ते	रे	ऽ	ग	ले	ऽ	की	ऽ	मा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
स	ग॒	र	स	ऩ॒	ध़	प़	ध़	म़॑	–	प़	–	–	–	ग	म
ते	रे	ऽ	ग	ले	ऽ	की	ऽ	मा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ
र	म	ग	र	स	र	ऩ	स	र	–	र	–	–	–	र	स
सा	ऽ	ग	र	मैं	ऽ	ऽ	स	रि	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ
र	ध	ध	धन॒	प	–	–	म॑	ग	प	म॑	ग	र	–	स	र
क	ऽ	वी	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	क	वि	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ

रग	म	म	म	म	म	म	ग	र	ग	ग	मग	र	स	र	ग
मे	ऽ	री	न	ज़	र	की	ऽ	ज्वा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
स	ग	र	स	न्	ध्	प्	ध्	म्	–	प्	–	–	–	प्	म्
ते	रे	ऽ	ग	ले	ऽ	की	ऽ	मा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
प्	न्	–	न्	न्	–	न्	प्	प्	न्	न्	स	न्	स	र	म
ते	रे	ऽ	ग	ले	ऽ	की	ऽ	मा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
स	ग	र	स	न्	ध्	प्	ध्	म्	–	प्	–	–	–		
ते	रे	ऽ	ग	ले	ऽ	की	ऽ	मा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ		

(सिर्फ बाजा बजेगा)

प्	–	स	न्	स	ग	म	प	ग	म	प	ग	म	ग	–	स
न्	स	न्	प्	स	ग	म	प								

(गाना)

प	म	प	ध	म	म	ग	–	स	न्	न्	स	सग	मप	गम	प
दी	ऽ	प	क	ब	न	सं	ऽ	सा	ऽ	र	ज	ला	ऽ	दे	ऽ
प्	स	स	न्	न्स	गम	पध	नप	स	न्	न्	स	ध्	–	प्	–
आ	ऽ	ग	ल	गा	ऽ	दे	ऽ	आ	ऽ	ग	ल	गा	ऽ	दे	ऽ
प	म	प	ध	म	म	ग	–	स	न्	न्	स	ध्	–	गम	प
दी	ऽ	प	क	ब	न	सं	ऽ	सा	ऽ	र	ज	ला	ऽ	दे	ऽ

र	ध	ध	न̱	प	ध	म॑	प	र	ग̱	ध	प	ग̱	-	र	-
हँ	स	औ	र	हँ	स	क	र	प्रे	ऽ	म	लि	खा	ऽ	दे	ऽ
र	प	-	प	ग̱	र	स	-	प़	ग̱	र	-	-	-	र	ग̱
प्रे	ऽ	ऽ	मलि	खा	ऽ	ने	ऽ	वा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ
रग	ध	प	म॑	ग̱	र	स	-	प़	ग̱	र	-	-	-	र	ग̱
प्रे	म	म	लि	खा	ऽ	ने	ऽ	वा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
स	ग̱	र	स	ऩ̱	ध़	प़	ध़	म़॑	-	प़	-	-	-	प़	म़॑
ते	रे	ऽ	ग	ले	ऽ	की	ऽ	मा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
प़	ऩ	-	ऩ	ऩ	-	ऩ	प़	प़	ऩ	ऩ	स	ऩ	स	र	ग̱
ते	रे	ऽ	ग	ले	ऽ	की	ऽ	मा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
स	ग̱	र	स	ऩ̱	ध़	प़	ध़	म़॑	-	प़	-	-	-		
ते	रे	ऽ	ग	ले	ऽ	की	ऽ	मा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ		

49–D. I. S.

बिन्द्राबन में कभी न आना !

सागर फ़िल्म		ताल		गायक
"ग्रामोफ़ून सिंगर"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	सुरेन्द्र और बिब्बो

बिन्द्राबन में कभी न आना।
गौऐं चराने मुरली बजाने, बनमें धूम मचाने। हां……बन में धूम मचाने।
सखियां जान चुकी हैं कि तुम आते हो नींद चुराने।
बिन्द्राबन में कभी न आये, गौऐं चराने मुरली बजाने॥
देखो समझो कहाँ नहीं हम, वहां नहीं कुछ, जहां नहीं हम,
कौन नहीं है हमारा–हमारा, बिन्द्राबन में कभी न आना।

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक

गम धन सं -	गम धन सं -	गम धन संगं रंसं	गंरं संगं रंसं नसं
प गं गंरं संगं	रंसं नसं प ग	गंरं संगं रंसं नसं	प ग प मप
ग गम धन सं	सं गम धन सं	सं गम धन सं	सं

			गं गं गंरं
			बि न्द रा

संरं संन धप धग	गम मध - ध	धन -ध धन सं	
ब न में ऽ	क भी ऽ न	आ ऽ ना ऽ	

- गं गं गंरं	संरं संन धप धग	गम मध - ध	धन संन धन सं
ऽ बि न्द रा	ब न में ऽ	क भी ऽ न	आ ऽ ना ऽ

-	गं	गं	गं	गं	-	गंरं	गं	-	संगं	मं	पं	मंपं	मंगं	संन	सं
ऽ	गौ	ऐं	च	रा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	मुर	ली	ब	जा	ऽ	ने	ऽ
नसं	गं	गं	गं	गं	-	गंरं	गं	-	सगं	मं	पं	मंपं	मंगं	सं	-
ऽ	गौ	ऐं	च	रा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	मुर	ली	ब	जा	ऽ	ने	ऽ
-	सं	मं	मं	गंपं	मंपं	गं	गं	संरं	संन	ध	-	गम	धन	संरं	नसं
ऽ	ब	न	में	धू	ऽ	म	म	चा	ऽ	ने	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ
रं	मं	मं	मं	गंपं	मंपं	गं	गं	संरं	संन	ध	-	गम	धन	संरं	न
ऽ	ब	न	में	धू	ऽ	म	म	चा	ऽ	ने	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ
-	स	र	र	संगं	रंसं	न	न	ध	न	धन	संन	धन	धप	म	-
ऽ	स	खि	यां	जा	ऽ	न	चु	की	ऽ	हैं	ऽ	कै	ऽ	तुम	ऽ
❀	र	र	र	संगं	रंसं	न	न	धन	धन	सं	न	धन	धप	म	-
❀	स	खि	यां	जा	ऽ	न	चु	की	ऽ	हैं	ऽ	कै	ऽ	तुम	ऽ
❀	संमं	मं	मं	गंपं	मंपं	ग	गं	संरं	संन	ध	-	धन	संन	संरं	गं
❀	आ	ते	हो	नीं	ऽ	द	चु	रा	ऽ	ने	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ
❀	गंम	मं	मं	गंपं	मंपं	ग	ग	संरं	संन	ध	-	धन	संन	संरं	गं
❀	आ	ते	हो	नीं	ऽ	द	चु	रा	ऽ	ने	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ
❀	गं	गं	गंरं	संरं	संन	धप	धग	गम	मध	-	ध	धन	संन	धन	सं
❀	बिं	द	रा	ब	न	में	ऽ	क	भी	ऽ	न	आ	ऽ	ना	ऽ

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक

गम धन सं -	गम धन सं -	गम धन सं मध	म - - -
मं - - -	* गंमं गंसं नसं	मं - - -	* गंमं गंसं नसं
मंगं मंगं संन धन	मंगं मंगं संन धन	धं - - -	* मंधं नधं मं
धं - - -	* मंधं नधं मं	मग मध मध नन	नसं नसं मं मं
मग मध मध नध	नसं नसं मं मं	गंमं गंसं नध नसं	गंसं नध मग म

—* गाना *—

* सं सं संरं	नरं संन ध -	प म - ग	गप मप ग -
* बिं द रा	ब न में ऽ	क भी ऽ न	आ ऽ यें ऽ
* ग म ध	न - न न	* धन धसं नसं	ध प म -
* गौ यें च	रा ऽ यें ना	* मुर ली ब	जा ऽ यें ऽ
मप नसं रं रं	रं रं रं सं	* गं गं गं	गं - गं गं
दे ऽ ऽ खो	स म झो ऽ	* क हा न	हीं ऽ ह म
* रं रं रं	सं - रं रं	* प न सं	रं सं न न
* व हां न	हीं ऽ कु छ	* ज हां न	हीं ऽ ह म
* न मं मं	मं - मं मं	गंपं मंपं गं गं	संरं संन धसं न
* कौ न न	हीं ऽ है ह	मा ऽ रा ह	मा ऽ रा ऽ
* सं सं संरं	नरं संन ध -	प म - ग	गप मप ग -
* बिं द रा	ब न में ऽ	क भी ऽ न	आ ऽ ये ऽ

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक

गम ध म गम	ध म गम ध	गम धन सं धन	संगं मं नसं गंमं
पं – – –	मं – – –	म ग – ग	– – – –
नसंरंगं – – –	– – – –		

50—D. I. S.

होरी आई रे कान्हा.........!

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म	तात	गायक
"जीवन प्रभात"	कहरवा	चन्द्रप्रभा और पार्टी

होरी आई रे कान्हा बृज के बसिया।
अपने-अपने घर सूं निकसी, कोई सांवरि कोई गोरी।
आय अचानक कृष्ण मुरारी, रोकी मग बरजोरी॥
जाय कहें हम नन्द बबा सों, कान्ह करत बरजोरी।
सुघर नार करती पुकार, काहे निकसी खेलन होरी?
होरी खेलन चलीं बृज की बनिता............होरी आई रे०॥
उतते निकसीं कुंवरि राधिका, हाथ गुलाल पिटारी।
इतसूं धाये कृष्ण कन्हाई कर धारे पिचकारी॥
अबीर गुलाल के बादर छाये, आंख भई रतनारी।
भर-भर पिचकारी छुटत फुआरी, भारी शोभा जाकी न्यारी॥
रंग बोर दई रंग के रसिया.........होरी आई रे०॥
बोलो नटखट ढीठ लंगर, छोडूं तुमपै पिचकारी?
छोड़ो रंग चढ़े नहिं हमपै, हम हैं कृष्ण मुरारी॥
आवो-आवो पिचकारी मारें, उतरे शेखी सारी।
बस-बस हा हा खाऊँ तिहारी, मैं हूं निपट अनारी॥
अब भूल गये हेकड़ी रसिया............. होरी आई रे०॥
धूम मची है आज बिरज में सब मिल खेलें होरी।
चङ्ग मृदङ्ग मजीरा बाजें, नाचें छोरा छोरी॥
ताता थेई, ताता थेई, ताथेई, ताथेई-थेई।
धुमकिट, धुमकिट, धुमक धुमाकिट, किटाकिट किटाकिट कटिक कटाकिट।
गदिगिनधा, गदिगिनधा, गदिगिन धा.......होरी आई.......॥

उतसे निकसी कुँवरि राधिका, नवल चपल मदमाती ॥
इतसूं आये कृष्ण कन्हाई, शोभा कही न जाई।
छुटें फुहारें रंग की धारें, झाँकी झप झप जाती ॥
ज्यों बूँदन बिच श्याम घटासूं, कौंध बीजुरी जाती।
बृज होरी रे मचाई राधा कृष्णा, होरी आई रे……॥

स्थाई—☞

×				।				×				।		ग	र
														हो	री
स	र	र	र	ग	-	म	म	प	-	ग	म	प	-	ग	र
आ	ई	रे	का	न्हा	ऽ	बृ	ज	के	ऽ	ब	सि	या	ऽ	हो	रि
स	र	र	र	ग	-	म	म	पध	नसं	नसं	नध	प	-	ग	र
आ	ई	रे	का	न्हा	ऽ	बृ	ज	केऽ	ऽऽ	बऽ	सिऽ	या	ऽ	हो	रि

ऊपर वाले बोल २ बजाकर अन्तरा शुरू होगा।

(१) अन्तरा (द्रुतलय)

+		।		+		।		+		।		+		।	
मम	न	धध	न	पप	धप	मग	म	मन	धन	पध	मप	गप	म	-	-
अप	ने	अप	ने	घर	सूंऽ	निक	सीं	कोई	सांऽ	वरि	कोई	गोऽ	री	ऽ	ऽ
गग	गग	ग	गर	सर	गर	स	स	रग	सर	म	मप	प	प	-	-
आऽ	एअ	चा	नक	किस	नमु	रा	री	रोऽ	कीऽ	मग	बर	जो	री	ऽ	ऽ
म	मम	प	पध	न	नन	सं	सं	सं	नन	नन	धन	पध	प	-	-
जा	इक	है	हम	न	न्द	बबा	सों	का	न्हक	रत	बर	जोऽ	री	ऽ	ऽ

मन नन –न नध	पध धध पप पध	धसं संरं संन धन	पध प ग र
सुध रना ऽर कर	तीऽ पुका ऽर काहे	निक सींऽ खेऽ लन	होऽ री हो री
स र र र	ग – म म	प – ग म	प – ग र
खे ल न च	ली ऽ बृ ज	की ऽ ब नि	ता ऽ हो री

अन्तरा – २

मम न धध नध	पध पम गप म	मन धन पध मप	गप म – –
उत ते निक सींऽ	कुंव रिरा ऽधिका	हाऽ थगु लाऽ लपि	टाऽ री ऽ ऽ
मग ग ग गर	रग मग र स	रग सर म– गम	पम प – –
इत सूं धा एऽ	किस नक न्हा ई	कर धाऽ रेऽ पिच	काऽ री ऽ ऽ
मम मम प पध	न नन सं सं	सं नन न धन	पध प – –
अबि रगु ला लके	बा दर छा ए	आं खभ ई रत	नाऽ री ऽ ऽ
नन नन धध नध	पध नध पप पध	धसं संन नध धन	पध प ग र
भर भर पिच कारी	छुट तफु वारि भारी	शोऽ भाऽ जा की	न्याऽ री रं ग
स र र र	ग – म म	प – ग म	प – ग र
बो ऽ र द	ई ऽ रं ग	के ऽ र सि	या ऽ हो री

अन्तरा—३

ग ग मम पप	पध पप मग म	रग सर म गम	प प – –
बो लो नट खट	ढीऽ टलँ गर छो	ढूंऽ तुम पै पिच	का री ऽ ऽ

गम ध धन संसं	संरं संन न- नध	पध पन धप गम	प - -
छोऽ ड़ो रंऽ गव	ढ़ेऽ नहिं हम पैऽ	हम हैं किस नमु	रा री ऽ ऽ
ग गग -म मप	पध धप मग म	रग सर म गम	मप प - -
आ ओआ ऽओ पिव	काऽ रीऽ माऽ रें	उत रेऽ से खी	सा री ऽ ऽ
म- ध- धन सं	संरं संन न नध	पध पन धप गम	प प ग र
बस बस हाऽ हा	खाऽ ऊंति हा री	मैंऽ हूंऽ निप टअ	ना री अ ब
स र र र	ग - म म	प - ग म	प - ग र
भू ऽ ल ग	ए ऽ हे क	ड़ी ऽ र लि	या ऽ हो री

अन्तरा (४)

म मम प पध	न नन संसं सं	धसं संन न धन	पध प - -
धू मम ची हैऽ	आ जबि रज में	सब मिल खे लेंऽ	होऽ री ऽ ऽ
न नन न नन	पध धन धप पध	धसं संरं संन धन	पध प - -
चं गमृ दं गम	जीऽ राऽ बाऽ जे	नाऽ चेऽ छोऽ राऽ	छोऽ री हो री

इसके बाद तबला......फिर अन्तरा (५)

मम न ध नध	पध पम गप ग	मन धन पध मप	गप म - -
इत से निक सीऽ	कुँव रिरा ऽधि का	नव लच पल मद	माऽ ती ऽ ऽ
मग ग ग गर	र मग र स	रग सर मम म	प प - -
उत से आ एऽ	किस नक न्हा ई	शोऽ भाऽ कही ऽन	जा ती ऽ ऽ

मम -म प पध	नन न सं सं	संन न न धन	पध प – –
छुटे ऽफु वा रेऽ	रंग की धा रें	झां की झप झप	जाऽ ती ऽ ऽ
न न नन नध	धध धन धप पध	धसं संन धध धन	पध प ग र
ज्यों बूँ दन बिच	श्याऽ मघटाऽ सीऽ	कौंऽ धत्री जु रीऽ	जाऽ ती बृ ज
स र - र	मग - म -	प - ग म	प - ग र
हो री ऽ म	चा ई रा ऽ	धा ऽ कु श	ना ऽ हो री

51—G. L. T.

शराबी सोच न कर मतवाले !

'न्यू थियेटर्स' फ़िल्म "मुक्ति" • • दादरा और कहरवा • • गायक "पंकज मल्लिक"

शराबी सोच न कर मतवाले, दुख भरे सुख वाले !
जो तेरे मन की ठीक है सुध—बुध, बिगड़ी बात बनाले । शराबी···॥
जो तेरे मन में खोट नहीं है, लौ ईश्वर से लगाले ॥ शराबी···॥
जो तेरे प्रेम में सच्चाई है, और ये प्रेम बढ़ाले ॥ शराबी···॥
हां ये ही दुख है सुख का सन्देशा, आग से आग बुझाले ॥ शराबी···॥

(बैक ग्राउण्ड म्यूज़िक) दादरा)

+ ०	+ ०	+ ०	+ ०
* * स - स -	र - म प न -	* * ध प म प	ग म ग र स -
ध - स स स -	र - ग र स -	ग - र स - -	* * स स स -
र - म प न -	* * ध प म प	ध - न र स -	र - ग र स -
प - ध न ध -	प - ध न ध -	प - ध न सं -	न - ध प प -
प - न ध प -	म - ग र स -	ध - स स स -	र - ग र स -
ग - र स - -	* * स - स -	र - म प न -	* * ध प म प
ग म ग र स -	ध - स स स स	र - ग र स -	- - - - - -

गाना शुरू (ताल कहरवा) ☞															प
															श
धन	धन	सं	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	प
रा	ऽ	बी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श
धन	धन	सं	-	-	संरं	-	न	ध	प	म	धप	मग-	-	र	-
रा	ऽ	बी	ऽ	ऽ	सो	ऽ	चन	क	र	म	त	वा	ऽ	ले	ऽ
-	-	-	-	र	म	पध	प	मग	ग	रग	मग	स	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दु	ख	भ	रे	सु	ख	वा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ
-	रं	न	सं	रं	गं	रं	-	-	संरं	गं	रं	सं	रं	न	सं
ऽ	जो	ते	रे	म	न	की	ऽ	ऽ	ठी	ऽ	कहै	सु	ध	बु	ध
-	प	प	ध	ध	सं	रं	गं	गं	-	रं	रं	रं	गं	रंगंरं	सं
ऽ	बि	ग	ड़ी	बा	ऽ	त	ब	ना	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	सं	सं	रं	न	ध	प	प	ध	सं	सं	प	ध	सं	धसं	रंगं
ऽ	बि	ग	ड़ी	बा	ऽ	त	ब	ना	ऽ	ले	श	रा	ऽ	बी	ऽ
-	सं	सं	रं	न	-	ध	प	ध	सं	सं	-	-	-	-	-
ऽ	बि	ग	ड़ी	बा	ऽ	त	ब	ना	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	सं	सं	संरं	न	नसंन	ध	नध	प	धप	म	पम	ग	मग	र	-
ऽ	जो	ते	रे	म	न	में	ऽ	खो	ऽ	ट	न	हीं	ऽ	है	ऽ

-	म	म	म	र	म	पध	प	मग-	-	र	स	र	म	प	-
ऽ	लौ	ई	श	व	र	से	ल	गा	ऽ	ले	श	रा	ऽ	बी	ऽ
-	म	म	म	ग	ग	ग	ग	र	-	स	-	-	-	-	-
ऽ	लौ	ई	श	व	र	से	ल	गा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	स	स	स	रम	रम	म	म	-	प	नसं	नसं	न	सं	सं	-
ऽ	जो	ते	रे	प्रे	ऽ	म	में	ऽ	स	चा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ
-	प	-	ध	ध	सं	रं	गं	गं	रं	रं	-	रं	गं	रंगंरं	स
ऽ	और	ऽ	ये	प्रे	ऽ	म	ब	ढ़ा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	स	-	र	न	-	ध	प	ध	-	सं	प	ध	सं	धसं	रंगं
ऽ	और	ऽ	ये	प्रे	ऽ	म	ब	ढ़ा	ऽ	ले	श	रा	ऽ	बी	ऽ
-	सं	-	रं	न	-	ध	प	ध	-	सं	-	-	धसं	-	-
ऽ	और	ऽ	ये	प्रे	ऽ	म	ब	ढ़ा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ
-	सं	-	रं	सं	न	ध	प	र	म	पध	प	मग-	-	र	सं
ऽ	ये	ऽ	ही	दु	ख	है	ऽ	सु	ख	का	सं	दे	ऽ	शा	ऽ
-	सं	-	रं	सं	रं	गं	मं	रं	गं	सं	सं	न	सं	नसंरंगं	रं
ऽ	आ	ऽ	गसे	आ	ऽ	ग	बु	झा	ऽ	ले	श	रा	ऽ	बी	ऽ
-	सं	-	रं	सं	रं	गं	मं	रं	गं	सं	-	-	-	न	सं
ऽ	आ	ऽ	गसे	आ	ऽ	ग	बु	झा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

–	–	–	–	–	संरं	–	न	ध	प	म	धप	मग-	–	र	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सो	ऽ	चन	क	र	म	त	वा	ऽ	ले	ऽ
–	–	–	–	र	म	पध	प	मग	-ग	रग	मग	स	–	–	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दु	ख	भ	रे	सु	ख	वा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	श
धन	धन	सं	–	–	संरं	–	न	ध	प	म	धप	मग-	–	र	–
रा	ऽ	बी	ऽ	ऽ	सो	ऽ	चन	क	र	म	त	वा	ऽ	ले	ऽ
–	–	–	–	र	म	पध	प	मग-	ग	रग	मग	स	–	–	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दु	ख	भ	रे	सु	ख	वा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	श
धन	धन	सं	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
रा	ऽ	बी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

52—D. I. S.

तू मेरी मैया मैं लाल तेरा.....!

प्रभात-फिल्म	**	ताल	**	गायक
"गोपालकृष्ण"	**	कहरवा	**	राम मराठे

तू मेरी मैया मैं लाल तेरा, लो पहिचान।
नन्द मेरे पिता गोपसखा, मधुर बचन मैं कहता। तू मेरी......॥
जमुना किनारे गौयें चराऊँ, बन्सी बजाऊँ, गोपी नचाऊँ।
झांझें झननननन बाजें खननननन। डगर डगर मैं फिरता। तू मेरी...॥

+				।				+				।			
गप	ग	–	र	स	–	स	–	गप	ग	–	र	स	–	स	–
तूऽ	मे	ऽ	री	मै	ऽ	या	ऽ	मैं	ला	ऽ	ल	ते	ऽ	रा	ऽ

स	-	र	ऩ	स	-	-	-	गम	ग	-	र	स	-	स	-
लो	ऽ	प	ह	चा	ऽ	ऽ	न	तूऽ	मे	ऽ	री	मै	ऽ	या	ऽ
गप	ग	-	र	स	-	स	-	स	-	र	ऩ	स	-	-	-
मैंऽ	ला	ऽ	ल	ते	-	रा	ऽ	लो	ऽ	प	ह	चा	ऽ	ऽ	न
स	स	प	प	-	प	प	-	-	प	प	ध	प	-	-	-
नं	द	मे	रे	ऽ	पि	ता	ऽ	ऽ	गो	प	स	खा	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	म	म	म	म	-	ग	ग	र	-	-	-	-	-
म	धु	र	ब	च	न	मैं	ऽ	क	ह	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

इसके बाद पहिली लाइन……तू मेरी मैया……बजाओ।

प	प	ध	ध	प	-	ध	-	प	-	ध	म	प	-	प	-
ज	मु	ना	कि	ना	ऽ	रे	ऽ	गौ	ऽ	वें	च	रा	ऽ	ऊं	ऽ
प	-	ध	ध	प	-	ध	-	प	-	ध	म	प	-	प	-
बं	ऽ	सी	ब	जा	ऽ	ऊं	ऽ	गो	ऽ	पी	न	चा	ऽ	ऊं	ऽ
ध	ध	-	प	म	म	म	म	प	प	-	म	ग	ग	ग	ग
झां	झे	ऽ	झ	न	न	न	न	बा	जे	ऽ	ख	न	न	न	न
प	ध	प	म	म	म	म	-	ग	ग	र	-	-	-	-	-
ड	ग	र	ड	ग	र	मैं	ऽ	फि	र	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

कित जाओगे कन्हैया

बौम्बे टाकीज फ़िल्म		ताल		गायिका
"इज्ज़त"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	देविकारानी

कित जाओगे कन्हैया ! मन के बसैया हमसे नेहा लगाके ।
छवि नैनन में मूरत मन में, बसे हो देह समाके ॥ कित ...॥
पलक मूँद के ताला डारूँ, राखूँ मन बिरमा के ॥ कित ......॥

।				+				।				+			
*	*	स	स	स	मप	मध	पध	मप	-	ग	-	ग	ग	रम	रम
*	*	कि	त	जा	ओ	गे	क	न्है	ऽ	या	ऽ	म	न	के	ब
रम	गर	स	-	स	ऩ	सग	रग	रग	सर	ऩस	धऩ	स	-	स	-
सै	ऽ	या	ऽ	ह	म	से	ऽ	ने	ऽ	हा	ल	गा	ऽ	के	ऽ
गर	सऩ	धऩ	स	ऩ	स	गम	गम	प	गम	प	-	-	पम	प	पप
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	छ	बि	नै	ऽ	न	न	में	ऽ	ऽ	मू	र	त
पध	मप	गम	रग	मप	ध	-	ध	म	ध	नसं	धन	मध	पम	गम	ध
म	न	में	ऽ	ब	से	ऽ	हो	दे	ऽ	ह	स	मा	ऽ	ऽ	ऽ
प	-	-	-	प	सं	नसं	धन	धन	ध	पध	पध	प	मप	गम	गम
के	ऽ	ऽ	ऽ	प	ल	क	मूँ	ऽ	द	के	ऽ	ता	ऽ	ला	ऽ
रम	गर	स	-	स	ऩ	सग	रग	रग	सर	ऩस	धऩ	स	र	स	-
डा	ऽ	रूँ	ऽ	रा	ऽ	खूँ	ऽ	म	न	बि	र	मा	ऽ	के	ऽ

बैक ग्राउण्ड म्यूज़िक (१)

* * स स	गर गर स पम	पम ग नध नध	प गरं गरं संन
धप नध नध पम	गर पध धप मग	रस गर गर सन्	धन् सर ग रस
न्स रग म गर	गम पध न धप	मप धन रं संन	धन संरं गं रंसं
नसं रंगं पं गंरं	संन धप मग रस	गर मग पम धप	नध संम रंसं गंरं
संन धप मग रस	नध पम गर सन्	सप मप ग सग	रग र सन् धन्

इसके बाद "कित जाओगे कन्हैया............" २ बार बजाइये।

बैक ग्राउण्ड म्यूज़िक (२)

स - स स	गर सन् धन् स	पम गम पध न	गंरं संन धन सं

इसके बाद "छबि नैनन में मूरत मनमें......" उन्हीं पहिले स्वरों पर बजाकर।

बैक ग्राउण्ड म्यूज़िक (३)

पध पम गम प	गर सन् धन् स	मध पम गम ध	प - - -
मप मग रग म	ग - - -	रग रस धन् र	स - - -
सर -स ग रग	रग -र म गम	गम -ग प मप	प -म ध पध
पध -प न धन	संरं -रं गं रंगं	पंमं गंरं सं गंरं	संन ध रंसं नध

पलक मूँद के माला डारूँ......बजाइये।

बैक ग्राउण्ड (४)

संन धप मप गम	नध पम गम रग	पम गर सर न्स	सर् गम प गम
पध न मप धन	रंसं न संगं रंगं	रंगं संरं नसं धन	स स पम पन
धन पध मप गम	प प सन् सग	रग सर न्स धन्	गर सन् धन् स

कित जाओगे कन्हैया.... ....।

दुनियां रंग रंगीली बाबा......!

'न्यू थियेटर्स' फ़िल्म	तीनताल	गायक
"धरतीमाता"	(मध्यलय)	पंकज, उमा, सहगल

दुनियां रङ्ग रँगीली बाबा, दुनियां रङ्ग रँगीली !
ये दुनियां एक सुन्दर बगिया, शोभा इसकी न्यारी है।
हर डारी पर जादू छाया, हर डारी मतवारी है॥
अद्भुत पंछी फूल मनोहर, कली-कली चटकीली ॥ बाबा...॥
क़दम-क़दम पर आशा अपना, रूप अनूप दिखाती है।
बिगड़े काज बनाती है, धीरज के गीत सुनाती है॥
इसका सुर मिश्री से मीठा, इसकी तान रसीली ॥ बाबा...॥
दुख की नदिया जीवन नैया, आशा के पतवार लगे।
ओ नैया के खेने वाले ! नैया तेरी पार लगे ॥
पार बसत है देश सुनहरा, किस्मत छैल छबीली ॥ बाबा...॥

—(*)—

(बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक)

*	स	ग	प	सं	–	–	–	*	ध	प	म	ध	–	–	–
*	प	म	र	प	–	–	ध	प	म	ग	र	धन	सरं	संन	सं
मप	धन̱	धप	ध	*	म	प	न̱	ध	-प	ध	–	*	म	प	न̱
ध	प	म	प	र	म	प	ध	सं	–	–	–	ध	प	म	प
ध	म	प	र	म	र	स	–								

—* गाना *—

ध़	स	स	–	स	–	स	स	सर	मप	धन̱	धप	म	ग	र	स
दु	नि	याँ	ऽ	रं	ऽ	ग	रँ	गी	ऽ	ली	ऽ	बा	ऽ	बा	ऽ
र	प	प	ध	म	ग	स	र	ग	–	रस	–	न̱ध	प़	–	–
दु	नि	याँ	ऽ	रं	ऽ	ग	रं	गी	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

म	म	म	-	म	-	म	म	*	ग	ग	रस	र	ग	गर	स
ये	दु	नि	ऽ	यां	ऽ	ए	क	*	सुं	द	र	ब	गि	या	ऽ
*	र	म	म	प	प	ध	सं	सं	रं	रंसं	न	धन	धप	मप	ध
*	शो	ऽ	भा	इ	स	की	ऽ	न्या	ऽ	रीऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध	ध	ध	ध	-	ध	ध	*	ध	-	सं	धसं	धप	म	-
*	ह	र	डा	री	ऽ	प	र	*	जा	ऽ	दू	छा	ऽ	या	ऽ
प	ध	धन	ध	प	धप	म	प	गर	स	रग	रग	स	-	-	-
ह	र	डा	ऽ	री	ऽ	म	त	वा	ऽ	री	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
प	सं	सं	सं	सं	-	सं	रं	ध	सं	-	न	धन	-	-	धप
अ	द	भु	त	पं	ऽ	छी	ऽ	फू	ऽ	ल	म	नो	ऽ	ऽ	हर
प	सं	सं	सं	संरं	गं	गंरं	सं	ध	सं	-	न	धन	-	-	धप
अ	द	भु	त	पं	ऽ	छी	ऽ	फू	ऽ	ल	म	नो	ऽ	ऽ	हर
प	ध	-	सं	सं	न	न	ध	मप	ध	ध	प	म	ग	र	स
क	ली	ऽ	क	ली	ऽ	च	ट	की	ऽ	ली	ऽ	बा	ऽ	बा	ऽ
*	र	म	ध	सं	-	-	-	*	ध	म	प	ध	-	-	-
हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हा	ऽ	ऽ	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हा	ऽ
*	प	म	र	प	-	-	-	*	ध	प	म	ग	र	स	-

ध	ध	–	ध	ध	–	म	प	ध	सं	सं	–	सं	न	रंसं	–
क	दम	ऽ	क	द्	म	प	र	आ	ऽ	शा	ऽ	अ	प	ना	ऽ
*	धन	न	ध	पध	–	म	प	प	ध	पध	न	ध	–	–	–
*	रू	प	अ	नू	ऽ	प	दि	खा	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	पध	न	पध	–	म	ग	गर	स	र	म	म	–	म	ग
बि	ग	ड़े	ऽ	का	ऽ	ज	ब	ना	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	धो
म	ध	ध	न	ध	न	ध	प	ध	न	सं	न	सं	–	–	–
र	ज	के	ऽ	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
सं	रं	रं	–	रं	रं	रं	सं	सं	रं	सं	ध	ध	प	म	प
इ	स	का	ऽ	सु	र	मि	स	री	ऽ	से	ऽ	मी	ऽ	ठा	ऽ
ध	सं	सं	रं	न	–	–	धप	मप	ध	ध	प	म	ग	र	स
इ	स	की	ऽ	ता	ऽ	न	र	सी	ऽ	ली	ऽ	बा	ऽ	बा	ऽ
*	र	म	ध	सं	–	–	–	*	ध	म	प	ध	–	–	–
हा	ऽ	ऽ	ऽ	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हा	ऽ	ऽ	हा	ऽ	ऽ	ऽ
*	प	म	र	प	–	–	–	*	ध	प	म	ग	र	स	–
*	सं	सं	सं	ध	प	म	–	*	पध	ध	प	ध	सं	सं	–
*	दु	ख	की	न	दि	या	ऽ	*	जी	व	न	नै	ऽ	या	ऽ

*	सं	रं	रं	रं	–	रं	सं	गंरं	सं	रं	गं	गंरं	सं	–	–
*	आ	ऽ	शा	के	ऽ	प	त	वा	ऽ	र	ल	गे	ऽ	ऽ	ऽ
*	गं	मं	मं	मं	–	मं	–	* गं	गंरं	सं		संगं	रंगं	सं	–
*	ओ	ऽ	नै	या	ऽ	के	ऽ	* खे	ऽ	ने		वा	ऽ	ले	ऽ
*	ध	न	ध	ध	सं	सं	–	रंगं	रं	सं	रंगं	गंरं	सं	–	–
*	नै	ऽ	या	ते	ऽ	री	ऽ	पा	ऽ	र	ल	गे	ऽ	ऽ	ऽ
*	सं	सं	सं	सं	सं	नसंरंगं	संरं	–	न	न	सं	धसं	नध	पम	प
*	पा	र	ब	स	त	है	ऽ	ऽ	दे	श	सु	न्है	ऽ	रा	ऽ
प	सं	सं	रं	न	ध	प	म	मप	ध	ध	प	म	ग	रे	स
कि	स	म	त	है	ऽ	ल	छ	बी	ऽ	ली	ऽ	बा	ऽ	बा	ऽ

55—D. I. S.

ओ दिलरुबा कहां तक..........?

'न्यू थियेटर्स' फ़िलम	ताल	गायक
"करोड़पती"	दादरा और कहरवा	सहगल

ओ दिलरुबा कहां तक, जुल्मो सितम सहेंगे ?
किताबे इश्क में लिक्खी हैं और ही बातें,
ओ इश्क के दीवाने, ओ हुस्न के परवाने !
हम भी तो सुनें आख़िर, क्या हैं तेरे अफ़साने ?
जब दास्ताने उल्फ़त, आशिक बयां करेंगे,
फिर आँसुओं के दरिया, हर आंख से बहेंगे।
मुझे यकीं है, मेरी मुहब्बत में तुम भी सदमे उठा रही हो।
इधर मैं आंसू बहा रहा हूं, उधर तुम आंसू बहा रही हो ॥

——*——

+			।			+			।			+			।		
न	सं	न	सं	न	सं	प	ध	प	न	ध	प	र	म	ग	र	ध़	ऩ
स	-	स	प	म	प	र	म	ग	र	ध़	ऩ	स	-	स	प	म	प
र	म	ग	र	ध़	ऩ	गम	पध	नध	पम	गर	स	ग	-	र	ग	-	प
म	-	-	-	-	-	ग	-	र	ग	-	प	म	-	-	-	ग	म
प	ध	न	सं	-	-	प	न	ध	प	ग	म	प	ध	न	सं	-	-
प	न	ध	प	-	-	र	म	ग	र	ध़	ऩ	ग	-	र	ग	-	प
म	-	-	-	-	-	ग	-	र	ग	-	प	म	-	-	-	-	-

गाना—

रम
ओ

+			।			+			।			+			।		
ग	र	स	ऩ	ध़	ऩ	स	-	स	-	-	सस	र	-	म	रम	पध	प
दि	ल	रु	बा	ऽ	क	हां	ऽ	तक	ऽ	ऽ	जुल	मो	ऽ	सि	त	म	स
म	ग	र	-	-		(ए. इस्क्वायर स्रस, बी. इस्क्वायर स्रस)											सं
हैं	ऽ	गे	ऽ	ऽ													कि
सं	रं	न	-	-	न	न	न	-	पध	-	ध	म	ग	म	प	सं	न
ता	ऽ	बे	इ	ऽ	श्क	में	लि	ऽ	क्खी	ऽ	हैं	औ	ऽ	र	ही	ऽ	बा
ध	प	-	-	-	प	प	ध	प	म	प	म	ग	ग	-	सर	-	र
ऽ	तें	ऽ	ऽ	ऽ	कि	ता	ऽ	बे	इ	ऽ	श्क	में	लि	ऽ	क्खी	ऽ	हैं
ऩ	ध़	ऩ	स	म	ग	र	स	-	-	-	न	न	-	न	न	-	न
औ	ऽ	र	ही	ऽ	बा	ऽ	तें	ऽ	ऽ	ऽ	औ	इ	ऽ	श्क	के	ऽ	दी

प न पन सं - सं	प - न सं - मंगं-	रं - सं - - न
वा ऽ ने ऽ ऽ ओ	हु ऽ स्न के ऽ पर	वा ऽ ने ऽ ऽ हम
न - न न न -	न सं सं - सं मं	गं रं सं सं - संरं
भी ऽ तो सु नें ऽ	आ ऽ ख़िर ऽ क्या ऽ	हैं ऽ ते रे ऽ अफ़
रंसंन - सं - - संरं	न - न न - न	प ध ध ध - म
सा ऽ ने ऽ ऽ जब	दा ऽ स ता ऽ ने	उ ऽ ल्फ़ त ऽ आ
प प ध न - सं	ध - प - - पप	प ध प म प म
शि क ब यां ऽ क	रें ऽ गे ऽ ऽ फिर	आँ ऽ सु ओं ऽ के
ग ग ग - - सस	ग - म गम पन प	मग- र स - - रम
द रि या ऽ ऽ हर	आं ऽ ख से ऽ ब	हें ऽ गे ऽ ऽ ओ

पहिली लाइन २ बार बजाकर फिर आगे बढ़िये
(बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक)

न सं न सं न सं	प ध प न ध प	र म ग र ध़ ऩ
स - स प म प	र म ग र ध़ ऩ	स - स प म प
र म ग र ध़ ऩ	गम पध नध पम गर स	ग - र ग - प
म - - - - -	ग - र ग - प	म - - - ग म
प ध न सं - -	प न ध प ग म	प ध न सं - -
प न ध प - -	र म ग र ध़ ऩ	ग - र ग - प
म - - - - -	ग - र ग - प	म - - - - -

फिर पहिली लाइन २ बार बजाइये और आगे बढ़िये

(ताल कहरवा मात्रा ८)

+				२				+				२			
सं	सं	-	सं	सं	-	सं	-	सं	सं	-	न	नसं	रं	सं	सं
मु	झे	ऽ	य	कीं	है	ऽ	ऽ	मे	र	-	मो	ह	ऽ	ब्ब	त
न	पध	-	म	प	ध	न	सं	ध	न	-	सं	नध	-	प	-
में	तुम	ऽ	भी	स	द	मे	ऽ	उ	ठा	ऽ	र	ही	ऽ	हो	ऽ
ग	ग	ग	ग	ग	-	ग	-	ग	ग	-	स	गम	पध	म	प
इ	ध	र	मैं	आं	ऽ	सू	ऽ	ब	हा	ऽ	र	हा	ऽ	हूं	ऽ
ग	ग	ग	ग	ग	म	पध	मप	ग	ग	-	रस	र	न	स	-
उ	ध	र	तुम	आं	ऽ	सू	ऽ	ब	ह	ऽ	र	ही	ऽ	हो	ऽ

56—D. I. S.

करूँ क्या आश निराश भई······!

'न्यू थियेटर्स' फ़िल्म	ताल	गायक
"दुश्मन"	कहरवा (मध्यलय)	"सहगल"

करूँ क्या आश निराश भई। करूँ क्या·········॥
दिया बुझे फिर से जल जाये, रात अंधेरी जाये दिन आये।
मिटती आश है जोत अंखियन की, समझो गई तो गई। करूं क्या०॥
जब न किसी ने राह सुझाई, दिल से एक आवाज़ ये आई।
हिम्मत बांध सम्हल बढ़ आगे, रोक नहीं है कोई।
कहो ना आश निराश भई।
करना होगा खून को पानी, देना होगी हर कुरबानी।
हिम्मत है इतनी तो समझले, आश बंधेगी नई,
कहो ना आश निराश भई।

——:*(*)*:—

															प
															क
।				+				।				×			
प	ध	ध	रं	रं	गंरं	सं	सं	धन	संन	ध	प	पध	नध	प	म
रू	ऽ	क्या	ऽ	आ	ऽ	श	नि	रा	ऽ	श	भ	ई	ऽ	ऽ	क
र	म	म	प	प	ध	ध	प	पध	न	प	ध	प	–	–	–
रू	ऽ	क्या	ऽ	आ	ऽ	श	नि	रा	ऽ	श	भ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
म	मग	र	ग	रस	–	म	म	मगर	–	म	म	प	–	प	–
दि	या	ऽ	बु	झे	ऽ	फि	र	से	ऽ	ज	ल	जा	ऽ	ये	ऽ
प	ध	ध	ध	–	ध	ध	–	नध	प	ध	न	नध	प	प	–
रा	ऽ	तअँ	धे	ऽ	री	जा	ऽ	ये	ऽ	दि	न	आ	ऽ	ये	ऽ
सं	रं	रं	रं	–	रं	रं	–	गंरं	सं	सं	रं	गं	रं	रंगंरं	सं
मि	ट	ती	आ	ऽ	श	है	ऽ	जो	ऽ	तअं	खि	य	न	की	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	सं	रं	रं	रं	–	रं	रं	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मि	ट	ती	आ	ऽ	श	है	ऽ
गंरं	सं	सं	रं	गं	रं	गंरं	सं	–	–	–	–	–	–	–	–
जो	ऽ	तअँ	खि	य	न	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	सं	सं	सं	न	ध	ध	प	पध	–	–	–	–	–	–	–
स	म	झो	ग	ई	ऽ	तो	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	संसं	सं	सं	सं	-	प	-	-	गम	ध	प	मग	-	र	-
*	जब	न	कि	सी	ऽ	ने	ऽ	ऽ	रा	ह	सु	भा	ऽ	ई	ऽ
-	स	ध़	स	र	ग	र	-	रग	मप	प	प	प	न	धप	-
ऽ	दि	ल	से	ए	क	आ	ऽ	वा	ऽ	ज़	ये	आ	ऽ	ई	ऽ
-	-	-	-	-	-	-	-	-	संसं	सं	सं	सं	-	प	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जब	न	कि	सी	ऽ	ने	ऽ
-	गम	ध	प	मग	-	र	-	-	स	ध़	स	र	ग	र	-
ऽ	रा	ह	सु	भा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	दि	ल	से	ए	क	आ	ऽ
रग	मप	प	प	प	न	धप	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वा	ऽ	ज़	ये	आ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	ध	सं	रं	गं	-	-	गं	रं	सं	रं	गं	रं	सं	ध	सं
ऽ	हि	म्म	त	बां	ऽ	ध	सं	भ	ल	व	ढ़	आ	ऽ	गे	ऽ
-	सं	रं	रं	रं	सं	न	ध	ध	सं	सं	प	-	ध	-	-
ऽ	रो	क	न	हीं	ऽ	है	ऽ	को	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	रं	रं	रं	रं	-	रं	रं	संरं	गं	गं	गं	रं	गं	रं	गं
ऽ	हि	म्म	त	बां	ऽ	ध	सँ	भ	ल	ब	ढ़	आ	ऽ	गे	ऽ
-	सं	रं	रं	रं	सं	न	ध	ध	सं	सं	प	प	ध	ध	रं
ऽ	रो	क	न	हीं	ऽ	है	ऽ	को	ई	ऽ	क	हो	ऽ	ना	ऽ

रं	गंरं	सं	सं	धन	संन	ध	प	ध	प	म	म	र	म	प	–
आ	ऽ	श	नि	रा	ऽ	श	भ	ई	ऽ	ऽ	क	हो	ऽ	ना	ऽ
प	ध	ध	प	पध	न	प	ध	प	–	–	–	–	–	–	–
आ	ऽ	श	नि	रा	ऽ	श	भ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	म	म	म	मग	र	स	–	–	रम	–	म	म	–	म	–
ऽ	क	र	ना	हो	ऽ	गा	ऽ	ऽ	खू	न	का	पा	ऽ	नी	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	–	म	म	र	म	प	प	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दे	ना	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
–	पध	ध	सं	ध	–	पध	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ऽ	हर	कु	र	बा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	धन	पध	ध	सं	–	सं	सं	धसं	रंगं	गं	गं	रं	गं	रं	गं
ऽ	हि	म्म	त	है	ऽ	इ	त	नी	ऽ	तो	स	म	झ	ले	ऽ
रंगं	–	–	रं	सं	न	धन	पध	रं	–	–	–	–	–	–	–
आ	ऽ	ऽ	शबं	धे	ऽ	गी	न	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
संरं	–	–	रं	सं	न	धन	धप	सं	–	–	प	प	ध	ध	रं
आ	ऽ	श	बं	धे	ऽ	गी	न	ई	ऽ	ऽ	क	हो	ऽ	ना	ऽ
रं	सं	सं	न	धन	संन	ध	प	ध	प	म	म	र	म	मप	–
आ	ऽ	श	नि	रा	ऽ	श	भ	ई	ऽ	ऽ	क	हो	ऽ	ना	ऽ

प	ध	ध	प	पध	न	ध	प	प	-	-	-	-	-	-	सं
आ	ऽ	श	नि	रा	ऽ	श	भ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क
सं	रं	रं	-	संरं	-	रं	रं	संरं	गं	-	-	रं	-	-	रं
हो	ऽ	ना	ऽ	आ	ऽ	श	नि	रा	ऽ	ऽ	ऽ	श	ऽ	ऽ	भ
रं	गं	रं	सं												
ई	ऽ	ऽ	ऽ												

57—D. I. S.

घिर कर आई बदरिया कारी !

न्यू थियेटर्स फ़िल्म "करोड़पति"	त्रिताल (मध्यलय)	गायिका राजकुमारी

घिर कर आई बदरिया कारी।
बरसन लागीं बूँदनियां और पवन चलत मतवारी वारी।
आवो सखी जमुना तट जायें, बंसी बजावत दिल को लुभावत,
हमको बुलावत कुञ्जबिहारी।

बैक ग्राउण्ड म्यूज़िक (मध्यलय)				सं	-
+	२	०	३		

ध	ध	–	प	म॑	प	म॑	प	ध	प	–	म	म	–	म	ग
म	प	–	प	ध़	प	ग	म	प	र	–	र	स	–	स	ऩ
स	म	–	म	म	–	म	ग	म	प	–	प	ध	प	प	म॑
प	सं	–	ध	प	–	स	न	स	र	–	र	स	–	स	ऩ
स	म	–	म	म	–	म	ग	म	प	–	प	ध	प	प	म॑
प	सं	–	ध	प	–	स	ऩ	स	र	–	र	स	–	सं	–
ध	ध	–	प	म॑	प	म॑	प	ध	प	–	म	म	–	म	ग
म	प	–	प	ध	प	ग	म	प	र	–	र	स	–	सं	–
ध	ध	–	प	म॑	–	ऩ	स	र	ग	म	प	ध	न	सं	ध
–	–	न	सं	ऩ	स	र	ग	म	प	ध	न	सं	ध	–	न
सं	–	ऩ	स	र	ग	म	प	ध	न	सं	ध	–	न		

अब गाना शुरू हुआ।

२				३				०				+			
सं	सं	ध	प	ग	ग	म	र	ग	म	प	–	प	म॑	ध	प
घि	र	क	र	आ	ऽ	ई	ब	द	रि	या	ऽ	का	ऽ	री	ऽ
सं	सं	सं	सं	सं	–	सं	सं	सं	सं	संन	रं	सं	ध	प	–
घिं	र	क	र	आ	ऽ	ई	ब	द	रि	या	ऽ	का	ऽ	री	ऽ
प	प	प	प	संध	संध	सं	–	मं	–	रं	सं	नसं	–	सं	सं
ब	र	स	न	ला	ऽ	गी	ऽ	बूँ	ऽ	द	नि	यां	ऽ	औ	र
ध	न	सं	रं	सं	न	ध	प	म॑	ध	प	–	सऩ	–	स	–
प	व	न	च	ल	त	म	त	वा	ऽ	री	ऽ	वा	ऽ	री	ऽ

स	र	र	र	र	–	र	ग	म	प	प	प	प	ध	प	–
आ	ऽ	वो	स	खी	ऽ	ज	मु	ना	ऽ	त	ट	जा	ऽ	यें	ऽ

स	र	र	र	र	–	र	ग	म	ध	प	ध	ग	प	मग	र
आ	ऽ	वो	स	खी	ऽ	ज	म	ना	ऽ	त	ट	जा	ऽ	यें	ऽ

न	सं	न	सं	न	सं	न	सं	नसं	न	सं	न	न	ध	प	–
प	ध	प	ध	म	ग	र	ग	र	–	–	–	सर	मप	ध	न
ध	–	ध	ध	–	ध	ध	न	ध	न	ध	सं	न	ध	प	–
प	ध	प	ध	म	ग	र	ग	र	–	–	–	सर	मप	न	सं
न	सं	न	सं	न	सं	न	सं	नसं	र	सं	न	न	ध	प	–
प	ध	प	ध	म	ग	र	ग	र	–	–	–	सर	मप	ध	न
ध	–	ध	ध	–	ध	ध	न	ध	न	ध	सं	न	ध	प	–
प	ध	प	ध	म	ग	र	ग	र	–	–	–	म	ग	र	स
												हां	ऽ	ऽ	ऽ

स	र	र	र	र	–	र	ग	म	प	प	प	प	ध	प	–
आ	ऽ	वो	स	खी	ऽ	ज	म	ना	ऽ	त	ट	जा	ऽ	यें	ऽ

स	र	र	र	र	–	र	ग	म	ध	प	ध	ग	प	मग	र
आ	ऽ	के	स	खी	ऽ	ज	म	ना	ऽ	त	ट	जा	ऽ	यें	ऽ

स	र	र	र	र	–	र	ग	सरगम	गम	म	ग	रग	रग	र	स
आ	ऽ	वो	स	खी	ऽ	ज	म	ना	ऽ	त	ट	जा	ऽ	यें	ऽ

स	र	र	र	र	-	र	ग	म	प	प	प	प	ध	प	-
आ	ऽ	वो	स	खी	ऽ	ज	म	ना	ऽ	त	ट	जा	ऽ	यें	ऽ
❀	मप	प	प	ध	न	सं	रं	न	सं	न	सं	धन	सं	न	धप
❀	बं	सी	ब	जा	ऽ	ब	त	दि	ल	को	लु	भा	ऽ	ब	त
❀	पसं	न	सं	धन	धन	ध	प	❀	पसं	न	सं	धन	धन	ध	प
❀	हम	को	बु	ला	ऽ	व	त	❀	हम	को	बु	ला	ऽ	व	त
र	ग	म	प	र	-	स	-	र	ग	म	प	र	-	स	-
कुं	ऽ	ज	बि	हा	ऽ	री	ऽ	कुं	ऽ	ज	बि	हा	ऽ	री	ऽ
❀	मप	-	प	ध	न	सं	रं	नसं	नसं	धन	धन	पध	न	ध	प
❀	पसं	नसं	नसं	धन	धन	ध	प	❀	पसं	नसं	नसं	धन	धन	ध	प
र	ग	म	प	र	-	स	-	र	ग	म	प	र	-	स	-
❀	मप	प	प	ध	न	सं	रं	न	सं	न	सं	धन	संन	ध	प
❀	बं	शी	ब	जा	ऽ	व	त	दि	ल	को	लु	भा	ऽ	व	त
❀	पसं	न	सं	धन	धन	ध	प	❀	पसं	न	सं	धन	धन	ध	प
❀	हम	को	बु	ला	ऽ	व	त	❀	हम	को	बु	ला	ऽ	व	त
र	ग	म	प	र	-	स	-	र	ग	म	प	र	-	स	-
कुं	ऽ	ज	बि	हा	ऽ	री	ऽ	कुं	ऽ	ज	बि	हा	ऽ	री	ऽ

58—D. I S.

प्रीतम से प्रीति निभाऊँगी....!

न्यू थियेटर्स फिल्म "स्ट्रीट सिङ्गर"	ताल कहरवा	गायिका काननबाला

प्रीतम से प्रीति निभाऊँगी।
वो तो हैं मेरे मनमें समाये, मैं भी उनमें समाऊँगी॥
पाकर उनको खोजाऊँगी, डगर-डगर और नगर-नगर साजन को ढूँढ़न जाऊँगी॥
लेके कमण्डल छोड़ के मण्डल, राज-पाट को तज दूंगी,
सब खोकर उनको पाऊँगी, नगर-नगर और डगर..........॥

+				२				×				२			
ग	–	म	–	र	–	र	–	–	स	–	–	–	–	–	–
प्री	ऽ	ऽ	ऽ	त	ऽ	म	ऽ	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
पस	गप	–	–	धस	गप	–	–	गध	सग	–	–	–	–	–	–
ग	–	म	–	–	र	–	–	ग	मप	मप	मप	म	ग	–	–
प्री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ति	ऽ	ऽ
मप	–	–	–	ध	प	म	–	गग	–	–	–	–	–	–	स
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि
स	र	ग	म	प	–	प	–	–	–	–	–	प	ध	न	नसं
भा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ
नसं	नसं	नसं	–	–	ध	प	धन	धन	धन	धन	–	–	प	मप	मप

-	-	-	-	-	-	-	-	-	ग	-	ग	ग	-	ग	ग
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बो	ऽ	तो	हैं	ऽ	मे	रे
ग	म	प	ध	ग	म	ग	-	-	म	-	म	म	म	म	म
म	न	में	स	मा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	मैं	ऽ	भी	उ	न	में	स
म	ग	प	-	-	प	ग	-	ग	म	प	सं	न̲	न̲	प	-
मा	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	गी	ऽ	पा	ऽ	क	र	उ	न	को	ऽ
म	-	म	गमप	-	ग	-	-	ग	म	म	म	म	म	म	ग
खो	ऽ	जा	ऊँ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ड	ग	र	ड	ग	र	औ	र
म	प	प	प	प	प	म	ग	म	ध	ध	-	ग	म	ध	ध
न	ग	र	न	ग	र	सा	ऽ	ज	न	को	ऽ	ढूं	ऽ	ढ	न
मध	नसं	न	सं	नसं	धन	पध	म	-	-	ग	म	ग	र	स	-
जा	ऽ	ऊँ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प्री	ऽ	त	म	से	ऽ
❀	सरग	-	ग	ग	गमप	-	म	ग	-	ग	म	ग	र	स	-
❀	प्री	ऽ	त	नि	भा	ऽ	ऊं	गी	ऽ	प्री	ऽ	त	म	से	ऽ
❀	सरग	-	ग	ग	गमप	-	म	ग	सग	मप	ध	मप	-ग	म	-र
❀	प्री	ऽ	त	नि	भा	ऽ	ऊं	गी	(सिर्फ बाजा बजेगा)						
ग	-स	ग	-स	प	ध	प	म	ग	र	स	स	ग	म	प	ध
				ले	ऽ	के	क	मं	ऽ	ड	ल	छो	ऽ	ड़	के

ग	र	स	स	ग	म	प	ध	सं	न	ध	–	–	–	ध	मप
मं	ऽ	ड	ल	छो	ऽ	ड़	के	ऽ	मं	डल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	सं	सं	–	सं	सं	–	न	ध	प	न	प	–	म	म
रा	ऽ	ज	पा	ऽ	ट	को	ऽ	ल	ज	दू	ऽ	गी	ऽ	स	ब
म	न	न	न	ध	ध	प	धप	म	पम	ग	मग	र	गर	स	–
खो	ऽ	क	र	उ	न	को	ऽ	पा	ऽ	ऊं	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	ध	ध	ध	ध	प	ध	न	सं	न	ध	ध	प	–
न	ग	र	न	ग	र	औ	र	ड	ग	र	ड	ग	र	सा	ऽ
ध	सं	सं	–	सं	रं	गं	गं	धन	संन	प	ध	सं	–	–	–
ज	न	की	ऽ	दू	ऽ	ढ	न	जा	ऽ	ऊं	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	–	–	न	–	न	–	धन	धन	धन	–प	–	म	–	–
प्री	ऽ	ऽ	ऽ	त	ऽ	म	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
मप	–	–	ध	–	–	–	न	सं	–	गं	–	रं	–	–	–
प्री	ऽ	ऽ	त	ऽ	ऽ	ऽ	नि	भा	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	–	–	–	–	–	–								
गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

मेरे प्यारे मोहन बलिजाऊँ....!

रेकार्ड गीत	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
H. M. V.	卐 卐	कहरवा	卐 卐	कु० जुथिकाराय

मेरे प्यारे मोहन बलिजाऊं तेरी।
बहु रैन भई सोजावो ज़रा ॥ मेरे प्यारे मोहन........ ॥
मीठी लोरी मैं तुमको सुनाऊंगी, धीरे-धीरे से पंखा झुलाऊंगी।
और सुन्दर कहानी सुनाऊंगी, मानों मानों मेरी, बारी जाऊं तेरी।
बहु रैन भई सोजावो ज़रा—मेरे प्यारे मोहन............॥
तुम निशदिन धूम मचावत हो, गोपी बाला को नाच नचावत हो।
और चोर-चोर दधि खावत हो, न सतावो मोहे समझाये हारी ॥

स्थाई—☞

														स	ऩ
														मे	रे
×				।				×				।			
स	–	र	र	र	र	र	स	र	–	ग	ग	ग	–	म	प
प्या	ऽ	रे	मो	ह	न	ब	लि	जा	ऽ	ऊं	ते	री	ऽ	ब	हु
र	–	र	र	र	–	र	–	र	ग	म	स	स	–	स	ऩ
रै	ऽ	न	भ	ई	ऽ	सो	ऽ	जा	ऽ	वो	ज़	रा	ऽ	मे	रे

अन्तरा १

														ग	ग
														मी	ठी
ग	–	ग	ग	ग	ग	ग	स	र	म	म	–	म	–	म	म
लो	ऽ	री	मैं	तु	म	को	सु	ना	ऽ	ऊं	ऽ	गी	ऽ	धी	रे

म	-	म	म	ग॒	म	प	म	ग॒	म	ग॒	र	स	-	स	ऩ
धी	ऽ	रे	से	पं	ऽ	खा	झु	ला	ऽ	ऊँ	ऽ	गी	ऽ	औ	र
स	र	र	र	र	र	र	स	र	ग॒	ग॒	-	ग॒	-	प़	प़
सु	ऽ	द	र	क	हा	नी	सु	ना	ऽ	ऊँ	ऽ	गी	ऽ	मा	नो
प़	-	स	स	स	-	ऩ	स	र	ग॒	ग॒	ग॒	ग॒	-	म	प
मा	ऽ	नो	मे	री	ऽ	वा	री	जा	ऽ	ऊँ	ते	री	ऽ	ब	हु
र	-	र	र	र	-	र	ग॒	र	ग॒	म	प	स	-	स	ऩ
रै	ऽ	न	भ	ई	ऽ	सो	ऽ	जा	ऽ	वो	ज़	रा	ऽ	मे	रे

अन्तरा (२)

														ग	ग
														तु	म
+				।				+				।			
ग	ग	ग	ग	ग	-	ग	स	र	म	म	म	म	-	म	म
नि	श	दि	न	धू	ऽ	म	म	चा	ऽ	व	त	हो	ऽ	गो	पी
म	-	प	म	ग॒	म	ग॒	र	र	ग॒	र	स	स	-	स	ऩ
बा	ऽ	ला	को	ना	ऽ	च	न	चा	ऽ	व	त	हो	ऽ	औ	र
स	र	र	र	-	र	र	स	र	ग॒	ग॒	ग॒	ग॒	-	प़	प़
चो	ऽ	र	चो	ऽ	र	द	धि	खा	ऽ	व	त	हो	ऽ	न	स
प़	-	स	स	स	-	ऩ	स	र	ग॒	ग॒	ग॒	ग॒	ग॒	म	प
ता	ऽ	वो	मो	हे	ऽ	स	म	झा	ऽ	ये	हा	री	ऽ	ब	हु

र	–	र	र	र	–	र	ग	ग	म	प	स	स	–	स	ऩ
रै	ऽ	न	भ	ई	ऽ	सो	ऽ	जा	ऽ	वो	ज़	रा	ऽ	मे	रे

60—S. N. G.

जीवन का सुख आज प्रभू....!

न्यूथियेटर्स फिल्म	ताल	गायक	स्वरलिपि
"धूपछांह"	तिताल	सहगल	श्री० शान्तिस्वरूप

जीवन का सुख आज प्रभू, मोहे जीवन का सुख आज।
जल-थल नाचे, जङ्गल नाचे, नाचे बन का मोरा।
झूम-झूम फूलन पर नाचे, रस का लोभी भौंरा॥
प्रभू जीवन का सुख आज, आज जीवन का सुख आज॥

सं - सं - न सं न सं(सं) रं - न - प - र म पप(धध) ध(प) म(प) ग -

(सा) ऩ - प़ प़ ऩ ऩ स नस - नस - रम पसं - पप(धध) पप(धध) ध(प) -

म ग - र ऩ र स -

स्थाई

×				२				०				३			
प	–	प	प	प	म	प	ध	म	–	गर	ग	र	–	र	र
जी	ऽ	व	न	का	ऽ	सु	ख	आ	ऽ	जऽ	प्र	भू	ऽ	मो	हे
–	म	म	मग	रग	मग	स	स	सर	गस	रग	प-	गम	गर	सर	-र
ऽ	जी	व	न	काऽ	ऽऽ	सु	ख	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽज

ध ध ध ध	ध - ध प	धन सं सं संन	धन -ध प -
ज ल थ ल	ना ऽ चे ऽ	जंऽ ऽ ग लऽ	नाऽ ऽऽ चे ऽ
पन न न ध	ध प मग रस	र ग स -	- - - -
ऽऽ ना चे ऽ	ब न काऽ ऽऽ	मो ऽ रा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
- म म म	- म म -	प ध न ध	प - प -
ऽ झू म झू	ऽ म फू ऽ	ल न प र	ना ऽ चे ऽ

(अब ताल बन्द हो जाती है)

स र ^रम म	- म- म- प	ध पध पध सं	- - - - न
झू ऽ म झू	ऽ मऽ फूऽ ल	न पऽ ऽऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
न ध			
ध न ध	प - प -		
ऽ ऽ र	ना ऽ चे ऽ		

(अब ताल लगना आरम्भ हो जाता है)

+	२	०	३
- सर म म	- म म -	प ध न ध	प - - प
ऽ झूऽ म झू	ऽ म फू ऽ	ल न प र	ना ऽ चे ऽ
प सं सं न	न ध ध प	प म म ग	- - स र
र स का ऽ	लो ऽ भी ऽ	भौं ऽ रा ऽ	ऽ ऽ प्र भु
म - म प	मग रस र ग	स - - स	सर गस रग प-
जी ऽ व न	काऽ ऽऽ सु ख	आ ऽ ऽ ज	आऽ ऽऽ ऽऽ ऽज

प	-	प	प	प	म	प	ध	म	-	गर	ग	र	-	र	र
जी	ऽ	व	न	का	ऽ	सु	ख	आ	ऽ	जऽ	प्र	भू	ऽ	मो	हे
-	म	म	मग	रग	मग	स	स	सर	गस	रग	प-	गम	गर	सर	-र
ऽ	जी	व	नऽ	काऽ	ऽऽ	सु	ख	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽज

इसी प्रकार कुल गीत दूसरी बार फिर बजता है।

61—S. S.

बाबुल मोरा नैहर छूटो ही जाय!

न्यू थियेटर्स फ़िल्म "स्ट्रीट सिङ्गर"	卐 卐	तीन ताल (विलम्बित लय)	卐 卐	गायक सहगल

बाबुल मोरा नैहर छूटो ही जाय।
चार कहार मिल मोरी डोलिया सजावेंरे,
मोरा अपना बेगाना छूटो ही जाय॥ बाबुल मोरा…॥
अँगना तो परबत भया, और देहरी भई विदेश,
ले बाबुल घर आपनो, मैं चली पिया के देश।
बाबुल मोरा नैहर……………………॥

२				०				३				+			
रग	ग	ग	र	ग	-	-	-	सर	सग	रगर	सरस	नृ	-	-	-
बा	बु	ल	मो	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
* नृ	स	र		-	-	-	ग	रग	-	स	र	स	-	-	-
* नै	ह	र		ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	छू	ऽ	टो	ही	जा	ऽ	य	ऽ

धृनृसरग	र	ग	र	ग	-	-	सर	मपमग	रग	रस	रस	नृ	-	-	-
बा	बु	ल	मो	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	नृ	स	स	-	-	-	ग	रग	-	स	र	स	-	-	-
*	नै	ह	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	छू	ऽ	टो	ही	जा	ऽ	य	ऽ
रगम	म	म	ग	म	-	-	म	मपध	-	मप	पध	पधप	मपम	गमग	रगर
बा	बु	ल	मो	रा	ऽ	ऽ	मो	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सरस	नृ	-	-	-	नृ	स	र	-	ग	स	र	स	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नै	ह	र	ऽ	छू	टो	ही	जा	ऽ	य	ऽ
नृसरगमपध	प	प	प	प	-	-	-	-	ग	प	प	प	ध	प	ध
बाऽ	बु	ल	मो	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नै	ह	र	छू	ऽ	टो	ऽ
प	ध	-	-	-	-	प	म	-	-	ग	प	मप	मप	मपन	ध
जा	ऽ	य	ऽ	-	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बा	बु	ल	ऽ	ऽ	मो
प	-	मप	मध	पधप	मपम	ग	-	सर	सरग	रगर	सरस	नृ	-	-	-
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	नृ	स	र	-	-	-	ग	रग	-	स	र	स	-	-	-
*	नै	ह	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	छू	ऽ	टो	ही	जा	ऽ	य	ऽ
प	-	प	प	प	-	गम	पन	धप	-	-	पप	प	ध	ध	-
चा	ऽ	र	क	हा	ऽ	र	ऽ	मिल	ऽ	ऽ	मोरी	डो	लि	या	ऽ

-	पधप	म	-	गम	गम	-	ग	म	गम	गमप	म	ग	रस	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	जा	ऽ	ऽ	वँ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
सग	मप	नध	प	प	-	गम	पन	धप	-	-	धप	प	ध	ध	-
चा	ऽ	र	क	हा	ऽ	र	ऽ	मिल	ऽ	ऽ	मोरी	डो	लि	या	ऽ
-	ध	मं	ग	-	-	-	ग	रग	रग	रगम	र	स	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	जा	ऽ	ऽ	वँ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
प	-	प	प	पसं	नसं	प	न	ध	पधमप	-	धप	प	ध	ध	-
चा	ऽ	र	क	हा	ऽ	र	ऽ	मिल	ऽ	ऽ	मोरी	डो	लि	या	ऽ
पध	पम	-	म	धप	मग	सग	पम	ग	र	स	-	-	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	स	जा	ऽ	ऽ	वँ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	प	प	पध	नसं	-	न	ध	-	प	-	-	प	पं	-
मो	रा	आ	प	ना	ऽ	ऽ	बे	गा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	छू	टो	ही
ध	-	-	-	पन	धप	म	-	प	प	गम	पनध	प	-	पन	धप
जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बा	बु	ल	मो	रा	ऽ	ऽ	ऽ
म	रग	रस	ऩ	*	ऩ	स	र	ग	-	स	र	स	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	नै	ह	र	छू	ऽ	टो	ही	जा	ऽ	य	ऽ
ध	न	न	-	न	-	ध	न	ध	न	ध	न	पध	पन	धनध	पधप
अँ	ग	ना	ऽ	तौ	ऽ	प	र	ब	त	भ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

म	-	-	म	म	म	प	-	ध	सं नं	-	ध	प	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	और	दे	ह	री	ऽ	भ	ई	ऽ	वि	दे	ऽ	श	ऽ
ध	-	ध	-	ध	ध	प	ध	प	ध	पधन	ध	पध	पम	-	म
ले	ऽ	बा	ऽ	बु	ल	घ	र	आ	ऽ	ऽ	प	नो	ऽ	ऽ	मैं
ग	ग	-	म	धप	मग	मग	पम	गर	स	-	-	-	-	-	-
च	ली	ऽ	पि	या	ऽ	के	ऽ	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	श	ऽ	ऽ

62—D. I. S.

जय अम्बे गौरी मैया ! जय…!!

फ़िल्म—आरती	स्वरलिपिकार	ताल कहरवा
"दुनियां न माने"	श्रीयुत-का० हा० कडुलकर	मात्रा ८

जय अम्बे गौरी मैया ! जय मङ्गल मूर्ती मैया । जय० ॥
तुमको निशदिन ध्यावत, हर ब्रह्मा शिव री । मैया० ॥
माँग सिंदूर विराजत टीका, टीका मृग मद को ।
उज्वल से दोऊ नैना चन्द्र बदन नीको ॥ जय अम्बे० ॥
कानन कुण्डल शोभित, नासाग्रे मोती……………।
कोटिक चन्द्र दिवाकर राजित, राजित सम ज्योती ॥ जय० ॥
सिन्दूर की थाली,केसर की प्याली, गुलाब गेंदा सासन ।
केतकी जुही लावत भेंट चढ़ाने नारी-नारी हरियाली ॥
गावत सखिजन आरती श्री माता जी को ।
सेवा करके ध्यावत सुख-दुख पति देवन को । जय अम्बे० ॥

—*—

स्वरलिपि☞

														स	स
														ज	य
+				०				+				०			
					सं			ध							
र	म	म	-	प	ध	न॒	-	प	ध	प	-	-	-	प	प
अं	ऽ	वे	ऽ	गौ	ऽ	री	ऽ	मै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ज	य
ध	सं	सं	रंसं	न॒	-	ध	प	प	ध	म	ग	रग	मग	र	स
मं	ऽ	ग	लऽ	मू	ऽ	र्ति	ऽ	मै	ऽ	या	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ज	य

अन्तरा—

ग	ग	ग	-	म	ग	र	स	रग	म	म	म	-	-	-	-
तु	म	को	ऽ	नि	शि	दि	न	ध्या	ऽ	व	त	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	-	प	-	ध	म	ग	रग	-	-	-	-	-	-	-
ह	र	ऽ	ब्र	ऽ	ह्मा	शि	व	रीऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
								सं							
ग	प	प	प	प	-	प	ध	पध	न॒	न॒	ध	ध	प	प	-
मां	ऽ	ग	सिं	दू	ऽ	र	वि	राऽ	ऽ	ज	त	टी	ऽ	का	ऽ
प	-	प	-	प	ध	म	प	ग	-	-	-	-	-	-	-
टी	ऽ	का	ऽ	मृ	ग	म	द	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	-	प	ध	सं	-	-	-	सं	-	संरं	सं	न॒सं	न॒	ध	प
उ	ऽ	ज्व	ल	ले	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	ऊऽ	ऽ	नैऽ	ऽ	ना	ऽ
प	-	प	प	प	ध	म	प	ग	-	-	-	रग	मग	र	स
चं	ऽ	द्र	ब	द	न	नी	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ज	य

दूसरा अन्तरा —

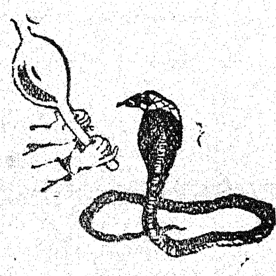
ग	-	ग	ग	म़	ग	र	स	रग	म	म	म	-	-	-	-
का	ऽ	न	न	कुं	ऽ	ड	ल	शोऽ	ऽ	भि	त	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	-	प	-	प	ध	म	ग	रग	-	-	-	-	-	-	-
ना	ऽ	सा	ऽ	ग्रे	ऽ	मो	ऽ	तीऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	-	ध	सं	ध	सं	सं	सं	सं	-	सं	रंसं	न॒	संन॒	ध	प
को	ऽ	टि	क	चं		द्र	दि	वा	ऽ	क	रऽ	रा	ऽऽ	जि	त
प	-	प	प	प	ध	म	प	म ग	-	-	-	रग	मग	र	स
रा	ऽ	जि	त	स	म	ज्यो	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ज	य

तीसरा अन्तरा—

ग	-	ग	-	ग	म	र	ग	प	-	-	-	-	-	-	-
सिं	ऽ	दू	ऽ	र	की	था	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	-	प	धप	म	-	म	पम	ग	म	ग	म	ग	म	र	ग
के	ऽ	स	रऽ	की	ऽ	प्या	ऽऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	-	प	प	-	प	ध	पध	संन॒	न॒	ध	धप	-	-	-
गु	ला	ऽ	ब	गें	ऽ	दा	ऽ	साऽ	ऽऽ	स	ऽ	नऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	-	-	प	प	ध	म	प	मग	-	-	-	-	-	-	-
के	ऽ	ऽ	त	की	ऽ	जू	ऽ	ही	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

ग	–	ग	ग	ग	–	ग	ग	ग	–	ग	म	र	ग	स	–
ला	ऽ	व	त	में	ऽ	ट	क्र	ढ़ा	ऽ	ने	ऽ	ना	ऽ	री	ऽ
ग	–	ग	–	ग	म	र	ग	प	–	–	–	–	–	–	–
ना	ऽ	री	ऽ	ह	रि	या	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
									सं						
प	–	प	प	प	प	प	ध	पध	न	न	न	धप	–	–	–
गा	ऽ	व	त	स	खि	ज	न	आऽ	ऽ	र	ती	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	–	प	ध	म	प	ग	–	–	–	–	–	–	–
श्री	ऽ	मा	ऽ	ता	ऽ	जी	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	–	ध	सं	धसं	–	संरं	गं	रं	सं	न	न	ध	प
से	ऽ	वा	ऽ	क	र	केऽ	ऽ	ध्याऽ	ऽ	व	ल	ऽ	सु	ख	ऽ
								प							
न	न	न	न	न	ध	प	ध	ग	–	–	–	रग	मग	र	स
सु	ख	प	ति	दे	ऽ	व	न	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ज	य

63—K. H.



सावन झूला झूल के निकला-भादों की आई........!

फ़िल्म गीत "दुनियां न माने"	राग—मांड ताल दादरा	गायक बासन्ती और शांता आप्टे

सावन झूला झूल के निकला, भादों की आई बहार।
नन्हीं-नन्ही बूँदन की बौछार, कली-कली को करती प्यार।
कहती फल-फूलन की डार, अहा भारत प्यारा, मेरा भारत प्यारा॥
भारत माता की देखने शोभा, देवी ने भेजा कुंवार,
देवी की पूजा में था संसार, करता था फल-फूलों से सत्कार।
देख के कहने लगा कुवार......अहा भारत प्यारा०......॥
आई दिवाली चमकन लागे, घर दर, दीवार।
पग—पग ऊपर शोभा निछावर, जगमगा उठा संसार॥
हंसत—हंसत, चलत—फिरत उमङ्ग में नर—नार।
किसी के गले फूलन के हार, किसी की झांझन की झनकार।
यही झंकार की थी पुकार—अहा भारत प्यारा०......॥

—:❀:—

+			o			+			o			+			o		
-	-	-	ग	र	स	स	र	स	ग	र	ग	स	-	-	ध	प	ध
❀	ऽ	ऽ	अ	हा	ऽ	भा	र	त	पि	या	ऽ	रा	ऽ	ऽ	अ	हा	ऽ
म	प	म	ध	प	ध	पम	गर	-	र	र	ग	स	र	स	ग	र	ग
भा	र	त	पि	या	ऽ	राऽ	ऽऽ	ऽ	है	वो	ऽ	ज	ग	से	नि	या	ऽ
स	-	-	-	-	-	स	म	म	म	ग	म	प	ध	प	न	न	ध
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	व	न	झू	ला	ऽ	झू	ल	के	निक	ला	ऽ
प	ध	प	न	ध	न	प	-	-	-	-	-	प	ध	प	म	ग	म
भा	दों	की	आ	ई	ब	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	व	न	झू	ला	ऽ

प	ध	प	न	न	ध	प	ध	प	न	ध	न	प	–	प	न	ध	न
भू	ल	के	निक	ला	ऽ	भा	दों	की	आ	ई	ब	हा	ऽ	न	न्हीं	न	न्हीं
प	ध	प	न	ध	न	प	–	–	न	ध	न	प	ध	प	न	ध	न
बूं	द	न	की	बौ	ऽ	छा	ऽ	आर	क	ली	ऽ	क	ली	को	क	र	ती
प	–	–	प	प	–	म	प	म	प	प	ध	पम	गर	–	र	र	ग
प्या	ऽ	ऽ	कह	ती	ऽ	फ	ल	फू	ल	न	की	डाऽ	रऽ	ऽ	अ	हा	ऽ
स	र	स	ग	रम	गर	स	–	–	ध	प	ध	म	प	म	ध	प	ध
भा	र	त	पि	याऽ	ऽऽ	रा	ऽ	ऽ	अ	हा	हा	भा	र	त	पि	या	ऽ
पम	गर	–	ग	र	ग	स	र	स	ग	र	ग	स	–	–	–	–	–
राऽ	ऽऽ	ऽ	मे	रा	ऽ	भा	र	त	पि	या	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	म	म	म	ग	म	प	ध	प	न	न	ध	प	ध	प	न	ध	न
भा	र	त	मा	ता	की	दे	ख	ने	शो	भा	ऽ	दे	वी	ने	भे	जा	कु
प	–	–	नध	पम	गर	स	म	म	म	ग	म	प	ध	प	न	न	ध
वा	ऽ	ऽ	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	भा	र	त	मा	ता	की	दे	ख	ने	शो	भा	ऽ
प	ध	प	न	ध	न	प	–	प	न	ध	न	प	ध	प	न	ध	न
दे	वी	ने	भे	जा	कु	वा	ऽ	दे	वो	की	ऽ	पू	जा	में	था	सं	ऽ
प	–	प	न	ध	न	प	ध	प	न	ध	न	प	–	प	प	प	–
सा	ऽ	कर	ता	था	ऽ	फल	फू	लों	से	स	ऽ	त्का	ऽ	दे	ख	के	ऽ

म प म प प ध	पम गर – र र ग	स र स ग र ग
कह ने ल गा ए क	बाऽ ऽऽ आर अ हा ऽ	भा र त पि या ऽ
स – – ध प ध	म प म ध प ध	पम गर – र र ग
रा ऽ ऽ अ हा ऽ	भा र त पि या ऽ	राऽ ऽऽ ऽ है वो ऽ
स र स ग र ग	स – गम पध नसं –	प सं न सं न सं
ज ग से नि या ऽ	रा ऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	आ ई दि वा ली ऽ
ध न ध न ध न	प ध प ध ग म	प – – – – –
चम क न ला गे ऽ	घ र द् र दी ऽ	वा ऽ ऽ ऽ ऽ र
प सं न सं न सं	ध न ध न ध न	प ध प ध म ग
आ ई दि वा ली ऽ	चम क न ला गे ऽ	घ र द् र दी ऽ
र – – – – – –	स म म म ग म	प ध प न न ध
वा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ र	पग प ग ऊ प र	शो भा नि छा व र
प ध प न ध न	प – – – – –	प सं न सं न सं
जग मग उ ठा सं ऽ	ला ऽ आर ऽ ऽ ऽ	हँ स त हँ स त
ध न ध न ध न	प ध प म ग म	ध प – – – –
च ल त फि र त	उ मं ग में न र	न आर ऽ ऽ ऽ ऽ
प सं न सं न सं	ध न ध न ध न	प ध प म ग म
हँ स त हँ स त	च ल त फि र त	उ मं ग में न र

प	–	प	न	ध	न	प	ध	प	न	ध	न	प	–	प	प	प	–
ना	आर	कि	सी	के	ऽ	ग	ले	फू	ल	न	के	हा	आर	कि	सी	के	ऽ
म	प	म	प	प	ध	पम	गर	–	न	ध	न	प	ध	प	न	ध	न
झां	झ	न	की	झं	ऽ	काऽ	ऽआर	ऽ	य	ही	ऽ	झं	का	र	की	थी	पु
प	–	–	प	प	–	म	प	म	ध	प	ध	पम	गर	–	र	र	ग
का	ऽ	आर	अ	हा	ऽ	भा	र	त	पि	या	ऽ	राऽ	ऽऽ	ऽ	है	वो	ऽ
स	र	स	ग	र	ग	स	–	–	–	–	–						
ज	ग	से	नि	या	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अहा भारत प्यारा…!					

64—S. S.

मतवाली कोयलिया बोले….!

फ़िल्म गीत	ताल	गायिका
"भावी"	कहरवा	मिस मीरा

मतवाली कोयलिया बोले ।
कू-कू-कू-कू फिरती गाती, पंचम सुर का राग सुनाती ।
मन मिश्री घोले ॥ मतवाली…………………॥
नया बसन्त नई बन बेलें, नये फूल और पात नये ।
नई दिशाएं, नई हवाएं, नया चमन दिन रात नये ॥
मस्त पवन डोले ॥ मतवाली…………………॥

स्थाई

+				|				+				|			
														सं	सं
														म	त
न	सं	ध	न	प	ध	ग	म	ग	म	प	ध	न	रं	सं	सं
वा	ऽ	ली	को	य	लि	या	ऽ	बो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	म	त

न	सं	ध	न	प	ध	ग	म	प	–	प	–	–	–	–	–
वा	ऽ	ली	को	य	लि	या	ऽ	बो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
नसं	न	नसं	न	धन	ध	पध	प	ग	म	प	ध	न	सं	रं	गं
कूऽ	ऽ	कूऽ	ऽ	कूऽ	ऽ	कूऽ	ऽ	फि	र	ती	ऽ	गा	ऽ	ती	ऽ
न	सं	सं	न	ध	न	ध	प	प	ध	ग	म	प	ध	ध	प
पं	ऽ	च	म	सु	र	का	ऽ	रा	ऽ	ग	सु	ना	ऽ	ती	ऽ
ध	नसं	सं	न	ध	न	ध	प	प	ध	ग	म	प	ध	ध	प
पं	ऽऽ	च	म	सु	र	का	ऽ	रा	ऽ	ग	सु	ना	ऽ	ती	ऽ
ध	ध	ध	ध	प	ध	ग	म	प	ध	न	रं	सं	–	सं	सं
म	न	मि	स	री	ऽ	घो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	त

अन्तरा—

प	ध	–	ध	प	–	ध	न̲	प	ध	ग	म	प	–	प	–
न	या	ऽ	ब	सं	ऽ	त	न	ई	ऽ	ब	न	बे	ऽ	लें	ऽ
ध	ध	–	ध	–	ध	सं	रं	सं	न	ध	न	प	–	–	–
न	ये	ऽ	फू	ऽ	ल	औ	र	पा	ऽ	त	न	ये	ऽ	ऽ	ऽ
सं	रं	सं	रं	सं	न	ध	प	प	ध	–	न̲	ध	प	म	–
न	ई	ऽ	दि	शा	ऽ	ऐं	ऽ	न	ई	ऽ	ह	वा	ऽ	यें	ऽ

म	प	म	ध	प	म	ग	र	स	र	ग	र	स	-	-	-
न	या	ऽ	च	म	न	दि	न	रा	ऽ	त	न	ये	ऽ	ऽ	ऽ

ध	-	ध	ध	ध	ध	ग	म	प	ध	न	रं	सं	-	सं	सं
म	ऽ	स्त	प	व	न	डो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	त

65-S. N. G

एक बांस की थी पतली सी नली !

न्यूथियेटर्स फिल्म	ताल	गायक
विद्यापती	तिताल व कहरवा	पहाड़ी सान्याल

गद्य

एक दिन राधा ने बांसुरिया नन्दलाल की चुपके से ली चुरा,
घर लाई उठा और क्रोध में आ बोली कि निगोड़ी ! सच बतला ! क्या मन्तर है क्या जादू है वो ? मोह रखा है जिससे मोहन को ? हँसकर बांसुरिया बोली यूँ, ठहरो सजनी ! बतलाती हूँ !

—गीत—

एक बांस की थी पतली सी नली, जङ्गल में उगी जङ्गल में पली ।
तक़दीर मगर कुछ अच्छी थी, मधुसूदन के मैं हाथ लगी ॥
सजनी जो कटा हर अङ्ग मेरा, कुछ और ही निकला रङ्ग मेरा ।
मैं प्रेम को समझी थी आसां, सुनकर होगी तुम भी हैराँ ॥
छेदों से मेरा सीना है भरा, आ ! हाथ लगाकर देख ज़रा ।
अब तन क्या है इक तान सखी, प्रीतम के साथ है जान सखी ॥

ताल कहरवा

न	न
ए	क

न	-	न	न	सं	-	सं	संरं	नध	पम	प	न	पध	नसं	न	न
बाँ	ऽ	स	की	थी	ऽ	प	लऽ	लीऽ	ऽऽ	सी	न	लीऽ	ऽऽ	ए	क
न	-	न	न	सं	-	सं	संरं	नध	पम	प	न	पध	नसं	*	ग
बां	ऽ	स	की	थी	ऽ	प	नऽ	लीऽ	ऽऽ	सी	न	लीऽ	ऽऽ	*	जं
ग	ग	ग	स	रग	मप	प	-	ग	ग	रस	न	स	-	*	गग
ग	ल	में	उ	गीऽ	ऽऽ	जं	ऽ	ग	ल	मेंऽ	प	ली	ऽ	*	तक़
ग	-	ग	ग	ग	ग	म	प	ग	-	र	-	स	-	ग	म
दी	ऽ	र	म	ग	र	कु	छ	अ	ऽ	च्छी	ऽ	थी	ऽ	त	क़
-	ग	ग	ग	ग	ग	म	प	ग	-	र	-	स	-	प	म
ऽ	दी	र	म	ग	र	कु	छ	अ	ऽ	च्छी	ऽ	थी	ऽ	म	धु
प	ध	ध	ध	पध	नसं	रंसं	प	गम	पध	प	ग	र	-	सं	रं
सू	ऽ	द	न	केऽ	ऽऽ	ऽऽ	मैं	हाऽ	ऽऽ	थ	ल	गी	ऽ	स	ज
रं	-	रं	रं	रं	-	रं	रं	संरं	गं	गं	रं	नसं	नसं	न	न
नी	ऽ	जो	क	टा	ऽ	ह	र	अऽ	ऽ	ङ्ग	मे	राऽ	ऽऽ	कु	छ
न	-	न	न	न	न	सं	-	नसं	रंगं	रं	सं	सं	-	प	ध
औ	ऽ	र	ही	नि	क	ला	ऽ	रंऽ	ऽऽ	ग	मे	रा	ऽ	स	ज
नसं	रं	रं	रं	रं	-	सं	सं	नसं	रंमं	गं	रं	सं	-	न	न
नीऽ	ऽ	जो	क	टा	ऽ	ह	र	अऽ	ऽऽ	ङ्ग	मे	रा	ऽ	कु	छ

न	-	न	न	न	न	पध	पध	म	पन	सरं	गंरं	स	-	पध	नसं
औ	ऽ	र	ही	नि	क	लाऽ	ऽऽ	ऽ	रंऽ	ऽऽ	गमे	रा	ऽ	मैंऽ	ऽऽ
न	न	न	न	न	न	न	-	नध	पम	प	न	प	-	प	सं
ऽ	प्रे	म	को	स	म	झो	ऽ	थीऽ	ऽऽ	आ	ऽ	साँ	ऽ	मैं	ऽ
न	न	न	न	न	न	न	-	नध	पम	प	न	प	-	प	प
ऽ	प्रे	म	को	स	म	झी	ऽ	थीऽ	ऽऽ	आ	ऽ	सां	ऽ	सु	न
म	प	ग	म	ग	म	प	प	ग	म	ग	र	स	-	प	प
क	र	हो	ऽ	गी	ऽ	तु	म	भी	ऽ	है	ऽ	रां	ऽ	सु	न

कर होगी तुम भी हैरां…… ……इन्हीं स्वरों पर बाजा बजेगा, इसके बाद—

(ताल तिताला द्रुतलय)

+				२				०				३		ग छो	म ऽ
प	-	प	प	प	-	प	-	मप	धप	म	म	प	-	ग	म
दों	ऽ	से	मे	रा	ऽ	सी	ऽ	नाऽ	ऽऽ	है	भ	रा	ऽ	छो	ऽ
गम	पन	प	प	प	-	प	-	मप	धप	म	म	प	-	न	-
दोंऽ	ऽऽ	से	मे	रा	ऽ	सी	ऽ	नाऽ	ऽऽ	है	भ	रा	ऽ	आ	ऽ
-	न	-न	न	न	-	न	न	प	ध	न	ध	प	-	प	न
ऽ	हा	ऽथ	ल	गा	ऽ	क	र	दे	ऽ	ख	ज़	रा	ऽ	अ	ब
सं	रं	रं	-	रं	-	रं	गं	न	सं	न	रं	सं	-	न	सं
त	न	क्या	ऽ	है	ऽ	इ	क	ता	ऽ	न	स	खी	ऽ	अ	ब

रं	रं	रं	-	रं	-	रं	गं	नसं	रंगं	रं	न	सं	-	प	-
त	न	क्या	ऽ	है	ऽ	इ	क	ताऽ	ऽऽ	न	स	खी	ऽ	प्री	ऽ
प	ध	ध	-	पध	नसं	रंसं	सं	न	ध	-ध	म	प	-	प	-
त	म	के	ऽ	साऽ	ऽऽ	ऽथ	है	ऽ	जा	ऽन	स	खी	ऽ	प्री	ऽ
प	ध	ध	-	(यहां से ताल बन्द रहेगो)											
त	म	के	ऽ												
न	-	-	न	न	-	-	ध	प	-	-	-	म	-	-	-
सा	ऽ	ऽ	थ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ
ग	-	-	ग	रे	-	-	-	गमपध	गमपध	नसंरंगं	रं	मं	-	-	-
न	ऽ	ऽ	स	खी	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	प्री	ऽ	ऽ	
मं	मं	मं	-	-	-	-	-	-	-	गं	रं	गं	-	-	-
त	म	के	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ
गं	-	गं	-	-	-	-	-	-	रं	गं	रं	सं	न	सं	न
थ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	-	-	-	प	-	ध	-	सं	-		-	गं	-	रं	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
मं	-	गं	-	रं	-	-	-								
न	ऽ	स	ऽ	खी	ऽ	ऽ	ऽ								

हमें प्रीति किसी से..........!

सागर फ़िल्म		ताल		गायक
"हम तुम और वह"		कहरवा		माया और हरीश

हमें प्रीत किसी से नहीं करनी, हमें प्रीति की रीति बतावो नहीं।
हमें लिख २ चिठियां मत भेजो, हमें जमुना किनारे बुलावो नहीं ॥ हमें...॥
हम लिख-लिख चिठियां भेजेंगे, तुम्हें अपने पास बुलायेंगे।
हम रूँठेंगे हम झगड़ेंगे, हम ज़ोर से खींच के लायेंगे ॥
इन बातों से हमको डरावो नहीं ॥ हमें प्रीत.....................॥

स्वरलिपि

+				'				+				'			
														म	म
														ह	में
प	-	प	ग	म	-	ग	र	ग	-	स	र	स	-	प	प
प्री	ऽ	ति	कि	सी	ऽ	से	न	हीं	ऽ	क	र	नी	ऽ	ह	में
न	-	न	न	ध	-	म	म	प	न	ध	ध	प	-	म	म
प्री	ऽ	त	की	री	ऽ	त	ब	ता	ऽ	वो	न	हीं	ऽ	ह	में
प	-	प	ग	म	-	ग	र	ग	-	स	र	स	-	प	ध
प्री	ऽ	ति	कि	सी	ऽ	से	न	हीं	ऽ	क	र	नी	ऽ	ह	में
सं	सं	सं	सं	स	रं	सं	-	न	न	प	ध	सं	-	प	न
लि	ख	लि	ख	चि	ठि	यां	ऽ	म	त	भे	ऽ	जो	ऽ	ह	में
सं	गं	रं	सं	न	-	ध	ध	न	-	प	ध	प	-	म	म
ज	मु	ना	कि	ना	ऽ	रे	बु	ला	ऽ	वो	न	हीं	ऽ	ह	में

प	-	प	ग	म	-	ग	र	ग	-	स	र	स	-	स	स
श्री	ऽ	ति	कि	सी	ऽ	से	न	हीं	ऽ	क	र	नी	ऽ	ह	म
र	ग	र	ग	ग	र	स	-	-	म	ग	ग	म	-	म	म
लि	ख	लि	ख	चि	ठि	याँ	ऽ	ऽ	भे	ऽ	जें	गे	ऽ	तु	म्हें
म	प	प	-	म	-	ग	म	ध	-	-	न	सं	-	ध	सं
अ	प	ने	ऽ	पा	ऽ	स	बु	ला	ऽ	ऽ	यें	गे	ऽ	ह	म
सं	गं	रं	-	सं	-	ध	प	न	सं	न	रं	सं	-	प	ध
रू	ऽ	ठें	ऽ	गे	ऽ	ह	म	झ	ग	ड़ें	ऽ	गे	ऽ	ह	म
गं	-	रं	सं	गं	-	रं	सं	गं	-	रं	-	सं	-	म	प
ज़ो	ऽ	र	से	खीं	ऽ	च	के	ला	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	इ	न
प	सं	न	ध	प	म	ग	ग	ग	-	स	र	म	-	म	म
बा	ऽ	तों	से	ह	म	को	ड	रा	ऽ	वा	न	हीं	ऽ	ह	में

प्रीति किसी से............!   66—N, P, K.

नन्हीं नन्हीं बुँदियाँ..........!

फ़िल्म गीत		ताल		गायिका
"भावी"		कहरवा		रेणुकादेवी

नन्हीं नन्हीं बुदियां मेहरा बरसे,
जियरा तरसे ऊदे-ऊदे बदरा ।
पवन चलत सूम सननन नननन ।
झींगुरवा बोलत झूम झनन नननन ॥
बादर गरजे, बिजुरी चमके । नन्हीं नन्हीं...॥

+				।				+				।			
प	ध	प	म	ग	र	ग	स	र	र	म	प	न	ध	प	–
न	न्हीं	न	न्हीं	बु	दि	यां	ऽ	मे	ह	रा	ऽ	ब	र	से	ऽ
न	न	न	–	सं	न	सं	–	प	ध	प	म	ग	र	ग	प
जि	य	रा	ऽ	त	र	से	ऽ	ऊ	दे	ऊ	दे	ब	द	रा	ऽ
म	म	म	म	प	प	न	–न	सं	न	सं	न	सं	न	सं	सं
प	व	न	च	ल	त	सू	ऽम	स	न	न	न	न	न	न	न
म	म	म	म	प	प	न	–न	सं	न	सं	न	सं	न	सं	सं
झी	गुर	वा	बो	ल	त	भू	ऽम	झ	न	न	न	न	न	न	न
प	सं	सं	संरं	न	ध	मप	ध	म	ध	धन	धप	म	ग	र	–
बा	ऽ	द	रऽ	ग	र	जे	ऽ	बि	जु	रीऽ	ऽऽ	च	म	के	ऽ
प	ध	प	म	ग	र	ग	स	र	र	म	–	न	ध	प	–
न	न्हीं	न	न्हीं	बु	दि	यां	ऽ	मे	ह	रा	ऽ	ब	र	से	ऽ
न	न	न	–	सं	न	सं	–	प	ध	प	म	ग	ग	र	–
जि	य	रा	ऽ	त	र	से	ऽ	ऊ	दे	ऊ	दे	ब	द	रा	ऽ
र	र	म	प	न	ध	प	–								
ऊ	दे	ऊ	दे	ब	द	रा	ऽ								

67–G. R. T.

———

विरहा की आग लगी मोरे मन में !

सागर फ़िल्म 'डकनक्वीन'	तीनताल मात्रा १६	गायक सुरेन्द्र

विरहा की आग लगी मोरे मन में।
तुझ बिन जीका शोक मनाना, निशदिन जलना अश्क बहाना।
रात कटे नैनन में, विरहा की..॥
आई बदरिया कारी-कारी, फूल खिले हैं डारी-डारी।
प्यार के दिन हैं, प्यार की रातें—
कोयल कूकत बन में, विरहा की..॥

स्थाई—

२				०				३				+			
मम	गमगम	गमपध	प	ग	-	स	र	र	-	म	म	प	प	प	-
विर	हाऽऽऽ	ऽऽऽऽ	की	आ	ऽ	ग	ल	गी	ऽ	मो	रे	म	न	में	ऽ
*	मम	मपप	प	ग	-	र	स	र	-	म	म	प	प	प	-
*	विर	हाऽऽ	की	आ	ऽ	ग	ल	गी	ऽ	मो	रे	म	न	में	ऽ

(४ मात्रा रुककर, अन्तरा खाली से उठाइये)

०				३				+				२			
*	धप	ध	ध	ध	-	पध	न	ध	म	ध	प	ग	-	र	-
*	तुझ	बि	न	जी	ऽ	काऽ	ऽ	ऽ	शो	क	म	ना	ऽ	ना	ऽ
*	धध	ध	ध	ध	धसं	सं	नध	म	म	ध	प	ग	-	र	-
*	निश	दि	न	ज	लऽ	ऽ	ना	ऽ	अ	श्क	ब	हा	ऽ	ना	ऽ
*	न	न	न	न	सं	सं	-	ध	सं	न	ध	पम--	मम	मपध	प
*	रा	त	क	टे	ऽ	नै	ऽ	न	न	में	ऽ	ऽऽऽऽ	विर	हाऽऽ	की

अन्तरा नं० २ [ठेका बन्द]

न	नन	नन	नसं	न	-	-	-	-	-	-	-	*	*	*	*
आ	ईव	दरि	याऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
न	न	नसं	नसं	नसं	न	प	-	पध	पध	पधनसं	सं	-	-	-	*
का	री	काऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	रं	रं	रं	-	मं	गं	-	संरं	संन	धप	प	पध	पध	पधनसं	सं
फू	ल	खि	ले	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	डाऽ	ऽऽ	ऽऽ	रि	डाऽ	ऽऽ	ऽऽऽऽ	री
रं	रं	रं	रं	गं	मं	-	मं	मं	मं	मं	गं	-	सं	-	*
प्या	ऽ	के	दि	न	हैं	ऽ	प्या	ऽ	र	की	रा	ऽ	तें	ऽ	*
*	न	न	न	न	-	न	सं	ध	सं	न	ध	पम-	मम	मपध	प
*	को	य	ल	कू	ऽ	क	त	ब	न	में	ऽ	ऽऽऽऽ	विर	हाऽऽ	की

68—N P K.

सुन्दर नारी, प्रीतम प्यारी···!

फ़िल्म गीत	ताल	गायक
"मञ्जिल"	कहरवा	पंकज कुमार मलिक

सुन्दर नारी प्रीतम प्यारी, प्यारी छबि दिखलाइ ॥
प्यारी ! प्यारी छबि दिखलाइ ।
नैना रसीले, बांके कटीले, ठाड़ी नैन लड़ाइ ।
सुन्दर, ठाड़ी नैन लड़ाइ·································॥
एक तो विरहा अगिन सतावे, दूजै लगी जलाय ।
मोह भरा मन फूल कमल का, धूप लगे कुम्हिलाय ॥

(बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक)

+	२	०	३
प़ध़ सर ग -	* पग रग- -	* सर गप गर	सर गर सध़ प़
सं - - पध	सं - - पध-	सं पध- -ग प	रग -स र स
प़ध़ सर ग -	* पग रग- -	* सर गप गर	सर गर सध़ प़
र - - -	- स रग रग	स - ध़ -	प़ - - -

अब गाना शुरू हुआ—स्थाई।

* प़र र र	रग रस सर ग	- रस स स	ध़ - प़ -
* सुं द र	ना ऽ री ऽ	ऽ प्री त म	प्या ऽ री ऽ
* प - प	ग ग र स	सर - - -	रग -प गप ध
* प्या ऽ री	छ बि दि ख	ला ऽ इ ऽ	प्या ऽ री ऽ
- प म॑ प	ग ग र स	सर - - -	सर गर सध़ प़
ऽ प्या ऽ री	छ बि दि ख	ला ऽ इ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अन्तरा —

०	।	×	।
* रग गप प	प - प -	* गप ध न	ध न पध म॑प
* नै ना र	सी ऽ ले ऽ	* बां के क	टी ऽ ले ऽ
* म॑ - प	गम गर सऩ स	सर - - स	र ग म धपध
* ठा ऽ ड़ी	नै ऽ न ल	ड़ा ऽ इ ऽ	सुं द र ऽ
* म - म	गम गर सऩ स	सर - - -	सर गर सध़ प़
* ठा ऽ ड़ी	नै ऽ न ल	ड़ा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

(बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक)

ध़	ऩ	स	र	ऩ	ध़	-	ऩ	प़	ध़	*	म़	प़	-	*	म़
प़ध़	ऩध़	ध़ऩ	सऩ	ऩस	र	-	स	रम	म	ग	र	ऩ	स	*	ध़
ऩ	र	स	र	ऩ	ध़	-	ऩ	प़	ध़	-	म़	प़	-	-	-

(फिर गाना शुरू हुआ)

ध़	ऩ	ध़ऩस	ऩस	-	ऩ	ध़	ऩ	प़	प़	ध़	म़	प़	-	प़	-
ए	क	तो	ऽ	ऽ	वि	र	हा	अ	गि	न	स	ता	ऽ	वे	ऽ
प़ध़	ऩ	ऩ	-	ऩस	ऩसर	-	स	र	-	-	-	सर	ऩस	ध़ऩ	प़ध़
दू	ऽ	जे	ऽ	ल	गी	ऽ	ज	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य
ध़	ऩ	ध़ऩस	ऩस	ऽ	ऩ	ध	ऩ	प़	प़	ध़	म़	प़	-	प़	-
ए	क	तो	ऽ	ऽ	वि	र	हा	अ	गि	न	स	ता	ऽ	वे	ऽ
प़ध़	ऩ	ऩ	-	ऩस	ऩसर	-	स	र	-	-	-	-	-	-	-
दू	ऽ	जे	ऽ	ल	गी	ऽ	ज	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य	ऽ
*	ध	ध	ध	ध	-	ध	ध	-	पधन	न	ध	प	ध	पध	मंप
*	मो	ह	भ	रा	ऽ	म	न	ऽ	फू	ल	क	म	ल	का	ऽ
*	धसं	नसं	धन	पध	-	ध	ध	-	पधन	न	ध	प	ध	पध	मंप
*	मो	ह	भ	रा	ऽ	म	न	ऽ	फू	ल	क	म	ल	का	ऽ
-	रग	गप	ग	प	-	ध	न	नधप	-	-	-	म	-	-	-
ऽ	धू	प	ल	गे	ऽ	कु	म्हि	ला	ऽ	ऽ	ऽ	य	ऽ	ऽ	ऽ

रग—	— गम-	गम—		—	र	—	—	—	स	र	ग	रग-	रग-	—	—
हां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ	धू	प	ल	गे	ऽ	ऽ	ऽ
—	गम	गम	र	—	—	ग	ध	—	प	—	—	—	—	—	—
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कु	म्हि	ऽ	ला	ऽ	ऽ	य	ऽ	ऽ	ऽ

69—D. I. S.

मैं छोटी सी पुजारिन..........!

रणजीत फिल्म	ताल	गायिका
"सन्त तुलसीदास"	कहरवा	मिस सुशीला

मैं छोटी सी पुजारिन पूजा करूँगी ॥ पूजा करूंगी.....॥
बनाऊँगी एक छोटा सा मन्दिर, छोटे से देव बिठाऊँगी अन्दर ।
पूजा करूंगी, पूजा करूँगी, पुजारिन बनूंगी ॥ मैं छोटी सी...॥
छोटे छोटे फुलवा लाकर, छोटा सा एक हार बनाकर,
पूजा का सामान सजाकर, पूजा करूंगी...........॥
पुजारिन बनूंगी ॥ मैं छोटी सी पुजारिन..................॥

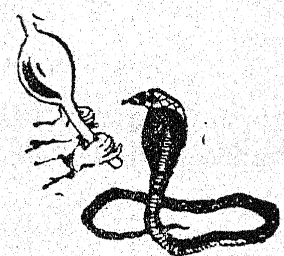
स्वरलिपि

															स
															मैं
+				।				+				।			
र	ग	ग	म॑	प	प	*	*	म॑	म॑	म॑	र	ग	—	—	स
छो	टी	सी	पु	जा	रिन	*	*	पू	जा	क	रूं	गी	ऽ	ऽ	ऽ
र	र	र	ग	स	*	*	स								
पू	जा	क	रूं	गी	*	*	मैं	छोटी सी पुजारिन... (फिर बजाओ)							

संसं -सं सं नन	संसं -सं सं संसं	नन -न न धप	ध धध ध धध
बना ऽऊं गी एक	छोटा ऽसा मं दिर	छोटे ऽसे दे वबि	ठा ऊंगी अं दर
न सं सं ध	न - - *	ध न न प	ध - - प
पू जा क रूं	गी ऽ ऽ *	पू जा क रूं	गी ऽ ऽ पु
प ध प म॑	ग - - स		
जा रिन ब नूं	गी ऽ ऽ मैं	छोटी सी पुजारिन............................।	
(ग)प प ग रस	स ग ग ग	प प प प	प प म॑ प
छो टे छो टेऽ	फु लवा ला कर	छो टा सा एक	हा रब ना कर
रं रं रं रं	गं गं गं रं	सं न न प	ध - - प
पू जा का सा	मा नल जा कर	पू जा क रूं	गी ऽ ऽ पु
प ध प म॑	ग - - स		
जा रिन ब नूं	गी ऽ ऽ मैं	छोटी सी पुजारिन............................।	

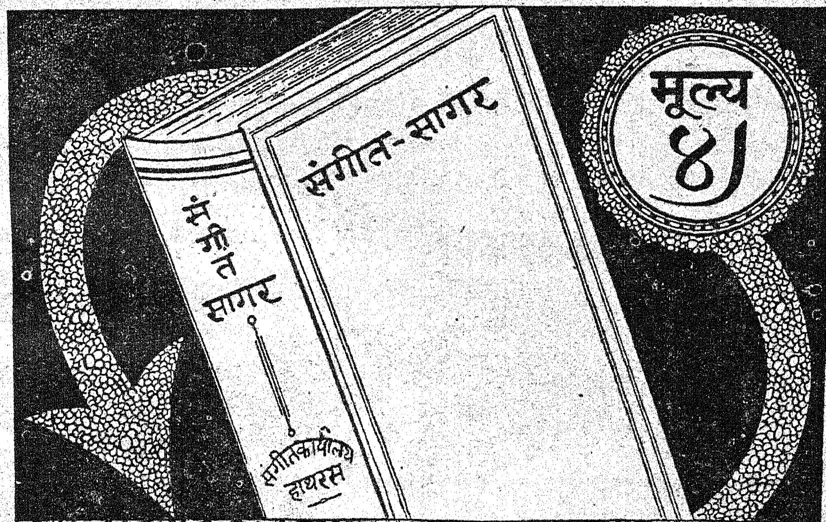
70—N. P K.

समाप्त



संगीतसागर

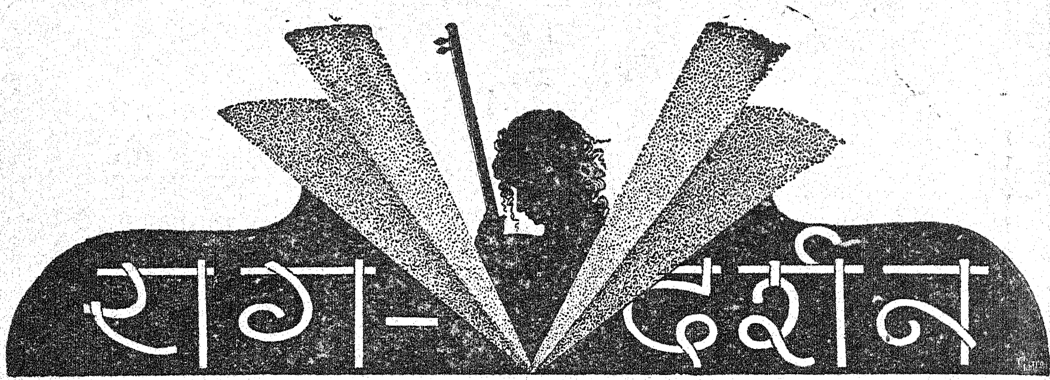
इसके द्वारा सङ्गीतकला में आप बहुत ऊँची जानकारी प्राप्त कर लेंगे, क्योंकि इस ग्रन्थ में बड़े-बड़े सङ्गीताचार्यों की खोजपूर्ण स्वरलिपियां, तान पल्टे, प्राचीन गूढ़ तालें, तिहैया, परन टुकड़ों सहित छापी गई हैं। इस ग्रन्थ में आपको कई ऐसी खोजपूर्ण बातें मिलेंगी, जिन्हें मालूम कर लेने पर ही आप सच्चे सङ्गीतज्ञ बन सकेंगे।



स्वर, श्रुति, ग्राम, मूर्छना, पल्टा, अलङ्कार, ठाठ-व्याख्या, वर्ण, राग-रागिनी, राग-परिवार, ४८४ राग रागिनी के आरोहावरोह, रागों के भेद, ५४ पक्की चीज़ों के नोटेशन, २५ फिल्मी गीतों के नोटेशन, ताल व्याख्या लय विवरण टुकड़ा, परन, तिहाई, ठेका, मोहरा, लग्गी, प्रचलित तालें गूढ़ तालें, गुप्त तालें, सितार, बाँसुरी, जलतरङ्ग, दिलरुबा, बेला, बीन, बैंजो इत्यादि साजों को बजाने की सचित्र विधि, नाच के तोड़े, बोल, नृत्यकला के भावचित्र और बोल सरगम देखकर आप प्रसन्न होजायँगे

'सङ्गीत' साइज़ के २५५ पृष्ठ और अनेकों चित्रों सहित इस विशाल ग्रन्थ का मूल्य ४) है, डा० खर्च ।≡) कमीशन के लिए लिखापढ़ी करना बिल्कुल व्यर्थ होगा।

मैनेजर—गर्ग एण्ड कम्पनी, हाथरस-यू० पी०।



राग भैरव और उसके परिवार के राग, रागिनियों की स्वरलिपियाँ गत, सरगम, आलापचारी, तानपल्टे, तराना, ख्याल सब कुछ इसमें आप देखेंगे।

तानसेन और बैजू बावरा कृत

भैरव राग की असली स्वरलिपियां, तथा अनेक मतों से राग भैरव और उसके परिवार की व्याख्या इस ग्रंथ में ही मिलेगी।

राग रागिनियों के ६ तिरंगे चित्रों सहित

मूल्य ३) डा० ।=)

पता—मैनेजर "सङ्गीत" हाथरस—यू० पी०।

फ़िल्म-संगीत

(Light Music)

प्रथम भाग—७० फिल्मी गीत स्वरलिपियों सहित, मूल्य २)

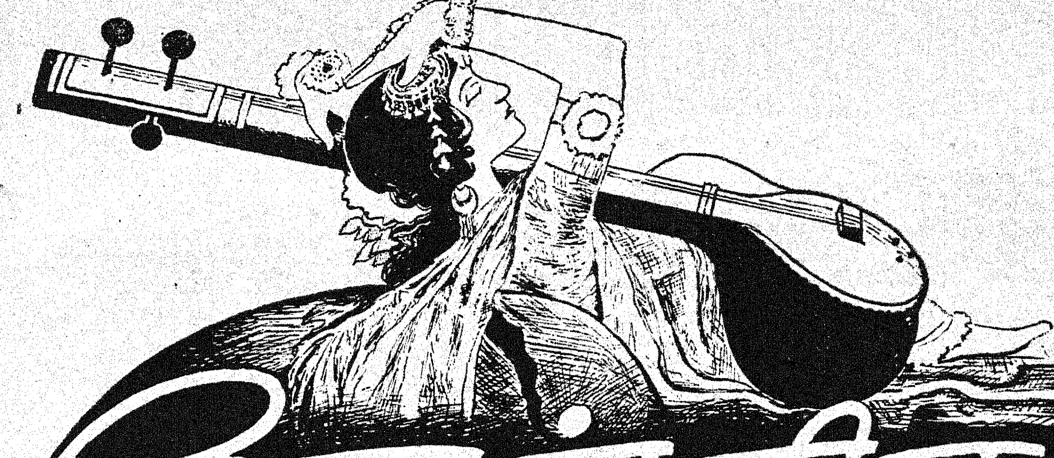
दूसरा भाग—७२ फिल्मी गीत स्वरलिपियों सहित, मूल्य २)

तीसरा भाग—७० फिल्मी गीत स्वरलिपियों सहित, मूल्य २)

प्रसिद्ध फिल्मों के वे गाने—जिन्हें सिनेमा हाउस से निकल आप गुनगुनाते हुए घर आते हैं, किंतु सवेरा होते ही उनकी असली तर्ज़ भूल कर कुछ टूटी-फूटी तर्ज़ रह जाती है। इस पुस्तक से आप वह गीत बाजे पर बड़ी ही आसानी से निकाल कर अपनी इच्छा पूर्ण कर सकेंगे। फिल्मों के सर्वप्रिय गीतों की स्वरलिपियां हूबहू उसी उसी तर्ज़ में दी गई हैं। लाइट म्यूज़िक की ऐसी सुंदर पुस्तक आज तक और कोई प्रकाशित नहीं नहीं हुई। चौथा भाग भी छप रहा है।

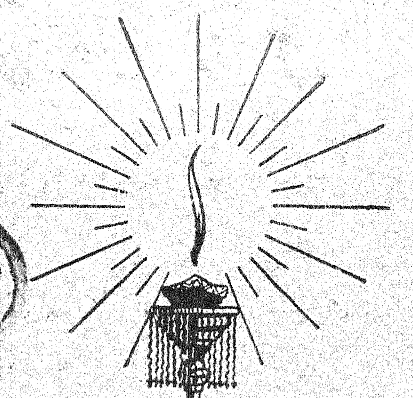
कमीशन देने के लिये लिखा पढ़ी करना बिल्कुल व्यर्थ होगा।

पता—मैनेजर "संगीत" हाथरस—यू० पी०।



फ़िल्म संगीत

(दूसरा भाग)



Light music

फ़िल्म संगीत

(दूसरा भाग)

LIGHT MUSIC

PART II

*

सम्पादक-

प्रभूलाल गर्ग

*

प्रकाशक—

सङ्गीत कार्यालय

हाथरस—यू० पी०

मूल्य २) रु०

प्रथम संस्करण——दिसम्बर १६४०

प्रकाशक—
प्रभूलाल गर्ग
संगीत कार्यालय-हाथरस

पुस्तक मिलने के पते—
१—सङ्गीत कार्यालय-हाथरस।
२—गर्ग एन्ड कम्पनी-हाथरस।

ला० मदनलाल ख्यालीराम
के
अग्रवाल इलेक्ट्रिक मशीन प्रेस, हाथरस में
पं० हरप्रसाद शर्मा के प्रबन्ध से मुद्रित

उपहार

श्री० ______________________

____

____

____

सादर समर्पित

____

भूमिका

सङ्गीत प्रेमियों से वार्तालाप करते समय यह प्रश्न बहुधा आ ही जाता है कि 'फिल्म सङ्गीत' (Light music) सर्व साधारण में क्यों इतना प्रभाव जमाये हुए है। 'सङ्गीत' की महफ़िल में आजकल उस गवैये की गुज़र नहीं, जिसे २-४ फिल्मी गाने भी न आते हों। रेडियो, ग्रामोफोन, सिनेमा जिधर देखिये 'लाइट म्यूज़िक' का बोल बाला है।

अब प्रश्न यह उठता है कि आख़िर इसका कारण क्या है ?

सङ्गीत का साहित्य से जो सम्बन्ध है उसे राग गायकी अर्थात् पक्की चीजों में विशेष स्थान प्राप्त नहीं होता। स्वर और तानों की प्रधानता होने के कारण केवल तानालाप और स्वरमाधुर्य के अलावा श्रोताओं को किसी विशेष भाव या आनन्द की प्राप्ति नहीं होती। हां ! संगीत के मर्मज्ञ विद्वान उस गायकी से अवश्य प्रभावित होते हैं।

शास्त्रीय गाना ताल स्वर में पूरा बैठेगा, किन्तु शब्दों की (कविता की) उपेक्षा के कारण उसमें दिल नहीं होता। साधारण जनता कविता की भावानुकूल पंक्तियों का स्वर लहरी के साथ जो मधुर आस्वादन करती है, वह 'लाइट म्यूज़िक' में ही है। फिलमी गाने पसन्द आने का एक खास कारण यह भी है कि उनमें शब्दों का चुनाव बोलचाल की प्रचलित भाषा में होता है, उसकी पुर असर कविता में मानव हृदय की कसक होती है। साथ ही गायक के गीत के अनुकूल वहां वातावरण भी बनाया जाता है, जो दर्शक पर 'संगीत' का भावपूर्ण प्रभाव डालकर, उसके दिल को मुग्ध बना लेता है। फिल्म के गाने दर्शक के कानों में कथानक की याद के साथ गूंजते रहते हैं और वह उनको अवकाश के समय गुन गुनाने के लिए विवश हो जाता है।

"कङ्गन" में लीला चिटनीस का गाना, "हवा तुम धीरे बहो" कथानक के भाव और फिल्म के दृश्य कालीन वातावरण के कारण ही इतना प्रसिद्ध हो गया। आप उस सीन की याद कीजियेः-प्रातःकाल की उषा कालीन निस्तब्ध बेला है, बिल्कुल शांत वातावरण है, राधा ! वही 'राधा' जो बाबा अवध बिहारीदास के मठ में बचपन से पली है, जल भरने जारही है। 'राधा' को एक साधू की लड़की समझा जाता है, लेकिन उसका 'प्रेम' गांव के प्रधान जमींदार के एकमात्र पुत्र 'कमल' से हो गया है। 'राधा' की यह अनधिकार चेष्टा उसे दुनियां के सामने चोर बना रही है। तभी तो वह इतने झुटपुटे अंधकार में 'कमल' से मिलने जारही है। रास्ते में हवा के तीखे झोंके उसकी साड़ी को उड़ा रहे हैं, बेचारी को डर है कि कहीं इस आवाज को सुनकर गांव न जग जाय। वह हवा से प्रार्थना करती है, "हवा तुम धीरे बहो, मेरे आते होंगे चित चोर" !

यही विशेषता है 'फ़िल्म के संगीत में' और यही जादू है Light Music का। 'फिल्म संगीत' के प्रथम भाग को निकले अभी पूरा १ वर्ष भी नहीं हो पाया कि 'संगीत प्रेमियों' ने दूसरे भाग के लिये आर्डर्स भेजने शुरू कर दिये। उन्हीं अनुरागियों की मांग पूरी करने के लिये यह द्वितीय भाग उपस्थित किया जारहा है। इसमें सभी गाने दिलचस्प और जनता द्वारा पसन्द किये हुये हैं। कुछ ऐसी फिल्में जैसे 'ज़माना' 'डबलक्रास' या 'कपाल कुन्डला' जो मामूली होते हुए भी अपने दो एक गानों के लिये प्रसिद्ध हैं, वे गीत भी इसमें देदिये हैं।

फिल्म सङ्गीत प्रथम भाग की कोई स्वरलिपि इसमें नहीं है। केवल संगीत १९४० के अङ्कों से कुछ स्वरलिपियां ली गई हैं, जो अपनी लोकप्रियता के कारण काफी प्रसिद्ध और स्थान पाने योग्य हैं।

सरगमों से गायन निकाल लेने का साधारण सा अभ्यास भी जिसे है, वह इन गायनों को बड़ी सरलता से बाजे में निकाल सकता है। प्रत्येक गीत असली गाने की हूबहू तर्ज में है। फिर भी कोई त्रुटि रहगई हो तो सूचित करदें। ताकि आगामी संस्करण में सुधार दीजावें।

नये वर्ष में नये-नये फ़िल्म आप देखेंगे ही। उनके सुन्दर सुन्दर गीत मय स्वरलिपि के "फिल्म संगीत" तीसरे भाग के द्वारा आपकी सेवा में शीघ्र ही पहुंचाये जांयगे।

कार्तिक पूर्णिमा
संवत् १९९७

विनीत—
"बन्सल"

धन्यवाद !

इस पुस्तक के लिये जिन संगीतज्ञ महानुभावों ने स्वरलिपियां तैयार की हैं। उनके नाम संक्षिप्त में स्वरलिपियों के नीचे दिये गये हैं, पूरे नाम इस प्रकार हैं:—

N. P. K. श्रीयुत पं० निरञ्जन प्रशाद "कौशल"

D. I. S. प्रोफेसर दोस्त मोहम्मद इब्राहीम सिन्धी

B. D. G. श्री० भगवान्दत्त जी गोस्वामी

साथ ही उन फिल्म कम्पनियों के भी हम आभारी हैं, जिनके प्रसिद्ध गीत सङ्कलित करके इस पुस्तक में प्रकाशित किये गये हैं।

"फ़िल्म-संगीत" (दूसरा भाग) LIGHT MUSIC

चिन्ह परिचय

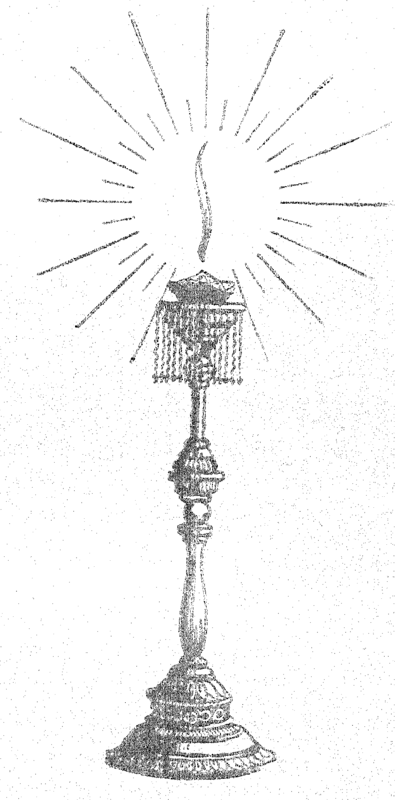
निम्नलिखित चिन्हों का प्रयोग इस पुस्तक में किया गया है। प्रत्येक पाठक के लिये इनका ध्यान पूर्वक अवलोकन कर लेना अत्यन्त आवश्यक है।

ग	जिस स्वर पर कोई चिन्ह न हो, वह मध्य सप्तक का शुद्ध स्वर है।
ग (नीचे रेखा)	जिस स्वर के नीचे पड़ी रेखा हो, वह कोमल स्वर है।
म	कोमल मध्यम पर कोई चिन्ह न होगा क्यों कि वह शुद्ध स्वर माना गया है।
म (ऊपर खड़ी रेखा)	तीव्र मध्यम इस प्रकार होगा। अन्य किसी भी तीव्र स्वर पर यह निशान न होगा क्यों कि मध्यम के सिवा सभी तीव्र स्वर शुद्ध माने गये हैं।
ध़	इस प्रकार नीचे बिंदी वाले स्वर मन्द्र सप्तक के हैं।
सं	ऊपर बिन्दी वाले स्वर उच्च (तार) सप्तक के हैं।
ग –	जिस स्वर के आगे ऐसी जितनी लकीरें हों, उसे उतनी ही मात्रा तक और बजाइये जैसे ग — — यहाँ पर गन्धार के आगे २ मात्रा ठहरना होगा, किन्तु कहीं पर ग-- इस प्रकार लकीरें सटी हुई आवें, वहाँ एक मात्रा काल में ही (गअअ) बजाकर पूरा करना होगा।
ऽ	गीत में जिन अक्षरों के आगे यह चिन्ह जितने हों, उसे उतनी ही मात्रा तक और गाइये, जैसे मे ऽ ऽ २ मात्रा बढ़ाकर 'मे' गाया जायगा, किंतु कहीं मेऽऽ इस प्रकार मिले हुए (सटे हुए) अक्षर हों तो वहाँ १ मात्रा में ही (मेअेअे) बोला जायगा।
मप मपध	इस प्रकार २ या ३ स्वर मिले हुए (सटे हुए) हों वे १ मात्रा के समय में ही बजाये जांयगे।
⌒	यह चिन्ह स्वरों के ऊपर जहाँ आवे, वहाँ पर मीड़ देनी होगी।
× +	यह चिन्ह "सम" के हैं।
०	यह खाली ताल का चिन्ह है।
।	यह भरी ताल का चिन्ह है।
*	यह फूल जहां पर हो, वहां १ मात्रा काल के लिए चुप रहना होगा।

फिल्मसंगीत (दूसराभाग)

LIGHT MUSIC

PART II.



72 SONGS WITH NOTATIONS.

तुम बिन हमरी कौन ख़बर ले....!

" मिनर्वा मोवीटोन "
फ़िल्म " पुकार "

:: ताल कहरवा [दुगन] ::

गायिका
" शीला "

—गीत—

तुम बिन हमरी कौन ख़बर ले, गोवरधन गिरधारी ?
भक्त मीरा की विपता में बस, काम तुम्हीं तो आये थे।
शङ्कर जी की मुश्किल में, तुम कृपा बनकर छाये थे॥
मेरी भी तो आके सुनलो ! ओ जग के रखवाली ! तुम बिन० ॥
उलझ गये थे जाके तुम ही, दुर्योधन के पापों से।
द्रोपदी की लाज बचाई, लम्पट काली हाथों से॥
मुझपर भी कृपा होजावे, अब है मेरी बारी॥ तुम बिन० ॥

+				+				+				+			
र	ग॒	र	ग॒	स	र	ऩ	स	–	र	म	म	प	प	पध	न॒
तु	म	बि	न	ह	म	री	ऽ	ऽ	कौ	न	ख़	ब	र	लेऽ	ऽ
–	ध	प	प	म	ग	र	स	र	प	प	–	❀	ध	प	म
ऽ	गो	व	र	ध	न	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ	❀	गो	व	र
ग	ग	र	स	र	–	स	–								
ध	न	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ								

अन्तरा नं० १

प	–	प	प	धन	सं	सं	–	ध	धन	सं	रं	सं	–	ध	प
भ	ऽ	क्त	मी	राऽ	ऽ	की	ऽ	ऽ	विप	ता	ऽ	में	ऽ	ब	स

❀	ध	–	ध	रं	सं	–	ध	–	प	–	ध	प	–	–	–
*	का	ऽ	म	तु	म्हीं	ऽ	तो	ऽ	आ	ऽ	ये	थे	ऽ	ऽ	ऽ
*	प	प	प	म	–	रग	मप	–	म	र	स	ऩ	र	स	स
❀	शं	क	र	जी	ऽ	कीऽ	ऽऽ	ऽ	मुश	कि	ल	में	ऽ	तु	म
❀	गं	गं	–	रं	रं	सं	सं	–	न	–	रं	सं	–	–	–
*	कृ	पा	ऽ	ब	न	क	र	ऽ	छा	ऽ	ये	थे	ऽ	ऽ	ऽ
*	न̲	–	प	म	प	ग̲	–	❀	ग̲	म	प	र	र	स	–
❀	मे	ऽ	री	भी	ऽ	तो	ऽ	*	आ	क	र	सु	न	ले	ऽ
र	–	म	म	प	–	ध	ध	ध	सं	सं	–	*	ध	प	प
ओ	ऽ	ज	ग	के	ऽ	र	ख	वा	ऽ	ली	ऽ	❀	गो	व	र
म	ग	र	स	र	प	प	–	❀	ध	प	म	ग	ग	र	स
ध	न	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ	❀	गो	व	र	ध	न	गि	र
र	–	स	–												
धा	ऽ	री	ऽ												

कलियां बनतीं फूल.............!

सागर मोवीटोन फिल्म
" साधना "

:: ताल कहरवा ::

गायिका
" बिब्बो "

कलियां बनतीं फूल देखकर दुनियां जाती भूल।
फूल बनीतो हार में गुँथकर पिय को गले लगाती ॥
हरी-भरी डालों पर कोई बिन खिले मुरझाती।
बनती पावों से पिच धूल-कलियां बनती फूल...... ॥

×				।				×				।			
म	प	प	–	म	ग	र	–	स	–	–	स	मप	धन	संरं	सं
क	लि	यां	ऽ	ब	न	तीं	ऽ	फू	ऽ	ऽ	ल	❀	❀	❀	❀
म	म	प	–	म	ग	र	–	स	–	प	प	–	प	प	प
क	लि	यां	ऽ	ब	न	तीं	ऽ	फू	ऽ	ल	दे	ऽ	ख	क	र
म	प	ग	म	–	–	–	❋	न	न	न	–	ध	–	प	–
दु	नि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❋	दु	नि	यां	ऽ	जा	ऽ	ती	ऽ
म	–	प	म	–	ग	स	–	ग	म	प	–	–	–	–	❋
भू	ऽ	ल	भू	ऽ	ल	हां	ऽ	क	लि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❋
म	प	प	–	म	ग	र	–	स	–	–	स	मप	धन	संरं	सं
क	लि	यां	ऽ	ब	न	तीं	ऽ	फू	ऽ	ऽ	ल	❀	❀	❀	❀
❀	सं	रं	रं	गं	–	रं	सं	❋	ग	–ग	म	ग	र	स	स
❀	फू	ल	ब	नी	ऽ	तो	ऽ	❀	हा	ऽर	में	गुँ	थ	क	र

स	स	र	–	ग	म	–	म	पध	न	प	–	–	–	–	–
पि	य	को	ऽ	ग	ले	ऽ	ल	गाऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	सं	–	–	–	प	प	ध	ध	सं	–	❀	सं	–
ह	री	भ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	री	भ	री	ऽ	*	डा	ऽ
रं	गं	मं	मं	गं	–	सं	–	*	सं	सं	सं	न	–	प	म
लों	ऽ	प	र	को	ऽ	ई	ऽ	*	बि	न	खि	ले	ऽ	मु	र
म	प	प	ध	ध	न	प	–	न	न	न	–	ध	–	म	–
झा	ऽ	ऽ	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न	ती	ऽ	पां	ऽ	वों	ऽ
प	–	न	न	सं	–	रं	–	न	न	न	–	ध	–	म	–
से	ऽ	पि	च	धू	ऽ	ऽ	ल	ब	न	ती	ऽ	पा	ऽ	वों	ऽ
प	–	न	न	सं	–	–	–	कलियां बनतीं फूल.................!							
से	ऽ	पि	च	धू	ऽ	ऽ	ल								

सुनो सुनो मेरे भगवान.........!

रणजीत फ़िल्म 'अछूत' — **ताल कहरवा** — गायिका 'वासन्ती'

सुनो सुनो मेरे भगवान। बनो मेरे मेहमान।
करके क़ैद तुम्हें मन्दिर में पहरा देत पुजारी।
तोड़ो सोने की जंजीरें, राधा ढूँढ़त बिचारी॥
आओ प्राणों के प्राण॥ सुनो सुनो.........॥
अँखियन में जमुना भर लाऊं, मन में गोकुल गांव बसाऊं।
आंगन में मधुवन को खिलाऊँ, कुंज कुंज में रास रचाऊं॥
मिल छेड़ें बंशी तान॥ सुनो सुनो.............................॥
पास तुम्हारे आने की है, हमको सख्त मनाई।
लेकिन तुम तो आ सकते हो, मेरे कृष्ण कन्हाई॥
दो दर्शन का दान॥ सुनो सुनो.............................॥

स्वरलिपि

×				।				×				।			
														ग	म
														सु	नो
प	प	-	ध	पम	ग	ग	स	प	-	प	ग	गम	पध	-	प
सु	नो	ऽ	मे	रेऽ	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ब	नोऽ	ऽऽ	ऽ	मे
ग	ऽ	स	स	ग	-	स	-	-	-	ग	म	प	प	-	ध
रे	ऽ	मे	ह	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	सु	नो	सु	नो	ऽ	मे
पम	ग	ग	म	प	-	प	ग	गम	पध	-	प	ग	-	स	स
रेऽ	ऽ	भ	ग	वा	ऽ	न्	ब	नोऽ	ऽऽ	ऽ	मे	रे	ऽ	मे	ह
ग	-	स	-	-	-	*	*	स	स	ग	-	ग	-	ग	ग
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	*	*	क	र	के	ऽ	क़ै	ऽ	द	तु

म	–	म	–	म	म	म	–	ध	ध	म	–	धन	सं	सं	न
म्हैं	ऽ	मं	ऽ	दि	र	में	ऽ	प	ह	रा	ऽ	देऽ	ऽ	त	पु
सं	–	सं	–	–	–	ग	–	स	स	ग	–	ग	–	ग	ग
जा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क	र	के	ऽ	कै	ऽ	द	तु
म	–	म	–	म	म	म	–	ध	ध	म	–	धन	सं	सं	न
म्हैं	ऽ	मं	ऽ	दि	र	में	ऽ	प	ह	रा	ऽ	देऽ	ऽ	त	पु
सं	–	सं	–	–	–	–	–	गं	–	गं	–	गं	–	गं	–
जा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तो	ऽ	ड़ो	ऽ	सो	ऽ	ने	ऽ
गं	मं	गं	–	रं	–	सं	–	गं	–	रं	सं	न	ध	प	म
की	ऽ	जं	ऽ	जी	ऽ	रें	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	ढुं	ढ़	त	बि
मप	ध	प	–	–	–	*	*	सं	गं	गं	रं	–	रं	सं	–
चाऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	आ	ऽ	वो	प्रा	ऽ	णों	के	ऽ
धन	संरं	संन	धप	मग	ग	ग	म	प	प	–	ध	पम	ग	ग	म
प्राऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ण,	सु	नो	सु	नो	ऽ	मे	रेऽ	ऽ	भ	ग
गम	पध	गम	पध	प	–	प	ग	गम	पध	–	प	ग	–	स	स
वाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	न्	ब	नोऽ	ऽऽ	ऽ	मे	रे	ऽ	मे	ह
ग	–	स	–	–	–	*	*	प	ध	प	प	प	ग	ग	म
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	❀	❀	अं	खि	य	न	में	ऽ	ज	मु

प	ध	न	ध	प	–	प	–	न	न	न	–	ध	–	म	म
ना	ऽ	भ	र	ला	ऽ	ऊं	ऽ	म	न	में	ऽ	गो	ऽ	कु	ल
प	ध	न	सं	ध	–	प	–	ध	सं	सं	सं	सं	–	न	न
गां	ऽ	व	ब	सा	ऽ	ऊँ	ऽ	आं	ऽ	ग	न	में	ऽ	म	धु
सं	रं	गं	गं	रं	–	सं	–	सं	–	न	सं	–	न	प	म
ब	न	को	खि	ला	ऽ	ऊं	ऽ	कुं	ऽ	ज	कुं	ऽ	ज	में	ऽ
प	ध	न	सं	ध	–	प	–	सं	–गं	गं	रं	रं	सं	सं	सं
रा	ऽ	स	र	चा	ऽ	ऊं	ऽ	मि	ऽल	छे	ऽ	ड़ें	ऽ	बं	सी
न	–	सं	–	–	–	–	–	सं	–न	न	ध	ध	प	प	प
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	मि	ऽल	छे	ऽ	ड़ें	ऽ	बं	सी
म	–	प	–	–	–,	ग	म								
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्,	सु	नो	सुनो मेरे भगवान्...............।							

अब ठेका बन्द कर के विलम्बित लय में गाइये ।

स	–	स	र	ग	–	म	–	–	–	–	–	–	–	ग	–
पा	ऽ	ख	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ
म	–	गम	पध	–	–	प	म	ग	म	–	–	–	–	ग	म
ने	ऽ	कीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	.ऽ	ऽ	ऽ	ह	म

ध	–	–	–	–	–	म	–	ग	ग	र	–	–	–	–	–
को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	ऽ	क़त	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	–	ध	–	–	–	र	–	स	–	–	–	–	–	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	–	–	सं	सं	–	–	–	सं	सं	सं	–	–	–	–
ले	ऽ	ऽ	ऽ	कि	न्	ऽ	ऽ	ऽ	तु	म	लो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	न	सं	रं	–	–	–	–	–	–	सं	सं	ध	–	–
ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	क	ते	ऽ	ऽ
प	–	–	–	–	–	–	–	गं	–	गं	–	–	–	–	–
हो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गं	–	सं	न	रं	–	–	–	–	–	–	–	सं	नि	ध	–
कृ	ऽ	ष्ण	क	न्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रं	–	–	–	सं	–	–	–	–	–	–	–	❀	❀	❀	❀
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	❀	❀

ठेका शुरू

रं	गं	गं	रं	सं	न	सं	–	न	ध	प	ध	प	-प	ग	म
दो	ऽ	द	र	श	न	का	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽन्	सु	नो

फागुन की ऋतु आई रे.........!

रणजीत मोवीटोन
फ़िल्म 'होली'

ताल कहरवा

गायक
'कान्तिलाल और सितारा'

फागुन की ऋतु आई रे ज़रा बाजे बांसुरी।
बाल मोहन हरजाई रे नहीं बाजे बांसुरी॥

सोने की गागर में रंग बनाया रूपे की पिचकारी लाई रे।
ज़रा बाजे बांसुरी, फागुन............॥

जोबन पै जोबन है शोख़ी पै शोख़ी, नैनन में लाली आई रे।
ज़रा बाजे बांसुरी, फागुन............॥

मेरा संदेसा कोई उनसे कहना, फिर से तेरी याद आई रे।
ज़रा बाजे बांसुरी, फागुन............॥

मेरे हुये आज मैं जिनकी होली,होली के दिन होली आई रे।
ज़रा बाजे बांसुरी, फागुन............॥

—(※)—

×				।				×				।			
*	ग	ग	ग	ग	–	र	ग	र	ग	स	–	–	–	ऩ	ऩ
*	फा	गु	न	की	ऽ	ऋ	तु	आ	ई	रे	ऽ	*	*	ज़	रा
स	र	–	र	स	ग	स	–	*	ग	ग	ग	ग	र	ग	ग
बा	जे	ऽ	बां	ऽ	सु	री	ऽ	*	बा	ल	मो	ह	न	ह	र
र	ग	स	–	–	–	ऩ	ऩ	स	र	–	र	स	ग	स	–
जा	ई	रे	ऽ	*	*	न	हीं	बा	जे	ऽ	बां	ऽ	सु	री	ऽ
*	ग	ग	म	प	–	पप	प	*	प	प	ध	ध	–	प	–
*	सो	ने	की	गा	ऽ	गर	में	*	रं	ग	ब	ना	ऽ	या	ऽ

ग	ग	–	म	ग	ग	–	ग	र	ग	स	–	–	–	ऩ	ऩ
रू	पे	ऽ	की	पिच	का	ऽ	री	ला	ई	रे	ऽ	❀	❀	ज़	रा
स	र	–	र	स	ग	स	–	*	ग	ग	ग	ग	–	र	ग
बा	जे	ऽ	बां	ऽ	सु	री	ऽ	❀	फा	गु	न	की	ऽ	ऋ	तु
र	ग	स	–	–	–	ऩ	ऩ	स	र	–	र	स	ग	स	–
आ	ई	रे	ऽ	*	*	ज़	रा	बा	जे	ऽ	बां	ऽ	सु	री	ऽ

शेष अन्तरे भी इसी प्रकार बजाइये ! 4-N.P.K.

गंगा के उस पार प्रीतम....!

मिनर्वा मोवीटोन
फ़िल्म " मैं हारी "

:: ताल कहरवा ::

गायिका
" नसीम "

गङ्गा के उस पार, प्रीतम गङ्गा के उस पार।
कुछ न्यारी ही धरती होगी न्यारा ही आकाश।
न्यारा ही अँधियारा होगा न्यारा ही प्रकाश॥
कैसा वह संसार होगा देखें चल के पार॥ गङ्गा के......... ॥
कैसी कैसी बातें होंगी कैसे होंगे लोग।
क्या जानें क्या नज़में होंगी क्या क्या होंगे जोश।
देखें विष की बरषा होगी या रस की बौछार॥ गङ्गा के...... ॥

—( )—

×				।				×				।			
स	र	र	प	प	–	प	प	प	ध	प	ध	प	–	म	म
गं	ऽ	गा	ऽ	के	ऽ	उ	स	पा	ऽ	ऽ	र	प्री	ऽ	त	म

										स		स		स	
ग	–	ग	–	र	स	र	ग	र	–	र	–	र	–	र	–
गं	ऽ	गा	ऽ	के	ऽ	उ	स	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
म	म	गम	प	ग	–	र	–	❀	र	ग	–	र	–	स	–
कु	छ	न्याऽ	ऽ	री	ऽ	ही	ऽ	❀	धर	ती	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
												म		म	
❀	स	र	–	म	–	म	–	प	–	–	–	प	–	प	–
❀	न्या	रा	ऽ	ही	ऽ	आ	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श
❀	ध	ध	रं	सं	–	सं	सं	*	न	न	–	ध	पधन	प	–
❀	न्या	रा	ऽ	ही	ऽ	अँ	धि	*	या	रा	ऽ	हो	ऽऽऽ	गा	ऽ
										म		म		म	
❀	ध	–	न	ध	प	ध	प	प	–	प	–	प	–	प	–
❀	न्या	ऽ	रा	ही	ऽ	प	र	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श
*	ध	–	ध	ध	–	प	–	प	–	–	म	मग	र	स	–
*	कै	ऽ	सा	वो	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽ	र	होऽ	ऽ	गा	ऽ
*	ग	–	म	प	प	ध	म	प	–	–	प	धध	पम	गम	प
*	दे	ऽ	खें	च	ल	के	ऽ	पा	ऽ	ऽ	र	*	*	*	*

गङ्गा के उस.. ।

*	प	–	प	म	ग	म	–	*	प	ध	–	न	ध	प	–
*	कै	ऽ	सी	कै	ऽ	सी	ऽ	*	बा	तें	ऽ	हों	ऽ	गी	ऽ

*	न	–	न	ध	प	प	ध	सं	–	–	–	–	–	–	–
*	कै	ऽ	से	हों	ऽ	गे	ऽ	लो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग
*	रं	–	रं	संरं	गं	सं	–	*	न	न	न	पध	न	प	–
*	क्या	ऽ	जा	नेऽ	ऽ	क्या	ऽ	*	न	ज़	में	हों,	ऽ	गी	ऽ
*	ध	–	ध	न	प	ध	प	प	–	–	–	पध	नसं	रंसं	रं
*	क्या	ऽ	क्या	हों	ऽ	गे	ऽ	जो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	श
*	ध	–	ध	न	प	ध	प	प	–	–	–	–	–	–	–
*	क्या	ऽ	क्या	हों	ऽ	गे	ऽ	जो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	श
*	ध	ध	रं	सं	सं	सं	–	❀	न	न	–	ध	–	प	–
*	दे	खें	ऽ	वि	ष	की	ऽ	❀	व	र्षां	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
*	ध	ध	ध	न	प	ध	म	प	–	–	–	ग	म	प	–
*	या	र	स	की	ऽ	बौ	ऽ	छा	ऽ	ऽ	र	❀	❀	❀	❀
*	ध	ध	ध	न	प	ध	म	प	–	–	–	पध	पम	गर	स
*	या	र	स	की	ऽ	बौ	ऽ	छा	ऽ	ऽ	र	❀	❀	❀	❀

डोले हृदय की नैया..........!

न्यू थियेटर्स फ़िल्म 'विद्यापती' | **तीनताल (मध्यलय)** | गायिका 'काननबाला'

डोले हृदय की नैया।
पग धरत डरत है खिवैया, डरत है खिवैया ॥ डोले......॥
तूफ़ान उठा है भारी, नैनन से नीर है जारी।
सुधि लेत न पीर हरैया, डरत है खिवैया ॥ डोले......॥

—*—

(बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक)

×				२				०				३			
गम	गर	स	प	गम	गर	स	प	गम	गर	स	प	❀	स	र	ग॒
ग	–	–	ग॒	ग	–	–	ग॒	गम	–	–	ग	र	–	–	र॒
र	–	–	र॒	र	–	–	स	रग	रग	–	र	स	–	सरग॒	गपसं
*	प़ध़	सर	ग	*	प़ध़	सर	ग	❀	प़ध़	सर	ग	र	र	–	र
*	प़ध़	सर	र	*	प़ध़	सर	र	❀	प़ध़	सर	ग	ग	स	–	ध़
*	स	र	ग॒	ग	–	–	ग॒	ग	–	–	ग॒	ग	ध	–	प
मग	र	–	र॒	र	–	–	र॒	र	–	–	स	रग	रग	–	र
*	प़ध़	सर	ग	❀	प़ध़	सर	ग	*	प़ध़	सर	ग	र॒	र॒	–	र॒
*	प़ध़	सर	र	❀	प़ध़	सर	र	❀	प़ध़	सर	ग	ग	स	–	ध़
प़	–	–													

(गाना शुरू) खाली से

०				३				+				२			
र	–	–	–	–	–	ऩ	स	र	–	–	–	–	–	ऩ	स
हां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ

र	–	–	म	ग	र	स	ऩ	स	र	र	–	–	–	ऩ	स
ले	ऽ	ऽ	हृ	द	य	की	ऽ	नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ
र	–	–	म	ग	र	स	ऩ	स	र	र	–	–	–	म॑	म॑
ले	ऽ	ऽ	हृ	द	य	की	ऽ	नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	प	ग
म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	प	ध	प	ध	म	ग	र	र	स	ऩ
ध	र	त	ड	र	त	है	खि	वै	ऽ	या	ड	र	त	है	खि
स	र	र	–	–	–	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	प	ध
वै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	प	ग	ध	र	त	ड	र	त	है	खि
प	ध	म	ग	र	र	स	ऩ	स	र	र	–	–	–	ऩ	स
वै	ऽ	या	ड	र	त	है	खि	वै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ
र	–	–	–	–	–	म॑	प	ग	प	म॑	ग	र	–	ऩ	स
ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ
र	–	–	म	ग	र	स	ऩ	स	र	र	–	–	–	गप	धन
ले	ऽ	ऽ	हृ	द	य	की	ऽ	नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

बैक ग्राउंड म्यूज़िक

स संसं संसं संसं	सं –पधन सं	रं रंरं रंरं रंरं	रं – – –

ध	-	सं	-	रं	-	मं	-	धं	-	-	-				प
															तू
पध	-	ध	ध	ध	-	ध	न	पध	नसं	सं	-	-	-	-	-
फा	ऽ	न	उ	ठा	ऽ	है	ऽ	भा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	न	न	-	-	-	-	-	प	सं	न	ध	-	-	-	प
भा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तु
पध	-	ध	ध	ध	-	ध	न	पध	नसं	न	धन	ध	-	-	पध
फा	ऽ	न	उ	ठा	ऽ	है	ऽ	भा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	नै
-	प	प	प	म॑प	म॑प	म॑प	-	ग	-	-	मग	र	-	-	प
ऽ	न	न	से	नी	र	है	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	तु
पध	-	ध	ध	ध	-	ध	न	पध	मसं	न	धन	ध	-	म॑	म॑
फा	ऽ	न	उ	ठा	ऽ	है	ऽ	भा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	खु	ध
-	म॑	म॑	म॑	*	प	प	ध	प	ध	म	ग	र	र	स	ऩ
ऽ	ले	त	न	*	पी	र	ह	रै	ऽ	या	ड	र	त	है	खि
स	र	र	-	-	-	म॑	म॑	म॑	म॑	म॑	-	प	-	प	ध
वै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	खु	ध	ले	त	न	ऽ	पी	ऽ	र	ह

प	ध	म	ग	र	र	स	ऩ	स	र	र	–	रम	गर	सऩ	स
रै	ऽ	या	ड	र	त	है	खि	वै	ऽ	या	ऽ	हां	ऽ	डो	ऽ
र	–	–	–	–	–	म॑	प	ग	प	म॑	ग	र	–	ग	म
ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डो	ऽ
ग	–	–	म	ग	र	स	ऩ	स	र	र	–	–	–	–	–
ले	ऽ	ऽ	वृ	द	य	की	ऽ	नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

6-D.I.S.

फूल सी मेरी खिलती जवानी..........!

हंस पिक्चर्स फ़िल्म "घरकी रानी" :: ताल कहरवा :: शब्दकार "पं० इन्द्र"

फूलसी मेरी खिलती जवानी,
मस्त जवानी मैं तो रात की रानी ।
रात पड़े मस्तानी रे..............मेरी खिलती जवानी ॥
सांझ पड़े मैं बाग खिलाऊं ।
भोर को उतरे पानी रे...........मेरी खिलती जवानी ॥
माली तू जाने नहीं, हमरे मनकी पीर ।
नाम हमारा फूल है, कांटा भयो शरीर ॥
भंवरा करे मन मानी रे........मेरी खिलती जवानी ॥
पूनम की रतियां, आना संवरिया,
नाम दिवानी मेरी जात दिवानी ।
चंदन चौक निशानी रे...........मेरी खिलती जवानी ॥

—*—

+				।				+				।			
❀	र	-	र	र	-	स	र	न	स	-	ध	धन	सर	स	-
✻	फू	ऽ	ल	सी	ऽ	मे	री	खि	ल्ती	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	नी	ऽ
❀	ग	-	र	र	-	स	र	न	स	-	ध	धनि	सर	स	-
✻	फू	ऽ	ल	सी	ऽ	मे	री	खि	ल्ती	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	नी	ऽ
❀	म	-	म	म	-	र	स	✻	म	-	म	र	-	स	र
❀	फू	ऽ	ल	सी	ऽ	हां	ऽ	✻	फू	ऽ	ल	सी	ऽ	मे	री
न	स	-	ध	धन	सर	स	-	ग	ग	-	र	र	-	स	र
खि	ल्ती	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	नी	ऽ	ऽ	फू	ऽ	ल	सी	ऽ	मे	री
न	स	-	ध	धन	सर	स	-	✻	स	स	र	ग	ग	म	म
खि	ल्ती	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	नी	ऽ	✻	म	स्त	ज	वा	नी	मैं	तो
✻	म	म	म	ग	-	म	-	✻	म	म	म	म	-	र	म
✻	रा	त	की	रा	ऽ	नी	ऽ	✻	रा	त	प	ड़े	ऽ	म	ऽ
र	ग	-	र	स	सर	गर	गम	-	म	म	म	म	-	र	स
ऽ	स्ता	ऽ	नी	रे	हांऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	रा	त	प	ड़े	ऽ	म	ऽ
र	ग	-	र	स	-	स	र	न	स	-	ध	धन	सर	स	-
ऽ	स्ता	ऽ	नी	रे	ऽ	मे	री	खि	ल्ती	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	नी	ऽ

फूलसी………………………………………………!

+	|	+	|
❀ स स र	ग - म -	मप ध प ध	म प ग म
❀ सां ज प	ड़े ऽ मैं ऽ	बाऽ ऽ ग खि	ला ऽ ऊं ऽ
❀ ध -ध ध	प प म -	❀ सर ग र	स - सर मप
❀ भो ऽर को	उ त रे ऽ	❀ पाऽ ऽ नी	रे ऽ हांऽ ऽऽ
ध ध ध ध	प प म -	❀ सर ग र	स - स र
ऽ भो र को	उ त रे ऽ	❀ पाऽ ऽ नी	रे ऽ मे री
न स - ध	धन सर स -		
खि ली ऽ ज	बाऽ ऽऽ नी ऽ	फूलसी……………………!	

ठेका बन्द

सर गम रस रग	मप ध - -	- - - -	ध - ध -
हांऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	मा ऽ ली ऽ
ध - - -	- - प -	- पध पध मप	मप ध ध प
तू ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ जा ऽ	ऽ नेऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽ न हीं
- - - -	पम प - -	- - ध ध	धप मग मग रेस
ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ह म	रेऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ

–	–	–	–	स	र	सर	गम	प	गम	पग	मप	गम	पध	प	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	न	कीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	पी	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	स	र	म	प	ध	–	–	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	❀	❀	*	❀	❀	❀	*	❀	*
ध	–	–	–	ध	ध	ध	–	–	–	पध	न	–	–	ध	–
ना	ऽ	ऽ	ऽ	म	ह	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ
–	–	प	–	–	–	प	धप	मग	म	–	–	–	–	–	ग
ऽ	ऽ	फू	ऽ	ऽ	ऽ	ल	हैऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कां
–	–	–	ग	–	–	–	ग	म	–	–	–	गम	गम	पध	–
ऽ	ऽ	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	भ	यो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
प	म	–	–	–	–	–	–	–	–						
श	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र						

ठेका शुरू

×				।				×				।			
*	धध	ध	ध	प	–	म	म	❀	सर	ग	र	स	–	सर	मप
❀	भंव	रा	क	रे	ऽ	म	न	❀	माऽ	ऽ	नी	रे	ऽ	हाँऽ	ऽऽ
ध	धध	ध	ध	प	–	म	म	❀	सर	ग	र	स	–	स	र
ऽ	भंव	रा	क	रे	ऽ	म	न	*	माऽ	ऽ	नी	रे	ऽ	मे	री

न स – ध	धन सर स –	फूलसी..........................!	
खि ल्ती ऽ ज	वाऽ ऽऽ नी ऽ		
❀ धध ध ध	प ध म –	✻ स स र	ग ग म –
✻ पून म की	र ति यां ऽ	✻ आ ना सं	व रि या ऽ
पम ध – –	धप मग पम ग	मप मग रम गर	स – – –
हांऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
सर गम रग मप	गम पध पग म	❀ धध ध ध	प ध म –
ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	✻ पून म की	र ति यां ऽ
✻ स स र	ग ग म –	❀ ध ध ध	ध ध प म
✻ आ ना सं	व रि या ऽ	❀ ना म दि	वा नी मे री
मपध मपध नन ध	प – म –	✻ ध ध ध	प – म म
जाऽऽ ऽऽऽ ऽत दि	वा ऽ नी ऽ	❀ चं द न	चौ ऽ क नि
✻ सर सरग र	स – स ध	ध ध ध ध	प – म म
❀ शाऽ ऽऽऽ नी	रे ऽ हां ऽ	ऽ चं द न	चौ ऽ क नि
✻ सर सरग र	स – स र	न स – ध	धन सर स –
✻ शाऽ ऽऽऽ नी	रे ऽ मे री	खि ल्ती ऽ ज	वाऽ ऽऽ नी ऽ

फूलसी...!

माई री मैं गिरधर के घर जाऊँ !

बौम्बे टाकीज़ फिल्म
"आज़ाद"

ताल
धुमाली

गायिका
"हंसा"

माई री मैं गिरधर के घर जाऊँ।
जो पहरावे सोई पहरूँ, जो दे सोई खाऊँ।
जित बैठावे तित ही बैठूँ, बेचे तो बिक जाऊँ ॥ माई री……॥
मेरी उनकी प्रीत पुरानी,उन बिन पल न बिताऊँ।
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, बार बार बलिजाऊँ ॥ माई री……॥

—*—

×				×				×				×			
र	ग	म	प	–	पप	प	म	गर	ग	स	स	रग	म	र	–
मा	ई	री	मैं	ऽ	गिर	ध	र	केऽ	ऽ	घ	र	जाऽ	ऽ	ऊँ	ऽ
र	म	प	सं	–	धध	प	म	गर	ग	स	स	रग	म	र	–
मा	ई	री	मैं	ऽ	गिर	ध	र	केऽ	ऽ	घ	र	जाऽ	ऽ	ऊँ	ऽ
रग	र	र	र	र	म	म	–	म	प	प	–	ध	म	प	–
जोऽ	ऽ	प	ह	रा	ऽ	वे	ऽ	सो	ऽ	ई	ऽ	प	ह	रूँ	ऽ
* ध	ध	न̱		ध	–	प	–	मप	ध	पध	न̱	ध	–	प	–
* जो	दे	ऽ		सो	ऽ	ई	ऽ	खाऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	–	ध	–	ध	प	* ध	ध	सं		न	–	ध	प
जि	त	बै	ऽ	ठा	ऽ	वे	ऽ	* ति	त	ही		बै	ऽ	ठूँ	ऽ

*	प	ध	म	म	प	प	–	पध	धसं	संसं	नसं	नसं	धन	पध	मप
*	जि	त	बै	ठा	ऽ	वे	ऽ	❀	*	*	*	❀	*	*	*

❀	प	ध	म	म	प	प	–	*	ध	ध	सं	न	–	ध	–
*	जि	त	बै	ठा	ऽ	वे	ऽ	*	ति	त	ही	बै	ऽ	ठूँ	ऽ

*	प	ध	म	म	ग	र	स	सर	ग	रग	म	प	–	–	–
*	वे	ऽ	चे	तो	ऽ	बि	क	जाऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ

माई री मैं..

स	–	ग	–	ग	ग	म	ग	❀	म॑	म॑	म॑	म॑	–	प	–
मे	ऽ	री	ऽ	उ	न	की	ऽ	*	प्री	त	पु	रा	ऽ	नी	ऽ

प	प	प	न	ध	ध	प	प	म॑	–	प	–	म	–	ग	–
उ	न	वि	न	प	ल	न	वि	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ

प	–	प	न	न	–	न	न	*	संसं	सं	सं	नध	न	प	प
मी	ऽ	रा	ऽ	के	ऽ	प्र	भु	*	गिर	ध	र	नाऽ	ऽ	ग	र

प	म॑	प	पम	प	मग	रस	स	सर	ग	रग	म	प	–	–	–
बा	ऽ	र	बाऽ	ऽ	रऽ	बऽ	लि	जाऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ

❀	पप	प	म	गर	ग	स	स	रग	म	र	–	र	म	प	सं
❀	गिर	ध	र	केऽ	ऽ	घ	र	जाऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	मा	ई	री	मैं

गिरधर के..

बन्दे नाव का लंगर छोड़.... !

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म	ताल	गायक
"कंगन"	कहरवा	"अरुण"

बन्दे नाव का लंगर छोड़ ।
उमड़ी तेरी नैन की नदिया, नाव का लंगर छोड़ । बंदे........।
ना कोई तेरा संगी साथी, फिर भी बलती जीवन बाती,
चलना हो तो चल रे इकले, मिलजाये तो उससे मिलले ।
जिसने तुझसे घर छुड़वाया, घर को तेरे तोड़ ॥
बंदे नाव का लंगर....................॥

×				।				×				।			
प	–	सं	–	–	–	–	–	प	म	ग	र	ग	–	–	–
बं	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
※ प	–प	सं		न	ध	प	म	ग	म	ग	ग	–	–	–	–
※ ना	ऽव	का		लं	ऽ	ग	र	छो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ड़
❀ स	–स	स		ग	–	ग	म	प	न	न	न	सं	–	सं	–
※ ना	ऽव	का		लं	ऽ	ग	र	छो	ऽ	ऽ	ड़	बं	ऽ	दे	ऽ
※ सं	–सं	सं		न	ध	प	म	ग	म	ग	–	–	–	–	–
※ ना	ऽव	का		लं	ऽ	ग	र	छो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ड़
स	स	स	–	ग	–	ग	–	❀ म	म	म		प	प	प	–
उ	म	ड़ी	ऽ	ते	ऽ	री	ऽ	❀ नै	न	की		न	दि	या	ऽ

❀	न	-न	न	सं	-	सं	रं	न	सं	-	-	-	-	प	-
❀	ना	ऽव	का	लं	-	ग	र	छो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ड़
❀	न	-न	सं	न	ध	प	म	ग	म	ग	-	-	-	-	-
❀	ना	ऽव	का	लं	ऽ	ग	र	छो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ड़
स	-	स	म	म	-	म	-	❀	म	प	प	प	-	प	-
ना	ऽ	को	ई	ते	ऽ	रा	ऽ	❀	सं	ऽ	गी	सा	ऽ	थी	ऽ
प	प	ध	-	ध	ध	ध	-	प	ध	ध	न॒	ध	-	प	-
फि	र	भी	ऽ	ब	ल	ती	ऽ	जी	ऽ	व	न	बा	ऽ	ती	ऽ
म	प	-	-	-	-	-	-	❀	प	ध	ध	ध	-	ध	प
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❀	च	ल	ना	हो	ऽ	तो	ऽ
❀	ध	सं	सं	न	न	ध	प	प	ध	ध	-	ध	-	ध	प
❀	च	ल	रे	इ	क	ले	ऽ	च	ल	ना	ऽ	हो	ऽ	तो	ऽ
❀	ध	सं	सं	न	न	ध	प	प	प	ध	-	सं	-	सं	-
❀	च	ल	रे	इ	क	ले	ऽ	मि	ल	जा	ऽ	ये	ऽ	तो	ऽ
सं	सं	सं	रं	रं	रं	सं	-	-	-	-	-	-	-	-	-
उ	स	से	ऽ	मि	ल	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	प	ध	सं	सं	सं	सं	–	न	न	न	सं	न	–	ध	–
जि	स	ने	ऽ	तु	झ	से	ऽ	घ	र	छु	ड़	वा	ऽ	या	ऽ
प	प	ध	रं	रं	सं	सं	–	न	न	न	सं	न	–	ध	–
जि	स	ने	ऽ	तु	झ	से	ऽ	घ	र	छु	ड़	वा	ऽ	या	ऽ
*	ध	ध	न	ध	–	प	म	म	प	–	–	–	–	–	स
*	घ	र	को	ते	ऽ	रे	ऽ	तो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ड़

बंदे नाव का लंगर······························ ··।

9-N.P.K.

तू राम भजन कर प्राणी·········!

रणजीत फिल्म	ताल	गायक
"सन्त तुलसीदास"	कहरवा	विश्नूपन्त पगनीस, वासंती, राम मराठे

तू राम भजन कर प्राणी, तेरी दो दिन की जिंदगानी ।
काया, माया बादल छाया, मूरख मन काहे भरमाया ।
उड़जायेगा सांस का पंछी, फिर क्या आनी जानी ।। तू राम० ।।
जिनके घर में मां नहीं, बाबा करें ना प्यार ।
ऐसे दीन अनाथों का, राम नाम आधार ।।
मुख बोल राम की बानी, मनुवा बोल राम की बानी ।। तूराम०।।
सजन सनेही सुख के सङ्गी, दुनियां की है चाल दुरङ्गी ।
नाच रहा है काल शीश पर, चेत चेत अभिमानी ।। तू राम० ।।
जिसने राम नाम गुन गाया, उसको लगे न दुख की छाया।
निर्धन का धन राम नाम है, मैं हूं राम दिवानी ।। तू राम० ।।

——❀——

स्वरलिपि

														प	ध
+				।				+				।		तू	ऽ
ग	प	म	म	ग	स	ग	म	प	–	प	–	–	–	प	ध
रा	ऽ	म	भ	ज	न	क	र	प्रा	ऽ	णी	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ
ग	प	म	म	ग	स	ग	म	प	ध	न	सं	न	ध	ग	म
रा	ऽ	म	भ	ज	न	क	र	प्रा	ऽ	ऽ	ऽ	णी	ऽ	ते	री
प	ध	न	सं	न	ध	–	प	ग	म	गम	पध	प	–	प	ध
दो	ऽ	दि	न	की	ज़ि	ऽ	द्	गा	ऽ	नीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ

राम भजन कर प्राणी........................।

❀	प	–	प	ध	धन	सं	–	सं	–	सं	न	ध	न	प	–
❀	का	ऽ	या	मा	याऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	द्	ल	छा	ऽ	या	ऽ
❀	न	न	न	न	सं	रं	–	सं	–	न	सं	सं	–	सं	–
❀	मू	र	ख	म	न	का	ऽ	हे	ऽ	भ	र	मा	ऽ	या	ऽ
सं	सं	सं	–	सं	–	सं	–	❀	सं	सं	सं	सं	–	सं	–
उ	ड़	जा	ऽ	ये	ऽ	गा	ऽ	❀	सां	स	का	पं	ऽ	छी	ऽ
न	सं	रं	–	–	सं	–	न	ध	न	प	–	–	–	प	ध
फि	र	क्या	ऽ	ऽ	आ	ऽ	नी	जा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ

राम भजन कर प्राणी...............।

र	ग	ग	प	प	ध	म	प	म	ग	–	ग	र	–	–	–
जि	न	के	ऽ	घ	र	में	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न	हीं	ऽ	ऽ	ऽ
म	–	म	प	प	ध	म	–	प	–	–	–	–	–	–	प
बा	ऽ	वा	क	रे	ऽ	ना	ऽ	प्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
ध	–	ध	–	ध	–	प	प	ध	न	सं	न	ध	–	–	–
ऐ	ऽ	से	ऽ	दी	ऽ	न	अ	ना	ऽ	थों	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	प	–	म	म	ग	र	–	–	–	–	–	–	र
रा	ऽ	म	ना	ऽ	म	आ	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
ध	–		ध	ध	–	प	प	ध	न	सं	न	ध	–	–	–
ऐ	ऽ		से	दी	ऽ	न	अ	ना	ऽ	थों	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	प	–	म	म	ग	र	–	–	–	–	र	स	स
रा	ऽ	म	ना	ऽ	म	आ	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	मु	ख
र	–	र	र	–	र	र	ग	म	प	प	–	प	ध	प	र
बो	ऽ	ल	रा	ऽ	म	की	ऽ	बा	ऽ	नी	ऽ	म	नु	वा	ऽ
र	–	र	–	–	र	र	ग	म	प	प	–	प	ध	प	र
बो	ऽ	ल	रा	ऽ	म	की	ऽ	बा	ऽ	नी	ऽ	म	नु	ऽ	वा

र	–	र	र	–	र	र	ग	म	प	प	–	प	ध	प	र
बो	ऽ	ल	रा	ऽ	म	की	ऽ	बा	ऽ	नी	ऽ	म	नु	वा	ऽ

र	–	र	र	–	र	र	ग	म	प	प	–	–	–	प	ध
बो	ऽ	ल	रा	ऽ	म	की	ऽ	बा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ

राम भजन कर प्राणी..............।

सं	रं	रं	रं	रं	–	रं	–	सं	रं	गं	मं	गं	–	रं	–
स	ज	न	स	ने	ऽ	ही	ऽ	सु	ख	के	ऽ	सं	ऽ	गी	ऽ

सं	सं	न	–	न	–	ध	प	प	ध	ध	न	सं	–	सं	–
दु	नि	यां	ऽ	की	ऽ	है	ऽ	चा	ऽ	ल	दु	रं	ऽ	गी	ऽ

सं	–	सं	सं	सं	–	सं	–	सं	–	सं	सं	–	सं	सं	सं
ना	ऽ	च	र	हा	ऽ	है	ऽ	का	ऽ	ल	शी	ऽ	श	प	र

न	–	न	न	–	न	न	सं	न	ध	प	–	–	–	–	–
चे	ऽ	त	चे	ऽ	त	अ	भि	मा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

सं	–	सं	सं	सं	–	सं	–	सं	–	सं	सं	–	सं	सं	सं
ना	ऽ	च	र	हा	ऽ	है	ऽ	का	ऽ	ल	शी	ऽ	श	प	र

न	–	न	न	–	न	न	सं	न	ध	प	–	–	–	प	ध
चे	ऽ	त	चे	ऽ	त	अ	भि	मा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ

राम भजन कर प्राणी..................॥

र	ग	ग	प	म	–	म	म	–	ग	ग	ग	र	–	र	–
जि	स	ने	ऽ	रा	ऽ	म	ना	ऽ	म	गु	न	गा	ऽ	या	ऽ
र	ग	म	प	प	प	–	प	प	प	प	–	म	प	प	–
उ	स	को	ऽ	ल	गे	ऽ	न	दु	ख	की	ऽ	छा	ऽ	या	ऽ
ध	–	ध	ध	ध	–	प	प	ध	न	सं	न	–	ध	ध	–
नि	ऽ	र्ध	न	का	ऽ	ध	न	रा	ऽ	म	ना	ऽ	म	है	ऽ
प	ध	प	म	म	–	म	म	ग	–	र	–	–	–	–	–
मैं	ऽ	हूं	ऽ	रा	ऽ	म	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	ग	म	प	प	–	म	म	प	ध	न	सं	न	ध	प	–
मैं	ऽ	हूं	ऽ	रा	ऽ	म	दि	वा	ऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ग	प	म	ग	र	ग	प	–	प	–	–	–	प	ध
मैं	ऽ	हूं	ऽ	रा	ऽ	म	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ

राम भजन कर प्राणी.................................

आकर चला गया तूफान....!

न्यूथ्येटर्स	ताल	गायक
फिल्म "आंधी"	धुमाली	"के० सी० डे०

आकर चला गया तूफान, आकर चला गया तूफान।

बरतन, बासन, गहना, पाता, कपड़ा रङ्गा रंग ।
नर नारी का नहीं ठिकाना, वेदर वेदर सामान ॥ आकर चला.........॥

मूरख बालक बैठा ताके, मुलर मुलर चहुंओर ।
मात पिता का नहीं ठिकाना, रो रो हो हलकान ॥ आकर चला.........॥

तूफान आते ही रहते हैं, नई नहीं यह बात ।
दुखही न हो तो फिर सुख कैसा, दुख ही को सुख जान ॥ आकर चला...

जिसको तू मिटना समझा है मिटना उसे न मान ।
गिरे तो घर माटी का टीला, बने तो फिर है मकान ॥ आकर चला......॥

+				।				+				।			
ध	ध	म	म	पध	नसं	न	सं	सं	–	–	–	धन	संन	ध	प
च	ला	ऽ	ग	याऽ	ऽऽ	तू	ऽ	फा	ऽ	ऽ	न्	आऽ	ऽऽ	क	र
*	प	म	ग	रग	म	–	र	स	–	–	–	–	स	*	*
*	च	ला	ग	याऽ	ऽ	ऽ	तू	फा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	*	*
प	प	प	प	म	–	ग	ग	*	ग	गम	मं	म	र	स	–
ब	र	त	न	बा	ऽ	स	न	*	गह	नाऽ	ऽ	ऽ	पा	ता	ऽ
*	ग	ग	–	र	न	न	–	ग	–	–	–	–	–	–	ग
*	कप	ड़ा	ऽ	ऽ	रं	गा	ऽ	रं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग

*	पप	प	-	प	-	प	-	प	मप	धन	ध	प	ध	मग	म
❀	नर	ना	ऽ	री	ऽ	का	ऽ	न	हींऽ	ऽऽ	ठि	का	ऽ	नाऽ	ऽ
प	पप	प	-	प	-	प	-	प	पध	न	ध	प	ध	म	-
ऽ	नर	ना	ऽ	री	ऽ	का	ऽ	न	हींऽ	ऽ	ठि	का	ऽ	ना	ऽ
स	र	ग	ग	ग	म	गम	प	म	-	-	म	ग	म	र	स
बि	द्	र	बि	द्	र	साऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न्	आ	ऽ	क	र
स	स	-	र	ग	-	र	-	स	-	-	-	-	स	❀	❀
च	ला	ऽ	ग	था	ऽ	तू	ऽ	फा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	*	*
म	-	ध	न	सं	-	सं	सं	सं	-	नसंरं	संरं	सं	-	सं	-
मू	ऽ	र	ख	बा	ऽ	ल	क	बै	ऽ	ठाऽऽ	ऽऽ	ता	ऽ	के	ऽ
रं	रं	रं	रं	रं	रं	रं	रं	रं	-	-	-	-	-	-	रं
मु	ल	र	मु	ल	र	च	हुं	ओ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
सं	-	सं	सं	सं	रं	सं	-	ध	न	ध	न	पध	न	प	-
मा	ऽ	त	पि	ता	ऽ	का	ऽ	न	हीं	ऽ	ठि	काऽ	ऽ	ना	ऽ
स	-	स	-	सर	गम	म	प	म	-	-	म	गप	मग	र	स
रो	ऽ	रो	ऽ	होऽ	ऽऽ	ह	ल	का	ऽ	ऽ	न्	आऽ	ऽऽ	क	र

स	स	–	र	ग	–	र	–	स	–	–	–	–	स	*	*
च	ला	ऽ	ग	या	ऽ	तू	ऽ	फा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	*	*
ध	धन	सरं	गं	गं	गं	गं	गं	रं	रं	गं	–	नसं	रंगं	रंगं	–
तू	फाऽ	ऽऽ	ऽ	न्	आ	ते	हो	र	ह	ते	ऽ	हैंऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
–	–	–	–	–	–	*	*	सं	सं	–	सं	गं	–	सं	रं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	न	ई	ऽ	न	हीं	ऽ	ये	ऽ
सं	न	सं	–	–	–	–	सं	*	न	न	न	ध	प	म	*
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	*	दु	ख	हो	ना	हो	तो	*
प	प	प	प	पध	न	प	–	*	प	प	प	पम	ग	म	प
सु	ख	फि	र	कैऽ	ऽ	सा	ऽ	*	दु	ख	ही	कोऽ	ऽ	सु	ख
म	–	–	म	ग	म	र	स	स	स	–	र	ग	–	स	र
जा	ऽ	ऽ	न्	आ	ऽ	क	र	च	ला	ऽ	ग	या	ऽ	तू	ऽ
स	–	–	–	–	स	*	*	*	सं	सं	सं	ध	–	ध	न
फा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	*	*	*	जि	स	को	तू	ऽ	मि	ट
न	–	सं	सं	नसं	रं	सं	–	न	न	न	सं	ध	न	धन	संरं
ना	ऽ	स	म	झाऽ	ऽ	है	ऽ	मि	ट	ना	उ	से	ऽ	ऽऽ	ऽऽ

संन	धप	प	–	प	–	–	प	सं	रं	–	मं	मं	मं	मं	–
ऽऽ	ऽऽ	ना	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न्	गि	रे	ऽ	तो	घ	र	मा	ऽ
मं	गमं	मं	मं	रं	–	सं	–	*	रं	रं	गं	रं	न	–	न
टी	काऽ	ऽ	ऽ	टी	ऽ	ला	ऽ	*	ब	ने	तो	फि	र	ऽ	म
नसं	रं	संरं	गं	रं	सं	–	रं	मं	–	सं	रं	सं	–	–	सं
काऽ	ऽ	ऽऽ	न्	च	ला	ऽ	ग	या	ऽ	तू	ऽ	फा	ऽ	ऽ	न्
म	–	र	स	स	स	–	र	ग	–	स	र	स	–	–	–
आ	ऽ	क	र	च	ला	ऽ	ग	या	ऽ	तू	ऽ	फा	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	स	ध	म	–	प	पध	नसं	न	–	सं	–	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	न्	च	ला	ऽ	ग	याऽ	ऽऽ	तू	ऽ	फा	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–								
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्								

———❀———

रूठ गये हो मोसे तुम क्यूँ.....!

'सिरको' प्रोडक्शन	ताल	गायिका
फिल्म "लक्ष्मी"	कहरवा	"मिस विब्बो"

रूंठ गये हो मोसे तुम क्यूं कैसे तुम्हें मनाऊँ ।
हृदय हिंडोले तुम्हें बिठा कर झूले नये झुलाऊं ॥
या मन की फुलवाड़ी में, प्रेम के फूल सुघाऊं ॥ रूंठ गये......॥
आखों की पुतलियां सामने, तेरे आज बिछाऊं ।
सुख की सेज सजा के साजन, तुझ में घुल मिल जाऊं ॥ रूंठ गये......॥

+				|				+				|			
*	ग	ग	ग	र	स	रम	प	-	म	-	ग	र	स	नुध़	प़
*	रूं	ठ	ग	ये	ऽ	होऽ	ऽ	ऽ	मो	ऽ	से	तु	म	क्यूंऽ	ऽ
*	प़	-	स	-	र	स	र	प	-	प	प	मप	धप	मग	रस
*	कै	ऽ	से	ऽ	तु	म्हें	म	ना	ऽ	ऊं	म	नाऽ	ऽऽ	ऊंऽ	ऽऽ
र	प	प	प	ग	-	म	प	-	प	ध	प	र	ग	स	स
ऽ	हृ	द	य	हिं	ऽ	डो	ले	ऽ	तु	म्हें	बि	ठा	ऽ	क	र
*	प	प	प	म	ग	म	प	-	प	ध	प	र	ग	स	स
*	हृ	द	य	हिं	ऽ	डो	ले	ऽ	तु	म्हें	बि	ठा	ऽ	क	र
*	र	ग	-	-	र	ग	र	र	प	प	-	-	-	-	-
*	भू	ले	ऽ	ऽ	न	ये	झु	ला	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	नं	-	-	-	ध	म	र	-	म	प	ध	धन	पध	प	-
*	या	ऽ	ऽ	ऽ	म	न	की	ऽ	फु	ल	वा	ड़ीऽ	ऽऽ	में	ऽ

*	र	म	–	–	म	प	ध	न	ध	प	–	–	–	–	–
*	प्रेम	के	ऽ	ऽ	फू	ल	सुं	घा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

रूठ गये हो मोसे तुम क्यूं ....।

*	प़	–	ध़	स	–	–	–	*	म	प	प	म	–	ग	ग
*	आं	ऽ	खों	की	ऽ	ऽ	ऽ	*	पु	त	लि	यां	ऽ	सा	म

ग	स	–	–	–	ऩ	–	प़	*	प़	–	ध़	स	–	–	–
ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	आं	ऽ	खों	की	ऽ	ऽ	ऽ

*	म	प	प	म	–	ग	ग	ग	स	–	–	–	–	–	–
*	पु	त	लि	यां	ऽ	सा	म	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	र	म	–	–	ध	ध	न	न	ध	प	–	–	–	–	–
*	ते	रे	ऽ	ऽ	आ	ज	बि	छा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	न	न	न	न	–	सं	–	–	न	ध	म	प	न	ध	प
*	सु	ख	की	से	ऽ	ज	ऽ	ऽ	स	जा	के	सा	ऽ	ज	न

न	न	न	न	न	–	सं	–	–	न	ध	म	प	न	ध	प
ऽ	सु	ख	की	से	ऽ	ज	ऽ	ऽ	स	जा	के	सा	ऽ	ज	न

*	रर	म	–	–	धध	ध	न	न	ध	प	–	–	–	–	–
*	तुम	में	ऽ	ऽ	घुल	मि	ल	जा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

रूठ गये हो मोसे तुम क्यूं ....।

प्रेम योग अब करना योगी !

फिल्म	ताल	गायक
"साधना"	कहरवा	प्रेम आदीब

प्रेम योग अब करना योगी !

सब कुछ सहना कुछ मत कहना,

अंखियन तुम न छलकना योगी । प्रेम० ।

याद किया था अब तक जिसको ।

अब से याद न करना योगी । प्रेम० ।

स्थायी

+				।				+				।			
म ग	–	ग	गर	–	स	सऩ	स	र	ऩ	स	–	ऩस	रस	ऩऩ	ध़ध़
प्रे	ऽ	म	यो	ऽ	ग	अ	ब	क	र	ना	ऽ	योऽ	ऽऽ	गीऽ	ऽऽ
। म ग	–	ग	गर	–	स	स ऩ	स	र	ऩ	स	–	–	–	–	–
प्रे	ऽ	म	यो	ऽ	ग	अ	ब	क	र	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	म	न	प	म ग	ग	गर	सर	स	र	ऩ	स	र	ग	र	–
स	ब	कु	छ	स	ह	नाऽ	ऽऽ	कु	छ	म	त	क	ह	ना	ऽ

अन्तरा

प म	प	न	न	न	न सं	सं	सं	न	सं	नसंरं	संरं	नध	पध	प म	–
अं	खि	य	न	तु	म	न	छ	ल	क	नाऽऽ	ऽऽ	योऽ	ऽऽ	गी	ऽ
म	प	न	न	न	न सं	सं	सं	प	ध	पमगम	–	र	मग	स	–
अं	खि	य	न	तु	म	न	छ	ल	क	नाऽऽऽ	ऽ	यो	ऽ	गी	ऽ

ग म र ग म प	म प धपमप म	स – मप न न	न सं न सं
या ऽ द कि	या ऽ था ऽ	ऽ अब त क	जि स को ऽ
ध रं प ध सं –	रं – गं रं	सं गं रं –	रंरं रंरं न प
अ ब से ऽ	या ऽ द न	क र ना ऽ	योऽ ऽऽ गी ऽ
ध * प ध सं	रं – गं रं	रं सं गं रं –	– – – –
* अ ब से	या ऽ द न	क र ना ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

13-G. KAPOOR.

सोजा राजकुमारी सोजा।

न्यूथियेटर्स फिल्म	ताल	गायक
"ज़िन्दगी"	कहरवा	सहगल

सोजा ! सोजा !! राजकुमारी, सोजा मैं बलिहारी।
सोजा मीठे सुपने आयें, सुपनों में पी दरस दिखायें,
उड़कर रूप नगर में जायें, रूप नगर की सखियाँ आयें।
राजा जी माला पहनायें, चूमें मांग तिहारी, सोजा राजकुमारी।

(बैक ग्राउन्ड म्युज़िक)

सग – – – – – – – – र स प़ – – – – – – – – – –
प़ ऩ र – – – – – – – – – म – ग र स – – – – – – –

ध़ ऩ ध़ऩ ध़प़ – – – – – – – – – ध़ ऩ ध़ स – – – – – – – – –
सो ऽ जा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ सो ऽ जा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

ग – – म प – – प – – म ग – – – न – – –

प ध न – – – प ध न – – सं – रं गं न सं – – – धस –

अब गाना शुरू हुआ

ध़	ऩ
सो	ऽ

×				×				×				×			
ध़	प़	ध़	स	स	स	सर	स	सर	ग	रग	रग	स	र	र	स
जा	ऽ	रा	ऽ	ज	कु	माऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	सो	ऽ	जा	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	–	ध़	ऩ	प़	ध़	स	स	स
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सो	ऽ	जा	रा	ऽ	ज	कु
सर	स	सर	ग	रग	रग	स	र	र	स	–	–	–	–	–	–
मा	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	सो	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	र	म	म	म	–	म	म	म	ग	गम	प	–	गम	गर	स
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ब	लि	हा	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽ	सोऽ	ऽऽ	जा
–	ध़	ऩ	प़	ध़	स	स	स	सर	स	सर	ग	रग	रग	स	र
ऽ	सो	ऽ	जा	रा	ऽ	ज	कु	माऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	सो	ऽ
र	स	–	–	–	–	–	–	ग	–	–	–	–	–	म	प
जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	(सिर्फ़ साज़)							
ग	–	–	–	–	–	र	स	ऩ	–	–	–	–	–	प़	ऩ

स	-	-	-	ग	-	-	-	-	र	ग	र	स	ऩ	ध़	ऩ
								ऽ	सो	ऽ	जा	ऽ	मी	ऽ	ठे
स	ऩ	स	-	ऩस	रग	र	-	-	-	-	-	-	-	-	-
सु	प	ने	ऽ	आऽ	ऽऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	स	ग	ग	ग	-	ग	-	ग	म	ग	म	पध	म	ग	-
ऽ	सु	प	ने	मैं	ऽ	पी	ऽ	द	र	श	दि	खाऽ	ऽ	यें	ऽ
र	रग	र	सर	स	ऩ	ध़	ऩ	स	ऩ	स	-	ऩस	रग	र	-
ऽ	सोऽ	ऽ	जा	ऽ	मी	ऽ	ठे	सु	प	ने	ऽ	आऽ	ऽऽ	यें	ऽ
-	ग	ग	ग	ग	-	ग	-	ग	म	ग	म	मग	रग	म	-
ऽ	सु	प	ने	में	ऽ	पी	ऽ	द	र	श	दि	खाऽ	ऽऽ	यें	ऽ
-	मग	र	र	म	-	म	म	प	प	पध	न	ध	प	प	-
ऽ	उड़	क	र	रू	ऽ	प	न	ग	र	मेंऽ	ऽ	जा	ऽ	यें	ऽ
-	-	-	-	-	-	म	ग	र	मग	र	र	म	-	म	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उड़	क	र	रू	ऽ	प	न
प	प	पध	न	ध	प	प	-	-	प	प	ध	सं	सं	सं	-
ग	र	मेंऽ	ऽ	जा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	रू	प	न	ग	र	की	ऽ

सं रं रं ग॒ं	रंग॒ं रं सं –	– – – न॒	ध प ध न॒
स खि यां ऽ	आऽ ऽ यें ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ (टियून)
सं – – –	– – न॒ ध	प – – –	– – ध न॒
सं – – –	– – न॒ ध	प प प ध	सं सं सं –
		रू प न	ग र की ऽ
सं रं रं ग॒ं	रंग॒ं रं सं –	– धसं – सं	संन॒ – न॒ ध
स खि यां ऽ	आऽ ऽ यें ऽ	ऽ राऽ ऽ जा	जीऽ ऽ मा ऽ
प ध ध न॒	ध प प म	– न॒ – न॒	ध – प –
ला ऽ प हि	ना ऽ यें ऽ	ऽ चू में ऽ	मां ऽ ग ति
म – ग –	रग र स –	– ध़ ऩ॒ प़	ध़ स स स
हा ऽ री ऽ	सोऽ ऽ जा ऽ	ऽ सो ऽ जा	रा ऽ ज कु
सर स सर ग	रग रग स र	र स – –	– – – –
मा ऽ रीऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ सो ऽ	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
– ध़ ऩ॒ प़	ध़ स स स	सर स सर म	– – – –
ऽ सो ऽ जा	रा ऽ ज कु	माऽ ऽ री ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
म गर सर ग	ग स – –	– – – –	
ऽ ऽऽ सोऽ ऽ	जा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	

14 J.N.G. 6-40

मैं बंसी बनूं बन्सीधर की....!

रणजीत फ़िल्म "अछूत" | ताल कहरवा | गायक कान्तीलाल सितारा व पार्टी

मैं बंसी बनूं बंसीधर की, तुम राधा बनो नट नागर की। मैं...... ।
तुम कृष्ण बनो मैं राधा बनूं, लेके डगरिया फिरूं नगरिया।
किस की डगरिया मिले संवरिया, वह चोरी करे मेरे माखन की,
मैं चोरी करूं उनके मन की, मैं बंसी........................ ।
जब होवे आधी रात सखी, हरि आके चुपके चुपके से,
कुछ कहे मज़े की बात सखी, जो मैं माखन पा जाता,
न तुमको चखाता, न माखन लुटाता, न बातें बनाता सखीरी,
नाचे श्री नंदलाल नाचे, नाचे राधा ग्वाला नाचे,
नाचे नाचे नाचे राधा, नाचे राधा ग्वाला नाचे,
ताक थैया के ताक ताक थैया के ताक ताक थैया के,
ताक ताक थै ताक थै ताक थै। नाचे श्री नंदलाल......... ।

														स	र
														मैं	ऽ
+				×				+				+			
ध़	–	स	र	ग	–	म	म	र	ग	स	–	–	–	म	प
बं	ऽ	सी	ब	नूं	ऽ	बं	सी	ध	र	की	ऽ	ऽ	ऽ	तु	म
प	ध	–	ध	प	–	–	–	म	प	–	–	–	–	म	प
रा	धा	ऽ	ब	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तु	म
प	ध	–	ध	प	–	म	प	ग	म	र	ग	स	–	प	ध
रा	धा	ऽ	ब	नो	ऽ	न	ट	ना	ऽ	ग	र	की	ऽ	तु	म
न	न	–	सं	सं	–	सं	–	न	न	–	ध	प	–	प	ध
कृ	ष्ण	ऽ	ब	नो	ऽ	मैं	ऽ	रा	धा	ऽ	ब	नूं	ऽ	तु	म

सं	रं	–	रं	सं	–	सं	–	न	न	–	ध	प	–	–	–
कृ	ष्ण	ऽ	ब	नो	ऽ	मैं	ऽ	रा	धा	ऽ	ब	नूं	ऽ	ऽ	ऽ
सं	सं	न	ध	प	म	ग	र	स	र	–	र	र	ग	र	ग
*	*	*	*	❀	❀	*	❀	ले	के	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ
म	प	–	ध	म	प	र	ग	सं	रं	–	रं	रं	रं	रं	–
फि	रूँ	ऽ	न	ग	रि	या	ऽ	किस	की	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ
सं	रं	–	गं	सं	रं	सं	–	सं	रं	–	रं	रं	रं	रं	–
मि	ले	ऽ	सं	व	रि	या	ऽ	किस	की	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ
सं	रं	–	गं	सं	रं	सं	सं	सं	सं	–	सं	न	ध	–	प
मि	ले	ऽ	सं	व	रि	या	वो	चो	री	ऽ	क	रे	मो	ऽ	रे
ध	–	ध	न	प	–	सं	–	सं	सं	–	सं	न	ध	–	प
मा	ऽ	ख	न	की	ऽ	वो	ऽ	चो	री	ऽ	क	रे	मो	ऽ	रे
ध	–	ध	न	प	–	सं	न	–	न	न	न	ध	–	म	म
मा	ऽ	ख	न	की	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	चो	री	क	रूं	ऽ	ठ	न
मप	ध	पध	न	प	–	स	र								
केऽ	ऽ	मन	ऽ	की	ऽ	मैं	ऽ								

ध़	-	स	र	ग	-	म	म	र	ग	स	-	-	-	स	रं
बं	ऽ	सी	ब	नूं	ऽ	बं	सी	ध	र	की	ऽ	ऽ	ऽ	ज	बं
स	र	र	-	-	-	र	ग	ग	प	प	ध	प	-	ग	म
हो	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	आ	धी	रा	ऽ	त	स	खी	ऽ	ह	रि
प	ध	ध	-	ध	ध	ध	-	ध	न॒	ध	न॒	प	-	प	प
आ	ऽ	के	ऽ	चु	प	के	ऽ	चु	प	के	ऽ	से	ऽ	कु	छ
ध	सं	-	सं	सं	-	रं	-	संरं	गं	रं	गं	सं	-	प	प
क	हे	ऽ	म	जे	ऽ	की	ऽ	बाऽ	ऽ	त	स	खी	ऽ	कु	छ
ध	सं	-	सं	सं	-	रं	-	संरं	गं	रं	गं	रं	-	-	-
क	हे	ऽ	म	जे	ऽ	की	ऽ	बाऽ	ऽ	त	स	खी	ऽ	ऽ	ऽ
सं	रं	-	रं	रं	रं	रं	गं	सं	रं	-	सं	रं	गं	रं	गं
जो	मैं	ऽ	मा	ख	न	पा	ऽ	जा	ता	ऽ	न	तु	म	को	च
सं	रं	-	सं	सं	रं	रं	गं	सं	रं	-	सं	सं	रं	रं	गं
खा	ता	ऽ	न	मा	ऽ	खन	लु	टा	ता	ऽ	न	बा	ऽ	त	ब
सं	रं	-	प	ध	सं	रं	-	गं	-	मं	-	-	-	मं	मं
ना	ता	ऽ	स	खी	ऽ	री	ऽ	ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	शि	री

गं	–	रं	सं	–	सं	गं	–	रं	–	–	–	–	–	सं	–
नं	ऽ	द	ला	ऽ	ल	ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ
रं	–	–	–	–	–	रं	–	सं	–	–	न॒	ध	प	ध	–
चे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	ऽ	गु	आ	ऽ	ला	ऽ
न॒	–	प	–	–	–	म	म	म	प	प	–	प	–	प	–
ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	ना	चे	ना	ऽ	चे	ऽ	ना	ऽ	चे	ऽ
ध	सं	सं	–	–	–	सं	–	रं	–	–	–	–	–	रं	–
रा	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ
सं	–	–	न॒	ध	प	ध	–	न॒	–	प	–	–	–		
धा	ऽ	ऽ	गु	आ	ऽ	ला	ऽ	ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	ता	क
थै	या		के	ता	क	ता	क	थै	या		के	ता	क	ता	क
थै	या		के	ता	क	ता	क	थै	ता		क	थै	ता		क
						गं	–	मं	–	–	–	–	–	मं	मं
थै	❀		❀	*	*	ना	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	शि	री

खेले जा तू खेल खिलाड़ी !

बौम्बे टाकीज़		ताल		गायक
फिल्म "आज़ाद"		कहरवा		अरुणकुमार

खेले जा तू खेल खिलाड़ी, खेले जा, तू खेले जा।
रे काम राम का रहता नहीं अधूरा।
अध खिली कली, जा धूल मिली,
फिर खिलने को, फिर खिलने को।
जीवन के तार, हुये तार-तार,
फिर मिलने को, फिर मिलने को।
नदी की गति रुकती है।
चलने को, चलने को।
दीपक की ज्योति बुझती है
जलने को जलने को। रे काम··· ········ ॥

+				।				+				।			
प़	ध़	ध़	स	स	–	–	–	*	स	ग	र	स	–	स	ऩ
खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	*	खे	ऽ	ले	जा	ऽ	तू	ऽ
स	ग	ग	र	ग	ध	प	–	ग	म	ग	र	स	–	स	ध
खे	ऽ	ल	खि	ला	ऽ	ड़ी	ऽ	खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	तू	ऽ
प	–	ग	ग	ग	र	स	ऩ	*	स	स	र	ग	ग	र	–
खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	*	का	म	रा	ऽ	म	का	ऽ
र	ग	र	स	ऩ	स	ऩ	ध़	ध़	ऩ	प़	–	–	–	ग	प
र	ह	ता	ऽ	न	हीं	ऽ	अ	धू	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ध

ग	ग	प	प	प	–	ध	न	न	–	ध	प	प	–	प	प
खि	ली	ऽ	क	ली	ऽ	जा	ऽ	धू	ऽ	ल	मि	ली	ऽ	फि	र
मं	प	मं	प	प	–	प	प	ग	म	ग	म	ग	र	र	–
खि	ल	ने	ऽ	को	ऽ	फि	र	खि	ल	ने	ऽ	को	ऽ	जी	ऽ
ग	ग	प	प	–	प	ध	न	न	–	ध	प	–	प	प	प
व	न	के	ता	ऽ	र	हु	ए	ता	ऽ	र	ता	ऽ	र	फि	र
मं	प	मं	प	प	–	प	प	ग	म	ग	म	ग	र	स	–
मि	ल	ने	ऽ	को	ऽ	फि	र	मि	ल	ने	ऽ	को	ऽ	न	ऽ
ग	–	र	–	स	स	ऩ	ध़	ऩ	–	स	–	–	–	ऩ	ध़
दी	ऽ	की	ऽ	ग	ति	रु	क	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	च	ल
ऩ	ऩ	र	र	ग	ग	ग	र	ऩ	र	स	–	–	–	ग	–
ने	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	च	ल	ने	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	दी	ऽ
र	ग	र	स	–	स	ऩ	ध़	ऩ	–	स	–	–	–	ऩ	ध़
प	क	की	जो	ऽ	त	बु	झ	ती	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल
ऩ	ऩ	र	र	ग	ग	ग	र	ऩ	र	स	–	–	–	स	ऩ
ने	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	ने	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ

स	ग	ग	र	ग	ग	र	–	ग	म	गम	प	म	ग	र	स
का	ऽ	म	रा	ऽ	म	का	ऽ	र	ह	ताऽ	ऽ	न	हीं	ऽ	अ
ऩ	स	ऩ	ध़	ऩ	ध़	प़	–	प़	ध़	ध़	स	स	–	–	–
धू	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ऽ	खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ
*	स	ग	र	स	–	स	ऩ	स	ग	ग	र	ग	ध	प	–
*	खे	ऽ	ले	जा	ऽ	तू	ऽ	खे	ऽ	ल	खि	ला	ऽ	ड़ी	ऽ
ग	म	ग	र	स	–	स	ध	प	–	ग	म	ग	र	–	–
खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	तू	ऽ	खे	ऽ	ले	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ
*	ग	प	प	प	–	–	–	*	न	सं	सं	सं	–	–	–
*	खे	ऽ	ले	जा	ऽ	ऽ	ऽ	*	खे	ऽ	ले	जा	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	–	–	–	*	*								
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*								

16—N. P. K.

—o—

अपने मस्तों को बेखुद····!

नेशनल स्टूडियो	ताल	गायक
फिल्म "औरत"	दादरा	सुरेन्द्र और ज्योती

अपने मस्तों को बेखुद बनादे, हां पिलादे पिलादे पिलादे।
मेरे सपनों की दुनियां के वासी, तेरे दरशन की अँखियां हैं प्यासी।
उनको थोड़ा सा अमृत पिलादे, हां पिलादे पिलादे पिलादे ॥ अपने०॥

मेरे जीवन बग़ीचे में आजा, और उजड़ी बहारें बसाजा ।
हँस के मुरझाईं कलियां खिलादे, हां खिलादे खिलादे खिलादे ॥ अपने....॥
जिस नदी का है आशा किनारा, वह रही हो जहां प्रेम धारा ।
उसी धारे में मन को बहादे, हां बहादे बहादे बहादे ॥ अपने ॥

स्वरलिपि☞

×			०			×			०		
										गग	म
										अप	ने
ध	ध	ध	ध	पप	म	म	–	ध	–	ग	म
म	स्तों	को	बे	खुद	ब	ना	ऽ	दे	ऽ	हां	पि
ध	प	म	र	गम	ग	र	–	स	–	प	ध
ला	दे	पि	ला	देऽ	पि	ला	ऽ	दे	ऽ	मे	रे
नन	न	सं	संसं	सं	सं	न	ध	प	ध	प	ध
सुप	नों	की	दुनि	यां	के	बा	सी	ऽ	ऽ	ते	रे
न	न	सं	संसं	सं	सं	न	ध	प	ध	प	ध
दर	शन	की	अंखि	यां	हैं	प्या	सी	ऽ	ऽ	मे	रे
नन	न	सं	संसं	रं	सं	न	–	सं	–	पप	ध
सुप	नों	की	दुनि	यां	के	बा	ऽ	सी	ऽ	उन	को
सं	न	ध	प	म	ग	म	–	ध	–	ग	म
थो	ड़ा	सा	अम्	रत	पि	ला	ऽ	दे	ऽ	हां	पि

×			०			×			०		
ध	प	म	र	गम	ग	र	–	स	–	ग	म
ला	दे	पि	ला	देऽ	पि	ला	ऽ	दे	ऽ	*	*
ध	ध	ध	ध	प	म	म	–	ध	–	सं	सं
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	मे	रे
न	न	ध	ध	प	म	प	न	ध	–	प	ध
जी	वन	ब	ग़ी	चे	में	आ	ऽ	जा	ऽ	औ	र
म	प	म	ग	स	र	ग	–	म	–	ग	म
उज	ड़ी	ब	हा	रें	ब	सा	ऽ	जा	ऽ	हंस	के
धध	ध	ध	पप	म	ग	म	-	ध	–	ग	म
मुर	झा	ई	कलि	यां	खि	ला	ऽ	दे	ऽ	हाँ	खि
ध	प	म	र	गम	ग	र	–	स	–	ग	म
ला	दे	खि	ला	देऽ	खि	ला	ऽ	दे	ऽ	*	*
ध	ध	ध	ध	प	म	म	-	ध	–	मम	म
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	जिस	न
न	ध	प	म	म	प	ग	–	म	गर	मम	म
दी	का	हो	आ	शा	कि	ना	ऽ	रा	ऽऽ	बह	*

×			०			×			०		
न	न	न	न	सं	सं	ध	–	न	पध	मम	म
ही	हो	ज	हां	प्रे	म	धा	ऽ	रा	ऽऽ	जिस	न
न	ध	प	म	म	प	ग	–	म	गर	ग	म
दी	का	हो	आ	शा	कि	ना	ऽ	रा	ऽऽ	उ	सी
ध	ध	ध	ध	प	म	म	–	ध	–	ग	म
धा	रे	में	मन	को	ब	हा	ऽ	दे	ऽ	हां	ब
ध	प	म	र	गम	ग	र	–	स	–	गग	म
हा	दे	ब	हा	देऽ	ब	हा	ऽ	दे	ऽ	अप	ने

मस्तों को ·· ।

17—N.P.K.

जागो सजनियां जागो··········!

न्यू-थियेटर्स फिल्म "धरतीमाता"	: तीनताल और धुमाली :	गायिका 'उमा'

जागो सजनियां जागो नवयुग आया ।
बीत गई सब बात पुरानी, नया ज़माना नई कहानी ।
नई डगरिया नई खबरिया ॥ सजनियां················ ॥
नये-नये नैन की नई नज़रिया ॥ सजनियां·········· ·· ॥
नई आशा ने, नये गुलों ने, एक नया संसार बनाया ॥

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक (तीनताल मध्यलय)

+				२				०				३			
न	सं	न	सं	–	नन	प	न	प	मम	–	प	म	गर	स	र
ग	–	म	–	म	–	म	–	म	–	म	–	म	–	प	ध
न	सं	न	सं	–	नन	प	न	प	मम	–	प	म	गर	स	र
ग	–	म	–	–	–	–	–	–	र	म	प	ध	–	–	–
स	र	म	प	ध	मम	–	ध	प	मम	–	प	म	गर	स	र
ग	–	म	–	–	–	–	–	–	र	म	प	ध	–	–	–
स	र	म	प	ध	मम	–	ध	प	मम	–	प	म	गर	स	र
ग	–	म	–	म	–	म	–	म	–	म	–	म	–	प	ध
न	सं	न	सं	–	नन	प	न	प	मम	–	प	म	गर	स	र
ग	–	म	–	–	–	–	–	म	प	ध	न	सं	– सं	– धन	– सं
सं	– धन	– सं	– धन	सं	– धन	– सं	– धन	म	प	ध	न	सं	–	–	–
–	–	–	गं	सं	–	–	–	–	सं	रं	गं	सं	–	–	गं
रंगं	संरं	न	ध	प	म	ग	र	स	–	–	–	स	–	प	ध
न	सं	न	सं	–	नन	प	न	प	मम	–	प	म	गर	स	र
ग	–	म	–	–	–	–	–								

नोट—छोटे टाइप में जो स्वर "धन सं···" दिये गये हैं, वह कम्पलीमेंट-म्यूज़िक अर्थात् सहायक सङ्गीत कहलाता है, मतलब यह है कि कुछ बाजों से 'सं – – –' की ध्वनि निकल रही हैं तो साथ ही साथ कुछ साज़ 'धन सं धन सं' बोल रहे हैं।

अब ताल धुमाली में गाना शुरू—

+				२				+				३			
धऩ्	स	–	स	र	ग	र	–	ध़स	रग	र	–	–	–	–	–
जा	गो	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ	जा	ऽ	गो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	रप	प	प	म	प	म	प	रम	रम	पध	प	म	ग	र	स
ऽ	नव	यु	ग	आ	ऽ	या	ऽ	आ	या	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ
धऩ्	स	–	स	र	ग	र	–	ध़स	रग	र	–	–	–	–	–
जा	गो	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ	जा	ऽ	गो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	म	–	ग	र	–	–	–	प	-प	म	ध	प	–	प	ध
बी	त	ऽ	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ	बी	ऽत	ऽ	ग	ई	ऽ	स	ब
न	न	–	न	सं	–	नसं	रं	न	-ध	प	ध	प	ध	प	ध
बा	त	ऽ	पु	रा	ऽ	नी	ऽ	बी	ऽत	ऽ	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ
म	म	–	ग	र	–	–	–	ध	-प	म	ध	प	–	प	ध
बी	त	ऽ	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ	बी	ऽ	त	ग	ई	ऽ	स	ब
न	–	न	न	सं	–	नसं	रं	न	न	–	न	न	प	पनसंरं	संरं
बा	ऽ	त	पु	रा	ऽ	नी	ऽ	न	या	ऽ	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ
*	न	न	न	धसं	नध	प	–	म	म	–	प	न	न	सं	–
*	न	ई	क	हा	ऽ	नी	ऽ	न	ई	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ

+				२				०				३			
-	-	-	-	-	ध	प	-	र	म	र	प	म	ग	र	स
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ई	ऽ	ख़	ब	रि	या	ऽ
र	ग	म	प	-	-	-	-	स	र	-	ग	र	ग	र	ग
स	ज	नि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	ये	ऽ	न	ये	नै	न	की
म	प	-	ध	प	म	ग	र	र	ग	म	प	-	-	-	-
न	ई	ऽ	न	ज	रि	या	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	रं	-	सं	रं	-	न	ध	ध	म	-	ध	पध	न	ध	-
न	ई	ऽ	आ	शा	ऽ	ने	ऽ	न	ये	ऽ	गु	लों	ऽ	ने	ऽ
-	-	-	-	-	-	ध	न	प	धन	-	ध	प	म	-	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ए	क	न	या	ऽ	स	न	सा	ऽ	रव
मग	-	र	-	स	र	ग	म	-	-	ध	न	प	ध	न	ध
सा	ऽ	या	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ	ऽ	ए	क	न	या	ऽ	स
प	म	-	प	मग-	-	र	-	स	र	ग	म	-	-	-	-
न	सा	ऽ	रव	सा	ऽ	या	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	प	प	प	म	प	म	प	रम	रम	पध	प	म	ग	र	स
न	व	यु	ग	आ	ऽ	या	ऽ	आ	या	ऽ	स	ज	नि	यां	ऽ

ध॒न॒	स	-	स	र	ग॒	र	-	धस	रग॒	र	-	-	-	-	-
जा	गो	ऽ	स	ज	नि	थां	ऽ	जा	ऽ	गो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

18—D.I.S.

ज़िन्दगी का साज़ भी क्या....!

मिनर्वा फिल्म	ताल	गायिका
"पुकार"	कहरवा	"नसीम"

ज़िन्दगी का साज़ भी क्या साज़ है !
बज रहा है और, बे आवाज़ है ॥

कोई नग़मा है न कोई साज़ है।
एक तेरी और एक मेरी आवाज़ है ॥

लय न टूटे ज़िन्दगी के साज़ की।
ज़िन्दगी आवाज़ ही आवाज़ है ॥

(ठेका बन्द रहेगा)

सं	-	न॒	नसं	रं	सं	-	-	न॒	-	ध	प	ध	प	म	-	म	-	प	-	न॒
ज़ि	ऽ	न्द	गीऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ज़	भी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	सा	ऽ	ज़

ध	-	प	-	-	-	-	स	स	र	ग॒	-	म	-	प	ध॒	प	म	-	ग॒स
है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	ज	र	हा	ऽ	है	ऽ	औ	र	बे	ऽ	ऽ	आऽ

र	-	र	-	ग॒	म	-	स	-	-	-	सं	-	पध	संरं	ग॒रं	संध
ऽ	ऽ	वा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*

पध॒	पम	रग॒	रस	-	-
*	*	*	*	*	*

अब ठेका शुरू हुआ (कहरवा)

+				।				+				।			
*	र	-	ग	र	ग	स	र	प	-	-	प	प	ध	पध	संगं
*	को	ऽ	ई	न	ग़	मा	ऽ	है	ऽ	ऽ	न	को	ऽ	ईऽ	ऽऽ
रं	सं	-	रं	सं	ध	सं	-	-	प	र	ग	र	ग	स	र
ऽ	सा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को	ऽ	ई	न	ग़	मा	ऽ
प	-	-	प	प	ध	पध	संगं	रं	सं	-	रं	सं	ध	सं	-
है	ऽ	ऽ	न	को	ऽ	ईऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ
-	रं	-रं	सं	न	ध	प	-प	न	पप	प	ग	र	ग	स	र
*	ए	ऽक	ते	री	ऽ	औ	ऽर	ए	ऽक	मे	री	ऽ	आ	ऽ	ऽ
र	-	ग	म	-	स	-	-	*	सं	-	न	नसं	रं	सं	प
वा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	ज़ि	ऽ	न्द	गीऽ	ऽ	का	ऽ
प	-	न	पध	नसं	नध	पम	म	प	-	ध	न	प	-	-	-
सा	ऽ	ज़	भीऽ	ऽऽ	क्याऽ	ऽऽ	ऽ	सा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	स	स	र	ग	-	म	-	प	ध	प	म	ग	र	स	र
*	ब	ज	र	हा	ऽ	है	ऽ	औ	ऽ	र	बे	ऽ	आ	ऽ	ऽ
र	-	ग	म	-	स	-	-	*	ग	-	प	ग	स	प	-
वा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	लै	ऽ	न	टू	ऽ	टे	ऽ

+				।				+				।			
-	न	-	सं	न	ध	प	म	-	प	-	न	ध	-	प	-
ऽ	ज़ि	ऽ	न्द	गी	ऽ	के	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ज़	की	ऽ	ऽ	ऽ
-	प	-	ध	ध	रं	रं	-	सं	-	न	ध	प	ग	र	-
ऽ	ज़िं	ऽ	द	गी	ऽ	आ	ऽ	वा	ऽ	ज़	ही	ऽ	आ	ऽ	ऽ
र	-	ग	म	-	स	-	-	*	प	-	ध	प	ध	सं	-
वा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	ज़ि	ऽ	न्द	गी	ऽ	का	ऽ
-	सं	रं	सं	न	ध	प	म	-	प	-	न	ध	-	प	-
ऽ	सा	ऽ	ज़	भी	ऽ	क्या	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ज़	है	ऽ	ऽ	ऽ

ज़िन्दगी आवाज़…………

19—N. P. K. 4—40

झुकि आई रे बदरिया सावन की !

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म "भावी"	ताल कहरवा	गायिका रेणुकादेवी

झुकि आई रे बदरिया सावन की।
सावन की मन भावन की। झुकि आई रे बदरिया सावन की।
सुन रे हठी पपीहा पापी, पी को नाम न ले …………।
सुन पावे कोई विरहा की मारी, पी कारन जी दे………… ॥
ये दोऊ नैना कह्यो न माने, नदिया बहे जैसे सावन की।
कोई जाय कहो पिया आवन की ॥ झुकि आई०………… ॥

×				।				×				।			
ग	म	र	स	ऩ	र	स	-	गम	रग	म	प	गम	रग	गम	प
आ	ई	रे	ब	द	रि	या	ऽ	साऽ	ऽऽ	व	न	कीऽ	ऽऽ	झुऽ	कि

ग	म	र	स	ऩ	र	स	-	गम	रग	म	प	मग	र	-	-
आ	ई	रे	ब	द	रि	या	ऽ	साऽ	ऽऽ	व	न	कीऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	म	प	म	प	-	म	प	ध	सं	ध	प	मग	र	गम	प
सा	ऽ	व	न	की	ऽ	म	न	भा	ऽ	व	न	कीऽ	ऽ	झुऽ	कि

आई रे बदरिया सावन की..................।

अन्तरा—

×				।				×				।			
प	प	प	प	न	ध	न	सं	सं	सं	सं	-	न	रं	सं	-
न	न्हीं	न	न्हीं	बुं	दि	याँ	ऽ	मे	ह	रा	ऽ	ब	र	से	ऽ
न	-	न	न	न	सं	सं	-	ध	न	न	सं	ध	-	प	प
पा	ऽ	पि	प	पी	ऽ	हा	ऽ	रा	ऽ	र	क	रे	ऽ	आ	ली
र	म	प	म	प	-	म	प	ध	सं	ध	प	मग	र	गम	प
जा	ऽ	ये	क	हो	ऽ	पि	या	आ	ऽ	व	न	कीऽ	ऽ	झुऽ	कि

आई रे बदरिया सावन की...........।

र	म	प	म	प	प	म	प	ध	न̲	ध	प	ग	प	म	-
सु	न	रे	ऽ	ह	ठी	ऽ	प	पी	ऽ	हा	ऽ	पा	ऽ	पी	ऽ
ग	-	स	-	र	-	ग	प	म	-	-	-	-	-	-	-
पी	ऽ	को	ऽ	ना	ऽ	म	न	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

र	म	प	म	प	–	म	प	ध	न	ध	प	ग	प	म	–
सु	न	पा	ऽ	वे	ऽ	को	ई	वि	र	हा	की	मा	ऽ	री	ऽ
ग	–	स	–	र	र	ग	प	म	–	–	–	–	–	–	–
पी	ऽ	का	ऽ	र	न	जी	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	प	न	ध	न	सं	सं	सं	–	सं	न	रं	सं	–
रे	ऽ	दो	ऊ	नै	ऽ	ना	ऽ	क	ह्यो	ऽ	न	मा	ऽ	ने	ऽ
न	न	न	–	न	सं	सं	सं	ध	न	न	सं	ध	–	प	प
न	दि	या	ऽ	ब	हे	जै	से	सा	ऽ	व	न	की	ऽ	को	ई
र	म	प	म	प	–	म	प	ध	सं	ध	प	मग	र	गम	प
जा	ऽ	य	क	हो	ऽ	पि	या	आ	ऽ	व	न	कीऽ	ऽ	झुऽ	कि

आई रे बदरिया सावन की ········ ·················· 20- C. P. K. 7-40

गीत सुनो वह गीत सैयाँ····।

मिनर्वा मोवीटोन	ताल	गायिका
फिल्म "पुकार"	कहरवा	"शीला"

गीत सुनो वह गीत सैंया, जो हम सब के होश उड़ादे।
रस और मद के स्रोत बहादे। गीत सुनो वह गीत सैंया॥
जो जीवन में आग लगादे। जो सुपनों का मेह बरसादे॥
गीत सुनो········ ·········॥
जो गाते हैं हम रे भगवन। है यह काया जिसके कारन॥
गीत सुनो········ ···· ·······॥
समझे, क्या समझे! समझाओ। समझ गये अब तुमही गाओ॥

+				।				+				।			
*	ध	ध	सं	धन	धप	मग	रस	प	–	–	म	मप	–	मप	ध
*	गी	त	सु	नोऽ	ऽऽ	वोऽ	ऽऽ	गी	ऽ	ऽ	त	सैंऽ	ऽ	यांऽ	ऽ
*	ध	प	ध	म	ग	स	ग	र	–	–	–	ध़	स	ध़	स
*	गी	त	सु	नो	ऽ	वो	ऽ	गी	ऽ	ऽ	त	सैं	ऽ	यां	ऽ
*	म	म	म	ग	ग	र	स	*	र	म	प	मप	धन	ध	प
*	जो	ह	म	स	ब	के	ऽ	*	हो	श	उ	ड़ाऽ	ऽऽ	दे	ऽ
ध	म	म	म	ग	ग	र	स	*	र	म	प	मप	धन	ध	प
ऽ	जो	ह	म	स	ब	के	ऽ	*	हो	श	उ	ड़ाऽ	ऽऽ	दे	ऽ
न	न	न	न	न	सं	न	सं	*	न	ध	म	मप	धन	ध	प
ऽ	रस	औ	र	म	द	के	ऽ	*	सो	त	ब	हाऽ	ऽऽ	दे	ऽ
*	ध	ध	सं	धन	धप	मग	रस	प	–	–	म	मप	–	मप	ध
*	गी	त	सु	नोऽ	ऽऽ	वोऽ	ऽऽ	गी	ऽ	ऽ	त	सैंऽ	ऽ	यांऽ	ऽ
*	ध	प	ध	म	ग	स	ग	र	–	–	–	ध़	स	ध़	स
*	गी	त	सु	नो	ऽ	वो	ऽ	गी	ऽ	ऽ	त	*	*	*	*
*	प	-	प	प	ध	प	–	*	प	प	प	ध	रं	सं	–
*	जो	ऽ	जी	व	न	में	ऽ	*	आ	ग	ल	गा	ऽ	दे	ऽ

*	रं	–	रं	सं	–	ध	म	प	–	प	प	मप	–	मप	ध
*	जो	ऽ	सप	नों	ऽ	का	ऽ	में	ऽ	ह	बर	साऽ	ऽ	देऽ	ऽ

गीत सुनो.................................।

*	प	–	प	प	ध	म	–	*	प	प	प	ध	रं	सं	सं
*	जो	ऽ	गा	ते	ऽ	हैं	ऽ	*	ह	म	रे	भ	ग	व	न्
*	रं	–	रं	सं	–	ध	म	प	–	प	म	मप	–	पध	सं
*	है	ऽ	ये	का	ऽ	या	ऽ	जि	ऽ	स	के	काऽ	ऽ	रऽ	ऽन्
*	ध	ध	सं	धनु	धप	मग	रस	प	–	–	म	मप	–	मप	ध
*	गी	त	सु	नोऽ	ऽऽ	वोऽ	ऽऽ	गी	ऽ	ऽ	त	सँऽ	ऽ	यांऽ	ऽ
*	ध	प	ध	म	ग	स	ग	र	–	–	–	(बाजा बन्द)			
*	गी	त	सु	नो	ऽ	वो	ऽ	गी	ऽ	ऽ	त	सम	झे	*	*
								स	र	म	म	प	–	ध	ध
क्या सम झे सम				झा	वो	*	*	स	म	झ	ग	ये	ऽ	अ	ब
सं	सं	संरं	गं	–	रं	गं	–	सं	–	–	–	–	–	–	–
तु	म	हींऽ	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

भैया तोरे छोटे, ननदी........!

प्रकाश पिक्चर्स	ताल	गायिका
फिल्म "बिजली"	कहरवा	*

भैया तोरे छोटे, ननदी काहे करूँ सिंगार।
सोलह बरस की मोरी उमरिया, बारो है बर साथ॥
हां मैं काहे करूँ सिंगार ॥ ननदी काहे.......... ॥
मोसे बोले गोद में ले ले, करले मो को प्यार।
रस की रीत न जाने रसिया, बीती जाये बहार॥
हां मैं काहे करूं सिंगार, ननदी काहे.......... ॥
सेज चढ़त मोरी पायल बाजे, छुम छुम छुम छुंकार।
हमरे बलमा डर के भागे, अङ्ग लगे अङ्गार........ ॥
हां मैं काहे करूं सिंगार, ननदी काहे.......... ॥

+				।				+				।			
*	स	न्	–	स	न्	–	–	*	स	र	र	स	र	स	न्
*	भै	या	ऽ	तो	रे	ऽ	ऽ	*	छो	ऽ	टे	न	न	दी	ऽ
*	स	र	प	म	र	स	न्	स	–	–	–	सर	गर	स	न्
*	का	हे	क	रू	ऽ	सिं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	हांऽ	ऽऽ	मैं	ऽ
*	स	र	प	म	र	स	न्	स	–	–	–	रम	पध	पम	रस
*	का	हे	क	रू	ऽ	सिं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	र	*	*	*	*
स	र	र	म	म	म	म	–	र	म	म	प	प	ध	पम	प
*	सो	ले	ब	र	स	की	ऽ	ऽ	मो	री	उ	म	रि	याऽ	ऽ
प	र	–	र	ग	र	स	न्	स	–	–	–	सर	गर	स	न्
ऽ	बा	ऽ	रो	है	ऽ	ब	र	सा	ऽ	ऽ	थ	हांऽ	ऽऽ	मैं	ऽ

*	स	र	प	म	र	स	ऩ	स	-	-	-	रम	पध	पम	रस
*	का	हे	क	रूं	ऽ	सिं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	र	*	*	*	*
स	ऩ	-	ऩ	ऩ	-	ऩ	-	*	ऩ	ऩ	स	ऩस	र	स	ऩ
*	मो	ऽ	से	बो	ऽ	ले	ऽ	*	गो	द	में	लेऽ	ऽ	ले	ऽ
*	सस	र	-	सर	ग॒र	स	ऩ	स	-	-	-	सर	म	रम	प
*	कर	ले	ऽ	मोऽ	ऽऽ	कों	ऽ	प्या	ऽ	ऽ	र	*	*	*	*
*	ऩ	-	ऩ	ऩ	-	ऩ	-	*	ऩ	ऩ	स	ऩस	र	स	ऩ
*	मो	ऽ	से	बो	ऽ	ले	ऽ	*	गो	द	में	लेऽ	ऽ	ले	ऽ
*	सस	र	-	सर	ग॒र	स	ऩ	स	-	-	-	रम	पध	पम	रस
*	कर	ले	ऽ	मोऽ	ऽऽ	कों	ऽ	प्या	ऽ	ऽ	र	*	*	*	*
स	र	म	म	म	-	म	म	र	र	म	प	प	ध	पम	प
*	र	स	की	री	ऽ	त	न	ऽ	जा	ने	ऽ	र	सि	याऽ	ऽ
प	र	-	र	ग॒	र	स	ऩ	स	-	-	-	सर	ग॒र	स	ऩ
ऽ	बी	ऽ	ती	जा	ऽ	य	ब	हा	ऽ	ऽ	र	हांऽ	ऽऽ	मैं	ऽ
*	स	र	प	म	र	स	ऩ	स	-	-	-	र	प	प	-
*	का	हे	क	रूं	ऽ	सिं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	र	न	न	दी	ऽ

22—N.P.K.

—*—

तेग़े क़ातिल पै अदा लोट गई !

वाडिया मोवीटोन फिल्म		ताल		गायक
"हिन्द का लाल"		दादरा		"ऐहमद दिलावर"

तेग़े क़ातिल पै अदा लोट गई।
रफ़्ते बिस्मिल पै कज़ा लोटगई॥
हँस दिये आपतो, बिजली तड़की।
बाल खोले तो घटा लोटगई। लोटगई २॥
पिसगया चश्मे सियाह पर सुरमा।
पाये रंगी पै हिना लोटगई। लोटगई २॥
ऊँची चोटी के अदा, गिर्द फिरी।
नीची नज़रों से हया लोटगई। लोटगई, लोटगई, लोटगई।

+			०			+			०		
		र	र	म	प	ध	ध	ध	ध	प	-
		ते	गे	का	ऽ	ति	ल	पै	अ	दा	ऽ
म	-	प	प	प	-	प	-	र	र	म	प
लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ	*	*	र	फ़्ते	बि	स
ध	ध	ध	ध	प	-	म	-	प	प	प	-
मि	ल	पै	क	ज़ा	ऽ	लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ
प	-	सं	सं	सं	-	न	-	न	ध	ध	ध
*	*	हंस	दि	ये	ऽ	आ	ऽ	प	तो	बि	ज

प	–	–	प	ध	–	–	–	म	–म	म	प
ली	ऽ	ऽ	तड़	की	ऽ	*	*	बा	ऽल	खो	ऽ
ध	ध	–	ध	प	–	म	–	प	प	प	–
ले	तो	ऽ	घ	टा	ऽ	लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ
–	–	म	–म	म	प	ध	ध	–	ध	प	–
*	*	बा	ऽल	खो	ऽ	ले	तो	ऽ	घ	टा	ऽ
म	–	प	प	प	सं	सं	–	सं	सं	न	–
लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ	लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ
न॒	–	न॒	न॒	ध	–	म	–	प	प	प	–
लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ	लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ
प	म	र	र	म	प	ध	ध	ध	ध	प	–
*	*	ते	ग़े	का	ऽ	ति	ल	पै	अ	दा	ऽ
म	–	प	प	प	–						
लो	ऽ	ट	ग	ई	ऽ					23—N. P. K.	

—o—

राजा बिट्ठुआ मेरा मिठुआ !

बौम्बे टाकीज़	● ●	ताल	● ●	गायिका
फ़िल्म "आज़ाद"	● ●	कहरवा	● ●	"लीला चिटनीस"

राजा बिट्ठुआ, मेरा मिठुआ ।
मीठी बोली बोले ॥ राजा बिट्ठुआ............॥
किसने राजा तुम्हें बनाया ॥
किसने मीठा बोल सिखाया ।
जब चौके में बैठ बनाऊं, मैं चीजें अच्छी अच्छी ।
तुम बाबू का जी बहलाओ, कर बातें मीठी मीठी ॥
माँ को इकली छोड़ काम पर जब जाते हैं बाबू जी ।
बात बना के, माँ का सब दुख, दूर भगाते बिट्टू जी ॥
राजा बिट्ठुआ............॥

+				।				+				।			
ग	प	न	ध	न	सं	रं	सं	न	-	प	-	-	-	-	-
मी	ऽ	ठी	ऽ	बो	ऽ	ली	ऽ	बो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ग	प	प	सं	न	ध	प	-	ग	प	प	सं	न	ध	प	-
रा	ऽ	जा	ऽ	बि	ट्ठु	आ	ऽ	मे	ऽ	रा	ऽ	मि	ठु	आ	ऽ
ग	प	न	ध	न	सं	रं	सं	न	-	प	-	-	-	-	-
मी	ऽ	ठी	ऽ	बो	ऽ	ली	ऽ	बो	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ग	र	स	-	स	-	स	-	स	स	ग	र	ग	-	रग	प
कि	स	ने	ऽ	रा	ऽ	जा	ऽ	तु	म्हें	ऽ	ब	ना	ऽ	याऽ	ऽ
ग	र	स	-	स	-	स	प़	स	ग	ग	प	प	-	प	ग
कि	स	ने	ऽ	मी	ऽ	ठा	ऽ	बो	ऽ	ल	सि	खा	ऽ	या	ऽ

+				।				+				।			
प	प	सं	–	सं	–	सं	–	न	–	प	प	प	सं	न	–
ज	ब	चौं	ऽ	के	ऽ	में	ऽ	बै	ऽ	ठ	ब	ना	ऽ	ऊं	ऽ
न	रं	सं	न	प	–	ग	प	न	प	ग	प	ग	र	स	–
मैं	ऽ	बी	ऽ	ज़ें	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ऽ	च्छी	ऽ	अ	ऽ	च्छी	ऽ
ग	प	सं	–	सं	–	सं	–	सं	–	न	प	प	सं	न	–
तु	म	बा	ऽ	बू	ऽ	का	ऽ	जी	ऽ	ब	ह	ला	ऽ	ओ	ऽ
न	रं	सं	न	प	–	ग	प	ग	–	ग	र	स	–	–	–
क	र	बा	ऽ	तैं	ऽ	मी	ऽ	ठी	ऽ	मी	ऽ	ठी	ऽ	ऽ	ऽ
स	ऩ	प़	–	स	स	स	ग	प	–	ग	प	ग	र	स	स
मां	ऽ	को	ऽ	इ	क	ला	ऽ	छो	ऽ	ड़	का	ऽ	म	प	र
ग	प	ग	प	ग	प	न	न	न	रं	सं	–	न	–	–	–
जा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	ज	ब	बा	ऽ	बू	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ
स	प़	प़	स	स	–	ग	ग	प	ग	ग	प	ग	र	स	स
बा	ऽ	त	ब	ना	ऽ	क	र	मां	ऽ	का	ऽ	स	ब	दु	ख
ग	प	प	प	ग	प	न	–			सं	–	न	–	–	–
दू	ऽ	र	भ	गा	ऽ	ते	ऽ	बि	ऽ	ट्टू	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ

न	रं	सं	-	न	-	-	-
वि	ऽ	ह्	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ

24— N. P. K

मैं तो आरती उतारूं........!

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म	ताल	गायिका
'कङ्गन"	दादरा और कहरवा	लीला चिटनीस और प्रदीप

मैं तो आरती उतारूं राधेश्याम की रे।
राधेश्याम की रे, मुक्ती धाम की रे॥
हृदय के कपाट खोल, भक्ति के तले हिन्डोल।
मधुर नाम बोल-बोल, मैं तो चरण छबि निहारूं राधेश्याम की रे॥
लला के चरण पखार, लली के बसन सँवार, नमन करूं बारबार।
युगल मूर्ति मैं सजाऊँ राधेश्याम की रे॥ मैं तो आरती.........॥

(ताल दादरा)

o			×			o			×		
ध	ध	-	प	-	म	ग	-	स	र	-	ग
मैं	तो	ऽ	आ	ऽ	र	ती	ऽ	उ	ता	ऽ	रूं
ग	ध	-	प	-	म	ग	र	ग	स	-	-
रा	धे	ऽ	श्या	ऽ	म	की	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
ग	ग	-	ध	-	ध	ध	न॒	ध	प	ध	-
रा	धे	ऽ	श्या	ऽ	म	की	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ

०			×			०			×		
प	म	प	ग	–	म	प	ध	न॒	प	–	–
मु	ऽ	की	धा	ऽ	म	की	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ

मैं तो आरती उतारूं .... ।

प	प	प	ध	–	सं	सं	–	सं	न	–	न
ह	द	य	के	ऽ	क	पा	ऽ	ट	खो	ऽ	ल
ध	–	प	ध	रें	सं	सं	–	सं	न	–	न
भ	ऽ	क्ति	के	ऽ	त	ले	ऽ	हिं	डो	ऽ	ल
प	ध	न॒	_	–	न॒	ध	–	म	ध	–	प
म	धु	र	ना	ऽ	म	बो	ऽ	ल	बो	ऽ	ल
ग	ध	ध	प	ध	प	म	म	ग	स	–	र
मैं	ऽ	तो	च	र	ण	छ	बि	नि	हा	ऽ	रूं
ग	ध	–	प	–	म	ग	र	ग	स	–	–
रा	धे	ऽ	श्या	ऽ	म	की	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
प	प	–	ध	सं	सं	सं	गं	गं	सं	–	सं
ल	ला	ऽ	के	ऽ	च	र	न	प	खा	ऽ	र
सं	सं	–	न	ध	प	ध	सं	सं	न	–	प
ल	ली	ऽ	के	ऽ	ब	स	न	सं	वा	ऽ	र

प	ध	न̲	न̲	न̲	–	ध	–	म	ध	–	प
न	म	न	क	रूं	ऽ	बा	ऽ	र	वा	ऽ	र
ग	ध	ध	प	ध	प	म	–	ग	स	–	रे
यु	ग	ल	मू	ऽ	तिं	मैं	ऽ	स	जा	ऽ	ऊं
ग	ध	–	प	–	म	ग	रे	ग	स	–	–
रा	धे	ऽ	श्या	ऽ	म	की	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ

यहां से ताल कहरवा (द्रुत लय)

														ध	ध
														मैं	तो
०				+				०				×			
पध	मप	ग	स	रे	ग	म	ध	प	-म	गम	रग	स	–	ग	गम
आऽ	ऽर	ती	उ	ता	रूं	रा	धे	श्या	ऽम	कीऽ	ऽऽ	रे	ऽ	रा	धेऽ
ध	-ध	ध	धन̲	धन̲	प	–	प	ग	-म	पध	न̲ध	प	–	ग	म
श्या	ऽम	की	रे	ऽऽ	मु	ऽ	क्ति	धा	ऽम	कीऽ	ऽऽ	रे	ऽ	रा	धे
ध	-ध	धन̲	धन̲	धन̲	धप	प	प	ग	-म	पध	न̲ध	प	–		
श्या	ऽम	कीऽ	ऽऽ	रेऽ	ऽऽ	रा	धे	श्या	ऽम	कीऽ	ऽऽ	रे	ऽ		

फिर उसी तरह से ताल दादरा में आजाइये।

जोगी नैना मिलाना रे........!

हंस पिक्चर्स फ़िल्म	ताल	शब्दकार
"घर की रानी"	दादरा	"पं० इन्द्र"

जोगी नैना मिलाना रे, अरे बालमा ॥
हमरे अङ्ग में चम्पा चमेली अरे बालमा ।
काहे कांटे बिछाना रे, अरे बालमा ॥
हाँ कन्त मेरे गुनवन्त बसन्त की बेला ।
मेरे अङ्ग अंग आया अनङ्ग अलबेला ॥
जोगी रंग मनाना रे, अरे बालमा ॥
पूरब जनम की प्रीत अपनी अरे बालमा ।
जोगी उसको निभाना रे, अरे बालमा ॥

बिना ताल

स	–	–	–	ध़	प़	–	–	*
जो	ऽ	ऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ	*

ठेका शुरू, दादरा

+			०			+			०		
र	ग	–	रग	म	–	ग	म	ग	र	ग	र
नै	ऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मि	ला	ऽ	ना
स	ऩ	–	–	–	स	र	–	–	र	ग	र
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल
स	–	–	–	–	–	र	ग	–	रग	म	गम
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नै	ऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	ऽऽ

ग	रग	र	स	ऩ	–	प	–	प	–	–	प
मि	लाऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	नै	ऽ	ना	ऽ	ऽ	मि
पध	पध	म	ग	र	–	प	न	–	न	–	न
लाऽ	ऽऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	नै	ऽ	ऽ	ना	ऽ	मि
न	सं	न	सं	–	–	प	प	न	सं	–	रं
ला	ऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	ऽ	अ	रे	बा	ऽ	ल
नन	धप	नन	धप	–	प	धप	ध	–	म	–	म
माऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	अ	रेऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल
पम	गर	मग	र	ऩ	स	र	ग	–	रग	म	–
माऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	जो	गी	नै	ऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	ऽ
ग	म	ग	र	ग	र	स	ऩ	–	–	–	स
ऽ	ऽ	मि	ला	ऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ
र	–	–	र	ग	र	स	–	–	–	–	–
रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	ग	र	म	–	–	प	--	प	प	–	–
ह	म	ऽ	रे	ऽ	ऽ	अं	ऽ	ग	में	ऽ	ऽ

–	–	–	–	–	–	–	म	–	प	–	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	च	ऽ	म्पा	ऽ	च
प	–	–	प	–	प	धप	मप	नसं	सं	–	–
मे	ऽ	ऽ	ली	ऽ	अ	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प	ध	–	–	–	–	म	म	–	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल
पम	गर	मग	र	–	पम	र	–	–	*	ऩ	स
माऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	का	हे
र	ग	–	रग	म	–	ग	म	ग	र	ग	र
कां	ऽ	ऽ	टेऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बि	छा	ऽ	ना
स	ऩ	–	–	–	स	र	–	–	र	ग	र
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल
स	–	–	–	–	गम	प	–	प	प	पध	न
मा	ऽ	ऽ	*	*	होंऽ	कं	ऽ	त	मे	रेऽ	ऽ
न	रं	सं	–	सं	सं	न	–	ध	प	ध	न
गु	न	वं	ऽ	त	ब	सं	ऽ	त	की	बे	ऽ

प	न̲	ध	प	*	गम	प	–	प	प	पध	न
ला	ऽ	ऽ	ऽ	*	हौंऽ	कं	ऽ	त	मे	रेऽ	ऽ
न	रं	सं	–	सं	सं	न	–	ध	प	ध	न
गु	न	वं	ऽ	त	ब	सं	ऽ	त	की	बे	ऽ
प	–	–	–	–	न̲न̲	न̲	–	न̲	न̲	–	न̲
ला	ऽ	*	*	*	मेरे	अं	ऽ	ग	अं	ऽ	ग
ध	–	प	ध	–	म	ग	–	र	सर	र	ग
आ	ऽ	था	ऽ	ऽ	अ	नं	ऽ	ग	अल	बे	ऽ
र	–	–	–	ऩ	स	र	ग	–	रग	म	–
ला	ऽ	*	*	जो	गी	रं	ऽ	ऽ	गऽ	ऽ	ऽ
ग	म	ग	र	ग	र	स	ऩ	–	–	–	स
ऽ	ऽ	म	ना	ऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ
र	–	–	र	ग	र	स	–	–	–	–	–
रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	न	–	न	–	न	न	सं	न	सं	–	–
पू	र	ऽ	ब	ऽ	ज	न	ऽ	म	की	ऽ	ऽ

+			०			+			०		
–	–	–	पन	संरं	सं	न	न	न	ध	प	प
ऽ	ऽ	*	प्रीऽ	ऽऽ	त	अ	प	नी	ऽ	ऽ	अ
मप	धन	संध	नसं	ध	न	प	–	–	–	–	प
रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	बा	ल	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ
ध	–	–	म	–	म	पम	गर	मग	र	–	पम
रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल	माऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ
र	–	–	–	ऩ	स	र	ग	–	रग	म	–
ऽ	ऽ	*	*	जो	गी	उ	स	ऽ	कोऽ	ऽ	ऽ
ग	म	ग	र	ग	र	स	ऩ	–	–	–	स
ऽ	ऽ	नि	भा	ऽ	ना	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ
र	–	–	र	ग	र	स	–	–	–	–	म
रे	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ
प	न	–	–	–	न	–	न	–	सं	–	–
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ल	ऽ	मा	ऽ	ऽ
–	–	–	–	–	–						
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ						

क्या पछताता मूरख मन.....!

सुदामा प्रोडक्शन	ताल	गायक
फिल्म "चिनगारी"	कहरवा	"पटगांवकर"

क्या पछताता मूरख मन, जब चिड़ियां चुग गईं खेत ॥
प्रीत करी पर निभा न पाई, तेरी करनी आगे आई ।
आये राम तू पड़ा था सोया, अब क्या हुआ जो चेत ॥ जब चिड़ियां....... ॥
रो रो उमर बितानी होगी, हंस हंस मौत बुलानी होगी ।
खोय दिया तैने पाय के हीरा, अब क्या हुआ जो चेत ॥ जब चिड़ियां....... ॥

—बिना ताल—

+				।				+				।			
सं-	--	सं	सं	सं	-	सं	-	-	-	नसं	नरं	रं	-	-	-
क्याऽ	ऽ	प	छ	ता	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	न	ध	प	-	-	-	-	*	प	ध	प	म	ग	र	स
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	मू	ऽ	र	स	म	न	ज
ऩ	ध़	स	-	-	-	-	-								
ब	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

—ताल शुरू—

														स	स
														ज	ब
+				।				+				।			
स	ग	ग	-	ग	म	प	ध	प	-	-	प	गम	गर	सर	स
चि	ड़ि	यां	ऽ	चु	ग	ग	ईं	खे	ऽ	ऽ	त्	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ

+				।				+				।			
*	ग	म	ग	र	स	र	ग	र	स	-	-	-	-	-	स
*	चि	ड़ि	यां	चु	ग	ग	ईं	खे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त्
*	सर	गम	गर	स	र	स	-	*	ऩ	प़	ध़	स	स	स	स
*	क्याऽ	ऽऽ	पछ	ता	ऽ	ता	ऽ	*	मू	र	ख	म	न	ज	ब
स	ग	ग	-	ग	म	प	ध	प	-	-	प	गम	गर	सर	स
चि	ड़ि	यां	ऽ	चु	ग	ग	ईं	खे	ऽ	ऽ	त्	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
*	ग	म	ग	र	स	र	ग	र	स	-	-	-	स	-	-
*	चि	ड़ि	यां	चु	ग	ग	ईं	खे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	*	*
*	ध	ध	ध	ध	-	ध	प	*	ध	न	सं	ध	-	प	-
*	प्री	त	क	री	ऽ	प	र	ऽ	नि	भा	न	पा	ऽ	ई	ऽ
*	सं	-	सं	सं	सं	सं	-	*	नसं	रं	सं	न	ध	ध॒	ध
*	ते	ऽ	री	क	र	नी	ऽ	*	आऽ	ऽ	गे	आ	ऽ	ई	ऽ
*	सं	गं	गं	-	गं	गं	-	*	गं	गं	रं	न	रं	सं	-
*	आ	ये	रा	ऽ	म	तू	ऽ	*	प	ड़ा	था	सो	ऽ	या	ऽ
*	गं	गं	गं	-	गं	गंमं	पं	*	गं	गं	रं	न	रं	सं	-
*	आ	ये	रा	ऽ	म	तूऽ	ऽ	*	प	ड़ा	था	सो	ऽ	या	ऽ

सं	गं	रं	-	सं	न	ध	प	पध	नसं	नध	पम	गर	सस	स	स
अ	ब	क्या	ऽ	हु	आ	ऽ	जो	चेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽत्	ज	ब

चिड़ियां चुग गईं...............।

*	ग	-	ग	ग	ग	ग	ग	म	-	प	-	ध	प	म	-
*	रो	ऽ	रो	उ	म	र	बि	ता	ऽ	नी	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
*	धध	ध	ध	ध	-	ध	ध	ध	न	न	-	ध	प	प	म
*	हँस	हँ	स	मौ	ऽ	त	बु	ला	ऽ	नी	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
म	म	-	म	म	म	म	म	म	ध	प	ध	म	-	ग	-
ऽ	रो	ऽ	रो	उ	म	र	बि	ता	ऽ	नी	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
*	धध	ध	ध	ध	-	ध	ध	ध	न	न	-	ध	-	प	-
*	हँस	हँ	स	मौ	ऽ	त	बु	ला	ऽ	नी	ऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
*	रं	रं	रं	रं	-	रं	रं	*	सं	गं	रं	सं	ध	ध	सं
*	खो	य	दि	या	ऽ	तै	ने	*	पा	ऽ	के	ही	ऽ	रा	ऽ
सं	गं	रं	-	सं	न	ध	प	पध	नसं	नध	पम	गर	सस	स	स
अ	ब	क्या	ऽ	हु	आ	ऽ	जो	चेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽत्	ज	ब

चिड़ियां चुग गईं खेत...........।

मैं मन की बात बताऊँ·······!

न्यूथ्येटर्स फिल्म		ताल		गायक
"धरती माता"		कहरवा		सहगल और उमा

मन की बात बताऊं, मैं··············।
क्या क्या बात उठत मन मोरे, सब कहकर समझाऊं।
फूल बनूं फूलन संग महकूं, पंछी बनकर गाऊं ॥ मैं मन की······॥
परम पुनीत प्रभात बनूं मैं, जागूं और जगाऊं।
निपट सुहानी शोभा बनूं मैं जागूं और जगाऊं ॥ मैं मन की······॥
चांद बनूं आकाश सजाऊं, तारे रोज जलाऊं।
लहर बनूं पल-पल लहराऊं, बादल बन जग छाऊं ॥ मैं मन की······॥
तू बादल का रूप बने, मैं चातक रूप धराऊं।
सूखा-प्यासा खेत बनूं मैं पल-पल तुझे बुलाऊं ॥ मैं मन की······॥
मीठा गीत बनूं झरने का, नित नित सुनत सुहाऊं।
आशा का सपना बनकर मन टूटे जोड़ दिखाऊं ॥ मैं मन की······॥

+				।				+				।			
❋	म	न	की	बा	ऽ	त	ब	ता	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ
❋	स	स.	र	स	ऩ	ध़	प़	ध़	स	स	-	-	सरसऩ	-	-
ऽ	क्या	क्या	ऽ	बा	ऽ	ऽ	तउ	ठ	त	म	न	मे	ऽ	रे	ऽ
-	स	स	-	सर	-	-	र	ग	र	ग	प	म	-	ग	-
स	ब	क	ह	क	र	स	म	झा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ
ग	म	प	प	प	प	प	प	प	म	मपधप	-	-	म	ग	-
ऽ	म	न	की	बा	ऽ	त	ब	ता	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	र	ग	र	स	ऩ	ध़	प़	ध़	स	स	-	-	-	-	-

+				।				+				।			
ऽ	फू	ऽ	लब	नूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	फू	ऽ	लब	नूं	ऽ	फू	ऽ
-	प़	-	प़	प़ध़	-	-	-	-	प़	-	प़	प़ध़	-	ध़	प़
ल	न	सं	ग	म	ह	कूं	ऽ	ऽ	पं	ऽ	छी	ब	न	क	र
प़	ध़	ध़	र	स	ऩ	ध़	-	-	प़	ध़	ध़	ध़	ध़	ध़	ध़
गा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	र	म	पु	नी	ऽ	त	प्र
प़ध़	ऩस	ध़	ऩ	-	ऩ	ध़	प़	ध़	र	र	र	र	-	र	स
भा	ऽ	त	व	नूं	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	जा	ऽ	गूं	औ	ऽ	र	ज
र	म	म	म	म	ग	पम	-	-	र	ग	र	स	ऩ	ध़	प़
गा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नि	प	ट	सु	हा	ऽ	नी	ऽ
ध़	स	स	-	-	-	-	-	स	र	म॑	म॑	प	-	प	-
सो	ऽ	भा	ब	नूं	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	जा	ऽ	गूं	औ	ऽ	र	ज
प	ध	ध	प	म॑	-	प	-	-	प	ध	प	म	ग	र	स
गा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	म	न	की	बा	ऽ	त	व
र	ग	म	-	-	ग	र	-	-	र	ग	र	स	ऩ	ध़	प़
ता	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं मन की बात.............।							
ध़	स	स	-	-	-	-	-								

+				।				+				।			
ऽ	चां	ऽ	दब	नूं	ऽ	आ	ऽ	का	ऽ	श	स	जा	ऽ	ऊं	ऽ
-	स	-	र	म॑	-	म॑	-	प	-	प	ध	म॑	-	प	-
ऽ	ता	ऽ	रे	रो	ऽ	ज	ज	ला	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	प	ध	ध	प	ध	न	सं	नध	-	प	-	-	-	-	-
ल	ह	र	ब	नूं	ऽ	प	ल	प	ल	ल	ह	रा	ऽ	ऊं	ऽ
प	म॑	प	प	प	-	प	म॑	प	प	म	म	म	ग	पम	-
ऽ	बा	द	ल	ब	न	ज	ग	छा	ऽ	ऊं	ऽ	*	*	*	*
-	रग	ग	र	सा	ऩ	ऩ॒	रस	ऩ	-	ध़	स	र	ग	म॑	प
ल	ह	र	ब	नूं	ऽ	प	ल	प	ल	ल	ह	रा	ऽ	ऊं	ऽ
प	म॑	प	प	प	-	प	म॑	प	प	म	म	म	ग	पम	-
ऽ	बा	द	ल	ब	न	ज	ग	छा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	रग	ग	र	स	ऩ	ध़	प़	ध़	स	स	-	-	-	-	-
तू	ऽ	बा	ऽ	द	ल	का	ऽ	रू	ऽ	प	ब	ने	ऽ	मैं	ऽ
म॑	प	म॑प	धप	म	र	सर	मर	सऩ॒	-	ऩ॒	स	ध़	-	प़	-
ऽ	चा	त	क	रू	ऽ	प	ध	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऊं	ऽ
-	स	स	स	स	र	सऩ॒	स	पम	ग	धप	म॑	ध	न॒ध	प	-

+				।				+				।			
ऽ	सू	खा	ऽ	प्या	ऽ	ला	ऽ	ऽ	खे	त	ब	नूं	ऽ	मैं	ऽ
–	ध	–	ध	ध	–	ध	–	–	संन	न	न	ध	–	प	–
प	ल	प	ल	तु	झे	ऽ	बु	ला	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ
प	प	प	ध	प	म	–	म	मग	रस	रम	–	–	म	ग	–
ऽ	म	न	की	बा	ऽ	ल	ब	ता	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	र	ग	र	स	ऩ	ध़	प़	ध़	स	स	–	–	–	–	–
ऽ	मी	ऽ	ठा	गी	ऽ	त	ब	नूं	ऽ	झ	र	ने	ऽ	का	ऽ
–	र	ग	ग	रग	मग	र	स	ऩस	ऩध़	प़	प़	ध़	स	स	–
नि	त	नि	त	सु	न	त	सु	हा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	स	स	र	र	ग	प	म	–	ग	–	–	–	–	–
ऽ	आ	ऽ	शा	का	ऽ	स	प	ना	ऽ	ब	न	क	र	म	न
–	ग	प	प	गप	धन	सं	सं	संन	ध	प	प	पन	धन	प	प
ऽ	टू	ऽ	टे	जो	ऽ	ऽ	दुखि	खा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	प	ध	प	म	ग	र	स	र	म	म	–	–	ग	र	–

जिसे देखो वह दीवाना है....!

वाडिया मोवीटोन फिल्म		ताल		गायक
"हिन्द का लाल"		कहरवा		"ऐहमद दिलावर"

जिसे देखो वह दीवाना है।
ये दुनियां पागलखाना है॥
कोई शीरीं पर है शैदा, कोई मजनूं और कोई लैला।
कोई वामक और कोई अज़रा, कोई शमा कोई परवाना है॥
जिसे देखो वह दीवाना है॥
कोई करे बुतों की पूजा, कोई जाये मसजिद गिरजा।
यह राज़ है क्या दर परदा, नहीं किसी का कोई ठिकाना है॥
जिसे देखो वह दीवाना है॥
कोई बना है रंग रंगीला, कोई बना है छैल छबीला।
कोई बना है गुरू का चेला, आया यार ये कैसा ज़माना है॥
जिसे देखो वह दीवाना है॥

स्वरलिपि

														ऩ	स
														जि	से
+				।				+				।			
ग	-	र	-	स	-	ऩ	ध़	ऩ	-	ऩ	-	स	-	स	र
दे	ऽ	खो	ऽ	वो	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	जि	से
ग	-	र	-	स	-	ऩ	ध़	ऩ	-	ऩ	-	स	-	स	-
दे	ऽ	खो	ऽ	वो	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ

र	र	ग	–	म	–	प	प	पध	–	मप	–	ग	–	स	र
दु	नि	यां	ऽ	पा	ऽ	ग	ल	खाऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	है	ऽ	जि	से
ग	–	र	–	स	–	ऩ	ध़	ऩ	–	ऩ	–	स	–	सं	सं
दे	ऽ	खो	ऽ	वो	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	को	ई
सं	–	न	–	ध	ध	प	ध	न	–	सं	–	–	–	सं	सं
शी	ऽ	रीं	ऽ	प	र	है	ऽ	शै	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
सं	सं	न	–	ध	ध	प	ध	न	–	सं	–	–	–	सं	सं
म	ज	नूं	ऽ	औ	र	को	ई	लै	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
सं	–	न	न	ध	ध	प	ध	न	न	सं	–	–	–	सं	सं
वा	ऽ	म	क	औ	र	को	ई	अ	ज़	रा	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
सं	सं	–	न	न	–	ध	ध	पध	–	मप	–	ग	–	स	र
श	मा	ऽ	को	ई	ऽ	प	र	वाऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	है	ऽ	जि	से
ग	–	र	–	स	–	ऩ	ध़	ऩ	–	ऩ	–	स	–	स	र
दे	ऽ	खो	ऽ	वो	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	जि	से

देखो वह दीवाना है। शेष अन्तरे भी इसी प्रकार बजेंगे।

पल न लगीं अँखियां दरस भरी !

बौम्बे टाकीज़ फिल्म "आज़ाद"	जयजयवन्ती तिताला	गायिका "हंसा"

पल न लगीं अँखियां, दरस भरी ।
याद परीं बतियां जो रस भरी ॥ पल न०.........॥
मोर मुकुट की शोभा न्यारी ।
मीरा निरख निरख छबि न्यारी ॥
भूल गईं सुधियां सगरी ॥ पल न०.........॥

०				३				×				२			
*	रर	र	ग	र	स	र	ऩ	स	–	–	स	स	र	ऩ	ध़
*	पल	न	ल	गी	ऽ	अँ	खि	यां	ऽ	ऽ	द	र	स	भ	री
र	रर	र	ग	र	स	र	ऩ	स	–	–	स	स	र	ऩ	ध़
ऽ	पल	न	ल	गी	ऽ	अँ	खि	यां	ऽ	ऽ	द	र	स	भ	री
*	र	र	ग	रग	मप	ग	म	प	ग	म	र	ग	र	ऩ	ध़
*	या	द	प	रीऽ	ऽऽ	ब	ति	यां	ऽ	ऽ	जो	र	स	भ	री
*	रर	र	ग	र	स	र	ऩ	स	–	–	स	स	र	ऩ	ध़
*	पल	न	ल	गीं	ऽ	अँ	खि	यां	ऽ	ऽ	द	र	स	भ	री
*	म	ग	म	प	न	ध	प	*	म	ग	प	मग	म	रग	र
*	मो	र	मु	कु	ट	की	ऽ	*	शो	भा	ऽ	न्याऽ	ऽ	रीऽ	ऽ

*	म	ग	म	*	पध	न	प	ग	म	-	पप	मग	म	रग	र
*	मी	रा	ऽ	*	निर	ख	नि	र	ख	ऽ	छबि	प्याऽ	ऽ	रीऽ	ऽ
*	ग	ग	ग	ग	-	म	प	म	ग	म	र	ग	र	न	ध
*	भू	ल	ग	ई	ऽ	सु	धि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	स	ग	री	ऽ
*	रर	र	ग	र	स	र	न	स	-	-	स	स	र	न	ध
*	पल	न	ल	गीं	ऽ	अँ	खि	यां	ऽ	ऽ	द	र	स	भ	री

30—N.P.K.

बन चले राम रघुराई......!

रणजीत फिल्म	ताल	गायक
"संत तुलसीदास"	त्रिताल	"विष्णुपन्त पगनीस"

बन चले राम रघुराई और संग जानकी माई।
लछमन जैसा भाई, बन चले राम रघुराई।
अवधपुरी के नर नारी ने आंसू नदी बहाई॥
राम-राम करते दशरथ ने अपनी जान गँवाई।
मात कौशिल्या बिलखत डोले,ज्यूं बछरे बिन गाई॥ बन०॥
राम बिना मेरी सूनी अयोध्या, लछमन बिन ठकुराई।
सीता बिना मेरी सूनी रसोई, कौन करे चतुराई॥ बन चले राम रघुराई

स्थाई☞

														ग	म
														ब	न
०				३				+				२			
प	सं	-	न	-	ध	ग	म	ग	-	ग	-	-	-	ग	म
च	ले	ऽ	रा	ऽ	म	र		रा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न

०				३				×				२			
प	सं	-	न	-	ध	ग	म	ग	-	ग	-	-	-	ग	म
च	ले	ऽ	रा	ऽ	म	र	घु	रा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	औ	र
प	-	प	प	-	प	ग	म	मप	धन	ध	-	-	-	-	-
सं	ऽ	ग	जा	ऽ	न	की	ऽ	माऽ	ऽऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	न	न	न	न	सं	न	सं	न	-	ध	प	म	ग	ग	म
ल	छ	म	न	जै	ऽ	सा	ऽ	भा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न

चले राम रघुराई...........।

ग	ग	ग	ग	र	-	स	-	ऩ	ऩ	ध़	-	ग	-	ग	-
अ	व	ध	पु	री	ऽ	के	ऽ	न	र	ना	ऽ	री	ऽ	ने	ऽ
-	ग	-	म	म	ध	-	ध	मप	धन	ध	-	-	-	-	-
*	आं	ऽ	सू	न	दी	ऽ	ब	हाऽ	ऽऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	-	न	न	-	न	न	न	सं	-	सं	सं	सं	सं	सं	-
रा	ऽ	म	रा	ऽ	म	क	र	ते	ऽ	द	श	र	थ	ने	ऽ
-	न	न	न	न	-	सं	रं	न	-	ध	-	-	-	प	ध
*	अ	प	नी	जा	ऽ	न	गँ	वा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	-	न	न	-	न	न	न	सं	-	सं	सं	सं	सं	सं	-
रा	ऽ	म	रा	ऽ	म	क	र	ते	ऽ	द	श	र	थ		ऽ

-	न	न	न	न	-	सं	रं	न	-	ध	-	-	-	-	-
*	अ	प	नी	जा	ऽ	न	गँ	वा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गं	गं	-	गं	गं	-	गं	-	गं	मं	मं	मं	गं	रं	सं	-
मा	ता	ऽ	कौ	शि	ऽ	ल्या	ऽ	बि	ल	ख	त	डो	ऽ	ले	ऽ
-	न	न	न	न	-	सं	रं	न	-	ध	प	म	ग	ग	म
*	ज्यूं	ब	छ	रे	ऽ	बि	न	गा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न

चले राम रघुराई.....................।

स	-	र	र	म	-	म	म	प	प	-	प	सं	-	सं	-
रा	ऽ	म	बि	ना	ऽ	मे	री	सू	नी	ऽ	अ	यो	ऽ	ध्या	ऽ
सं	सं	रं	रं	रं	रं	गं	गं	गं	-	रं	-	-	-	-	-
ल	छ	म	न	बि	न	ठ	कु	रा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	गं	मं	-	पं	पं	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
*	सी	ता	ऽ	बि	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गं	मं	-	पं	पं	-	पं	पं	पं	मं	-	गं	रं	-	सं	-
सी	ता	ऽ	बि	ना	ऽ	मे	री	सू	नी	ऽ	र	सो	ऽ	ई	ऽ
-	न	न	न	सं	-	सं	रं	न	-	ध	प	म	ग	ग	म
*	कौ	न	क	रे	ऽ	च	तु	रा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न

चले राम रघुराई.....................

31—N P. K. 12—39

——*——

बरषा की रात…………?

न्यू-थियेटर्स फिलम	ताल	गायक
"अधिकार"	कहरवा	पंकज मल्लिक

बरषा की रात आई मनवा, हरले मन का भार।
गरजत संकट का बादरवा, दुख की परत फुहार ॥ मनवा……॥
कारी रैन नागिन अति पापी, जियरा देख डराय।
मेघा गरजे जियरा लरजे, खोलो मनका द्वार ॥ मनवा……
नैनन ते नैना मुसकाये, छाये जगत उजियार।
मन में झर-झर अमृत बरसे, जैसे सावन की फुहार ॥ मनवा……॥
आओ बरषा रुत में बोलें, व्याकुल मन के बैन।
छोड़ जगत की उलटी रीती, झूंठा है संसार………॥ मनवा……॥

स्वरलिपि☞

ग
व

+				।				+				।			
ग	गम	प	म	प	–	–	पर	*	प	मप	प	ग	प	गर	ग
र	षाऽ	ऽ	की	रा	ऽ	ऽ	तऽ	*	आ	ऽऽ	ई	म	न	वाऽ	ऽ
*	प	प	म	ग	र	ग	–	र	स	–	ग	ग	गम	प	म
*	ह	र	ले	म	न	का	ऽ	भा	ऽ	र	ब	र	षाऽ	ऽ	की
प	–	–	प	*	*	*	*	*	स	र	र	र	–	र	र
रा	ऽ	ऽ	त	*	*	*	*	*	गर	ज	त	सं	ऽ	क	ट
ग	म	प	–	ग	म	गर	ग	*	न	न	नध	*	न	न	सं
का	ऽ	बा	ऽ	द	र	वाऽ	ऽ	*	दु	ख	कीऽ	*	पर	त	फु

संन्	धप	-	ध	ग	प	गर	ग	*	प	प	म	ग	र	ग	-
हाऽ	ऽऽ	ऽ	र	म	न	वाऽ	ऽ	*	ह	र	ले	म	न	का	ऽ
र	स	-	ग	ग	गम	प	म	प	-	-	पर	*	*	*	*
भा	ऽ	र	ब	र	षाऽ	ऽ	की	रा	ऽ	ऽ	तऽ	*	*	*	*
न	-	सं	-	न्	-	ध	म	प	प	ग	प	न	-	सं	-
का	ऽ	री	ऽ	रै	ऽ	न	ना	गि	न	अ	ति	पा	ऽ	पी	ऽ
न	न	नसं	रं	न्ध	न्	म	म	म	प	-	-	गम	प	-	म
जि	य	राऽ	ऽ	देऽ	ऽ	ख	इ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	य
म	र	म	-	म	म	म	-	म	र	गम	प	म	र	स	-
मे	ऽ	घा	ऽ	ग	र	जे	ऽ	जि	य	राऽ	ऽ	ल	र	जे	ऽ
*	न	-	न	न	न	पन	संरं	न	ध	प	ध	ग	प	गर	ग
*	खो	ऽ	लो	म	न	काऽ	ऽऽ	द्वा	ऽ	ऽ	र	म	न	वाऽ	ऽ
*	प	प	प	ग	र	ग	-	र	स	-	ग	ग	गम	प	म
*	ह	र	ले	म	न	का	ऽ	भा	ऽ	र	ब	र	खाऽ	ऽ	की
प	-	-	पर	*	*	*	*	ध	न्	ध	प	म	प	-	-
रा	ऽ	ऽ	तऽ	*	*	*	*	नै	ऽ	न	न	ते	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	सं	रं	गं	रं	संन्	धप	धन्	ध	ध	प	म	प	-	-
नै	न	मु	स	का	ऽ	येऽ	ऽऽ	ऽऽ	नै	न	न	ते	ऽ	ऽ	ऽ

प	ध	सं	रं	गं	रं	संन॒	धप	*	ध	ध	न॒	ध	प	ध	प
नै	न	मु	ख	का	ऽ	येऽ	ऽऽ	*	छा	ये	ज	ग	त	उ	जि
म	प	प	-	ध	ध	ध	न॒	ध	प	ध	प	म	प	प	-
या	ऽ	रा	ऽ	ऽ	छा	ये	ज	ग	त	उ	जि	या	ऽ	रा	ऽ
*	स	रग	म	म	ग	र	र	*	स	ग	म	म	ग	गग	रर
*	मन	मैंऽ	ऽ	झ	र	झ	र	*	अम	रि	त	ब	र	सेऽ	ऽऽ
स	स	रग	म	म	ग	र	र	*	स	ग	म	म	ग	गग	रर
ऽ	मन	ऽमैं	ऽ	झ	र	झ	र	*	अम	रि	त	ब	र	सेऽ	ऽऽ
*	सर	म	-	प	प	ध	ध	संसं	न॒ध	प	ध	ग	प	गर	ग
*	जस	सा	ऽ	व	न	की	फु	हाऽ	ऽऽ	ऽ	र	म	न	वाऽ	ऽ
*	प	प	म	ग	र	ग	-	र	स	-	ग	ग	गम	प	म
*	ह	र	ले	म	न	का	ऽ	भा	ऽ	र	ब	र	खाऽ	ऽ	की
प	-	-	पर	*	*	*	*	*	रं	-	रं	सं	संरं	संन॒	धप
रा	ऽ	ऽ	तऽ	*	*	*	*	*	आ	ऽ	वो	ब	रऽ	खाऽ	ऽऽ
प	प	धन॒	सं	न॒सं	रं	रं	-	*	रं	रं	रं	रं	सं	संरं	न
रु	त	मैंऽ	ऽ	बोऽ	ऽ	लैं	ऽ	*	व्या	कु	ल	म	न	केऽ	ऽ
न	सं	-	सं	*	गं	गं	गं	रं	गं	सं	-	*	न	न	सं
बै	ऽ	ऽ	न	*	छो	ड़	ज	ग	त	की	ऽ	*	उ	ल	टी

नध	पध	प	–	*	ग	–	म	प	ध	न	सं	संसं	नध	प	ध
रीऽ	ऽऽ	ती	ऽ	*	भू	ऽ	ठा	है	ऽ	सं	ऽ	साऽ	ऽऽ	ऽ	र
ग	प	गर	ग	*	प	प	म	ग	र	ग	–	र	स	–	ग
म	न	वाऽ	ऽ	*	ह	र	ले	म	न	का	ऽ	भा	ऽ	र	व
ग	गम	प	म	प	–	–	पर	*	प	मप	प	ग	प	गर	ग
र	षाऽ	ऽ	की	रा	ऽ	ऽ	तऽ	*	आ	ऽऽ	ई	म	न	वाऽ	ऽ
*	प	प	म	ग		गर	ग	र	स	–	ग	ग	गम	प	म
*	ह	र	ले	म	न	काऽ	ऽ	भा	ऽ	र	व	र	षाऽ	ऽ	की
प	–	–	–	–	–	–	पर								
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तऽ								

32— N. P. K.

सुनरी सखी एक गोप सुता की !

भारत लक्ष्मी पिक्चर "मतवाली मीरा"	ताल कहरवा	गायिका "कमला झरिया"

सुन री सखी एक गोप सुता की सुन्दर कथा सुनाऊँ।
जिसके अटल प्रेम पर मैं भी वारी वारी जाऊँ॥
द्वापर युग था ऋतु बसन्त की रस के झरने झरते।
रास रचाते कृष्ण कन्हैया मन की पीरा हरते॥
मस्त राग से कल कल करती बहती नदी तूफानी।
खोगई जिसमें बहते बहते इक गोपी दीवानी॥
प्रेम वियोग में जोगन बन कर इस दुनियां में आई।
राजपूत कुल की शोभा मतवाली मीरा बाई॥

ग	गर	गम	म	गर	ग	ऩ	स	ग	गर	गम	म	गर	ग	ऩ	स
सु	नऽ	रीऽ	स	खीऽ	ऽ	हां	हां	सु	नऽ	रीऽ	स	खीऽ	ऽ	ए	क
—	र	म	प	मप	धन॒	प	—	—	म	प	प	न	न	प	न
ऽ	गो	प	सु	ताऽ	ऽऽ	की	ऽ	ऽ	सु	न्द	र	क	था	ऽ	सु
न	—	सं	—	—	—	—	—	न	न	न	—	न	न	न	न
ना	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जि	स	के	ऽ	अ	ट	ल	प्रे
सं	सं	सं	सं	न॒	ध	प	—	ध	—	म	—	प	—	ध	—
ऽ	भ	प	र	में	ऽ	भी	ऽ	वा	ऽ	री	ऽ	वा	ऽ	री	ऽ
म	ग	र	—	पम	गर	सऩ	स	सुनरी सखी…………………।							
जा	ऽ	ऊँ	ऽ	*	*	*	*								
*	सं	रं	रं	रं	गं	रंगं	मं	मं	गं	रं	सं	न	न	सं	—
*	द्वा	प	र	यु	ग	थाऽ	ऽ	ऋ	तु	ब	सं	ऽ	त	की	ऽ
*	मम	प	—	न	प	न	—	सं	न	सं	—	—	—	—	—
*	रस	के	ऽ	झ	र	ने	ऽ	झ	र	ते	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	—न	न	न	—	सं	—	नसं	रं	रं	सं	न॒ध	प	पध	पध
*	रा	ऽस	र	चा	ऽ	ते	ऽ	कुऽ	ऽ	ष्ण	क	न्है	ऽ	यांऽ	ऽऽ
नसं	न	—न	न	न	—	सं	—	नसं	रं	रं	सं	न॒	ध	प	—
ऽऽ	रा	ऽस	र	चा	ऽ	ते	ऽ	कुऽ	ऽ	ष्ण	क	न्है	ऽ	यां	ऽ

प	प	म	–	प	–	ध	–	म	ग	र	–	पम	गर	सन्	स
म	न	की	ऽ	पी	ऽ	ड़ा	ऽ	ह	र	ते	ऽ	*	*	*	*
म	–	म	म	–	म	म	–	ग	ग	म	म	ग	ग.	स	–
म	ऽ	स्त	रा	ऽ	ग	से	ऽ	क	ल	क	ल	क	र	ती	ऽ
*	रर	म	–	म	प	–	प	म	ध	प	–	म	ग	र	स
*	बह	ती	ऽ	न	दी	ऽ	तु	फा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	–	म	म	–	म	म	–	ग	ग	म	म	ग	ग	स	–
म	ऽ	स्त	रा	ऽ	ग	से	ऽ	क	ल	क	ल	क	र	ती	ऽ
*	रर	म	–	म	प	–	प	म	ध	पध	मप	–	–	–	–
*	बह	ती	ऽ	न	दी	ऽ	तु	फा	ऽ	नीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध	ध	ध	ध	ध	ध	–	*	धध	न	सं	ध	न	प	–
*	खो	ग	ई	जि	स	में	ऽ	*	बह	ते	ऽ	ब	ह	ते	ऽ
ध	ध	ध	ध	ध	ध	धन	धन	प	धध	न	सं	ध	न	प	–
*	खो	ग	ई	जि	स	मेंऽ	ऽऽ	ऽ	बह	ते	ऽ	ब	ह	ते	ऽ
स	र	म	प	धसं	प	प	ध	म	ग	र	–	पम	गर	सन्	स
इ	क	गो	ऽ	पीऽ	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	नी	ऽ	*	*	*	*
*	म	प	प	न	–	न	न	*	सं	सं	सं	सं	सं	सं	सं
*	प्रे	म	वि	यो	ऽ	ग	में	*	जो	ग	न	ब	न	क	र

* पन	न	न	न	–	सं	–	पन	पन	संरं	रं	न॒	ध	प	–	
* इस	दु	नि	यां	ऽ	में	ऽ	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	
रं	–	रं	रं	–	रं	मं	मं	गं	–	गं	–	सं	न	सं	–
रा	ऽ	ज	पू	ऽ	त	कु	ल	की	ऽ	शो	ऽ	भा	ऽ	ऽ	ऽ
नसं	रं	रं	रं	–	रं	मं	मं	गं	–	गं	–	सं	–	सं	सं
राऽ	ऽ	ज	पू	ऽ	त	कु	ल	की	ऽ	शो	ऽ	भा	ऽ	म	त
सं	–	सं	प	प	न	पन	संरं	न॒	–	प	–	–	–	प	प
वा	ऽ	ली	ऽ	मी	ऽ	राऽ	ऽऽ	बा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	म	त
ध	–	म	–	प	–	मप	ध	म	–	र	–	–	–	स	स
वा	ऽ	ली	ऽ	मी	ऽ	राऽ	ऽ	बा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	म	त
र	–	म	–	प	–	न	–	न	–	सं	–	–	–	–	–
वा	ऽ	ली	ऽ	मी	ऽ	रा	ऽ	बा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

—— * ——

33—N.P.K.

ओ मांझी ओ मांझी........!

मिनर्वा मोवीटोन		ताल		गायक
फिल्म "तलाक़"		धुमाली		ऐच. के. मस्ताना

ओ मांझी, ओ मांझी।
ओ मांझी, ओ मांझी ॥
सोच समझ कर लगा नाव में, बल्ली का पतवारा।
नदिया गहरी दूर किनारा ॥ ओ मांझी............॥

छोड़-छोड़ कर अंधियारी में, जाना है उस ओर।
अपनी बल्ली अपना लङ्गर, अपनी लेचल डोर॥
अपना होजा आप सहारा॥
नदिया गहरी दूर किनारा॥ ओ मांझी............॥

+				+				+				+			
र	स	स	र	ध	–	–	–	प	म॑	म॑	ध	प	म॑	प	–
ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ
स	–	स	र	ध	–	–	–	प	म॑	म॑	ध	प	म॑	प	–
ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ
*	प	प	ध	प	प	मग	र	र	ग	–	र	–	र	स	–
*	सो	च	स	म	झ	कर	ऽ	ल	गा	ऽ	ना	ऽ	व	में	ऽ
र	–	म	–	प	–	ध	ध	न॒	–	प	–	म	ग	र	स
ब	ऽ	ली	ऽ	का	ऽ	प	त	वा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	प	प	ध	प	प	मग	र	र	ग	–	र	–	र	स	–
*	सो	च	स	म	झ	कर	ऽ	ल	गा	ऽ	ना	ऽ	व	में	ऽ
र	–	म	–	प	–	ध	ध	न॒	–	प	–	–	–	न	–
ब	ऽ	ली	ऽ	का	ऽ	प	त	वा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	नन	न	–	न	न	ध	–	प	ध	ध	प	ग	र	स	–
*	नदि	या	ऽ	ग	ह	री	ऽ	दू	ऽ	र	कि	ना	ऽ	रा	ऽ

न	नन	न	–	न	न	ध	–	प	ध	ध	प	ग	र	स	–
ऽ	नदि	या	ऽ	ग	ह	री	ऽ	हू	ऽ	र	कि	ना	ऽ	रा	ऽ
स	–	स	र	ध	–	–	–	प	म॑	म॑	ध	प	–	प	र
ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ	मां	ऽ	झी	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	र	र	प	प	प	प	*	पप	प	म॑	प	ध॒	सं	–
छो	ऽ	ड़	छो	ऽ	ड़	क	र	*	अंखि	या	ऽ	री	ऽ	में	ऽ
–	–	–	–	स	र	र	र	प	प	प	प	–	पप	प	म॑
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	(बाजा बजाओ–)											
प	ध॒	सं	–	*	सं	–	सं	नध	प	ध	न	न	प	–	–
*	*	*	*	*	जा	ऽ	ना	हैऽ	ऽ	उ	स	ओ	ऽ	ऽ	र
म	ग	र	स	स	र	र	र	प	प	प	प	*	पप	प	म॑
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	छो	ऽ	ड़	छो	ऽ	ड़	क	र	*	अंखि	या	ऽ
प	ध॒	सं	–	*	सं	–	सं	नध	प	ध	न	न	प	–	–
री	ऽ	में	ऽ	*	जा	ऽ	ना	हैऽ	ऽ	उ	स	ओ	ऽ	ऽ	र
प	ध	रं	–	*	रं	रं	रं	सं	–	ध	–	प	प	ग	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	अ	प	नी	ब	ऽ	ली	ऽ	अ	प	ना	ऽ
र	–	स	स	रं	रं	रं	रं	सं	–	ध	–	प	प	ग	–
लं	ऽ	ग	र	ऽ	अ	प	नी	ब	ऽ	ली	ऽ	अ	प	ना	ऽ

र	–	स	स	*	म	म	म	प	–	ध	ध	प	–	–	–
नं	ऽ	ग	र	*	अ	प	नी	ले	ऽ	अ	ल	डो	ऽ	ऽ	ऽ
म प	–	म प	–	*	प	प	प	ध	सं	सं	–	*	न	न	न
ऽ	ऽ	ऽ	र	*	अ	प	ना	हो	ऽ	जा	ऽ	*	आ	प	स
ध	–	प	ग	*	प	प	प	ध	रं	सं	–	*	न	न	न
हा	ऽ	रा	ऽ	*	अ	प	ना	हो	ऽ	जा	ऽ	*	आ	प	स
ध	–	प	ग	सं	न	न	न	न	न	ध	–	प	ध	ध	प
हा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	न	दि	या	ग	ह	री	ऽ	दू	ऽ	र	कि
ग	र	स	–	ओ मांझी ओ मांझी.....................।											
ना	ऽ	रा	ऽ												

34—N.P.K.

पिया मिलन को जाना

न्यूथ्येटर्स फिलम	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायक
"कपाल कुडएला"	✠ ✠	तिताला	✠ ✠	"पङ्कज मल्लिक"

पिया मिलन को जाना ॥
जग की लाज मन की मौज, दोनों को निभाना ॥ पिया............॥
कांटे बिथरा के चलूं, पानी ढुलका के चलूं ।
सुख के लिये सीख रखूं, पहिले दुःख उठाना ॥ पिया............॥
पायल को बांध के, उड़ी सुख मान के, धीरे धीरे, दबे दबे ।
पांव को बढ़ाना ॥ पिया............॥
बुझे दिये अंधेरी रात, आंखों पर दोनों हाथ, ।
कैसे कटे कठिन बाट, चल के आज़माना ॥ पिया............

०				३				×				२			
प	र	-	म	ग	र	स	र	ऩ	-	स	-	र	ग	म	प
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	र	-	म	ग	र	स	र	ऩ	-	स	-	-	-	-	-
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
-	र	स	ऩ	ध़	-	-	-	*	ध़	प़	ध़	र	-	-	-
*	ज	ग	की	ला	ऽ	ऽ	ज	*	म	न	की	मौ	ऽ	ऽ	ज
*	र	-	र	र	स	-	स	र	र	ग	ग	म	म	प	प
*	दो	ऽ	नों	को	ऽ	ऽ	नि	भा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	र	-	म	ग	र	ग	र	ऩ	-	स	-	र	ग	म	प
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	-	पप	ध	न	-	न	न	सं	-	-	प	*	*	*
कां	टे	ऽ	बिथ	रा	के	ऽ	च	लूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*
न	-	न	नन	न	न	प	न	न	सं	-	प	नसं	रं	-	सं
पा	ऽ	नी	ढल	का	के	ऽ	च	लूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	प	-	पप	ध	न	-	न	न	सं	-	-	प	*	*	*
कां	टे	ऽ	बिथ	रा	के	ऽ	च	लूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*
न	-	न	नन	न	न	प	न	न	सं	-	प	-	-	-	-
पा	ऽ	नी	ढल	का	के	ऽ	च	लूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	प	प	–	प	प	–	*	*	गम	प	म	ग	र	ग	प
सु	ख	के	ऽ	लि	ये	ऽ	*	*	सीऽ	ऽख	र	खूं	ऽ	ऽ	ऽ

प	प	प	–	प	प	–	*	*	गम	प	म	ग	र	ग	–
सु	ख	के	ऽ	लि	ये	ऽ	*	*	सीऽ	ऽख	र	खूं	ऽ	ऽ	ऽ

स	स	र	–	स	ऩ	स	स	र	–	ग	ग	म	म	प	प
प	हि	ले	ऽ	दुः	ऽ	ख	उ	ठा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

पिया मिलन को.......................................।

प	ग	–	म	प	प	प	म	प	ग	–	म	प	प	प	म
पा	यल	ऽ	को	बां	ध	के	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*

प	ग	–	म	प	प	प	म	ध	ध	–	ध	ध	न	ध	ऩ
पा	यल	ऽ	को	बां	ध	के	ऽ	उ	ड्डी	ऽ	सुख	मा	न	के	ऽ

प	ग	–	म	प	प	प	म	प	ग	–	म	प	प	प	म
पा	यल	ऽ	को	बां	ध	के	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*

न	न	–	न	न	–	प	–	प	ग	–	प	ग	स	–	–
धी	रे	ऽ	धी	रे	ऽ	ऽ	ऽ	द	बे	ऽ	द	बे	ऽ	ऽ	ऽ

*	स	स	र	स	–	*	स	र	र	ग	ग	म	म	प	प
*	पां	ऽ	व	को	ऽ	*	ब	ढ़ा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

पिया मिलन को.......................................

ग	ग	–	र	ग	–	–	*	ग	ग	प	ग	र	स	–	–
बु	झे	ऽ	दि	ये	ऽ	ऽ	*	अं	धे	ऽ	री	रा	ऽ	ऽ	त
स	प	प	–	प	–	–	–	*	ग	प	म	ग	–	–	–
आं	ऽ	खों	ऽ	पर	ऽ	ऽ	ऽ	*	दो	ऽ	नों	हा	ऽ	ऽ	थ
ग	ग	–	र	ग	–	–	*	ग	ग	प	ग	र	स	–	–
बु	झे	ऽ	दि	ये	ऽ	ऽ	*	अं	धे	ऽ	री	रा	ऽ	ऽ	त
प	–	प	–	प	–	प	–	*	ग	प	म	ग	–	–	–
ऽ	त	आं	ऽ	खों	ऽ	पर	ऽ	*	दो	ऽ	नों	हा	ऽ	ऽ	थ
न	–	न	–	न	न	–	प	*	न	न	सं	सं	–	–	सं
कै	ऽ	से	ऽ	क	टे	ऽ	ऽ	*	क	ठि	न	बा	ऽ	ऽ	ट
न	न	न	–	*	ध	–	ध	न	–	न	प	–	र	–	–
च	ल	के	ऽ	*	आ	ऽ	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	र	–	म	ग	र	स	र	ऩ	–	स	–	र	ग	म	प
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	र	–	म	ग	र	स	र	ऩ	र	स	र	–	न	सं	सं
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ना
सं	सं	–	सं	सं	सं	सं	–	ध	न	न	प	–	रं	–	रं
मि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ना

०				३				×				२			
सं	सं	–	सं	सं	सं	सं	–	ध	न	न	प	प	र	–	–
पि	या	ऽ	मि	ल	न	को	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

35—N. P. K.

पिया मिलन को.................................।

हमरी नगरिया में........!

फिल्म		ताल		गायिका
"विद्यापति"		कहरवा		"काननबाला"

हमरी नगरिया में, आय बसो बनवारी !
भांति २ के फूल खिले हैं, ऋतु आई अति प्यारी ॥ आय बसो बनवारी ॥
रह लाख लाख जुग मन मन में, नहीं प्यास मिटी हमरे मन की ।
बसे नैनन बीच सदा नैना, नहीं भूख गई इन नैनन की ॥

—:*:—

ठेका बन्द रहेगा (बिनाताल)

ग	म	प	न	न	न	न	–	सं	–	–	–	–	पनपन	नसंनप	–
ह	म	री	न	ग	रि	या	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽऽ	ऽ
न	–	नन	न	–	–	नध	न	–	धप	ध	–	प	–	–	म
आ	ऽ	यब	सो	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	–	–	*	ग	म	प	न	सं	गं	–	–	–	गं	पं	मं
ऽ	ऽ	ऽ	*	आ	ऽ	य	ब	सो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न	वा
–	गं	–	–	–	–	–	–								
ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*								

ठेका शुरू (कहरवा)

+				।				+				।			
ग	म	प	न	न	न	न	रं	सं	–	–	–	न	–	प	–
ह	म	री	न	ग	रि	या	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	सं	सं	नध	प	प	ध	म	–	ग	–	–	–	गम	ग
आ	ऽ	य	ब	सोऽ	ऽ	ब	न	वा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
ग	म	प	प	पध	प	प	प	प	ध	न	सं	सं	रं	नध	प
आ	ऽ	य	ब	सोऽ	ऽ	ब	न	वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रीऽ	ऽ
प	–	प	प	मग	र	ग	प	मग	रग	स	–	–	–	–	–
आ	ऽ	य	ब	सोऽ	ऽ	ब	न	वाऽ	ऽऽ	री	ऽ	*	*	*	*
ग	म	प	न	न	न	न	रं	सं	–	–	–	–	–	–	–
ह	म	री	न	ग	रि	या	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

दुगुन कहरवा

+				।				+				।			
न	–	न	न	–	न	न	–	ध	न	ध	सं	न	ध	प	–
भां	ऽ	ति	भां	ऽ	ति	के	ऽ	फू	ऽ	ल	खि	ले	ऽ	हैं	ऽ
प	सं	सं	–	न	ध	प	ध	म	–	ग	–	–	–	गम	
ऋ	त	आ	ऽ	ई	ऽ	अ	ति	प्या	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
ग	म	प	प	प	–	प	प	प	ध	न	सं	सं	रं	नध	प
आ	ऽ	य	ब	सो	ऽ	ब	न	वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रीऽ	ऽ

प	–	प	प	सग	र	ग	प	सग	रग	स	–	–	–	–	–
आ	ऽ	य	ब	सोऽ	ऽ	ब	न	वाऽ	ऽऽ	री	ऽ	*	*	*	*
ग	म	प	न	न	न	न	–	सं	–	–	–	–	–	न	सं
ह	म	री	न	ग	रि	या	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ह
गं	–	गं	गं	–	गं	रं	सं	सं	रं	रं	गंरं	सं	–	ध	प
ला	ऽ	ख	ला	ऽ	ख	जु	ग	म	न	म	नऽ	में	ऽ	न	हीं
–	प	प	प	पध	न	धन	सं	नसं	रं	सरं	गंरं	सं	–	न	न
ऽ	प्या	स	मि	टीऽ	ऽ	हऽ	म	रेऽ	ऽ	मऽ	नऽ	की	ऽ	ब	से
–	न	न	न	न	–	न	न	नध	पम	धन	धन	पध	मप	गर	स
ऽ	नैं	न	न	बी	ऽ	च	स	दाऽ	ऽऽ	नैंऽ	ऽऽ	नाऽ	ऽऽ	न	हीं
–	र	म	प	प	–	प	प	प	न	न	रं	सं	–		
ऽ	भू	ख	ग	इ	ऽ	इ	न	नैं	ऽ	न	न	की	ऽ		

—o-*-o—

36—N. P. K. 12—39

रघुपति राघव राजाराम !

रणजीत मोवीटोन	ताल	गायक
फिल्म "अछूत"	कहरवा	गौहर, बासंती और कोरस

रघुपति राघव राजा राम, पतित पावन सीताराम ।

सीताराम, सीताराम, भज प्यारे तू सीताराम ॥ रघुपति०…॥

तू ही राम राम राम राम तूही राम······।
जल में राम, थल में राम, सारे जग में तूही राम ॥
तूही राम, तूही राम, तूही राम, तूही राम ।
तूही राम राम राम राम तूही राम ॥ रघुपति०············॥

×				।				×				।			
ध़	स	स	स	स	-	स	ध़	स	-	र	-	ग	म	ग	म
र	घु	प	ति	रा	ऽ	घ	व	रा	ऽ	जा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
र	ग॒	-	ग॒	र	-	ऩ॒	ऩ॒	स	-	स	-	स	-	-	स
प	ति	ऽ	त	पा	ऽ	व	न	सी	ऽ	ता	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
स	ग	ग	-	ग	-	-	ग	ग	म	म	-	(म	र	म)	-
सी	ऽ	ता	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म	सी	ऽ	ता	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
र	र	म	-	प	ध॒	प	-	म	-	ग॒	-	स	-	-	-
भ	ज	प्या	ऽ	रे	ऽ	तू	ऽ	सी	ऽ	ता	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
ध़	स	स	स	स	-	स	ध़	स	-	र	-	ग	म	ग	म
र	घु	प	ति	रा	ऽ	घ	व	रा	ऽ	जा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
र	ग॒	-	ग॒	र	-	ऩ॒	ऩ॒	स	-	स	-	स	-स	ऩ॒	स
प	ति	ऽ	त	पा	ऽ	व	न	सी	ऽ	ता	ऽ	रा	ऽम	तू	ही
स	-	-	प	म	ग॒	म	म	र॒	-	-	ग॒	स	-स	ऩ॒	स
रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽम	तू	ही

स	-	-	प	म	ग	म	म	र	-	-	ग	स	-स	न	स
रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽ	ऽ	म	रा	ऽम	तू	ही
स	-	-	-	-	-	-	-	म	प	प	-	ध	-	-	-
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	त	न	में	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
प	प	प	-	म	-	-	-	ग	म	प	-	म	-	ग	ग
म	न	में	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म	ज	ग	का	ऽ	कं	ऽ	च	न
-	र	ग	र	स	-	-	-								
ऽ	ते	ऽ	रा	धा	ऽ	ऽ	म	तूही राम राम......।							
ध	ध	प	म	ध	-	सं	-	सं	सं	रं	-	सं	-	-	-
ज	ल	में	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म	थ	ल	में	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
रं	-	रं	-	रं	रं	रं	-	सं	रं	गं	रं	सं	-	-	-
सा	ऽ	रे	ऽ	ज	ग	में	ऽ	तू	ऽ	ही	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म
ध	ध	प	म	ध	-	सं	-	सं	सं	रं	-	सं	ध	म	-
ज	ल	में	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म	थ	ल	में	ऽ	रा	ऽ	म	ऽ
रं	-	रं	-	रं	रं	रं	-	सं	रं	गं	रं	सं	-सं	सं	सं
सा	ऽ	रे	ऽ	ज	ग	में	ऽ	तू	ऽ	ही	ऽ	रा	ऽम	तू	ही
रं	-	-	-	-	-	सं	सं	सं	ध	-	-	-	-	प	प
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	तू	ही	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	तू	ही

प	ग	-	-	-	-	र	र	स	-	-	-	-	-	स	स
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	तू	ही	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	तू	ही

राम राम राम राम तूही राम...।

37—N.P.K.8—40

ऐ दर्द ज़रा दम ले.........!

कृष्णा मोवीटोन		ताल		गायिका
फिल्म "ज़माना"		दादरा		"अमीरजान"

ऐ दर्द ज़रा दम ले, करवट तो बदल ने दे।
अरमान भरे दिल के, पहलू में सँभलने दे॥
दम लेके मेरे अरमां, आंखों में उतर आये।
रोकर ही मेरे दिल के, अरमान निकलने दे॥
परवाने के जलने से, जलती है तू क्यूं शमां।
लिक्खा है अज़ल से ही जलता है तो जलने दे॥

—:-:—

बिना ठेका—

सर	गर	सर	म	-	-	-	-	म	-	-	-
ऐऽ	ऽऽ	ऽऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र्द	ऽ	*	*
म	मप	मप	-	गर	ग	-	-	-	-	र	ग
ज़	राऽ	ऽऽ	ऽ	दम	ले	ऽ	ऽ	ऽ	*	क	र

ताल शुरू—

+			०			+			०		
स	र	स	स	ध	न	सर	ग	र	स	सर	नस
ब	ट	तो	ब	द	ल	नेऽ	ऽ	दे	ऽ	ऐऽ	ऽऽ

म	-	म	म	मप	मपध	र	र	ग	-	र	ग
द	ऽ	ईं	ज़	राऽ	ऽऽऽ	द	म	ले	ऽ	क	र
स	र	स	स	ध	-	सर	ग	र	स	स	र
ब	द	तो	ब	द	ल	नेऽ	ऽ	दे	ऽ	अ	र
प	-	प	प	पन	धप	म	प	ग	म	स	र
मा	ऽ	न	भ	रेऽ	ऽऽ	दि	ल	को	ऽ	अ	र
प	-	प	प	पध	न	ध	पध	ग	म	म	म
मा	ऽ	न	भ	रेऽ	ऽ	ऽ	दिल	को	ऽ	प	ह
र	म	ग	ग	र	र	ग	स	सर	म	सर	नस
लू	ऽ	में	सँ	भ	ल	ने	ऽ	देऽ	ऽ	ऐऽ	ऽऽ
म	-	म	म	मप	मपध	र	र	ग	-	र	ग
द	ऽ	ईं	ज़	राऽ	ऽऽऽ	द	म	ले	ऽ	क	र
स	र	स	स	ध	न	सर	ग	र	स	प	प
ब	द	तो	ब	द	ल	नेऽ	ऽ	दे	ऽ	द	म
प	ध	प	म	ग	म	प	ध	प	-	पध	न
ले	ऽ	के	मे	ऽ	रे	अ	र	मां	ऽ	आंऽ	ऽ
न	-	न	न	न	न	ध	प	पध	नसं	ध	प
खों	ऽ	में	उ	त	र	आ	ऽ	येऽ	ऽऽ	द	म

प	ध	प	म	ग	म	प	ध	प	–	न	–
ले	ऽ	के	मे	ऽ	रे	अ	र	मां	ऽ	आं	ऽ
न	–	न	न	न	न	ध	–	प	–	सं	–
खों	ऽ	में	उ	त	र	आ	ऽ	ये	ऽ	रे	ऽ
सं	रं	सं	न	सं	न	ध	न	ध	प	प	प
क	र	ही	मे	ऽ	रे	दि	ल	के	ऽ	अ	र
मप	पध	प	प	म	म	ग	स	सर	म	सर	नस
माऽ	ऽऽ	न	नि	क	ल	ने	ऽ	देऽ	ऽ	पेऽ	ऽऽ
म	–	म	म	मप	मपध	र	र	ग	–	र	ग
द	ऽ	दे	ज़	राऽ	ऽऽऽ	द	म	ले	ऽ	क	र
स	र	स	स	ध	न	सर	ग	र	स	प	ध
ब	द	तो	ब	द	ल	नेऽ	ऽ	दे	ऽ	प	र
सं	–	सं	सं	सं	सं	धन	सं	न	ध	न	ध
वा	ऽ	ने	के	ज	ल	नेऽ	ऽ	से	ज	ल	ती
प	–	ध	न	सं	न	सं	–	–	–	प	ध
है	ऽ	तु	क्यों	ऽ	श	मा	ऽ	ऽ	ऽ	प	र
सं	–	सं	सं	सं	सं	धन	सं	न	ध	न	ध
वा	ऽ	ने	के	ज	ल	नेऽ	ऽ	से	ज	ल	ती

प - ध	न सं न	सं - -	- * प
है ऽ तु	क्यों ऽ श	मा ऽ ऽ	ऽ * लि
प - प	प प प	न - ध	प ग प
क्वा ऽ है	अ ज़ ल	से ऽ ही	ऽ ऽ लि
प - प	प प प	न - ध	प * पप
क्वा ऽ है	अ ज़ ल	से ऽ ही	ऽ * जल
प ध प	म म म	ग स सर	म सर नस
ता ऽ है	तो ज ल	ने ऽ देऽ	ऽ ऐऽ ऽऽ
म - म	म मप मपध	र र ग	- र ग
द ऽ ई	ज़ राऽ ऽऽऽ	द म ले	ऽ क र
स र स	स ध न	सर ग र	स सर नस
ब द तो	ब द ल	नेऽ ऽ दे	ऽ ऐऽ ऽऽ
म - -	म - -		
द ऽ ऽ	ई ऽ ऽ		

हवा तुम धीरे बहो.............!

बौम्बे टाकीज़		ताल		गायिका
फ़िल्म "कङ्गन"		कहरवा–दुगुन		"लीला चिटनीस"

हवा तुम धीरे बहो, मेरे आते होंगे चित चोर।
छोटी सी मेरी दिल की तलैया, डगमग डोले प्रीत की नैया।
ओ पुरवैया दया करो, मेरे हिया में उठत हिलोर ॥ हवा''' ॥

स्वरलिपि

															स ह
+				+				+				+			
र	–	म	प	ध	ध	–	ध	धन	धन	पध	पध	मप	मग	र	–
वा	ऽ	तु	म	धी	रे	ऽ	ब	होऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	*
–	–	स	स	ध़स	ध़स	–	स	र	–	म	म	ग	र	र	स
*	*	मे	रे	आऽ	तेऽ	ऽ	हों	गे	ऽ	चि	त	चो	ऽ	र	ह
र	–	म	प	ध	ध	–	ध	ध	प	–	–	–	–	–	स
वा	ऽ	तु	म	धी	रे	ऽ	ब	हो	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	ह
वा तुम धीरे..................															
म	प	सं	सं	न	–	ध	प	प	ध	प	प	म	–	ग	र
छो	टी	ऽ	सी	मे	ऽ	री	ऽ	दि	ल	की	त	लै	ऽ	या	ऽ
*	सस	र	र	र	ग	र	स	ध़	स	र	ग	म	ग	र	–
*	डग	म	ग	डो	ऽ	ले	ऽ	प्री	ऽ	त	की	नै	ऽ	या	ऽ

ध	-	ध	प	ध	<u>नि</u>	ध	-	ध	प	ध	प	ध	-	-	-
ओ	ऽ	पु	र	वै	ऽ	या	ऽ	ह	या	ऽ	क	रो	ऽ	ऽ	ऽ

ध	-	ध	प	ध	-	म	प	प	सं	-	<u>नि</u>	ध	ध	प	प
❋	❋	❋	❋	❋	❋	मे	रे	हि	या	ऽ	में	उ	ठ	त	हि

म	ग	र	स	
लो	ऽ	र	ह	वा तुम धीरे बहो...............।

39—N. P. K. 6—40

मोहनी जग की माया.......!

मिनर्वा मोवीटोन	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायिका
फ़िल्म "वसीयत"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	"शीला"

मोहनी जग की माया, मोहनी जग की माया।
बनकर प्रेम हर एक हृदय में, अपना रंग जमाया।
मन मोहन संसार बसाया, मनहर रूप रचाया॥
मोहनी जग की............... ॥
कुहू कुहू कुहू कह रही कोयलिया,
पी को पुकारे कहीं पपीहा।
एक सुनहरा जाल बिछाकर, जग सारा उलझाया॥
मोहनी जग की............... ॥

+				।				+				।			
❋	म	स	ध	ध	ध	ध	-	<u>ध</u>	ध	ध	सं	सं	रं	सं	<u>नि</u>
❋	मो	ह	नी	ज	ग	की	ऽ	मा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	ध	ध	ध	प	प	म	-	र	प	प	-	म	ग	र	स
*	मो	ह	नी	ज	ग	की	ऽ	मा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	सं	सं	सं	ध	सं	सं	सं	न	न	ध	ध	धन	सं	न	रं
*	बन	क	र	प्रे	ऽ	म	ह	रे	क	हि	र	दय	ऽ	में	ऽ
*	सं	सं	सं	न	-	ध	ध	पध	न	प	-	गम	पध	मप	ध
*	अ	प	ना	रं	ऽ	ग	ज	माऽ	ऽ	या	ऽ	*	*	*	*
*	ध	ध	ध	ध	ध	ध	ध	मप	धन	सं	ध	पध	नध	प	-
*	म	न	मो	ह	न	सं	ऽ	साऽ	ऽऽ	र	ब	साऽ	ऽऽ	या	ऽ
न	न	न	न	ध	-	प	म	ग	-	र	-	रग	मप	गम	पध
ऽ	मन	ह	र	रू	ऽ	प	र	चा	ऽ	या	ऽ	*	*	*	*
ध	न	न	न	ध	-	प	म	ग	-	र	-	रग	म	गम	प
*	मन	ह	र	रू	ऽ	प	र	चा	ऽ	या	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
स	म	स	ध												
ऽ	मो	ह	नी	जग की.............................!											
ग	म	ग	र	स	स	-	*	स	र	-	-	र	ग	-	-
कु	हू	कु	हू	कु	हू	ऽ	*	कु	हू	ऽ	ऽ	कु	हू	ऽ	ऽ
ग	म	ग	र	स	स	स	र	ध	ध	-	प	ध	सं	न	सं
कु	हू	कु	हू	कु	हू	क	ह	र	ही	ऽ	को	य	लि	या	ऽ

*	न	न	सं	धन	संन	ध	–	*	ध	ध	ध	धध	नध	म	–
*	पी	को	पु	काऽ	ऽऽ	रे	ऽ	*	क	हीं	प	पीऽ	ऽऽ	हा	ऽ
सं	न	न	सं	धन	संन	ध	–	*	ध	ध	ध	धध	नध	म	–
ऽ	पी	को	पु	काऽ	ऽऽ	रे	ऽ	*	क	हीं	प	पीऽ	ऽऽ	हा	ऽ
ग	म	ग	र	स	स	–	*	स	र	–	–	न	सं	–	–
कु	हू	कु	हू	कु	हू	ऽ	*	कु	हू	ऽ	ऽ	कु	हू	ऽ	ऽ
ग	म	ग	र	स	स	स	र	ध	ध	–	प	ध	सं	न	सं
कु	हू	कु	हू	कु	हू	क	ह	र	ही	ऽ	को	य	लि	या	ऽ
*	न	न	सं	धन	संन	ध	–	ध	ध	–	ध	धध	नध	म	–
*	पी	को	पु	काऽ	ऽऽ	रे	ऽ	क	हीं	ऽ	प	पीऽ	ऽऽ	हा	ऽ
*	प	प	ध	ध	सं	सं	–	*	ध	ध	सं	सं	रं	रं	–
*	ए	क	सु	न	ह	रा	ऽ	*	ए	क	सु	न	ह	रा	ऽ
*	सं	सं	रं	रं	गं	–	–	–	–	रंसं	रंगं	सं	–	–	–
*	ए	क	सु	न	ह	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध	ध	ध	ध	सं	सं	–	*	रं	रं	रं	संरं	गं	सं	सं
*	ए	क	सु	न	ह	रा	ऽ	*	जा	ल	वि	छाऽ	ऽ	क	र
*	न	न	न	ध	–	प	म	रग	मग	र	–	रग	मप	गम	पध
*	ज	ग	सा	रा	ऽ	उ	ल	झाऽ	ऽऽ	या	ऽ	*	*	*	*

ध	न̲	न̲	न̲	ध	–	प	म	रग	मग	र	–	रग	म	गम	प
*	ज	ग	सा	रा	ऽ	उ	ल	फाऽ	ऽऽ	या	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
स	म	स	ध												
ऽ	मो	ह	नी	जग की माया……………………………|											

——*—— 40—N.P.K.

मुझे राम से कोई मिलादे !

रणजीत फिल्म		ताल		गायक
"सन्त तुलसीदास"		कहरवा		विष्णुपन्त पगनिस

मुझे राम से कोई मिलादे ।
बिन लाठी का निकला अन्धा, राह से कोई लगादे,
कोई कहे वह बसें अवध में, कोई कहे वृन्दाबन में ।
कोई कहे तीरथ मन्दिर में, कोई कहे मिलते बन में,
देख सकूं मैं इनको मन में, ऐसी ज्योति जगादे ॥ मुझे० ॥

—स्थाई—

+				|				+				|			
														स	स
														मु	झे
र	प	प	प	म	ग	र	स	र	ग	र स	–	–	–	–	–
रा	ऽ	म	से	को	ऽ	इ	मि	ला	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

म	ध	ध	–	ध	–	ध	प	ध	सं	सं	न	ध	न	प	–
बि	न	ला	ऽ	ठी	ऽ	का	ऽ	नि	क	ला	ऽ	अं	ऽ	धा	ऽ
सं	–	सं	सं	न	ध	प	म	प	ध	प	म	ग	र	स	स
रा	ऽ	ह	से	को	ऽ	ई	ल	गा	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	मु	झे

—अन्तरा—

+				।				+				।			
म	–	म	म	म	–	मग	ग	मग	मप	–	ध	प	प	प	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	व	ह	ब	सें	ऽ	अ	व	ध	में	ऽ
ध	–	ध	न	ध	–	प	–	म	प	म	ध	प	–	–	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	वृ	ऽ	न्दा	ऽ	व	न	में	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	सं	सं	सं	–	सं	–	ध	ध	न	सं	न	न	ध	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	ती	ऽ	र	थ	मं	ऽ	दि	र	में	ऽ
ध	–	ध	ध	ध	–	प	प	म	प	म	ध	प	–	–	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	मि	ल	ते	ऽ	ब	न	में	ऽ	ऽ	ऽ
प	रं	रं	रं	रं	–	रं	–	सं	रं	गं	सं	गं	गं	रं	सं
दे	ऽ	ख	स	कू	ऽ	मैं	ऽ	उ	न	को	ऽ	म	न	में	ऽ
सं	–	सं	–	न	ध	म	म	प	ध	प	म	ग	र	स	स
ऐ	ऽ	सी	ऽ	ज्यो	ऽ	ति	ज	गा	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	मु	झे

41—G. P. K. 7—40

यूं दर्द भरे दिल की.........!

न्यूथ्येटर्स फ़िल्म	✠ ✠	ताल दादरा	✠ ✠	गायक
"कपाल कुराडला"	✠ ✠	ग़ज़ल	✠ ✠	पङ्कज मल्लिक

यूं दर्द भरे दिल की आवाज़ सुनायेंगे।
बे दर्द के दिल को भी हम दर्द बनायेंगे॥
गंगा से मिले जमुना और मिल के बहें दोनों।
हां होगा अगर आंसू तासीर दिखायेंगे॥
ऐ आरज़ू आप आकर जो देगये याद अपनी।
अब कोई बुलाये भी तो काहे को आयेंगे॥

स्वरलिपि☞

+			०			+			०		
										ग	म
										यूं	ऽ
ध़	–	ध़	ध़	ध़	–	म	ध़प	मग	म	ग	म
द	ऽ	र्द	भ	रे	ऽ	ऽ	*	*	*	यूं	ऽ
ध़	–	ध़	ध़	ध़	–	प	प	प	म	म	प
द	ऽ	र्द	भ	रे	ऽ	दि	ल	की	ऽ	आ	ऽ
स	–	ऱ	म	म	–	ध़	–	ध़	–	ग	म
वा	ऽ	ज़	सु	ना	ऽ	वें	ऽ	गे	ऽ	यूं	ऽ
ध़	–	ध़	ध़	ध़	–	म	ध़प	मग	म	ग	म
द	ऽ	र्द	भ	रे	ऽ	ऽ	*	*	*	बे	ऽ

ध	–	ध	ध	ध	ध	प	–	प	म	म	प
द	ऽ	र्द	के	दि	ल	को	ऽ	भी	ऽ	ह	म
स	–	र	म	म	–	ध	–	ध	–	ग	म
द	ऽ	र्द	ब	ना	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	बे	ऽ
ध	–	ध	ध	–	–						
द	ऽ	र्द	के	ऽ	ऽ	दिल को भी..................।					

अब ठेका बन्द रहेगा

+			०			+			०		
सं	–	सं	–	–	सं	–	–	सं	सं	–	–
गं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	से	ऽ	ऽ	मि	ले	ऽ	ऽ
*	न	सं	नसं	गंरं	संन	धप	पध	न	–	–	ध
*	ज	मु	नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	सं	न	ध	–	–	–	–	ध	–	ध
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	औ	ऽ	र
*	प	प	म	म	ग	–	–	म	न	ध	–
*	मि	ल	के	ब	हैं	ऽ	ऽ	दो	ऽ	नों	ऽ
–	–	–	म	ग	म	ध	–	ध	म	ग	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	हो	ऽ	गा	ऽ	*	*

ध	-	ध	म	ग	म
*	*	*	*	हाँ	ऽ

ठेका शुरू

+			०			+			०		
ध	-	ध	ध	ध	ध	ध	प	प	-	म	प
हो	ऽ	गा	अ	ग	र	आं	ऽ	सू	ऽ	ता	ऽ
स	-	र	म	म	-	ध	-	ध	-	ग	म
सी	ऽ	र	दि	खा	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	यूं	ऽ

दर्द भरे दिल............।

फिर ठेका बन्द—

गं	-	-	गं	-	रं	रं	रं	-	-	-	-
ये	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	र	जू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रं	-	रं	रं	-	रं	रं	रं	न	सं	सं	सं
आ	ऽ	प	आ	ऽ	क	र	जो	दे	ऽ	ग	ये
न	-	न	-	न	सं	रं	सं	-	-	संरंसं	नसंन
ऽ	ऽ	या	ऽ	द	अ	प	नी	ऽ	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ
धनध	पधप	मपम	गमग	रगर	सरस	नस	नस	रग	स	गं	-
ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ये	ऽ
-	गं	-	रं	रं	रं	-	-	-	-	रं	-
ऽ	आ	ऽ	ऽ	र	जू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ

रं	रं	–	रं	रं	रं	न	सं	सं	सं	न	–
प	आ	ऽ	क	र	जो	दे	ऽ	ग	ये	ऽ	ऽ
न	–	न	सं	रं	सं	–	–	संरंसं	धनध	पधप	गमप
या	ऽ	द	अ	प	नी	ऽ	ऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ
रग	रग	म	–	स	र	म	–	म	–	स	र
ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	अ	ब	को	ऽ	ई	ऽ	*	*
म	–	म	–	ग	म	न	ध	ध	–	ग	म
*	*	*	*	अ	ब	को	ऽ		ऽ	*	*
न	ध	ध	–	ग	म						
*	*	*	*	अ	ब						

ठेका शुरू—

+			०			+			०		
ध	–	ध	ध	ध	–	न	ध	प	–	म	–
को	ऽ	ई	बु	ला	ऽ	ये	ऽ	भी	ऽ	तो	ऽ
स	–	र	म	म	–	ध	–	ध	–	ग	म
का	ऽ	हे	को	आ	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	यूं	ऽ

दर्द भरे..............................।

—:*:—

भँवरा मतलब को पहचाने····!

रणजीत मोवीटोन	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायिका
फिल्म 'आज का हिन्दुस्तान'	✠ ✠	झुमाली	✠ ✠	"मिस रोज़"

भँवरा मतलब को पहचाने ।
प्रीत करन की रीत न जाने । भँवरा मतलब.................।
प्यार की बातें, मौत की घातें, प्रीत के गीत हैं, हाय भुलाने ॥
भँवरा.....................॥
साजन हमको छोड़ गये हैं मैं मानूं मोरा मन नहीं माने ॥

ताल बन्द

+				+				+				+			
ध	<u>न</u>	सं	–	–	–	–	–	–	–	धसं	<u>न</u>ध	प	–	–	–
भँ	व	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	–	र	ग	म	प	–	–	–	–	–	–	–	*
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भँ	व	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*

ताल शुरू

+				+				+				+			
प	ध	प	म	<u>ग</u>	र	<u>न</u>	<u>न</u>	सर	<u>ग</u>	र	–	र	ग	म	प
म	त	ल	ब	को	ऽ	प	ह	चाऽ	ऽ	ने	ऽ	भँ	व	रा	ऽ
–	पध	प	म	<u>ग</u>	र	<u>न</u>	<u>न</u>	सर	<u>ग</u>	र	–	र	ग	म	प
ऽ	मत	ल	ब	को	ऽ	प	ह	चाऽ	ऽ	ने	ऽ	*	*	*	*
–	पध	प	म	<u>ग</u>	र	<u>न</u>	<u>न</u>	सर	<u>ग</u>	र	–	–	–	–	–
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*

*	र	र	ग॒	स	र	न॒	स	-	रग	म	प	पसं	न॒ध	पम	र
*	प्री	त	क	र	न	की	ऽ	ऽ	रीऽ	त	न	जाऽ	ऽऽ	नेऽ	ऽ
र	ग	म	प	-	-	-	-	र	ग	म	प	-	पध	प	म
भं	व	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भं	व	रा	ऽ	ऽ	मत	ल	ब
ग॒	र	न॒	न॒	सर	ग॒	र	-	-	-	-	-	*	ध	ध	प
को	ऽ	प	ह	चाऽ	ऽ	ने	ऽ	*	*	*	*	*	प्या	र	की
म	प	प	-	*	ध	संसं	सं	न॒	-	ध	प	*	ध	सं	सं
बा	ऽ	तें	ऽ	*	मो	ऽत	की	घा	ऽ	तें	ऽ	*	प्री	त	के
ध	रं	रं	रं	*	ध	रं	गं॒	सं	रं	न॒	ध	प	ध	सं	सं
गी	ऽ	त	हैं	*	हा	य	भु	ला	ऽ	ने	ऽ	ऽ	प्री	त	के
ध	रं	रं	रं	*	ध	रं	गं॒	स	रं	सं	-	-	-	ध	न॒
गी	ऽ	त	हैं	*	हा	य	भु	ला	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	भं	व
सं	-	-	-	-	-	-	-	धसं	न॒ध	प	-	-	-	-	-
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	रग	म	प	-	-	-	-	*	पध	प	म	ग॒	र	न॒	न॒
ऽ	भं	व	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	मत	ल	ब	को	ऽ	प	ह
सर	ग॒	र	-	-	-	-	-	*	म	म	म	ग	ग	र	-
चाऽ	ऽ	ने	ऽ	*	*	*	*	*	सा	ज	न	ह	म	को	ऽ

–	–	रम	र	–	रम	र	–	*	म	म	म	ग	ग	र	–
ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	सा	ज	न	ह	म	को	ऽ
ध	ध	ध	ध	ध	न	प	–	*	प	म	म	प	ध	ध	ध
ऽ	ओ	ड़	ग	ये	ऽ	हैं	ऽ	*	मैं	ऽ	मा	नूं	ऽ	मो	रा
*	धसं	सं	सं	न	–	ध	–	*	प	म	म	प	ध	ध	ध
*	मन	न	हीं	मा	ऽ	ने	ऽ	*	मैं	ऽ	मा	नूं	ऽ	मो	रा

ठेका बन्द

*	*	*	*	ध	सं	रं	गं	–	–	–	–	रं	सं	न	ध
*	*	*	*	म	न	न	हीं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	–	–												
ने	ऽ	ऽ	ऽ												

43—N. P. K.

——:o:——

आज मेरा मन फूला-फूला रे....!

रणजीत–मोवीटोन	✠✠	ताल	✠✠	गायिका
"सन्त-तुलसीदास"	✠✠	कहरवा	✠✠	'बासन्ती'

आज मेरा मन फूला—फूला रे।
ऐसा सुख है पाया इसने, सब दुख भूला भूला रे। मन फूला-फूला रे...॥
आज हृदय के कोन-कोन, मधुर-मधुर राग बजे।
नांच रहीं आशायें मेरी, सुख के सुन्दर साज सजे॥
जिसने है यह सुख बरसाया, जिसकी है यह सारी माया।
मैं तो उसे भुलाऊं निश-दिन, डाल नैन में झूला रे॥ मन फूला०...॥

+				।				+				।			
सं	–	सं	सं	न	–	ध	ध	प	ध	ध	प	म	प	ग	म
आ	ऽ	ज	मे	रा	ऽ	म	न	फू	ऽ	ला	ऽ	फू	ऽ	ला	ऽ
प	–	–	ध	प	म	ग	र	ग	म	ग	र	स	र	स	ऩ
रे	ऽ	ऽ	मे	रा	ऽ	म	न	फू	ऽ	ला	ऽ	ऽ	फू	ला	ऽ
स	–	ग	म	प	ध	न	रं								
रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आज मेरा मन..............।							
ग	प	ग	प	ग	म	ग	–	ध	न̲	ध	न̲	प	ध	प	–
ऐ	ऽ	सा	ऽ	सु	ख	है	ऽ	पा	ऽ	या	ऽ	इ	स	ने	ऽ
न	सं	न	सं	ध	–	प	–	म	प	म	–	ग	–	प	प
स	ब	दु	ख	भू	ऽ	ला	ऽ	भू	ऽ	ला	ऽ	रे	ऽ	म	न
ग	म	ग	र	स	र	स	ऩ	स	–	ग	म	प	ध	प	प
फू	ऽ	ला	ऽ	ऽ	फू	ला	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	म	न
ग	म	ग	र	स	र	स	ऩ	स	–	ग	म	प	–	प	प
फू	ऽ	ला	ऽ	ऽ	फू	ला	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	म	न
ग	म	ग	र	स	र	स	ऩ	स	–	ग	म	प	ध	न	रं
फू	ऽ	ला	ऽ	ऽ	फू	ला	ऽ	रे	ऽ	*	*	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

आज मेरा मन............।

ताल दादरा।

×			०			×			०		
ध	ध	ध	ध	–	ध	धन	सं	न॒	ध	न॒	ध
आ	ज	ह	दे	ऽ	के	कोऽ	ऽ	न	को	ऽ	न
प	ध	प	म	ग	म	म	प	ध	प	–	–
म	धु	र	म	धु	र	रा	ग	ब	जे	ऽ	ऽ
सं	–रं	रं	रं	–	सं	रंगं	मं	गं	रं	सं	–
नां	ऽच	र	ही	ऽ	आ	शाऽ	ऽ	यें	मे	री	ऽ
न	न	सं	न	ध	प	म	ग	म	ग	–	पप
सु	ख	के	सुं	द	र	सा	ज	स	जे	ऽ	मन

फूला-फूला रे, मेरा मन.......................।

ताल कहरवा।

×				।				×				।			
न॒	न॒	न॒	–	न॒	–	ध	–	न	सं	सं	रं	न	–	सं	–
जि	स	ने	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ	सु	ख	ब	र	सा	ऽ	या	ऽ
न	सं	सं	रं	न	–	सं	–	न॒	ध	प	म	प	ध	प	–
जि	स	को	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ	सा	ऽ	री	ऽ	मा	ऽ	या	ऽ
रं	–	रं	रं	रं	–	सं	–	रं	गं	मं	गं	रं	रं	सं	सं
मैं	ऽ	तो	उ	से	ऽ	झु	ऽ	ला	ऽ	ऊं	ऽ	नि	स	दि	न

न	–	न	न	ध	ध	प	–	म	–	ग	म	ग	–	प	प
डा	ऽ	ल	न	य	न	में	ऽ	फू	ऽ	ला	ऽ	रे	ऽ	म	न

फूला फूला रे………………। 44—N.P.K.3—40

दुनियां दिवानी…………!

रणजीत मोवीटोन	✠ ✠	ताल दादरा	✠ ✠	गायक
फिलम "नदी किनारे"	✠ ✠	द्रुत लय	✠ ✠	कांतीलाल और सितारा

दुनियां दिवानी, दुनियां दिवानी।
कोई कहे हाय जिगर, कोई कहे दिल।
कोई कहे चोरी-चोरी, आके सजन मिल ॥ दुनियां……॥

कोई कहे दिल न मिला, आंख मिलाले।
कोई कहे आंखों के परदों में छुपाले ॥ दुनियां……॥

लेके दिल आया हूँ मैं, यहां कोई खरीदे।
है कोई दिल वाला जो दिल देके ये दिल ले ॥ दुनियां……॥

लूट लो जोबन के मज़े, दुनियां है फ़ानी।
दम भर में गुज़र जायेगी, ये ख़्वाबे जवानी ॥ दुनियां……॥

×			।			×			।		
र	ग	ग	ग	र	–	स	–	–	–	–	–
दु	नि	यां	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध़	स	स	स	स	र	ग	–	–	–	स	र
दु	नि	यां	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

र	ग	ग	ग	र	–	स	–	–	–	–	–
दु	नि	यां	दि	वा	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	सं	सं	सं	–	सं	–	रं	सं	सं	सं
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	हो	ऽ	य	जि	ग	र
न	–	न	न	ध	न	प	प	–	–	–	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	दि	ल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	–	ध	ध	ध	न	प	प	–	–	–	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	दि	ल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	–	ध	ध	ध	–	प	ध	–	प	ध	–
को	ऽ	ई	क	हे	ऽ	चो	री	ऽ	चो	री	ऽ
प	म	–	ग	र	ग	र	र	–	–	–	–
आ	के	ऽ	स	ज	न	मि	ल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध़	स	स	स	स	र	ग	–	–	–	स	र
दु	नि	यां	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	ग	ग	ग	र	–	स	–	–	–	–	–
दु	नि	यां	दि	वा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

—o-*-o—

जल भरने चलोरी गुइयाँ.....!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायिका
"कङ्गन"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	"लीला चिटनीस"

जल भरने चली री गुइयाँ।
जमना किनारा चञ्चल धारा, पवन चलत पुरवैया। जल भरने...॥
डाल-डाल पर फूल खिले हैं, कूक रही कोयलिया। जल भरने...॥
कुञ्ज-कुञ्ज में भँवरा गूंजें, हँसती कोमल कलियाँ। जल भरने...॥

—:*-*:—

स्वरलिपि

														ऩ	ऩ
														ज	ल
×				।				×				।			
स	र	–	र	र	–	ग	–	म	ध	ध	प	म	ग	र	ऩ
भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ	गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल
स	र	–	र	र	–	ग	–	म	ध	ध	प	म	ग	र	स
भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ	गु	इ	याँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	र	र	म	–	म	–	प	–	प	प	म	प	प	–
ज	मु	ना	कि	ना	ऽ	रा	ऽ	चं	ऽ	च	ल	धा	ऽ	रा	ऽ
म	प	ध	ध	ध	ध	प	प	ध	रं	सं	सं	न	न	ध	प
प	व	न	च	ल	त	पु	र	व	इ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	न॒	ध	प	म	ग	र	ऩ	स	र	–	र	र	–	ग	–
*	*	*	*	*	*	ज	ल	भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ

म	ध	ध	प	म	ग	र	ऩ	स	र	–	र	र	–	ग	–
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ
म	ध	प	–	–	–	–	–	र	–	र	र	र	प	म	र
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	डा	ऽ	ल	डा	ऽ	ल	प	र
–	र	र	प	म	र	ऩ	स	–	र	र	र	म	–	प	–
ऽ	फू	ल	खि	ले	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	कू	क	र	ही	ऽ	को	ऽ
प	न	ध	प	–	–	–	–	–	र	र	र	म	–	प	–
य	लि	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कू	क	र	ही	ऽ	को	ऽ
प	न	ध	ध	प	म	र	ऩ	स	र	–	र	र	–	ग	–
य	लि	या	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ
म	ध	ध	प	म	ग	र	ऩ	स	र	–	र	र	–	ग	–
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ
म	ध	प	–	–	–	–	–	म	–	म	प	–	प	प	–
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कु	ऽ	ञ्ज	कु	ऽ	ञ्ज	में	ऽ
* ध	ध	ध	प	ध	मं	प	–	प	रं	रं	संरं	गं	रं	सं	
* भं	व	रा	गूं	ऽ	जें	ऽ	ऽ	हँ	स	तीं	कोऽ	ऽ	म	ल	
न	न	सं	–	–	–	–	–	न	न	न	न	ध	–	प	म
क	लि	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हं	स	ती	को	ऽ	म	ल

प	ध	प	–	–	–	र	नृ	स	र	–	र	र	–	ग	–
क	लि	याँ	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ
म	ध	ध	प	म	ग	र	नृ	स	र	–	र	र	–	ग	–
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	भर	ने	ऽ	च	ली	ऽ	री	ऽ
म	ध	प	–	-	–	–	–								
गु	इ	यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	:								

—※-o-※—　　46—N. P K. 8—40

सोलह बरस दुख काटे.........।

रणजीत मोवीटोन	✤ ✤	ताल	✤ ✤	गायिका
फिल्म "आजका हिंदुस्तान"	✤ ✤	धुमाली	✤ ✤	"सितारा"

सोलह बरस दुख काटे, कटे न अब रैन सैंयां।
बाला जोवन नहीं माने, पड़े न अब चैन सैंया॥
नैनन में दो नैनां समाये, मगमें बिरहा अगनी जलाये।
कानों में गूंजे तेरे बैन सैंयां........................॥
याद में किसकी हिचकी आई, क्यूं लेती हूं मैं अंगड़ाई।
काहे भर आये म्हारे नैन सैंयां। सोलह.......॥

×				×				×				×			
❋	ग	ग	ग	ग	र	–	गम	ग	र	–	स	सर	र	नृ	धृ
❋	सो	लह	ब	र	स	ऽ	दुख	का	टे	ऽ	क	टेऽ	ना	अ	ब
स	–नृ	सर	स	❋ धृस	धृस	स		सर	र	नृ	धृ	स	–नृ	सर	स
रै	ऽन	सैंऽ	यां	❋ हां	हांऽ	क		टेऽ	न	अ	ब	रै	ऽन	सैंऽ	यां

*	ग	ग	ग	ग	र	–	गम	ग	र	–	स	सर	र	ऩ	ध़
*	बा	ला	जो	ब	न	ऽ	नहीं	मा	ने	ऽ	प	ड़ेऽ	ना	अ	ब
स	–ऩ	सर	स	*	ध़स	ध़स	स	सर	र	ऩ	ध़	स	–ऩ	सर	स
चै	ऽन	सैंऽ	यां	*	हांऽ	हांऽ	प	ड़ेऽ	ना	अ	ब	चै	ऽन	सैंऽ	यां
*	प	ग	म	प	–	प	–	*	म	प	प	ग	–	स	–
*	नै	न	न	में	ऽ	दो	ऽ	*	नै	न	स	मा	ऽ	ये	ऽ
*	र	ग	ग	स	र	ऩ	प़	–	ऩस	र	ग	स	र	ऩ	स
*	म	न	में	बि	र	हा	ऽ	ऽ	अग	नी	ज	ला	ऽ	ये	ऽ
*	ग	ग	ग	ग	ग	–	गप	म	–म	रग	स	*	ग	ग	ग
*	का	नों	में	गूं	जे	ऽ	तेरे	बै	ऽन	सैंऽ	यां	*	का	नों	में
ग	ग	–	गप	म	–म	रग	स	*	स	ऩ	ऩ	स	स	स	–
गूं	जे	ऽ	तेरे	बै	ऽन	सैंऽ	यां	*	या	द	में	कि	स	की	ऽ
*	र	र	र	रग	मम	गर	स	*	स	ग	ग	ग	–	ग	–
*	हि	च	की	आऽ	ऽऽ	ईऽ	ऽ	*	क्यूं	ऽ	ले	ती	ऽ	हूँ	ऽ
*	ग	म	म	ग	–	स	–	*	प	प	प	ग	म	प	प
*	मैं	अं	ग	ड़ा	ऽ	ई	ऽ	*	का	हे	भर	आ	ये	म्हा	रे
ग	–र	ऩ	स	*	प	प	प	ग	म	प	प	ग	–र	ऩ	स
नै	ऽन	सैं	यां	*	का	हे	भर	आ	ये	म्हा	रे	नै	ऽन	सैं	यां

*	ग	ग	ग	ग	र	म	म	*	ग	ग	ग	ग	र	प	–
*	सो	लै	ब	र	स	हां	हां	*	सो	लै	ब	र	स	हां	ऽ
*	ग	ग	ग	ग	र	–	गम	ग	र	–	स	सर	र	ऩ	ध़
*	सो	ले	ब	र	स	ऽ	दिन	का	टे	ऽ	क	टेऽ	ना	अ	ब
स	–ऩ	सर	स	*	ध़स	ध़स	स	सर	र	ऩ	ध़	स	–ऩ	सर	स
रै	ऽन	सैंऽ	यां	*	हांऽ	हांऽ	क	टेऽ	ना	अ	ब	रै	ऽन	सैं	यां

47—N.P.K.

—— * ——

दुनियां रैन बसेरा........!

मिनर्वा मोवीटोन		ताल		गायिका
फ़िल्म "वसीयत"		कहरवा		"शीला"

दुनियां रैन बसेरा मुसाफ़िर ! दुनियां रैन बसेरा है ।
सारी दुनियां जाग उठी तू लम्बी तानें सोता है।
जो जागे सो पावे मुसाफ़िर जो सोवे सो खोवे।
दूर है मंज़िल नींद के मारे अब भी जाग सवेरा है ॥ दुनियां......॥
दुनियां क्या है पाप की नगरी इससे मन न लगाना।
क़दम क़दम पर जाल बिछे हैं सोच के पैर उठाना ॥
मोह लोभ के जाल पटक कर आन के तुमको घेरा है ॥
दुनियां रैन..............॥

×				।				×				।			
*	सं	सं	सं	सं	ऩ	सं	रं	ऩ	-	ऩ	ऩ	ध	म	पध	ऩसं
*	दु	नि	यां	रै	ऽ	न	ब	से	ऽ	रा	मु	सा	ऽ	फ़िऽ	ऽर
*	प	प	ध	म	प	ग़	ग़	र	–	स	ऩ		ग	म	प
*	दु	नि	यां	रै	ऽ	न	ब	से	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

*	प	प	ध	म	प	ग	ग	र	-	स	न	स	ग	म	प
दु	नि	ऽ	यां	रै	ऽ	न	ब	से	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	-	न	न	न	न	-	*	पध	नसं	सं	ध	न	पध	मप
*	सा	ऽ	री	दु	नि	यां	ऽ	*	जाऽ	ऽग	उ	ठी	ऽ	तूऽ	ऽऽ
*	पध	नसं	सं	न	ध	प	म	प	ध	प	-	पध	न	धन	सं
*	लंऽ	ऽऽ	बी	ता	ऽ	नें	ऽ	सो	ऽ	वे	ऽ	*	*	*	*
*	रं	रं	-	रं	-	रं	-	*	गं	गं	गं	सं	रं	न	सं
*	जो	जा	ऽ	गे	ऽ	सो	ऽ	*	पा	वे	मु	सा	ऽ	फ़ि	र
प	(ध)रं	रं	-	रं	-	रं	-	*	गं	गं	गं	सं	रं	न	सं
ऽ	जो	जा	ऽ	गे	ऽ	सो	ऽ	*	पा	वे	मु	सा	ऽ	फि	र
प	सं	रं	सं	न	ध	प	म	प	रं	सं	-	न	ध	प	-
ऽ	जो	ऽ	सो	वे	ऽ	सो	ऽ	खो	ऽ	वे	ऽ	*	*	*	*
*	सं	सं	सं	सं	न	सं	रं	न	-	न	न	ध	म	पध	नसं
*	दू	र	है	मं	ऽ	ज़ि	ल	नों	ऽ	द	के	मा	ऽ	रेऽ	ऽऽ
*	प	प	ध	म	प	ग	ग	र	-	स	न	स	ग	म	प
*	अ	ब	भी	जा	ऽ	ग	स	वे	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

दुनियां रैन बसेरा..।

*	न	न	न	न	-	न	-	*	पध	नसं	सं	ध	न	पध	मप
*	दु	नि	यां	क्या	ऽ	है	ऽ	*	पाऽ	ऽप	की	न	ग	रीऽ	ऽऽ

*	न॒	रं	सं	न॒	ध	प	म	प	ध॒	प	–	पध	न॒	धन॒	सं
*	इ	स	से	म	न	न	ल	गा	ऽ	ना	ऽ	*	*	*	*
*	रं	रं	रं	रं	रं	रं	रं	गं॒	गं॒	–गं॒	गं॒	रं	–	सं	–
*	कु	दम	क	द	म	प	र	ऽ	चो	ऽर	ब	से	ऽ	हैं	ऽ
*	सं	रंरं	रं	न॒	ध	प	म	प	रं	सं	–	न॒	ध	प	–
*	सो	ऽच	के	पै	ऽ	र	उ	ठा	ऽ	ना	ऽ	*	*	*	*
*	सं	सं	सं	–	न॒	सं	रं	न॒	–	न॒	न॒	ध	म	पध	न॒सं
*	मो	ह	लो	ऽ	भ	के	ऽ	जा	ऽ	ल	प	ट	क	कऽ	ऽर
*	प	प	ध॒	म	प	ग॒	–	र	–	स	न॒	स	ग॒	म	प
*	आ	न	के	तु	झ	को	ऽ	घे	ऽ	रा	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

दुनियां रैन..........................। 46—N. P. K. 8—40

—*-o-*—

कैसा उजड़ा चमन खुशी का !

न्यूथियेटर्स फिल्म	* *	ताल	* *	गायिका
"मुक्ती"	* *	धुमाली	* *	काननबाला

कैसा उजड़ा चमन खुशी का, कैसा नसीबा फूट गया।
फूल भी रुख़सत, बू भी रुख़सत, रंग भी गुल का छूट गया॥ कैसा... ॥
जब पे भी तो वफ़ा का पुतला, घर से निकला, दिल ले न निकला।
उसकी ललक है अब भी बाकी, देखने में तो छूट गया। कैसा... ॥
कुछ जो पता भी उसका पायें, क्या मूं लेकर सामने जायें।
आयेगा वो क्यूं लाख बुलायें, ये भी सहारा छूट गया॥ कैसा... ॥

(ताल बन्द रहेगी)

+				।				+				।			
गम	-	-	-	र	-	-	-	ऩ	-	स	-	न॒	-	ध़	-
कैऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	उ	ऽ	ज	ऽ	ड़ा	ऽ	ऽ	ऽ
प़	ध़	-	-	-	-	-	न॒	र	-	-	-	-	-	-	र
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	च	मन	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	खु
रग	रग	-	-	र	-	र	ग॒	स	-	-	-	ग	-	-	-
शी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ	ऽ	ऽ	कै	ऽ	ऽ	ऽ
ग	-	-	म	प	ध	प	ध	गम	-	-	-	र	ग	म	प
सा	ऽ	ऽ	न	सी	ऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	ऽ	ऽ	फू	ऽ	ट	ग
रग॒	-	-	-	सर	-	-	ग								
या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

(यहां से ताल धुमाली शुरू)

+				।				+				।			
*	गम	-	र	सऩ	स	न॒	ध़	न॒	र	-	र	रग॒	रग॒	स	-
*	कैऽ	ऽ	सा	उ	ज	ड़ा	ऽ	च	मन	ऽ	खु	शी	ऽ	का	ऽ
-	ग	-	म	प	पध	पध	म	र	ग	म	प	मग	म	-	-
ऽ	कैऽ	ऽ	सा	न	सी	ऽ	बा	फू	ऽ	ट	ग	या	ऽ	ऽ	ऽ
*	ऩधं	-	प़	ध़	स	स	स	*	स	ऩ	स	र	ग॒	र	र
*	फू	ऽ	लभी	रु	ख़	स	त	*	बू	ऽ	भी	रु	ख़	स	त

*	ग	ग	म	प	पध	गम	–	–	र	ग	मप	ग	–	सर	–
*	रं	ग	भी	गु	ल	का	ऽ	ऽ	छु	ऽ	टग	या	ऽ	ऽ	ऽ

कैसा उजड़ा चमन……………………।

*	मम	प	नु	ध	–	म	–	प	पध	–	म	प	पध	पध	–
*	ज़ब	र	पे	भी	ऽ	तो	ऽ	व	फ़ा	ऽ	का	पु	त	ला	ऽ
*	प	प	प	प	ध	पध	नसं	–	नु	ध	मप	ध	नु	ध	–
*	घ	र	से	नि	क	ला	ऽ	ऽ	दि	लसे	न	नि	क	ला	ऽ
*	धनु	ध	प	पप	गु	र	–	–	नु	ध	नु	सर	गु	र	–
*	उस	की	ल	ल	क	है	ऽ	ऽ	अ	ब	भी	बा	ऽ	की	ऽ
*	ग	ग	म	प	ध	ग	म	*	र	ग	मप	र	गु	स	र
*	दे	ख	ने	में	ऽ	तो	ऽ	*	छू	ऽ	टग	या	ऽ	ऽ	ऽ

कैसा उजड़ा चमन खुशी……………….।

*	सस	म	र	स	–	सनु	ध	*	धनु	स	–	गम	गम	–	स
*	कुछ	जो	प	ता	ऽ	भी	ऽ	*	उस	का	ऽ	पा	यें	ऽ	ऽ
*	स	–	सं	नु	–	ध	ध	ग	–	म	प	मग	रग	म	–
*	क्या	ऽ	मूं	ले	ऽ	क	र	सा	ऽ	म	ने	आ	ऽ	यें	ऽ
*	प	प	प	प	ध	पध	नुसं	*	नु	ध	प	मग	–	र	–
*	आ	ये	गा	वो	ऽ	क्यूं	ऽ	*	ला	ख	बु	ला	ऽ	यें	ऽ

*	ग	ग	म	प	ध	ग	म	*	र	ग	मप	र	ग	स	र
*	ये	भी	स	हा	ऽ	रा	ऽ	*	छू	ऽ	टग	या	ऽ	ऽ	ऽ

कैसा उजड़ा चमन..........................॥ 49—D. I. S.

सूनी पड़ी रे सितार.........!

बौम्बे टाकीज़		काफी		गायिका
फ़िल्म "कङ्गन"		ताल कहरवा		"लीला चिटनीस"

सूनी पड़ी रे सितार, मीरा के जीवन की।
कितनी गहरी नींद में सोगई तारों की झनकार ॥ मीरा के०......॥
मेरी सखी का गीत अधूरा, कौन करेगा रे अब पूरा।
गिरधर नागर क्या न सुनोगे, पीयू पीयु की पुकार ॥ मीरा के०......॥

—*—

×				।				×				।			
प	पध	न	प	प	ध	–	म	प	–	–	प	सं	सं	–	प
सू	नीऽ	ऽ	प	ड़ी	रे	ऽ	सि	ता	ऽ	ऽ	र	मी	रा	ऽ	के
मप	–	म	ग	र	–	–	–	प	पध	न	प	प	ध	–	म
जीऽ	ऽ	व	न	की	ऽ	ऽ	ऽ	सू	नीऽ	ऽ	प	ड़ी	रे	ऽ	सि
म	प	–	–	–	–	–	–	र	ग	र	ग	र	स	र	स
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	कि	त	नी	ऽ	ग	ह	री	ऽ
स	–	स	स	र	–	म	प	ध	सं	सं	–	न	–	ध	प
नीं	ऽ	द	में	सो	ऽ	ग	ई	ता	ऽ	रों	ऽ	की	ऽ	झ	न

ध	म	प	-	सं	सं	-	प	मप	-	म	ग॒	र	-	-	*
का	ऽ	ऽ	र	मी	रा	ऽ	के	जीऽ	ऽ	व	न	की	ऽ	ऽ	*
प	पध	न॒	प	प	ध	-	म	प	-	-	-	-	-	-	-
सू	नीऽ	ऽ	प	ड़ी	रे	ऽ	सि	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
*	स	स	स	र	म	म	-	*	म	म	प	ध	सं	न॒	-
*	मे	री	स	खी	ऽ	का	ऽ	*	गी	त	अ	धू	ऽ	रा	ऽ
-	म	म	प	ध	सं	न॒	-	ध	म	म	म	प	-	ध	-
ऽ	*	*	*	*	*	*	*	कौ	ऽ	न	क	रे	ऽ	गा	ऽ
ध	सं	सं	रं	न॒	-	ध	प	थ	सं	सं	रं	न	-	ध	प
रे	ऽ	अ	ब	पू	ऽ	रा	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*
म	म	ग	ग	ग	म	प	प	मप	धन॒	ध	प	म	ग	म	-
गि	र	ध	र	ना	ऽ	ग	र	क्याऽ	ऽऽ	न	सु	नो	ऽ	गे	ऽ
र	स	-	स	र	म	-	म	प	ध	न॒	सं	संन॒	धप	मग॒	रस
पि	यू	ऽ	पि	यु	की	ऽ	पु	का	ऽ	ऽ	र	**	**	**	**
र	स	-	स	र	म	-	म	प	ध	न॒	सं	सं	सं	-	प
पि	यू	ऽ	पि	यु	की	ऽ	पु	का	ऽ	ऽ	र	मी	रा	ऽ	के
मप	-	म	ग॒	र	-	-	-	प	पध	न॒	प	प	ध	-	म
जीऽ	ऽ	व	न	की	ऽ	ऽ	ऽ	सू	नीऽ	ऽ	प	ड़ी	रे	ऽ	सि

प	–	–	–	–	–	–	–	
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	

50—N. P. K. 9—40

जाऊं कहां तज चरन तुम्हारे ।

रणजीत मोवीटोन	ताल कहरवा	गायक
फिल्म "संततुलसीदास"	विलंबित लय	"विष्णुपंत पगनीस"

जाऊं कहां तज चरन तुम्हारे ।
किस का नाम पतित पावन है ॥
किसे दीन अति प्यारे ॥ जाऊं कहां.............॥
तन दे डारा, मन दे डारा ।
दे डारा जो कुछ था सारा ॥
इन चरनन का लिया सहारा ।
कह दो तुम हो हमारे ॥ जाऊं कहां.............॥

+				|				+				|			
*	रप	म	म	गर	ग	ऩ	स	*	रग	र	ग	गम	प	म	ग
*	जाऽ	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज	*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ
र	रप	म	म	गर	ग	ऩ	स	*	रग	र	ग	गम	प	म	प
ऽ	जाऽ	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज	*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ
–	नन	न	–	न	–	न	–	*	न	नन	न	सं	सं	सं	–
ऽ	किस	काऽ		ना	ऽ	म	ऽ	*	प	तित	पा	व	न	है	ऽ
–	पप	रं	सं	–	सं	न॒	न	ध	पध	प	–	–	–	–	–
ऽ	किसे	ऽ	दी	ऽ	न	अ	ति	प्या	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	नन	न	-	न	-	न	-	*	न	नन	न	सं	सं	सं	-
*	किस	का	ऽ	ना	ऽ	म	ऽ	*	प	तित	पा	व	न	है	ऽ

-	पप	रं	सं	-	सं	न॒	न॒	ध	पध	प	-	स	ग	र	स
ऽ	किसे	ऽ	दी	ऽ	न	अ	ति	प्या	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	प	म	म	गर	ग	ऩ	स	*	रग	र	ग	गम	प	म	ग
*	जा	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज	*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ

र	प	म	म	गर	ग	ऩ	स	*	रग	र	ग	गम	प	म	प
ऽ	जा	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज	*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ

-	न	न	-	न	-	न	-	प	न	सं	-	सं	-	सं	-
ऽ	तन	दे	ऽ	डा	ऽ	रा	ऽ	ऽ	मन	दे	ऽ	डा	ऽ	रा	ऽ

-	-	-	-	-	न	सं	-	-	न	न	-	न	-	न	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तन	दे	ऽ	डा	ऽ	रा	ऽ

प	न	सं	-	सं	-	सं	-	*	परं	रं	-	रं	-	सं	-
ऽ	मन	दे	ऽ	डा	ऽ	रा	ऽ	*	देऽ	डा	ऽ	रा	ऽ	जो	ऽ

*	संरं	सं	रं	न॒	-	ध	प	-	रंरं	रं	रं	रं	रं	रं	-
*	कुछ	था	ऽ	ला	ऽ	रा	ऽ	ऽ	इन	च	र	न	न	का	ऽ

गं	गं	मं	मं	गं	रंगं	न	सं	*	संसं	सं	-	न॒	ध	प	म
लि	या	ऽ	स	हा	ऽऽ	रा	ऽ	*	कह	दो	ऽ	तु	म	हो	ह

म	ग	र	-	-	-	-	-	*	संसं	सं	-	न॒	ध	प	म
मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	कह	दो	ऽ	तु	म	हो	ह

म	ग	र	-	-	-	स	र	*	प	म	म	गर	ग	ऩ	स
मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	जा	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज

*	रग	र	ग	गम	प	म	ग	र	प	म	म	गर	ग	ऩ	स
*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	जा	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज

*	रग	र	ग	गम	प	म	प	-	नन	न	-	न	-	न	-
*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	किस	का	ऽ	ना	ऽ	म	ऽ

*	न	नन	न	सं	सं	सं	-	-	पप	रं	सं	-	सं	न॒	न॒
*	प	तित	पा	व	न	है	ऽ	ऽ	किसे	ऽ	दी	ऽ	न	अ	ति

ध	पध	प	-	म	ग	र	स	*	प	म	म	गर	ग	ऩ	स
ध्या	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	जा	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज

*	रग	र	ग	गम	प	म	ग	र	रप	म	म	गर	ग	ऩ	स
*	चर	न	तु	म्हाऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	जाऽ	ऊं	क	हांऽ	ऽ	त	ज

ताल बन्द

*	*	र	ग	र	-	-	-	*	ग	ग	म	प	ध	न॒	ध
*	*	च	र	न	ऽ	ऽ	ऽ	*	तु	म्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	ध	प	–	–	–	–	–								
ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

51–N. P. K.

—*—o—*—

दिल में तू आँखों में तू.......!

मिनर्वा मोवीटोन	ताल	गायिका
पुकार	कहरवा	मिस मेनका

दिल में तू आँखों में तू साँसों में तू,
लब पै तू ख़्यालों में तू ख़्वाबों में तू।
सुबह के अँगड़ाइयाँ लेते हुए जलवों में तू,
दोपहर के जगमगाते आतशी शोलों में तू।
भीनी-भीनी शाम के रंगीन नज़्ज़ारों में तू,
रात की मोती भरी घनघोर सी ज़ुल्फों में तू।
आँधियों की रौ में बल खाते हुए झोंकों में तू,
बारिशों की झिलमिलाती अन-गिनत लड़ियों में तू।
नूर से धोये हुये महताब के चेहरे में तू,
आग से दहके हुये सूरज के रुख़सारों में तू।

+				।				+				।			
*	ग	ग	म	ग	र	स	र	र	ध	ध	–	ध	सं	न	सं
*	दि	ल	में	तू	ऽ	आँ	ऽ	खों	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	सां	ऽ
ध	न	ध	प	म	–	गम	प	*	ग	ग	म	ग	र	स	र
सों	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	ऽऽ	ऽ	*	ल	ब	पे	तू	ऽ	ख़्या	ऽ
र	ध	ध	–	ध	सं	न	सं	ध	न	ध	प	म	–	गम	प
लों	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	ख़्वा	ऽ	बों	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	ऽऽ	ऽ

*	म	–	म	म	–	–	–	मम	म	–	म॑	म	–	ग	–
*	सु	ऽ	बह	की	ऽ	ऽ	ऽ	अँग	ड़ा	ऽ	इ	याँ	ऽ	ऽ	ऽ
*	म	ध	म॑	धन	सं	–	–	न	ध	–	न	म॑	–	–	म
*	ले	ते	हु	येऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जल	वों	ऽ	में	तू	ऽ	ऽ	ऽ
*	ग	–	म	ग	र	स	–	*	ग	ग	ग	ग	म	प	–
*	दो	ऽ	प	ह	र	के	ऽ	*	ज	ग	म	गा	ऽ	ते	ऽ
*	न	–	न	ध	प	म	–	*	ग	र	म	ग	–	–	–
*	आ	ऽ	ति	शी	ऽ	ऽ	ऽ	*	शो	लों	में	तू	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	–	न	ध	प	म	–	*	म	–	म	म	–	प	ध
*	भी	ऽ	नी	भी	ऽ	नी	ऽ	*	शा	ऽ	म	के	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	–	सं	ध	प	म	–	*	म	–	म	(म	ग)	(ग प)	–
*	भी	ऽ	नी	भी	ऽ	नी	ऽ	*	शा	ऽ	म	के	ऽ	ऽ	ऽ
*	म	स	स	ग	–	म	–	*	प	–	ध	प	–	म	–
*	रं	गी	न	न	ऽ	ज़्ज़ा	ऽ	*	रों	ऽ	में	तू	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	–	न	सं	–	–	–	प	नसं	रं	सं	न॒	–	ध	प
*	रा	ऽ	त	की	ऽ	ऽ	ऽ	मो	तीऽ	ऽ	भ	री	ऽ	ऽ	ऽ
प	न॒	–	ध	प	म	ग	र	र	रग	म	ग	र	–	–	–
धन	घो	ऽ	र	सी	ऽ	ऽ	ऽ	ज़ु	ल्फोंऽ	ऽ	में	तू	ऽ	ऽ	ऽ

*	ग	–	म	ग	–	र	–	*	र	न̲	न̲	ध	ध	प	–
*	आं	ऽ	धि	यों	ऽ	की	ऽ	*	रौ	ऽ	में	ब	ल	खा	ऽ
*	प	–	प	सं	–	–	–	न̲	ध	–	म	ग	र	–	–
*	ते	ऽ	हु	ये	ऽ	ऽ	ऽ	झो	कों	ऽ	में	तू	ऽ	ऽ	ऽ
*	र	–	ग̲	र	–	स	–	*	न̲	ध̲	न̲	स	र	र	–
*	बा	ऽ	रि	शों	ऽ	की	ऽ	*	झि	ल	मि	ला	ऽ	ती	ऽ
*	र	र	म	म	म	प	प	प	–	म	–	ग	र	–	–
*	अ	न	गि	न	त	ल	ड़ि	यों	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	ऽ	*
*	म	–	म	न̲	–	ध	–	*	न	सं	न	सं	–	–	–
*	नू	ऽ	र	के	ऽ	ऽ	ऽ	*	धो	ये	हु	ये	ऽ	ऽ	ऽ
नन	नसं	रं	सं	न̲	–	–	–	ध	ध	ध	न̲	पध	न̲	–	–
मह	ताऽ	ऽ	ब	के	ऽ	ऽ	ऽ	च	ह	रे	में	तूऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न̲	ग̲	–	ग̲	रग̲	मग̲	रस	र	*	गग	म	ग	म	..	म	–
ऽ	आ	ऽ	ग	केऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	*	दह	के	हु	ये	ऽ	सु	ऽ
म	सं	सं	–	न̲	न̲	ध	–	पध	न̲	ध	–	प	–	म	–
र	ज	के	ऽ	रु	ख़	सा	ऽ	रोंऽ	ऽ	में	ऽ	तू	ऽ	ऽ	ऽ

दिल में तू......................

जै जै राधे श्याम ....!

इण्डिया आर्टिस्ट फिल्म		ताल		गायक
"बहूरानी"		कहरवा		अनुराधा और कोरस

कृष्ण मुरारी गिरवर धारी जै जै राधे श्याम।
तुम ही हो पितु-मात हमारे श्याम श्याम ॥ जै जै राधे०...............
दीन हीन के तुम ही सहारे, श्याम श्याम।
संकट हारी सब दुख टारी, पूरण करदो काम काम ॥ जै जै राधे०.........
पाप ताप संताप मिटादो श्याम, भव सागर से पार लगादो श्याम।
सुनो मुरारी टेर हमारी, रटैं तुम्हारा नाम नाम ॥ जै जै राधे०...

—:o:—

बिना ताल

+				।				+				।			
ग	म	म	प	–	प	–	–	–	–	–	म	प	ध	ध	न॒
कृ	ष्ण	मु	रा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गि	र	व	र	धा
प	ध	सं	–	–	–	–	–	–	–						
ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ						

ताल शुरू (कहरवा)

स	–	ग॒	–	म	–	मप	ध	ध	–	–	ध	प	ध॒	प	प
जै	ऽ	जै	ऽ	रा	ऽ	धेऽ	ऽ	श्या	ऽ	ऽ	म	श्या	ऽ	ऽ	म
म	–	म	–	स	–	ग॒	–	ग	प	ऽ	–	प	न॒	ध	प
जै	ऽ	जै	ऽ	रा	ऽ	धे	ऽ	श्या	ऽ	ऽ	ऽ	म	*	*	*
स	–	ग	–	म	–	प	सं	सं	–	–	–	–	–	–	–
जै	ऽ	जै	ऽ	रा	ऽ	धे	ऽ	श्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म

*	स	ग	म	प	–	प	प	–	म	प	ध	म	–	ग	–
*	तु	म	ही	हो	ऽ	पि	तु	ऽ	मा	त	ह	मा	ऽ	रे	ऽ
ग	–	–	ग	प	–	–	प	*	प	ध	ध	–	ध	ध	–
श्या	ऽ	ऽ	म	श्या	ऽ	ऽ	म	*	दी	न	ही	ऽ	न	के	ऽ
*	सं	सं	सं	ध	न	ध	–	न	–	–	न	सं	–	–	सं
*	तु	म्हीं	स	हा	ऽ	रे	ऽ	श्या	ऽ	ऽ	म	श्या	ऽ	ऽ	म
*	प	ध	न	ध	सं	सं	–	*	रंरं	रं	गं	रं	–	सं	–
*	सं	क	ट	हा	ऽ	री	ऽ	*	सब	दु	ख	टा	ऽ	री	ऽ
न	ध	न	प	*	प	ध	न	ध	सं	सं	–	*	रंरं	रं	गं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	सं	क	ट	हा	ऽ	री	ऽ	*	सब	दु	ख
रं	–	सं	–	न	ध	न	प	*	सं	सं	सं	न	न	न	–
टा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	पू	र	न	क	र	दो	ऽ
ध	–	–	म	प	ध	प	प								
का	ऽ	ऽ	म	का	ऽ	ऽ	म	जै जै राधे श्याम…………!							
म	–	म	प	–	प	प	–	मप	ध	ध	प	म	–	ग	–
पा	ऽ	प	ता	ऽ	प	सं	ऽ	ताऽ	ऽ	प	मि	टो	ऽ	दो	ऽ
स	ग	ग	म	प	–	–	–	*	पप	न	–	न	न	सं	–
श्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	*	भव	सा	ऽ	ग	र	से	ऽ

*	सं	सं	सं	न	-	प	-	प	ध	न	न	सं	-	-	-
*	पा	र	ल	गा	ऽ	दो	ऽ	श्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स
*	रं	रं	रं	सं	रं	गं	सं	-	न	ध	प	पध	न	धन	सं
*	सु	नो	मु	रा	ऽ	ऽ	री	ऽ	टे	र	ह	माऽ	ऽ	रीऽ	ऽ
*	सं	सं	सं	न	-	न	-	ध	-	-	म	प	ध	प	प
*	र	टे	तु	म्हा	ऽ	रा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	म	ना	ऽ	ऽ	म

जै जै राधे श्याम............!

—o-*-o—

53—N. P K

क्या रंग बिरंग फूल फले.....!

भवनानी प्रोडक्शन		ताल		गायिका
फिल्म "डबल क्रौस"		धुमाली		विमलाकुमारी

क्या रंग बिरंगे फूल फले फूले हैं गुलशन में।
बुलबुल की चहक फूलों की महक कैसी है कुंजन में॥
मन मोह लिया इन फूलों ने, प्यारे सावन के झूलों ने।
चुट की सी ली मन में, मन में, मन में, मन में॥ क्या रंग......॥
मोती के ख़ज़ाने पत्तों पर, चम्पा है इधर जुही है उधर।
मोरवा बोले बन में, बन में, बन में, बन में॥ क्या रंग......

														न	स
+				+				+				+		क्या	ऽ
स	र	र	र	र	-	र	-	ग	-	ग	ग	ग	-	म	प
रं	ऽ	ग	बि	रं	ऽ	गे	ऽ	फू	ऽ	ल	फ	ले	ऽ	फू	ऽ
ग	-	र	-	र	स	र	न	स	-	गम	पध	प	-	न	स
ले	ऽ	हैं	ऽ	गु	ल	श	न	में	ऽ	*	*	*	*	क्या	ऽ

स	र	र	र	र	–	र	–	ग	म	प	प	म	–	ग	म
रं	ऽ	ग	बि	रं	ऽ	गे	ऽ	फू	ऽ	ल	फ	ले	ऽ	फू	ऽ
ग	–	र	–	र	स	र	ऩ	स	–	ध़	स	ऩ	ध़	ध़	प
ले	ऽ	हैं	ऽ	गु	ल	श	न	में	ऽ	*	*	*	*	बु	ल
ध़	र	र	र	र	र	र	स	सर	ग	ग	ग	ग	ग	गम	प
बु	ल	की	च	ह	क	फू	ऽ	लों	ऽ	की	म	ह	क	कैऽ	ऽ
म	ग	ग	र	र	स	र	ऩ	स	–	गम	पध	प	–	स	ऩ
सी	ऽ	हैं	ऽ	कुं	ऽ	ज	न	में	ऽ	*	*	*	*	बु	ल
स	र	र	र	र	र	र	–	ग	म	प	प	म	ग	ग	म
बु	ल	की	च	ह	क	फू	ऽ	लों	ऽ	की	म	ह	क	कैं	ऽ
ग	–	र	–	र	स	र	ऩ	स	–	ग	म	प	–	स	स
सी	ऽ	हैं	ऽ	कुं	ऽ	ज	न	में	ऽ	*	*	*	*	म	न
ग	प	प	प	प	–	प	ध	म	प	ग	–	म	ग	स	स
मो	ऽ	ह	लि	या	ऽ	इ	न	फू	ऽ	लों	ऽ	ने	ऽ	*	*
ग	प	प	प	प	–	प	ध	म	प	ग	–	म	–	स	स
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	म	न
ग	प	प	प	प	–	प	ध	म	प	ग	–	म	ग	स	–
मो	ऽ	ह	लि	या	ऽ	इ	न	फू	ऽ	लों	ऽ	ने	ऽ	प्या	ऽ

ग	प	प	–	प	ग	पध	न॒	ध	ग	–	प	म	–	स	–
रे	ऽ	सा	ऽ	व	न	केऽ	ऽ	ऽ	भू	ऽ	लों	ने	ऽ	*	*
ग	प	प	–	प	प	पध	न॒	ध	ग	–	प	म	–	स	–
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	प्या	ऽ
ग	प	प	–	प	प	पध	न॒	ध	ग	–	प	म	–	स	स
रे	ऽ	सा	ऽ	व	न	केऽ	ऽ	ऽ	भू	ऽ	लों	ने	ऽ	चु	ट
र	–	ग॒	–	म	–	प	न॒	म॑प	–	–	–	–	–	स	स
की	ऽ	सी	ऽ	ली	ऽ	म	न	मेंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
र	–	ग॒	–	म	–	प	न॒	म॑प	–	–	–	–	–	स	स
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	ऽ	ऽ	चु	ट
र	–	ग॒	–	म	–	प	न॒	म॑प	–	–	–	–	–	म	प
की	ऽ	सी	ऽ	ली	ऽ	म	न	मेंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	न
ग॒	–	ग॒	म	र	–	र	ग॒	स	–	ध़॒	ऩ	स	–	ऩ	स
में	ऽ	म	न	में	ऽ	म	न	में	ऽ	*	*	*	*	क्या	ऽ
स	र	र	र	र	–	र	–	ग॒	–	ग॒	ग॒	ग॒	–	म	प
रं	ऽ	ग	वि	रं	ऽ	गे	ऽ	फू	ऽ	ल	फ	ले	ऽ	फू	ऽ
ग॒	–	र	–	र	स	र	ऩ	स	–	गम	पध	प	–	ऩ	स
ले	ऽ	हैं	ऽ	गु	ल	श	न	में	ऽ	*	*	*	*	क्या	ऽ

स	र	र	र	र	–	र	–	ग॒	म	प	प	म	–	ग॒	म
रं	ऽ	ग	बि	रं	ऽ	गे	ऽ	फू	ऽ	ल	फ	ले	ऽ	फू	ऽ

ग॒	–	र	–	र	स	र	नि़	स	–	ग	म	प	–	स	–
ले	ऽ	हैं	ऽ	गु	ल	श	न	में	ऽ	*	*	*	*	मो	ऽ

स	प	प	प	प	–	प	ध	ग	–	ग	प	म	–	स	–
ती	ऽ	के	ख	जा	ऽ	ने	ऽ	प	ऽ	त्तों	ऽ	पर	ऽ	*	*

स	प	प	प	प	–	प	ध	ग	–	ग	प	म	–	स	–
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	मो	ऽ

स	प	प	प	प	–	प	ध	ग	–	ग	प	म	–	स	–
ती	ऽ	के	ख	जा	ऽ	ने	ऽ	प	ऽ	त्तों	ऽ	पर	ऽ	च	ऽ

स	प	प	प	प	प	पध	न॒	ध	ग	ग	प	म	–	स	–
क्या	ऽ	है	इ	ध	र	जूऽ	ऽ	ऽ	ही	है	उ	धर	ऽ	*	*

स	प	प	प	प	प	पध	न॒	ध	ग	ग	प	म	–	स	–
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	च	ऽ

स	प	प	प	प	प	पध	न॒	ध	ग	ग	प	म	–	स	स
क्या	ऽ	है	इ	ध	र	जुऽ	ऽ	ऽ	ही	है	उ	धर	ऽ	मो	र

र	–	ग॒	–	म	–	प	न॒	म॑प	–	–	–	–	–	म	ध
वा	ऽ	बो	ऽ	ले	ऽ	ब	न	मेंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न

ग	–	ग	म	र	–	र	ग	र	–	न	स	स	र	र	र
में	ऽ	ब	न	में	ऽ	ब	न	में	ऽ	क्या	ऽ	रं	ऽ	ग	वि
र	–	र	–	ग	–	ग	ग	ग	–	म	प	ग	–	र	–
रं	ऽ	गे	ऽ	फू	ऽ	ल	फ	ले	ऽ	फू	ऽ	ले	ऽ	हैं	ऽ
र	स	र	न	स	–										
गु	ल	श	न	में	ऽ										

54—N. P. K.

राधे राधे बंसी रही पुकार....!

बौम्बे टाकीज़		राग–बहार		गायक
फ़िल्म "कङ्गन"		तीन–ताल		"अरुण"

राधे राधे बंसी रही पुकार ! राधे...............।
मथुरा जाके नन्द कुमार ! राधे...............॥
बंसोवट पर, यमुना तट पर,
रहे वो बाट निहार ! कान्हा...............।
मिलले जाकर पिया से मिलले,
मिलले आख़िरी बार ! राधे यही आख़िरी बार ॥

०				२				×				२			
न	–	सं	–	–	–	सं	–	न	–	प	–	प	न	म	प
रा	ऽ	धे	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	धे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	न	म	प	ग	म	न	–	–	–	–	–	ध	–
बं	ऽ	सी	ऽ	र	ही	ऽ	पु	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ

न	न	न	-	प	न	म	प	न	प	प	प	ग	म	र	स
म	थु	रा	ऽ	जा	ऽ	के	ऽ	नं	ऽ	द	कु	मा	ऽ	र	ऽ

—अन्तरा—

०				३				×				२			
ग	-	ग	म	न	ध	न	न	सं	न	सं	न	सं	न	सं	सं
बं	ऽ	सी	ऽ	व	ट	प	र	य	मु	ना	ऽ	त	ट	प	र
सं	सं	-	सं	न	-	प	प	ग	म	ग	म	न	-	प	-
र	हे	ऽ	वो	बा	ऽ	ट	नि	हा	ऽ	ऽ	र	का	ऽ	न्हा	ऽ
												यहां से ठेका बन्द है			
सं	सं	-	सं	न	-	प	प	ग	म	ग	म	-	-	-	-
र	हे	ऽ	वो	बा	ऽ	ट	नि	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	-	म	स	-	स	-	म	-	-	-	-	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	र	मि	ऽ	ल	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
गम	पम	प	-	-	ग	-	म	-	-	-	-	-	-	-	-
जाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	-	म	न	-	-	-	-	-	-	ध	-	-	-	न	-
पि	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ	मि	ऽ
न	सं	-	-	-	-	-	-	-	सं	-	सं	-	मं	-	-
ल	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मि	ऽ	ल	ऽ	ले	ऽ	ऽ

-	-	-	-	-	संगं	संगं	संगं	मं	-	-	-	मं	-	पं	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	आ	ऽ	ऽ	ऽ

-	गं	-	मं	-	पं	-	-	-	-	पं	-
ऽ	ख़ि	ऽ	री	ऽ	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ

—ठेका शुरू—

२				०				३				+			
मं	गं	गं	मं	रं	सं	-	सं	-	नं	ध	-	न	-	सं	सं
रा	ऽ	धे	ऽ	य	ही	ऽ	आ	ऽ	ख़ि	री	ऽ	बा	ऽ	ऽ	र

55—N. P. K.

मेरे मन की बगिया फूली....!

रणजीत मोवीटोन	ताल	गायक
फिल्म "संततुलसीदास"	कहरवा	"विष्णुपंत-सुशीला"

माली माली माली! मेरे मन की बगिया फूली।
फिरती हो क्यूं फूली फूली। फूलों के संग मैं भी फूली, माली, माली......॥
मालिन मालिन, तेरी बगिया न्यारी, फूलीं सुख की कलियाँ प्यारी।
रस बरसाती डारी डारी, माली! मन में आओ, फूल सजाऊं
फूल सजाऊं हार बनाऊं, हार बनाऊं हिये लगाऊं, माली, माली......॥

स्वरलिपि☞

		स	-
		मा	ऽ

+				।				।				+			
स	र	-	-	-	-	र	-	र	ग	-	-	-	-	ग	म
ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ

प	-	-	-	-	-	न	सं	ध	सं	न̲	ध	प	ध	ग	म
ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	म	न	की	ऽ	ब	गि	या	ऽ
प	-	प	-	-	-	न	सं	ध	सं	न̲	ध	प	ध	ग	म
फू	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	म	न	की	ऽ	ब	गि	या	ऽ
ग	-	प	-	-	स	स	-	स	र	-	-	-	-	र	-
फू	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ
र	ग	-	-	-	-	ग	म	प	-	-	-	-	-	-	-
ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	र	-	र	-	र	-	सर	ग	ग	म	र	-	स	-
फि	र	तो	ऽ	हो	ऽ	क्यूं	ऽ	फूऽ	ऽ	लो	ऽ	फू	ऽ	ली	ऽ
सं	रं	सं	-	न̲	ध	प	म	प	ध	न̲	-	ध	-	प	-
फू	ऽ	लों	ऽ	के	ऽ	सं	ग	मैं	ऽ	भी	ऽ	फू	ऽ	ली	ऽ
स	-	र	-	-	-	र	-	र	ग	-	-	-	-	ग	म
मा	ऽ	लो	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ
प	-	-	-	-	-	न	सं	ध	सं	न̲	ध	प	ध	ग	म
ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	म	न	की	ऽ	ब	गि	या	ऽ
प	-	प	-	-	-	स	-	र	ग	-	-	-	-	र	-
फू	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ

र	ग	–	–	–	–	ग	म	प	–	–	–	–	–	स	–
ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ
र	–	–	–	–	–	ग	–	ध़	–	स	–	–	–	स	–
लिन	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ
र	–	–	–	–	–	म	प	प	प	म	–	ग	–	र	स
लिन	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ते	री	ब	गि	या	ऽ	न्या	ऽ	री	ऽ
स	–	र	–	–	–	म	प	प	प	म	–	ग	–	र	स
मा	ऽ	लिन्	ऽ	ऽ	ऽ	ते	री	ब	गि	या	ऽ	न्या	ऽ	री	ऽ
*	प	प	–	प	प	प	–	म	म	म	ग	र	–	स	–
*	फू	ली	ऽ	सु	ख	की	ऽ	क	लि	यां	ऽ	प्या	ऽ	री	ऽ
स	–	र	–	–	–	म	प	प	प	म	–	ग	–	र	स
मा	ऽ	लिन्	ऽ	ऽ	ऽ	ते	री	ब	गि	या	ऽ	न्या	ऽ	री	ऽ
प	–	प	–	प	प	प	–	म	म	म	ग	र	–	स	–
फू	ऽ	ली	ऽ	सु	ख	की	ऽ	क	लि	यां	ऽ	प्या	ऽ	री	ऽ
म	म	म	म	म	–	म	ग	र	–	ग	–	र	–	स	–
र	स	ब	र	सा	ऽ	ती	ऽ	डा	ऽ	री	ऽ	डा	ऽ	री	ऽ
म	प	प	म	म	–	म	ग	र	–	ग	–	र	–	स	–
र	स	ब	र	सा	ऽ	ती	ऽ	डा	ऽ	री	ऽ	डा	ऽ	री	ऽ

ध	-	ध	सं	-	-	-	-	ध	-	ध	सं	-	-	-	-
मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*
न	न	न	-	ध	-	प	-	ग	म	प	म	प	-	प	-
म	न	में	ऽ	आ	ऽ	ओ	ऽ	फू	ऽ	ल	स	जा	ऽ	ऊं	ऽ
प	ध	ध	सं	सं	-	सं	-	सं	रं	गं	गं	रं	-	रं	सं
फू	ऽ	ल	स	जा	ऽ	ऊं	ऽ	हा	ऽ	र	ब	ना	ऽ	ऊं	ऽ
सं	सं	न	-	ध	-	प	-	ग	म	प	म	मप	ध	प	-
म	न	में	ऽ	आ	ऽ	ओ	ऽ	फू	ऽ	ल	स	जाऽ	ऽ	ऊं	ऽ
प	ध	ध	सं	सं	-	सं	-	सं	रं	गं	गं	रं	-	रं	सं
फू	ऽ	ल	स	जा	ऽ	ऊं	ऽ	हा	ऽ	र	ब	ना	ऽ	ऊं	ऽ
रं	-	रं	रं	न॒	-	न॒	-	ध	ध	-	न॒	ध	-	प	-
हा	ऽ	र	ब	ना	ऽ	ऊं	ऽ	हि	ये	ऽ	ल	गा	ऽ	ऊं	ऽ
स	-	र	-	-	-	र	-	र	ग	-	-	-	-	ग	म
मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ
प	-	-	-	-	-	-	-								
ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

—*—

भारत मां के राज दुलारे....!

हंस पिक्चर्स	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायक
"ब्रान्डी की बोतल"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	कोरस

राज दुलारे !
भारत मां के राज दुलारे,
छोटे जवाहिर लाल हमारे।
झण्डा बन्दन करने जाना, आज़ादी के गीत सुनाना।
आज़ादी के गीत, इन्कलाब ज़िंदाबाद, हिंदू मुसलमां ज़िंदाबाद॥
झण्डा ऊँचा रहे हमारा, जननी जन्म भूमि का प्यारा।
तूही भारत भाग्य सितारा, घर की लक्ष्मी घर ले आना॥
जाग उठेंगे भाग हमारे, पग पूजेंगे देव तुम्हारे।
भारत मां के..............................॥
माताएं सब करत आरती, तुम पर अपने प्राण वारती।
बहनों से तुम राखिया बँधाना, उनका सावन सफल कराना॥
भारत मां हर सांस पुकारे, जुगजुग जीवो लाल हमारे।
भारत मां के..............................॥

बिना ठेका

प	–	ऩ	स	सर	सग	र	–								
रा	ऽ	ज	दु	लाऽ	ऽऽ	रे	ऽ								

ताल शुरू (कहरवा)

×				×				×				×			
* म	म	म	म	ग	–	र	स	र	–	ऩ	स	सर	सग	र	–
* भा	भा	र	त	मा	ऽ	के	ऽ	रा	ऽ	ज	दु	लाऽ	ऽऽ	रे	ऽ
* र	र	र	र	ग	–	ग	म	–	र	र	स	सर	सर	स	–
* छो	छो	टे	ज	वा	ऽ	हि	र	ऽ	ला	ऽल	ह	माऽ	ऽऽ	रे	ऽ

र	–	ऩ	स	सर	सग	र	–	*	र	र	र	ग	–	ग	म
रा	ऽ	ज	दु	लाऽ	ऽऽ	रे	ऽ	*	छो	टे	ज	वा	ऽ	हि	र
–	र	–र	स	सर	सर	स	–	*	र	म	–	प	–	प	प
ऽ	ला	ऽल	ह	माऽ	ऽऽ	रे	ऽ	*	झं	डा	ऽ	वं	ऽ	द	न
*	मम	प	–	मप	ध	म	ग	र	र	म	–	प	–	प	–
*	कर	के	ऽ	जाऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	आ	ज़ा	ऽ	दी	ऽ	के	ऽ
*	म	प	प	मप	ध	मप	मग	र	र	म	–	प	–	प	–
*	गी	त	सु	ना ;	ऽ	नाऽ	ऽऽ	ऽ	आ	ज़ा	ऽ	दी	ऽ	के	ऽ
प	–	–	–	–	–	–	–	(बाजा बन्द)							
गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	इ	न्क	ला	ब	ज़ि	न्दा	बा	द
				(बाजा शुरू)				सं	–	सं	–	न	–	ध	प
हिं	दुमु	सल	मां	ज़ि	न्दा	बा	द	झं	ऽ	डा	ऽ	ऊँ	ऽ	चा	ऽ
प	ध	–	म	प	न	ध	–	प	ध	ध	प	म	ग	र	स
र	हे	ऽ	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	ज	न	नी	ऽ	ज	ऽ	न्म	भू
–	म	म	प	प	न	ध	–	म	–	म	ग	म	प	प	म
ऽ	मि	का	ऽ	प्या	ऽ	रा	ऽ	तू	ऽ	ही	ऽ	भा	ऽ	र	त
मप	ध	ध	प	पध	न	सं	–	म	–	म	ग	म	प	प	म
भाऽ	ऽ	ग्य	सि	ताऽ	ऽ	रा	ऽ	तू	ऽ	ही	ऽ	भा	ऽ	र	त

मप	ध	ध	प	पध	न	ध	–	*	पप	ध	–	प	न	ध	–
भाऽ	ऽ	ग्य	सि	ताऽ	ऽ	रा	ऽ	*	घर	की	ऽ	ल	क्ष	मी	ऽ
*	पप	ध	–	म	स	ग	र	*	पप	ध	–	प	न	ध	–
*	घर	में	ऽ	आ	ऽ	ना	ऽ	*	घर	की	ऽ	ल	क्ष	मी	ऽ
*	पप	ध	–	म	र	मप	धन॒	न॒	न॒	न॒	न॒	ध	–	प	–
*	घर	में	ऽ	आ	ऽ	नाऽ	ऽऽ	ऽ	जा	ग	उ	ठें	ऽ	गे	ऽ
पध	पध	सं-	न॒	ध	–	प	–	*	पध	सं	–	सं	–	सं	–
भाऽ	ऽऽ	ऽग	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	*	पग	पू	ऽ	जें	ऽ	गे	ऽ
न॒	न॒	न॒	न॒	ध	–	प	–								
ऽ	दे	व	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ	भारत मां के..............................।							
*	न	न	–	ध	न	प	प	ध	ध	म	म	प	न	न	–
*	मा	ता	ऽ	यें	ऽ	स	ब	क	र	त	आ	ऽ	र	ती	ऽ
*	नन	न	न	ध	न	ध	प	ध	–	म	म	प	न	न	–
*	तुम	प	र	अ	प	ने	ऽ	प्रा	ऽ	ण	वा	ऽ	र	ती	ऽ
ध	ध	ध	–	पध	न	ध	ध	प	ध	ध	ध	मग	र	ग	र
ब	ह	नों	ऽ	सेऽ	ऽ	तु	म	र	खि	यां	बँ	धाऽ	ऽ	ना	ऽ
म	म	म	–	ग	–	र	स	–	रर	म	म	प	–	ध	–
इ	न	का	ऽ	सा	ऽ	व	न	ऽ	सफ	ल	क	रा	ऽ	ना	ऽ

सं	-	सं	सं	न	-	ध	ध	*	ध	ध	प	मग	र	ग	र
भा	ऽ	र	त	मा	ऽ	इ	र	*	सां	स	पु	काऽ	ऽ	रे	ऽ
म	म	म	म	ग	-	र	स	*	र	ऩ	स	सर	सग	र	-
जु	ग	जु	ग	जी	ऽ	वो	ऽ	*	ला	ल	ह	माऽ	ऽऽ	रे	ऽ
*	म	म	म	ग	-	र	स	र	-	ऩ	स	सर	सग	र	-
*	भा	र	त	मा	ऽ	के	ऽ	रा	ऽ	ज	दु	लाऽ	ऽऽ	रे	ऽ
*	र	र	र	ग	-	ग	म	-	र	-र	स	सर	सर	स	-
*	छो	टे	ज	वा	ऽ	हि	र	ऽ	ला	ऽल	ह	माऽ	ऽऽ	रे	ऽ

(ठेका बन्द)

*	ग	र	स	सर	सग	र	-
*	रा	ज	दु	लाऽ	ऽऽ	रे	ऽ

57—N. P. K.

—o-*-o—

अब मैं काह करूँ कित जाऊँ !

न्यूथियेटर्स फिल्म	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायक
'धरतीमाता'	✠ ✠	धुमाली	✠ ✠	'सहगल'

अब मैं काह करूँ कित जाऊं।
छूट गया सब साथ सहारा, अपने भी कर गये किनारा॥
एक बाजी में सब कुछ हारा, आशा हारी हिम्मत हारी।
अब क्या दाव लगाऊं ? अब मैं काह करूँ.......................॥
जो पौधा सींचा मुरझाया, टूट गया जो महल बनाया।
बुझ गया जो भो दिया जलाया, मन अँधियारा, जग अँधियारा।
ज्योति कहां से लाऊं ? अब मैं काह करूँ.......................॥

—*-(ᅮ)*—

स	र	सऩ	ध	-	ग	र	गप	गमगरस	-	स	स	ध़स	र	ग	र
अ	ब	मैं	ऽ	ऽ	का	ऽ	हक	रूं	ऽ	कि	त	जा	ऽ	ऊं	ऽ
ग	-	सऩ	ध़	-	ग	र	गप	गमगरस	-	ऩध़	प	ध़	स	स	-
ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	का	ऽ	हक	रूं	ऽ	कि	त	जा	ऽ	ऊं	ऽ
-	म	प	पप	प	-	-	-	-	मप	ध	धध	ध	-	-	-
ऽ	छू	ऽ	टग	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	छू	ऽ	टग	या	ऽ	ऽ	ऽ
मप	धन	न	न	न	-	न	न	-	धन	ध	प	मप	मपधन	धप	-
छू	ऽ	ट	ग	या	ऽ	स	ब	ऽ	सा	थ	स	हा	ऽ	रा	ऽ
-	ग	ग	ग	ग	-	ग	ग	ग	म	-	मं	रग	सरगम	गर	-
ऽ	अ	प	ने	भी	ऽ	क	र	ग	ये	ऽ	कि	ना	ऽ	रा	ऽ
-	ग	र	गम	मग	रग	र	स	-	स	ऩध़	प़	ध़स	रग	र	-
ऽ	छू	ऽ	टग	या	ऽ	स	ब	ऽ	सा	थ	स	हा	ऽ	रा	ऽ
-	र	र	र	र	ग	र	ग	सर	सरग	म	म	मग	रगमग	रस	-
ऽ	अ	प	ने	भी	ऽ	क	र	ग	ये	ऽ	कि	ना	ऽ	रा	ऽ
-	मप	प	-	पध	पध	पम	-	-	गग	र	स	सरग	सर	म	-
ऽ	पक	बा	ऽ	जी	ऽ	में	ऽ	ऽ	सब	कु	छ	हा	ऽ	रा	ऽ
-	ध	-	ध	-	मध	धनसंरं	नसं	-	धन	ध	प	मप	धन	ध	-
ऽ	आ	ऽ	शा	ऽ	हाऽ	री	ऽ	ऽ	हिं	म	त	हाऽ	री	ऽ	ऽ

– ध प मपध	– प ध पप	पमग – म –	रग सर – –
ऽ अ ब क्या।	ऽ दा ऽ बल	गा ऽ ऊं ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अब मैं काह करूं......................।

– सं सं रं	न – – न	न – न ध	मपधन – ध –
ऽ जो पौं ऽ	धा ऽ ऽ सीं	चा ऽ मु र	झा ऽ या ऽ
– ध न नन	नध पध प –	– गग ग म	ग – र –
ऽ दू ऽ दग	ग ऽ जो ऽ	ऽ मह ल ब	ना ऽ या ऽ
– म म प	ध ध – –	– धनसंरं सं –	– न ध प
ऽ बु झ ग	या जो ऽ ऽ	ऽ भी ऽ ऽ	ऽ दि या ज
मप धन धप –	– मप न न	सं नसं रंगं रं	– सं गं –
ला ऽ या ऽ	ऽ मन अं धि	या ऽ रा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ
– रंसं न ध	पध न ध –	– प न –	– – – –
ऽ जग अं धि	या ऽ रा ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
– पध – प	पमग – म –	ग र – –	– – – –
ऽ ज्ञो ऽ तक	हाँ ऽ से ऽ	ला ऊँ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

अब मैं काह करूं कित......................

मन भावन मन भावन.........!

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म "बन्धन"	✠ ✠	ताल कहरवा	✠ ✠	गायिका "लीला चिटनीस"

मन भावन मन भावन, लो सावन आया रे।
बन बन उपवन कुञ्ज कुञ्ज में, गुंजन छाया रे, लो सावन आया रे......!
रिमझिम-रिमझिम गाता आया, सरगम सकल सुनाता आया।
नया संदेशा, नई आस, नव-जीवन लाया रे ॥ लो सावन आया रे......!
मगन हुई हंसों की टोली, दुनियाँ प्रेम हिंडोले डोली।
डाल पै बैठी बुलबुल बोली, सावन आया रे ॥ लो सावन आया रे......!

स्वरलिपि☞

														स	स
														म	न
+				।				+				।			
ग	म	ग	म	ग	र	ग	म	प	ध	प	–	–	–	र	ग
भा	ऽ	व	ऽ	ऽ	न्	म	न	भा	ऽ	व	ऽ	ऽ	न्	लो	ऽ
ग	प	म	ग	र	स	र	ग	स	–	–	–	–	–	स	स
सा	ऽ	व	न	आ	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	म	न
ग	म	ग	म	ग	र	ग	म	प	ध	प	–	–	–	र	ग
भा	ऽ	व	ऽ	ऽ	न्	म	न	भा	ऽ	व	ऽ	ऽ	न्	लो	ऽ
ग	प	म	ग	र	स	र	ग	स	–	–	–	–	–	–	–
सा	ऽ	ब	न	आ	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*

ग	म	म	म	म	म	ग	म	प	–	प	प	–	प	प	म
ब	न	व	न	उ	प	व	न	कुं	ऽ	ज	कुं	ऽ	ज	में	ऽ
म	ध	ध	ध	ध	–	प	म	म	प	–	–	म	ग	र	स
गुं	ऽ	ज	न	छा	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	म	म	म	म	म	ग	म	प	–	प	प	–	प	प	म
सिर्फ बाजा बजेगा															
म	ध	ध	ध	ध	–	प	म	म	प	–	–	म	ग	र	ग
														लो	ऽ

सावन आया रे............ ।

ध	सं	सं	सं	ध	सं	सं	सं	न	सं	न	ध	प	ध	न	सं
रि	म	झि	म	रि	म	झि	म	गा	ऽ	ता	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ
स	र	ग	म	ग	म	प	ध	प	ध	न	सं	न	ध	प	–
स	र	ग	म	स	क	ल	सु	ना	ऽ	ता	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ
स	स	प	प	प	–	प	–	म	प	म	ध	प	म	म	म
न	या	ऽ	सं	दे	ऽ	शा	ऽ	न	ई	ऽ	आ	ऽ	श	न	व
ग	–	र	ग	प	म	ग	र	स	–	–	–	र	ग	म	प
जी	ऽ	व	न	ला	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
स	स	प	प	प	–	प	–	म	प	म	ध	प	म	म	म
न	या	ऽ	सं	दे	ऽ	शा	ऽ	न	ई	ऽ	आ	ऽ	श	न	व

ग	–	र	ग	प	म	ग	र	स	–	–	–	–	–	र	ग
जी	ऽ	व	न	ला	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	लो	ऽ

सावन आया रे...।

म	म	प	ध	ध	–	ध	–	ध	<u>न</u>	ध	<u>न</u>	ध	प	म	–
म	ग	न	हु	ई	ऽ	हं	ऽ	सों	ऽ	की	ऽ	टो	ऽ	ली	ऽ
प	प	ध	न	न	–	न	न	प	ध	ध	नं	न	ध	प	–
दु	नि	यां	ऽ	प्रे	ऽ	म	हिं	डो	ऽ	ले	ऽ	डो	ऽ	ली	ऽ
स	प	प	प	प	–	प	–	म	प	म	ध	प	–	म	–
डा	ऽ	ल	पै	बै	ऽ	ठी	ऽ	बु	ल	बु	ल	बो	ऽ	ली	ऽ
ग	–	र	ग	प	म	ग	र	स	–	–	–	र	ग	म	प
सा	ऽ	व	न	आ	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
स	प	प	प	प	–	प	–	म	प	म	ध	प	–	म	–
डा	ऽ	ल	पै	बै	ऽ	ठी	ऽ	बु	ल	बु	ल	बो	ऽ	ली	ऽ
ग	–	र	ग	प	म	ग	र	स	–	–	–	–	–	र	ग
सा	ऽ	व	न	आ	ऽ	या	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	लो	ऽ

सावन आया रे...।

—*-०-*—

59—N. P. K.

कौन बगिया से आये.........!

भवनानी प्रोडक्शन	ताल	गायिका
फ़िल्म 'डबलक्रौस'	धुमाली और दादरा	विमला कुमारी

कौन बगिया से आये मोरे पियारे सूगना।
सूगना के हरे हरे पंखे और लाल लाल ठौर भाये,
पियारे सूगना, कौन बगिया.......................।

(मिट्ठू, यह तो बता, तूने किसी से प्रेम भी किया ? हँ हँ क्या कहा, नहीं किया है ? तो सुन)

आ तुझे प्रेम का एक पाठ पढ़ाऊं तोते,
मुझ से तू रूठ ज़रा, और मैं मनाऊं तोते,
अच्छा एक बात ज़रा मुझको तू बतला तो सही।
अपने प्रीतम को भला कैसे मैं पाऊं तोते ?
सूगना के हरे हरे पंखे....................।

ताल धुमाली

+				+				+				+			
*	ग	–	म	प	ध	ग	म	–	ग	–	म	प	ध	ग	म
*	कौ	ऽ	न	ब	गि	या	से	ऽ	कौ	ऽ	न	ब	गि	या	से
–	र	ग	र	स	ऩ	–	ऩ	स	–	सर	ग	–	स	र	ऩ
ऽ	आ	ऽ	ये	मो	रे	ऽ	पि	या	ऽ	रेऽ	ऽ	ऽ	सू	ऽ	ग
स	–	–	–	*	ग	–	म	प	–	–	प	प	ध	प	ध
ना	ऽ	ऽ	ऽ	*	सू	ऽ	ग	ना	ऽ	ऽ	के	ह	रे	ह	रे
म	प	म	–	ग	स	ग	म	प	–	–	प	प	न	ध	न
पं	ऽ	खे	ऽ	ऽ	ऽ	सू	ग	ना	ऽ	ऽ	के	ह	रे	ह	रे

प	ध	म	प	ग	स	ग	म	प	–	–	प	प	न	ध	न
पं	ऽ	खे	ऽ	ऽ	ऽ	सू	ग	ना	ऽ	ऽ	के	ह	रे	ह	रे
प	ध	म	प	ग	स	ग	म	प	ध	म	म	–	स	ग	म
पं	ऽ	खे	ऽ	ऽ	औ	ऽ	र	ला	ले	ला	ले	ऽ	*	*	*
प	ध	म	म	–	स	ग	म	प	ध	म	म	–	र	ग	र
*	*	*	*	*	बा	ऽ	के	ला	ले	ला	ले	ऽ	ठौ	ऽ	र
स	ऩ	–	ऩ	स	–	सर	ग	–	स	र	ऩ	स	–	–	–
भा	ये	ऽ	पि	या	ऽ	रेऽ	ऽ	ऽ	सू	ऽ	ग	ना	ऽ	ऽ	ऽ
*	ग	–	म	प	ध	ग	म	–	ग	–	म	प	ध	ग	म
*	कौ	ऽ	न	ब	गि	या	से	ऽ	कौ	ऽ	न	ब	गि	या	से
–	र	ग	र	स	ऩ	–	ऩ	स	–	सर	ग	–	स	र	ऩ
*	आ	ऽ	ये	मे	रे	ऽ	पि	या	ऽ	रेऽ	ऽ	ऽ	सू	ऽ	ग
स	–	–	–	–	–	*	*								
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*								

यहां से ताल दादरा

+			०			+			०		
		स	र	ऩ	स	ग	–	ग	ग	ग	ग
		आ	तु	झे	ऽ	प्रे	ऽ	म	का	इ	क

ग	-	ग	ग	ग	-	र	-	ग	म	ग	-
पा	ऽ	ठ	प	ढ़ा	ऽ	ऊं	ऽ	तो	ऽ	ते	ऽ
स	-	स	र	ऩ	स	म	-	ग	ग	ग	ग
ऽ	ऽ	आ	तु	झे	ऽ	प्रे	ऽ	म	का	इ	क
ग	-	ग	ग	ग	-	र	-	ग	म	ग	-
पा	ऽ	ठ	प	ढ़ा	ऽ	ऊं	ऽ	तो	ऽ	ते	ऽ
स	-	स	र	ऩ	स	ग	-	ग	ग	ग	-
ऽ	ऽ	मुझ	से	तू	ऽ	रू	ऽ	ठ	ज़	रा	ऽ
ग	ग	र	स	स	-	ग	-	ग	म	ग	-
औ	र	मैं	म	ना	ऽ	ऊं	ऽ	तो	ऽ	ते	ऽ
स	-	स	स	ग	म	प	-	प	प	प	-
ऽ	ऽ	अ	च्छा	इ	क	बा	ऽ	त	ज़	रा	ऽ
ध	न	ध	प	म	प	ग	-	ग	प	म	-
मु	झ	को	तू	ब	त	ला	ऽ	तो	स	ही	ऽ
म	-	स	स	ग	म	प	-	प	प	ध	सं
ऽ	ऽ	अ	च्छा	इ	क	बा	ऽ	त	ज़	रा	ऽ
न	सं	न	ध	प	ध	ग	-	ग	प	म	-
मु	झ	को	तू	ब	त	ला	ऽ	तो	स	ही	ऽ

म	–	म	म	प	–	ग	ग	ग	ग	ग	–
ऽ	ऽ	अप	ने	प्री	ऽ	त	म	को	भ	ला	ऽ
र	–	र	र	र	–	रग	म	ग	–	स	–
कैं	ऽ	से	मैं	पा	ऽ	ऊंऽ	ऽ	तो	ऽ	ते	ऽ

यहां से ताल धुमाली☞ ग म
सु ग

+				+				+				+			
प	–	–	प	प	ध	प	ध	म	प	म	–	ग	स	ग	म
ना	ऽ	ऽ	के	ह	रे	ह	रे	पं	ऽ	खे	ऽ	ऽ	ऽ	सु	ग
प	–	–	प	प	न	ध	न	प	ध	म	प	ग	स	ग	म
ना	ऽ	ऽ	के	ह	रे	ह	रे	पं	ऽ	खे	ऽ	ऽ	औ	ऽ	र
प	ध	म	म	–	र	ग	र	स	ऩ	–	ऩ	स	–	सर	ग
ला	ले	ला	ले	ऽ	ठौ	ऽ	र	भा	ये	ऽ	पि	या	ऽ	रेऽ	ऽ
–	स	र	ऩ	स	–	–	–	* ग		–	म	प	ध	ग	म
ऽ	सू	ऽ	ग	ना	ऽ	ऽ	ऽ	* कौ		ऽ	न	ब	गि	या	से

आये मोरे पियारे......................................।

सपनों में कोई आता है……।

न्यूथियेटर्स फिल्म		ताल		गायिका
"सँपेरा"		कहरवा		काननबाला

सपनों में कोई आता है ।
कुछ चुपके से कहजाता है ॥
होठों से होठ मिलाता है, हिरदय का कमल खिलाता है ॥ सपनों में…॥
मैं ठण्डी आहें भरती हूँ, वो ऐसी आग लगाता है ।
कोई पूछे मेरे साजन से, जो उससे आंख लगाता है ॥
क्यूं उसका दिल मोती बनकर क्यूं आंखों से बहजाता है ॥

+				।				+				।			
														ग	र
														स	प
न॒	–	ध़	प़	ध़	–	स	र	सर	ग	ग	स	–	–	ग	ग
नों	ऽ	में	को	ई	ऽ	आ	ऽ	ताऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	कु	छ
*	ग	ग	ग	ग	म	ग	म	र	ग	रग	म	ग	–	ग	म
*	चु	प	के	से	ऽ	क	ह	जा	ऽ	ताऽ	ऽ	है	ऽ	हो	ऽ
गम	प	प	–	प	–	प	ध	म	प	म	–	प	–	ग	म
ठोंऽ	ऽ	से	ऽ	हो	ऽ	ठ	मि	ला	ऽ	ऽ	ता	है	ऽ	हो	ऽ
गम	प	प	पध	मप	सं	–	न॒	प	म	प	म	ग	–	ग	ग
ठोंऽ	ऽ	से	होऽ	ऽऽ	ऽ	ठ	मि	ऽ	ला	ऽ	ता	है	ऽ	हि	र

ग	ग	म	-	म	म	म	म	र	ग̲	ग̲	-	र	-	ग	ग
द	य	का	ऽ	क	म	ल	खि	ला	ऽ	ता	ऽ	है	ऽ	हि	र
र	ग	ग	-	ग	ग	ग	म	मग	रस	र	ग̲	र	-	ग	र
द	य	का	ऽ	क	म	ल	खि	लाऽ	ऽऽ	ता	ऽ	है	ऽ	स	प
न̣̲	-	ध̣	प̣	ध̣	-	स	र	सर	ग	ग	स	-	-	म	-
नों	ऽ	में	को	ई	ऽ	आ	ऽ	ताऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
*	ध	-	ध	ध	-	पध	न̲ध	प	ध	ध	न	सं	-	ध	म
*	ठं	ऽ	डी	आ	ऽ	हेंऽ	ऽऽ	ऽ	भ	र	ती	हूँ	ऽ	मैं	ऽ
*	ध	-	ध	ध	-	ध	न̲	प	ध	ध	न	सं	-	न	-
*	ठं	ऽ	डी	आ	ऽ	हें	ऽ	ऽ	भ	र	ती	हूं	ऽ	वो	ऽ
*	न	-	न	न	-	न	सं	सं	पध	नसं	न̲	ध	-	न̲	-
*	पे	ऽ	सी	आ	ऽ	ग	ल	गा	ऽऽ	ऽऽ	ता	है	ऽ	को	ऽ
ध	म	-	ग̲	र	स	ध̣	न̣̲	स	-	ग	ग	म	-	ध	-
ई	पू	ऽ	छे	ऽ	मे	ऽ	रे	सा	ऽ	ज	न	से	ऽ	को	ऽ
ध	ध	-	ध	-	ध	-	ध	न̲	ध	प	ध	ग	म	मप	धन̲
ई	पू	ऽ	छे	ऽ	मे	ऽ	रे	सा	ऽ	ज	न	से	ऽ	कोऽ	ऽऽ
ध	म	-	ग̲	र	स	ध̣	न̣̲	स	-	ग	ग	म	-	म	-
ई	पू	ऽ	छे	ऽ	मे	ऽ	रे	सा	ऽ	ज	न	से	ऽ	जो	ऽ

*	म	म	म	म	ग	ग	ग	म	ध	मध	नसं	सं	–	नसं	–
*	उ	स	से	आं	ऽ	ख	ल	ड़ा	ऽ	ताऽ	ऽऽ	है	ऽ	क्यूं	ऽ
*	सं	सं	सं	सं	सं	सं	रं	न	सं	न	न	ध	ध	म	ध
*	उ	स	का	दि	ऽ	मो	ऽ	ती	ऽ	ब	न	क	र	क्यूं	ऽ
सं	सं	–	न	ध	–	म	म	ग	–	र	–	स	–	ग	र
ऽ	आं	ऽ	खों	से	ऽ	ब	ह	जा	ऽ	ता	ऽ	है	ऽ	स	प
न	–	ध	प	ध	–	स	र	सर	ग	ग	स	–	–	–	–
नों	ऽ	में	को	ई	ऽ	आ	ऽ	ताऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

61—N.P.K.

मोरे अँगना में बंसी बजाजा…।

कृष्णा मोवीटोन		ताल		गायक
फिल्म "ज़माना"		कहरवा		'अमीरजान, गोपे व पार्टी'

मोरे अँगना में बंसी बजाजा। तन मन की सुधि बिसराजा॥
जमुना जल को देखके चञ्चल, मन भी लहरें मारे,
तोरे बिना मोहे कल न परत है, आ मिल प्रीतम प्यारे।
मोरे भूखे नैन रिझाजा, तन मन की सुधि बिसराजा॥ हां मोरे……॥
जमुना तट पै चल मेरी राधा, हां चल मेरी राधा हिलमिल रास रचायेंगे।
दुनियाँ वालों को हम दोनों, प्रीति की रीत सिखायेंगे।
मोरे संग कदम तले आजा, तन मन की सुधि बिसराजा॥ हां मोरे…॥

—*—

स्वरलिपि

+				+				+				+			
														ध	न
														मो	रे
संसं	सं	-	ध	सं	संरं	गं	गं	रं	-	सं	-	संगं	रंसं	ध	न
अँग	ना	ऽ	में	बं	सीऽ	ऽ	ब	जा	ऽ	जा	ऽ	हांऽ	ऽऽ	मो	रे
संसं	सं	-	ध	सं	संरं	गं	गं	रं	-	सं	-	-	-	सं	मं
अँग	ना	ऽ	में	बं	सीऽ	ऽ	ब	जा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	त	न
गं	मं	गं	मं	गं	रं	मं	मं	रं	गं	सं	-	-	-	सं	मं
म	न	की	ऽ	सु	ध	बि	स	रा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	त	न
गं	मं	गं	मं	गं	रं	मं	मं	रं	गं	सं	-	संगं	रंसं	ध	न
म	न	की	ऽ	सु	ध	बि	स	रा	ऽ	जा	ऽ	हांऽ	ऽऽ	मो	रे

अँगना में बंसी............।

*	ग	र	ग	म	प	प	-	*	प	ध	ध	पध	नध	प	म
*	ज	मु	ना	ज	ल	को	ऽ	*	दे	ख	के	चंऽ	ऽऽ	च	ल
म	म	मप	ध	पध	न	धन	सं	ध	-	म	-	गंरं	संन	धप	मग
म	न	भीऽ	ऽ	लह	ऽ	रेंऽ	ऽ	मा	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*
म	ग	र	ग	म	प	प	-	*	प	ध	ध	पध	नध	प	म
*	य	मु	ना	ज	ल	को	ऽ	*	दे	ख	के	चंऽ	ऽऽ	च	ल
म	म	मप	ध	पध	न	धन	सं	ध	-	म	-	प	गं	रं	-
म	न	भीऽ	ऽ	लह	ऽ	रेंऽ	ऽ	मा	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*

*	ध	ध	न	सं	मं	गं	मं	सं	गं	सं	न	ध	न	सं	-
*	तो	रे	बि	ना	ऽ	मो	हे	क	ल	ना	प	र	त	है	ऽ
*	ध	ध	न	सं	रं	गं	मं	गं	-	सं	-	-	-	ध	न
*	आ	मि	ल	प्री	ऽ	त	म	प्या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	मो	रे
सं	-	सं	ध	सं	रं	रं	गं	रं	-	सं	-	-	-	सं	मं
भू	ऽ	खे	ऽ	नै	ऽ	न	रि	झा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	त	न
गं	मं	गं	मं	गं	रं	मं	मं	रं	गं	सं	-	संगं	रंसं	ध	न
म	न	की	ऽ	सु	ध	बि	स	रा	ऽ	जा	ऽ	हांऽ	ऽऽ	मो	रे
संसं	सं	-	ध	सं	संरं	गं	गं	रं	-	सं	-	-	-	-	-
अँग	ना	ऽ	में	बं	सी	ऽ	ब	जा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	सं	पं	मं	पं	धं	मं	-	-	गंगं	रं	सं	रं	पं	मं	मं
*	य	मु	ना	त	ट	पै	ऽ	ऽ	चल	मे	री	रा	ऽ	धा	हां
गं	गं	रं	सं	रं	पं	मं	-	-	गंगं	गं	गं	रं	-	सं	रं
च	ल	मे	री	रा	ऽ	धा	ऽ	ऽ	हिल	मि	ल	रा	ऽ	स	र
न	सं	रं	गं	रं	-	-	-	*	गं	गं	गं	गं	मं	गं	मं
चा	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ	*	दु	नि	यां	वा	ऽ	लों	ऽ
मंपं	धं	पं	मं	रं	गं	न	सं	*	ध	ध	न	सं	-	सं	सं
कोऽ	ऽ	ह	म	दो	ऽ	नों	ऽ	*	प्री	त	की	री	ऽ	त	सि

सरं	मं	ग	–	सं	–	ध	न	सं	–	ध	ध	संरं	रंसं	रंमं	मंगं
खाऽ	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	मो	रे	सं	ऽ	ग	क	दऽ	मऽ	तऽ	लेऽ
रं	–	सं	–	–	–	सं	मं								
आ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	त	न	मन की सुध बिसराजा, मोरे…………							

अंगना में बंसी बजाजा……………………।

62–N. P. K.

राधा राधा प्यारी राधा……!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म	ताल	गायक
"कङ्गन"	कहरवा	अशोक० और लीलाचि०

राधा–राधा प्यारी राधा, राधा प्रेम अगाधा।
किसने हम आज़ाद परिन्दों को बन्धन में बांधा॥
साजन क्यूं बन्धन में बांधा ?
कू–कू करके कोयल बोली, दिल वालों की दुनियां डोली।
शर्मीली भोली कलियों ने, अपनी अपनी खिड़की खोली॥
फ़ौरन भँवरों की टोली ने, प्रेम बाण को साधा।
साजन प्रेम बाण क्यूं साधा॥

+				+				+				+			
स	म	म	ग	म	प	प	म	प	ध	ध	प	ध	सं	सं	–
रा	ऽ	धा	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	प्या	ऽ	री	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ
–	–	–	–	सं	–	सं	न	ध	न	ध	ध	ध	न	न	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	प्रे	ऽ	म	अ	गा	ऽ	धा	ऽ

–	–	–	–	प	प	प	म	म	म	म	–	म	–	म	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि	स	ने	ऽ	ह	म	आ	ऽ	ज़ा	ऽ	द	प
म	–	म	ग	ग	–	ग	–	स	ग	ग	–	स	र	ग	म
रि	ऽ	न्द्रों	ऽ	को	ऽ	बं	ऽ	ध	न	में	ऽ	बां	ऽ	ऽ	ऽ
म	–	स	–	स	म	म	ग	म	प	प	म	ग	म	म	स
धा	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ज	न	क्यूं	ऽ	बं	ऽ	ध	न	में	ऽ
स	र	ग	म	म	–	स	–	प	–	प	–	प	–	प	–
बाँ	ऽ	ऽ	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	क्यूं	ऽ	बं	ऽ
प	ध	न	सं	ध	–	प	–								
ध	न	में	ऽ	बां	ऽ	धा	ऽ	किसने हम आजाद परिन्द्रों को बन्धन में बांधा							

राधा राधा प्यारी राधा.....................................|

स	–	स	ग	ग	ग	ग	–	ग	म	म	म	म	–	म	–
कू	ऽ	कू	ऽ	क	र	के	ऽ	को	ऽ	य	ल	बो	ऽ	ली	ऽ
ग	ग	ग	प	प	–	प	–	प	ध	न	सं	ध	–	प	–
दि	ल	वा	ऽ	लों	ऽ	की	ऽ	दु	नि	यां	ऽ	डो	ऽ	ली	ऽ
प	प	न	–	न	–	न	–	ध	न	सं	सं	ध	–	न	–
श	र	मी	ऽ	ली	ऽ	भो	ऽ	ली	ऽ	क	लि	यों	ऽ	ने	ऽ
प	प	न	–	प	प	न	–	ध	ध	ध	–	प	म	प	–
अ	प	नी	ऽ	अ	प	नी	ऽ	खि	ड़	की	ऽ	खो	ऽ	ली	ऽ

–	–	–	–	म	प	प	म	म	प	प	म	ग	म	म	–
*	*	*	*	फ़ौ	ऽ	र	न	भं	व	रों	ऽ	की	ऽ	टो	ऽ
ग	–	र	–	र	–	र	र	–	र	स	–	र	–	प	–
ली	ऽ	ने	ऽ	प्रे	ऽ	म	वा	ऽ	ण	को	ऽ	सा	ऽ	धा	ऽ
–	–	–	–	ग	प	प	–	म	–	म	ग	–	ग	र	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	धा	ऽ	प्रे	ऽ	म	वा	ऽ	ण	को	ऽ
र	म	म	स	–	–	–	–	स	म	म	–	–	–	–	–
सा	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	जन	ऽ	*	*	*	*
म	–	म	म	–	म	म	–	ग	प	प	–	–	–	–	–
प्रे	ऽ	म	वा	ऽ	ण	क्यूं	ऽ	सा	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	–	–	–	–	–	ध	–	ध	ध	–	ध	प	–
रा	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प्रे	ऽ	म	वा	ऽ	ण	को	ऽ
प	न	न	प	–	–	–	–	स	म	म	–	–	–	–	–
सा	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	जन	ऽ	*	*	*	*
म	–	म	म	–	म	म	–	म	प	प	म	–	–	–	–
प्रे	ऽ	म	वा	ऽ	ण	क्यूं	ऽ	सा	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

राधा राधा प्यारी राधा..................।

63—N.P.K. 11—40

—

मोरे बांके सँवरिया सँवरिया रे....!

नेशनल स्टूडियोज़	✠ ✠	दुगाना	✠ ✠	गायक
फिल्म "औरत"	✠ ✠	(ताल-धुमाली)	✠ ✠	वत्सला कुमेतकर व हरीश

मोरे बांके सँवरिया सँवरिया रे।
मोहे लादो चुँनरिया चुँनरिया रे ॥
तोहे चुँनरी ओढ़ाऊं तोहे बनरी बनाऊं।
आये देखन को सारी नगरिया रे ॥
मेरा नाजुक है अङ्ग, होय हलका सा रंग।
जाऊं चुनरी को ओढ़े बजरिया रे ॥

स्वरलिपि☞

+				+				+				+			
														ग	म
														मो	रे
प	-	प	प	पध	न	-	न	प	ध	ग	-	म	-	रम	रम
बां	ऽ	के	सं	वरि	या	ऽ	सं	व	रि	या	ऽ	रे	ऽ	मोऽ	हेऽ
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	सर	ग	रग	म	रग	रग	ग	म
ला	दो	ऽ	चुं	नरि	या	ऽ	चुं	नरि	ऽ	याऽ	ऽ	रेऽ	ऽऽ	मो	हे
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	ग	ग	म	-	-	-	ग	म
ला	दो	ऽ	चुं	नरि	या	ऽ	चुं	न	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
प	-	प	प	पध	न	-	न	प	ध	ग	-	म	-	ध	ध
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	तो	हे
म	प	-	ध	ध	-	ध	ध	न	न	-	न	सं	सं	सं	सं
चुन	री	ऽ	उ	ढ़ा	ऊं	तो	हे	बन	री	ऽ	ब	ना	ऊं	आ	ये

न	न	-	न	ध	-	प	म	र	ग	र	-	स	-	ग	म
दे	खन	ऽ	को	सा	ऽ	री	न	ग	रि	या	ऽ	रे	ऽ	तो	हे
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	सर	ग	रग	म	रग	रग	ग	म
ला	दूं	ऽ	चु	नरि	या	ऽ	चु	नरि	ऽ	याऽ	ऽ	रेऽ	ऽऽ	तो	हे
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	ग	ग	म	-	-	-	ग	म
ला	दूं	ऽ	चु	नरि	या	ऽ	चु	न	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	क	हीं
प	-	प	प	पध	न	-	न	प	ध	ग	-	म	-	ग	म
ला	*	गे	न	तोहि	का	ऽ	न	ज़	रि	या	ऽ	रे	ऽ	तो	हे
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	ग	ग	म	-	-	-	म	प
ला	दूं	ऽ	चुं	नरि	या	ऽ	चुं	न	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रा
न	न	-	न	सं	सं	सं	-	प	-	नसंरं	रं	नध	प	सं	सं
ना	जुक	ऽ	है	अं	ग	होय	ऽ	हल	ऽ	काऽऽ	सा	रंऽ	ग	जा	ऊं
न	न	-	न	ध	-	प	म	र	ग	र	-	स	-	ग	म
चुंन	री	ऽ	को	ओ	ऽ	ढ़े	ब	ज़	रि	या	ऽ	रे	ऽ	मो	हे
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	सर	ग	रग	म	रग	रग	ग	म
ला	दो	ऽ	चुं	नरि	या	ऽ	चुं	नरि	ऽ	याऽ	ऽ	रेऽ	ऽऽ	तो	हे
ग	स	-	ध़	ऩ	स	-	स	सर	ग	रग	म	रग	रग	ग	म
ला	दूं	ऽ	चुं	नरि	या	ऽ	चुं	नरि	ऽ	याऽ	ऽ	रेऽ	ऽऽ	मो	रे

बांके सँवरिया.......... ।

चल चल रे नौजवान..........!

·बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायक
"बन्धन"	✠ ✠	दादरा	✠ ✠	"सुरेश"

चल चल रे नौजवान, कहना मेरा मान मान।
दूर तेरा गांव और थके पांव, फिर भी तू हरदम आगे बढ़ा कदम।
रुकना तेरा काम नहीं चलना तेरी शान, चल चल रे नौजवान ॥
तू आगे बढ़ेजा, आफ़त से लड़े जा। आँधी हो या तूफ़ान, फटता हो आसमान।
रुकना तेरा काम नहीं चलना तेरी शान ॥ चल चलरे.........॥

स्वरलिपि☞

												सा	ऽ
												च	ल

+			०			+			०		
ध़	-	स	स	-	र	ग	-	-	स	स	-
च	ल	रे	नौ	ऽ	ज	वा	ऽ	ऽ	न	च	ल
ध़	-	स	स	-	र	ग	-	-	स	-	-
च	ल	रे	नौ	ऽ	ज	वा	ऽ	ऽ	न	*	*
ग	ग	म	प	ध	-	प	-	म	ग	-	र
क	ह	ना	मे	रा	ऽ	मा	ऽ	न	मा	ऽ	न

चल रे नौजवान......................।

ध़	-	स	स	र	-	ग	-	-	-	-	-
दू	ऽ	र	ते	रा	ऽ	गाँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व
र	-	स	र	ग	-	स	-	-	-	-	-
औ	ऽ	र	थ	के	ऽ	पाँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व

प	–	प	प	ग	–	प	–	–	–	प	–
फि	र	भी	तू	ह	र	द	म्	ऽ	ऽ	आ	ऽ
ग	–	प	ध	–	न	प	–	–	–	–	–
गे	ऽ	ब	ढ़ा	ऽ	क	द	म्	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	न	न	न	न	–	न	–	न	न	न	ध
रु	क	ना	ते	रा	ऽ	का	ऽ	म	न	हीं	ऽ
प	ध	प	म	ग	र	र	–	–	–	स	–
च	ल	ना	ते	री	ऽ	शा	ऽ	ऽ	न	च	ल
ध़	–	स	स	–	र	ग	–	–	स	म	–
च	ल	रे	नौ	ऽ	ज	वा	ऽ	ऽ	न	तू	ऽ
म	–	प	न	न	–	सं	–	–	–	सं	–
आ	ऽ	गे	ब	ढ़े	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ
सं	सं	सं	सं	सं	–	रं	–	–	–	रं	–
फ़	त	से	ल	ड़े	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	आँ	ऽ
रं	रं	रं	–	रं	–	गं	–	–	–	गं	मं
धी	हो	या	ऽ	तू	ऽ	फ़ा	ऽ	ऽ	न	फ	ट
रं	–	सं	न	–	प	सं	–	–	–	–	–
ता	ऽ	हो	आ	ऽ	स	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न

रुकना तेरा काम नहीं चलना..................॥

जीवन आशा ये है......।

न्यूथियेटर्स फिल्म		ताल		गायक
"ज़िन्दगी"	✠ ✠	धुमाली	✠ ✠	'सहगल'

जीवन आशा ये है मेरी, जीवन आशा ये है।
जितने सहारे छूट चुके हैं, सबका सहारा ये है ॥
ये ही मेरी सारी पूंजी, ये ही सब धन माया।
है आँखों की ठंडक मनकी, ढाडस और अन्नदाता ये है ॥
ये ही है मुझको हीरा पन्ना, ये ही है मोती मूंगा।
नाम है इसका एक दुअन्नी, सारा ख़ज़ाना ये है ॥
ये जो गई तो गया ख़ज़ाना, आस गई और जान गई।
सारे सहारे टूट न जाये, दिल को धड़ाका ये है ॥

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक

+				२				+				२			
प़	ध़	स	ग	-	सर	गर	सध़	स	-	-	-	-	-	-	-
प़	ध़	स	ग	-	सर	गर	सध़	स	-	-	-	-	-	-	-
पध़	सर	म	-	*	गम	ग	रग	र	सर	स	ऩस	ऩ	ध़ऩ	ध़	पध़
प़	ग़	प़	ध़	स	ध़	र	स	प़	ध़	स	ग	-	सर	गर	सध़
सं	-	-	-	-	-	-	-	प़	ध़	स	ग	-	सर	गर	सध़
स	-	-	-	-	-	-	-	ग	म	प	ध	न	सं	-	-
-	-	न	ध	ध	प	प	ध	प	म	म	-	-	-	ग	म
प	ध	प	म	र	म	ग	-	-	प	म	ग	स	-	ध़	स
-	प	म	ग	स	-	प	म	ग	स	-	ग	स	ऩ	-	ऩ
प़	ध़	स	ग	-	सर	गर	सध़	स	-	-	-	-	-	-	-
प़	ध	स	ग	-	सर	गर	सध़	स	-	-	-	प़	ध़	ऩ	स

अब गाना शुरू हुआ

–	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	ग	स	ऩ	ध़	प़
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ
–	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	–	–	–	–	–
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	र	ग	ग	–	ग	–	र	प	ग	ग	ग	–	म	ग
जि	त	ने	स	हा	ऽ	रे	ऽ	छू	ऽ	ट	चु	के	ऽ	हैं	ऽ
स	र	र	र	र	म	ग	र	स	ऩ	ध़	–	स	ऩ	ध़	प़
स	ब	का	स	हा	ऽ	रा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ
–	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	ग	स	ऩ	ध़	प़
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ
–	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	–	–	–	–	–
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	स	स	स	स	स	र	र	प	म	ग	र	–	स	ऩ
ऽ	ऽ	ये	ही	मे	री	सा	ऽ	री	ऽ	पूं	ऽ	जी	ऽ	ये	ही
ध़	ध़	–	–	स	ऩ	ध़	ध़	–	–	ध़	ऩ	स	र	स	र
स	ब	ऽ	ऽ	ये	ही	स	ब	ऽ	ऽ	ध	न	मा	ऽ	या	ऽ

र	–	–	–	–	–	स	स	स	स	स	र	र	प	म	ग
है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ही	मे	री	सा	ऽ	री	ऽ	पूं	ऽ
र	–	स	ऩ	ध़	ध़	–	–	स	ऩ	ध़	ध़	–	–	ध़	ऩ
जी	ऽ	ये	ही	स	ब	ऽ	ऽ	ये	ही	स	ब	ऽ	ऽ	ध	न
स	र	स	र	र	–	–	–	–	–	–	प	प	–	प	–
मा	ऽ	या	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आँ	खों	ऽ	की	ऽ
प	–	म॑	प	–	–	म॑	प	म॑	ग	र	ग	रगम	ग	ग	–
ठं	ऽ	ड	क	ऽ	ऽ	म	न	की	ऽ	ढा	ऽ	ऽ	ड	स	ऽ
–	–	–	प	प	–	प	–	प	–	म॑	प	–	–	म॑	प
ऽ	ऽ	ऽ	आँ	खों	ऽ	की	ऽ	ठं	ऽ	ड	क	ऽ	ऽ	म	न
म॑	ग	र	ग	रगम	ग	ग	–	–	–	ग	–	–	–	सर	–
की	ऽ	ढा	ऽ	ऽ	ड	स	ऽ	ऽ	ऽ	और	ऽ	ऽ	ऽ	अन्न	ऽ
–	स	–	म	ग	र	स	ऩ	ध़	–	–	–	स	ऩ	ध़	प़
ऽ	दा	ऽ	ऽ	ता	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ
–	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	ग	स	ऩ	ध़	प़
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ
–	स	प़	ध़	स	र	र	ग	स	र	र	–	–	–	–	ध
ऽ	जी	व	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ

प	ध	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	पध	पम	–	–
ही	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	–	ध	ध	ध	ध	–	ध	प	प	प	म	–	म	–
ये	ही	ऽ	है	मु	झ	को	ऽ	ही	ऽ	रा	ऽ	प	ऽ	ना	ऽ
ग	ग	–	ग	ग	र	र	स	स	र	र	ग	रगर	स	–	–
यें	ही	ऽ	है	मो	ऽ	ती	ऽ	मूं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध़	स	–	स	स	र	र	प	प	म	म	म	ग	–	र	–
ना	ऽ	ऽ	महै	जि	स	का	ऽ	प	ऽ	क	ड़ु	अ	ऽ	नी	ऽ
ध़	स	स	स	स	र	र	म	ग	र	र	–	–	–	–	–
सा	ऽ	रा	ख़	ज़ा	ऽ	ना	ऽ	ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ऩ॒	–	ऩ॒	ऩ	ऩ॒	–	ऩ॒	–	ऩ॒	ध़	–	ध़	ध़	प़	प़	म़
ये	ऽ	जो	ग	ई	ऽ	तो	ऽ	ग	या	ऽ	ख़	ज़ा	ऽ	ना	ऽ
म़	प़	प़	ध़	ध़	–	–	–	–	–	–	–	प़ध़ध़	म़	–	–
आ	ऽ	स	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ऱ	म़	म़	म़	म़	प़	प़	स	स	ऩ॒	ऩ॒	ध़	ध़	प़	–	–
आ	ऽ	स	ग	ई	ऽ	औ	र	जा	ऽ	न	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ
र	म	[म	म	म	प	प	ध	म	प	–	–	–	–	–	–
सा	ऽ	रे	स	हा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

र	म	म	म	म	–	म	–	मप	ध	ध	ध	प	ध	ध	–
	ऽ	रे	स	हा	ऽ	रे	ऽ	टू	ऽ	ट	न	जा	ऽ	यँ	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	ध	प	प	म	म	ग	ग	र
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दि	ल	को	ऽ	ध	ड़ा	का	ऽ
स	ग	र	–	र	ग	म	प	प	म	म	ग	ग	र	र	स
ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दि	ल	कों	ऽ	ध	ड़ा	का	ऽ
स	ग	र	–	–	–	–	–	*	*	*	*	म	–	म	ग
ये	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	जी	ऽ	व	न
म	–	प	–	सं	–	नसं	न	धन	ध	–	–	प	–	–	–
आ	ऽ	शा		ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

66–D. I. S.

हे भँवरे तू न सता.....!

"प्रभात" कृत		ताल		गायिका
"मेरा लड़का"		धुमाली		शान्ता हुबलीकर

हे भँवरे तू न सता।
गुञ्जन से क्या कहता, क्यूं मुझको बहकाता। हे भँवरे......॥
फूलों का लोभी भंवरा तू काला, चपला कुमारी भोरी मैं बाला।
मैं हूं नवेली, हूँ निराली, रूपखानी, नहीं सानी रानी,
मैं अलबेली। हे भंवरे तू न सता..............................॥

बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक

नुस	गम	पम	गम	प	–	–	न	ध	प	ग	म	प	–	–	–
नुस	गम	पम	गम	प	–	–	न	ध	प	ग	म	प	–	–	–
नसंनध	धनधप	पधपम	पमगम	प	–	–	न	ध	प	ग	म	प	–	ग	रस
नुस	न	धप	मप	सं	धन	–प	ध	मप	–	ग	म	प	–	–	न
ध	प	ग	म	प	–	–	–	नसं	–	–	–	धन	–	–	–
मप	–	–	–	नुनु	सस	गम	मम	प	–	ग	म	प	न	सं	रं
										हे	ऽ	भं	व	रे	ऽ
सं	न	सं	–	–	प	ध	म	प	–	नसंन	धनध	पधप	मपम	गम–	–
तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स	ता	ऽ	*	*	*	*	*	*
–	–	ग	म	प	न	सं	रं	सं	न	सं	–	–	प	ध	म
ऽ	ऽ	हे	ऽ	भँ	व	रे	ऽ	तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स
प	–	–	–	न	ध	न	सं	सं	प	–	–	प	म	प	ध
ता	ऽ	ऽ	ऽ	गुं	ऽ	ज	न	से	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	क	ह
पम	ग	र	स	र	–	र	र	र	ग	म	ग	र	ग	स	–
ता	ऽ	ऽ	ऽ	क्यूं	ऽ	मु	झ	को	ऽ	ब	ह	का	ऽ	ता	ऽ
–	–	ग	म	प	न	सं	रं	सं	न	सं	–	–	प	ध	म
ऽ	ऽ	हे	ऽ	भँ	व	रे	ऽ	तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स
नरंनसं	–	–	–	–	प	ध	म	प	–	–	–	न	ध	न	सं
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स	ता	ऽ	ऽ	ऽ	गुं	ऽ	ज	न

सं	प	–	–	प	म	प	ध	पम	ग	र	स	र	–	र	र
से	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	क	ह	ता	ऽ	ऽ	ऽ	क्यूं	ऽ	मु	झ
र	ग	म	ग	र	ग	स	–	गम	गम	गम	–	–	म	स	–
को	ऽ	ब	ह	का	ऽ	ता	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*
नसं	नसं	नसं	–	पध	पध	पध	–	मप	मप	मप	–	–	मग	स	–
–	–	म	म	–	प	न	न	नसं	रं	–	सं	गंरं	संरं	गं	–
*	*	फू	ऽ	ऽ	लों	ऽ	का	लो	ऽ	ऽ	ऽ	भी	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	संरं	रं	–	सं	–	न	पन	संरं	–	–	नसं	–	–	–
ऽ	ऽ	भं	व	ऽ	रा	ऽ	तू	का	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
नध	–	मग	म	–	प	न	न	नसं	रं	–	सं	गंरं	संरं	गं	–
ऽ	ऽ	ऽ	फू	ऽ	लों	ऽ	का	लो	ऽ	ऽ	ऽ	भी	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	संरं	रं	–	सं	–	न	पन	संरं	–	–	नसं	–	–	–
ऽ	ऽ	भं	व	ऽ	रा	ऽ	तू	का	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	म	म	–	प	न	न	नसं	रं	–	–	गंरं	संरंगं	–	–
ऽ	ऽ	च	प	ऽ	ला	ऽ	कु	मा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	संरं	–	–	सं	–	न	पन	संरं	–	–	नसं	–	–	–
ऽ	ऽ	भो	ऽ	ऽ	री	ऽ	मैं	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ

प	न	संरं	गंमं	रंगं	–	–	–	संरं	संरं	–	–	नसं	नसं	–	–
हां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	म	म	–	प	न	न	नसं	रं	–	–	गंरं	संरं	गं	–
ऽ	ऽ	च	प	ऽ	ला	ऽ	कु	मा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	संरं	–	–	सं	–	न	पन	संरं	गंमं	–	मं	सं	–	–
ऽ	ऽ	भो	ऽ	ऽ	री	ऽ	मैं	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	म	म	–	प	न	न	नसं	रं	–	–	गंरं	संरं	गं	–
ऽ	ऽ	च	प	ऽ	ला	ऽ	कु	मा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	संरं	–	–	सं	–	न	पन	सं	–	न	नसं	रं	–	सं
ऽ	ऽ	मो	ऽ	ऽ	री	ऽ	मैं	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
संरं	गं	–	रं	रंगं	मं	–	–	गं	मं	गं	मं	मं	सं	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	रं	–	–	गं	–	मं	मं	–	सं	–	न	–	धप	मग
ऽ	ऽ	मैं	ऽ	–	हूं	ऽ	न	वे	ऽ	ली	ऽ	गं	रं	सं	नध
रस	नस	नस	गम	पध	नध	पम	गम	सं	–	रं	–	–	गं	–	मं
पम	गम	गम	पन	संरं	गंरं	संन	धन	–	–	मैं	–	ऽ	हूं	ऽ	न
मं	–	सं	–	–	सं	–	रं	रं	–	सं	–	–	न	–	सं
वे	ऽ	ली	ऽ	ऽ	हूं	ऽ	नि	रा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	रू	ऽ	प

सं	-	प	-	-	प	पध	-	प	म	म	ग	ग	र	र	-
खा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	न	हीं	ऽ	सा	ऽ	नी	ऽ	रा	ऽ	नी	ऽ
र	ग	म	ग	र	ग	स	-	-	-	रं	-	-	गं	-	मं
मैं		अ	ल	बे	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	हूं	ऽ	न
मं	-	सं	-	-	सं	-	रं	रं	-	सं	-	-	न	-	सं
वे	ऽ	ली	ऽ	ऽ	हूं	ऽ	नि	रा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	रू	ऽ	प
सं	-	प	-	-	प	पध	-	प	म	म	ग	ग	र	र	-
खा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	न	हिं	ऽ	सा	ऽ	नी	ऽ	रा	ऽ	नी	ऽ
र	ग	म	ग	र	ग	स	-	-	-	ग	म	प	न	सं	रं
मैं	ऽ	अ	ल	बे	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	भं	व	रे	ऽ
सं	नं	सं	-	-	प	ध	म	प	-	-	-	न	ध	न	सं
तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स	ता	ऽ	ऽ	ऽ	गुं	ऽ	ज	न
सं	प	-	-	प	म	प	ध	पम	ग	र	स	र	-	र	र
से	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	क	ह	ता	ऽ	ऽ	ऽ	क्यूँ	ऽ	मु	झ
र	ग	म	ग	र	ग	स	-	-	-	ग	म	प	न	सं	रं
को	ऽ	ब	ह	का	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	भँ	व	रे	ऽ
सं	न	सं	-	-	प	ध	म	प	-	-	-	न	ध	न	सं
तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स	ता	ऽ	ऽ	ऽ	गुं	ऽ	ज	न

सं	प	–	–	प	म	प	ध	पम	–	र	स	र	–	र	र
सं	ऽ	ऽ	ऽ	क्यों	ऽ	क	ह	ता	ऽ	ऽ	ऽ	क्यूँ	ऽ	मु	झ
र	ग	म	ग	र	ग	स	–	–	–	ग	म	प	न	सं	रं
को	ऽ	ब	ह	का	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	भं	व	रे	ऽ
सं	न	सं	–	–	प	ध	म	पन	संरं	सं	–	–	न	सं	रं
तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	स
सं	न	सं	–	–	प	–	–	ध	–	–	म	प	–	–	–
ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	ता	ऽ	ऽ	ऽ

67—D. I. S.

—✻—

मन मूरख समझ न पाये..........!

मिनर्वा मोवीटोन	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायका
फिल्म "भरोसा"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	"मेनका"

मन मूरख समझ न पाये, मूरख मन समझ न पाये ।
जैसी करनी वैसी भरनी, इस पर ध्यान न लाये ।
अपने हाथों बोये कांटे, अपने पैर चुभाये ॥ मन मूरख......॥
करमन की बगिया पर बैठा, उल्टी आस लगाये ।
बोये झाड़ बबूल के मूरख, आम कहां से खाये ॥ मन मूरख......॥
अपनी खोटी समझ के बल पर, मनमानी करजाये ।
जब चिड़ियां चुग जायें खेती, फिर पाछे पछताये ॥ मन मूरख......॥

स्वरलिपि ☞

	प़	प़
	म	न

+				।				+				।			
प़	र	र	र	र	ग	र	स	रग	म	ग	म	र	ग	स	–
मू	ऽ	र	ख	स	म	झ	न	पाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	मू	ऽ
र	प	म॑	प	र	म	ग	र	सऩ	धऩ	स	–	ऩ स	–	ऩ	स
र	ख	म	न	स	म	झ	न	पाऽ	ऽऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	मू	ऽ
र	म	ग	र	–	–	–	स	ग	ग	–	ग	र	र	स	–
र	ख	म	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जै	ऽ	सी	क	र	नी	ऽ
*	स	ध़	ध़	ध़	स	र	र	स	ग	–	ग	र	र	स	–
*	वै	ऽ	सी	भ	र	नी	ऽ	ऽ	जै	ऽ	सी	क	र	नी	ऽ
*	स	ध़	ध़	ध़	स	स	–	*	ध़	ध़	ध़	स	–	स	स
*	वै	ऽ	सी	भ	र	नी	ऽ	*	इस	प	र	ध्या	ऽ	न	न
स	ग	र	–	स र	–	स र	–	*	ध़	ध़	ध़	स	–	स	स
ला	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	इस	प	र	ध्या	ऽ	न	न
स	ग	र	–	र	–	म	–	*	म	म	म	म	–	म	–
ला	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	अ	प	ने	हा	ऽ	थों	ऽ
ग	ग	–	ग	स	ग	र	–	प	म	म	म	म	–	म	–
ऽ	बां	ऽ	ये	कां	ऽ	टे	ऽ	ऽ	अ	प	ने	हा	ऽ	थों	ऽ
ग	ग	–	ग	स	ग	र	–	*	ध़	ध़	ध़	ध़	स	स	र
ऽ	बो	ऽ	ये	कां	ऽ	टे	ऽ	*	अ	प	ने	पै	ऽ	र	चु

स	ग	र	-	-	-	प़	प़				
भा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	म	न	मूरख...!			

*	ध़	ध़	ध़	ध़	स	स	र	सर	सर	ग	ग	र	-	स	-
*	कर	म	न	की	ऽ	ब	गि	याऽ	ऽऽ	ऽ	पर	बै	ऽ	ठा	ऽ

												र		र	
*	ग	ग	ग	र	ग	स	र	ग	-	ग	-	ग	-	ग	-
*	उ	ल	टी	आ	ऽ	स	ल	गा	ऽ	ये	ऽ	*	*	*	*

*	प	-	प	म॑प	ध	प	म॑	म॑प	म॑ग	ग	र	रग	म	ग	ग
*	बो	ऽ	ये	झाऽ	ऽ	ड़	ब	बूऽ	ऽऽ	ल	के	मूऽ	ऽ	र	ख

												स		स	
*	ध़	ध़	ध़	स	-	स	र	स	ग	र	-	र	-	र	-
*	आ	म	क	हां	ऽ	से	ऽ	खा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	ध़	ध़	ध़	स	-	स	र	स	ग	र	-	-	-	प़	प़
*	आ	म	क	हां	ऽ	से	ऽ	खा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	म	न

मूरख समझ...!

*	प	प	प	म॑प	ध	प	म॑	ग	र	स	स	र	ग	प	प
*	अ	प	नी	खोऽऽ	ऽ	टी	ऽ	स	म	झ	के	ब	ल	प	र

*	प	प	-	म॑प	ध	प	म॑	प	-	ग	-	गम॑	प	गम॑	प
*	मन	मा	ऽ	नीऽ	ऽ	क	र	जा	ऽ	ऽ	ऽ	येऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ

*	प	प	प	म॑प	ध	प	म॑	ग	र	स	स	र	ग	प	प
*	अ	प	नी	खोऽ	ऽ	टी	ऽ	स	म	झ	कं	ब	ल	प	र
*	प	प	–	म॑प	ध	प	म॑	प	–	ग	–	ग (र)	–	ग (र)	–
*	मन	मा	ऽ	नीऽ	ऽ	क	र	जा	ऽ	ये	ऽ	*	*	*	*
*	प	प	प	म॑	प	म॑	ग	ग	म	ग	र	सऩ्	धऩ्	स	–
*	जब	चि	ड़ि	याँ	ऽ	चु	ग	जा	ऽ	यें	ऽ	खेऽ	ऽऽ	ती	ऽ
प	प	प	प	म॑	प	म॑	ग	ग	म	ग	र	सऩ्	धऩ्	स	–
ऽ	जब	चि	ड़ि	याँ	ऽ	चु	ग	जा	ऽ	यें	ऽ	खेऽ	ऽऽ	ती	ऽ
*	ध़	ध़	–	न	–	स	र	स	ग	र	–	–	–	प़	प़
*	फिर	पा	ऽ	छे	ऽ	प	छ	ता	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	म	न

मूरख.................!

बिना ठेका, धीमे स्वरों से

धं	स	स	म	ग	र	–	–
मू	ऽ	र	ख	म	न	ऽ	ऽ

68—N. P. K.

बीन के झूँठे पड़ गये तार···!

न्यूथियेटर्स फिल्म		ताल		गायक
"स्ट्रीट सिंगर"		धुमाली		'सहगल'

जीवन बीन मधुर ना बाजे। झूँठे पड़ गये तार।
बिगड़े थाट से काम बने क्या, मेघ बजे न मल्हार॥
पंचम छेड़ो, मध्यम बोले, षरज बने गन्धार।
बीन के झूँठे पड़ गये तार ··········॥
इन तारों को खोलो, इन तरबों को फेंको-फेंको।
उत्तम तार नई तरबें हों, सब हो नया सिंगार।
जिस परदे से जो सुर बोले, गूँज उठे संसार॥ बीन के···॥
बजने को है कूँच नगाड़ा, होना है सबसे छुटकारा।
अपना जो है उसे समझले, वो भी नहीं हमारा॥

+				+				+				+			
ऩस	रग	म	ग	ग	–	रग	–	र	–	–	–	–	–	–	स
जी	ऽ	ऽ	ऽ	व	ऽ	न	ऽ	बी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नम
र	–	म	–	प	सं	–	–	पध	पध	पध	–	धपम	–	ऩगर	–
धु	ऽ	र	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बा	ऽ	जे	ऽ
–	–	–	–	र	प	प	ध	पध	पध	पध	–	ग	म	–	रग
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	झूँ	ऽ	ठे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	ड़	ऽ	ऽ
रस	–	ऩ	–	स	–	–	–	–	–	–	–				
ग	ऽ	ये	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ				
स	सध	ध	ध	–	ध	ध	–	ध	–	ध	सं	धसं	धप	म	–
बि	ग	ड़े	था	ऽ	ट	से	ऽ	का	ऽ	म	ब	ने	ऽ	क्या	ऽ

−	म	प	प	पध	प	ध	रं	सं	−	−	−	धसं	पध	मप	रम
ऽ	मे	घ	ब	जे	ऽ	न	म	ल्हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
धरं	−	सं	सं	सं	−	रंसं	−	संध	−	पम	म	र	−	स	−
पं	ऽ	च	म	छे	ऽ	ड़ो	ऽ	म	ऽ	ध्य	म	बो	ऽ	ले	ऽ
स	र	म	म	पधप	−	प	ध	प	−	मप	मध	प-सं	धरं	सं-गं	रंमं
घ	र	ज	ब	ने	ऽ	गं	ऽ	धा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ
म	−	रं	रं	रंसं	−	रंसं	−	संध	−	पम	म	र	−	स	−
पं	ऽ	च	म	छे	ऽ	ड़ो	ऽ	म	ऽ	ध्य	म	बो	ऽ	ले	ऽ
स	र	म	म	पधप	−	प	ध	प	−	−	न	−	न	सं	−
घ	र	ज	ब	ने	ऽ	गं	ऽ	धा	ऽ	ऽ	रबी	ऽ	न	के	ऽ
पन	संरं	सं	रं	न	ध	प	ध	प	−	−	न	−	न	सं	−
भू	ऽ	ठे	ऽ	प	ड़	ग	ये	ता	ऽ	ऽ	रबी	ऽ	न	के	ऽ
पन	संरं	सं	रं	न	ध	प	ध	प	नसं	रंसं	नध	पम	गर	गर	स
भूं	ऽ	ठे	ऽ	प	ड़	ग	ये	तार	*	*	*	*	*	*	*
स	−	स	र	ग	−	−	र	ग	म	पधप	−	म	−	ग	−
जी	ऽ	व	न	बी	ऽ	ऽ	न्म	धु	र	ना	ऽ	बा	ऽ	जे	ऽ
−	न	ध	न	सं	रं	न	सं	ध	न	ध	प	−	म	प	−
ऽ	भूं	ऽ	ठे	प	ड़	ग	ये	ता	ऽ	र	बी	ऽ	न	के	ऽ

ग	म	प	ध	गम	गर	रग	रस	स	संन	रंसं	नध	पम	गर	गर	स
झू	ऽ	ठे	ऽ	प	ड़	ग	ये	तार	*	*	*	*	*	*	*
–	म॑	प	म	ग	र	स	र	सर	गम	ग	प	म॑	म	ग	–
ऽ	इ	न	ता	रों	ऽ	को	ऽ	खो	ऽ	लो	ऽ	*	*	*	*
–	प	प	प	प	ध	–	प	प	ध	ध	प	पध	पन	ध	प
ऽ	इ	न	त	र	बों	ऽ	को	फें	ऽ	को	ऽ	फें	ऽ	को	ऽ
–	ग	ग	म	ग	र	स	र	सर	गम	ग	–	'गम	पध	संरं	गंमं
ऽ	इ	न	ता	रों	ऽ	को	ऽ	खो	ऽ	लो	ऽ	*	*	*	*
गं	गं	गं	गं	गं	–	गं	गं	रं	–	गं	पं	रं	–	सं	–
ऽ	उ	त्त	म	ता	ऽ	र	न	ई	ऽ	त	र	बें	ऽ	हों	ऽ
–	प	ग	प	न	ध	न	रं	सं	–	–	पग	धप-	संध-	रसं-	गं
ऽ	स	ब	हो	न	या	ऽ	सिं	गा	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	सं	सं	सं	सं	–	रंसं	–	संध	–	म	म	र	–	स	–
जि	स	प	र	दे	ऽ	से	ऽ	जो	ऽ	सु	र	बो	ऽ	ले	ऽ
स	र	म	म	प	म	प	ध	प	–	–	न	–	न	सं	–
गूं	ऽ	ज	उ	ठे	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	र	बी	ऽ	न	के	ऽ
पन	संरं	सं	रं	न	ध	प	ध	प	संन	रंसं	नध	पम	पम	गर	स
झू	ऽ	ठे	ऽ	प	ड़	ग	ये	तार	*	*	*	*	*	*	*

ध़	स	स	र	ग	–	–	र	ग	म	पधप	–	म	–	ग	–
जी	ऽ	व	न	बी	ऽ	ऽ	न्म	धु	र	ना	ऽ	बा	ऽ	जे	ऽ
–	न	ध	न	सं	रं	न	सं	ध	न	ध	प	–	म॑	प	–
ऽ	भू	ऽ	ठे	प	ड़	ग	ये	ता	ऽ	र	बी	ऽ	न	के	ऽ
ग	म	प	ध	म	ग	रस	ऩ	स	संन	रंसं	न॒ध	पम	गर	गर	स
भूं	ऽ	ठे	ऽ	प	ड़	ग	ये	तार	*	*	*	*	*	*	*
–	प	प	प	सं	–	सं	–	सं	–	सं	रं	सं	–	सं	–
ऽ	ब	ज	ने	को	ऽ	है	ऽ	कूं	ऽ	च	न	गा	ऽ	ड़ा	ऽ
–	म	ग	म	न॒	ध	न	सं	न॒	प	प	प	मप	धप	म	ग
ऽ	हो	ऽ	ना	है	ऽ	स	ब	से	ऽ	छु	ट	का	ऽ	रा	ऽ
–	रं	रं	रं	रं	–	रं	–	संरं	संरं	गं	रं	सं	रं	न	सं
ऽ	अ	प	ना	जो	ऽ	है	ऽ	उ	से	ऽ	स	म	झ	ले	ऽ
–	नसंरं	–	सं	न॒	प	मग	म	न॒	ध	न	धन	सं	–	–	–
ऽ	वो	ऽ	भी	न	हीं	ऽ	ह	मा	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ

69—D.I.S.

—*—

दीवाना हूँ दीवाना हूँ.....!

न्यूथियेटर्स फ़िल्म		ताल		गायक
"ज़िन्दगी"		कहरवा		"सहगल"

दीवाना हूँ दीवाना हूँ, राहत से मैं बेगाना हूँ !
दिल को कैसे बहलाऊं मैं, ये ज़ख़्म किसे दिखलाऊं मैं ?
आंसू सुन सुन कर हंसते हैं, क्या दर्द भरा अफ़साना हूँ !
आई न बहार खिज़ां ही सही, उजड़े दिल में अरमां ही सही ?
हैरां हूं कि आख़िर क्या हूं मैं, आबाद हूं या वीराना हूं ॥
घायल हूं तुमसे दूर हूं मैं, पर फूंक चुका मजबूर हूं मैं ।
ए शमां ! बलाएं ले आकर, आख़िर मैं भी परवाना हूं ॥

सग	मप	धन	संन	न	-	न	-	सं	-	-	-	धसं	नध	प	प
हे	ऽ	ऽ	दी	वा	ऽ	ना	ऽ	हूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दी
पम	ग	म	-	गम	प	म	-	गर	सग	रस	-	-	-	स	ध़
वा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा
-	ध़	स	स	रग	-	गम	धप	-	गम	म	ग	रगमग	रस	स	ध़
ऽ	ह	त	से	मैं	ऽ	बे	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	रा
-	ध़	स	स	रस	-	गम	धप	-	गम	म	ग	रगमग	रस	-	-
ऽ	हत	से	ऽ	मैं	ऽ	बे	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	ऽ
-	न	न	न	सं	धसं	नध	प	प	मग	-	म	गर	सग	रस	-
ऽ	दी	वा	ना	हूं	ऽ	ऽ	ऽ	दी	वा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	ऽ

धृ	स	स	स	रग	-	गमध	पध	म	-	मग	-	रगमग	रस	स	धृ
रा	हत	से	ऽ	मैं	ऽ	बे	ऽ	गा	ऽ	ना	ऽ	हूं	ऽ	ऽ	रा
-	धृ	स	स	रग	-	गम	प	म	-	मग	-	रगमग	रस	-	-
ऽ	हत	से	ऽ	मैं	ऽ	बे	ऽ	गा	ऽ	ना	ऽ	हूं	ऽ	ऽ	ऽ
*	गम	-	प	न	-	न	-	-	नसं	ध	न	न	सं	न	सं
*	दिल	ऽ	को	कै	ऽ	से	ऽ	ऽ	बह	ला	ऽ	ऊँ	ऽ	मैं	ऽ
-	धन	सं	धन	सं	-	-	न	न	न	-	न	न	-	न	सं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ज़	ख्म	ऽ	कि	से	ऽ	दि	ख
न	सं	-	नध	प	पधन	धनसं	-	*	गम	-	प	न	-	न	-
ला	ऽ	ऊं	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	*	दिल	ऽ	को	कै	ऽ	से	ऽ
-	नसं	न	सं	धन	-	सं	-	न	न	न	न	न	-	न	सं
ऽ	बह	ला	ऽ	ऊं	ऽ	मैं	ऽ	ये	ज़	ख्म	कि	से	ऽ	दि	ख
न	सं	-	नध	प	-	-	-	-	न	-	न	नसं	नध	प	-
ला	ऽ	ऊँ	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आं	ऽ	सू	सुन	सुन	कर	ऽ
-	ग	म	-	गर	सग	रस	-	धृ	स	स	स	रग	-	गम	धप
ऽ	हंस	ते	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	द	र्द	भ	रा	ऽ	अ	फ़
-	गम	-	मग	रग	मग	रस	-	-	प	प	प	मप	-	-	प
ऽ	सा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	द	र्द	भ	रा	ऽ	अ	फ़

–	गम	–	मग	रग	मग	रस	–	–	प	प	प	मप	–	–	प
–	सा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ई	नब	हार	ऽ	ऽ	ख़ि
प	–	म	ध	प	–	–	–	–	न	न	न	धन	–	–	न
ज़ा	ऽ	ही	स	ही	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ई	नब	हार	ऽ	ऽ	ख़ि
नध	पम	म	ध	प	–	ग	ग	ग	–	ग	ग	म	–	म	प
ज़ा	ऽ	ही	स	ही	ऽ	उ	ज	ड़े	ऽ	दि	ल	में	ऽ	अ	र
प	ध	म	ग	र	–	ग	ग	ग	–	ग	ग	म	–	म	प
मा	ऽ	ही	स	ही	ऽ	उ	ज	ड़े	ऽ	दि	ल	में	ऽ	अ	र
प	ध	म	ग	र	–	–	–	न	न	न	सं	नसं	–	नध	प
मा	ऽ	ही	स	ही	ऽ	ऽ	ऽ	है	रां	हूं	कि	आ	ऽ	ख़ि	र
–	ग	–	म	गर	सग	रस	–	न	न	न	सं	संगं	रंगं	संन	धप
ऽ	क्या	ऽ	हूं	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	है	रां	हूं	कि	आ	ऽ	ख़ि	र
–	ग	–	म	गर	सग	रस	सा	ध़	ध़	स	स	रग	–	गम	धप
ऽ	क्या	ऽ	हूं	मैं	ऽ	ऽ	आ	ऽ	बा	द	हूं	या	ऽ	वी	रा
–	गम	–	मग	रगमग	रस	–	स	ध़	ध़	स	स	रग	–	गम	प
ऽ	रा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	आ	ऽ	बा	द	हूं	या	ऽ	वी	ऽ
–	गम	–	मग	रगमग	रस	–	–	–	ग	गग	ग	ग	म	ग	मगर
ऽ	रा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	घा	यल	हूं	तु	म	से	ऽ

–	ग	र	गम	प	–	ध	–	पध	म	ग	ग	ग	म	ग	मगर
ऽ	दू	ऽ	रहूं	मैं	ऽ	घा	ऽ	ऽ	य	ल	हूं	तु	म	से	ऽ
–	ग	र	मग	प	–	ग	म	–	ध	ध	ध	नधपध	–	ध	न
ऽ	दू	ऽ	रहूं	मैं	ऽ	प	र	ऽ	फूं	क	चु	का	ऽ	म	ज़
–	नसं	–	नध	प	–	–	नरंसंनसं	–	धसं	न	ध	ध	–	ध	न
ऽ	दू	ऽ	रहूं	मैं	ऽ	प	र	ऽ	फूं	क	चु	का	ऽ	म	ज़
–	नसं	–	नध	प	–	–	–	न	न	न	सं	नसं	–	नध	प
ऽ	दू	ऽ	रहूं	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऐ	श	मां	ब	ला	ऽ	यें	ऽ
–	ग	–	म	गर	स	–	–	न	न	न	सं	संरंगं	–	संन	धप
ऽ	ले	ऽ	आ	क	र	ऽ	ऽ	ऐ	श	मां	ब	ला	ऽ	यें	ऽ
–	ग	–	म	गर	स	–	स	ध़	ध़	स	स	रग	–	ग	गमप
ऽ	ले	ऽ	आ	क	र	ऽ	आ	ऽ	ख़ि	र	मैं	भी	ऽ	प	र
ऽ	म	–	मग	रगमग	रस	–	स	ध़	ध़	स	स	रग	–	ग	गमधप
ऽ	वा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ख़ि	र	मैं	भी	ऽ	प	र
–	म	–	मग	रगमग	रस	–	स	ध़	ध़	स	स	रग	–	ग	गमप
ऽ	वा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ख़ि	र	मैं	भी	ऽ	प	र
–	म	–	मग	रगमग	रस	–	–								
ऽ	वा	ऽ	ना	हूं	ऽ	ऽ	ऽ								

देखूं कब तक बाट.........?

"प्रभात" कृत		ताल		गायिका
"मेरा लड़का"	✠ ✠	दादरा	✠ ✠	शान्ता हुबलीकर

देखूं कब तक बाट, पियरवा देखूं बाट तुम्हार।
पथराईं अंखिया, देखत ढूंढत, एकहु दिन मोहे चैन न आवत।
हारी बाट निहार पियरवा, देखूं बाट तुम्हार॥
जिया तड़पत है, हिया धड़कत है, दरश को तोरे ललचत मन है।
जीवन के आधार पियरवा, देखूं बाट तुम्हार॥
सागर उछले तुंग तरंगे, तैरत साजन धार उमंगे।
व्याकुल मैं इस पार पियरवा, देखूं बाट तुम्हार॥
भेट हमारी अब कब होगी? प्रीत की ज्योती मिल के जलेगी।
डूबे सब संसार प्रलय में, डूबे सब संसार।
देखूं कब तक बाट पियरवा, देखूं कब तक बाट॥

×			।			×			।		
स	म	प	ध	प	म	मप	धसं	-	-	-	-
मप	धरं	-	सं	-	-	प	ध	-	पप	प	ध
						दे	खूं	ऽ	कब	त	क
प	म	-	-	-	-	प	ध	-	पप	प	ध
बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ट	दे	खूं	ऽ	कब	त	क
रम	म	-	म	रम	पधमप	पध	सं	-	ध	प	ध
बा	ट	ऽ	पि	यर	वा	दे	खूं	ऽ	बा	ट	तु
म	-	-	-	-	-	पप	ध	प	पध	म	-
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	पथ	रा	ई	अंखि	यां	ऽ

–	–	–	मप	धप	मप–	पप	ध	प	पध	म	–
ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	पथ	रा	ई	अंखि	यां	ऽ
प	ध	प	ध	सं	सं	–	संरं	गं	रं	सं	–
दे	ख	त	ढूं	ड	त	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*
ध	सं	ध	पध	प	म	प	ध	प	पध	ध	प
ए	क	हु	दिन	मो	हे	चै	न	न	आ	व	त
प	ध	न	प	ध	न	पध	ध	–	पध	पम	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हा	री	ऽ	बा	ट	नि
रम	म	–	म	रम	पधमप	पध	सं	–	ध	प	धं
हा	र	ऽ	पि	यर	वा	दे	खूं	ऽ	बा	ट	तु
म	–	–	–	–	–	सस	र	स	रर	स	–
मा	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	जिया	त	ड़	पत	है	ऽ
सर	म	म	पध	सं	–	–	–	–	–	–	–
हिया	ध	ड़	कत	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सस	र	स	रर	स	–	सर	म	म	पध	सं	–
जिया	त	ड़	पन	है	ऽ	हिया	ध	ड़	कत	है	ऽ
धध	सं	ध	पधप	म	–	पप	ध	प	धध	प	–
दर	श	को	तो	रे	ऽ	लल	च	त	मन	है	ऽ

–	–	–	धप	मग	रस	ध	ध	ध	पध	प	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जी	व	न	के	ऽ	आ
रम	म	–	म	रम	पधमप	–	सं	–	ध	प	ध
धा	र	ऽ	पि	यर	वा		खूं	ऽ	बा	ट	तु
म	–	–	–	–	–	बाजा बजेगा					
मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	स	र	स	र	स	–
सर	म	प	ध	सं	–	–	–	–	–	–	–
स	र	स	रर	स	–	सर	म	म	पध	सं	–
सा	ग	र	उछ	ले	ऽ	तुं	ग	तुं	रं	गे	ऽ
–	–	–	–	–	–	स	र	स	रर	स	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ग	र	उछ	ले	ऽ
सर	म	म	पध	सं	–	ध	सं	ध	पध	प	म
तुं	ग	तु	रं	गे	ऽ	तौ	र	त	सा	ज	न
प	ध	प	ध	प	–	मपधप	मपधप	मपधप	मपधप	मपधप	मप--
धा	रि	उ	मं	गे	ऽ	(बाजा) *		*	*	*	*
ध	ध	ध	पधप	म	म	रम	म	–	म	रम	पधमप
व्या	कु	ल	मैं	इ	स	पा	र	ऽ	पि	यर	वा

पध	सं	-	प	ध	प	म	-	-	-	-	-
दे	खूं	ऽ	बा	ट	तु	मा	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	स	र	स	-	सर	म	ग	मप	मध	-
मैं	ट	ह	मा	री	ऽ	अब	क	ब	हो	गी	ऽ
-	-	-	-	-	-	स	र	स	र	स	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ट	ह	मा	री	ऽ
सर	म	ग	मप	मध	-	-	-	-	-	-	-
अब	क	ब	हो	गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	सं	ध	पधप	म	-	पप	ध	-प	ध	प	-
प्री	त	की	ज्यो	ती	ऽ	मिल	के	ऽज	ले	गी	ऽ
(बाजा)											
प	ध	न	ध	ध	प	म॑	प	-	-	-	-
ध	-	-	पधप	म	प	रम	म	-	म	रम	पधमप
डू	ऽ	बे	सब	सं	ऽ	सा	र	ऽ	प्र	लय	में
ध	-	-	पधप	म	प	र	-	-	-	-	-
डू	बे	ऽ	सब	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
प	ध	-	पप	प	ध	रम	म	-	म	रम	पधमप
दे	खूं	ऽ	तब	त	क	वा	ट	ऽ	पि	यर	वा

पध	सं	–	धध	प	ध	धपम	–	–	–	–	–
दे	खूं	ऽ	तब	त	क	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ट	ऽ
प	ध़	–	पप	ध	सं	ध	–	–	–	–	–
दे	खूं	ऽ	तब	त	क	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ट	ऽ

—*—

एक सार नाम हरीभज हरी....!

प्रभात–फिल्म		ताल		गायक
"संत ज्ञानेश्वर"	* *	अध्धा (तिताला)	* *	"भोले"

एक सार नाम हरी भज हरी, हरे हरि तेरी चिन्ता सारी ॥
ये नाम सीधे रे "राम कृष्ण गोविन्द"। जप के आनन्द पाये मना ॥
पन्थ और सारे छोड़ दूसरे रे। कृष्ण नाम गारे गारे प्यारे प्यारे ॥
जपे ज्ञान देव हरि नाम माला। हरष निराला पाया पाया ॥ एक...... ॥

०				३				×				२			
*	*	स	–	स	स	–	स	सस	ऩध़	ऩ	–	प़	–	ग़	–
*	*	ए	ऽ	क	सा	ऽ	र	नाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प़	प़	–	ऩ	–	ऩ	स	–	स	–	–	–	–	–
*	*	ह	री	ऽ	भ	ऽ	ज	ह	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	स	–	र	–	प	म	–	ग	–	र	–	–	–
*	*	ह	रें	ऽ	ह	ऽ	रि	ते	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

.	-	स	-	स	-	सर	ग	स	-	-	-	ऩ	-	-	-
ऽ	ऽ	चिं	ऽ	ता	ऽ	साऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	-	-	स	-	स	स	-	ऩ	-	प़	-	ग़	-
*	*	ये	ऽ	ऽ	ना	ऽ	म	सी	ऽ	धे	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	प़	-	प़	ऩ	-	ऩ	स	-	स	-	स	-	-	-
ऽ	ऽ	रा	ऽ	म	कृ	ऽ	ष्णा	गो	ऽ	विं	ऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	ऩ	-	स	र	-	र	र	ग	र	-	स	ऩ	-	-
*	*	रा	ऽ	म	कृ	ऽ	ष्णा	गो	ऽ	विं	ऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	प़	-	प़	ऩ	-	ऩ	स	-	स	-	स	-	-	-
*	*	रा	ऽ	म	कृ	ऽ	ष्णा	गो	ऽ	विं	ऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	-	-	स	-	स	धऩ	सर	ऩ	-	प़	-	ग़	-
*	*	ये	ऽ	ऽ	ना	ऽ	म	सीऽ	ऽऽ	धे	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	ऩ	-	ऩ	ऩ	-	ऩ	स	-	स	-	स	-	-	-
*	*	रा	ऽ	म	कृ	ऽ	ष्णा	गो	ऽ	विं	ऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	ऩ	स	-	र	-	र	र	-	(स)र	-	(स)र	-	(स)र	-
*	*	ज	प	ऽ	के	ऽ	आ	नं	ऽ	द	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	ऩ	स	-	ऩस	रग	-	स	-	-	-	ऩ	-	-	-
*	*	पा	ये	ऽ	मऽ	ऽऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	*	स	–	स	र	–	म	म	–	ग	–	स	–	ऩ	–
*	*	पं	ऽ	थ	औ	ऽ	र	सा	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प़	–	प़	ऩ	–	ऩ	स	–	स	–	–	–	–	–
*	*	छो	ऽ	ड़	दू	ऽ	स	रे	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	म़	–	स	र	–	र	स र	–	र	–	–	ग	र	–
*	*	कृ	ऽ	ष्ण	ना	ऽ	म	गा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	गा	रे	ऽ
*	*	ऩ	स	–	ऩस	रग	–	स	–	–	–	ऩ	–	–	–
*	*	प्या	रे	ऽ	प्याऽ	ऽऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	र	–	म	–	म	म	–	म	–	–	–	*	*
*	*	ज	पे	ऽ	ज्ञा	ऽ	न	दे	ऽ	व	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	*	ग	ग	–	ग	–	प	म	–	–	–	ग	–	र	–
*	*	ह	री	ऽ	ना	ऽ	म	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	ऩ	स	–	र	–	प	म	–	ग	–	र	–	–	–
*	*	ह	र	ऽ	ष	ऽ	नि	रा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	ऩ	–	ऩस	रग	–	स	–	–	–	ऩ	–	–	–
*	*	पा	या	ऽ	पाऽ	ऽऽ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

नोट—चिन्तासारी...पायेमना...प्यारे प्यारे...पाया पाया...
प्रत्येक के आख़ीर में स्थायी (एक सार...) गाते रहिए।

72–N. P. K.

—*—

संगीत सम्बन्धी पुस्तकें !

१–सङ्गीत सागर—सङ्गीत का विशाल ग्रन्थ। इसमें स्वर, श्रुति, ग्राम, मूर्च्छना पल्टा अलकार ४८४ राग रागिनी के आरोहावरोह, रागों के भेद ५४ पक्की चीजों की स्वरलिपियां, २५ फिल्मी गीतों की स्वरलिपियां, ताल व्याख्या, लय बिवरण टुकड़ा, परन, तिहाई, ठेका, मोहरा, लग्गी प्रचलित व गूढ़ और गुप्त तालों के ठेके, हारमोनियम, तबला, सितार, बाँसुरी, जलतरङ्ग, दिलरुबा, बेला, बीन, बेंजो इन साजों को बजाने की सचित्र विधि और नृत्यकला के बोल व तोड़े दिये गये हैं, प्रथम संस्करण हाथों हाथ बिक कर दुबारा छपी है।

मू० ४) संगीत के ग्राहकों से ३) डा० ।≡)

२–फ़िल्म संगीत (प्रथम भाग)—इसमें फ़िल्मी गीतों की ७० स्वरलिपियाँ फ़िल्मों की असली तर्ज में दी गई है। मू० २)

३–संगीत पारिजात—पं० अहोबल शास्त्री का लिखा हुआ असली संस्कृत ग्रन्थ संगीत पारिजात [जिसका प्रमाण संगीत के बड़े-बड़े ग्रन्थों में मिलता है] हिन्दी अनुवाद सहित, बड़ी खोज और परिश्रम से प्रकाशित किया जारहा है। मू०२)

४–रागदर्शन (प्रथम भाग राग भैरव)—इसमें राग भैरव और उसकी रागिनी, रागपुत्र और रागपुत्र बधुओं की स्वरलिपियाँ दीगई हैं तथा थाट भैरव के अन्तर्गत रागों की स्वरलिपियां हैं। साथ ही रागरागिनियों के ६ तिरंगे चित्र भी देदिये गये हैं।

५–म्यूज़िक मास्टर—संगीत के प्रारम्भिक विद्यार्थियों को हारमोनियम तबला और बांसुरी बजाना सिखाने वाली सरल पुस्तक! जिसके ८ संस्करण होचुके हैं। मूल्य १)

६–गवैयों का मेला—हर प्रकार के चुने हुए ५०० गायनों का संग्रह। मू० १।)

७–गवैयों का जहाज़—भजन, प्रार्थना, फ़िल्मी गीत, गज़ल इत्यादि ४०० गायनों का संग्रह, मूल्य १)

८–पुष्प वाटिका—हर प्रकार के गाने लायक ४०४ गाने। मू० १)

९–महिला हारमोनियम गाइड—स्त्री व कन्याओं के गाने योग्य गीतों सहित बिना मास्टर बाजा सिखाने वाली पुस्तक। मू० ॥।)

१०–रुक्मणी मङ्गल—राधेश्यामी तर्ज में रुक्मणिमंगल की सम्पूर्ण कथा मू०॥)

११–गीता गायन—गीता का सरल अनुवाद राधेश्यामी तर्ज में। मू० ॥)

इन पुस्तकों के अलावा

हमारे यहां से एक मासिक पत्र "संगीत" भी निकलता है, जिसका वार्षिक मूल्य २०० पृष्ठ के विशेषांक सहित २।) है। नमूना मुफ्त मँगा देखिये।

पता—सङ्गीत कार्यालय (गर्ग कम्पनी) हाथरस—यू० पी०



अपने परिवार में

संगीत कला का प्रचार करके जीवन सफल बनाइये

"संगीत"

मासिक पत्र *-* वार्षिक मू० २।)

प्रतिमास ठीक समय पर निकल रहा है, ग्राहक संख्या बड़ी तेज़ी से बढ़ रही है।

—क्योंकि—

भारतवर्ष में इस विषय का यह अकेला ही पत्र है, और बहुत ही सस्ता है।

इसमें क्या-क्या मिलेगा ? सुनिए !

१—हारमोनियम पर निकालने के लिये तरह-तरह की राग-रागनियों तथा फ़िल्म गीतों के नोटेशन सरगम सहित मिलेंगे।

२—हारमोनियम, तबला, बेला बाँसुरी तथा सितार बजाने की शिक्षा घर बैठे मिलेगी।

३—तबले के ठेके और परन नक़शे सहित दिए जाते हैं और उनके बोल अंगुलियों से किस प्रकार निकाले जांयगे ? यह भली प्रकार समझाया जाता है।

४—प्रत्येक महीने नई-नई तर्जों के फिल्मगीत तथा चुने हुए भजन प्रार्थना दिये जाते हैं।

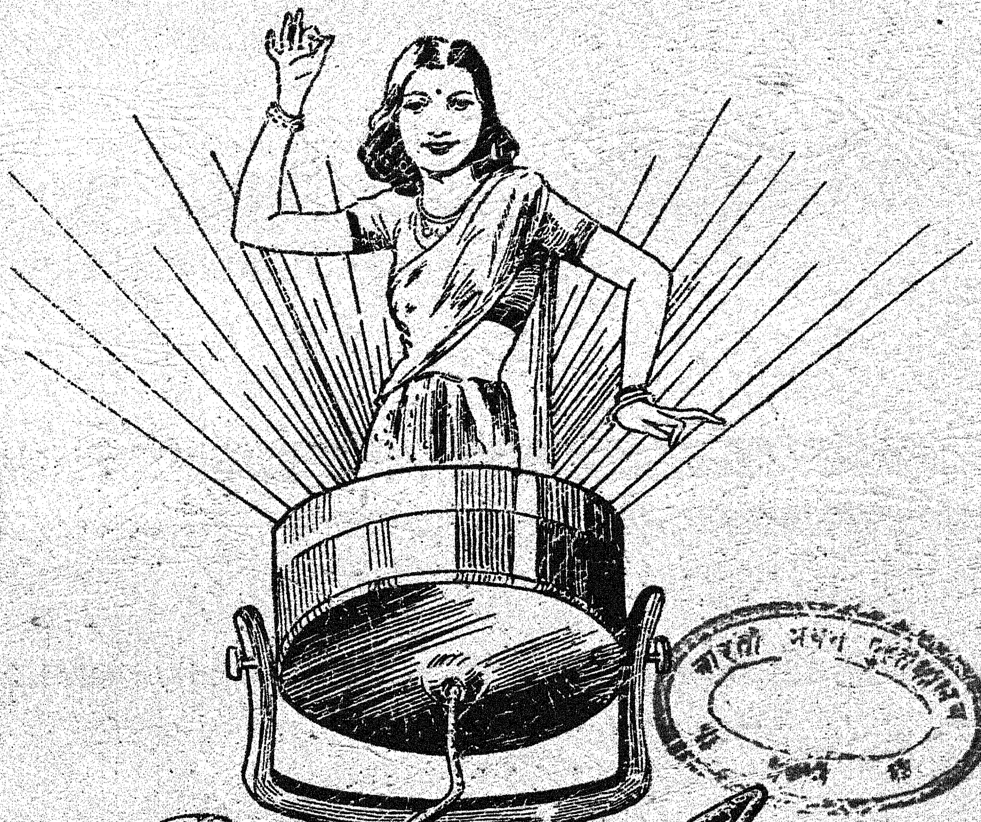
५—प्रति मास रेडियो और फ़िल्मों के नये-नये गाने भी निकलते रहते हैं। इनके अलावा सङ्गीत विद्वानों व प्रोफेसरों के लेख तथा नृत्यकला पर लेख निकलते रहते हैं।

१९३७ की जनवरी में २०० पृष्ठ का 'विष्णुदिगम्बर अङ्क' निकला १९३८ में 'भातखण्डे अङ्क' १९३९ में 'ध्रुपद अङ्क' निकला था और १९४० में २०० पृष्ठ का 'ताल अङ्क' निकला था। १९४१ में 'नृत्य अङ्क' निकल रहा है। इस प्रकार प्रतिवर्ष १ विशेषांक निकलता है, जो स्थायी ग्राहकों को मुफ्त मिलता है।

हम दावे के साथ कहते हैं ?

सङ्गीत का ज्ञान बढ़ाने वाला इससे सस्ता दूसरा साधन आपको नहीं मिलेगा आज ही २।) मनीआर्डर से भेज दीजिये और घर बैठे १ वर्ष तक सङ्गीत लहरी का आनन्द लीजिये। रुपया मिलते ही इस वर्ष का विशेषांक तथा उसके बाद के अङ्क आपको भेज दिये जाँयगे। वी० पी० मँगाने से २॥) लगेंगे।

पता—मैनेजर "सङ्गीत" हाथरस—यू० पी०।



फिल्म संगीत

(तीसरा भाग)

LIGHT MUSIC

PART III

70 FILM SONGS, WITH COMPLETE NOTATION,

प्रकाशक—

संगीत कार्यालय, हाथरस—यू० पी०।

फिल्म-संगीत

(तीसरा भाग)

LIGHT MUSIC

PART III

सम्पादक—

प्रभूलाल गर्ग

प्रकाशक—

सङ्गीत कार्यालय,

हाथरस।

मूल्य २) रुपया

प्रथम संस्करण——अक्टूबर १६४१

प्रकाशक—
प्रभूलाल गर्ग
सङ्गीत कार्यालय-हाथरस।

पुस्तक मिलने के पते—
१—सङ्गीत कार्यालय-हाथरस।
२—गर्ग एन्ड कम्पनी-हाथरस।

मुद्रक—
प्रभूलाल गर्ग
सङ्गीत प्रेस, हाथरस।

भूमिका !

प्रिय सङ्गीतानुरागियो !

फ़िल्म-सङ्गीत का पहला और दूसरा भाग आपने पसन्द करके हमारा उत्साह बढ़ाया है उसी का यह फल है कि इसका तीसरा भाग आज आपके सामने उपस्थित किया जा रहा है। आशा है आप इसे भी वैसा ही लाभप्रद पायँगे।

इसमें ऐसा कोई गीत आपको नहीं मिलेगा जो पहिले या दूसरे भाग में छप चुका हो। हाँ! कुछ गीत ऐसे अवश्य हैं जो "सङ्गीत" (मासिक पत्र) में पहिले छप चुके हैं, किन्तु उन्हें हम इसलिये नहीं छोड़ सके कि सङ्गीत की पुरानी फाइलें तो १ वर्ष में ही समाप्त हो जाती हैं, इस प्रकार नवीन ग्राहक या पाठक उन स्वरलिपियों से लाभ नहीं उठा पाते, क्योंकि सङ्गीत के पुराने अङ्क तब तक अप्राप्य हो जाते हैं।

इस भाग में चुन-चुनकर ७० गीतों की स्वरलिपियाँ दी गई हैं। सभी गाने ऐसे हैं जिन्हें सीखने और गाने के लिये सङ्गीत-प्रेमी भाई और बहिनें उत्सुक रहते हैं नोटेशन इतनी सरलता से दिये गये हैं कि वे हारमोनियम बाजे पर बड़ी आसानी से निकल सकेंगे।

जिस गाने को भी आप निकालना चाहें उसे अच्छी तरह से पढ़कर चिन्हों को और ठहरने की मात्राओं को देखते जाइये और पूरी स्वरलिपि जब तक याद न हो जाय दृढ़ता पूर्वक परिश्रम करते रहिये आप देखेंगे कि हूबहू वही तर्ज़ आपके सामने आजायगी! एक स्वरलिपि पूरी तरह से निकालकर ही दूसरी को आरम्भ करिये। यह ठीक नहीं कि एक लाइन किसी गाने की निकालकर छोड़ दी, फिर झट से दूसरी पर पहुंच गये। इस प्रकार सफलता भी नहीं मिलती और उत्साह भी भङ्ग हो जाता है। धैर्य और दृढ़ता के आगे बड़े से बड़ा कार्य भी अत्यन्त सरल हो जाता है।

धन्यवाद !

इस पुस्तक के लिये जिन सङ्गीतज्ञ महानुभावों ने स्वरलिपियाँ तैयार की हैं उनके संक्षिप्त नाम स्वरलिपियों के नीचे दिये हैं। यहाँ पर धन्यवाद सहित उनके पूरे नाम दिये जा रहे हैं।

N. P. K. श्रीयुत पं० निरञ्जन प्रसाद "कौशल"

B. N. B. बा० विश्वम्भरनाथ भट्ट बी० ए० एल-एल० बी०।

B. P. M. श्री० भारतलाल पूनमचन्द मास्तर!

साथ ही उन फ़िल्म कम्पनियों के भी हम आभारी हैं। जिनके प्रसिद्ध गाने सङ्कलित करके इस पुस्तक में दिये गये हैं।

विजयादशमी
१९९८

प्रभूलाल गर्ग

फ़िल्म-सङ्गीत (तीसरा भाग) Light Music III

चिन्ह परिचय

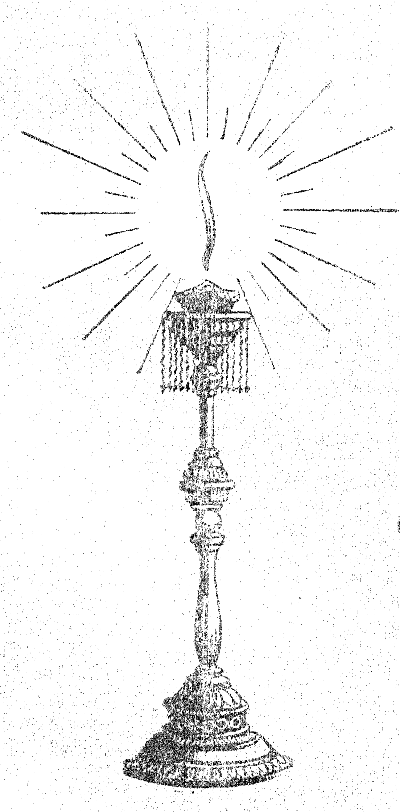
निम्नलिखित चिन्हों का प्रयोग इस पुस्तक में किया गया है। प्रत्येक पाठक के लिये इनका ध्यान पूर्वक अवलोकन कर लेना अत्यन्त आवश्यक है।

चिन्ह	अर्थ
ग	जिस स्वर पर कोई चिन्ह न हो, वह मध्य सप्तक का शुद्ध स्वर है।
ग (नीचे रेखा)	जिस स्वर के नीचे पड़ी रेखा हो, वह कोमल स्वर है।
म	कोमल मध्यम पर कोई चिन्ह न होगा क्योंकि वह शुद्ध स्वर माना गया है।
म (ऊपर खड़ी रेखा)	तीव्र मध्यम इस प्रकार होगा। अन्य किसी भी तीव्र स्वर पर यह निशान न होगा क्योंकि मध्यम के सिवा सभी तीव्र स्वर शुद्ध माने गये हैं।
ध़	इस प्रकार नीचे बिंदी वाले स्वर मन्द्र सप्तक के हैं।
सं	ऊपर बिन्दी वाले स्वर उच्च (तार) सप्तक के हैं।
ग –	जिस स्वर के आगे ऐसी जितनी लकीरें हों, उसे उतनी ही मात्रा तक और बजाइये जैसे ग — — यहाँ पर गांधार के आगे २ मात्रा ठहरना होगा, किन्तु कहीं पर ग-- इस प्रकार सटी हुई लकीर आवें, वहां एक मात्रा काल में ही (गअअ) बजाकर पूरा करना होगा।
ऽ	गीत में जिन अक्षरों के आगे यह चिन्ह जितने हों, उसे उतनी ही मात्रा तक और गाइये, जैसे, मे ऽ ऽ २ मात्रा बढ़ाकर 'मेएए' गाया जायगा किंतु कहीं कहीं मेऽऽ इस प्रकार मिले हुये (सटे हुये) हों तो वहाँ १ मात्रा में ही (मेएए) बोला जायगा।
मप, मपध	इस प्रकार २ या ३ स्वर मिले हुए (सटे हुए) हों वे १ मात्रा के समय में ही बजाये जायंगे।
⌒	यह चिन्ह स्वरों के ऊपर जहाँ आवे, वहाँ पर मीड़ देनी होगी।
× +	यह चिन्ह "सम" के हैं।
०	यह खाली ताल का चिन्ह है।
।	यह भरी ताल का चिन्ह है।
*	यह फूल जहां पर हो, वहां १ मात्रा काल के लिए चुप रहना होगा।
~	ऐसा निशान जिन स्वरों के ऊपर होंगे, वे स्वर हिलते हुए गाये जायंगे।

फ़िल्म-संगीत (तीसरा भाग)

LIGHT MUSIC

PART III



70 SONGS WITH NOTATION.

गिरिधारी घर आयो रे........।

प्रकाश पिक्चर्स	ताल	गायक
"नरसी भगत"	कहरवा	"विष्णुपंत पागनीस"

गिरिधारी घर आयो रे, बनवारी मन भायो रे हे नर नार।

गिरिधर मनहर, नटवर नागर,

घट-घट तूही समायो रे। हे नर नार।

पतित उधारन हे हरी नारायण,

घट-घट तू ही समायो रे। हे नर नार।

शबरी के बेर खायो, निषाद को गले लगायो,

ऊंच-नीच भाव न लायो रे। हे नर नार।

—◦—

स्वरलिपि☞

+				।				+				।			
														ग	म
														गि	रि
प	–	प	–	–	मप	ध	प	म	प	प	म	ग	–	ग	म
धा	ऽ	री	ऽ	❀	घऽ	ऽ	र	आ	ऽ	यो	ऽ	रे	ऽ	गि	रि
प	–	प	–	–	मप	ध	प	म	प	प	म	ग	–	ग	म
धा	ऽ	री	ऽ	❀	घऽ	ऽ	र	आ	ऽ	यो	ऽ	रे	ऽ	ब	न
प	–	प	–	–	मप	ध	प	म	प	प	म	ग	–	–	–
वा	ऽ	री	ऽ	❀	मऽ	ऽ	न	भा	ऽ	यो	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग	म	ग	र	–	स	स	–	–	–	–	–	ग	–
ऽ	ऽ	हे	ऽ	ऽ	न	ऽ	र	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	रे	ऽ

-	-	ग	म	ग	र	-	स	स	-	-	-	-	-	ग	-
ऽ	ऽ	हे	ऽ	ऽ	न	ऽ	र	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	रे	ऽ
-	-	ग	म	ग	र	-	स	स	-	-	-	-	-	-	-
ऽ	ऽ	हे	ऽ	ऽ	न	ऽ	र	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	❀	❀
❀	❀	❀	ग	र	स	-	स	स	-	र	ग	ग	-	ग	-
❀	❀	❀	गि	रि	ध	ऽ	र	म	ऽ	न	ऽ	ह	ऽ	र	ऽ
ग	-	-	ग	र	स	-	स	स	-	र	ग	ग	-	ग	-
ऽ	ऽ	ऽ	गि	रि	ध	ऽ	र	म	ऽ	न	ऽ	ह	ऽ	र	ऽ
ग	-	-	ग	म	म	-	म	म	-	-	-	मग	रग	ग	-
ऽ	ऽ	ऽ	न	ट	व	ऽ	र	ना	ऽ	ऽ	ऽ	गऽ	ऽऽ	र	ऽ
ग	-	-	म	प	प	-	प	म	प	ध	-	-	प	ध	प
ऽ	ऽ	ऽ	घ	ट	घ	ऽ	ट	तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ही	ऽ	स
म	प	प	म	ग	-	-	-	-	-	ग	म	ग	र	-	स
मा	ऽ	यो	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हे	ऽ	ऽ	न	ऽ	र
स	-	-	-	-	-	-	-	❀	❀	❀	प	ध	म	-	म
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	❀	❀	❀	❀	❀	प	ति	त	ऽ	उ
म	प	ध	-	प	ध	सं	-	सं	-	-	ध	ध	म	-	म
धा	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	ति	त	ऽ	उ

म	प	ध	–	प	ध	सं	–	सं	–	–	ध	सं	रं	–	रं
धा	ऽ	ऽ	ऽ	र	ऽ	न	ऽ	ऽ	❀	❀	है	ऽ	ह	ऽ	रि
गं	–	–	रं	न॒	–	ध	·	प	–	–	प	प	प	–	प
ना	ऽ	रा	ऽ	य	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	घ	ट	घ	ऽ	ट
म	प	ध	–	–	प	ध	प	म	प	प	म	ग	–	–	–
तू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ही	ऽ	स	मा	ऽ	यो	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग	म	ग	र	–	स	स	–	–	–	–	–	–	–
ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	न	ऽ	र	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	❀	❀
❀	❀	❀	प	ध	ध	–	म	म	प	ध	ध	प	ध	सं	–
❀	❀	❀	श	व	री	ऽ	के	वे	ऽ	ऽ	र	खा	ऽ	यो	ऽ
सं	–	ध	सं	–	रं	गं	–	रं	सं	–	न॒	ध	–	प	–
ऽ	ऽ	नि	षा	ऽ	द	को	ऽ	ग	ले	ऽ	ल	गा	ऽ	यो	ऽ
–	–	म	प	प	प	–	प	म	प	ध	–	–	प	ध	प
❀	❀	ऊं	ऽ	च	नी	ऽ	च	भा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	व	ऽ	न
म	प	प	म	ग	–	–	–	–	–	ग	म	ग	र	–	स
ला	ऽ	यो	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	न	ऽ	र
स	–	–	–	–	–	ग	–	–	–	ग	म	ग	र	–	स
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	रे	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ	ऽ	न	ऽ	र

स	–	–	–	–	–	ग	–	–	–	ग	म	ग	र	–	स
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	रे	ऽ	ऽ	ऽ	हे	ऽ	ऽ	न	ऽ	र

स	–	–	–	–	–	–	–								
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	*	*								

1—N.P.K.

एक नया संसार बसालें.......!

बौम्बे टाकीज़ लि०	**	ताल	**	गायक
"नया संसार"	**	कहरवा और दादरा	**	रेणुकादेवी, अशोककु०

एक नया संसार बसालें, एक नया संसार।
आओ गायें नये तराने, आज़ादी के प्रीत के गाने॥
आज बसन्त बहार देखो, आज बसन्त बहार॥ एक नया...॥
ऐसा एक संसार, कि जिसमें धरती हो आज़ाद।
कि जिसमें जीवन हो आज़ाद, कि जिसमें भारत हो आज़ाद॥
जनता का हो राज जगत में, जनता की सरकार।
जगे देश की गली गली में, नवयुग का त्यौहार॥ एक नया...॥
आज मन्दिरों की दीवारें डोल उठीं, आज मस्जिदों की मीनारें बोल उठीं।
कहतीं बारम्बार पुकार-पुकार।
बन्द करो मज़हब के झगड़े, आपस की तकरार॥ एक नया...॥
क्या तुम मेरे सङ्ग चलोगी दूर दिशा की ओर।
क्या तुम मेरे सङ्ग चलोगी छूने गगन का छोर॥
मैं तुम्हारे सङ्ग चलूँगी दूर दिशा की ओर।
मैं तुम्हारे सङ्ग चलूँगी छूने गगन का छोर॥ एक नया...॥

+				।				+				।			
* स	–	ध़	स	–	र	–	र	ग	–	ध	प	–	प	ग	
* ए	ऽक	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽर	ब	सा	ऽ	लें	ऽ	

❀	ग	–	म	ग	–	स	ग	र	–	(ग)र	–	–	–	–	–
❀	ए	ऽक	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽर	❀	❀	❀	❀
❀	स	–	ध़	स	–	र	–	र	ग	–	न	न	ध	ध	प
❀	ए	ऽक	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽर	ब	सा	ऽ	लें	ऽ
–	ग	–	म	ग	–	स	ग	र	–	(ग)र	–	–	–	–	–
ऽ	ए	ऽक	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽर	❀	❀	❀	❀
❀	र	ग	ग	ग	–	ग	र	❀	ग	ग	म	ग	र	स	–
❀	आ	ऽ	वो	गा	ऽ	यें	ऽ	❀	न	ये	त	रा	ऽ	ने	ऽ
❀	ग	–	ग	ग	प	प	–	प	ध	ध	न	ध	–	प	–
❀	आ	ऽ	ज़ा	दी	ऽ	के	ऽ	प्री	ऽ	त	के	गा	ऽ	ने	ऽ
❀	सं	–	सं	सं	–	सं	सं	ध	न	न	न	ध	–	प	–
❀	आ	ऽज	ब	सं	ऽ	त	ब	हा	ऽ	ऽ	र	दे	ऽ	खो	ऽ
❀	ग	–	ग	प	–	ध	न	न	ध	प	–	–	–	–	–
❀	आ	ऽज	ब	सं	ऽ	त	ब	हा	ऽ	ऽ	र	❀	❀	❀	❀

एक नया संसार……………………।

ग	प	प	–	प	प	प	–	ग	–	–	म	ग	र	स	–
ऐ	ऽ	सा	ऽ	इ	क	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽर	कि	जि	स	में	ऽ

र	र	र	–	ग	–	म	–	ग	–	–	ग	ग	म	प	–
ध	र	ती	ऽ	हो	ऽ	आ	ऽ	ज़ा	ऽ	द	कि	जि	स	में	ऽ
ध	–	ध	ध	ध	–	ध	–	प	–	–	प	प	प	ध	–
जी	ऽ	व	न	हो	ऽ	आ	ऽ	ज़ा	ऽ	द्	कि	जि	स	में	ऽ
न	सं	सं	सं	न	ध	न	रं	सं	–	–	–	–	–	–	–
भा	ऽ	र	त	हो	ऽ	आ	ऽ	ज़ा	ऽ	ऽ	द	❀	❀	❀	❀
सं	सं	रं	–	रं	गं	गं	–	रं	–	रं	रं	रं	रं	सं	–
ज	न	ता	ऽ	का	ऽ	हो	ऽ	रा	ऽ	ज	ज	ग	त	में	ऽ
❀	सं	सं	सं	न	ध	न	रं	सं	–	–	–	–	–	–	–
❀	ज	न	ता	की	ऽ	स	र	का	ऽ	ऽ	र	❀	❀	❀	❀
ग	ग	प	प	–	प	प	–	ध	न	–	न	ध	–	प	–
ज	गे	ऽ	दे	ऽ	श	की	ऽ	ग	ली	ऽ	ग	ली	ऽ	में	ऽ
न	न	न	न	ध	–	प	–	ग	प	–	–	–	–	–	–
न	व	यु	ग	का	ऽ	त्यौ	ऽ	हा	ऽ	ऽ	र	❀	❀	❀	❀

एक नया संसार……………!

र	ग	ग	ग	–	ग	ग	–	ग	–	ग	–	ग	–	ग	र
आ	ऽ	ज	मं	ऽ	दि	रों	ऽ	की	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	रें	ऽ

– ग प प	प – – –	ग प प प	– प प –
ऽ डो ऽल उ	ठीं ऽ ऽ ऽ	आ ऽ ज म	ऽस जि दों ऽ
प – ध –	ध – ध प	– ध न न	न – – –
की ऽ मी ऽ	ना ऽ रें ऽ	ऽ बोऽ ल उ	ठीं ऽ ऽ ऽ
ध न न –	न – सं –	सं – – सं	न – – न
क ह ती ऽ	बा ऽ र म्	बा ऽ ऽर पु	का ऽ ऽर पु
सं गं – –	– – – –	गं – रं सं	न – ध ध
का ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ र	बं ऽ द क	रो ऽ म ज़
न न न –	ध ध प –	ध न न न	ध – प प
ह ब के ऽ	झ ग ड़े ऽ	आ ऽ प स	की ऽ त क
ग प – –	ध न सं रं	गं – रं सं	न – ध ध
रा ऽ ऽ र	❀ ❀ ❀ ❀	बं ऽ द क	रो ऽ म ज़
न न न –	ध ध प –	ध न न न	ध – प प
ह ब के ऽ	झ ग ड़े ऽ	आ ऽ प स	की ऽ त क
ग प – –	– – – –		
रा ऽ ऽ र	❀ ❀ ❀ ❀	एक नया संसार .... ।	
ग म प –	प ध न –	ध न सं रं	न – – –
(बाजा)........			

❀	न	न	न	न	–	न	ध	–	न	सं	सं	सं	–	सं	–
❀	क्या	तु	म	मे	ऽ	रे	ऽ	ऽ	सं	ग	च	लो	ऽ	गी	ऽ
प	प	प	ध	सं	–	सं	गं	रं	–	–	–	रं	गं	रं	सं
ऽ	दू	ऽ	दि	शा	ऽ	की	ऽ	ओ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽर
❀	न	न	न	न	–	न	–	❀	न	सं	सं	सं	–	सं	रं
❀	क्या	तु	म	मे	ऽ	रे	ऽ	❀	सं	ग	च	लो	ऽ	गी	ऽ
प	न	न	न	ध	म	प	न	ध	प	–	–	–	–	–	–
ऽ	छू	ने	ग	ग	न	का	ऽ	छो	ऽ	ऽ	र	❀	❀	❀	❀

—दादरा—

+			।			+			।		
प	ध	ध	ध	ध	–	ध	न	सं	न	ध	न
मैं	ऽ	तु	म्हा	रे	ऽ	सं	ग	च	लूं	गी	ऽ
प	ध	ध	प	म	ध	पध	मप	–	–	–	–
दू	र	दि	शा	की	ऽ	ओऽ	ऽऽ	ऽर	❀	❀	❀
र	म	म	म	म	–	प	ध	ध	रं	सं	–
मैं	ऽ	तु	म्हा	रे	ऽ	सं	ग	च	लूं	गी	ऽ
न	न	न	ध	न	रं	सं	–	–	–	–	–
छू	ने	ग	ग	न	का	छो	ऽ	ऽर	❀	❀	❀

—कहरवा—

+				।				+				।			
❀	स	—	ध़	स	—	र	—	र	ग	—	ध	प	—	प	ग
❀	ए	ऽक	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽर	ब	सा	ऽ	लें	ऽ
❀	ग	—	म	ग	—	स	ग	र	—	(ग) र	—	—	—	—	—
❀	ए	ऽक	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽर	❀	❀	❀	❀
❀	स	—	ध़	स	—	र	—	र	ग	—	न	न	ध	ध	प
❀	ए	ऽक	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽर	ब	सा	ऽ	ले	ऽ
—	न	—	न	न	—	न	रं	सं	—	—	—	—	—	❀	❀
ऽ	ए	ऽक	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	❀	❀

श्याम से नयन मिलाई·······!

वाडिया मोवीटोन	• •	ताल	• •	गायिका
फिल्म "राज नर्तकी"	• •	दादरा	• •	"सुप्रभा घोष"

श्याम से नयन मिलाई, सहेली तोरी जानी चतुराई।
गगरि भरन गई अलबेली, अँखियाँ भर लाई ॥ श्याम···॥
उसी घड़ी से उसी डगरिया, हेरा फेरी करत सँवरिया।
राधा राधा राधा बोले बँसुरिया, मोह भरे यदुराई ॥
श्याम से···············॥

+			।			+			।		
ग	म	प	ध	पध	नसं	संसं	न	ध	ध	पधन	ध
श्या	ऽम	से	न	यऽ	ऽऽ	नमि	ला	ई	स	हेऽऽ	ली
ध	प	प	म	म	ग	ग	प	प	–	–	–
तो	री	जा	नी	च	तु	रा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
र	म	म	म	म	न	न	ध	प	म	ग	र
ग	ग	रि	भ	र	न	ग	ई	अ	ल	बे	ली
म	म	प	प	ध	न	ध	ध	प	प	प	–
अँ	खि	याँ	ऽ	भ	र	ला	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ

श्याम से नयन..........................।

न	न	न	सं	सं	–	न	न	न	ध	ध	प
उ	सी	ध	ड़ी	से	ऽ	उ	सी	ड	ग	रि	या
ग	ग	ग	प	–	–	ग	म	प	–	ध	न
हे	रा	फे	री	ऽ	❀	क	र	त	ऽ	सँ	व
ध	प	प	प	ध	न	ध	प	प	–	–	–
रि	या	ऽ	ऽ	सँ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	❀
रं	रं	रं	रं	रं	रं	रं	गं	मं	गं	रं	सं
रा	धा	रा	धा	रा	धा	बो	ले	बँ	सु	रि	या

सं	सं	सं	न	ध	न	ध	–	प	–	–	–
मो	ह	भ	रे	थ	ड	रा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ

श्याम से नयन..................।

3—N. P. K.

मेरी भाभी के नखड़े बड़े......।

रणजीत फिल्म "परदेशी" ✠✠ ताल "तिताला" ✠✠ गायिका "स्नेहप्रभा और खुर्शीद"

भाभी के नखड़े बड़े, हां-हां मोरी भावी के.......।
मैं जो मँगाऊँ मोती के बूँदे, वो तो मँगायें कड़े ॥
नन्दी के नखड़े बड़े हां मोरी नन्दी के नखड़े बड़े।
मैं जो मँगाऊँ घोड़े की गाड़ी, टम-टम पै वो जा चढ़े।
नन्दी के नखड़े बड़े, हां हां मोरी नन्दी के नखड़े बड़े ॥
मोरी भाभी के नखड़े बड़े.........................।
आप तो सोये चैन की निंदिया भैया दुआरे खड़े ॥
सारी-सारी रात सताये बलमवा, दिन में ये आके लड़े।
मोरी ननदी के................................॥

०				३				×				२			
❀	म	र	स	ऩ	प़	म़	प़	प़	स	–	–	स	र	ऩ	स
❀	भा	भी	के	न	ख	रे	ब	ड़े	ऽ	ऽ	ऽ	हां	हां	मो	री
ऩस	म	र	स	ऩ	प़	म़	प़	प़	स	–	–	स	र	ऩ	स
ऽऽ	भा	भी	के	न	ख	रे	ब	ड़े	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	❀	❀
ऩस	र	स	ऩ	प़	–	म़	–	प़	ऩ	स	–	पऩ	सर	स	र
❀	मैं	जो	मं	गा	ऽ	ऊँ	ऽ	मो	ती	के	ऽ	बूँऽ	ऽऽ	दे	ऽ

–	र	स	न॒	प़	–	म़	–	प़	ऩ	स	–	पऩ	सर	स	र
ऽ	मैं	जो	मं	गा	ऽ	ऊं	ऽ	मो	ती	के	ऽ	बूँऽ	ऽऽ	दे	ऽ
म	र	–	प	म	र	–	ऩ	स	–	रम	पन॒	पम	रस	रऩ	स
वो	तो	ऽ	मं	गा	ये	ऽ	क	ड़े	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
❀	प	प	न॒	प	म	र	स	र	–	ऩ	–	ऩ	स	र	र
❀	न	न्दी	के	न	ख	ड़े	ब	ड़े	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	मो	री
–	म	र	स	न॒	प़	म़	प़	प़	स	–	–	स	र	ऩ	स
❀	न	न्दी	के	न	ख	ड़े	ब	ड़े	ऽ	ऽ	ऽ	हां	हां	मो	री
–	म	र	स	न॒	प़	म़	प़	प़	स	रम	रस	रऩ	स	–	–
❀	न	न्दी	के	न	ख	ड़े	ब	ड़े	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	❀
–	र	म	म	प	म	प	–	मर–	र	रम	पप	म	र	स	–
❀	मैं	जो	मं	गा	ऽ	ऊं	ऽ	❀	घो	ड़ेऽ	की	गा	ऽ	ड़ी	ऽ
म	र	–	प	म	र	–	ऩ	स	–	म़म़	प़ऩ	–ऩ	ऩस	रस	–
टम्	ट	म्	पै	वो	जा	ऽ	च	ढ़े	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	❀
म	र	–	प	म	र	–	ऩ	स	–	प	पम	–म	र	रस	–
टम्	ट	म्	पै	वो	जा	ऽ	च	ढ़े	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	❀
❀	म	र	स	न॒	प़	म़	प़	प़	स	–	–	स	र	ऩ	स
❀	न	न्दी	के	न	ख	रे	ब	ड़े	ऽ	ऽ	ऽ	हां	हां	मो	री

❀ म र स	ऩ प़ म़ प़	प़ स — —	स र ऩ स
❀ न न्दी के	न ख रे ब	ड़े ऽ ऽ ऽ	❀ ❀ मो री

भाची के नखरे.........................!

म रस ऩ प़	म़ प़प़ ऩऩ स	मर —म सर —ऩ	स ऩ ऩ स
आ पतो सो ये	चै नकी निंदि या	भैया ऽडु आरे ऽख	ड़े ❀ ❀ ❀

रर मम प पप	पऩ —प मम र	रर —म सर —ऩ	स — — —
सारी सारी रा तस	तार्ये ऽब लम वा	दिनमें ऽये आके ऽल	ड़े ❀ ❀ ❀

रर मम प पप	पऩ —प मम र	रर —म सर —ऩ	स ❀ ऩ स
सारी सारी रा तस	तार्ये ऽब लम वा	दिनमें ऽये आके ऽल	ड़े ❀ मो री

❀ म र स	ऩ प़ म़ प़	प स — —	स र ऩ स
❀ नन दी के	न ख रे ब	ड़े ऽ ऽ ऽ	हां हां मो री

❀ म र स	ऩ प़ म़ प़	प़ स — —	❀ ❀ ❀ ❀
❀ नन दी के	न ख रे ब	ड़े ऽ ऽ ऽ	❀ ❀ ❀ ❀

——*——

कैसे छिपोगे, ओ सलोने.......!

बौम्बे टाकीज फ़िल्म		ताल		गायिका
"बन्धन"		दादरा		"लीलाचिटनिस"

कैसे छिपोगे अब तुम कैसे छिपोगे।
ओ सलोने साजना कैसे छिपोगे॥
जान गई मैं तुम्हारी आंख मिचौनी।
पहिचान गई मैं तुम्हारी आंख मिचौनी॥
अब तो बताओ मुझे तुम कैसे छलोगे? ओ सलोने............॥
मैंने किया बन्द तुम्हें आंखड़ियों में, कमल की पांखड़ियों में।
इस नये बन्धन से कभी छुट न सकोगे, कभी छुट न सकोगे॥
ओ सलोने...॥

—०*०—

+			।			+			।		
ध़	–	स	स	स	–	स	–	स	स	स	र
कै	ऽ	से	छि	पो	गे	गे	ऽ	अ	ब	तु	म
ध़	–	स	स	स	र	रग	मप	ध	–	–	–
कै	ऽ	से	छि	पो	ऽ	गेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	ध	ध	प	म	ग	–	ग	र	स	–
ओ	ऽ	स	लो	ने	ऽ	सा	ऽ	ज	ना	ऽ	ऽ
र	–	र	ग	र	ग	स	–	–	–	–	–
कै	ऽ	से	छि	पो	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	सं	सं	सं	सं	–	न	–	न	ध	–	ध
जा	ऽ	न	ग	ई	ऽ	मैं	ऽ	तु	म्हा	ऽ	री

प	–	ध	ध	ध	न	प	–	–	–	प	प
आं	ऽ	ख	मि	चौ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	प	ह
ध	रं	रं	रं	सं	–	न	–	न	ध	–	ध
चा	ऽ	न	ग	ई	ऽ	मैं	ऽ	तु	म्हा	ऽ	री
प	–	ध	ध	ध	न	प	–	–	–	–	–
आं	ऽ	ख	मि	चौ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
न	–	न	न	न	–	ध	–	प	म	ग	र
अ	ब	तो	ब	ता	ऽ	ओ	ऽ	मु	झे	तु	म
ध	–	स	स	स	र	रग	मप	ध	–	–	–
कै	ऽ	से	छु	लो	गे	गेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	ध	ध	प	म	ग	–	ग	र	स	–
ओ	ऽ	स	लो	ने	ऽ	सा	ऽ	ज	ना	ऽ	ऽ
र	–	र	ग	र	ग	स	–	–	–	–	–
कै	ऽ	से	छि	पो	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

कैसे छिपोगे अब तुम.............................. ।

स	म	म	म	म	–	म	–	प	म	म	–
मैं	ऽ	ने	कि	या	ऽ	बं	ऽ	द	तु	म्हें	ऽ
म	ग	ग	ग	ग	–	ग	र	–	–	-	–
आं	ऽ	ख	ड़ि	यों	ऽ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

स	–	र	स	र	–	स	–	र	स	र	–
मैं	ऽ	ने	कि	या	ऽ	बं	ऽ	द	तु	म्हें	ऽ
र	–	र	र	र	ग	स	–	म	ग	–	र
आं	ऽ	ख	ड़ि	यों	ऽ	मैं	ऽ	क	म	ल	की
र	–	प	म	ग	–	ग	स	–	–	–	–
पां	ऽ	ख	ड़ि	यों	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	सं	सं	सं	–	न	–	न	न	ध	–
इ	स	न	ये	बं	ऽ	ध	न्	से	क	भी	ऽ
प	–	ध	प	म	–	प	ध	–	न	ध	–
छु	ट	न	स	को	ऽ	गे	ऽ	ऽ	क	भी	ऽ
प	–	ध	प	म	–	प	ध	–	–	–	–
छु	ट	न	स	को	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	ध	ध	प	म	ग	–	ग	र	स	–
ओ	ऽ	स	लो	ने	ऽ	सा	ऽ	ज	ना	ऽ	ऽ
र	–	र	ग	र	ग	स	–	–	–	–	–
कै	ऽ	से	छि	पो	ऽ	गे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

कैसे छिपोगे अब तुम कैसे.............................. ।

5–N. P. K. 6–41

——oo——

बिताईं कहां रतियां.........!

नेशनल स्टूडियोज फ़िल्म	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायिका
'आसरा"	✠ ✠	दादरा	✠ ✠	हुस्नबानू

बिताईं कहां रतियां, हो महाराजा ?
मन भाई सवतियां ॥ ओ महाराजा............॥
रातके जागे नैन गुलाबी, पग बहकत हैं जैसे शराबी ।
बनाओ नाहीं बतियां ॥ ओ महाराजा............॥
रात अँधेरी बारी उमरियां, तुमबिन दरसत नाहीं डगरिया ।
लगाय लेउ छतियां ॥ ओ महाराजा............॥

—:✻)(✻:—

स्वरलिपि☞

+			।			+					
											प़
											बि
स	र	र	र	र	–	र	म	–	ग॒	–	–
ता	ऽ	ई	क	हां	ऽ	र	ति	ऽ	यां	ऽ	ऽ
स	ऩ	–	स	ग॒	–	स	र	स	–	प़	प़
हो	ऽ	ऽ	म	हा	ऽ	रा	जा	ऽ	ऽ	ऽ	बि
स	र	र	र	र	–	र	म	–	ग॒	–	–
ता	ऽ	ई	क	हां	ऽ	र	ति	ऽ	यां	ऽ	ऽ
स	ऩ	–	स	ग॒	–	स	र	स	–	स	स
हो	ऽ	ऽ	म	हा	ऽ	रा	ऽ	जा	ऽ	म	न
ग	-	स	गम	प	प	म	प	–	ग॒	–	–
भा	ऽ	ऽ	ईऽ	ऽ	स	व	ति	ऽ	याँ	ऽ	ऽ

स	ऩ	–	स	ग॒	–	स	र	स	–	स	स
हो	ऽ	ऽ	म	हा	ऽ	रा	ऽ	जा	ऽ	म	न
ग	–	स	गम	प	प	म	प	–	ग॒	–	–
भा	ऽ	ऽ	ईऽ	ऽ	स	व	ति	ऽ	यां	ऽ	ऽ
स	ऩ	–	स	ग॒	–	स	र	स	–	प़	प़
हो	ऽ	ऽ	म	हा	ऽ	रा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	वि
स	र	र	र	र	–	र	म	–	ग॒	–	–
ता	ऽ	ई	क	हां	ऽ	र	ति	ऽ	यां	ऽ	ऽ
स	ऩ	–	स	ग॒	–	स	र	स	–	–	–
हो	ऽ	ऽ	म	हा	ऽ	रा	ऽ	जा	ऽ	❀	❀
–	–	स	ग	स	र	स	ग	–	ग	–	–
❀	❀	रा	ऽ	त	के	जा	ऽ	ऽ	गे	ऽ	ऽ
–	–	ग	म	प	प	ग	–	प	म	ग	म
❀	❀	नै	ऽ	न	गु	ला	ऽ	ऽ	बी	ऽ	ऽ
र	ग	–	ग	स	र	स	ग	–	ग	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	रा	त	के	जा	ऽ	ऽ	गे	ऽ	ऽ
–	–	ग	म	प	प	ग	–	प	म	ग	म
❀	❀	नै	ऽ	न	गु	ला	ऽ	ऽ	बी	ऽ	ऽ

स	❀	म	प	प	प	प	ध	–	मग	म	स
ऽ	❀	प	ग	ब	ह	क	त	ऽ	हैंऽ	ऽ	ऽ
❀	❀	स	ग	म	प	गर	ग	–	स	–	–
❀	❀	जै	ऽ	से	श	राऽ	ऽ	ऽ	बी	ऽ	ऽ
–	–	म	प	प	प	प	ध	–	मग	म	स
❀	❀	प	ग	ब	ह	क	त	ऽ	हैंऽ	ऽ	ऽ
❀	❀	स	ग	म	प	गर	ग	–	स	–	प़
❀	❀	जै	ऽ	से	श	राऽ	ऽ	ऽ	बी	ऽ	ब
स	र	र	र	र	–	र	म	–	ग	–	–
ना	ऽ	श्रो	न	हीं	ऽ	ब	ति	ऽ	यां	ऽ	ऽ
स	ऩ	–	स	ग	-	स	र	स	–	प़	प़
हो	ऽ	ऽ	म	हा	ऽ	रा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	बि
स	र	र	र	र	–	र	म	–	ग	–	–
ता	ऽ	ईं	क	हां	ऽ	र	ति	ऽ	यां	ऽ	ऽ
स	ऩ	–	स	ग	–	स	र	स	–	–	–
हो	ऽ	ऽ	म	हा	ऽ	रा	ऽ	जा	ऽ	*	❀
–	–	ऩ	स	ग	म	प	–	–	प	–	–
❀	❀	रा	ऽ	त	श्रं	धे	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ

–	–	प	ध	म	म	प	ध	–	म	–	गम
❀	❀	बा	ऽ	री	उ	म	रि	ऽ	या	ऽ	ऽऽ
–	–	ऩ	स	ग	म	ध	प	–	प	–	–
ऽ	❀	रा	ऽ	त	अं	धे	ऽ	ऽ	री	ऽ	ऽ
–	–	प	ध	म	म	प	ध	–	म	–	गम
❀	❀	बा	ऽ	री	उ	म	रि	ऽ	या	ऽ	ऽऽ
–	–	ग	ग	ग	स	ग	ग	म	गम	पध॒	प
ऽ	❀	तु	म	बि	न	द	र	स	तऽ	ऽऽ	ऽ
ध॒	प	ग	म	प	प	र	ग॒	–	स	–	–
ऽ	ऽ	ना	ऽ	हिं	ड	ग	रि	ऽ	या	ऽ	ऽ
–	–	ग	ग	ग	स	ग	ग	म	गम	पध॒	प
❀	❀	तु	म	बि	न	द	र	स	तऽ	ऽऽ	ऽ
ध॒	प	ग	म	प	प	र	ग॒	–	स	–	प़
ऽ	ऽ	ना	ऽ	हिं	ड	ग	रि	ऽ	या	ऽ	ल
स	र	र	र	र	–	र	म	–	ग॒	–	–
गा	ऽ	इ	ले	ओ	ऽ	छ	ति	ऽ	यां	ऽ	ऽ
स	ऩ	–	स	ग॒	–	स	र	स	–	–	प़
हो	ऽ	ऽ	म	हा	ऽ	रा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	बि

ताईं कहां रतियां.................।

किसने हरा है मेरा..............!

रणजीत मोवीटोन	ताल	गायिका
"मुसाफिर"	कहरवा	खुर्शीद और वासंती

किसने हरा है मेरा भोला सा मन !
राधा किसन कहो राधा किसन। राधा किसन, राधा किसन।
प्रेम लगन से विरहा अगन से। फूंक दिया मेरा सारा बदन ॥
राधा किसन, राधा किसन। किसने हरा है..................॥
बाँकी छब से मुरली के ढब से। छीन लिया मेरा भोला सा मन ॥
राधा किसन कहो राधा किसन ॥ किसने हरा है...........॥

—⁂—

+				+				+				+			
									र			प			
ध़	स	–	स	ध़	स	स	स	रम	म	–	प	ध	–	–	–
किस	ने	ऽ	ह	रा	है	मे	रा	भोऽ	ला	ऽ	सा	मन	ऽ	ऽ	ऽ
	ध								स			स			
पध	-प	–	म	ग	ग	र	र	सर	–र	–	ग	र	–	–	–
राऽ	ऽधा	ऽ	कि	स	न	क	हो	राऽ	ऽधा	ऽ	कि	सन	ऽ	ऽ	ऽ
			स								स				
ध़स	स	–	र	सरग	–	–	रस	सर	र	–	ग	सर	–	–	–
राऽ	धा	ऽ	कि	सऽऽ	ऽ	ऽ	नऽ	राऽ	धा	ऽ	कि	सन	ऽ	ऽ	ऽ
–	सं	–सं	सं	सं	सं	(सं)	–	नसं	न	रं	सं	न	नसं	(ध)	–
ऽ	प्रे	ऽम	ल	ग	न	से	ऽ	विर	हा	ऽ	अ	ग	नऽ	से	ऽ
–	ध	–	ध	मपध	–	पध	पध	मप	मप	ध	म	गर	–	सा	–
ऽ	फूँ	क	दि	याऽऽ	ऽ	मेऽ	राऽ	साऽ	राऽ	ऽ	ब	दन	ऽ	ऽ	ऽ

राधा किसन राधा किसन ! किसने हरा...........।

	प									प					
–	ध	–	ध	प	पन	ध	–	मप	प	–	म	म	मध	प	म
ऽ	बां	ऽ	की	छ	बऽ	से	ऽ	मुर	ली	ऽ	के	ढ	बऽ	से	ऽ
				न					ध						
–	सं	–	सं	(सं)	सं	ध	ध	पध	म	–	प	(ध)	–	–	–
ऽ	छी	ऽन	लि	या	ऽ	मे	रा	भोऽ	ला	ऽ	सा	मन	ऽ	ऽ	ऽ

राधा किसन कहो राधा किसन, किसने हरा……………। 7—B. N. B.

क्यों बजे हृदय वीणा………!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायक
"कङ्गन"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	अशोक कु० लीलाचिट०

क्यों बजे हृदय वीणा के तार ।
मुरझाई मनकी बगिया में आई बहार, आई बहार ।
गये छोड़ नेह नाते को तोड़ रहने दो ये झूंठा दुलार,
बज उठा आज दिलका सितार, मुरझाई मनकी…॥
क्या रूठ गई हो प्यारी, तुम बड़े निठुर गिरधारी ।
अब मारो ना तानों की मार, मुरझाई……………॥
क्यों छुपी कुञ्ज में बाहर क्यों नहिं आती ?
दिल धड़के घनश्याम, आती मैं शरमाती ॥
ना तरसाओ ना तरसाओ, आई बहार-आई बहार ॥

ठेका बन्द

												न̣			
❀	रे	ग̱	न̣̱	र	–	–	–	र	ग̱	म	ग	र̱	–	–	–
❀	क्यों	ऽ	ब	जे	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀

						ऩ									
ऩ	स	–	र	ऩ	स	ध़	–	ऩ	स	–	–	–	–	–	–
ह	द	य	वी	णा	ऽ	के	ऽ	ता	ऽ	ऽ	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

								ऩ							
ध़	ऩ	स	र	म	ग	र	ऩ	र	–	–	–	–	–	–	–
❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀

				स								स			
❀	❀	ध़	ऩ	ग	–	र	–	–	–	ध़	ऩ	ग	–	र	–
❀	❀	मु	र	झा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	मु	र	झा	ऽ	ई	ऽ

–	–	र	र	र	ग	म	प	ग	म	र	ग	र	–	–	–
ऽ	ऽ	म	न	की	ऽ	ऽ	ऽ	ब	गि	या	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ

ठेका शुरू

+				+				+				+			
ऩ	स	ऩ	र	ऩ	स	ऩ	ध़	ऩ	र	स	ग	र	–	–	स
आ	ई	ऽ	ब	हा	ऽ	ऽ	ऽर	आ	ई	ऽ	ब	हा	ऽ	ऽ	ऽर
												स			
ऩ	स	र	ऩ	–	स	ऩ	ध़	ध़	ऩ	र	ग	र	–	–	–
❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀
												❀	❀	स	र
												❀	❀	ग	ये
ध़	स	ऩ	ध	–	ऩ	प़	ध़	ऩ	–	स	ऩ	स	स	स	र
छो	ऽ	ड़	ने	ऽ	ह	ना	ऽ	ते	ऽ	को	तो	ऽ	ड़	ग	ये

छोड़ नेह नाते को तोड़ ❀ ❀

ध	न	र	-	र	-	र	ग	स	र	म	ग	र	-	-	-
र	ह	ने	ऽ	दो	ऽ	य	ह	भू	ठा	ऽ	ढु	ला	ऽ	ऽ	ऽर

				स											
स	र	म	ग	र	-	ग	ग	ग	ग	-	ग	-	ग	ग	म
❀	❀	❀	❀	❀	❀	ब	ज	उ	ठा	ऽ	आ	ऽ	ज	दि	ल

रग	म	ग	म	-	म	ग	ग	ग	ग	-	ग	-	ग	ग	म
काऽ	ऽ	सि	ता	ऽ	र	ब	ज	उ	ठा	ऽ	आ	ऽ	ज	दि	ल

रग	म	ग	म	-	म	❀	❀	ध	न	स	र	म	-	ग	रे
काऽ	ऽ	सि	ता	ऽ	र	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀

न												स			
र	-	-	-	-	-	-	-	❀	❀	ध	न	ग	-	र	-
❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	मु	र	झा	ऽ	ई	ऽ

ऽऽ मुरझाई, मन की बगिया में आई बहार आई बहार
आई बहार, आई बहार (इतना भाग उन्हीं पुराने स्वरों पर बजेगा)

														सा	-
														क्या	ऽ

❀	स	स	ग	र	स	न	ध	न	-	स	-	-	-	सा	-
❀	रूँ	ठ	ग	ई	ऽ	हो	ऽ	प्या	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ

-	स	स	ग	र	स	न	ध	न	-	स	-	-	-	ग	-
ऽ	रूँ	ठ	ग	ई	ऽ	हो	ऽ	प्या	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	तुम	ऽ

ग	ग	–	र	स	स	ऩ	ध़	ऩ	स	स	–	–	–	ग	–
ब	ड़े	ऽ	नि	ठु	र	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	तुम	ऽ

ग	ग	–	र	स	स	ऩ	ध़	ऩ	स	स	–	–	–	स	स
ब	ड़े	ऽ	नि	ठु	र	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ब

र	म	म	–	म	प	प	र	रम	पध	–	प	म ग	–	स	स
मा	ऽ	रो	ऽ	ना	ऽ	ता	ऽ	नोंऽ	ऽऽ	ऽ	की	मार	ऽ	अ	ब

र	ग	म	प	न	ध	प	म	(प)	–	–	–	(ग)	–	र	ऩ
❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀

ऩ र	–	–	–	–	–	ध़	ऩ	स ग	–	र	–	–	–	ध़	ऩ
❀	❀	❀	❀	❀	❀	मु	र	झा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	मु	र

झाई, मन की बगिया में आई बहार आई बहार आई बहार,………पुराने स्वरों पर बजेगा।

❀	❀	र	–	र	ध	–	पध	न	ध	प	–	प	मं	प	प
❀	❀	क्यों	ऽ	छु	पी	ऽ	कुंऽ	ऽ	ज	में	ऽ	बा	ऽ	ह	र

म	–	म	ग	र	ग	म	–	–	–	र	–	र	ध	–	पध
क्यों	ऽ	न	हीं	आ	ऽ	तीं	ऽ	ऽ	ऽ	क्यों	ऽ	छु	पी	ऽ	कुंऽ

ऽ ज में बाहर क्यों नहीं आतीं………(पुराने स्वरों पर बजेगा)

❀	❀	म	म	र	र	स ऩ	–	–	–	सर	ऩस	स र	–	–	–
❀	❀	दि	ल	धड़	के	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	धऽ	नऽ	श्या	ऽ	ऽ	ऽ

–	–र	म	म	र	र	न्(स)	–	–	–	सर	न्स	र(स)	–	–	–र
ऽ	ऽम	दि	ल	ध	ड़	के	ऽ	ऽ	ऽ	धऽ	नऽ	श्या	ऽ	ऽ	ऽम
प्	ध्	न्	स	प्	ध्	न्	स	ध्	न्	ष्	–	–	–	–	–
आ	ऽ	ती	ऽ	मैं	ऽ	श	र	मा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध्	न्	न्	ध्	न्	स	स	ध्	ध्	न्	न्	ध्	न्	स	स	–
क्यों	ऽ	त	र	सा	ऽ	वो	ऽ	क्यों	ऽ	त	र	सा	ऽ	वो	ऽ

आई बहार आई बहार, आई बहार आई बहार

8—B. N. B.

भँवरा रसिया रे मन बसिया !

सुदामा प्रोडक्शन्स	**	ताल	**	गायिका
फ़िल्म 'आपकी मर्ज़ी"	**	कहरवा	**	"मिस .खुर्शीद"

भँवरा रसिया रे मन बसिया।
जाये कहाँ तू जाये कहाँ ॥
इन कुञ्जन को, इन कलियन को।
तू छोड़ के पगले जाये कहाँ ॥
तोढे कली बुलाये यहाँ ॥ भँवरा रसिया·········॥
रंग रंग से उसने अपने अंग सजाये यहां।
तेरे स्वागत में मोती, मोती बिखराये यहां ॥
तू जाये कहां, तू जाये कहां ॥ भँवरा रसिया······॥

×				।				×				।			
❀	सं	रं	सं	न	सं	नध	प	-	पध	न	ध	म	प	गर	स
❀	भँ	व	रा	र	सि	याऽ	ऽ	ऽ	रेऽ	ऽ	मन	ब	सि	याऽ	ऽ
-	स	र	म	प	-	प	म	प	न	न	ध	प	म	प	-
ऽ	जा	ये	क	हां	ऽ	तू	ऽ	जा	ऽ	ये	क	हां	ऽ	ऽ	ऽ
❀	पध	म	प	ग	ग	र	स	-	रर	म	म	प	ध	म	प
❀	इन	कुँ	ऽ	ज	न	को	ऽ	ऽ	इन	क	लि	य	न	को	ऽ
❀	पध	म	प	ग	ग	र	स	-	रर	म	म	प	ध	म	प
❀	इन	कुँ	ऽ	ज	न	को	ऽ	ऽ	इन	क	लि	य	न	को	तू
❀	प	प	ध	न	सं	सं	-	❀	रं	गं	रं	सं	-	-	-
❀	छो	ड़	के	प	ग	ले	ऽ	❀	जा	ये	क	हां	ऽ	ऽ	ऽ
रं	गं	-	सं	रं	-	-	न	संरं	गंमं	गं	रं	सं	न	सं	-
तो	हे	ऽ	क	ली	ऽ	ऽ	बु	लाऽ	ऽऽ	ये	य	हां	ऽ	ऽ	ऽ
रं	गं	-	सं	रं	-	-	न	संरं	गंमं	गं	रं	सं	-	-	-
तो	हे	ऽ	क	ली	ऽ	ऽ	बु	लाऽ	ऽऽ	ये	य	हां	ऽ	ऽ	ऽ

भँवरा रसिया…………।

(थोड़ी सी लय बढ़ा कर)

प	-	प	म	-	प	ग	र	स	र	म	-	-	-	-	-
रं	ऽ	ग	रं	ऽ	ग	से	ऽ	उ	स	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

सं	रं	रं	–	रं	–	रं	सं	रं	गं	गं	रं	संगं	रंसं	नध	पम
अ	प	ने	ऽ	अं	ऽ	ग	स	जा	ऽ	ये	य	हांऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
प	–	प	म	–	प	ग	र	स	र	म	–	–	–	–	–
रं	ऽ	ग	रं	ऽ	ग	से	ऽ	उ	स	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	रं	रं	–	रं	–	रं	सं	रं	गं	गं	रं	सं	❀	न	सं
अ	प	ने	ऽ	अं	ऽ	ग	स	जा	ऽ	ये	य	हां	❀	ते	रे
सं	–	सं	सं	न	–	ध	प	न	–	–	–	–	–	न	ध
स्वा	ऽ	ग	त	में	ऽ	मो	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	ऽ
सं	–	–	–	–	–	सं	सं	रं	मं	गं	रं	सं	❀	(रं)गं	–
ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वि	ख	रा	ऽ	ये	य	हां	❀	तू	ऽ
❀	सं	सं	रं	सं	❀	(रं)गं	–	❀	सं	सं	रं	सं	–	–	–
❀	जा	ये	क	हाँ	❀	तू	ऽ	❀	जा	ये	क	हाँ	ऽ	ऽ	ऽ

भँवरा................।

9—N. P. K. 12—40

काहे को रार मचाई..........!

न्यू थियेटर्स कृत	ताल	गायक
"लगन"	कहरवा	के० एल० सैगल

काहे को रार मचाई, छोड़ो भी यह निठुराई ।
मन के बैर को मोह से बदलो, दुख भी सुख बनजाई ।
इसी मोह में अपना पराया, दोनों की है भलाई ॥ काहे को...॥
हर पल नई बहार, देखो जगत सिङ्गार ।
खिली कली मुरझा के विकसी, बंधी कली मुसकाई ॥
प्रीत की रीत निभाना सीखो, बिगड़े काम बनाना सीखो ।
डार से डार लिपट कर झूमी, करके प्रेम सगाई ॥ काहे को...॥

——:※:——

														स	–
														का	ऽ
+				।				+				।			
र	प	प	–	म	ग	र	स	सर	ग॒	र	–	न॒	ध़	स	–
हे	ऽ	को	ऽ	रा	ऽ	र	म	चाऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ
र	प	प	–	म	ग	र	स	र	–	स	–	–	–	म	ध
हे	ऽ	को	ऽ	रा	ऽ	र	म	चा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	छो	ऽ
ध	-	ध	–	ध	–	न॒	सं	सं	–	–	–	न॒	ध	म	–
ड़ो	ऽ	भी	ऽ	ये	ऽ	नि	ठु	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	का	ऽ
पध	प	–	ग॒	र	रग॒	म	ग॒	र	–	स	–	–	–	म	ध
हेऽ	को	ऽ	रा	ऽ	रऽ	ऽ	म	चा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	छो	ऽ

ध	–	ध	–	ध	–	न	सं	सं	–	–	–	न	ध	म	–
ड़ो	ऽ	भी	ऽ	ये	ऽ	नि	ठु	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	का	ऽ

पध	प	–	ग	र	रग	म	ग	र	–	स	–	–	–	–	–
हेऽ	को	ऽ	रा	ऽ	रऽ	ऽ	म	चा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀

ध़	स	स	स	–	स	स	–	र	–	ग	ग	म	ध	पध	मप
म	न	के	बै	ऽ	र	को	ऽ	मो	ऽ	ह	से	ब	द	लोऽ	ऽऽ

–	–	–	–	–	–	म	ग	–	ग	ग	म	प	प	ध	ध
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दु	ख	भी	सु	ख	ब	न

पध	न	ध	–	म	ग	र	स	ध़	स	स	स	–	स	स	–
जाऽ	ऽ	ई	ऽ	❀	❀	❀	❀	म	न	के	बै	ऽ	र	को	ऽ

र	–	ग	ग	म	ध	प	–	❀	ग	ग	म	प	प	ध	ध
मो	ऽ	ह	से	ब	द	लो	ऽ	❀	दु	ख	भी	सु	ख	ब	न

पध	न	ध	–	–	–	–	–	ध	सं	–	सं	–	सं	सं	–
जाऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	इ	सी	ऽ	मो	ऽ	ह	में	ऽ

सं	न	न	न	ध	–	प	–	प	ध	न	–	ध	–	प	म
अ	प	ना	प	रा	ऽ	या	ऽ	दो	ऽ	नों	ऽ	की	ऽ	है	भ

ग	–	र	–	र	ग	म	प	ध	सं	–	सं	–	सं	सं	–
ला	ऽ	ई	ऽ	❀	❀	❀	❀	इ	सी	ऽ	मो	ऽ	ह	में	ऽ

सं	न	न	न	ध	-	प	-	प	ध	न	-	ध	-	प	म
अ	प	ना	प	रा	ऽ	या	ऽ	दो	ऽ	नों	ऽ	की	ऽ	है	भ
ग	-	र	-	-	-	स	-	र	प	प	-	म	ग	र	स
ला	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ	हे	ऽ	को	ऽ	र	ऽ	र	म
सर	ग	र	-	न	ध	स	-	र	प	प	-	म	ग	र	स
चाऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ	हे	ऽ	को	ऽ	रा	ऽ	र	म
र	-	स	-	-	-	-	-	म	प	न	ध	प	म	ग	ग
चा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	ह	र	प	ल	न	ई	ऽ	ब
र	-	-	-	-	-	-	-	र	-	न	-	-	-	-	-
हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	❀	❀	दे	ऽ	खो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	न	ध	प	-	-	-	म	प	-	प	प	-	प	ध
ज	ग	त	सिं	ङ्गा	ऽ	ऽ	र	छि	पी	ऽ	क	ली	ऽ	मु	र
म	-	ग	स	र	ग	प	-	ध	ध	स	स	स	-	र	ग
झा	ऽ	के	ऽ	वि	क	सी	ऽ	बं	धी	ऽ	क	ली	ऽ	मु	स
ग	-	स	-	र	ग	म	प	म	प	-	प	प	-	प	ध
का	ऽ	ई	ऽ	❀	❀	❀	❀	छि	पी	ऽ	क	ली	ऽ	मु	र
म	-	ग	स	र	ग	प	-	ध	ध	स	स	स	-	र	ग
झा	ऽ	के	ऽ	वि	क	सी	ऽ	बं	धी	ऽ	क	ली	ऽ	मु	स

ग	–	स	–	–	–	–	–	❀	❀	❀	प	म	प	–	ध
का	ऽ	ई	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	प्री	ऽ	त	ऽ	की
ध	सं	–	–	ध	–	ध	न	ध	प	–	प	ध	ग	–	म
री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प्री	ऽ	त	ऽ	की
म	प	–	–	–	–	–	–	म	ग	–	प	म	प	–	ध
री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	प्री	ऽ	त	ऽ	की
ध	सं	–	–	ध	–	ध	न	ध	प	–	प	ध	ग	–	म
री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प्री	ऽ	त	ऽ	की
म	प	–	–	–	–	–	–	र	म	म	म	म	–	म	म
री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	प्री	ऽ	त	की	री	ऽ	त	नि
प	–	पध	न	ध	–	प	–	❀	प	प	ध	ध	सं	सं	सं
भा	ऽ	नाऽ	ऽ	सी	ऽ	खो	ऽ	❀	बि	ग	ड़ा	का	ऽ	म	ब
न	–	ध	प	ध	सं	सं	प	❀	म	म	म	म	–	म	म
ना	ऽ	ना	ऽ	सी	ऽ	खो	ऽ	❀	प्री	त	की	री	ऽ	त	नि
प	–	पध	न	ध	–	प	–	❀	प	प	ध	ध	सं	सं	सं
भा	ऽ	नाऽ	ऽ	सी	ऽ	खो	ऽ	❀	बि	ग	ड़ा	का	ऽ	म	ब
न	–	ध	प	ध	सं	सं	प	❀	सं	–	सं	सं	–	सं	रं
ना	ऽ	ना	ऽ	सी	ऽ	खो	ऽ	❀	डा	ऽर	से	डा	ऽ	र	लि

सं	न	न	न	ध	-	प	-	प	ध	न	ध	ध	-	प	म
प	ट	क	र	भू	ऽ	मी	ऽ	क	र	के	ऽ	प्रे	ऽ	म	स
मग	रग	र	-	र	ग	म	प	❀	सं	-	सं	सं	-	सं	रं
गाऽ	ऽऽ	ई	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	डा	ऽर	से	डा	ऽ	र	लि
सं	न	न	न	ध	-	प	-	प	ध	न	ध	ध	-	प	म
प	ट	क	र	भू	ऽ	मी	ऽ	क	र	के	ऽ	प्रे	ऽ	म	स
मग	रग	र	ग	-	-	स	-	र	प	प	-	म	ग	र	स
गाऽ	ऽऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ	हे	ऽ	को	ऽ	रा	ऽ	र	म
सर	ग	र	-	ऩ	ध़	स	-	र	प	प	-	म	ग	र	स
चाऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	का	ऽ	हे	ऽ	को	ऽ	रा	ऽ	र	म
र	-	स	-	-	-	-	-								
चा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀								

10—N. P. K.

जोगन भटक रही है............!

बौम्बे टाकीज फिल्म	ताल	गायिका
"कङ्गन"	"धुमाली"	"लीला चिटनिस"

जोगन भटक रही है बन बन।
बाको पाने, जाको देना था ये तन मन॥ जोगन.........॥
सावन की आंधी बरसातें, मावस की अँधियारी रातें।
राह न पाती, ढूँढ़ती फिरती, जो पाती वो है न मेरो धन॥
जोगन.........॥

+				+				+				+			
प	–	पध		ग	गर	ग	स	र	म	म	–	न	ध	प	प
जो	ऽ	गऽ	न	भ	टऽ	क	र	ही	ऽ	है	ऽ	ब	न	ब	न
प	–	मप	ध	पम	पध	पम	गम	र	स	–	–	मग	रम	ग	र
वा	ऽ	कोऽ	ऽ	पाऽ	ऽऽ	नेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀
र	न	न	–	न	सं	सं	प	पध	मप	पन	संरं	संरं--	नसं--	धन--	प
जा	ऽ	को	ऽ	दे	ऽ	ना	ऽ	थाऽ	ऽऽ	येऽ	ऽऽ	तऽऽऽ	नऽऽऽ	मऽऽऽ	न
प	–	पध	म	ग	गर	ग	स	र	म	म	–	न	ध	प	प
जो	ऽ	गऽ	न	भ	टऽ	क	र	ही	ऽ	है	ऽ	ब	न	ब	न
म	–	म	म	प	–	न	–	सं	–	सं	सं	न	सं	सं	–
सा	ऽ	व	न	की	ऽ	आं	ऽ	धी	ऽ	ब	र	सा	ऽ	तें	ऽ
❀	न	न	न	धप	ध	म	म	र	म	प	न	धप	ध	प	–
❀	मा	व	स	कीऽ	ऽ	अ	धि	या	ऽ	री	ऽ	राऽ	ऽ	तें	ऽ
*	प	रं	रं	रं	–	रं	सं	*	संरं	नध	प	प	म	ग	र
*	रा	ह	न	पा	ऽ	ती	ऽ	*	ढूँऽ	ढऽ	ती	फि	र	ती	ऽ
–	रन	न	–	न	सं	सं	प	पध	मप	पन	संरं	रं	न	ध	प
ऽ	जोऽ	पा	ऽ	ती	ऽ	बो	ऽ	हैऽ	ऽऽ	नऽ	मेऽ	रो	ऽ	ध	न
प	–	पध	म	ग	गर	ग	स	र	म	म	–	न	ध	प	प
जो	ऽ	गऽ	न	भ	टऽ	क	र	ही	ऽ	है	ऽ	ब	न	ब	न

पियु पियु बोल……………!

बौम्बे टाकीज फिलम	ताल	गायक
"बन्धन"	कहरवा	"प्रदीप"

पियु पियु बोल, पियु पियु बोल, प्राण पपीहे पियु पियु बोल।
मेरे जीवन की यमुना में, जाग उठे मंजुल कल्लोल ॥
पल पल निश दिन सांझ सकारे, मुझे सजन का नाम सुनारे।
पियु का नाम बड़ा मनरंजन, पियु का बोल बड़ा अनमोल ॥ प्राण पपीहे० ॥

+				।				+				।			
स	र	स	प	प	–	–	म	म	ग	म	र	म	–	–	–
पि	यु	पि	यु	बो	ऽ	ऽ	ल	पि	यु	पि	यु	बो	ऽ	ऽ	ल
❀	ग	र	न	स	र	गप	मप	म	ग	स	र	स	–	–	स
❀	प्रा	ऽण	प	पी	ऽ	हेऽ	ऽऽ	पि	यु	पि	यु	बो	ऽ	ऽ	ल
❀	म	ग	ग	ध	–	न	न	सं	–	सं	सं	नसं	रं	सं	–
❀	मे	ऽ	रे	जी	ऽ	व	न	की	ऽ	य	मु	नाऽ	ऽ	में	ऽ
❀	सं	न	सं	ध	प	म	–	ग	म	ग	प	मप	गम	–	–
❀	जा	ग	उ	ठे	ऽ	मं	ऽ	जु	ल	क	ऽ	ल्लोऽ	ऽऽ	ऽ	ल

प्राण पपीहे पियु पियु बोल……………………!

गं	सं	न	ध	म	म	ध	न	सं	–	सं	सं	नसं	रं	सं	–
प	ल	प	ल	नि	स	दि	न	सां	ऽ	झ	स	काऽ	ऽ	रे	ऽ

सं	संरं	गं	रं	गं	रं	गं	-	संरं	गंमं	गं	मं	रं	गं	सं	-
मु	झेऽ	ऽ	स	ज	न	का	ऽ	नाऽ	ऽऽ	म	सु	ना	ऽ	रे	ऽ
सं	रंगं	मं	गं	मं	गं	मं	-	संरं	गंमं	गं	मं	रं	गं	सं	-
मु	झेऽ	ऽ	स	ज	न	का	ऽ	नाऽ	ऽऽ	म	सु	ना	ऽ	रे	ऽ
सं	न	सं	प	ध	-	प	म	गम	-	प	म	र	-	स	स
पि	यु	का	ऽ	ना	ऽ	म	ब	ड़ाऽ	ऽ	म	न	रं	ऽ	ज	न
*	सं	नगं	सं	ध	-	प	म	गम	-	प	म	र	-	स	स
*	पि	युऽ	का	ना	ऽ	म	ब	ड़ाऽ	ऽ	म	न	रं	ऽ	ज	न
स	र	स	प	प	ध	प	म	म	-	म	प	मप	गम	-	-
पि	यु	का	ऽ	बो	ऽ	ल	ब	ड़ा	ऽ	अ	न	मोऽ	ऽऽ	ऽ	ल
*	स	र	प	प	ध	प	म	म	-	म	प	मप	गम	-	-
*	पि	यु	का	बो	ऽ	ल	ब	ड़ा	ऽ	अ	न	मोऽ	ऽऽ	ऽ	ल

प्राण पपीहे..................... ....

12—N. P. K. 5—41

मेरे भैया को..............!

रणजीत फिल्म	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायिका
"परदेशी"	✠ ✠	"कहरवा"	✠ ✠	"स्नेहप्रभा"

मेरे भैया को, मेरी उमर लग जाये ।
भैया हमारे करें कचहरी, भावी मौज मनाये ।
बहन पराये घर में बैठी, सांझ सवेरे गाये ॥ मेरे भैया...॥
जब लग चाँद गगन में खेले, तारों की टोली में ।
मांग हरी राखे भावी की, मेरी मां के जाये ॥ मेरे भैया...॥

स्वरलिपि☞

+				।				+						स	स
														मे	रे
र	रप	प	—	❀	❀	ध	प	म	ग	म	—	र	ग	स	स
भै	याऽ	को	ऽ	❀	❀	मे	रे	भै	या	को	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे
र	रप	प	—	❀	❀	ध	प	म	ग	म	—	र	ग	र	स
भै	याऽ	को	ऽ	❀	❀	मे	रे	भै	या	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
❀	प	म	प	ग	र	स	ऩ	स	र	ग	र	रग	म	गम	प
❀	मे	री	उ	म	र	ल	ग	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
❀	प	म	प	ग	र	स	ऩ	स	र	म	प	न	ध	म	प
❀	मे	री	उ	म	र	ल	ग	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
❀	प	म	प	ग	र	स	ऩ	स	—	—	स	रम	गर	सऩ	स
❀	मे	री	उ	म	र	ल	ग	जा	ऽ	ऽ	ये	❀	❀	❀	❀

स	सर	म	म	पप	-प	प	प	म	प	प	धप	ग	र	❀	❀
भै	याह	मा	रे	करें	ऽक	चह	री	भा	वी	मौ	जम	ना	ये	❀	❀

स	सर	म	म	पप	-प	प	प	म	प	प	धप	ग	र	गम	पध
भै	याह	मा	रे	करें	ऽक	चह	री	भा	वी	मौ	जम	ना	ये	❀	❀

ध	धध	ध	ध	पध	न	ध	प	प	मम	प	प	ग	र	गम	पध
बह	नप	रा	ये	घर	में	बै	ठी	सां	झस	वे	रे	गा	ये	❀	❀

ध	धध	ध	ध	पध	न	ध	प	प	मम	प	प	ग	र	स	स
बह	नप	रा	ये	घर	में	बै	ठी	सां	झस	वे	रे	गा	ये	मे	रे

र	रप	प	-	❀	❀	स	स	र	रप	प	-	*	*	ध	प
भै	याऽ	को	ऽ	❀	❀	मे	रे	भै	याऽ	को	ऽ	*	*	मे	रे

भैया को ……………………………………………!

*	मम	म	प	न	-	न	न	सं	सं	सं	-	नध	प	पन	संरं
*	जब	ल	ग	चां	ऽ	द	ग	ग	न	में	ऽ	खेऽ	ऽ	लेऽ	ऽऽ

*	न	न	-	ध	म	प	न	ध	-	प	-	प	न	ध	प
*	ता	रों	ऽ	की	ऽ	टो	ऽ	ली	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	मम	म	प	न	-	न	न	सं	सं	सं	-	नध	प	पन	संरं
*	जब	ल	ग	चां	ऽ	द	ग	ग	न	में	ऽ	खेऽ	ऽ	लेंऽ	ऽऽ

✻ न न -	ध म प न	ध - प -	✻ ✻ गम पध
✻ ता रों ऽ	की ऽ टो ऽ	ली ऽ में ऽ	❀ ❀ ❀ ❀
❀ ध -ध ध	ध - ध -	❀ धसं न -	ध - पध मप
❀ मां ऽग ह	री ऽ रा ऽ	❀ खेऽ भा ऽ	वी ऽ कीऽ ऽऽ
❀ ध -ध ध	ध - ध -	❀ धसं न -	ध - प -
❀ मां ऽग ह	री ऽ रा ऽ	❀ खेऽ भा ऽ	वी ऽ की ऽ
❀ प - प	प - ध प	म ग म -	र ग स स
❀ मे ऽ री	मा ऽ के ऽ	जा ऽ ये ऽ	ऽ ऽ मे रे

भैया को...!

13—N. P. K.

रुक न सको तो जावो..........!

बौम्बे टाकीज फिल्म "बन्धन"	✠ ✠	ताल "कहरवा"	✠ ✠	गायक "अरुण"

रुक न सको तो जावो, तुम जावो।

एक मगर हम सबकी है फ़रियाद, कभी हमारी भी कर लेना याद।
हम तो तुम्हें न भूल सकेंगे, तुम चाहे बिसरावो, तुम जावो ॥
प्यारा रतन बिछुड़ता हो जब पंथी, किसका हृदय न भर आता तब पंथी?
किन्तु हमारे आँसू से तुम कमज़ोरी न दिखावो, तुम जावो ॥
जाने कब फिर मिलें पुराने साथी, जाने कब फिर मिले प्रेम की पाती?
आज बिछुड़ने से पहिले तुम एक बार मुसकावो, तुम जावो ॥

+				'				+				'			
स	प	प	ध	पध	न	ध	प	ग	म	गम	पध	म	प	ग	ग
रु	क	न	स	कोऽ	ऽ	तो	ऽ	जा	ऽ	वोऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	तु	म
र	–	स	–	–	–	–	–	ग	र	म	ग	ग	र	न	स
जा	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀
स	प	प	प	प	प	प	ध	न	न	सं	–	नसं	रं	सं	रं
ए	ऽ	क	म	ग	र	ह	म	स	ब	की	ऽ	हैऽ	ऽ	फ	रि
न	सं	–	–	–	–	न	–	प	न	–	न	न	प	नसं	रं
या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	द	क	भी	ऽ	ह	मा	ऽ	रीऽ	ऽ
सं	–	न	न	ध	म	प	न	ध	प	–	–	–	–	–	–
भी	ऽ	क	र	ले	ऽ	ना	ऽ	या	ऽ	ऽ	द	❀	❀	❀	❀
प	ध	न	सं	न	ध	प	–	ग	म	ग	म	प	पध	न	म
*	*	*	*	*	*	*	*	ह	म	तो	ऽ	तु	म्हेंऽ	ऽ	न
पध	नसं	न	सं	न	ध	प	–	स	प	प	–	पध	न	ध	प
भूऽ	ऽऽ	ल	स	कें	ऽ	गे	ऽ	तु	म	चा	ऽ	हेऽ	ऽ	बि	स
ग	म	गम	पध	म	प	ग	ग	र	–	स	–	–	–	–	–
रा	ऽ	वो	ऽऽ	ऽ	ऽ	तु	म	जा	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

ग	म	प	म	ग	र	स	ऩ	स	ग	ग	–	ग	ग	–	ग
*	*	*	*	*	*	*	*	प्या	ऽ	रा	ऽ	र	तन्	ऽ	बि
र	ग	ग	र	स	र	र	र	ग	म	म	–	–	–	स	–
छु	ड़	ता	ऽ	हो	ऽ	ज	ब	प	ऽ	न्थी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ग	ग	स	स	ग	म	प	ग	म	गम	प	ग	–	र	र
कि	स	का	ऽ	हृ	द	य	न	भ	र	आऽ	ऽ	ता	ऽ	त	ब
र	–	स	–	–	–	–	–	स	ग	ग	–	ग	ग	–	ग
प	ऽ	न्थी	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	प्या	ऽ	रा	ऽ	र	तन्	ऽ	बि
र	ग	ग	र	स	र	र	र	ग	म	म	–	–	–	स	–
छु	ड़	ता	ऽ	हो	ऽ	ज	ब	प	ऽ	न्थी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ग	ग	स	स	ग	म	प	ग	म	गम	प	ग	–	र	र
कि	स	का	ऽ	हृ	द	य	न	भ	र	आऽ	ऽ	ता	ऽ	त	ब
र	–	स	–	सांरं	गंरं	सां	–	पध	नध	प	–	गम	पम	ग	–
प	ऽ	न्थी	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*
स	प	प	प	प	–	प	ध	न	–	सां	–	न	–	सां	सां
कि	ऽ	न्तु	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	आं	ऽ	सू	ऽ	से	ऽ	तु	म
प	ध	सां	–	न	–	ध	प	ग	म	गम	पध	म	प	ग	ग
क	म	ज़ो	ऽ	री	ऽ	न	दि	खा	ऽ	वोऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	तु	म

र	–	स	–	–	–	ग	म	र	म	ग	र	स	ग	–	ग
जा	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*
स	प	प	ध	पध	न	ध	प	ग	म	गम	पध	म	प	ग	ग
रु	क	न	स	कोऽ	ऽ	तो	ऽ	जा	ऽ	वोऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	तु	म
र	–	स	–	–	–	–	–	प	ध	प	ध	प	सं	–	–
जा	ऽ	वो	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*
*	प	रं	रं	रं	रं	रं	रं	*	रं	रं	रं	रं	–	रं	–
*	जा	ऽ	ने	क	ब	फि	र	*	मि	लें	पु	रा	ऽ	ने	ऽ
सं	रं	संरं	गं	–	–	रं	सं	*	प	रं	रं	रं	रं	सं	सं
सा	ऽ	थीऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	जा	ऽ	ने	क	ब	फि	र
प	प	ध	ध	सं	सं	धसं	रंगं	रं	–	सं	–	–	–	–	–
मि	ले	ऽ	प्रे	ऽ	म	कीऽ	ऽऽ	पा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रं	गं	रं	सं	न	ध	प	ध	*	न	न	न	न	सं	सं	–
*	*	*	*	*	*	*	*	*	आ	ज	बि	छु	ड़	ने	ऽ
धसं	रं	सं	सं	न	–	ध	प	*	स	प	पध	न	ध	प	प
सेऽ	ऽ	प	हि	ले	ऽ	तु	म	*	ए	क	बाऽ	ऽ	र	मु	स
ग	म	गम	पध	म	प	प	प	सं	प	प	पध	न	ध	प	प
का	ऽ	वोऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	तु	म	ए	ऽ	क	बाऽ	ऽ	र	मु	स

ग	म	गम	पध	म	प	प	प	ग	म	गम	पध	म	प	ग	ग
का	ऽ	वोऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*	तु	म
र	-	स	-	-	-	-	-								
जा	ऽ	वो	ऽ	ऽ	*	*	*	रुक न सको.........							

14—N. P. K 4—40

काहे करता देर बराती......?

नेशनल स्टूडियोज फ़िल्म		ताल		गायक
"औरत"	* *	"कहरवा"	* *	अनिलविश्वास व कोरस

काहे करता देर बराती, काहे करता देर।
जाना है तोय पी की नगरिया, कठिन बड़ी है डगरिया।
हो जाये ना अबेर बराती, काहे करता देर॥
कैसा रिश्ता कैसा नाता, काहे मनको फँसाता।
सब है भरम का फेर बराती, सब है भरम का फेर॥

×				×				×				×			
स	-	(स) ध	-	-	-	-	-	ध	प	म	ग	र	स	न	स
का	ऽ	हे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	-	(स) ध	-	ध	ध	ध	प	प	-	प	म	ग	म	प	-
का	ऽ	हे	ऽ	क	र	ता	ऽ	दे	ऽ	र	ब	रा	ऽ	ती	ऽ

*	प	प	म	ग	म	प	–	*	प	–	म	ग	रे̱	ग	रे̱
*	दे	र	ब	रा	ऽ	ती	ऽ	*	का	ऽ	हे	क	र	ता	ऽ

स	–	–	–	–	–	–	–	*	न	–	न	न	–	न	सं
दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	*	जा	ऽ	ना	है	ऽ	तो	है

न	सं	सं	सं	सं	रें	रें	गं	रें	सं	–	–	–	–	रें	संन
पी	ऽ	की	न	ग	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ

न	सं	न	ध	ध	प	–	म	प	म	ग	–	–	–	–	–
क	ठि	न	ब	ड़ी	है	ऽ	ड	ग	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

❀	प	ध	ध	ध	–	ध	प	ध	सं	सं	न	नि	ध	ध	प
❀	हो	ऽ	जा	ये	ऽ	न	अ	बे	ऽ	र	ब	रा	ऽ	ती	ऽ

❀	प	ध	ध	प	म	म	ग	ग	रे	–	–	ध	–	–	–
❀	का	ऽ	हे	क	र	ता	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र

❀	प	ध	ध	प	म	म	ग	ग	रे	–	–	–	–	–	–
❀	का	ऽ	हे	क	र	ता	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र

काहे..............काहे करता देर बराती, देर बराती काहे करता देर !

❀	स	–	स	स	–	स	–	❀	स	ग	ग	रे̱	स	स	–
❀	कै	ऽ	सा	रि	ऽ	श्ता	ऽ	❀	कै	ऽ	सा	ना	ऽ	ता	ऽ

❀	स	-	स	स	-	स	रे	❀	ग	प	प	म	ग	ग	-
❀	कै	ऽ	सा	रि	ऽ	श्ता	ऽ	❀	कै	ऽ	सा	ना	ऽ	ता	ऽ
❀	म	-	म	म	प	प	ध	म	प	प	ध	-	-	-	धम
❀	का	ऽ	हे	म	न	को	फ	सा	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ
प	ध	ध	ध	ध	ध	ध	प	ध	सं	सं	नि	नि	ध	ध	प
स	ब	है	भ	र	म	का	ऽ	फे	ऽ	र	ब	रा	ऽ	ती	ऽ
प	ध	ध	सं	सं	रं	रं	गं	रं	सं	-	-	-	-	-	-
स	ब	है	भ	र	म	का	ऽ	फे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	ध	ध	ध	ध	प	ध	सं	सं	नि	नि	ध	ध	प
स	ब	है	भ	र	म	का	ऽ	फे	ऽ	र	ब	रा	ऽ	ती	ऽ
❀	ध	-	ध	प	म	म	ग	ग	र	-	-	ध	-	-	-
❀	का	ऽ	है	क	र	ता	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
❀	ध	-	ध	प	म	म	ग	ग	रे	-	-	स	-	-	र
❀	का	ऽ	हे	क	र	ता	ऽ	दे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र

काहे..............काहे करता देर बराती, देर बराती काहे करता देर।

——जिन स्वरों के ऊपर यह चिन्ह है वह आंदोलित स्वर है, वहां आवाज़ कांपती हुई रहेगी।

प्रेम का नाता छूटा..........!

न्यू थियेटर्स लि०		ताल		गायक
"नर्तकी"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	पङ्कज मल्लिक

प्रेम का नाता छूटा ।
नाता छूटा प्रेम न छूटा, बात का पालन छूटा ।
नेम धरम से बोल रे ज्ञानी, क्या सच्चा क्या झूँठा ॥
बात का पालन छूटा, प्रेम का नाता छूटा ॥
आंख की नींद, सेज की शोभा, मन का धीरज लूटा ।
कैसे कटे निराश जीवन, हर एक सहारा टूटा ॥
बात का पालन छूटा............प्रेम का नाता छूटा ॥

(बैक ग्राउण्ड म्यूज़िक)

+				.				+				'			
सर	गप	धन	संन	धप	धप	गर	सर	ग	–	–	प	ग	प	ध	–
–	प	ग	र	स	–	–	–	–	गं	रं		ध	प	ग	र
गं	–	–	–	रं	सं	न	ध	प	–	ध	न	सं	–	–	–
प	–	ध	न	ध	न	सं	न	ध	–	न	प	ध	न	सं	रं
गं	–	–	–	रं	सं	न	ध	प	–	ध	न	सं	–	–	–
प	–	ध	न	ध	न	सं	न	ध	–	न	प	ध	–	–	–
गप	गर	ग	प	गप	गर	ग	ध	गप	गर	ग	न	गप	गर	ग	सं
–	गं	रं	सं	ध	प	ग	र	सर	गप	धन	संन	धप	धप	गर	सर
ग	–	–	प	ग	प	ध	–	–	प	ग	र	स	–	–	–
–	गं	रं	सं	ध	प	ग	र	गं	–	–	–	रं	सं	न	ध
प	–	ध	न	सं	–	–	–	प	–	ध	न	ध	न	सं	न
ध	–	न	प	ध	न	सं	रं	गप	गर	ग	प	गप	गर	ग	ध

गप	गर	ग	न	गप	गर	ग	सं	-	गं	रं	सं	ध	प	ग	र
सर	गप	धन	संन	धप	धप	गर	सर	ग	-	-	प	ग	प	ध	-
-	प	ग	र	स	-	प	-	-	न	-	न	ध	प	प	-
							गाना शुरू	☞	प्रे	ऽम	का	ना	ऽ	ता	ऽ
प	ध	ध	-	-	प	ध	न	ध	न	-	न	ध	प	प	-
छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प्रे	ऽम	का	ना	ऽ	ता	ऽ
प	ध	ध	-	-	-	-	-	ग	ध	-	ध	ध	-	ध	प
छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ता	छू	ऽ	टा	ऽ
-	पध	न	ध	प	ग	ग	प	ग	ध	-	ध	ध	-	ध	प
ऽ	प्रेऽ	ऽम	न	छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ता	छू	ऽ	टा	ऽ
-	पध	न	ध	प	-	ग	प	-	ग	-	ग	र	स	र	ग
ऽ	प्रेऽ	ऽम	न	छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	बा	ऽत	का	पा	ऽ	ल	न
र	स	स	-	ग	प	ध	न	सं	-	-	न	नसं	रं	-	सं
छू	ऽ	टा	ऽ	*	*	❀	*	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	न	-	न	ध	प	प	-	प	ध	ध	-	-	प	ध	न
ऽ	प्रे	ऽम	का	ना	ऽ	ता	ऽ	छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	न	-	न	ध	प	प	-	प	ध	ध	-	-	-	-	-
ऽ	प्रे	ऽम	का	ना	ऽ	ता	ऽ	छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

-	सं	-	सं	सं	सं	सं	-	-	सं	रं	गं	रं	सं	सं	-
-	ने	म	ध	र	म	से	ऽ	ऽ	बो	ल	रे	ज्ञा	ऽ	नी	ऽ
न	-	-	-	न	-	-	र	-	सं	-	सं	सं	सं	सं	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ने	म	ध	र	म	से	ऽ
-	सं	रं	गं	रं	सं	सं	-	संन	-	-	-	-	-	-	-
ऽ	बो	ल	रे	ज्ञा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	-	ध	-	ध	प	सं	न	ध	ध	-	-	-	-	-
क्या	ऽ	ऽ	स	ऽ	च्चा	क्या	ऽ	झूं	ऽ	ठा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	ग	-	ग	र	स	र	ग	र	स	स	-	-	-	-	-
ऽ	बा	त	का	पा	ऽ	ल	न	छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रं	-	-	-	सं	संगं	रंगं	रं	स	-	-	-	-	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	-	न	ध	प	प	-	प	ध	ध	-	-	प	ध	न
ऽ	प्रे	ऽम	का	ना	ऽ	ता	ऽ	छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	न	-	न	ध	प	प	-	प	ध	ध	-	-	-	ग	म
ऽ	प्रे	ऽम	का	ना	ऽ	ता	ऽ	छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	-	-	-	-	-	स	ग	प	-	-	म	-	ग	-	र
म	-	-	ग	-	र	-	स	ग	-	-	-	-	म	प	म

ग	ग	म	ग	र	–	–	–	–	ग	प	प	ध	प	प	–
ऽ	आं	ऽख	की	नीं	ऽ	ऽ	ऽ	द्	से	ऽज	की	शो	ऽ	भा	ऽ
–	–	–	म	ग	म	प	म	ग	ग	म	ग	र	–	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आं	ऽख	की	नीं	ऽ	ऽ	ऽ
र	ग	प	प	ध	प	प	–	–	सं	सं	सं	सं	रं	रं	गं
ऽद्	से	ऽज	की	शो	ऽ	भा	ऽ	ऽ	म	न	का	धी	ऽ	र	ज
रं	सं	सं	–	–	–	–	ध	सं	ध	सं	सं	रं	–	–	–
लू	॰ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कै	ऽ	से	क	टे	ऽ	ऽ	ऽ
सं	रं	मं	मं	गं	रं	रं	–	–	–	–	–	–	–	–	सं
नि	रा	ऽ	श	जी	ऽ	व	न	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	ध	सं	सं	रं	–	–	–	सं	रं	मं	मं	गं	रं	रं	–
कै	ऽ	से	क	टे	ऽ	ऽ	ऽ	नि	रा	ऽ	श	जी	ऽ	व	न
सं	रं	सं	सं	न	प	ध	सं	न	ध	ध	–	–	–	–	–
हर	इक	ऽ	स	हा	ऽ	रा	ऽ	टू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	ग	–	ग	स	र	ग	प	ग	स	स	–	–	–	–	–
ऽ	बा	त	का	पा	ऽ	ल	न	छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	मे	प	ध	–	प	ध	न	–	ध	न	सं	–	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

–	न	–	न	ध	प	प	–	प	ध	ध	–	–	प	ध	न
ऽ	प्रे	ऽम	का	ना	ऽ	ता	ऽ	छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	न	–	न	ध	प	प	–	प	ध	ध	–	–	–	प	ध
ऽ	प्रे	ऽम	का	ना	ऽ	ता	ऽ	छू	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	–	–	–	–	–	–								
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

16–B. P. M.

आओ बनायें घरवा..........!

बौम्बे टाकीज फिल्म		ताल		गायिका
"पुनर्मिलन"		"कहरवा"		स्नेहप्रभा-किशोरसाहू

आओ बनायें घरवा प्यारा, प्यारा प्यारा जग से न्यारा ॥ आओ......॥
वृन्दावन की माटी लावें, जमुनाजी का जल ।
सांवरिया के रंग रंगे हम, अपना राज महल ।
बांस की खिडकी बांस का द्वारा ॥ आवो बनायें...... ॥
इक छोटा सा बाग लगायें, नई नई नित कलियां आयें ।
कलियन फूले भाग हमारा ॥ आवो बनायें......॥
चन्दा का हम दीप जलायें, तारों के संग जी बहलायें ।
हंसते बीते जीवन सारा ॥ आवो बनायें............॥

+				।				+				।			
र	प	प	-	प	प	-	म	प	ध	न	सं	न	ध	प	-
आ	ऽ	वो	ऽ	ब	ना	ऽ	यें	घ	र	वा	ऽ	प्या	ऽ	रा	ऽ
सं	-	सं	-	प	-	ध	-	म	प	ध	-	म	ग	र	स
प्या	ऽ	रा	ऽ	प्या	ऽ	रा	ऽ	ज	ग	से	ऽ	न्या	ऽ	रा	ऽ
र	प	प	-	प	प	-	म	प	ध	न	सं	न	ध	प	-
आ	ऽ	वो	ऽ	ब	ना	ऽ	यें	घ	र	वा	ऽ	प्या	ऽ	रा	ऽ
स	र	र	-	र	म	म	-	म	प	ध	न	ध	-	प	-
वि	ऽ	न्द्रा	ऽ	ब	न	की	ऽ	मा	ऽ	टी	ऽ	ला	ऽ	वें	ऽ
म	म	प	-	ध	-	प	ध	सं	-	-	-	-	-	-	-
ज	म	ना	ऽ	जी	ऽ	का	ऽ	ज	ऽल	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	-	सं	सं	सं	-	रं	गं	सं	-	न	न	ध	-	प	प
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	के	ऽ	रं	ऽ	ग	रं	गें	ऽ	ह	म
प	प	ध	-	म	-	म	म	ग	र	-	-	-	-	-	-
अ	प	ना	ऽ	रा	ऽ	ज	म	ह	ऽ	ल्	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	म	-म	म	म	म	म	-	र	प	-प	प	प	-	प	-
बां	ऽ	ऽस	की	खि	ड़	की	ऽ	बां	ऽ	ऽस	का	द्वा	ऽ	रा	ऽ

आवो बनायें................ ....।

अन्तरा दूसरा☞

														स	स
														इ	क
र	र	–	प	म	र	र	स	ऩ	–	स	–	–	–	स	स
छो	टा	ऽ	सा	बा	ऽ	ग	ल	गा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	इ	क
र	र	–	प	म	र	र	स	ऩ	–	स	–	–	–	–	–
छो	टा	ऽ	सा	बा	ऽ	ग	ल	गा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀
र	र	ध	ध	ध	–	ध	ध	प	ध	न	सं	न	ध	प	–
न	ई	ऽ	न	ई	ऽ	नि	त	क	लि	यां	ऽ	आ	ऽ	यें	ऽ
न	न	न	प	न	रं	सं	–	न	–	न	न	ध	–	प	–
क	लि	य	न	फू	ऽ	ले	ऽ	भा	ऽ	ग	ह	मा	ऽ	रा	ऽ

आवो बनायें..............!

—अन्तरा तीसरा—

प	–	ध	रं	गं	–	गं	गं	गं	–	गं	गं	रं	–	मं	गं
चं	ऽ	दा	ऽ	का	ऽ	ह	म	दी	ऽ	प	ज	ला	ऽ	यें	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	गं	–	गं	–	रं	–	सं	न
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ता	ऽ	रीं	ऽ	के	ऽ	सं	ग
ध	–	प	प	ध	रं	रं	सं	–	–	–	–	–	–	–	–
जी	ऽ	ब	ह	जी	ऽ	ब	ह	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	सं	सं	–	न	ध	न	–	ध	–		म	प	ध	न	सं
हं	स	ते	ऽ	बी	ऽ	ते	ऽ	जी	ऽ	व	न	सा	ऽ	रा	ऽ

आवो......................!

खुशी में फूल उठे.............!

रणजीत फिल्म	ताल	गायिका
"दिवाली"	दादरा और कहरवा	"बासन्ती"

खुशी में फूल उठे, फूल बहार आई।
कली इठलाई, हवा में मस्ती छाई।
मल्हार याद में भैया की भावी ने गाई॥
गले मिल मिल के कलियां चटकने लगीं।
मेरी भावी की अंखियां भटकने लगी॥

+			।			+			।		
								ध	ध	–	म
								खु	शी	ऽ	में
मप	धप	म	ग	म	–	स	र	स	न॒	ध	न॒
फूऽ	ऽऽ	ल	उ	ठे	ऽ	फू	ऽल	ब	हा	ऽ	र
स	ग	म	न॒	ध	–	❀	❀	ध	ध	–	म
आ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	❀	❀	खु	शी	ऽ	में
मप	धप	म	ग	म	–	❀	❀	म	म	म	म
फूऽ	ऽऽ	ल	उ	ठे	ऽ	❀	❀	क	ली	इ	ठ
म	प	प	–	ध	–	म	–	ध	ध	–	ध
ला	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	ह	वा	ऽ	में
न॒	–	म	प	म	–	❀	❀	म	म	म	म
म	ऽ	स्ती	छा	ई	ऽ	❀	❀	क	ली	इ	ठ

म प प	– प म	प म ध	ध – ध
ला ऽ ई	ऽ ई ऽ	ऽ ऽ ह	वा ऽ में
न – म	प म –	* * सं	सं – न
म ऽ स्ती	छा ई ऽ	* * म	व्हा ऽ र
सं रं रं	सं न –	न सं न	ध न ध
या ऽ द	में मैं ऽ	या ऽ की	भा ऽ वी
प म पध	न ध -	* * ध	ध – म
ने ऽ गाऽ	ऽ ई ऽ	* * खु	शी ऽ में
मप धप म	ग म –	* * ध	ध – म
फूऽ ऽऽ ल	उ ठे ऽ	* * खु	शी ऽ में
मप धप म	ग म –	स र स	न ध न
फूऽ ऽऽ ल	उ ठे ऽ	फू ऽल ब	हा ऽ र
स ग म	न ध –	* * ध	ध - म
ओ ऽ ऽ	ऽ ई ऽ	* * खु	शी ऽ में
मप धप म	ग म –	कहरवा☞	म ग
फूऽ ऽऽ ल	उ ठे ऽ		+ ग ले
+ म –प – प	+ प – प	+ म प – ग	म – म ग
मि लमि ऽल के	कलि यां ऽ च	टक ने ऽ ल	गीं ऽ ग ले

म -प - प	प ध - प	म प - ग	म - न न
मि लमि ऽल के	कलि यां ऽ च	टक ने ऽ ल	गीं ऽ मे री
न -न - न	ध ध - प	म प - ग	म - सं -न
भा ऽवी ऽ की	अँखि यां ऽ भ	टक ने ऽ ल	गीं ऽ मे ऽरी
न -न - न	ध ध - प	म प - ग	म - म ग
भा ऽवी ऽ की	अंखि यां ऽ भ	टक ने ऽ ल	गीं ऽ ग ले
म -प - प	प ध - प	म प - ग	म -
मि लमि ऽल के	कलि यां ऽ च	टक ने ऽ ल	गीं ऽ

दादरा (द्रुतलय)

* * सं	सं - न	सं रं रं	सं न -
* * म	ल्हा ऽ र	या द ऽ	में मैं ऽ
न सं न	ध न ध	प म पध	न प -
या ऽ की	भा ऽ वी	ने ऽ गाऽ	ऽ ई ऽ
* * ध	ध - म		
* * खु	शी ऽ में	फूल उठे ....।	

18—N. P. K.

दर्शन दो गिरधारी...............!

नेशनल स्टूडियोज	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायिका
फिल्म "राधिका"	✠ ✠	"कहरवा"	✠ ✠	नलिनी जयन्त

दर्शन दो गिरधारी ।
देखो-देखो अबतो देखो, क्या है दशा हमारी ।
हम बिन दरशन नहीं उठेंगे, चरणन पड़े तिहारी । दर्शन दो.......॥
मुरली उठाओ ऐसी बजाओ, नाचे दुनियां सारी,
बावरी होकर राधा नाचे, सुनके बंसी तिहारी । दर्शन दो.......॥

×				×				×				×			
र	र	र	र	र	ग	म	ग	र	–	स	–	–	–	–	–
द	र	श	न	दो	ऽ	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	र	म	म	प	–	ध	प	ध	सं	न	–	ध	प	म	ग
द	र	श	न	दो	ऽ	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

उपरोक्त दोनों पंक्तियों को दुबारा बजाइये ।

*	र	म	ग	र	ग	स	–	*	र	न	स	र	म	ग	र
*	दे	ऽ	खो	दे	ऽ	खो	ऽ	*	आ	ऽ	के	दे	ऽ	खो	ऽ
*	र	म	म	प	प	–	ध	म	प	प	–	म	ग	र	स
*	क्या	ऽ	है	द	शा	ऽ	ह	मा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
❀	र	म	म	प	प	–	ध	म	प	प	–	–	–	–	–
❀	क्या	ऽ	है	द	शा	ऽ	ह	मा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

ग	म	म	म	ध	ध	न	ध	ध	सं	सं	सं	न	–	सं	–
ह	म	बि	न	द	र	श	न	न	ऽ	हीं	उ	ठें	ऽ	गे	ऽ
सं	सं	सं	रं	न	न	–	ध	प	ध	(न)	–	–	ध	प	म
च	र	न	न	प	ड़े	ऽ	ति	हा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

दरशन दो गिरधारी, दरशन दो गिरधारी (दोबार बजाओ)

❀	स	ध़	ऩ	सा	ऩ	स	–	❀	ग	ग	म	र	स	सर	गर
❀	मुर	ली	उ	ठा	ऽ	वो	ऽ	❀	ऐ	सी	ब	जा	ऽ	वोऽ	ऽऽ
सर	ऩस	ध़	ऩ	स	ऩ	स	–	❀	ग	ग	म	र	स	रग	रस
ऽऽ	मुर	ली	उ	ठा	ऽ	वो	ऽ	❀	ऐ	सी	ब	जा	ऽ	वोऽ	ऽऽ
❀	प	–	म	प	न	ध	प	म	ग	म	–	–	–	–	–
❀	ना	ऽ	चे	दु	नि	याँ	ऽ	सा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
❀	प	–	प	प	न	ध	प	म	ग	म	–	–	–	ध	–
❀	ना	ऽ	चे	दु	नि	याँ	ऽ	सा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
❀	ध	ध	ध	ध	–	ध	ध	❀	न	–	न	ध	–	न प	–
❀	बा	ब	री	हो	ऽ	क	र	❀	रा	ऽ	धा	ना	ऽ	चे	ऽ
❀	सं	सं	सरं	न	–	न	ध	प	ध	न	–	–	–	ध	सं
❀	सु	न	केऽ	बं	ऽ	सी	ति	हा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

-	सं	सं	संरं	न	-	न	ध	प	ध	न	-	-	ध	प	म
ऽ	सु	न	के	बं	ऽ	सी	ति	हा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

दर्शन दो गिरधारी, दर्शन दो गिरधारी······इन दोनों पंक्तियों को ५ बार बजाइये। (तीसरी बार से लय दुगनी हो जायगी)

इसके बाद दूनीलय में☞

		स	नृ
		गि	र

स	र	र	-	-	ग	म	ग	र	-	स	-	-	-	स	नृ
धा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	गि	र	धा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	गि	र

19—B. N. B.

करले काम भजले राम······!

बौम्बे टाकीज़	**	ताल	**	गायक
फिल्म "पुनर्मिलन"	**	"कहरवा"	**	पी० एफ़० पेठावाला

करले काम भजले राम।
बोझ उठा के क्या कोई तेरा, अपने कन्धे धरलेगा।
साथ वही बस जावेगा रे, कर्म धर्म जो करलेगा॥
करले काम भजले राम॥
जीव अकेला जग में आता, मात पिता पति भगनी भ्राता।
वही जोड़ता सबका नाता, राम भरोसे छोड़दे नैया॥
मत सोचे अञ्जाम रे, करले काम··············॥

+				।				+				।			
स	र	स	र	म	-	-	प	ग	ग	र	-	स	-	-	स
क	र	ले	ऽ	का	ऽ	ऽ	म	भ	ज	ले	ऽ	रा	ऽ	ऽ	म

स	र	ध	–	प	म	–	–	*	प	–प	प	प	–	प	–
क	र	ले	ऽ	का	ऽ	ऽ	म्	*	बो	ऽझ	उ	ठा	ऽ	के	ऽ
*	ध	न	न	ध	–	प	–	*	ग	ग	ग	म	–	गम	प
*	क्या	को	ई	ते	ऽ	रा	ऽ	*	अ	प	ने	कं	ऽ	धेऽ	ऽ
–	म	ग	र	स	–	–	–	*	सं	–सं	सं	सं	–	सं	सं
ऽ	ध	र	ले	गा	ऽ	ऽ	ऽ	*	सा	ऽथ	व	ही	ऽ	व	स
*	धन	सं	सं	ध	–	–	प	*	गग	ग	ग	ग	म	गम	प
*	जाऽ	ऽ	वे	गा	ऽ	रे	ऽ	*	कर	म	ध	र	म	जोऽ	ऽ
–	म	ग	र	स	–	–	–								
ऽ	क	र	ले	गा	ऽ	ऽ	ऽ	करले काम.........................।							
स	ग	ग	ग	ग	–	ग	–	*	म	म	म	म	ग	प	म
जी	ऽ	व	अ	के	ऽ	ला	ऽ	*	ज	ग	में	आ	ऽ	ता	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	म	प	प	प	प	–	प	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	त	पि	ता	ऽ	प	ति
❀	ध	न	न	ध	–	प	–	प	सं	–	सं	–	सं	सं	–
❀	भ	ग	नि	आ	ऽ	ता	ऽ	व	ही	ऽ	जो	ऽ	इ	ता	ऽ
❀	न	सं	रं	संन	ध	प	–	❀	पध	नसं	गं	गं	–	गं	–
*	स	ब	का	ऽऽ	ना	ता	ऽ	*	राऽ	ऽम	भ	रो	ऽ	से	ऽ

–	–	–	–	–	–	रं	सं	–	✻	सं	सं	रं	सं	सं	न
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	✻	छो	ड़	दे	ऽ	नै	ऽ
सं	–	–	–	–	–	–	–	सं	–	गं	गं	गं	–	गं	–
या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	म	भ	रो	ऽ	से	ऽ
–	–	–	–	–	–	रं	सं	–	✻	सं	सं	रं	सं	सं	न
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	✻	छो	ड़	दे	ऽ	नै	ऽ
सं	–	–	–	–	–	–	–	ग	प	प	–	प	–	म	ग
या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	त	सो	ऽ	चे	ऽ	अ	न
गम	प	–	म	मप	ध	–	ग								
जाऽ	ऽ	ऽ	म	रेऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कर ले काम.........।							

20—N.P.K.

मेरा गीत भरा सङ्गीत......!

बौम्बे टाकीज फिल्म		ताल		गायिका
"पुनर्मिलन"	卐 卐	"कहरवा"	卐 卐	"स्नेहप्रभा"

मेरा गीत भरा, संगीत भरा, मनुवा नाचे।
मोरी आंखों में दुनियां नाचे ॥ मेरा गीत......॥
छुम छुम छुम छुम घूँगर बाजे, नाचे मन मोरा।
छुम छुम छुम छुम घूँगर बाजे झूले मन मोरा ॥
कहुं बन में कोयल बोली, कू कू ।
किसी दिल में मच गई होली, हू हू।
माली, भरदो उसकी झोली, जिसके मन आशा नाचे ॥
मेरा गीत..............॥

स्वरलिपि

+				।				+				।			
														स	स
														मे	रा
स	र	र	रं	सं	ध	प	-	स	र	र	रं	सं	ध	न	ध
गी	ऽ	त	भ	रा	ऽ	सं	ऽ	गी	ऽ	त	भ	रा	ऽ	म	न
प	म̍	ग	र	स	-	स	स	स	र	ग	ग	र	ग	म̍	-
बा	ऽ	ना	ऽ	चे	ऽ	मे	री	आं	ऽ	खों	में	दु	नि	यां	ऽ
र	ग	म̍	ध	प	-	स	स	स	र	र	रं	सं	ध	प	-
ना	ऽ	ऽ	ऽ	चे	ऽ	मे	रा	गी	ऽ	त	भ	रा	ऽ	सं	ऽ
स	र	र	रं	सं	ध	न	ध	प	म̍	ग	र	स	-	स	स
गी	ऽ	त	भ	रा	ऽ	म	न	बा	ऽ	ना	ऽ	चे	ऽ	मे	री
स	र	ग	ग	र	ग	म̍	-	र	ग	म̍	ध	प	-	-	-
आं	ऽ	खों	में	दु	नि	यां	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	चे	ऽ	ऽ	ऽ
ग	म̍	ग	म̍	प	-	प	-	न	-	ध	प	ग	म̍	प	-
छ	म	छ	म	छ	म	छ	म	घूं	ऽ	घ	र	बा	ऽ	जे	ऽ
ध⁀	गं	गं	-	गं	गं	गं	रं	सं	-	^नसं	-	^नसं	-	-	-
ना	ऽ	चे	ऽ	म	न	मो	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀
ग	म̍	ग	म̍	प	प	प	प	न	-	ध	प	ग	म̍	प	-
छ	म	छ	म	छ	म	छ	म	घूं	ऽ	ग	र	बा	ऽ	जे	

ध	गं	गं	–	गं	गं	गं	रं	सं	–	(न)सं	–	(न)सं	–	सं	रं
कू	ऽ	ले	ऽ	म	न	मो	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क	हुं
*	सं	गं	गं	गं	–	गं	गं	रं	गं	गं	रं	सं	न	ध	न
*	ब	न	में	को	ऽ	य	ल	बो	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	कू	ऽ
रं	–	(गं)रं	–	(गं)रं	–	सं	सं	*	सं	गं	गं	गं	गं	गं	गं
कू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि	सी	*	दि	ल	में	म	च	ग	ई
रं	गं	गं	रं	सं	न	ध	न	रं	–	(गं)रं	–	(गं)रं	–	सं	सं
हो	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	हू	ऽ	हू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ली
*	स	र	ग	म॑	प	ध	–	ध	सं	रं	–	(गं)रं	–	र	र
*	भ	र	दो	उ	स	की	ऽ	झो	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ली
*	स	र	ग	म॑	प	ध	–	ध	सं	सं	–	–	–	–	–
*	भ	र	दो	उ	स	की	ऽ	झो	ऽ	ली	ऽ	*	*	*	*
*	सं	नं	ध	प	म॑	ग	–	र	ग	ग	र	स	–	स	स
*	जि	स	के	म	न	आ	ऽ	शा	ऽ	ना	ऽ	चे	ऽ	मे	रा

गीत भरा सङ्गीत·· ।

पहिले जो मुहब्बत से.........!

रणजीत मोवीटोन	✱ ✱	ताल	✱ ✱	गायिका
"परदेशी"	✱ ✱	दादरा	✱ ✱	"खुर्शीद"

पहिले जो मोहब्बत से इनकार किया होता।
यूं हमको न दुनियां से बेज़ार किया होता॥
अब तेरे सिवा कोई, आंखों में नहीं जमता।
दो रोज़ तो परदों में, गुलज़ार किया होता॥
मालूम अगर होता, अन्जाम मोहब्बत का।
ना दिल ही दिया होता, ना प्यार किया होता॥
मैं तेरा हूँ मैं तेरा, कानों में मेरे कहना।
और भाग के दुनियां से, आंखों में मेरे रहना॥
इतना जो समझते हम, चुपके से तेरा बाना।
ना दिल ही दिया होता, ना प्यार किया होता॥

इस स्वरलिपि में जितना हिस्सा बिना ताल के गाया है वहां न तो ताल चिन्ह दिये गये हैं और न खानेबन्दी की गई है। जहां से ताल (ठेका) शुरू होती है वहां से ३-३ मात्रा के खाने दे दिये है।

म – – – स सर गम धप मप प – – – – – – प
आ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ❀ ❀ ❀ प

प प – ❀ प प पध प म म म – – – – – पध नप
ह ले ऽ ❀ जो मो हऽ ऽ ब्ब त से ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽऽ

धन धप मप मग ग प प प प – ❀ प प प ध म म
ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ प ह ले ऽ ❀ जो मो ह ऽ ब्ब त

		+	०
म म म – – – – ✻ म ग		गम प प	म ग स
ब्व त से ऽ ऽ ऽ ✻ ✻ इ न		काऽ ऽ र	कि या ऽ
× ग प प	० – पध न	+ ध प प	० प प ध
हो ऽ ता	ऽ पह ऽ	ले ऽ जो	मो हो ऽ
म म म	– म ग	म प प	म ग स
ब्व त से	ऽ इ न	का ऽ र	कि या ऽ
ग प प	– पध न	ध प प	प प ध
हो ऽ ता	ऽ यूँऽ ऽ	ह म को	न दु नि
म – म	– म ग	गम प प	म ग स
यां ऽ से	ऽ बे ऽ	ज़ाऽ ऽ र	कि या ऽ
ग प प	– पध न	ध प प	प प ध
हो ऽ ता	ऽ (बाजा)	... ...	... ...
म – म	– म ग	गम प प	म ग स
... ...	... ...	... ...	... ...
ग प प	– – –	– – प ध न – सं न सं	
....	... ...	... ... अ ब ते ऽ रे लि वा	

– – – – – प न सं रं न – – – – न ध न सं न

ऽ ऽ ऽ ✻ ✻ को ऽ ऽ ऽ ई ऽ ऽ ऽ आं ऽ खों ऽ ऽ में

प	पम	ग	ग	प	प	-	धप	नसं	-	न	प	धप	म	-	*	*
न	हींऽ	ऽ	ज	च	ता	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	*	*

प	प	न	-	सं	न	सं	-	-	-	-	-	प	न	सं	रं	न	-	-	-
अ	ब	ते	ऽ	रे	लि	या	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	को	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ

न	ध	न	सं	न	प	पम	ग	ग	प	प	-	-	-	*	*	*
आं	ऽ	खों	ऽ	में	न	हींऽ	ऽ	ज	च	ता	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*

*	प	-	प	-	प	प	-	*	प	प	धप	मप	म	-	-	-	पध	नप
*	दो	ऽ	रो	ऽ	ज़	तो	ऽ	*	प	र	दोंऽ	ऽऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ

धन	धप	मप	मग	ग	प	प	-	प	-	प	प	-	*	प	प	धप	मप
ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	रो	ऽ	ज़	तो	ऽ	*	प	र	दोंऽ	ऽऽ

							+			०		
म	-	-	-	-	-	म	ग	गम	प	प	म	ग	स
में	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	गु	ल	ज़ाऽ	ऽ	ऽ	कि	या	ऽ

ग	प	प	-	पध	न	ध	-	प	प	प	ध
हो	ऽ	ता	ऽ	दोऽ	ऽ	रो	ऽ	ज़	तो	प	र

म	-	म	-	म	ग	गम	प	प	म	ग	स
दो	ऽ	में	ऽ	गु	ल	जाऽ	ऽ	र	कि	या	ऽ

ग	प	प	-	पध	न	
हो	ऽ	ता	ऽ	पह	ऽ	ले जो मोहब्बत से…………।

प	–	न	–	सं	न	सं	सं	–	–	प	न	सं	रं	रं	न	–	–
मा	ऽ	लू	ऽ	म	अ	ग	र	ऽ	ऽ	हो	ऽ	ऽ	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ

न	ध	न	सं	न	प	पम	ग	ग	प	प	–	–	–	पम	ग	ग
अं	ऽ	जा	ऽ	म	मो	होऽ	ऽ	ब्ब	त	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ

गम	–	–	–	–	–	प	–	प	प	प	–	*	प	प	–	ध	प	म	–
ऽऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	ना	ऽ	दि	ल	ही	ऽ	*	दि	या	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ

–	–	म	ग	म	ग	प	प	–	प	प	प	–	*	प	प	–	ध	प
ऽ	ऽ	हा	ए	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	दि	ल	ही	ऽ	*	दि	या	ऽ	हो	ऽ

						+			०		
म	–	–	–	म	ग	गम	प	प	म	ग	स
ता	ऽ	❀	❀	ना	ऽ	प्या	ऽ	र	कि	या	ऽ
ग	प	प	–	पध	न	ध	प	प	प	प	–
हो	ऽ	ता	ऽ	नाऽ	ऽ	दि	ल	ही	दि	या	ऽ
ध	प	म	–	म	ग	गम	प	प	म	ग	स
हो	ऽ	ता	ऽ	ना	ऽ	प्या	ऽ	र	कि	या	ऽ
ग	प	प	–	पध	न						
हो	ऽ	ता	ऽ	पह	ऽ	ले जो मोहब्बत……………।					

पध	पध	नसं	रंगं	–	–	–	गं	गं	गं	गंरं	सांगं	रंसां	न	–
❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	मैं	ते	रा	हूँऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ

न पन संरं गं सं - - - - - - न - न - न न धन
मैं तेऽ ऽऽ ऽ रा ऽ ऽ ऽ * * का ऽ नों ऽ में मे रेऽ

सं ध ध प - - - प ध सं - न सं न न न - धन
ऽ क ह ना ऽ * * औ र भा ऽ ग के दु नि यां ऽ सेऽ

धप - प ध न - ध प प - ध म म - - - - -
ऽऽ ऽ आं ऽ खों ऽ में मे री ऽ र ह ना ऽ ऽ ऽ * *

गम पध ध ध ध - ध ध ध ध ध - न न - - - -
* * इ त ना ऽ जो स म झ ते ऽ ह म ऽ ऽ * *

ध ध ध - ध ध न - प न ध प - - - - - प -
चु प के ऽ से ते रा ऽ बा ऽ ना ऽ ऽ ऽ ऽ * * ना ऽ

प प प - * पप - ध प म - - - म ग म ग प
दि ल ही ऽ * दिया ऽ हो ऽ ता ऽ ऽ * हा ए ऽ ऽ ऽ

प - प प प - * प प - ध प म - म ग
ना ऽ दि ल ही ऽ * दि या ऽ हो ऽ ता ऽ ना ऽ

+			०			+			०		
गम	प	प	म	ग	स	ग	प	प	-	पध	न
प्याऽ	ऽ	र	कि	या	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	नाऽ	ऽ
ध	प	प	प	प	-	ध	प	म	-	म	ग
दि	ल	ही	दि	या	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	ना	ऽ

गम	प	र	म	ग	स	ग	प	प	–	पध	न
प्याऽ	ऽ	र	कि	या	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	पह	ऽ
ध	प	प	प	प	ध	म	म	म	–	म	ग
ले	ऽ	जो	मो	हो	ऽ	ब्ब	त	से	ऽ	इ	न
गम	प	प	म	ग	स	ग	प	प	–	–	–
काऽ	ऽ	र	कि	या	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ

22—N. P. K. 8—41

तड़पत है मन हाय हाय......

जनरल फिल्म लि० "बागबान"	✠ ✠	ताल "कहरवा"	✠ ✠	गायिका विमलाकुमारी

तड़पत है मन हाय हाय ! तड़पत है, मन प्रीत करन को,
चाहत है मन हाय हाय, चाहत है मन मीत मिलन को।
डार पपीहा बोल रहा है, दर्द भरा मन डोल रहा है।
करता है मन हाय हाय, करता है मन याद सजन को ॥ तड़पत है......॥
सावन आया, बादर छाये, मुझ विरहिन के पी ना आये,
तरसत है मन हाय हाय, तरसत है मन पी दर्शन को ॥ तड़पत......॥

×				×				×				×			
❀ स-	स	स		सर	गर (स)	धृ (नृ)	नृ	सर	ग	–	स	सर	गम	–	र
❀ तड़	प	त		हैऽ	ऽऽ	म	न	हाऽ	ऽ	ऽ	य	हाऽ	ऽऽ	ऽ	य
ग	प	म	प	(ग) (म)	–	र	र	रग	म	स	स	नृस	नृर	स	–
त	ड़	प	त	है	ऽ	म	न	प्रीऽ	ऽ	त	क	रऽ	नऽ	को	ऽ

		सनि़		
* स स स	सर गर ध़ ऩ	सर ग - स	सर गम - र
* चा ह त	है ऽ ऽऽ म न	हाऽ ऽ ऽ य	हाऽ ऽऽ ऽ य

	म		
ग प म प	(ग) - र र	रग म स स	ऩस ऩर स -
चा ऽ ह त	है ऽ म न	मीऽ ऽ त मि	लऽ नऽ को ऽ

	प म		
* न न नध	पध नध ग म	* पध न सं	नध न पध मप
* डा र पऽ	पीऽ ऽऽ हा ऽ	* बोऽ ल र	हाऽ ऽ हैऽ ऽऽ

	प म		
- न न नध	पध नध ग म	* पध न सं	नध न पध मप
ऽ द र्द भऽ	राऽ ऽऽ म न	* डोऽ ल र	हाऽ ऽ हैऽ ऽऽ

	सऩ		
* स- स स	सर गर ध़ ऩ	सर ग - स	सर गम - र
* कर ता ऽ	* कर ता ऽ	हाऽ ऽ ऽ य	हाऽ ऽऽ ऽ य

	म		
ग प म प	(ग) - र र	रग म स स	ऩस ऩर स -
क र ता ऽ	है ऽ म न	याऽ ऽ द स	जऽ नऽ को ऽ

तड़पत है मन हाय हाय, तड़पत है मन प्रीत करन को।

	प म		
* न न नध	पध नध ग म	* पध न सं	नध न पध मप
* सा व नऽ	आऽ ऽऽ या ऽ	* बाऽ ऽ र	छाऽ ऽ येऽ ऽऽ

	प म		
– न– न नध	पध नध ग म	❀ पध न सां	नध न पध मप
ऽ मुझ वि रऽ	हऽ नऽ के ऽ	❀ पीऽ ना ऽ	आऽ ऽ ये ऽऽ
	सन		
❀ सस स स	सार गर ध न	सर ग – स	सर गम – र
❀ तर स त	हैऽ ऽऽ म न	हाऽ ऽ ऽ य	हाऽ ऽऽ ऽ य
	म		
ग प म ग	(ग) – र र	रग म स स	नस नर स –
त र स त	है ऽ म न	पीऽ ऽ द र	रुऽ नऽ को ऽ

तड़पत है मन हाय हाय, तड़पत है मन प्रीत करन को।

23—B. N. B.

हँसले जी भर भर कर.........!

बौम्बे टाकीज फिल्म	ताल	गायिका
"पुनर्मिलन"	"कहरवा"	"स्नेहप्रभा"

हँसले जी भर भर कर हँसले ।
जाने कौन कहां फिर जाये ॥ हँसले.............॥
देवलोक से आयी हूँ मैं, एक संदेशा लाई हूँ मैं ।
हँसले, गाले, जी बहलाले ।
हँसने को हम जग में आये ॥ हँसले.............॥
आ, तुझको इक गीत सुनाऊँ ।
आ मैं तेरा जी बहलाऊँ ॥
नूपुर की रुनझुन–रुनझुन से, मधुर-मधुर सङ्गीत बहाऊँ ।
तेरा मन संग-संग बह जाये ॥ हँसले.............॥

+	।	+	।
स म ग –	– – – –	प – प प	प म ग र
हँ स ले ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ	जी ऽ भ र	भ र क र

स	म	ग	–	–	–	–	–	ग	म॑	प	–	ग	म॑	प	ध
हँ	स	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ने	ऽ	कौ	ऽ	ऽन	म
प	–	प	प	ग	म	ग	–	ग	म॑	प	–	ग	म॑	प	ध
हां	ऽ	फि	र	जा	ऽ	ये	ऽ	जा	ऽ	ने	ऽ	कौ	ऽ	ऽन	क
प	–	प	प	ग	म	ग	–	स	म	ग	–	–	–	–	–
हां	ऽ	फि	र	जा	ऽ	ये	ऽ	हँ	स	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	प	प	म	ग	र	स	म	ग	–	–	–	–	–
जी	ऽ	भ	र	भ	र	क	र	हँ	स	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	–	स	ग	–	ग	म॑	–	ग	म॑	प	ध	म॑	–	प	–
दे	ऽ	च	लो	ऽ	क	से	ऽ	आ	ऽ	ई	ऽ	हूँ	ऽ	मैं	ऽ
ग	–	ग	म॑	प	न	ध	–	म॑	–	प	–	ग	म	ग	–
ए	ऽ	क	सं	दे	ऽ	शा	ऽ	ला	ऽ	ई	ऽ	हूँ	ऽ	मैं	ऽ
न	न	न	ध	न	सं	सं	–	न	–	न	ध	म॑	–	प	–
हँ	स	ले	ऽ	गा	ऽ	ले	ऽ	जी	ऽ	ब	ह	ला	ऽ	ले	ऽ
म॑	प	प	–	ध	न॒	ध	ध	प	प	प	–	ग	म	ग	–
हँ	स	ने	ऽ	को	ऽ	ह	म	ज	ग	में	ऽ	आ	ऽ	ये	ऽ
स	म	ग	–	–	–	–									
हँ	स	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ		जी भर भर..................!							

ग	-	प	-	-	-	-	-	स	स	र	-	र	-	-	-
आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तु	झ	को	ऽ	ए	ऽ	ऽ	क
र	ग	म	प	म	-	ग	-	प	न	न	-	न	-	न	-
गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	ऊँ	ऽ	आ	ऽ	मैं	ऽ	ते	ऽ	रा	ऽ
ध	न	सं	रं	न	-	सं	-	न	सं	सं	रं	रं	-	रं	-
जी	ऽ	ब	ह	ला	ऽ	ऊँ	ऽ	नू	ऽ	पु	र	की	ऽ	रु	ऽन
सं	-	रं	-	रं	-	सं	-	❀	न	ध	नन	सं	-	-	-
झु	ऽन	रु	ऽन	झु	ऽन	से	ऽ	❀	नू	ऽ	पुर	की	ऽ	ऽ	ऽ
न	सं	सं	रं	रं	-	रं	-	सं	-	रं	-	रं	-	सं	-
नू	ऽ	पु	र	की	ऽ	रु	ऽन	झु	ऽन	रु	ऽन	झु	ऽन	से	ऽ
सं	न	न	रं	सं	सं	सं	-	न	-	न	न	ध	-	प	-
म	धु	र	म	धु	र	सं	ऽ	गी	ऽ	त	ब	हा	ऽ	ऊँ	ऽ
ग	प	प	-	ध	-	-	-	ध	ध	ध	ध	ध	ध	प	-
ते	ऽ	रा	ऽ	मन्	ऽ	ऽ	ऽ	सं	ग	सं	ग	ब	ह	जा	ऽ
ग	प	-	-	धप	मग	-	-								
ये	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	❀	❀	हँसले जी भर-भर कर.........!							

पूजा करने चली पुजारिन····।

नेशनल स्टूडियोज़ फिल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
"राधिका"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	"नलिनीजयंत व मारुतीराव"

पूजा करने चली पुजारिन पूजा करने जाय।
फूल चढ़ाये दिये जलाये, तिलक रही थी लगाय।
आंखें चार कृष्ण से होगईं सुध बुध गई बिसराय ॥ पूजा···॥
लौटचली जब पूजा करके घर का ध्यान लगाय।
दिलमें ठेस लगी एक भारी, मन में अब पछताय ॥
चरनन में लो इस दासी को,रो-रो पुजारिन गाय।
क्यों हँसते हो कृष्ण मुरारी, मन में आग लगाय ॥

×				×				×				×			
सं	–	सं	–	सं	सं	सं	–	न	न	–	सं	न	ध	ध	प
पू	ऽ	जा	ऽ	क	र	ने	ऽ	च	ली	ऽ	पु	जा	ऽ	रि	न
प	न	न	सं	ध	ध	प	न	ध	–	–	–	–	–	–	प
पू	ऽ	जा	ऽ	क	र	ने	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य
प	न	न	सं	ध	ध	प	ध	म॑	प	–	–	–	–	–	प
पू	ऽ	जा	ऽ	क	र	ने	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य
सं	–	सं	–	सं	सं	सं	–	रं	गं	रं	रं	सं	–	सं	सं
पू	ऽ	जा	ऽ	क	र	ने	ऽ	च	ली	ऽ	पु	जा	ऽ	रि	न
न	–	न	सं	ध	ध	प	ध	म	प	ध	न	प	ध	न	सं
पू	ऽ	जा	ऽ	क	र	ने	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

न	-	न	सं	ध	ध	प	ध	म॑	प	-	-	-	-	-	प
पू	ऽ	जा	ऽ	क	र	ने	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य
*	म॑	-	म॑	म॑	-	प	प	*	प	ध	प	ध	न॒	ध	प
*	फू	ल	च	ढ़ा	ऽ	ये	ऽ	*	दि	ये	ज	ला	ऽ	ये	ऽ
ध	न॒	ध	प	ध	न॒	ध	प	ध	न॒	ध	प	-	-	-	म॑
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	म॑	-	म॑	म॑	-	प	प	*	प	ध	प	ध	न॒	ध	प
*	फू	ल	च	ढ़ा	ऽ	ये	ऽ	*	दि	ये	ज	ला	ऽ	ये	ऽ
ध	सं	रं	सं	ध	-	प	ध	म॑	प	-	-	-	-	-	प
ति	ल	क	र	ही	ऽ	थी	ल	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य
प	ध	ध	सं	सं	-	सं	सं	रं	रं	रं	मं	मं	गं	गं	रं
आँ	ऽ	खें	ऽ	चा	ऽ	र	कृ	ऽ	ष्ण	से	ऽ	हो	ऽ	ग	ईं
-	-	-	-	-	-	-	-	ध	सं	रं	सं	ध	प	प	ध
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सु	ध	बु	ध	ग	ई	बि	स
म॑	प	-	-	-	-	-	प								
रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य	पूजा करने जाय……………………!							
*	ग	-	ग	ग	म	ग	र	ग	म	प	म	ग	म	ग	र
*	लौ	ट	च	ली	ऽ	ज	ब	पू	ऽ	जा	ऽ	क	र	के	ऽ

ग	म	ग	र	ग	म	ग	र	ग	म	ग	र	-	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

❀	न	न	सं	ध	-	प	न	न	ध	-	-	-	-	-	प
❀	घ	र	का	छ्या	ऽ	न	ल	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य

❀	सं	रं	रं	रं	-	रं	सं	सं	गं	रं	मं	रं सं	-	सं	-
❀	दि	ल	में	ठे	ऽ	स	ल	गी	ऽ	ए	क	भा	ऽ	री	ऽ

❀	न	न	सं	ध	ध	प	ध	म॑	प	-	-	-	-	-	प
❀	म	न	में	अ	ब	प	छ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य

❀	न	न	न	न	रं	रं	-	❀	गं	गं	-	गं	-	रं	गं
❀	चर	न	न	में	ऽ	लो	ऽ	❀	इस	दा	ऽ	सी	ऽ	को	ऽ

म॑ं	म॑ं	-	पं	गं	-	रं	गं	न	रं	-	-	-	-	-	-
रो	रो	ऽ	पु	जा	ऽ	रि	न	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य

गं	-रं	-	सं	न	प	ध	न	ध प	-	-	-	-	-	-	-
रो	ऽरो	ऽ	पु	जा	ऽ	रि	न	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य

ठेका बन्द ।

ग	म	ग	र	-	-	ग	प	प	-	-	-	र	ग	प	ध	ननधपध
क्यों	ऽ	हँ	स	ऽ	ऽ	ते	ऽ	हो	ऽ	ऽ	ऽ	कृ	ऽ	ष्णा	मु	राऽऽऽऽ

न	न	-,	न	सं	न	ध	ध	प	ध	न	प ध	-	प	-
ऽ	री	ऽ,	म	न	में	ऽ	आ	ऽ	ग	ल	गा	ऽ	ऽ	य

अब कहाँ बसेरा अपना.......!

रणजीत फिल्म	ताल	गायिका
"परदेसी"	"कहरवा"	"खुरशीद"

टूट गई डाली, बिखर गये तिनके।
अब कहाँ बसेरा अपना।
चांद घिरा बदली में तारे टूट गये।
कठिन डगरिया पग डोले, मेरे साथी छूट गये।
कहां बसेरा अपना॥
न आंख होती न कोई चुभता, न रंज होते न प्यार होते।
क़सम तुम्हारी न तुम पै मरते, न दिल लगाते न ख्वार होते॥
चांद घिरा बदली में तारे टूट गये..........................॥

(ठेका बन्द)

न - न न सं - - - धन संन ध ❀ धन ध प मग ध
टू ऽ ट ग ई ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ❀ डाऽ ली ऽ ऽऽ ऽ

ध (above)
प - - - र म प न ध प प - - ध न ध प म - ग ग
ऽ ऽ ऽ ऽ * * * * * * * * * बि ख र ग ये ऽ ति न

र - सर सग र - - धन संन धप मग स ग र - र ग
के ऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ ❀ अ ब

—ठेका शुरू—

+	'	+	'
❀ म म म	र - ग स	र न स -	❀ ❀ र ग
❀ क हां ब	से ऽ रा ऽ	अ प ना ऽ	❀ ❀ अ ब

❀	म	म	म	र	-	ग	स	र	ऩ	स	-	❀	❀	म	प
❀	क	हां	ब	से	ऽ	रा	ऽ	अ	प	ना	ऽ	❀	❀	अ	ब
❀	प	प	प	पध	न	ध	प	म	ग	म	-	रग	सर	म	प
❀	क	हां	ब	सेऽ	ऽ	रा	ऽ	अ	प	ना	ऽ	हांऽ	ऽऽ	अ	ब
❀	प	प	प	पध	न	ध	प	म	ग	म	-	ग	❀	र	ग
❀	क	हां	ब	सेऽ	ऽ	रा	ऽ	अ	प	ना	ऽ	ऽ	❀	अ	ब
❀	म	म	म	र	-	ग	स	र	ऩ	स	-	-	-	-	-
❀	क	हां	ब	से	ऽ	रा	ऽ	अ	प	ना	ऽ	❀	❀	❀	❀
❀	सं	न	प	ग	र	स	र	म	प	न	ध	प	-	-	-
❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀
❀	म	प	प	प	न	सं	सं	रं	न	सं	-	-	-	पध	संरं
❀	चां	द	ग्रि	रा	ऽ	ब	द	ली	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀
गं	गं	-गं	गं	गं	-	गं	रं	सं	गं	रं	-	❀	संन	सं	-
❀	चां	ऽद	ग्रि	रा	ऽ	ब	द	ली	ऽ	में	ऽ	❀	ताऽ	रे	ऽ
❀	पध	न	ध	प	-	-	-	गं	गं	-गं	गं	ग	-	गं	रं
❀	टूऽ	ट	ग	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	चां	ऽद	ग्रि	रा	ऽ	ब	द
सं	गं	रं	-	❀	संन	सं	-	❀	पध	न	ध	प	-	-	-
ली	ऽ	में	ऽ	❀	ताऽ	रे	ऽ	❀	टूऽ	ट	ग	ये	ऽ	ऽ	ऽ

*	ध	ध	ध	ध	ध	ध	-	*	मप	ग	-	र	-	पध	न
*	कठि	न	ड	ग	रि	या	ऽ	*	पग	डो	ऽ	ले	ऽ	❀	❀
ध	ध	ध	ध	ध	ध	ध	-	*	मप	ग	-	र	-	म	प
*	कठि	न	ड	ग	रि	या	ऽ	*	पग	डो	ऽ	ले	ऽ	मे	रे
*	प	न	न	सं	-	रं	न	सं	-	-	-	ष	ध	म	प
*	सा	ऽ	थी	छू	ऽ	ट	ग	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे
*	प	न	न	सं	-	रं	न	सं	-	न	ध	प	म	ग	र
*	सा	ऽ	थी	छू	ऽ	ट	ग	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	म	म	म	र	-	ग	स	र	ऩ	स	-	-	-	र	ग
*	क	हां	व	से	ऽ	रा	ऽ	अ	प	ना	ऽ	❀	❀	❀	❀
-	म	म	म	र	-	ग	स	र	ऩ	स	-	❀	र	म	प
❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀
न	ध	प	-	न	ध	प	-	स	र	म	म	प	-	प	-
❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	न	आं	ऽ	ख	हो	ऽ	ती	ऽ
ध	ध	-	न	ध	ध	प	-	प	ध	सं	सं	सं	-	सं	-
न	को	ऽ	ई	चु	भ	ता	ऽ	न	रं	ऽ	ज	हो	ऽ	ते	ऽ
रं	रं	-	गं	रं	-	सं	-	सं	सं	गं	गं	गं	-	गं	-
न	प्या	ऽ	र	हो	ऽ	ते	ऽ	क़	स	ऽम	तु	म्हा	ऽ	री	ऽ

रं	रं	–	गं	रं	सं	न	–	न	न	–	न	न	–	सं	–
न	तु	म	पै	म	र	ते	ऽ	न	दि	ल	ल	गा	ऽ	ते	ऽ
रं	गं	–	सं	रं	न	सं	–	* गं	-गं	गं		गं	–	गं	रं
न	ख़्वा ऽ		र	हो	ऽ	ते	ऽ	* चां	ऽद	धि		रा	ऽ	ब	द
सं	गं	रं	–	* संन		सं	–	* पध	न	ध		प	–	–	–
ली	ऽ	में	ऽ	* ताऽ		रे	ऽ	* टूऽ	ट	ग		ये	ऽ	ऽ	ऽ

कठिन डगरिया पग डोले..................... ।

26—N. P. K

दयालू जो कुछ है दे डाल !

"न्यूथियेटर्स" फिल्म	**	ताल	**	गायक
"जवानी की रीत"	**	"कहरवा"	**	नज़मल हुसेन

दयालू जो कुछ है दे डाल!
झूंठा हिसाब है एक धोखा, मन दुविदे में न डाल ॥ दयालू......॥
सौ पंखड़िया जब मिलती हैं, इक फूल कहीं तब बनता है।
बिखरेंगी अगर ये पंखड़ियां तो फूल कहां रह पायेगा ॥ दयालू......॥
डर इनके बिखर जाने का है, इन पंखड़ियों में तू ही है।
मिटने से ये जो बच जायेंगी, तो आप खुद ही बच जायेगा ॥ दयालू......

(बैक ग्राउण्ड म्यूज़िक)

स – – रग रग – – – गम र – – ग – प – म – र – स – – –

(ताल कहरवा)

+				।				+				।			
नध	नसं	नध	पम॑	पध	प	गम॑	प	र	गस	-र	ऩस	ध़ऩ	सर	सऩ	स
गग	पध	नन	नध	नसं	संन	धप	पध	सं	संसं	सं	संसं	सं	संसं	सं	सांसं
पन	धसं	नध	पप	पन	धसं	नध	पप	म॑प	धग	म॑प	रग	म॑स	रग	ध़ऩ	सस
स	रर	-	सऩ	सग	ग	-	सऩ	सम॑	म॑	-	सऩ	सप	प	-	-
ध़ऩ	सध़	ऩस	ध़स	प	गर	सऩ	ध़ऩ	स	-ध़	-	ऩ	स	-	प	गर
सऩ	ध़ऩ	स	-ध़	-ऩ	-	स	-	प	गर	सऩ	ध़ऩ	स	ध़ऩ	स	ध़ऩ
स	-	-	प	गप	गर	सऩ	ध़प़	-	प़ध़	स	स	सर	-स	गम॑	प
(गाना शुरू) ☞			द	याऽ	ऽऽ	लूऽ	ऽऽ	ऽ	जोऽ	कु	छ	हैऽ	ऽऽ	देऽ	ऽ
ग	-	-	प	गप	गर	सऩ	ध़प़	-	प़ध़	स	स	सर	-स	सग	रग
डा	ऽ	ल	द	याऽ	ऽऽ	लूऽ	ऽऽ	ऽ	जोऽ	कु	छ	हैऽ	ऽऽ	देऽ	ऽऽ
स	गप	गर	सऩ	ध़प़	ध़ऩ	स	ध़ऩ	स	स	ग	ग	ग	ग	प	प
डाल	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	झूँ	ऽ	ठा	हि	सा	ऽ	ब
ग	प	ध	न	पम॑	प	म॑	ग	-	स	ग	ग	ग	ग	प	प
है	ऽ	ए	क	धोऽ	ऽ	खा	ऽ	ऽ	झूं	ऽ	ठा	हि	सा	ऽ	ब
ग	प	ध	न	पम॑	प	म॑	ग	-	म	म	म	म	म	म	प
है	ऽ	ए	क	धोऽ	ऽ	खा	ऽ	ऽ	म	न	हु	वि	दे	में	न

गम गर स स	सर -स सर ग	- प प प	प प प पध
डाऽ ऽऽ ऽल द	याऽ ऽऽ लूऽ ऽ	ऽ म न दु	वि दे में नऽ
गम गर स स	सर -स सर ग	- पध़ स स	सर -स गम प
डाऽ ऽल ऽद ऽ	याऽ ऽऽ लूऽ ऽ	ऽ जोऽ कु छ	हैऽ ऽऽ देऽ ऽ
ग - - प	गप गर सऩ धप़	- पध़ स स	सर -स सग रग
डा ऽ ऽल द	याऽ ऽऽ लूऽ ऽऽ	ऽ जोऽ कु छ	हैऽ ऽऽ देऽ ऽऽ
गप धन सं धप	गर स सं -	- सं -सं सं	सं - सं सं
ऽऽ ऽऽ ऽ ऽऽ	ऽऽ ऽ सौ ऽ	ऽ पं ऽख ड़ि	यां ऽ ज ब
- संन धप न	ध - ध ध	- ग प प	प ध ध ध
ऽ मिल ऽऽ ती	हैं ऽ ए क	ऽ फू ल क	हीं ऽ त ब
- ग - स	ग - - स	स र म म	म म प ध
ऽ बन ऽ ता	है ऽ ऽ वि	ख रें गी अ	ग र ये ऽ
- पध ध रं	सं - न -	ध ध - ध	पन धप मग र
ऽ पंऽ ख ड़ि	यां ऽ तो ऽ	ऽ फू ल क	हांऽ ऽऽ रऽ ह
- सग र ग	स - - प	गप गर सऩ धप़	- पध़ स स
ऽ पाऽ ऽ ये	गा ऽ ऽ द	याऽ ऽऽ लूऽ ऽऽ	ऽ जोऽ कु छ
सर -स गम प	ग - - प	गप गर सऩ धप़	- पध़ स स
हैऽ ऽऽ देऽ ऽ	डा ऽ ऽल द	याऽ ऽऽ लूऽ ऽऽ	ऽ जोऽ कु छ

सर -स सग रग	ग मप -म र	स - स म	म - म म
हैऽ ऽऽ देऽ ऽऽ	ऽ ऽऽ ऽऽ ऽ	ऽ ऽ ड र	इन ऽ के बि
म म ग म	प - धप ध	प - ध -	- ध -ध ध
ख र जा ऽ	ने ऽ काऽ ऽ	है ऽ इन ऽ	ऽ पं ऽख ड़ि
ध - नुध नु	प ध म ध	प - - प	ध सं सं सं
यों ऽ मेंऽ ऽ	ऽ तू ऽ ही	है ऽ ऽ मि	ट ने से ये
सं - सं सं	- नसं रं सं	नसं नसं ध -	पध संरं गं -
जो ऽ ब च	ऽ जाऽ ऽ यें	गीऽ ऽऽ तो ऽ	❀ ❀ ❀ ❀
गंमं मंरं ग -	सं रंध -सं प	-ध ग गं गं	रंगं गं सं सं
❀ ❀ ❀ ❀	* * * *	* * मि ट	नेऽ ऽ से ये
- सं सं सं	- नसं रं सं	नसं नसं धन धन	प प प न
ऽ जो ब च	ऽ जाऽ ऽ यें	गीऽ ऽऽ तोऽ ऽऽ	ऽ आ प खुद
धन धप ग र	स सग र ग	स - - प	गप गर सऩ धप़
हीऽ ऽऽ ब च	ऽ जाऽ ऽ ये	गा ऽ ऽ द	याऽ ऽऽ लूऽ ऽऽ
- प़ध़ स स	सर -स गम प	ग - - प	गप गर सऩ धप़
ऽ जोऽ कु छ	हैऽ ऽऽ देऽ ऽ	डा ऽ ऽल द	या ऽऽ लूऽ ऽऽ
- प़ध़ स स	सर -स सग रग	ग स - -	- - - -
ऽ जोऽ कु छ	हैऽ ऽऽ देऽ ऽऽ	डा ऽ ऽल ऽ	ऽ ऽ ऽ ऽ

सावन के नज़ारे हैं..............!

पञ्चोली आर्ट पिक्चर्स	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायक
फिल्म "खज़ान्ची"	✠ ✠	धुमाली	✠ ✠	"कोरस"

सावन के नज़ारे हैं, अहा हा हा।
कलियों की आंखों में, ल ल ल ल ला!
कलियों की आंखों में मस्ताना इशारे हैं।
हां, जोबन है फिजाओं में, खोजाऍं गले मिलकर, ल ल ल ल ल ल ला।
मख़मूर घटाओं में, ल ल ल ल ल ल ला।
उस देश चलें सजनी, फूलों के योवन पर! ल ल ल ल ला,
भँवरे ना मरें सजनी।
हां उस देश में क्या जाना, प्यार के रागों से, ल ल ल ल ल ल ला।
जो देश हो बेगाना। तुम प्रीत को क्या जानो ?
आग से मत खेलो, ल ल ल ल ला, ऐ हुस्न के दीवानों।

स्वरलिपि☞

														स	-
														सा	ऽ
+				+				+				+			
स	प	प	प	मप	धप	मग	रग	म	-	❀	❀	र	प	-	र
व	न	के	न	ज़ाऽ	ऽऽ	रेऽ	ऽऽ	हैं	ऽ	❀	❀	अ	हा	ऽ	अ
स	-	स	नृ	स	प	प	प	मप	धप	मग	रग	म	-	❀	❀
हा	ऽ	सा	ऽ	व	न	के	न	ज़ाऽ	ऽऽ	रेऽ	ऽऽ	हैं	ऽ	❀	❀
र	प	-	र	स	-	❀	❀	र	प	-	र	स	-	*	*
अ	हा	ऽ	अ	हा	ऽ	❀	❀	*	*	*	*	*	*	*	*

र	प	–	र	स	–	स	ऩ	स	प	प	प	मप	धप	मग	रग
अ	हा	ऽ	अ	हा	ऽ	सा	ऽ	व	न	के	न	ज़ाऽ	ऽऽ	रेऽ	ऽऽ
म	–	*	*	र	प	–	र	स	–	स	ऩ	स	प	प	प
हैं	ऽ	*	*	अ	हा	ऽ	अ	हा	ऽ	सा	ऽ	व	न	के	न
मप	धप	मग	रग	म	–	*	*	प	सं	न	सं	संन	धप	मग	रग
ज़ाऽ	ऽऽ	रेऽ	ऽऽ	हैं	ऽ	*	*	क	लि	यों	की	आंऽ	ऽऽ	खों	ऽऽ
र	–	*	*	र	ग	म	प	म	प	–	–	प	सं	न	सं
में	ऽ	*	*	ल	ल	ल	ल	ला	ऽ	ऽ	ऽ	क	लि	यों	की
संन	धप	मग	रग	र	–	र	–	ध़	स	–	स	सर	गर	सर	गर
आंऽ	ऽऽ	खोंऽ	ऽऽ	में	ऽ	म	ऽ	स्ता	ना	ऽ	इ	शाऽ	ऽऽ	रेऽ	ऽ
स	–	❀	❀	प	सं	न	सं	संन	धप	मग	रग	र	–	र	–
हैं	ऽ	❀	❀	क	लि	यों	की	आंऽ	ऽऽ	खोंऽ	ऽऽ	में	ऽ	म	ऽ
ध़	स	–	स	सर	गर	सर	गर	स	–	❀	पध	म	प	–	पध
स्ता	ना	ऽ	इ	शाऽ	ऽऽ	रेऽ	ऽऽ	हैं	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	❀
म	प	ध	न	नसं	नध	प	पध	म	प	–	पध	मप	धन	सं	–
❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	*	*	*	*	*	*	*	*
गम	पध	नसं	पध	सं	–	सं	–	सं	सं	सं	सं	नसं	नध	पध	नध
हाँऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	जो	ऽ	ब	न	है	फि	ज़ाऽ	ऽऽ	आंऽ	ऽऽ

प	–	*	*	पध	नसं	रंगं	संरं	गं	सं	सं	–	सं	सं	सं	सं
में	ऽ	*	*	हांऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	जो	ऽ	व	न	है	फि
नसं	नध	पध	नध	प	–	*	*	प	सं	न	सं	संन	धप	मग	रग
ज़ाऽ	ऽऽ	ओंऽ	ऽऽ	में	ऽ	*	*	खो	ऽ	जा	यें	गऽ	लेऽ	मिऽ	ऽल
र	–	*	*	र	ग	म	प	ध	न	सं	–	प	सं	न	सं
क	र	*	*	ल	ल	ल	ल	ल	ल	ला	ऽ	खो	ऽ	जा	यें
संन	धप	मग	रग	र	र	स	र	ध़	स	–	स	सर	गर	सर	गर
गऽ	लेऽ	मिऽ	ऽल	क	र	म	ख़	मू	रे	ऽ	घ	टाऽ	ऽऽ	ओंऽ	ऽऽ
स	–	*	*	प	सं	न	सं	संन	धप	मग	रग	र	–	स	र
में	ऽ	*	*	खो	ऽ	जा	यें	गऽ	लेऽ	मिऽ	ऽल	क	र	म	ख़
ध़	स	–	स	सर	गर	सर	गर	स	–	पध	मप	गम	प	पध	नसं
मू	रे	ऽ	घ	टाऽ	ऽऽ	ओंऽ	ऽऽ	में	ऽ	*	*	*	*	*	*
ध	–	प	प	ध	–	ध	ध	(ध)	–	ध	रं	सं	–	नसं	धन
*	*	उ	स	दे	ऽ	श	च	लें	ऽ	स	ज	नी	ऽ	ऽऽ	ऽऽ
प	–	प	प	ध	–	ध	ध	(ध)	–	ध	रं	सं	–	*	*
ऽ	ऽ	उ	स	दे	ऽ	श	च	लें	ऽ	स	ज	नी	ऽ	*	*
प	सं	न	सं	संन	धप	मग	रग	र	–	*	*	र	ग	म	प
फू	ऽ	लों	के	योऽ	ऽऽ	वऽ	ऽन	प	र	*	*	ल	ल	ल	ल

म प - -	प सं न सं	संन धप मग रग	र - स र
ला ऽ ऽ ऽ	फू ऽ लों के	योऽ ऽऽ वऽ ऽन	प र भँ व
ध़ स - स	सर गर सर गर	स - ❀ *	प सं न सं
रे ना ऽ म	रैंऽ ऽऽ सः जऽ	नी ऽ * *	फू ऽ लों के
संन धप मग रग	र - स र	ध़ स - स	सर गर सर गर
योऽ ऽऽ वऽ ऽन	प र भँ व	रे ना ऽ म	रैंऽ ऽऽ सऽ जऽ
स - * पध	म प - पध	म प ध न	नसं नध प पध
नी ऽ * *	* * * *	* * * *	* * * *
म प - पध	मप धन सं -	गम पध नसं पध	सं - सं सं
* * * *	❀ ❀ ❀ ❀	हांऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	ऽ ऽ उ स
सं - सं सं	नसं नध पध नध	प - ❀ ❀	पध नसं रंगं संरं
दे ऽ श में	कयाऽ ऽऽ जाऽ ऽऽ	ना ऽ ❀ ❀	हांऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
गं सं सं सं	सं - सं सं	नसं नध पध नध	प - * *
ऽ ऽ उ स	दे ऽ श में	कयाऽ ऽऽ जाऽ ऽऽ	ना ऽ * *
प सं न सं	संन धप मग रग	र - * *	र ग म प
प्या ऽ र के	राऽ ऽऽ गोंऽ ऽऽ	से ऽ * *	ल ल ल ल
ध न सं -	प सं न सं	संन धप मग रग	र - स र
ल ल ला ऽ	प्या ऽ र के	राऽ ऽऽ गोंऽ ऽऽ	से ऽ जो ऽ

ध़	स	-	स	सर	गर	सर	गर	स	-	*	*	प	सं	न	सं
दे	श	ऽ	हो	बेऽ	ऽऽ	गाऽ	ऽऽ	ना	ऽ	*	*	प्या	ऽ	र	के
संन	धप	मग	रग	र	-	स	र	ध़	स	-	स	सर	गर	सर	गर
राऽ	ऽऽ	गोंऽ	ऽऽ	से	ऽ	जो	ऽ	दे	श	ऽ	हो	बेऽ	ऽऽ	गाऽ	ऽऽ
स	-	पध	मप	गम	प	पध	नसं	ध	-	ग	प	ध	-	ध	ध
ना	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*	तु	म	प्री	ऽ	त	को
(ध)	-	ध	रं	सं	-	नसं	धन	प	-	ग	प	ध	-	ध	ध
क्या	ऽ	जा	ऽ	नों	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	तु	म	प्री	ऽ	त	को
(ध)	-	ध	रं	सं	-	नसं	धन	प	सं	न	सं	संन	धप	मग	रग
क्या	ऽ	जा	ऽ	नों	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	आ	ऽ	ग	से	मऽ	तऽ	खेऽ	ऽऽ
र	-	*	*	र	ग	म	प	म	प	-	-	प	सं	न	सं
लो	ऽ	*	*	ल	ल	ल	ल	ला	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ग	से
संन	धप	मग	रग	र	-	स	र	ध़	स	-	स	सर	गर	सर	गर
मऽ	तऽ	खेऽ	ऽऽ	लो	ऽ	ऐ	ऽ	हु	स्न	ऽ	के	दीऽ	ऽऽ	वाऽ	ऽऽ
स	-	*	*	प	सं	न	सं	संन	धप	मग	रग	र	-	स	र
नो	ऽ	*	*	आ	ऽ	ग	से	मऽ	तऽ	खेऽ	ऽऽ	लो	ऽ	ऐ	ऽ
ध़	स	-	स	सर	गर	सर	गर	स	-	-	-	-	-	-	-
हु	स्न	ऽ	के	दीऽ	ऽऽ	वाऽ	ऽऽ	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

कोयलिया क्यूँ कूके ....!

वाडिया मोवीटोन		ताल		गायिका
"हरीकेन स्पेशल"	✠ ✠	"कहरवा"	✠ ✠	वत्सला व नंदराम जी

कोयलिया क्यूं कूके उस पार ?

तेरी कूक पै हूक उठत है, पात पात में प्रेम बसत है।

फूली है हर डार, कोयलिया क्यूं कूके उस पार ॥

हर सांस में प्रेम उमङ्ग उठे, हर तान में प्यारी तरङ्ग उठे।

बसी कानों में तेरी पुकार, कोयलिया कानों में तेरी पुकार ॥ कोयलिया...॥

किसने कहा आकर गुन गायें, रूप ने खींचा रूप गवाये।

रूप की बांकी मार। प्रेमरूप को तुम क्या जानो, बसा हृदय में सच्चा मानो,

ना मानूं इस बार । कोयलिया..........................॥

न
को

न	सं	नध	प-	पन	धप	मध	पम	रम	गर	स	ऩ	स	-	स	न
य	लि	याऽ	ऽऽ	क्योंऽ	ऽऽ	कूऽ	ऽऽ	केऽ	ऽऽ	उ	स	पा	ऽ	र	को
न	सं	न	ध	पन	धप	मध	पम	रम	गर	स	ऩ	स	-	-	स
य	लि	याऽ	ऽऽ	क्यों	ऽऽ	कूऽ	ऽऽ	केऽ	ऽऽ	उ	स	पा	ऽ	ऽ	र
*	म	-	म	मग	रग	र	स	*	र	म	म	प	न	ध	प
*	ते	ऽ	री	कूऽ	ऽऽ	क	पै	*	हू	क	उ	ठ	त	है	ऽ
*	म	प	न	-	न	सं	-	*	न	न	सं	न	सं	न	धप
*	पा	त	पा	ऽ	त	में	ऽ	*	प्रे	म	ब	स	त	है	ऽऽ

* रं	-	रं	रं	गं	सं	न	(सं)	ऽ	प	प	म	प	(सं)	-	
* फू	ऽ	ली	है	ऽ	ह	र	डा	ऽ	ऽर	को	य	लि	या	ऽ	

क्यों कूके उस पार, कोयलिया क्यों कूके उस पार!

														ध	न
														ह	र
रं	-	रं	रं	* रंसं	रं	मं		गं	रं	रं	गं	सं	-	सं	सं
सां	ऽ	स	में	* प्रेऽ	म	उ		मं	ऽ	ग	उ	ठे	ऽ	ह	र
न	-	न	न	नध	प	प	प	नध	पम	पन		ध	प	ध	न
ता	ऽ	न	में	प्याऽ	ऽ	री	त	रंऽ	ऽऽ	उग		ठे	ऽ	ब	स
* रं	रं	रं		रं	गं	सं	न	सं	-	-प	प	म	प	(सं)	-
* का	नों	में		ते	ऽ	री	पु	का	ऽ	ऽर	को	य	लि	या	ऽ

क्यों कूके उस पार, कोयलिया क्यों कूके उस पार!

मम	मम	म-	मग	रग	गम	रग	सा-	मम	मम	म-	मग	रग	गम	रग	स-
किस	नेक	हाऽ	आऽ	कर	गुन	गाऽ	येऽ	किस	नेक	हाऽ	आऽ	कर	गुन	गा	येऽ
* र	म	म		प	-	प	-	* म	प	न		प ध	-	प	-
* रू	प	ने		खीं	ऽ	चा	ऽ	* रू	प	ग		वा	ऽ	ये	ऽ
* म	प	प		न	-	न	-	न सं	-	-	-	-	-	-	-
* रू	प	की		बाँ	ऽ	की	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र

*	रं	रं	रं	–	रं	रं	–	*	रंरं	रं	–	न	–	सं	–
*	प्रे	म	रू	ऽ	प	को	ऽ	*	तुम	क्या	ऽ	जा	ऽ	नो	ऽ
*	न	न	सं	नसं	रंसं	न̲ध	प	*	म	प	–	मप	धप	मग	र
*	ब	सा	हृ	दऽ	यऽ	मेंऽ	ऽ	*	स	च्चा	ऽ	माऽ	ऽऽ	नोऽ	ऽ
*	म	प	–	न	–	न	सं	पन	संरं	–	–	गं सं	न	सं	–
*	ना	मा	ऽ	नू	ऽ	इ	स	बाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
*	म	प	–	न	–	न	न	न सं	–	–	म	म	प	(सं)	–
*	ना	मा	ऽ	नू	ऽ	इ	स	बा	ऽ	ऽर	को	य	लि	या	ऽ

क्यों कूके उस पार, कोयलिया क्यों कूके उस पार

29—B. N. B.

रास रचे बनवारी ········ !

वाडिया मोवीटोन	✠✠	ताल	✠✠	गायिका
"राजनर्तकी"	✠✠	कहरवा	✠✠	सुप्रभा घोष

रास रचे बनवारी, आज रास रचे बनवारी।
सङ्ग सोहे राधा प्यारी। रास रचे बनवारी॥
गौर वदन राधा सुकुमारी, श्याम वरन कुञ्ज बिहारी।
ज्यों काले बादल में बिजली चमक रही मतवारी। रास रचे···॥
श्याम सुन्दर सजनी पर रीझे, राधा उनपर वारी।
मैं दोनों पर बलिहारी। रास रचे बनवारी॥

×	×	×	×
* र -म म	प - ध न	^{प}ध - प -	नध पम गर स-
* रा ऽस र	चे ऽ ब न	वा ऽ री ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ आज
* र -म म	प - ध न	^{प}ध - प -	- - मप -
* रा ऽस र	चे ऽ ब न	वा ऽ री ऽ	ऽ ऽ ऽऽ ऽ
* प प प	(प) - (प) -	* प - पध	मध पम र स
* सं ग सो	है ऽ ऽ ऽ	* रा ऽ धाऽ	प्याऽ ऽऽ री ऽ

रास रचे बनवारी……………………………।

* प - प	मं प ग म	प पन न सं	^{प}ध - प -
* गौ ऽ र	ब द न ऽ	रा धाऽ सु कु	मा ऽ री ऽ
* प - प	मं मंपधनधप मग म	प पन न सं	^{प}ध - प -
* गौ ऽ र	ब दऽऽऽऽऽ नऽ ऽ	रा धाऽ सु कु	मा ऽ री ऽ
* न - न	न सं नसं रंगं	रं न न न	^{प}ध - प -
* श्या ऽ म	ब र नऽ ऽऽ	ऽ कुँ ज बि	हा ऽ री ऽ
* रं - रं	रं - संरं नसं	* रं - रं	रं - रं सं
* ज्यों ऽ का	ले ऽ ऽऽ ऽऽ	* ज्यों ऽ का	ले ऽ वा ऽ
रं गं रंगं मं	गं गंमं रं -	* सं सं- सं	न ^{ध}प ध न
द ल मेंऽ ऽ	बि जऽ ली ऽ	* च मक र	ही ऽ म त

ध(प)	–	प	–	–	–	–	–	*	रं	-	रं	रं	–	रं	सं
वा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	ज्यों	ऽ	का	ले	ऽ	बा	ऽ

रं	गं	रंगं	मं	गं	गंमं	रं	–	*	सं	सं-	सं	न	प(ध)	ध	न̲
द	ल	मेंऽ	ऽ	बि	जऽ	ली	ऽ	*	च	मक	र	ही	ऽ	म	त

ध(प)	–	प	–	न̲ध	पम	गर	स–
वा	ऽ	री	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

राल रचे बनवारी.......... ....!

*	सं	–	ध	सं	–	सं	सं	*	धसं	रं	गं̲	रं	सं	ध	प
*	श्या	ऽ	म	सु	ऽ	न्द	र	*	सज	नी	ऽ	प	र	री	झे

*	ग	–	म	प	प	ध	न̲	ध(प)	–	प	–	–	–	–	–
*	रा	ऽ	धा	उ	न	प	र	वा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	रं	–	रं	संरं	गं	सं	रं	*	ध	ध	ध	पन̲	धप	मग	रस
*	मैं	ऽ	दो	नोंऽ	ऽ	प	र	*	ब	लि	हा	रीऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

रास रचे बनवारी.................................।

भिगोई मोरी सारी........!

रणजीत मोवीटोन		ताल		गायक
फिल्म "शादी"	• •	"कहरवा"	• •	खुर्शीद कांतीलाल कोरस

भिगोई मोरी सारी रे, देखो भीगे न चोली।
सँभल-सँभल के पिचकारी वाली, खेलो हम से होली ॥ भिगोई मोरी......॥
जुग जुग खेलें तुम से होली, भरगई आज मन की झोली।
तन मन से मेरे मन के राजा, होली के दिन तेरी होली ॥ भिगोई मोरी......॥
तन नाचे मन नाचे हो गोरी, मोहे नहीं कुछ अब सुध मोरी।
नैनों में नैना जो डाले बलम ने, मारे शरम नहीं बोली–
न बोली न बोली ॥ भिगोई मोरी सारी रे.....................................॥

+				।				+				।			
			स	स	र	स	ऩ	–	ऩ	–	स	(ग)र	–	(ग)र	–
			भि	गो	ई	मो	री	ऽ	सा	ऽ	री	रे	ऽ	ऽ	ऽ
*	म	–	म	ग	र	–	ग	र	स	–	स	स	र	स	ऩ
*	दे	ऽ	खो	भी	गे	ऽ	न	चो	ली	ऽ	भि	गो	ई	मो	री
–	ऩ	–	स	(ग)र	–	(ग)र	–	*	म	–	म	ग	र	–	ग
ऽ	सा	ऽ	री	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	दे	ऽ	खो	भी	गे	ऽ	न
र	–	स	–	–	–	–	–	र	र	म	म	म	प	प	–
चो	ऽ	ली	ऽ	*	*	*	*	सं	भ	ऽल	सं	भ	ऽल	के	ऽ
मम	प	–	ध	म	–	रप	सर	*	रम	–म	म	म	प	प	–
पिच	का	ऽ	री	वा	ऽ	लीऽ	ऽऽ	*	संभ	ऽल	सं	भ	ऽल	के	ऽ

मम	प	-	ध	म	-	रग	सर	❀	म	-	म	ग	ग	र	ग̱
पिच	का	ऽ	री	वा	ऽ	लीऽ	ऽऽ	❀	खे	ऽ	लो	ह	म	से	ऽ
र	स	-	स	स	र	स	ऩ	-	ऩ	-	स	(ग)र	-	(ग)र	-
हो	ली	ऽ	भि	गो	ई	मो	री	ऽ	सा	ऽ	री	रे	ऽ	ऽ	ऽ
❀	म	-	म	ग	ग	र	ग̱	र	स	-	स	स	र	स	ऩ
❀	खे	ऽ	लो	ह	म	से	ऽ	हो	ली	ऽ	भि	गो	ई	मो	री
-	ऩ	-	स	(ग)र	-	(ग)र	-	❀	म	-	म	ग	र	-	ग̱
ऽ	सा	ऽ	री	रे	ऽ	ऽ	ऽ	❀	दे	ऽ	खो	भी	गे	ऽ	न
र	-	स	-	-	-	-	-	*	धध	ध	प	म	प	प	-
चो	ऽ	ली	ऽ	*	*	*	*	*	जुग	जु	ग	खे	ऽ	लें	ऽ
*	धध	ध	प	ध	सं	सं	-	न̱	न̱	न̱	न̱	ध	-	प	म
*	तुम	से	ऽ	हो	ऽ	ली	ऽ	ऽ	भर	ग	ई	आ	ऽ	ज	ऽ
-	प	ध	न̱	न̱	ध	प	-	❀	धध	ध	ध	ध	-ध	-	धम
ऽ	म	न	की	झो	ऽ	ली	ऽ	❀	तन	म	न	से	ऽभे	ऽ	रेऽ
*	ध	ध	प	म	-	रग	सर	*	म	म	म	ग	र	-	ग̱
*	मन	के	ऽ	रा	ऽ	जा	ऽऽ	*	हो	ली	के	दिन	ते	ऽ	री
र	स	-	स	स	र	स	ऩ	-	ऩ	-	स	(ग)र	-	(ग)र	-
हो	ली	ऽ	भि	गो	ई	मो	री	ऽ	सा	ऽ	री	रे	ऽ	ऽ	ऽ

❀	म	म	म	ग	र	–	ग॒	र	स	–	स	स	र	स	ऩ
❀	हो	ली	के	दिन	ते	ऽ	री	हो	ली	ऽ	भि	गा	ई	मो	री
–	ऩ	–	स	(ग)र	–	(ग)र	–	❀	म	–	म	ग	र	–	ग॒
ऽ	सा	ऽ	री	रे	ऽ	ऽ	ऽ	❀	दे	ऽ	खो	भी	गे	ऽ	न
र	–	स	–	–	–	–	–	स	र	र	स	र	प	प	प
चो	ऽ	ली	ऽ	❀	❀	❀	❀	त	न	ना	ऽ	चे	ऽ	म	न
म	ग	–	र	र	ग॒	र	स	❀	सर	र	स	र	प	प	प
ना	चे	ऽ	हो	गो	ऽ	री	ऽ	❀	तन	ना	ऽ	चे	ऽ	म	न
म	ग	–	र	र	ग॒	र	स	❀	ध	ध	ध	ध	–	ध	प
ना	चे	ऽ	हो	गो	ऽ	री	ऽ	❀	मो	हे	न	हीं	ऽ	क	छु
प	न॒	ध	प	म	प	पध	मप	❀	प	प	प	धसं	सं	–	सं
अ	ब	सु	ध	मो	ऽ	रीऽ	ऽऽ	❀	नै	नों	में	नैऽ	ना	ऽ	जो
न॒	–न॒	–	न॒	ध	ध	पध	मप	❀	सं	सं	सं	न॒	न॒	ध	प
डा	ऽले	ऽ	ब	ल	म	नेऽ	ऽऽ	❀	मा	रे	श	र	म	न	हीं
पध	ध	–	म	ग	–र	–	ग॒	र	–स	–	–	–	–	–	–
बोऽ	ली	ऽ	न	बो	ऽली	ऽ	न	बो	ऽली	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀
❀	सं	सं	सं	न॒	न॒	ध	प	पध	ध	–	म	ग	–र	–	ग॒
❀	मा	रे	श	र	म	न	हीं	बोऽ	ली	ऽ	न	बो	ऽली	ऽ	न

			ग ग
र -स - स	स र स ऩ	- ऩ - स	र - र -
बो ऽली ऽ भि	गो ई मो री	ऽ सा ऽ री	रे ऽ ऽ ऽ
* म - म	ग र - ग	र स - स	स र स ऩ
* दे ऽ खो	भी गे ऽ न	चो ली ऽ भि	गो ई मो री
	ग ग		
- ऩ - स	र - र -	* म - म	ग र - ग
ऽ सा ऽ री	रे ऽ ऽ ऽ	* दे ऽ खो	भी गे ऽ न
र - स -	- - - -		
चो ऽ ली ऽ	* * * *	31—N. P. K	

फूलों के गजरे गूँथूँगी....।

बौम्बे टाकीज फिल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"नया संसार"	卐 卐	दादरा और कहरवा	卐 卐	"रेणुकादेवी"

फूलों के गजरे गूँथूँगी, हां फूलों के गजरे गूँथूँगी ।
मञ्जुल मञ्जुल, कोमल कोमल ॥ फूलों के..........॥
रंग बिरङ्गी फुलवारी से, आशा की क्यारी-क्यारी से ।
भांति भांति के फूल चुनूँगी, मैं बरजोरी रेशम डोरी लाऊँगी ॥
फूलों के गजरे गूँथूँगी ॥
जिनके सङ्ग मेरे प्राण जुड़े हैं, मनके सब अरमान जुड़े हैं ।
जब यह गजरे बनजायेंगे, कौन करेगा मोल रे इनका,
कौन करेगा मोल.........॥
किन चरणों पर रखने होंगे, यह गजरे अनमोल ।
फूलों के सङ्ग सङ्ग मैं तो अपने, सपने आज सजाऊँगी ॥
फूलों के गजरे गूँथूँ गी......॥

×			।			×			।		
प	प	म	ग	र	स	र	सर	गम	ग	गम	पध
फू	लों	के	ग	ज	रे	गूँ	थूँऽ	ऽऽ	गी	हांऽ	ऽऽ
प	प	म	ग	र	स	र	सर	गम	ग	–	–
फू	लों	के	ग	ज	रे	गूँ	थूँऽ	ऽऽ	गी	ऽ	ऽ
ग	म	प	ग	म	प	ग	न	ध	धन	पध	प
मं	जु	ल	मं	जु	ल	को	म	ल	कोऽ	मऽ	ल
प	प	म	ग	र	स	र	सर	गम	ग	गम	पध
फू	लों	के	ग	ज	रे	गूं	थूंऽ	ऽऽ	गी	❀	❀
प	प	म	ग	र	स	र	सर	गम	ग	–	–
फू	लों	के	ग	ज	रे	गूं	थूंऽ	ऽऽ	गी	ऽ	ऽ

—कहरवा—

स	–	स	स	ग	म	प	–	ग	म	प	ध	मं	–	प	–
रं	ऽ	ग	बि	रं	ऽ	गी	ऽ	फु	ल	वा	ऽ	री	ऽ	से	ऽ
प	–	प	–	ध	–	ध	–	प	–	प	–	ग	म	ग	–
आ	ऽ	शा	ऽ	की	ऽ	क्या	ऽ	री	ऽ	क्या	ऽ	री	ऽ	से	ऽ
प	ध	ध	ध	–	ध	ध	प	*	ध	ध	न॒	प	ध	मं	प
भां	ऽ	ति	भां	ऽ	ति	के	ऽ	*	फू	ल	चु	नूं	ऽ	गी	ऽ

पध	न	न	ध	न	सं	सं	–	ध	–	न॒	न॒	प	म॑	प	–
मैंऽ	ऽ	ब	र	जो	ऽ	री	ऽ	रे	ऽ	श	म	डो	ऽ	री	ऽ
ध	सं	न॒	–	ध	–	–	–	म॑	प	ध	न॒	ध	–	–	–
ला	ऽ	ऊं	ऽ	गी	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*

— दादरा —

प	प	म	ग	र	स	र	सर	गम	ग	गम	पध
फू	लों	के	ग	ज	रे	गूं	थूंऽ	ऽऽ	गी	हांऽ	ऽऽ
प	प	म	ग	र	स	र	सर	गग	ग	–	–
फू	लों	के	ग	ज	रे	गूं	थूऽ	ऽऽ	गी	ऽ	ऽ

—कहरवा—

स	स	स	–	स	र	ऩ	स	*	र	र	ग॒	सर	ग॒	र	–
जि	न	के	ऽ	सं	ग	मे	रे	*	प्रा	ण	जु	ड़ेऽ	ऽ	हैं	ऽ
*	ग	ग	ग	ग	ग	ग	म	र	ग	ग	प	म	ग	म	–
*	म	न	के	स	ब	अ	र	मा	ऽ	न	जु	ड़े	ऽ	हैं	ऽ
*	ग	ग	म	ग	प	प	–	–	ध	ध	न॒	पध	न॒	प	–
*	ज	ब	ये	ग	ज	रे	ऽ	*	ब	न	जा	येंऽ	ऽ	गे	ऽ
*	म॑	–	म॑	प	–	ध	–	म॑	प	म॑	प	ग	म	ग	ग
*	कौ	ऽन	क	रे	ऽ	गा	ऽ	मो	ऽ	ऽ	ल	रे	ऽ	इन	का

*	म	-	म	प	-	ध	-	प	-	-	-	-	-	-	-
*	कौ	ऽन	क	रे	ऽ	गा	ऽ	मो	ऽ	ऽल	*	*	*	*	*
❀	ध	ध	ध	ध	-	ध	ध	प	ध	ध	न	प	ध	म	प
ऽ	किन	न्न	र	नों	ऽ	प	र	ऽ	र	ख	ने	हों	ऽ	गे	ऽ
र	-	ग	ग	प	-	ध	न	ध	-	-	-	मप	धन	मप	धन
ये	ऽ	ग	ज	रे	ऽ	अ	न	मो	ऽ	ऽल	*	*	*	*	*
ध	ध	ध	ध	ध	-	ध	ध	प	ध	ध	न	प	ध	म	प
*	किन	न्न	र	नों	ऽ	प	र	ऽ	र	ख	ने	हों	ऽ	गे	ऽ
र	-	ग	ग	प	-	ध	न	ध	-	-	-	-	-	-	-
ये	ऽ	ग	ज	रे	ऽ	अ	न	मो	ऽ	ऽल	❀	❀	❀	❀	❀
❀	न	न	न	न	न	न	न	ध	न	सं	सं	सं	सं	संरं	सं
❀	फू	लों	के	सं	ग	सं	ग	ऽ	मैं	ऽ	तो	अ	प	नेऽ	ऽ
❀	प	प	ध	सं	-	रं	रं	रं	गं	गं	-	रं	-	-	-
❀	स	प	ने	आ	ऽ	ज	स	जा	ऽ	ऊं	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ
-	रं	रं	रं	रं	सं	सं	सं	प	-	ध	-	ध	सं	-	-
❀	स	प	ने	आ	ऽ	ज	स	जा	ऽ	ऊं	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ
-	न	न	न	सं	-	प	प	म	-	ग	-	र	-	-	-
❀	स	प	ने	आ	ऽ	ज	स	जा	ऽ	ऊं	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ

— दादरा —

+			।			+			।		
प	प	म	ग	र	स	र	सर	गम	ग	गम	पध
फू	लों	के	ग	ज	रे	गूं	थूंऽ	ऽऽ	गी	हांऽ	ऽऽ
प	प	म	ग	र	स	र	सर	गम	ग	गम	–
फू	लों	के	ग	ज	रे	गूं	थूंऽ	ऽऽ	गी	ल	सजी

32—N. P. K.

काहे पंछी बावरिया!

"रणजीत" फिल्म	**	ताल	**	गायक
"दिवाली"	**	"कहरवा"	**	वासन्ती व कांतीलाल

काहे पंछी बावरिया, रोना राग सुनाये रे पंछी बावरिया।
झमेला दो दिन का, जाना देश पराये।
जीवन को एक सपना जानो, जग सपने की छाया मानो।
फिर काहे की हाय रे पंछी बावरिया॥
गढ़ने वाला गढ़े खिलौने, कोई रंगीले, कोई सलौने।
जैसे वा मन भाय रे—पंछी, बावरिया॥

+				।				+				।			
*	स	–	स	र	–	स	ऩ	स	–	र	र	ग॒	–	–	–
*	का	ऽ	हे	पं	ऽ	छी	ऽ	बा	ऽ	ब	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
*	र	–	र	र	म	ग॒	र	स	स	–	स	ग॒	र	स	ऩ
*	री	ऽ	ना	रा	ऽ	ग	सु	ना	ये	ऽ	रे	पं	ऽ	छी	ऽ
स	–	र	र	ग॒	–	–	–	*	र	–	र	र	म	ग॒	र
बा	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	*	रो	ऽ	ना	रा	ऽ	ग	सु

स	स	-	म	ग	र	स	ऩ	स	-	र	र	ग	-	-	-
ना	ये	ऽ	झ	मे	ऽ	ला	ऽ	दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	ऽ	ऽ
*	र	-	र	र	म	ग	र	स	स	-	म	ग	र	स	ऩ
*	जा	ऽ	ना	दे	ऽ	श	प	रा	ये	ऽ	झ	मे	ऽ	ला	ऽ
स	-	र	र	ग	-	-	-	*	र	-	र	र	म	ग	र
दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	ऽ	ऽ	*	जा	ऽ	ना	दे	ऽ	श	प
स	-	स	-	-	-	-	-	*	न	न	न	न	सं	न	सं
रा	ऽ	ये	ऽ	*	*	*	*	*	जी	व	न	को	ऽ	ए	क
❀	न	न	ध	पध	न	प	-	न	न	न	न	न	सं	न	सं
❀	स	प	ना	जाऽ	ऽ	नो	ऽ	ऽ	जी	व	न	को	ऽ	ए	क
❀	न	न	ध	पध	न	प	-	न	न	न	न	नध	प	म	-
❀	स	प	ना	जाऽ	ऽ	नो	ऽ	ज	ग	स	प	नेऽ	ऽ	की	ऽ
ग	र	-	स	सर	ग	र	-	*	प	प	प	पध	-	ध	प
ऽ	छा	ऽ	या	मा	ऽ	नो	ऽ	*	फि	र	का	हेऽ	ऽ	की	ऽ
म	-	ग	ग	र	-	स	ऩ	स	-	र	र	र	ग	स	र
हा	ऽ	य	रे	पं	ऽ	छी	ऽ	बा	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
प	प	प	प	पध	न	ध	प	म	-	ग	ग	र	-	स	ऩ
ऽ	फि	र	का	हेऽ	ऽ	की	ऽ	हा	ऽ	य	रे	पं	ऽ	छी	ऽ

स	-	र	र	ग	-	-	-	*	र	-	र	र	म	ग	र
बा	ऽ	ब	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	*	रो	ऽ	ना	रा	ऽ	ग	सु
स	-	स	स	र	-	स	न्	स	-	र	र	ग	-	-	-
ना	ये	ऽ	रे	पं	ऽ	छी	ऽ	बा	ऽ	ब	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
*	र	-	र	र	म	ग	र	स	स	-	म	ग	र	स	न्
*	रो	ऽ	ना	रा	ऽ	ग	सु	ना	ये	ऽ	झ	मे	ऽ	ला	ऽ
स	-	र	र	ग	-	-	-								
दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	ऽ	ऽ	जाना देश पराये..............।							
❀	प	प	प	प	-	प	म	❀	प	न	न	ध	-	प	-
❀	ग	ढ़	ने	वा	ऽ	ला	ऽ	❀	ग	ढ़े	खि	लो	ऽ	ने	ऽ
*	ग	ग	ग	ग	-	म	-	*	म	प	प	ग	-	स	-
*	को	ई	रं	गी	ऽ	ले	ऽ	*	को	ई	स	लो	ऽ	ने	ऽ
ग	ग	ग	ग	ग	-	म	-	*	म	प	प	ग	-	स	-
ऽ	को	ई	रं	गी	ऽ	ले	ऽ	*	को	ई	स	लो	ऽ	ने	ऽ
*	सं	-	सं	न	-	ध	प	म	ग	-	ग	र	-	स	न्
*	जै	ऽ	से	वा	ऽ	म	न	भा	ये	ऽ	रे	पं	ऽ	छी	ऽ
स	-	र	र	ग	-	-	-								
बा	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	रोना राग..................।							

33—N. P. K. 4—41

आंधी आई प्रेम की...........?

श्री भारत लक्ष्मी पिक्चर्स		ताल		गायक
"मतवाली मीरा"	✠ ✠	"कहरवा"	✠ ✠	कमला झ० फ़िदाहुसेन

आंधी आई प्रेम की, मीरा उड़ी अकाश ।
झूँठे जग को छोड़कर, पहुंची गिरधर पास ॥
आज आना कल जाना बाबा, आज आना कल जाना ।
ये जग है दो दिन का मेला, झूंठा नेह लगाना ॥
हे देवी हे मीराबाई, हम देते हैं राम दुहाई ।
इस आरत भारत भूमी पर, एक बार फिर आना ॥ आज...॥
फिर ज्ञान ध्यान की लूट मची, फिर प्रेम नदी लहराई ।
फिर दिलसे दिलके तार मिले, फिर जोति में जोति समाई ॥
दीन दयाल दया के सागर, इतनी करुणा करना हम पर ।
मीरा जैसे रत्नों से भारत की शान बढ़ाना ॥ आज...॥

(ठेका बन्द)

गं	-	गं	-	गं	-	रं	सं	-	नसं	नसं	गं	रं	सं	न	सं	-
आँ	ऽ	धी	ऽ	आ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	प्रेऽ	ऽऽ	म	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

												सं		न					
ध	-	रं	-	रं	सं	-	सं	नसं	नरं	सं	-	रं	सं	सं	न	प	प	प	-
मी	ऽ	रा	ऽ	उ	ड़ी	ऽ	अ	काऽ	ऽऽ	स	ऽ	झू	ऽ	ठे	ऽ	ज	ग	को	ऽ

			म															
पध	न	ध	प	-	म	-	ग	ग	प	-	ध	ध	न	न	धन	संरं	नसं	-
छोऽ	ऽ	ड़	के	ऽ	ऽ	ऽ	प	हुं	ची	ऽ	गि	र	ध	र	पाऽ	ऽऽ	सऽ	ऽ

(ठेका शुरू)

+				+				+				+			
स	र	र	म	म	-	म	ग	ग	म	प	ध	प	म	म	-
आ	ऽज	आ	ऽ	ना	ऽ	क	ल	जा	ऽ	ना	ऽ	बा	ऽ	बा	ऽ

ग	म	ग	र	स	र	ग	म	र	ग	स	र	(ऩ)स	-	-	-
आ	ऽज	आ	ऽ	ना	ऽ	क	ल	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	ध	सं	सं	-	सं	रं	न	रं	सं	न	ध	प	प	-
आ	ऽज	आ	ऽ	ना	ऽ	क	ल	जा	ऽ	ना	ऽ	बा	ऽ	बा	ऽ
प	-	प	-	प	ध	न	सं	ध	न	प	ध	(म)प	-	-	-
आ	ऽज	आ	ऽ	ना	ऽ	क	ल	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ
ग	प	प	प	प	-	प	ध	म	ध	प	म	ग	र	ग	म
थे	ऽ	ज	ग	है	ऽ	दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	मे	ऽ	ला	ऽ
स	र	स	ऩ	स	र	ग	म	र	ग	स	र	(ऩ)स	-	-	-
भू	ऽ	ठा	ऽ	ने	ऽ	ह	ल	गा	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ
गं	-	गं	रं	सं	रं	न	-	सं	रं	गं	मं	सं	रं	सं	-
हे	ऽ	दे	ऽ	वी	ऽ	हे	ऽ	मी	ऽ	रा	ऽ	बा	ऽ	ई	ऽ
गं	गं	गं	रं	सं	रं	न	-	सं	रं	गं	मं	सं	रं	सं	-
ह	म	दे	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	रा	ऽ	म	दु	हा	ऽ	ई	ऽ
सं	गं	गं	रं	रं	सं	सं	-	न	रं	सं	न	ध	प	प	-
इ	स	आ	ऽ	र	त	भा	ऽ	र	त	भू	ऽ	मी	ऽ	प	र

प	ध	न	सं	-	सं	सं	रं	न	सं	न	रं	सं	-	-	-
ए	ऽ	क	बा	ऽ	र	फि	र	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ

आज आना कल जाना बाबा..........................।

(ठेका बन्द)

प	ध	न	सं	सं	सं	-	सं	सं	रं	न	सं	न	रं	सं	-	-	-
फि	र	आ	ऽ	न	ध्या	ऽ	न	की	ऽ	लू	ऽ	ट	म	ची	ऽ	ऽ	ऽ

प	ध	नसं	रंगं	गं	गं	गं	-	-	-	(सं) रं	-	न	न	न	सं	-	-	-
फि	र	प्रेऽ	ऽऽ	म	न	दी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ह	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

रं	गं	-	सं	रं	सं	-	सं	रं	गं	मं	मं	-	गं	पं	मं	-	गं	रं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	फि	र	दि	ल	से	ऽ	दि	ल	के	ऽ	ता	ऽ

सं	रं	गं	-	ध	ध	रं	-	रं	रं	रं	-	सं	रं	न	सं	न	रं	सं	-
र	मि	ले	ऽ	फि	र	जो	ऽ	त	में	जो	ऽ	त	स	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ

(ठेका शुरू)

स	प	प	प	प	-	प	ध	म	ध	प	म	ग	म	प	प
दी	ऽ	न	द	या	ऽ	ल	द	या	ऽ	के	ऽ	सा	ऽ	ग	र
न	न	न	सं	(न) ध	ध	ध	प	म	प	ग	म	प	ध	म	प
इ	त	नी	ऽ	क	रु	णा	ऽ	क	र	ना	ऽ	ह	म	प	र

प	ध॒	न॒	सं	सं	-	सं	रं॒	न॒	सं	न॒	रं॒	सं	-	-	-
मी	ऽ	रा	ऽ	जै	ऽ	से	ऽ	र	त	नों	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ
प	सं	सं	न॒	न॒	ध॒	प	-	म	ध॒	प	म	ग॒	रे॒	स	-
भा	ऽ	र	त	की	ऽ	शा	ऽ	न	ब	ढ़ा	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ

आज आना कल जाना बाबा………………………।

34—B. N. B.

जागो जागो पंछी………………!

हंस पिक्चर्स		ताल		गायिका
"घरकी रानी"		कहरवा		'मीनाक्षी'

जागो जागो पंछी। भोर भई रे।
सूरज केसर थाली लाया। जग में उजियाला फैलाया।
चकवी पिया मिलन गई रे। भोर भई रे…………॥
मैं अपने घर की रानी, मैं भरूं झमाझम पानी।
मेरा राज रसोई घर में मोहे सास असीस दई रे। भोर भई रे……॥

+				+				+				+			
र	ग॒	स	-	*	र	म	म	-	प	ध॒	-प	-	-	-	-
जा	ऽ	गो	ऽ	*	जा	ऽ	गो	ऽ	पं	ऽ	छी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	म	प	ध॒	म	प	-	म	-	र	ग॒	म	प	ध॒	म	-
भो	ऽ	र	ऽ	भ	ई	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	*	*	*

र	म	प	ध	मप	न	-	ध	-	ध	-	प	ध	प	म	-
भो	ऽ	र	ऽ	भऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ

जागो जागो पंछी.......................!

❀	सं	सं	न	नसं	रं-	सं	सं	धन	सं	ध	प	ध	न	सं	-
❀	सू	र	ज	केऽ	ऽऽ	स	र	क्याऽ	ऽ	री	ऽ	ला	ऽ	या	ऽ

सं	सं	न(रं)	-	न	न	धन	धन	पध	पध	म	-	गम	पध	प	-
ज	ग	में	ऽ	उ	जि	याऽ	ऽऽ	ला	ऽऽ	फै	ऽ	लाऽ	ऽऽ	या	ऽ

ध	ध	ध	-	ध	ध	-	ध	ध	ध	-	म	प	-	म	-
च	क	वी	ऽ	पि	या	ऽ	मि	ल	न	ऽ	ग	ई	ऽ	रे	ऽ

भोर भई रे जागो जागो पंछी...............!

प	सं	सं	सं	सं	-	न	न	ध	प	ध	न	सं	-	-	-
मैं	ऽ	अ	प	ने	ऽ	घ	र	की	ऽ	रा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ

न	ध	न	सं	-	ध	न	-	ध	प	ध	रं	रं	-	-	-
मैं	ऽ	भ	रूं	ऽ	झ	मा	ऽ	झ	म	पा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ

म	ध	ध	-	ध	ध	ध	-	ध	न	प	न	ध	प	-	-
मे	रा	रा	ऽ	ज	र	सो	ऽ	ई	ऽ	घ	र	में	ऽ	ऽ	ऽ

म	ध	ध	-	ध	ध	ध	-	ध	न	प	न	ध	-	प	म
मो	हे	सा	ऽ	स	अ	सी	ऽ	स	द	ई	ऽ	ऽ	ऽ	रे	ऽ

भोर भई रे, जागो-जागो पंछी भोर भई रे!

मदभरी रुत जवानी हैऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽऽ!

न्यूथियेटर्स लि०		ताल		गायक
"नर्तकी"	卐 卐	दादरा व कहरवा	卐 卐	पङ्कज मल्लिक

मदभरी रुत जवानी है!

गाल रंग भरे, मन उमङ्ग भरे, आंख रस टपकाये। रुत जवानी है!

डाल की लचक, पात की लहक, फूलकी महक ललचाये।

उमंगे जोबनवा जोर दिखाये, कली-कली मुसकाये॥ मदभरी......॥

चंचल रूप चमकती दामिन, ललचा कर तरसाये।

इसी लगन में ऐसा डूबे, आप भी गुम हो जाये॥ रुत जवानी है......॥

(बैंक ग्राउन्ड म्यूज़िक—ताल दादरा)

+			o			+			o			+			o		
म़	–	ध़	–	ध़	–	म़	–	ध़	–	ध़	–	म़	–	ध़	–	ध़	–
म़	–	ध़	–	ध़	–	म़	प़	ध़	स	र	ग	म	–	ध	प	म	ग
प	–	–	म	–	–	ग	–	–	स	–	–	म	–	–	–	–	–
म़	–	–	–	–	–	ध़	–	–	स	–	–	र	–	–	ग	–	–
स	–	–	–	–	–	म़	–	–	–	–	–	म़	–	प़	–	ध़	–
स	–	ग	–	र	–	स	–	म	–	ग	–	र	–	प	–	म	–
ग	–	ध	–	प	–	म	–	र	–	ग	–	म़	–	प़	–	ध़	–
स	–	ग	–	र	–	स	–	म	–	ग	–	र	–	प	–	म	–
ग	–	ध	–	प	–	म	–	र	–	ग	–						
ध़	ध़	स	ध	–	–	–	–	–	–	–	–	पध	पम	पम	गम	गर	गर
म	द	भ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

स	-	-	-	_	ध़	ध़	ध़	स	सर	ग	ग	र	र	ग	स	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रु	त	ज	वाऽ	ऽ	नी	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	ध	प	-	-	मप	मग	मग	रग	र	स	ध़	ध़	स	सर	ग	ग
म	द्	भ	री	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	रु	त	ज	वाऽ	ऽ	नी
र	र	ग	स	-	-												
है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ												

(ठेका कहरवा)

।				।				०				।			
र	ग	म	ग	र	स	ध़	ऩ	र	-	-	-	-	-	ध़	ऩ
र	-	-	-	-	-	ग	म	प़	ध़	ऩ	स	र	ग	म	प
म	ध	प	म	गम	प	म	ग	र	म	ग	र	सर	ग	र	स
ऩ	र	स	ऩ	प़ध़	ऩ	ध़	प़	म़	प़	ध़	ऩ	स	र	ग	प

(ठेका दादरा)

+			०			+			०			+			०		
म	-	ग	र	स	र	ध़	ध़	स	सर	ग	ग	र	र	ग	स	-	-
*	*	*	*	*	*	रु	त	ज	वाऽ	ऽ	नी	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	-	र	स	ऩ	स	सर	ग	-	-	-	-	स	ऩ	सर	म	ग	र
गा	ऽ	ल	रं	ग	भ	रेऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	न	उमं	ऽ	ग	भ

स ऩ स रग रम गम	ग - र स ऩ स	सर ग - - - -
रे ऽ ऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ	गा ऽ ल रं ग भ	रेऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
स ऩ स रम ग र	सऩ स - - - -	प प प प प प
म न उ मंऽ ग भ	रेऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	आं ख र स ट प
पध पध प म ग म	पध मप - - - -	स स स सर ग र
काऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	ऽऽ येऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	रु त ज वाऽ ऽ नी
ग - - रस - -	स र प म - -	गम गर गर सर सऩ धऩ
है ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ	म द भ री ऽ ऽ	ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ
ध़ ध़ स सर ग ग	र र ग स गम पध	स - - - धसं धप
रु त ज वाऽ ऽ नी	है ऽ. ऽ ऽ (म्यूज़िक)	... ...
म - - - गम पध	प - - - गप गर	स - - - गम पध
सं - - - धसं धप	म - - - गम पध	प - - - गप गर

म्यूज़िक (ठेका–कहरवा)

स - स म	- स म -	स - स म	- स म -
स - स म	- स म -	स - स म	- स म -
सं - - -	- - - -	न सं ध न	प ध म प
ग म र ग	स र ऩ स	ध़ ऩ प़ ध़	म़ प़ ग़ म़
स - - -	- म ग र	स - - -	- ध प म
ग - - -	- म ग र	स - प़ स	प़ स - -

(गाना--कहरवा)

×				।				×				।			
प़	-	प़	ध़॒	-	प़	म़	प़	स	-	स	स	-	स	ऩ	स
डा	ऽ	ल	की	ऽ	ल	च्च	क	पा	ऽ	त	की	ऽ	ल	ह	क
स	र	र	र	-	र	र	र	र	म	ग॒	र	स	ऩ	स	र
फू	ऽ	ल	की	ऽ	म	ह	क	ल	ल	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये
स	-	प़	ध़॒	-	प़	म़	प़	स	-	स	स	-	स	ऩ	स
डा	ऽ	ल	की	ऽ	ल	च	क	पा	ऽ	त	की	ऽ	ल	ह	क
स	र	र	र	-	र	र	र	र	म	ग॒	र	स	ऩ	स	-
फू	ऽ	ल	की	ऽ	म	ह	क	ल	ल	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये
स	प	-	प	म	प	म	प	-	-	-	-	-	-	-	-
उ	मंगे	ऽ	जो	ब	न	वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	प	-	प	प	प	ग॒	म	प	ध॒	-	प	ग॒	-	र	-
उ	मंगे	ऽ	जो	ब	न	वा	ऽ	जो	ऽ	ऽर	दि	खा	ऽ	ये	ऽ
ग॒	प	-	प	ग॒	-	र	ग॒	स	-	-	-	-	-	-	-
क	ली	ऽ	क	ली	ऽ	मु	स	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये

(दादरा)

स	र	प	म	-	-	गम	गर	गर	सर	सऩ॒	ध़ऩ॒	ध़	ध़	स	सर	ग	ग
म	द	भ	री.	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	रु	त	ज	वाऽ	ऽ	ती

र	र	ग	स	–	–	सं	संध	–ध	पध	पम	पम	प	धग	–प	ध	नसं	–मं
है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	(म्यूज़िक)	…	…	…	….		…	…	…	…	…	…

(कहरवा)

गं	–	–	गं	रं	गं	मं	गं	रं	सं	ध	न	रं	गं	मं	गं
रं	–	–	गं	रं	गं	पं	मं	गं	–	–	गं	सं	रं	मं	पं
धं	पं	मं	पं	ध	–	ध	ध	पध	प	म	प	ध	–	ध	–
(गाना ☞)				चं	ऽ	च	ल	रूऽ	ऽ	ऽप	च	म	क	ती	ऽ
ध	–	ध	–	म	प	प	–	प	प	म	ध	प	–	–	–
दा	ऽ	मि	न	ल	ल	चा	ऽ	क	र	त	र	सा	ऽ	ऽ	य
म	पम	र	–	र	मर	स	–	–	–	–	–	स	र	म	प
ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	(बाजा)		…	…
ध	प	म	प	ध	–	ध	ध	पध	प	म	प	ध	–	ध	–
…	…	…	…	चं	ऽ	च	ल	रूऽ	ऽ	ऽप	च	म	क	ती	ऽ
ध	सं	ध	–	म	प	प	–	प	प	म	ध	प	–	–	–
दा	ऽ	मि	न	ल	ल	चा	ऽ	क	र	त	र	सा	ऽ	ऽ	य
म	पम	र	–	र	मर	स	–	स	स	र	र	र	र	र	–
ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	इ	सी	ऽ	ल	ग	न	में	ऽ

स	स	र	र	र	र	र	-	र	म	म	ग	ग	र	र	-
❀	❀	*	❀	❀	❀	❀	❀	ऐ	ऽ	सा	ऽ	डू	ऽ	वे	ऽ
र	म	म	ग	ग	र	र	-	स	र	-	र	र	र	र	-
❀	*	*	*	*	❀	*	*	इ	सी	ऽ	ल	ग	न	में	ऽ
र	म	म	ग	ग	र	र	-	ग	-	-	ग	ग	ग	ग	प
ऐ	ऽ	सा	ऽ	डू	ऽ	बे	ऽ	आ	ऽ	ऽप	ही	गु	म	हो	ऽ
म	-	-	-												
जा	ऽ	ऽ	य												

(दादरा)

गम	गर	गर	सर	सऩ	धऩ	ध़	ध़	स	सर	ग	ग	र	र	ग	स	-	-
❀	❀	❀	*	*	❀	रु	त	ज	वाऽ	ऽ	नी	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

मद भरी रुत जवानी..।

36—P. B. M

ऐसा गीत सुनाजा श्याम.....!

सुप्रीम पिक्चर्स	ताल	गायक
"मेरी आंखें"	"कहरवा"	खुर्शीद और कोरस

ऐसा गीत सुनाजा, श्याम ! ऐसा गीत सुनाजा ।
बंसी मधुर बजाजा श्याम, ऐसा गीत सुनाजा ।
हम अंधे हैं जग अंधा है, ये दुनिया गोरख धंदा है ।
ऐसी राह बताजा श्याम ! ऐसा गीत सुनाजा ।
हम आपस में लड़ते मरते, जग में ज़हर भरा करते ।
हर मनमें प्रीत समाजाये, हर मन वृन्दावन बन जाये ॥
जीवन मधुर बनाजा श्याम ! ऐसा गीत सुनाजा ।

+				।				+				।			
❀	सं	-	सं	ध	प	म	प	ग	-	म	-	म	सं	म	सं
❀	ऐ	ऽ	सा	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	जा	ऽ	❀	❀	❀	❀
❀	सं	-	सं	ध	प	म	प	ग	-	म	-	मध	पम	गप	मग
❀	ऐ	ऽ	सा	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	जा	ऽ	श्याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
-	म	प	म	ग	र	ग	म	म	स	स	-	ग	म	ध	न
ऽम	ऐ	ऽ	सा	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	जा	ऽ	❀	❀	❀	❀
सं	सं	-	सं	ध	प	म	प	ग	-	म	-	-	-	-	मप
❀	ऐ	ऽ	सा	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	जा	ऽ	ऽ	❀	❀	❀
ध	ध	-	ध	प	प	म	म	ग	प	म	-	मप	धन	न	-
❀	बं	ऽ	सी	म	धु	र	ब	जा	ऽ	जा	ऽ	श्या	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
ध	ध	-	ध	प	प	म	म	ग	प	म	-	सर	गम	पध	पम
म	बं	ऽ	सी	म	धु	र	ब	जा	ऽ	जा	ऽ	श्याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
ग	ग	प	म	ग	र	ग	म	म	स	स	-	ग	म	ध	न
ऽम	ऐ	ऽ	सा	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	जा	ऽ	❀	❀	❀	❀
सं	सं	-	सं	ध	प	म	प	ग	-	म	-	म	सं	म	सं
❀	ऐ	ऽ	सा	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	जा	ऽ	❀	❀	❀	❀
❀	सर	ग	-	ग	म	म	-	❀	प	प	-	ग	म	मप	गम
❀	हम	अं	ऽ	धे	ऽ	हैं	ऽ	❀	जग	अं	ऽ	धा	ऽ	हैऽ	ऽऽ

-स	सरे	ग	-	ग	म	म	-	*	प	प	-	ग	म	म	-
ऽऽ	हम	अं	ऽ	धे	ऽ	हैं	ऽ	*	जग	अं	ऽ	धा	ऽ	है	ऽ
*	ध	ध	न	धन	धप	म	-	म	पध	न	-	ध	-	प	-
*	ये	दु	नि	यांऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	गो	रख	धं	ऽ	धा	ऽ	है	ऽ
*	ध	ध	न	धसं	नध	पध	म	म	पध	न	-	ध	-	प	-
*	ये	दु	नि	यांऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	गो	रख	धं	ऽ	धा	ऽ	है	ऽ
*	सं	-	सं	ध	प	म	प	ग	-	म	-	गम	पध	नध	पध
*	ऐ	ऽ	सी	रा	ऽ	ह	ब	ता	ऽ	जा	ऽ	❀	❀	❀	❀
सं	सं	-	सं	ध	प	म	प	ग	-	म	-	मध	पम	गप	मग
*	ऐ	ऽ	सी	रा	ऽ	ह	ब	ता	ऽ	जा	ऽ	श्याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
-	ग	प	म	ग	रे	ग	म	म	स	स	-	ग	म	ध	न
ऽम	ऐ	ऽ	सा	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	जा	ऽ	❀	❀	❀	❀
सं	सं	-	सं	ध	प	म	प	ग	-	म	-	म	सं	म	सं
❀	ऐ	ऽ	सा	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	जा	ऽ	❀	❀	❀	❀
❀	रें	रें	-	रें	रें	रें	-	-	गं	रें	सं	न	रें	सं	-
❀	हम	आ	ऽ	प	स	में	ऽ	❀	ल	ड़	ते	म	र	ते	ऽ
*	न	न	-	ध	प	म	-	म	प	ध	न	ध	प	-	-
*	जग	में	ऽ	ज़	ह	र	ऽ	भ	रा	ऽ	कर	ते	ऽ	ऽ	ऽ

*	न	न	–	ध	प	म	–	म	प	ध	न	ध	प	ध	न
*	जग	में	ऽ	ज़	ह	र	ऽ	भ	रा	ऽ	कर	ते	ऽ	ह	र
न	सं	सं	रं	सं	न	सं	गं	रं	रं	सं	–	न	ध	ध	न
म	न	में	ऽ	ऽ	ऽ	ह	र	म	न	में	ऽ	ऽ	ऽ	ह	र
न	सं	सं	–	*	नसं	ध	प	*	प	पन	ध	प	–	प	प
में	न	में	ऽ	*	प्रीऽ	त	ऽ	*	स	माऽ	जा	ये	ऽ	ह	र
ध	ध	*	ध	प	म	म	म	ग	ग	प	प	म	–	प	न
म	न	*	त्रि	दा	ऽ	ब	न	ऽ	ब	न	जा	ये	ऽ	ह	र
ध	ध	ध	ध	प	म	म	म	ग	ग	प	प	म	–	–	–
ऽ	म	न	त्रि	दा	ऽ	ब	न	ऽ	ब	न	जा	ये	ऽ	ऽ	ऽ
* सं	–	संन		ध	प	म	प	ग	–	म	–	गम	धप	मप	नध
* जी	ऽ	वन		म	धु	र	ब	ना	ऽ	जा	ऽ	*	*	*	*
सं	सं	–	संन	ध	प	म	प	ग	–	म	–	मध	पम	गप	मग
*	जी	ऽ	वन	म	धु	र	ब	ना	ऽ	जा	ऽ	श्याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
ग	ग	प	म	ग	र	ग	म	म	स	स	–	ग	म	ध	न
ऽम	ऐ	ऽ	सा	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	जा	ऽ	*	*	*	*
सं	सं	–	सं	ध	प	म	प	ग	–	म	–	मध	पम	गप	मग
*	ऐ	ऽ	सा	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	जा	ऽ	श्याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

-	ग	प	म	ग	र	ग	म	म	ल	ल	-	ग	म	ध	न
ऽम	ऐ	ऽ	ला	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	जा	ऽ	❋	❋	❋	❋

सं	-	-	-	-	-	-	-	
❋	❋	❋	❋	❋	❋	❋	❋	37—N. P. K.

भूला भूला मन फिरता है····।

"रणजीत" मोवीटोन	❋❋	ताल	❋❋	गायक
फिल्म "परदेसी"	❋❋	"कहरवा"	❋❋	"कांतीलाल"

भूला भूला मन फिरता है, माया में भरमाया भाई।
कौन देश है जाना इसको, कौन देश से आया भाई॥ माया में···॥
भटक रहा है मन मतवाला, लेकर दिलका टूटा प्याला।
देखा जिसकी आँख में पानी, अपना हाथ बढ़ाया भाई॥ माया में···॥
भूलगया है सब कुछ अपना, भूलगया जीवन का सपना।
जिसने जादू डारा उसपै, अपना हुआ पराया भाई॥ माया में···॥

❋ बिना ताल ❋

न - न न सं सं - - - - - - - - ❋ ❋ रं - रं रं - सं - -
भू ऽ ला ऽ भू ऽ ला ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ❋ ❋ भू ऽ ला भू ऽ ला ऽ ऽ

- - - न न न न ध - ध न ध प - - - - - - ❋ न -
ऽ ऽ ऽ म न फि र ता ऽ है ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ❋ भू ऽ

न न स स - - - ❋ स ग ग ग ग म प -
ला भू ऽ ला ऽ ऽ ऽ ❋ म न फि र ता ऽ है ऽ

(ठेका कहरवा शुरू)

+				।				+				।			
*	प	–	न	ध	–	प	म	म	प	म	ग	–	गम	प	–
❀	मा	ऽ	या	में	ऽ	भ	र	मा	ऽ	या	ऽ	ऽ	भाऽ	ई	ऽ
*	ग	–	म	ग	–	र	स	र	–	स	–	–	–	(र)	–
*	मा	ऽ	या	में	ऽ	भ	र	मा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	ऩ	–	ऩ	ऩ	स	स	–	स	ग	ग	ग	ग	म	(प)	–
*	भू	ऽ	ला	भू	ऽ	ला	ऽ	म	न	फि	र	ता	ऽ	है	ऽ
❀	प	–	न	ध	–	प	म	म	प	म	ग	–	गम	प	–
❀	मा	ऽ	या	में	ऽ	भ	र	मा	ऽ	या	ऽ	ऽ	भाऽ	ई	ऽ
❀	ग	–	म	ग	–	र	स	र	–	स	–	–	–	–	–
*	मा	ऽ	या	में	ऽ	भ	र	मा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	न	न	–	न	सं	–	❀	रं	रं	रं	–	रं	सं	–
*	कौ	न	दे	ऽ	श	है	ऽ	❀	कौ	न	दे	ऽ	श	है	ऽ
*	न	–	न	ध	प	ध	न	ध	प	–	–	–	–	ध प	–
*	जा	ऽ	ना	इ	स	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	प	प	न	ध	प	प	म	म	प	म	ग	–	गम	प	–
*	कौ	न	दे	ऽ	श	से	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	भाऽ	ई	ऽ

*	ग	-	म	ग	-	र	स	र	-	स	-	-	-	-	-
*	मा	ऽ	या	में	ऽ	भ	र	मा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

भूला भूला मन फिरता है माया में..............................।

*	म	म	म	म	-	म	-	*	ग	र	स	र	ग	ग	र
ऽ	भ	टक	र	हा	ऽ	है	ऽ	*	बन	म	त	वा	ऽ	ला	ऽ

-	-	-	-	-	-	-	-	ध	ध	ध	ध	ध	-	ध	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ले	क	र	दि	ल	का	ऽ

*	ध	-	न॒	ध	-	प	ध	प	म	-	-	-	-	-	-
*	टू	ऽ	टा	प्या	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	प	-	ध	ध	सं	सं	-	*	रं	रं	रं	रं	-	रं	सं
*	दे	ऽ	खा	जि	स	की	ऽ	*	आं	ख	में	पा	ऽ	नी	ऽ

-	-	-	-	ध	न॒	ध	प	*	प	-	ध	ध	सं	सं	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	दे	ऽ	खा	जि	स	की	ऽ

*	रं	रं	रं	रं	-	रं	सं	-	-	-	-	-	-	सं	प
*	आं	ख	में	पा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	प	प	न॒	ध	-	प	म	प	-	म	ग	-	गम	प	-
*	अ	प	ना	हा	ऽ	थ	ब	ढ़ा	ऽ	या	ऽ	ऽ	भाऽ	ई	ऽ

❋	ग	-	म	ग	-	र	स	र	-	स	-	-	-	(र)	-
❋	मा	ऽ	या	में	ऽ	भ	र	मा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

भूला भूला मन फिरता है माया में……………।

❋	स	-स	स	र	म	म	-	म	प	ध	सं	ध	प	म	ध
❋	भू	ऽल	ग	या	ऽ	है	ऽ	स	ब	कु	छ	अ	प	ना	ऽ
-	-	-	-	-	-	-	-	❋	ध	-ध	ध॒	ध	-	❋	❋
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❋	भू	ऽल	ग	या	ऽ	❋	❋
❋	ध	-ध	ध॒	ध	-	❋	❋	ध	ध	-	न॒	ध	प	प	ध
❋	भू	ऽल	ग	या	ऽ	❋	❋	जी	व	न्	का	स	प	ना	ऽ
प	म	-	-	-	-	-	-	ध	ध	-ध	ध॒	ध	-	❋	❋
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भू	ऽल	ग	या	ऽ	❋	❋
ध	ध	-	न॒	ध	प	प	ध	प	म	-	-	-	-	-	-
जी	व	न्	का	स	प	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
❋	प	प	ध	ध	सं	सं	-	❋	रं	-		रं	रं	रं	सं
❋	कि	स	ने	जा	ऽ	दू	ऽ	❋	डा	ऽ	ला	उ	स	पे	ऽ
-	-	-	-	-	-	सं	प	-	प	प	म	ग	-	र	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि	स	ने	जा	ऽ	दू	ऽ

–	–	–	–	रं	–	–	–	* रं	–	रं	सं	रं	रं		सं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	* डा	ऽ	रा	उ	स	पे		ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	* प	प	नृ	ध	प	–		म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	* अ	प	ना	हु	आ	ऽ		प
प	–	म	ग	–	गम	प	–	* ग	–	म	ग	–	र		स
रा	ऽ	या	ऽ	ऽ	भाऽ	ई	ऽ	* मा	ऽ	या	में	ऽ	भ		र
र	–	स	–	–	–	(र)	–								
मा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भूला भूला मन फिरता है माया में.........।							

38—N. P. K.

मैं क्या जानूँ क्या जादू है.....!

न्यूथियेटर्स फिल्म	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायक
"ज़िन्दगी"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	"के० एल० सहगल"

मैं क्या जानूँ क्या जादू है ? जादू है, जादू है !
इन दो मतवाले नैनों में, जादू है ॥ मैं क्या जानूँ...॥
इक एक अथाह सागर सा है ।
इन दो मतवाले नैनों में, जादू है ॥ मैं क्या जानूँ...॥
मन पूछ रहा है अब मुझ से ।
नैनों ने कहा है क्या तुझ से ॥
जब नैन मिले नैनों ने कहा ।
अब नैन बसेंगे नैनों में ॥ मैं क्या जानूँ...॥

स्वरलिपि☞

	ग	प
	मैं	ऽ

गप	धन	सं	न	–	ध	पन	धप	गम	गर	ऩस	ऩध़	–	ऩ	–	स
क्याऽ	ऽऽ	ऽ	जा	ऽ	नूँ	क्याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	जा	ऽ	दू

					।		।								
ग	–	–	–	–	म	ग	म	ध	–	–	–	–	स	ऩ	स
है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	दू	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	दू

ग	–	–	–	–	–	ग	प	गप	धन	सं	न	–	ध	पन	धप
है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	क्याऽ	ऽऽ	ऽ	जा	ऽ	नूँ	क्याऽ	ऽऽ

गम	गर	ऩस	ऩध़	–	ऩ	–	स	ग	–	–	–	–	–	र	ग
ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	जा	ऽ	दू	है	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	इ	न

⌒	⌒ ।	।	।	।		।	।								
ग	म	म	म	म	–	गम	गम	ग	ग	र	र	र	–	–	–
दो	ऽ	म	त	वा	ऽ	लेऽ	ऽऽ	ऽ	नै	ऽ	नों	में	ऽ	ऽ	ऽ

ग र	–	स	–	–	स	ऩ	स	ग	–	–	–	–	–	ग	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	दू	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ

गप	धन	सं	न	–	ध	पन	धप	गम	गर	ऩस	ऩध़	–	ऩ	–	स
क्याऽ	ऽऽ	ऽ	जा	ऽ	नूँ	क्याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	जा	ऽ	दू

					।		।								
ग	–	–	–	–	म	ग	म	ध	–	–	–	–	स	ऩ	स
है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	दू	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	दू

								⌒	⌒						
ग	–	–	–	–	–	स	र	स	ग	ग	ग	ग	ग	ग	म
है	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	इ	क	ए	ऽ	क	अ	था	ऽ	सा	ऽ

र	ग	र	म	ग	-	र	ग	ग	म॑	म॑	म॑	म॑	-	गम॑	गम॑
ग	र	ला	ऽ	है	ऽ	इ	न	दो	ऽ	म	त	वा	ऽ	लेऽ	ऽऽ
ग	ग	र	र	र	स	ऩ	स	ग	-	-	-	-	म॑	ग	म॑
ऽ	नै	ऽ	नों	में	जा	ऽ	दू	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	दू
ध	-	-	-	-	स	ऩ	स	ग	-	-	-	-	-	ग	प
है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	दू	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	न
प	सं	सं	सं	सं	-	सं	-	न	ध	न	रं	सं	-	-	-
पू	ऽ	छ	र	हा	ऽ	है	ऽ	अ	ब	मु	झ	से	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	-	-	-	-	म॑	ध	ध	न	न	न	न	-	पम॑	ग
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नै	ऽ	नों	ऽ	ने	क	हा	ऽ	हैऽ	ऽ
म॑	ध	ध	सं	न	-	-	-	-	-	-	-	-	-	स	ध़
क्या	ऽ	तु	झ	से	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	ज	ब
ऩ	-	स	ध़	ऩ	-	ध़	ऩ	स	-	ग	स	स	ग	-	-
नै	ऽ	न	मि	ले	ऽ	नै	ऽ	नों	ऽ	ने	क	हा	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	-	-	-	-	ध़	ऩ	स	-	ग	स	ग	-	स	ध़
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	नै	ऽ	नों	ऽ	ने	क	हा	ऽ	ज	ब
ऩ	-	स	ध़	ऩ	-	ध़	ऩ	स	-	ग	स	ग	-	ग	ग
नै	ऽ	न	मि	ले	ऽ	नै	ऽ	नों	ऽ	ने	क	हा	ऽ	अ	ब

म	ध	ध	ध	नसं	रंगं	गं	-	सं	सं	नसं	न	ध	-	ग	प
नै	ऽ	न	व	सेंऽ	ऽऽ	गे	ऽ	ऽ	नै	ऽऽ	नों	में	ऽ	मैं	ऽ

क्या जानूं क्या जादू है...।

39-N. P. K. 7-41

अबरू की कमानों में.........!

ग्रेट इन्डिया पिक्चर्स		ताल		गायक
"स्नेह बन्धन"		"कहरवा"		मिस बिब्बो व मस्ताना

अबरू की कमानों में और नैन के बानों में।
मस्ती के तरानों में देखा तो तूही तू है। अबरू की.......॥
बेचैनी की आहों में, घायल की निगाहों में।
चमकी हुई चाहों में, देखा तो तूही तू है। अबरू की.......॥
गंगा की तरंगों में, प्रेमी की उमंगों में।
दीपक के पतंगों में, देखा तो तूही तू है। अबरू की.........॥

स्वरलिपि ☞

														प	प
														अ	ब
×				×				×				×			
म	-	ग	ग	सर	ग	रम	गर	स	-	-	-	-	-	स	स
रू	ऽ	की	क	माऽ	ऽ	नोंऽ	ऽऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	औ	र
र	म	म	म	पध	नसं	नध	पध	प	-	-	-	-	-	प	प
नै	ऽ	न	के	बाऽ	ऽऽ	नोंऽ	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ब
म	-	ग	ग	सर	ग	रम	गर	स	-	-	-	-	-	ग	म
रू	ऽ	की	क	माऽ	ऽ	नोंऽ	ऽऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ

प	न	न	न	न	ध	धन	संरं	नसं	-	-	-	-	-	न	सं
स्ती	ऽ	के	त	रा	ऽ	नोऽ	ऽ	मेंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दे	ऽ
नसं	रं	सं	न	ध	म	मप	धप	म ग	-	स	र	-	-	प	प
खाऽ	ऽ	तो	तू	ऽ	ही	तूऽ	ऽऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ब
म	-	ग	ग	सर	ग	रम	गर	स	-	-	-	-	-	स	स
रू	ऽ	की	क	माऽ	ऽ	नोऽ	ऽऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	औ	र
र	म	म	म	पध	नसं	नध	पध	प	-	-	-	-	-	ध	न
नै	ऽ	न	के	बाऽ	ऽऽ	नो	ऽऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बे	ऽ
न	रं	रं	रं	रं	सं	संरं	गं	रं	-	-	-	नध	प	प	-
चै	ऽ	न	की	आ	ऽ	हौंऽ	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	धा	ऽ
ध	सं	सं	सं	रं	-	संरं	गं	रं	गं	रं	न	सं	-	ग	म
य	ल	की	नि	गा	ऽ	हौंऽ	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	च	म
प	न	न	न	न	ध	धन	संरं	नसं	-	-	-	-	-	न	सं
की	ऽ	हु	ई	चा	ऽ	हौंऽ	ऽऽ	मेंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दे	ऽ
नसं	रं	सं	न	ध	म	मप	धप	म ग	-	स	र	-	-	प	प
खाऽ	ऽ	तो	तू	ऽ	ही	तूऽ	ऽऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ब
म	-	ग	ग	सर	ग	रम	गर	स	-	-	-	-	-	स	स
रू	ऽ	की	क	माऽ	ऽ	नोंऽ	ऽऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	औ	र

र	म	म	म	पध	नसं	नध	पध	प	–	–	–	–	–	ध	न
नै	ऽ	न	के	बाऽ	ऽऽ	नोंऽ	ऽऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गं	ऽ
न	रं	रं	रं	रं	सं	संरं	गं	रं	–	–	–	नध	प,	प	–
गा	ऽ	की	त	रं	ऽ	गोंऽ	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ,	प्रे	ऽ
ध	सं	सं	सं	रं	–	संरं	गं	रं	गं	रं	न	सं	–	ग	म
मी	ऽ	की	उ	मं	ऽ	गोंऽ	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दी	ऽ
प	न	न	न	न	ध	धन	संरं	नसं	–	–	–	–	–	न	सं
प	क	के	प	तं	ऽ	गोंऽ	ऽऽ	मेंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दे	ऽ
नसं	रं	सं	न	ध	म	मप	धप	म ग	–	स	र	–	–	प	प
खाऽ	ऽ	तो	तू	ऽ	ही	तूऽ	ऽऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	अ	ब

रू की कमानों में.....................................।

40–B. N. B.

सांझ भई बंजारे..............!

नेशनल स्टुडियो		ताल		गायक
"आसरा"		कहरवा		"अनिल विस्सास"

सांझ भई बंजारे, सांझ भई बंजारे।
डगर डगर की धूल उड़ाई, मन की आस न पाई।
फिरेगा कब तक मारा मारा, जा जा अब घर जारे॥
सांझ भई बंजारे.......................................।
मिलती हैं अब दोनों वेला, चिड़िया लेत बसेरा।
ज़रा देर में दिये जलाये, आते होंगे तारे॥
जा जा अब घर जारे, सांझ भई बंजारे..........॥

+				।				+				।			
स	ध़	स	र	ध	–	ध	–	ध	प	प	ध	–	–	पध	प
सां	ऽ	झ	भ	ई	ऽ	बं	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
प	पध	प	म	ग	–	र	–	स	र	र	म	–	–	–	–
सां	ऽऽ	झ	भ	ई	ऽ	बं	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ध	ध	ध	ध	ध	सं	सं	–	सं	रं	रं	रं	रं	रंग	सं	–
ड	ग	र	ड	ग	र	की	ऽ	धू	ऽ	ल	उ	ड़ा	ऽऽ	ई	ऽ
*	ध	न	सं	न	–	ध	प	प	म	मप	ध	–	–	प	–
*	म	न	की	आ	ऽ	स	न	पा	ऽ	ईऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	पध	न	न	न	न	न	न	*	धन	सं	न	पध	न	ध	–
फि	रेऽ	ऽ	गा	क	ब	त	क	*	माऽ	ऽ	रा	माऽ	ऽ	रा	ऽ
ध	न	प	ध	म	प	र	म	स	र	रग	मप	ध	–	प	–
जा	ऽ	जा	ऽ	अ	ब	ध	र	जा	ऽ	रेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	पध	प	म	ग	–	र	–	स	र	र	म	–	–	–	–
सां	ऽऽ	झ	भ	ई	ऽ	बं	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
स	ध़	स	र	ध	–	ध	–	ध	प	प	ध	–	–	पध	प
सां	ऽ	झ	भ	ई	ऽ	बं	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
प	पध	प	म	ग	–	र	–	स	र	र	म	–	–	–	–
सां	ऽऽ	झ	भ	ई	ऽ	बं	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

* स	म	म		म	-	म	म	* स	म	म		म	र	र	ध़
* मि	ऽल	ती		हैं	ऽ	अ	ब	* दो	ऽ	नों		बे	ऽ	ला	ऽ
* ध़	ध़	स		स	र	म	म	प	-	ध	-	न	-	संसं	नध
* चि	ड़ि	या		ले	ऽ	त	ब	से	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ
पम	म	म	म	म	-	म	म	* स	म	म		म	र	र	ध़
ऽऽ	मि	ऽल	ती	हैं	ऽ	अ	ब	* दो	ऽ	नों		बे	ऽ	ला	ऽ
ध	ध	ध	ध	सं	सं	सं	-	सं	सं	रं	रं	रं	रंगं	सं	-
ज़	रा	ऽ	दे	ऽ	र	में	ऽ	दि	या	ऽ	ज	ला	ऽऽ	ये	ऽ
* ध	सं	सं		न	-	ध	प	प	म	मप	ध	-	-	प	-
* आ	ऽ	ते		हों	ऽ	गे	ऽ	ता	ऽ	रेऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	न	प	ध	म	प	र	म	स	र	रग	मप	ध	-	प	-
जा	ऽ	जा	ऽ	अ	ब	घ	र	जा	ऽ	रेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	पध	प	म	ग	-	र	-	स	र	र	म	-	-	-	-
सां	ऽऽ	झ	भ	ई	ऽ	बं	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
स	ध़	स	र	ध	-	ध	-	ध	प	प	ध	-	-	पध	प
सां	ऽ	झ	भ	ई	ऽ	बं	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	पध	प	म	ग	-	र	-	स	र	र	म	-	-	-	-
सां	ऽऽ	झ	भ	ई	ऽ	बं	ऽ	जा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

जोगी मतजा, मतजा............!

श्रीभारत लक्ष्मी पिक्चर्स	ताल	गायिका
“मतवाली मीरा”	“कहरवा”	मुख़्तार बेगम

जोगी मतजा मतजा मतजा, पांव पड़ूं मैं तेरे।
प्रेम भक्ति का पैंड़ा है न्यारा, हमको गैल बताजा॥
अगर चन्दन की चिता बनाऊं, अपने हाथ जलाजा॥ जोगी......॥
जल-बल भई भस्म की ढेरी, अपने अङ्ग लगाजा॥ जोगी......॥
मीरा के प्रभु गिरधर नागर, जोति में जोति मिलाजा॥ जोगी......॥

(ठेका बन्द)

ध

स र नृ - स म म - - - - - ग - स प प - - - म -

जो ऽ गी ऽ म त जा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ म त जा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

- - प न न न - - - - प न सं - - - - प - - - -

ऽ ऽ म त जा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ म त जा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

(ठेका शुरू)

×				×				×				×			
				ग											
*	प	ग	ग	म	ग	गम	पन	प	गर	स	-	स	र	नृ	-
*	पां	व	प	ड़ू	ऽ	मैंऽ	ऽऽ	ऽ	तेऽ	रे	ऽ	जो	ऽ	गी	ऽ

मतजा मतजा मतजा मतजा पांव पड़ूं मैं तेरे........ ....।

* ग	म	प	-	प	न	-	* प	न	सं	पन	संगं	रं	सं
* प्रे	म	भ	ऽ	क्ति	का	ऽ	* पैं	ड़ा	है	न्याऽ	ऽऽ	रा	ऽ

सं	सं	सं	-	सरं	सरं	न	न	धन	धन	प	-	नध	संन	धप	मग
ह	म	को	ऽ	गैऽ	ऽऽ	ल	ब	ताऽ	ऽऽ	जा	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
सं	सं	सं	सं	संरं	संरं	न	न	धन	धन	प	-	-	-	-	-
ह	म	को	ऽ	गैऽ	ऽऽ	ल	ब	ताऽ	ऽऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	म	प	न	सं	रं	संरं	मं	गं	गं	-	गं	रंगं	रंगं	सं	-
अ	ग	र	चं	द	न	कीऽ	ऽ	चि	ता	ऽ	ब	नाऽ	ऽऽ	ऊं	ऽ
सं	सं	सं	-	न	-	ध	प	पन	धप	मध	पम	ग	र	स	-
अ	प	ने	ऽ	हा	ऽ	थ	ज	लाऽ	ऽऽ	जाऽ	ऽऽ	जो	ऽ	गी	ऽ

मतजा मतजा मतजा मतजा पांव पड़ूं मैं तेरे जोगी...............।

(ठेका बन्द)

ग ग म म ध ध - ध - ध धन सं धन सं सं - सं - सं रं न ध सं, सं सं

ज ल ब ल भ ई ऽ भ ऽ स्म कीऽ ऽ ऽऽ ऽ ढे ऽ री ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ अ प

सं - संरं मंग - रं सं ध न ध - म - ग - र - स - गं - गं - रं गं रं सं

ने ऽ अंऽ ऽऽ ऽ ग ल गा ऽ जा ऽ जो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ गी ऽ मी ऽ रा ऽ के ऽ प्र भु

सं सं सं सं रंरंसंन सं गं र सं गं - गं - र गं मं गं रं सं सं सं सं सं

गि र ध र नाऽऽऽ ऽ ऽ ग र मी ऽ रा ऽ के ऽ ऽ ऽ प्र भु गि र ध र

प	न	सं	गं	रं	सं
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ग	र

(ठेका शुरू)

प	सं	सं	सं	न	-	ध	प	ग	-	मप	धन	ग	र	स	-
जो	ऽ	त	में	जो	ऽ	त	मि	ला	ऽ	जाऽ	ऽऽ	जो	ऽ	गी	ऽ

मतजा मतजा मतजा मतजा पांव पड़ूं मैं तेरे ....।

42—B. N. B.

उठ सजनी खोल किवाड़े.... !

नेशनल स्टूडियो	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायक
फ़िल्म "औरत"	✠ ✠	"कहरवा"	✠ ✠	सुरेन्द्र व ज्योती

उठ सजनी खोल किवाड़े, तेरे साजन आये दुआरे ।
मेरी अँखियां नींद की माती, कोई काहे मुझको पुकारे ॥
तेरे साजन आये दुआरे, नहीं साजन कोई हमारे ।
तेरे साजन आये दुआरे, कोई काहे मुझको पुकारे ॥
(हम रूठ के सजनी जाने, जाओ न किसे डराते)
हम बिनती करते तेरी, बस आजा पास हमारे ॥

स्वरलिपि ☞

				स	स
				उ	ठ

×				।				×				।			
र	प	प	-	-	-	स	स	र	प	प	-	प	म	प	ध
स	ज	नी	ऽ	ऽ	ऽ	उ	ठ	स	ज	नी	ऽ	खो	ऽ	ल	कि
म	-	म	-	ग	-	ऩ	स	र	ग	ग	ग	ग	र	स	र
वा	ऽ	ड़े	ऽ	ऽ	ऽ	ते	रे	सा	ऽ	ज	न	आ	ऽ	ये	दु

ऩ	-	स	-	-	-	स	स	र	प	प	-	प	म	प	ध
आ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	उ	ठ	स	ज	नी	ऽ	खो	ऽ	ल	कि
म	-	म	-	ग	-	ऩ	स	❀	ग	ग	ग	ग	र	स	र
वा	ऽ	ड़े	ऽ	ऽ	ऽ	ते	रे	*	सा	ज	न	आ	ऽ	ये	दु
ऩ	-	स	-	-	-	न	सं	न	सं	न	सं	-	रंसं	न	न
आ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	मे	री	अ	खि	यां	ऽ	ऽ	ऽऽ	मे	री
न	सं	सं	-	नसं	रं	सं	न	ध	न	न	-	-	प	ग	ग
अं	खि	यां	ऽ	नींऽ	ऽ	द	की	मा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
ग	प	प	-	प	ध	प	म	प	ग	ग	-	-	सं	न	सं
का	ऽ	हे	ऽ	मु	झ	को	पु	का	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	मे	री
न	सं	सं	-	नसं	रं	सं	न	ध	न	न	-	-	प	ग	ग
अँ	खि	यां	ऽ	नींऽ	ऽ	द	की	मा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
ग	प	प	-	प	ध	प	म	प	ग	ग	-	-	-	ग	ग
का	ऽ	हे	ऽ	मु	झ	को	पु	का	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
ग	प	प	-	प	ध	प	म	प	ग	ग	-	-	-	ऩ	स
का	ऽ	हे	ऽ	मु	झ	को	पु	का	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ते	रे
ग	-	ग	ग	ग	र	स	र	ऩ	-	स	-	-	-	ऩ	स
सा	ऽ	ज	न	आ	ऽ	ये	दु	आ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	न	हीं

ग॒	-	ग॒	ग॒	ग॒	र	स	र	ऩ	-	स	-	-	-	ऩ	स
सा	ऽ	ज	न	को	ऽ	ई	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ते	रे
ग॒	-	ग॒	ग॒	ग॒	र	स	र	ऩ	-	स	-	-	-	न	सं
सा	ऽ	ज	न	आ	ऽ	ये	दु	आ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
गं॒	-	गं॒	-	गं॒	रं	सं	रं	न	-	सं	-	-	-	न	सं
का	ऽ	हे	ऽ	मु	झ	को	पु	का	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
गं॒	-	गं॒	-	गं॒	रं	सं	रं	न	-	सं	-	-	-	म॑	म॑
का	ऽ	हे	ऽ	मु	झ	को	पु	का		रे	ऽ	ऽ	ऽ	ह	म
म॑	प	प	-	प	प	ग	म॑	म॑	प	पध	न॒	-	प	म॑	म॑
बि	न	ती	ऽ	क	र	ते	ऽ	ते	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	म
म॑	प	प	*	प	प	प	म॑	म॑	प	पध	न॒	-	प	प	प
वि	न	ती	*	क		ते	ऽ	ते	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	स
ध	-	न	-	सं	-	सं	सं	न	-	प	-	-	-	स	स
आ	ऽ	जा	ऽ	पा	ऽ	स	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	उ	ठ
र	प	प	-	-	-	स	स	र	प	प	-	प	म	प	ध
स	ज	नी	ऽ	ऽ	ऽ	उ	ठ	स	ज	नी	ऽ	खो	ऽ	ल	कि
म	-	म	-	ग	-	ऩ	स	ग॒	-	ग॒	ग॒	ग॒	र	स	र
वा	ऽ	ड़े	ऽ	ऽ	ऽ	ते	रे	सा	ऽ	ज	न	आ	ऽ	ये	दु

ऩ	–	स	–	–	–	स	स	र	प	प	–	–	–	स	स
आ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	उ	ठ	स	ज	नी	ऽ	ऽ	ऽ	उ	ठ

र	प	प	–	–	–	–	–								
स	ज	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ								

43–N. P. K. 3–41

सैयाँ तू एक बेरि आजा······!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म		ताल		गायिका
"पुनर्मिलन"		त्रिताल (अद्धा)		"इक़बाल पुतली"

सैयां तू एक बेरि आजा।
हमरी सेजरिया, सैयां तू एक बेरि आजा।
दिन नहिं चैन, रैन नहिं निंदिया। जिया की जलन बुझाजा॥ सैयां···॥
चन्दा तोरी चांदनी, सोती पलंग बिछाय।
जब देखूं तब एकली मरूं कटारी खाय॥ सैयां···॥
जान जाती दिखाई देती है, उनका आना नज़र नहीं आता।
तुम मिलाओगे ख़ाक में हमको, दिल मिलाना नज़र नहीं आता।
हा हा खात तोरी पैयां परत हूँ, बाँकी छबि दिखलाजा॥ सैयां···॥

—ठेका बन्द—

															स
															सैं
र	म	प	(न)सं	–	प	ध॒	प	ग॒	ग॒	(र स)ऩ	स	(ग॒)	–	स	–
यां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ए	क	बे	रि	आ	ऽ	जा	ऽ

—ठेका शुरू—

२				०				३				×			
*	गग	ग	-	*	गर	ग	रग	मम	गर	ग	स	*	*	*	स
*	हम	री	ऽ	*	सेज	रि	याऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	सै

		न							र स						
रम	पन	(सं)	-	-	प	ध	प	ग	ग	न्	स	(ग)	-	स	-
यांऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तू	ए	क	वे	रि	आ	ऽ	जा	ऽ

हमरी सेजरिया, सैयां तू एक वेरि आजा।

*	मप	न	न	न	सं	न	सं	*	नन	न	सं	न	सं	न	धप
*	दिन	न	हीं	चै	ऽ	न	ऽ	*	रैन	न	हीं	नि	दि	या	ऽऽ

"जिया की जलन बु"—यहां तक त्रिताल अद्धा फिर ताल कहरवा शुरू

										म		ग			म
*	प	प	प	प	पध	प	म	मप	धप	ग	-	म	-	ग	प
*	जि	या	की	ज	लऽ	न	बु	झाऽ	ऽऽ	जा	ऽ	हाँ	ऽ	हाँ	ऽ

इन्हीं स्वरों पर 'जिया की जलन बुझा जा सैयां'

ठेका त्रिताल (अद्धा)

०				३				×				२			
					र स										
रम	रम	पध	मप	ग	ग	न्	स	(ग)	-	स	-	-	-	-	स
हाँऽ	ऽऽ	ऽऽ	तूऽ	ए	क	वे	रि	आ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सै

यां तू एक वेरि आजा।

—ठेका बन्द—

								म							
प	-	प	-	प	-	प	-	प	-	म	प	-	-	-	-
चं	ऽ	दा	ऽ	तो	ऽ	री	ऽ	चां	ऽ	द	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

र
प - प - प प धप मप धन॒ धन॒ ध प ध प ग (प) म ग -

सो ऽ ती ऽ प लं गऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ बि छा ऽ ऽ ऽ य

ग ग ग - ग - ग ग गम रग मर गम -ग म - - -

ज ब दे ऽ खूं ऽ त ब एऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽक ली ऽ ऽ ऽ

ग ग - गम पध मप ग॒ र न॒ स ग॒ - - स

म रूं ऽ ऽऽ ऽऽ कऽ टा ऽ री ऽ खा ऽ ऽ य

सैंया तू एक बेरि आजा।

—ठेका बन्द्—

म - प न - न - न न - सं न सं - - धन सं धन सं न सं - - -

जा ऽ न जा ऽ ती ऽ दि खा ऽ ई दे ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽऽ ऽ ती है ऽ ऽ ऽ

न सं न (सं) - - - प न न न - न - न - न न न सं नसं नसं रं न॒ - (न॒) ध प -

ऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ उ न का ऽ आ ऽ ना ऽ न ज़ र न हीं ऽ ऽऽ ऽ आ ऽ ता ऽ ऽ ऽ

प प प प - प - म प - म प - पध पध (न॒) ध न॒ प - -

तु म मि ला ऽ ओ ऽ गे ख़ा ऽ क में ऽ ह म कोऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

म——म म स ग॒
प प प प - प - प म - म प - - ग गम प ग॒ - र - स - - -

दि ल मि ला ऽ ना ऽ न ज़ र न हीं ऽ ऽ ऽ आऽ ऽ ता ऽ हाँ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

सैयां तू एक बेरि आजा......................!

—ठेका त्रिताल अद्धा शुरू—

*	म	म	प	न	सं	न	सं	*	न	न	सं	न	सं	न	धपध
*	हा	हा	खा	ऽ	त	तो	री	*	पैं	या	प	र	त	हूँ	ऽऽऽ

"बाकीं छबि दिख" यहाँ तक ठेका त्रिताल अद्धा फिर कहरवा शुरू।

*	प	-	प	प	पध	म	म	अप	धप	ग	-	ग म	-	ग	म प
*	बाँ	ऽ	की	छ	बिऽ	दि	ख	लाऽ	ऽऽ	जा	ऽ	सै	ऽ	यां	ऽ

तू एक बेरि आजा.....................।

44—B. N. B.

कहाँ चलो गोरी.................!

बौम्बे टाकीज लि०	ताल	गायिका
"परदेसी"	"कहरवा" (धुन)	"स्नेहप्रभा"

कहां चलो गोरी नैनों के जादू डाल के ।
खड़ी पिछवाड़े नन्दन मोरी ताड़े ।
सैंया मारे मारे रुमाल जान जान के ॥ कहां चली...॥
आंख शरमाये, कछु बन नहीं आये ।
हुई बदनाम सैंया का कहना मान के ॥ कहां चली...॥

+				।				+				।			
*	*	ग	ग	-	ग	ग	-	र	-	र	ग	स	-	स	-
*	*	क	हां	ऽ	च	ली	ऽ	गो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	नै	ऽ
र	ग	ग	र	ग	म	म	-	ग	-	-	र	ऩ	स	म	-
नों	ऽ	के	ऽ	जा	ऽ	दू	ऽ	डा	ऽ	ऽ	ल	के	ऽ	ऽ	ऽ

ग	-	ग	ग	-	ग	ग	-	र	-	र	ग	स	-	स	-
ऽ	ऽ	क	हां	ऽ	च	ली	ऽ	गो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	नै	ऽ
र	ग	ग	र	ग	म	म	-	ग	-	-	र	स	ऩ	स	-
नौं	ऽ	के	ऽ	जा	ऽ	दू	ऽ	डा	ऽ	ऽ	ल	के	ऽ	ऽ	ऽ
❀	❀	स	र	-	म	म	-	म	प	प	-	❀	❀	प	-
❀	❀	ख	ड़ी	ऽ	पि	छ	ऽ	वा	ऽ	ड़े	ऽ	❀	❀	न	ऽ
प	ध	ध	-	प	-	म	-	ग	-	-	-	र	-	स	-
न	ऽ	द	ऽ	मो	ऽ	री	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ड़े	ऽ	ऽ	ऽ
❀	❀	ग	ग	-	ग	ग	-	र	-	र	ग	स	-	स	-
❀	❀	सै	यां	ऽ	मो	ऽ	रे	मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रू	ऽ
स	र	ग	-	र	ग	म	-	ग	-	-	र	ऩ	स	म	-
मा	ऽ	ऽ	ल	जा	ऽ	ऽ	न	जा	ऽ	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	ऽ
ग	-	ग	ग	-	ग	ग	-	र	-	र	ग	स	-	स	-
ऽ	ऽ	सैं	यां	ऽ	मो	रे	ऽ	मा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	रू	ऽ
स	र	ग	-	र	ग	म	-	ग	-	-	र	स	ऩ	स	-
मा	ऽ	ऽ	ल	जा	ऽ	ऽ	न	जा	ऽ	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	ऽ

कहां चली गोरी..............।

❋	❋	न	-	न	न	-	न	न	सं	न	सं	-	ध	प	-
❋	❋	आं	ऽ	ख	श	ऽ	र	मा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	क	छु	ऽ

*	*	ध	सं	-	सं	सं	-	ध	सं	न	ध	प	म	प	-
*	*	ब	स	ऽ	न	हीं	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	न	-	न	न	-	न	न	सं	न	सं	-	ध	प	-
*	*	आं	ऽ	ख	श	ऽ	र	मा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	क	छु	ऽ
*	*	ध	सं	-	सं	सं	-	ध	सं	न	ध	प	म	प	-
*	*	ब	स	ऽ	न	हीं	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ
ग	-	ग	ग	-	ग	ग	-	र	-	र	ग	स	-	स	-
ऽ	ऽ	हु	ई	ऽ	ब	द	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	सैं	ऽ
र	ग	ग	र	ग	ग	म	-	ग	-	-	र	न	स	म	-
यां	ऽ	का	ऽ	क	ह	ना	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	ऽ
ग	-	ग	ग	-	ग	ग	-	र	-	र	ग	स	-	स	-
ऽ	ऽ	हु	ई	ऽ	ब	द	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	म	ऽ	सैं	ऽ
र	ग	ग	र	ग	म	म	-	ग	-	-	र	स	-	न	-
यां	ऽ	का	ऽ	क	ह	ना	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न	के	ऽ	सैं	ऽ
न	-	सं	-	न	न	सं	-	प	-	म	ग	र	-	स	-
यां	ऽ	का	ऽ	क	ह	ना	ऽ	मा	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	सैं	ऽ
र	ग	ग	र	ग	म	म	-	ग	-	-	र	न	स	म	-
यां	ऽ	का	ऽ	क	ह	ना	ऽ	मा	ऽ	ऽ	न	के	ऽ	ऽ	ऽ

ग	-	ग	ग	-	ग	ग	-	र	-	र	ग	स	-	स	-
ऽ	ऽ	क	हां	ऽ	च	ली	ऽ	गो	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	नै	ऽ
र	ग	ग	र	ग	म	म	-	ग	-	-	र	स	ऩ	स	-
नों	ऽ	के	ऽ	जा	ऽ	दू	ऽ	डा	ऽ	ऽ	ल	के	ऽ	ऽ	ऽ

45—N. P. K.

बन्धु रे मेरे बन्धु रे..............!

रणजीत फिल्म	**	ताल	**	गायक
"उम्मीद"	**	धुमाली	**	"कांती०ईश्वर०गुलाब"

बन्धु रे मेरे बन्धु रे ।

दूर न जइयो दूर न जइयो, सावन चढ़े घर अइयो रे ॥ मेरे बन्धु रे......॥

जीवन नैया जग का सागर, हम तुम नाव चलायें ।

पार लगाके जीवन नैया, दुनियां को दिखलायें ॥

बड़े बोल ना बोलो सजनी, ये जग बैरी होय ।

दो दिल मिल के बैरी जग में, देख सके ना कोई रे ॥ मेरे बन्धु रे...... ॥

+				+				+				+			
प	प	पध	नध	पम	गर	स	म	ग	र	-	र	स	-	-	-
बं	धु	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	मे	रे	ब	ऽ	धु	रे	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	रग	मग	र	स	-	म	ग	र	-	र	स	-	-	-
बं	धु	रेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	बं	ऽ	धु	रे	ऽ	ऽ	ऽ

*	प	-	प	ध	सं	सं	-	-	-	-	-	-	-	सं	प
*	दू	ऽर	न	जै	ऽ	यो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	न	न	ध	-	ध	न	ध	प	-	-	-	-	ध प	-
*	दू	र	न	जै	ऽ	यो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध	ध	ध	ध	-	ध	ध	*	ध	ध	ध	पन	धप	मग	रस
*	सा	वन	न	ढ़े	ऽ	घ	र	*	अ	इ	यो	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
र	स	-	म	ग	र	-	र	स	-	-	-				
ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	बं	ऽ	धु	रे	ऽ	ऽ	ऽ	बन्धु रे............।			
*	म	म	म	म	प	प	-	*	धध	ध	-	ध	न	ध	प
*	जी	व	न	नै	ऽ	या	ऽ	*	जग	का	ऽ	सा	ऽ	ग	र
*	धध	प	म	मग	रस	र	म	ग	-	र	-	रे	ग	म	प
*	हम	तु	म	नाऽ	ऽऽ	व	च	ला	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	धध	प	म	मग	रस	र	म	ग	-	र	-	-	-	-	-
*	हम	तु	म	नाऽ	ऽऽ	व	च	ला	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	प	प	प	ध	सं	सं	-	*	रंगं	रं	सं	ध	न	ध	प
*	पा	र	ल	गा	ऽ	के	ऽ	*	जीऽ	व	न	नै	ऽ	या	ऽ
*	ध	ध	ध	ध	-	ध	ध	प	ध	न	-	-	-	सं न	-
*	दु	नि	यां	को	ऽ	दि	ख	ला	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

														ध	
*	ध	ध	ध	प	–	ध	न॒	ध	–	प	–	–	–	प	–
*	दु	नि	यां	को	ऽ	दि	ख	ला	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
														सं	
*	ध	ध	ध	ध	–	ध	ध	प	ध	न॒	–	–	–	न॒	–
*	दु	नि	यां	को	ऽ	दि	ख	ला	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध	ध	ध	प	–	ध	न॒	ध	–	प	–	पन॒	धप	मग	रस
*	दु	नि	यां	को	ऽ	दि	ख	ला	ऽ	यें	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
र	स	–	म	ग	र	–	र	स	–	–	–				
ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	बं	ऽ	धु	रे	ऽ	ऽ	ऽ	बन्धु रे………।			
पध	–प	–म	ग	र	स	र	म	म	ध	–	–	–	–	–	–
बड़े	ऽबो	ऽल	ना	बो	लो	स	ज	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	पध	प	ध	*	म	प	ध	धप	म	–	–	–	–	सं	–
*	येऽ	ज	ग	*	बै	ऽ	री	होऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	पध	प	ध	*	म	प	ध	धप	म	–	–	–	–	–	–
ऽ	येऽ	ज	ग	*	बै	ऽ	री	होऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	सं	सं	सं	रंगं	मं	मं	–	*	गं	रं	सं	रं	गं	रं	सं
*	दो	दि	ल	मिऽ	ऽल	के	ऽ	*	बै	री	ऽ	ज	ग	में	ऽ
*	सं	रं	रं	रं	–	रं	सं	*	सं	रं	सं	धन॒	धप	पध	पम
*	दे	ऽख	स	के	ऽ	ना	ऽ	*	को	ऽ	ई	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

*	प	ध	ध	ध	–	ध	प	*	प	ध	प	पन॒	धप	मग	रस
*	दे	ऽख	स	के	ऽ	ना	ऽ	*	को	ऽ	ई	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
र	स	–	म	ग	र	–	र	स	–	–	–	स	स	रग	मग
ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	बं	ऽ	धु	रे	ऽ	ऽ	ऽ	बं	धु	रेऽ	ऽऽ
र	स	–	म	ग	र	–	र	स	–	–	–	प	प	पध	न॒ध
ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	बं	ऽ	धु	रे	ऽ	ऽ	ऽ	बं	धु	रेऽ	ऽऽ
पम	गर	स	म	ग	र	–	र	स	–	–	–				
ऽऽ	ऽऽ	ऽ	मे	रे	बं	ऽ	धु	रे	ऽ	ऽ	ऽ				

46—N. P. K.

मन धीरे-धीरे रोना..........!

पांचोली आर्ट पिक्चर्स	**	ताल	**	गायिका
फिल्म "खज़ान्ची"	**	"कहरवा"	**	"रमोला"

मन धीरे धीरे रोना।
विरहा का रूप न खोना॥ मन धीरे ...।
मन की बात न आँख से कहना, जो कुछ बीते मन पे सहना।
जान ही लेंगे मन के बासी, मन का रोना धोना॥ मन...॥
विरहा के दुख से घबरा कर, जग को अपना भेद बताकर।
आशाओं की राह में मूरख, आप न कांटे बोना॥ मन...॥

स्वरलिपि ☞

×				।				×				।			
														ग	ग
														म	न
ग	र	र	ग	र	स	स	र	ऩ	–	स	–	–	–	ग	ग
धी	ऽ	रे	ऽ	धी	ऽ	रे	ऽ	रो	ऽ	ना	ऽ	*	*	म	न
ग	र	र	ग	र	स	स	र	ऩ	–	स	–	–	–	ग	स
धी	ऽ	रे	ऽ	धी	ऽ	रे	ऽ	रो	ऽ	ना	ऽ	❀	❀	चि	र
ग	प	प	–	प	ध	ध	ध	धप	मप	ध	–	ग	–	ग	ग
हा	ऽ	का	ऽ	रू	ऽ	प	न	खोऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	म	न
ग	र	र	ग	र	स	स	र	ऩ	–	स	–	–	–	ग	ग
धी	ऽ	रे	ऽ	धी	ऽ	रे	ऽ	रो	ऽ	ना	ऽ	*	*	म	न
ग	र	र	ग	र	स	स	र	ऩ	–	स	–	–	–	–	–
धी	ऽ	रे	ऽ	धी	ऽ	रे	ऽ	रो	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
प	म॑	प	–	प	म॑	प	ध	–	–	–	–	प	म	ग	र
म	न	की	ऽ	बा	ऽ	त	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	ग	ग	प	गम	पध	ध	–	–	–	–	–	प	ध	न॒	–
ऽ	आं	ख	से	कह	ऽऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न॒	ध	प	म॑	–	प	–	*	न॒	ध	प	म	ग	प	–
*	जो	कु	छ	बी	ऽ	ते	ऽ	*	म	न	पे	स	ह	ना	ऽ

*	प	न	ध	म	–	र	–	❀	ग	प	प	रग	म	ग	–
*	जा	न	ही	लें	ऽ	गे	ऽ	❀	म	न	के	बाऽ	ऽ	सी	ऽ

❀	ग	ग	म	ग	–	स	र	ऩ	–	स	–	–	–	ग	ग
❀	म	न	का	रो	ऽ	ना	ऽ	धो	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	म	न

धीरे धीरे रोना..................।

स	ग	ध़	स	ग	–	–	–	ग	ग	म	–	र	–	❀	❀
वि	र	हा	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ	दु	ख	से	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀

र	ग	र	ग	प	–	–	–	ग	प	न	–	–	–	–	प
घ	ब	रा	ऽ	कर	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ग	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	ध	पध	न	ध	प	म	ग	❀	ग	ग	म	प	मं	प	प
अ	प	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❀	भे	द	ब	ता	ऽ	क	र

❀	प	न	ध	म	–	र	–	❀	ग	प	प	रग	म	ग	ग
❀	आ	ऽ	शा	ओं	ऽ	की	ऽ	❀	रा	ह	में	मूऽ	ऽ	र	ख

❀	ग	ग	म	ग	–	स	र	ऩ	–	स	–	–	–	ग	ग
❀	आ	प	न	कां	ऽ	टे	ऽ	बो	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	म	न

धीरे धीरे रोना..................।

वह बिसरी कहानी............!

रणजीत फिल्म	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायिका
"मुसाफ़िर"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	"वासन्ती"

वह बिसरी कहानी, सुन मेरी जबानी।
वह भूली हुई बातें, चोरी की मुलाकातें।
वह तारों भरी रातें, ओ खेत की रानी॥ सुन मेरी............॥
वह मस्त भरे गाने, मुश्किल है बिसर जाने।
कैसे जिया माने, ओ खेत की रानी॥ सुन मेरी............॥

—बिना ताल—

न	सं	–	–	संरं	संरं	सं	न	–	–	नसं	नसं	न	ध	–	–	धन	धन
ओ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ

ध	–	म	–	–	–	–	–	–	म	प	ध	–	म	–	प	मपध	मप
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	✻	✻	✻	✻	बि	स	री	ऽ	ऽ	ऽ	क	हाऽऽ	ऽऽ

ग	–	–	–	र	सं	र	–	–	स	–	–	–
नी	ऽ	ऽ	ऽ	✻	✻	✻	✻	✻	✻	✻	✻	✻

ताल कहरवा☞

+				।				+				।		स	स
														सु	न
र	म	म	–	✻	ध	प	ध	न	–	सं	–	रं	–	गं	–
मे	ऽ	री	ऽ	✻	ज़	बा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

रंगं	रंसं	नध	पध	न	–	म	स	र	र	म	–	*	प	मध	मप
ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ	बि	स	री	ऽ	*	क	हाऽ	ऽऽ
ग	–	–	–	–	–	र	स	र	म	म	–	*	ध	प	ध
नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सु	न	से	ऽ	री	ऽ	*	ज़	बा	ऽ
न	–	सं	–	रं	–	गं	–	रंगं	रंसं	नध	पध	न	–	म	स
नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ
र	र	म	–	*	प	मध	मप	ग	–	–	–	र	स	र	–
बि	स	री	ऽ	*	क	हाऽ	ऽऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	❀	❀
स	ऩ	ध़	ऩ	स	म	म	–	ध	म	ध	न	ध	म	ग	र
❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀
म	–	–	–	*	*	म	ग	म	ध	ध	न	ध	–	ध	न
*	*	*	*	*	*	वो	ऽ	भू	ऽ	ली	हु	ई	ऽ	बा	ऽ
सं	–	–	–	नसं	नध	प	प	ध	सं	सं	सं	रं	–	संरं	गं
तें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	चो	री	ऽ	की	मु	ला	ऽ	काऽ	ऽ
रं	–	–	–	–	–	गंरं	सं	*	ध	न	न	ध	–	ध	न
तें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वोऽ	ऽ	*	भू	ली	हु	ई	ऽ	बा	ऽ
सं	–	–	–	नसं	नध	प	प	ध	सं	सं	सं	रं	–	संरं	गं
तें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	चो	री	ऽ	की	मु	ला	ऽ	काऽ	ऽ

रं	–	–	–	–	–	गंरं	सं	*	रं	सं	न	ध	–	प	ध
तैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वोऽ	ऽ	*	ता	रों	भ	री	ऽ	रा	ऽ
न	–	(सं)न	–	(सं)न	–	नसं	ध	*	ध	–	म	ग	–	र	स
तैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ओऽ	ऽ	*	खे	ऽ	त	की	ऽ	रा	ऽ
म	–	–	–	–	–	स	स	र	म	म	–	*	ध	प	ध
नी	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	सु	न	मे	ऽ	री	ऽ	*	ज़	बा	ऽ
न	–	सं	–	रं	–	गं	–	रंगं	रंसं	नध	पध	न	–	म	स
नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ
र	र	म	–	❀	प	मध	मप	ग	–	–	–	–	–	र	स
बि	स	री	ऽ	❀	क	हाऽ	ऽऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सु	न
र	म	म	–	❀	ध	प	ध	ध	सं	–	–	–	–	–	–
मे	ऽ	री	ऽ	❀	ज़	बा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

अन्तरा (दुगुन लय में)

														सं	–
														वो	ऽ
रं	–	सं	सं	रं	–	न	–	सं	–	*	*	*	*	न	न
म	ऽ	स्त	भ	रे	ऽ	गा	ऽ	ने	ऽ	*	*	*	*	मु	श
प	ध	प	म	र	स	र	–	स	र	ग	म	प	ध	न	सं
कि	ल	है	बि	स	र	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

रं	-	सं	सं	रं	-	न	-	सं	-	*	*	*	*	न	न
म	ऽ	स्त	भ	रे	ऽ	गा	ऽ	ने	ऽ	*	*	*	*	मु	श
प	ध	प	म	र	स	र	-	स	-	-	-	-	-	स	-
कि	ल	से	वि	स	र	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	कै	ऽ
र	-	म	म	प	-	ध	-	गं	-	-	-	-	-	संरं	गं
से	ऽ	ये	जि	या	ऽ	मा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ओऽ	ऽ
*	रं	-	सं	न	-	प	ध	ध	सं	-	-	-	-	सं	-
*	खे	ऽ	त	की	ऽ	रा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ
न	ध	म	म	ग	-	र	स	म	-	-	-	-	-	स	-
खे	ऽ	ऽ	त	की	ऽ	रा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कै	ऽ
र	-	म	म	प	-	ध	-	गं	-	-	-	-	-	संरं	गं
से	ऽ	ये	जि	या	ऽ	मा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ओऽ	ऽ
*	रं	-	सं	न	-	प	ध	ध	सं	-	-	-	-	सं	-
*	खे	ऽ	त	की	ऽ	रा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ
न	ध	म	म	ग	-	र	स	म	-	-	-	-	-	-	-
खे	ऽ	ऽ	त	की	ऽ	रा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	-	-	-	स	-	स	-	(फिर उसी लय में)							
*	*	*	*	सु	ऽ	न	ऽ	मेरी जबानी..............................।							

तुम मन मोहन ....!

न्यूथियेटर्स कृत		ताल		गायिका
"हारजीत"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	कामनदेवी

तुम मनमोहन तुम सखियन संग, हँस-हँस खेलो फाग ।
हम चलें, हम, किस विधि रो रो, काटें रतियाँ जाग ॥ तुम मन मोहन......॥
मेरी दुनियां सूनी करके । बस्ती नयी बसाई तुमने ।
अब जाकर मैं किसे सुनाऊं, अपने दिल का राग ॥
फूंक रही है, तन मन मेरा, यह विरह की आग ॥ तुम मन मोहन......॥

+				+				+				+			
*	सर	-म	प	मप	धन	धप	ध-	*	धसं	-न	सं	ध	न	ध	प
*	तुम	ऽम	न	मोऽ	ऽऽ	हऽ	नऽ	*	तुम	ऽस	खी	य	न	सं	ग
				प		ग								प	
-	रम	-प	ध	म	-	रग	सर	म	-	-	-	ग	म	(प)	र
ऽ	हँस	ऽहँ	स	खे	ऽ	लोऽ	ऽऽ	फा	ऽ	ऽ	ग	हां	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध	ध	ध	ध	-	धसं	प	-	धध	-सं	सं	रं	ध	सं	-
*	ह	म	च	ले	ऽ	हऽ	म	ऽ	किस	ऽवि	ध	रो	ऽ	रो	ऽ
								म							
-	ध	-	सं	रं	सं	धप	ध-	प	-	-	-	मप	धप	मर	स-
ऽ	का	ऽ	टें	र	ति	यांऽ	ऽऽ	जा	ऽ	ऽ	ग	हांऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

तुम मन मोहन तुम सखियन सँग हँस-हँस खेलो फाग, हांऽऽऽ ।

*	रं	-	रं	रं	गं	रं	-	न	-	प	-	ग	ग	र	-
*	मे	ऽ	री	दु	नि	यां	ऽ	सू	ऽ	नी	ऽ	क	र	के	ऽ

–	र-	र	ग	ग	प	–	प	पध	नध	धन	सरं	सरं	धन	–	ध
ऽ	बस	ती	न	ह	ऽ	ऽ	व	लाऽ	ऽऽ	ईऽ	ऽऽ	ऽऽ	तुम	ऽ	ने
–	न	न	न	न	न	संन	धप	प	पध	नसं	सं	सं	–	सं	–
ऽ	अ	व	जा	क	र	मैंऽ	ऽऽ	कि	सेऽ	ऽऽ	सु	ना	ऽ	ऊं	ऽ
ध	ध	ध	–	म	म	म	ध	प	–	–	–	मप	धन	पध	नसं
अ	प	ने	ऽ	दु	ख	का	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ग	हांऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
*	गं	गं	गं	गं	–	गं	–	रं	गं	रं	सं	धसं	रंगं	रं	–
*	फू	क	र	ही	ऽ	है	ऽ	त	न	म	न	मेऽ	ऽऽ	रा	ऽ
–	न	न	न	न	ध	न	रं	सं	–	–	–	–	–	–	सं
ऽ	य	ह	वि	र	ह	की	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग

49—B. N. B.

आया रे परदेसी सजनवा....।

बौम्बे टाकीज फिल्म		ताल		गायक
"पुनर्मिलन"		"कहरवा दुगन"		मुमताजअली और नंदिनी

आया रे परदेसी सजनवा आया रे।
जल बिन मछरी सी गति कीन्हीं, भेजी न पाती सुध हू न लीनी।
बेदर्दी से नेहा लगाया रे ॥ आया रे........॥
कासे कहूं मैं जी की बतियां, तड़पत बीती सारी रतियां।
कोई दिल की समझ न पाया रे ॥ आया रे......................॥
हुँ, आगये अपना ठाठ बनाये, मेरे लिये हो क्या-क्या लाये।
चूनर लाया, सारी लाया, मोहे न भाये, मोहे न भाये।
झुमके लाया झांझन लाया, होरी में जाये, होरी में जाये।
एक चीज़ हम औरै लाये, जाने राम जो तुमको भाये।
(क्या) मैं अपने आपको लाया रे, परदेसी सजनवा आया रे।
भाया रे, मेरे मन को भाया रे! मेरे मन को ॥ आया रे.........॥

+				+				+				+			
*	ग	-	म	प	-	-	-	गम	-प	ध	प	म	ग	र	स
*	आ	ऽ	या	रे	ऽ	ऽ	ऽ	पर	ऽदे	सी	स	ज	न	वा	ऽ
-	ग	-	म	प	-	-	-	*	रग	ग	म	ग	र	स	स
ऽ	आ	ऽ	या	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	जल	बि	न	म	छ	री	सी
*	गर	ग	म	ग	-	गम	प	प	रग	ग	म	ग	र	स	स
*	गति	की	ऽ	न्हीं	ऽ	हांऽ	ऽ	ऽ	जल	बि	न	म	छ	री	सी
*	गर	ग	म	गम	ग	गम	प	-	प	प	प	पध	-	पध	न
*	गति	की	ऽ	न्हींऽ	ऽ	*	*	*	भे	जी	न	पाऽ	ऽ	तीऽ	ऽ
*	ध	प	प	पम	ग	गम	प	*	प	प	प	पध	-	पध	न
*	सुध	हु	न	लीऽ	ऽ	नीऽ	ऽ	*	भे	जी	न	पाऽ	ऽ	तीऽ	ऽ
*	ध	प	प	पम	ग	गम	प	म	म	म	म	म	-	म	-
*	सुध	हु	न	लीऽ	ऽ	नीऽ	ऽ	ऽ	बे	द	र	दी	ऽ	से	ऽ
*	ध	प	ध	म	प	पम	गर	स	म	म	म	म	-	म	-
*	ने	हा	ल	गा	या	रेऽ	ऽऽ	ऽ	बे	द	र	दी	ऽ	से	ऽ
*	ध	प	ध	म	प	पम	गर	स	ग	-	म	प	-	-	-
*	ने	हा	ल	गा	या	रेऽ	ऽऽ	ऽ	आ	ऽ	या	रे	ऽ	ऽ	ऽ
गम	-प	ध	प	म	ग	र	स	*	न	-	न	न	न	सं	-
पर	ऽदे	सी	स	ज	न	वा	ऽ	*	का	ऽ	से	क	हूँ	मैं	ऽ

*	न	-	सं	ध	न	ध	प	-	ग	-	म	प	न	सं	-
*	जी	ऽ	की	ब	ति	यां	ऽ	ऽ	का	ऽ	से	क	हूँ	मैं	ऽ
*	न	-	सं	ध	न	ध	प	*	प	ग	म	प	-	पध	नध
*	जी	ऽ	की	ब	ति	यां	ऽ	*	तर	फ	त	बी	ऽ	तीऽ	ऽऽ
प	न	-	सं	न	सं	न	ध	प	-	ग	म	प	प	प	प
ऽ	सा	ऽ	री	र	ति	यां	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई	दि	ल	की	स
प	ध	पम	गम	*	प	-	ध	पध	नसं	न	सं	न	न	न	ध
म	झ	नाऽ	ऽऽ	*	पा	ऽ	या	रेऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	पर	दे	सी	स
प	म	ग	स	-	ग	-	म	प	-	-	-	गम	-प	ध	प
ज	न	वा	ऽ	ऽ	आ	ऽ	या	रे	ऽ	ऽ	ऽ	पर	ऽदे	सी	स
म	ग	र	स	*	ग	-	म	प	-	-	-	ध	*	*	*
ज	न	वा	ऽ	*	आ	ऽ	या	रे	ऽ	ऽ	ऽ	हुं	*	*	*
प	गग	गग	म	प	पप	प	प	पध	-ध	ध	ध	ध	न	प	ध
आ	गये	अप	ना	ठा	ठव	ना	ये	मेरे	ऽलि	ये	हो	क्या	क्या	ला	ये
प	प	प	प	म	ग	म	ग	गस	-स	ग	ग	गप	-प	न	प
चू	नर	ला	या	सा	री	ला	या	मोहे	ऽन	भा	ये	मोहे	ऽन	भा	ये
पप	न	सं	प	म	गग	प	स	गप	-ध	प	-	पन	-रं	सं	-
झुम	के	ला	या	झां	झन	ला	या	होरी	ऽमें	जा	य	होरी	ऽमें	जा	य

न नन -न संसं	न॒ ध म ग	ग ग म मप	म ग र स
ए कची ऽज़ हम	औ रै ला ये	जा ने रा मजो	तुम को भा ये
* * * *	* प प ग	सस स ग गग	ग म प –
कया ऽ * *	* * * मैं	अप ने आ पको	ला या रे ऽ
सस स ग गग	ग म प –	गम -प ध प	म ग र स
अप ने आ पको	ला या रे ऽ	पर ऽदे सी_स	ज न वा ऽ
– ग – म	प – – –	* न – सं	न ध प प
ऽ आ ऽ या	रे ऽ ऽ ऽ	* भा ऽ या	रे ऽ ऽ ऽ
* प – ध	म॑ प म ग	– न – सं	न ध प प
* मे ऽ रे	म न को ऽ	ऽ भा ऽ या	रे ऽ ऽ ऽ
* प – ध	म॑ प म ग	* ग – म	प – – –
* मे ऽ रे	म न को ऽ	* आ ऽ या	रे ऽ ऽ ऽ

परदेसी सजनवा............ ....।

50–N P. K.

प्रेम बदरिया छाई........।

रणजीत मोवीटोन		ताल		गायिका
"पागल"		"कहरवा"		"सितारा"

प्रेम बदरिया छाई सखी री।
लेकर मेरे मन की बन्सी, पी ने कजरी गाई, सखीरी ......॥
नाचत मोर मगन हो बन बन, नाचत है मन मन ही में मन।
घड़ी सुहानी आई सखीरी। प्रेम बदरिया..................॥
रूम झूम बादर घिरि आये, प्रीत के बादल जल भरलाये।
हँस हँस बरस बरस प्रीतम ने, मनकी प्यास बुझाई सखीरी...... ॥

+				।				+				।			
*	र	म	म	ग	र	स	र	ऩ	स	-	प़	ऩ	स	रग	सर
*	प्रे	ऽम	ब	द	रि	या	ऽ	छा	ई	ऽ	स	खी	ऽ	रीऽ	ऽऽ
*	र	म	म	ग	र	स	र	ऩ	ऩ	स	-	-	-	-	-
*	प्रे	ऽम	ब	द	रि	या	ऽ	छा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	ऩ	ऩ	स	ऩ	-	ध़	-	*	ऩ	ऩ	ऩ	स	ऩ	स	-
*	ले	क	र	मे	ऽ	रे	ऽ	*	म	न	की	बं	ऽ	सी	ऽ
*	र	-	म	प	प	पध	नसं	नन	ध	प	म	ग	र	रग	सर
*	पी	ऽ	ने	क	ज	रीऽ	ऽऽ	गाऽ	ऽ	ई	स	खी	ऽ	रीऽ	ऽऽ
*	र	-	म	प	प	पध	नसं	नन	ध	प	म	ग	र	रग	सर
*	पी	ऽ	ने	क	ज	रीऽ	ऽऽ	गाऽ	ऽ	ई	स	खी	ऽ	रीऽ	ऽऽ
*	र	म	म	ग	र	स	र	ऩ	स	-	प़	ऩ	स	रग	सर
*	प्रे	ऽम	ब	द	रि	या	ऽ	छा	ई	ऽ	स	खी	ऽ	रीऽ	ऽऽ
*	र	म	म	ग	र	स	र	ऩ	ऩ	स	-	-	-	-	-
*	प्रे	ऽम	ब	द	रि	या	ऽ	छा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	म	म	म	ग	-	स	स	र	र	म	-	प	प	प	प
*	ना	च	त	मो	ऽ	र	म	ग	न	हो	ऽ	ब	न	ब	न
*	ध	ध	ध	धन	पध	ध	प	*	प	ध	प	म	ग	स	र
*	ना	च	त	हैऽ	ऽऽ	म	न	*	म	न	ही	में	ऽ	म	न

*	न	न	न	न	सं	न	सं	प	न	ध	प	मग	रस	र	-
*	घ	ड़ी	सु	हा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	आ	ई	स	खीऽ	ऽऽ	री	ऽ

*	न	न	न	न	सं	न	सं	प	न	ध	प	मग	रस	र	-
*	घ	ड़ी	सु	हा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	आ	ई	स	खीऽ	ऽऽ	री	ऽ

प्रेम बदरिया छाई सखीरी……………।

*	म	म	प	न	न	न	-	न	न	सं	सं	सं	न	सं	-
*	रू	म	झू	ऽ	म	बा	ऽ	द	ल	घि	र	आ	ऽ	ये	ऽ

न	न	सं	न	सं	नसं	नध	प	न	-	प	-	-	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	म	म	प	न	न	न	-	न	न	सं	सं	सं	न	सं	-
*	रू	म	झू	ऽ	म	बा	ऽ	द	ल	घि	र	आ	ऽ	ये	ऽ

*	न	न	न	ध	-	प	म	र	रम	प	न	न	पध	प	-
*	प्री	त	के	बा	ऽ	द	ल	ऽ	जल	भ	र	ला	ऽऽ	ये	ऽ

प	प	रं	रं	न	न	सं	सं	ध	ध	न	-	ध	ध	प	-
हं	स	हं	स	ब	र	स	ब	र	स	प्री	ऽ	त	म	ने	ऽ

*	र	र	म	प	-	न	न	ध	-	प	म	ग	स	र	-
*	म	न	की	प्या	ऽ	स	बु	झा	ऽ	ई	स	खी	ऽ	री	ऽ

प्रेम बदरिया छाई………………………।

पनघट पै एक छबीली.......!

मिनेरिवा मोवीटोन	✣ ✣	ताल	✣ ✣	गायक
फिल्म "मैंहारी"	✣ ✣	"घुमाली"	✣ ✣	एच० के० मस्ताना

पनघट पै एक छबीली पानी भरन को आई।
पांव में डाली झांझन करती हुई छुन छुनाछुन ॥
हलचल सी एक मचाती, संसार को नचाती।
पानी भरन को आई.......................॥
छोटा सा दिल आये, बोझल गगर उठाये।
फूलों की डार जैसे,अरे रामा फूलों की डार जैसे।
परवत उठा के लाई। पनघट पै.................॥

—बिना ताल—

गंरं	गं	–	–	रंगं	रं	–	–	–	सं	–	नन	धध	पप	धध	नन
ओऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

सं	–	–	–	–	ध	–	*
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*

ठेका शुरू☞

														प	प
														प	न
+				+				+				+			
ध	रं	सं	–	न	–	ध	प	पन	धन	प	–	ध	ग	प	प
घ	ट	पे	ऽ	ए	ऽ	क	छ	बीऽ	ऽऽ	ली	*	ऽ	ऽ	प	न
ध	रं	सं	–	न	–	ध	प	पुन	धन	प	–	–	गध	ध	ध
घ	ट	पे	ऽ	प	ऽ	क	छ	बीऽ	ऽऽ	ली	*	ऽ	पाऽ	नी	भ

प	प	म	–	ग	–	र	–	–	गध	ध	ध	प	प	म	–
र	न	को	ऽ	आ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	पाऽ	नी	भ	र	न	को	ऽ
ग	–	र	–	र	ग	स	र	ग	प	प	–	❀	ध	प	ध
आ	ऽ	ई	ऽ	हां	रे	गा	मा	आ	ऽ	ई	ऽ	❀	पा	नी	भ
प	प	म	–	ग	–	र	–	❀	ग	र	म	ग	र	स	र
र	न	को	ऽ	आ	ऽ	ई	ऽ	❀	पा	नी	भ	र	न	को	ऽ
ऩ	–	स	–	–	–	प	प	ध	रं	सं	–	न	–	ध	प
आ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	प	न	घ	ट	पे	ऽ	ए	ऽ	क	छ
पन	धन	प	–	ध	ग	प	प	ध	रं	सं	–	न	–	ध	प
बीऽ	ऽऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	प	न	घ	ट	पे	ऽ	ए	ऽ	क	छ
पन	धन	प	–	संन	धप	मग	रस	❀	स	–स	र	स	–	ग	म
बीऽ	ऽऽ	ली	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	पां	ऽव	में	डा	ऽ	ले	ऽ
गम	प	प	प	*	स	–स	र	स	–	ग	म	गम	पध	–	प
झांऽ	ऽ	झ	न्	*	पां	ऽव	में	डा	ऽ	ले	ऽ	झांऽ	ऽऽ	ऽ	झ
प	–	नन	सं	न	ध	–	प	पन	धन	प	–	सं	सं	सं	सं
न्	ऽ	कर	ती	हुई	छ	न्	छ	नाऽ	ऽऽ	छ	न्	ऽ	क	र	ती
न	ध	–	प	पन	धन	प	–	–	–	प	प	ध	रं	सं	–
हुई	छ	न्	छ	नाऽ	ऽऽ	छ	न्	*	*	ह	ल	च	ल	सी	ऽ

❀	न	-ध	प	पन	धन	प	-	ध	ग	प	प	ध	रं	सं	ऽ
❀	ए	ऽक	म	चाऽ	ऽऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ह	ल	च	ल	सी	ऽ
❀	न	-ध	प	पन	धन	प	-	-	-	प	प	पध	न	ध	न
❀	ए	ऽक	म	चाऽ	ऽऽ	ती	ऽ	❀	❀	स	न	साऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	प	ध	प	म	-	र	-	-	-	प	प	पध	न	ध	न
र	को	ऽ	न	चा	ऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ	स	न	साऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	प	ध	प	म	ग	र	-	-	ग	र	म	ग	र	स	र
र	को	ऽ	न	चा	ऽ	ती	ऽ	❀	पा	नी	भ	र	न	को	ऽ
ऩ	-	स	-	-	-	प	प	ध	रं	सं	-	न	-	ध	प
आ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	प	न	घ	ट	पे	ऽ	ए	ऽ	क	छ
पन	धन	प	-	ध	ग	प	प	ध	रं	सं	-	न	-	ध	प
वीऽ	ऽऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	प	न	घ	ट	पे	ऽ	ए	ऽ	क	छ
पन	धन	प	-	-	-	प	म	मप	ध	ध	-	❀	प	-	म
वीऽ	ऽऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	बो	ऽ	काऽ	ऽ	न्हा	ऽ	❀	भी	ऽ	न
ग	-	र	-	-	-	प	म	मप	ध	प	ध	-	प	-	म
हा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	छो	ऽ	टाऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	दि	ल	ऽ
म	ग	र	-	-	-	प	-	पध	नसं	न	सं	न	ध	ध	प
आ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	बो	ऽ	झऽ	ऽऽ	ऽ	ल	ग	ग	र	उ

ध	–	प	म	–	–	प	–	पध	नसं	न	सं	न	ध	ध	प
ठा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	बो	ऽ	झऽ	ऽऽ	ऽ	ल	ग	ग	र	उ
प	ध	–	प	–	–	प	म॑	प	ध	म॑	प	–	म	र	ग
ठा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	फू	ऽ	लों	ऽ	की	ऽ	ऽ	डा	ऽ	र
गम	पध	प	–	–	–	प	म॑	प	ध	म॑	प	–	म	र	ग
जैऽ	ऽऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ	फू	ऽ	लों	ऽ	की	ऽ	ऽ	डा	ऽ	र
गम	पध	प	–	प	ध	प	ध	न	सं	सं	–	न	ध	–	प
जैऽ	ऽऽ	से	ऽ	अ	रे	रा	मा	फू	ऽ	लों	ऽ	की	डा	ऽ	र
पन	धन	प	–	प	ध	प	ध	नसं	रंगं	रं	–	सं	न	–	ध
जैऽ	ऽऽ	से	ऽ	अ	रे	रा	मा	फूऽ	ऽऽ	लों	ऽ	की	डा	ऽ	र
पन	धन	प	–	–	–	प	प	ध	न॒	ध	न॒	ध	प	–	म
जैऽ	ऽऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ	प	र	व	त	ऽ	ऽ	उ	ठा	ऽ	के
म	ग	र	–	–	–	ग	ग	म	ग	–	म	मग	रस	–	र
ला	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	प	र	व	त	ऽ	उ	ठाऽ	ऽऽ	ऽ	के
ऩ	–	स	–	–	–	प	प	ध	रं	सं	–	न	–	ध	प
ला	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	प	न	घ	ट	पे	ऽ	ए	ऽ	क	छ
पन	धन	प	–	–	गध	ध	ध	प	प	म	–	ग	–	र	–
बीऽ	ऽऽ	ली	ऽ	ऽ	पाऽ	नी	भ	र	न	को	ऽ	आ	ऽ	ई	ऽ

–	–	प	प	ध	रं	सं	–	–	–	–	–	–	–	–	–
ऽ	ऽ	प	न	घ	ट	पे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

52–N. P. K.

कैसा छाया है..................!

प्रभात फिल्म	ताल	गायक
"पड़ोसी"	"धुमाली"	"कोरस"

कैसा छाया है आला उजाला रसिया।
मनोहर प्यारा प्यारा हां हां हां हां॥
इस दुनियां में सब कुछ प्यारे, फूल जमीं पर ऊपर तारे।
कुदरत हंसकर करत इशारे, रंग जमा, हां हां हां हां॥ कैसा...॥
नाच रही है चांदी की दुनियां, देख रही है सोने का सुपना।
ऐसे ही सुपने में बीते उमरिया, रैन दिना हां हां हां हां। कैसा...॥
अंखियन में क्यूँ आज नशा है, अंखियन में तू झांक रहा है।
मोती के घर में हीरा छुपा है, कैसा भला हां हां हां हां॥ कैसा...॥

स्वरलिपि ☞

														स	स
														कै	सा
+				।				+				।			
ध़	ध़स	–	स	ध़	ध़स	–	स	र	म	प	ध	प	–	–	म
छा	याऽ	ऽ	है	आ	लाऽ	ऽ	उ	जा	ला	र	सि	या	ऽ	ऽ	म
म	–	प	प	प	म	प	ध	म	–	ग	–	र	र	स	स
नो	ऽ	ह	र	प्या	रा	प्या	रा	हां	ऽ	हां	ऽ	हां	हां	कै	सा

ध़	धस़	-	स	ध़	धस़	-	स	र	म	प	ध	प	-	-	ध
छा	याऽ	ऽ	है	आ	लाऽ	ऽ	उ	जा	ला	र	सि	या	ऽ	ऽ	म
म	-	प	प	प	म	प	ध	म	-	ग	-	र	र	स	स
नो	ऽ	ह	र	प्या	रा	प्या	रा	हां	ऽ	हां	ऽ	हां	हां	कै	सा
ध़	धस़	-	स	ध़	धस़	-	-	❀	पम	-प	ध	ध	-	प	-
छा	याऽ	ऽ	है	आ	लाऽ	ऽ	❀	❀	इस	ऽदु	नि	यां	ऽ	में	ऽ
❀	पम	-प	ध	ध	-	प	-	❀	पम	-प	ध	ध	-	प	प
❀	सब	ऽकु	छ	प्या	ऽ	रे	ऽ	❀	फूऽ	ऽल	ज	मी	ऽ	प	र
❀	पम	-प	ध	ध	-	प	-	❀	पम	-प	ध	ध	ध	प	प
❀	ऊऽ	ऽप	र	ता	ऽ	रे	ऽ	❀	कुद	ऽर	त	हं	स	क	र
❀	पम	-प	ध	ध	-	प	-	प	-म	प	ध	म	-	ग	-
❀	कर	ऽत	इ	शा	ऽ	रे	ऽ	रं	ऽग	ज	मा	हां	ऽ	हां	ऽ
प	म	प	ध	म	-	ग	-	र	र	स	स				
रं	ग	ज	मा	हां	ऽ	हां	ऽ	हां	हां	कै	सा	छाया……………।			
❀	म	पप	ध	संरं	संरं	रंरं	सं	❀	प	ध	सं	सं	रं	रंरं	सं
❀	ना	ऽव	र	हीऽ	ऽऽ	हैऽ	ऽ	❀	चां	दी	की	दु	नि	यांऽ	ऽ
❀	म	पप	ध	संरं	संरं	रंरं	सं	❀	प	ध	सं	सं	रं	रंरं	सं
❀	दे	ऽख	र	हीऽ	ऽऽ	हैऽ	ऽ	❀	सो	ने	का	स	प	नाऽ	ऽ

* पध -ध ध	ध ध ध ध	* धन ध न	प ध पम प
* ऐऽ ऽसे ही	सु प ने में	* बीऽ ते उ	म रि याऽ ऽ
म पध -ध ध	ध ध ध ध	* धन ध न	प ध पम प
ऽ ऐऽ ऽसे ही	सु प ने में	* बीऽ ते उ	म रि याऽ ऽ
प म प ध	म - ग -	र र स स	ध़ ध़स - स
रै न दि ना	हां ऽ हां ऽ	हां हां कै सा	छा याऽ ऽ है
ध़ ध़स - -	* पध -सं रं	रंगं रंगं रंरं सं	* मप -ध सं
आ लाऽ ऽ *	* अंखि ऽय न	मेंऽ ऽऽ क्यों ऽ	* आऽ ऽज न
रंगं रंगं रंरं सं	* पध -सं रं	रंगं रंगं गंरं सं	* पध -सं रं
शाऽ ऽऽ हैऽ ऽ	* अंखि ऽय न	मेंऽ ऽऽ क्योंऽ ऽ	* झांऽ ऽक र
रंगं रंगं गंरं सं	* ध ध ध	ध ध ध -	* ध ध न
हाऽ ऽऽ हैऽ ऽ	* मो ती के	घ र में ऽ	* ही रा छु
प ध पम प	म ध ध ध	ध ध ध -	* ध ध न
पा ऽ हैऽ ऽ	ऽ मो ती के	घ र में ऽ	* ही रा छु
प ध पम प	प म प ध	म - ग -	र र स स
पा ऽ हैऽ ऽ	कै सा भ ला	हां ऽ हां ऽ	हां हां कै सा

छाया है आला..................!

मोरी अटरिया है सूनी !

रणजीत फिल्म	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायिका
"परदेशी"	✠ ✠	कहरवा	✠ ✠	"खुर्शीद"

मोरी अटरिया है सूनी, मोहन नहीं आये ।
मन की पीर हुई दूनी, मोहन नहीं आये ॥
वर्षा की रुत है सावन का महीना, माधो बिना कैसे जीना ।
आवो जी आवो जी, घन में बादल छाए ॥ मोहन नहीं आये...॥
नैनों में लाली है मन में उछाले, आजा मेरे कृष्ण काले ।
आवो जी आवो जी, राह में नैन बिछाये । मोहन नहीं आये...॥

+				।				+				।			
❀	स	स	स	र	म	प	ध	पध	म	—	म	र	म	प	ध
❀	मो	री	अ	ट	रि	या	है	सूऽ	नी	ऽ	मो	ह	न	न	हीं
म	प	प	—	धन	धप	मग	रग	स	स	स	स	र	म	प	ध
आ	ऽ	ये	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	मो	री	अ	ट	रि	या	है
पध	म	—	म	र	म	प	ध	म	प	प	—	प	ध	सं	—
सूऽ	नी	ऽ	मो	ह	न	न	हीं	आ	ऽ	ये	ऽ	❀	❀	❀	❀
—	संसं	सं	सं	—	सं	सं	सं	संरं	सं	—	सं	ध	न	ध	प
❀	मन	की	पी	ऽ	र	हु	ई	दूऽ	नी	ऽ	मो	ह	न	न	हीं
प	ध	ध	—	प	ध		—	—	संसं	सं	सं	—	सं	सं	सं
आ	ऽ	ये	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	मन	की	पी	ऽ	र	हु	ई

संरं	सं	-	सं	ध	न	ध	प	प	ध	ध	ध	ध	न	ध	प
दूऽ	नी	ऽ	मो	ह	न	न	हीं	आ	ऽ	ये	मो	ह	न	न	हीं
प	ध	ध	ध	ध	न	ध	प	प	ध	ध	-	धन	धप	मग	रग
आ	ऽ	ये	मो	ह	न	न	हीं	आ	ऽ	ये	ऽ	❀	❀	❀	❀
स	स	स	स	र	म	प	ध	पध	म	-	म	र	म	प	ध
❀	मो	री	अ	ट	रि	या	है	सूऽ	नी	ऽ	मो	ह	न	न	हीं
म	प	प	-	धन	धप	मग	रग	स	स	स	स	र	स	-	स
आ	ऽ	ये	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	व	र्षा	की	रुत	है	ऽ	सा
र	म	-	म	मप	प	पध	ध	स	स	स	स	र	स	-	स
वन	का	ऽ	म	हीऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	व	र्षा	की	रुत	है	ऽ	सा
र	म	-	म	मप	प	पध	ध	-	ध	ध	ध	प	-प	-	ध
वन	का	ऽ	म	हीऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	❀	मा	धो	बि	ना	ऽकै	ऽ	से
पध	मप	म	-	प म	-	सं	सं	-	ध	ध	ध	प	-प	-	ध
जीऽ	ऽऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	मो	रे	❀	मा	धो	बि	ना	ऽकै	ऽ	से
पध	मप	म	-	-	-	पध	न	-	न	-	न	न	-	-	-
जीऽ	ऽऽ	ना	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	आ	ऽ	वो	जी	ऽ	ऽ	ऽ
❀	सं	-	न	धन	धप	पध	म	❀	सं	सं	सं	सं	रं	सं	सं
❀	आ	ऽ	वो	जी	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	❀	घ	न	में	बा	ऽ	द	

सं	–ध	–	ध	ध	न	ध	प	प	ध	ध	–	प	ध	सं	–
छा	ऽये	ऽ	मो	ह	न	न	हीं	आ	ऽ	ये	ऽ	❀	❀	❀	❀
–	सं	सं	सं	सं	रं	सं	सं	सं	–ध	–	ध	ध	न	ध	प
❀	घ	न	में	बा	ऽ	द	ल	छा	ऽये	ऽ	मो	ह	न	न	हीं
प	ध	ध	ध	ध	न	ध	प	प	ध	ध	ध	ध	न	ध	प
आ	ऽ	ये	मो	ह	न	न	हीं	आ	ऽ	ये	मो	ह	न	न	हीं
प	ध	ध	–	धन	धप	मग	रग	स	स	स	स	र	म	प	ध
आ	ऽ	ये	ऽ	❀	❀	❀	❀	*	मो	री	अ	ट	रि	या	है
पध	म	–	म	र	म	प	ध	म	प	प	–	धन	धप	मग	रग
सूऽ	नी	ऽ	मो	ह	न	न	हीं	आ	ऽ	ये	ऽ	*	*	*	*
स	स	स	स	र	स	स	–	र	ध	ध	ध	प	–	म	–
❀	नै	नों	में	ला	ली	है	ऽ	म	न	में	उ	छा	ऽ	ले	ऽ
–	ध	सं	ध	म	–	–	–	–	स	स	स	र	स	स	–
ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	नै	नों	में	ला	ली	है	ऽ
र	ध	ध	ध	प	–	म	–	*	ध	ध	ध	प	–प	–	ध
म	न	में	उ	छा	ऽ	ले	ऽ	*	आ	जा	मे	रे	ऽकृ	ऽ	ष्ण
पध	मप	म	–	–	–	पध	ध	*	ध	ध	ध	प	–प	–	ध
काऽ	ऽऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	*	आ	जा	मे	रे	ऽकृ	ऽ	ष्ण

पध	मप	म	-	-	-	पध	न	-	न	-	न	न	-	-	-
काऽ	ऽऽ	ले	ऽ	*	*	*	*	*	आ	ऽ	वो	जी	ऽ	ऽ	ऽ
*	सं	-	न	धन	धप	पध	म	*	सं	सं	सं	सं	रं	सं	सं
*	आ	ऽ	वो	जीऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	*	रा	ह	में	नै	ऽ	न	वि
सं	-ध	-	ध	ध	न	ध	प	प	ध	ध	-	प	ध	सं	-
छा	ऽये	ऽ	मो	ह	न	न	हीं	आ	ऽ	ये	ऽ	*	*	*	*
-	सं	सं	सं	सं	रं	सं	सं	सं	-ध	-	ध	ध	न	ध	प
*	रा	ह	में	नै	ऽ	न	वि	छा	ऽये	ऽ	मो	ह	न	न	हीं
प	ध	ध	ध	ध	न	ध	प	प	ध	ध	ध	ध	न	ध	प
आ	ऽ	ये	मो	ह	न	न	हीं	आ	ऽ	ये	मो	ह	न	न	हीं
प	ध	ध	-	धन	धप	मग	रग	स	स	स	स	र	म	प	ध
आ	ऽ	ये	ऽ	*	*	*	*	*	मो	री	अ	ट	रि	या	है
पध	म	-	म	र	म	प	ध	म	प	प	-	धन	धप	मग	रग
सूऽ	नी	ऽ	मो	ह	न	न	हीं	आ	ऽ	ये	ऽ	*	*	*	*
स	स	स	स	र	म	प	ध	पध	म	-	म	र	म	प	ध
*	मो	री	अ	ट	रि	या	है	सूऽ	नी	ऽ	मो	ह	न	न	हीं
म	प	प	-	-	-	-	-								
आ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	*	*	*								

सहेली सांझ दिया बाती.....!

हंस पिक्चर्स	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायिका
"घर की रानी"	✠ ✠	"कहरवा"	✠ ✠	"मीनाक्षी"

सहेली सांझ दिया बाती !
सब गावो सुहागिन गीत झूमती गैया घर आती ॥ सहेली...... ॥
तुलसी मा पूजा करूं तेरी करियो अमर सुहाग ।
हमारा करियो अमर सुहाग ।
मोरे नैहरमें धन धान भरा हो भाई भतीजों के भाग ।
फिरूँ आँगनमें इठलाती-मोरा हरा भरा ससुराल जेठ जेठानी मदमाती ॥
सहेली सांझ दिया..॥

स्वरलिपि ☞

स
स

×				×				×				×			
र	म	ग॒	र	स	र	स	ऩ॒	ध़	प़	ध़	ऩ॒	स	*	*	प
हे	ऽ	ली	ऽ	ऽ	सां	झ	दि	या	ऽ	बा	ऽ	ती	*	*	स
मप	गम॒	रग॒	सर	स	र	स	ऩ॒	ध़	प़	ध़	ऩ॒	स	स	-	स
हेऽ	ऽऽ	लीऽ	ऽऽ	ऽ	साँ	झ	दि	या	ऽ	बा	ऽ	ती	हो	ऽ	स
र	म	ग॒	र	स	र	स	ऩ॒	ध़	प़	ध़	ऩ॒	स	*	*	*
हे	ऽ	ली	ऽ	ऽ	सां	झ	दि	या	ऽ	बा	ऽ	ती	*	*	*
*	*	स	*	रम	र	म	म	म	-	म	प	(म) ग॒	-	ग	(स) र
*	*	स	ब	गाऽ	वो	ऽ	सु	हा	ऽ	गि	न	गी	ऽ	त	झू

-	स	स	र	ऩ	ऩ	स	-	स	र	रम	गर	स	प़	स	स
ऽ	म	ती	ऽ	ऽ	गै	या	ऽ	घ	र	आऽ	ऽऽ	ती	भ़ू	ऽ	म
र	-	स	ऩ	*	ऩ	स	-	स	र	रम	गर	स	(स) म	-	म
ती	ऽ	ऽ	ऽ	*	गै	या	ऽ	घ	र	आऽ	ऽऽ	ती	भ़ू	ऽ	म
र	-	स	ऩ	*	ऩ	स	-	स	र	रम	गर	स	*	*	स
ती	ऽ	ऽ	ऽ	*	गै	या	ऽ	घ	र	आऽ	ऽऽ	ती	*	*	स

हेली सांझ दिया बाती, हो सहेली सांझ दिया बाती...............।

स	प	प	-	प	-	प	र	-	रम	पध	प	(म) ग	र	स	र
तु	ल	सी	ऽ	मा	ऽ	पू	ऽ	ऽ	जाऽ	ऽऽ	क	रूँ	ऽ	ते	री
ऩ	ऩ	स	-	स	र	रम	गर	स-	*	*	स	र	म	ग	र
ऽ	करि	यो	ऽ	अ	म	रऽ	सुऽ	हाग	*	*	ह	मा	ऽ	रा	ऽ
स	र-	स	ऩ	ध़	प़	ध़	ऩ	ग	-	र	-	स	-	स	स
ऽ	करि	यो	ऽ	अ	म	र	सु	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	-	मो	रे
र	म	म	म	म	-	मप	मप	ग	-	ग	ग	र	स	स	र
नै	ऽ	ह	र	में	ऽ	धऽ	नऽ	धा	ऽ	न	भ	रा	ऽ	हो	ऽ
ऩ	ऩ	स	स	स	र	रम	गर	स-	*	*	*	*	*	*	स
ऽ	भा	ई	भ	ती	ऽ	जों	केऽ	भाग	*	*	*	*	*	*	फि

र	म	ग	र	स	र	स	ऩ	ध़	प़	ध़	ऩ	स	❀	❀	❀
रूँ	ऽ	आं	ऽ	ग	न	में	ऽ	इ	ठ	ला	ऽ	ती	❀	❀	❀
*	*	स	स	रम	र	म	म	म	–	मप	मप	ग	–	ग	ग
*	*	मो	रा	हऽ	रा	ऽ	भ	रा	ऽ	सऽ	सु	रा	ऽ	ल	जे
–	र	स	र	ऩ	–	स	–	स	र	रम	गर	स	–	–	–
ऽ	ठ	जे	ऽ	ठा	ऽ	नी	ऽ	म	द	माऽ	ऽऽ	ती	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	स	रम	र	म	म	म	–	मप	मप	ग	–	ग	ग
*	*	मो	रा	हऽ	रा	ऽ	भ	रा	ऽ	स;	सुऽ	रा	ऽ	ल	जे
–	र	स	र	ऩ	–	स	–	स	र	रम	गर	स	–	–	स
ऽ	ठ	जे	ऽ	ठा	ऽ	नी	ऽ	म	द	माऽ	ऽऽ	ती	ऽ	ऽ,	स

हेली सांझ दिया बाती हो सहेली सांझ दिया बाती…………।

55–B. N B

नैना शराबी रंग तोरे………!

रणजीत मोवीटोन	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
फिल्म "होली"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	मिस सितारा

नैना शराबी रङ्ग तोरे, कलेजवा पै कर गये वार।
यह नैना बरफी के भूखे, यह नैना दर्शन के।
टोकरी भरके लाई हूं बरफी, खाओ सैयां तन के।
करो ना तुम इसरार॥ नैना शराबी रङ्ग…………॥
मैं हूं प्रेम पुजारिन तोरी, तुम हो पेट पुजारी।
लड्डू पेड़ा खाके सैंया, मांगे पान सुपारी॥
करे हैं वह इसरार॥ नैना शराबी रङ्ग…………॥

+				+				+				+			
*	धृस	स	स	र	ग	म	प	ग	म	प	स	र	ग	म	प
*	नैऽ	ना	श	रा	बी	रं	ग	तो	रे	हां	श	रा	बी	रं	ग
ग	म	-	स	र	म	रम	पध	प	गर	-ग	र	स	-स	सस	नृधृ
तो	रे	ऽ	क	ले	ज	वाऽ	ऽऽ	पै	कर	ऽग	ये	था	ऽर	हांऽ	ऽऽ
पृ	धृस	स	स	र	ग	म	प	ग	म	-	-	-	म	प	प
ऽ	नैऽ	ना	श	रा	बी	रं	ग	तो	रे	ऽ	ऽ	*	ये	ऽ	नै
प	-	*	धप	म	ग	म	-	ग	मग	र	-	-	म	प	प
ना	ऽ	*	बर	फी	ऽ	के	ऽ	ऽ	भू	खे	ऽ	*	ये	ऽ	नै
प	-	*	धप	म	ग	म	-	ग	मग	र	-	-	ग	म	प
ना	ऽ	*	बर	फी	ऽ	के	ऽ	ऽ	भूऽ	खे	ऽ	*	ये	ऽ	नै
ग	-	नृ	स	ग	ग	स	-	सर	ग	र	ग	-	ग	म	प
ना	ऽ	द	र	श	न	के	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	ये	ऽ	नै
ग	-	नृ	स	ग	ग	स	-	-	-	-	-	*	मप	न	न
ना	ऽ	द	र	श	न	के	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	टोऽ	क	री
न	सं	न	सं	-	ध	न	सं	-	धन	प	-	*	प	-	प
भ	र	के	ऽ	ऽ	ला	ई	हूं	ऽ	बर	फी	ऽ	*	खा	ऽ	वो
पध	न	ध	प	ग	म	ग	म	र	ग	स	र	*	प	-	प
सैंऽ	ऽ	या	ऽ	त	न	के	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	खा	ऽ	वो

पध	न	ध	प	ग	म	ग	स	र	म	रम	पध	प	गर	-ग	र
सैंऽ	ऽ	या	ऽ	त	न	के	क	रो	ऽ	नाऽ	ऽऽ	ऽ	तुम	ऽइ	स
स	-स	सस	नध	प	धस	स	स	र	ग	म	प	ग	म	❀	स
रा	ऽर	हांऽ	ऽऽ	ऽ	नैऽ	ना	श	रा	बी	रं	ग	तो	रे	❀	श
र	ग	म	प	ग	म	❀	स	र	म	रम	पध	प	गर	-ग	र
रा	बी	रं	ग	तो	रे	❀	क	ले	ज	वाऽ	ऽऽ	पै	कर	ऽग	ये
स	-स	सस	नध	प	धस	स	स	र	ग	म	प	ग	म	-	-
वा	ऽर	हांऽ	ऽऽ	ऽ	नैऽ	ना	श	रा	बी	रं	ग	तो	रे	ऽ	ऽ
*ग	-म	ग	सर	ग	पप	प	प	*ध	धध	ध	धध	सं	धप	मग	रस
*मैं	ऽहूँ	प्रे	मपु	जा	रिन	तो	री	*तु	महो	पे	टपु	जा	रीऽ	ऽऽ	ऽऽ
*ध	-ध	ध	धप	*ध	-न	ध	प	*प	-प	प	पध	म	गम	रग	सर
*ल	ऽड्डू	पे	ड़ा	*खा	ऽके	सैं	यां	*मां	ऽगे	पा	नसु	पा	रीऽ	ऽऽ	ऽऽ
*प	-प	प	पध	म	गम	*	स	र	म	रम	पध	प	गर	-ग	र
*मां	ऽगे	पा	नसु	पा	रीऽ	*	क	रे	ऽ	हैंऽ	ऽऽ	ऽ	वोऽ	ऽइ	स
स	-स	सस	नध	प	धस	स	स	र	ग	म	प	ग	म	प	स
रा	ऽर	हांऽ	ऽऽ	ऽ	नैऽ	ना	श	रा	बी	रं	ग	तो	रे	हां	श
र	ग	म	प	ग	म	-	स	र	म	रम	पध	प	गर	-ग	र
रा	बी	रं	ग	तो	रे	*	क	ले	ज	वाऽ	ऽऽ	पै	कर	ऽग	ये

स	-स	सस	नुध़	प़	ध़स	स	स	र	ग	म	प	ग	म	-	-
वा	ऽर	हांऽ	ऽऽ	ऽ	नैऽ	ना	श	रा	बी	रं	ग	तो	रे	ऽ	ऽ

56—N. P. K.

जब से गये बनवारी.............!

रणजीत फिल्म	✤ ✤	ताल	✤ ✤	गायक
"ठोकर"	✤ ✤	कहरवा	✤ ✤	कोरस

जब से गये बनवारी।
राह तकत है नैन हमारे, छाई रात अन्धियारी ॥ जब से....॥
मनमोहन बिन चैन न आवे, मन मोहन बिन जिया घबरावे।
मनमोहन बिन कछु न सुहाये, सूनी दुनियां सारी ॥ जब से....॥
कैसे भूलूं रास की रातें, कैसे भूलूं प्रीत की बातें।
कैसे भूलूं मीठी बातें, लाख जतन कर हारी ॥ जब से....॥

+				।				+				।			
स	र	स	र	ग	-	ग	म	ग	प	प	-	म	ग	र	स
जब	से	ऽ	ग	ये	ऽ	ब	न	वा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	स	र	ग	-	ग	म	ग	प	प	-	-	-	प	-
जब	से	ऽ	ग	ये	ऽ	ब	न	वा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
प	ध	ध	ध	ध	ध	ध	प	ध	सं	सं	सं	न	-	प	-
रा	ऽ	ह	त	क	त	है	ऽ	नै	ऽ	न	ह	मा	ऽ	रे	ऽ

प	ध	प	म	ग	ग	र	स	रग	मग	र	-	र	ग	म	प
छा	ऽ	ई	र	ह	त	अं	धि	याऽ	ऽऽ	री	ऽ	❀	❀	❀	❀

प	ध	प	म	ग	ग	र	स	रग	मग	र	-	रग	मग	रस	ऩस
छा	ऽ	ई	र	ह	त	अं	धि	याऽ	ऽऽ	री	ऽ	❀	❀	❀	❀

जब से गये बनवारी……………………।

प	ध	मप	ध	प	म	म	प	ध	सं	ध	सं	सं	-	सं	-
म	न	मोऽ	ऽ	ह	न	बि	न	चै	ऽ	न	न	आ	ऽ	ये	ऽ

सं	रं	रं	-	रं	रं	रं	रं	रं	सं	रं	गं	रं	सं	सं	-
म	न	मो	ऽ	ह	न	बि	न	जि	या	ध	ब	रा	ऽ	ये	ऽ

सं	सं	सं	-	न॒	न॒	न॒	न॒	ध	ध	ध	न॒	ध	-	प	-
म	न	मो	ऽ	ह	न	बि	न	क	छु	ना	सु	हा	ऽ	ये	ऽ

प	ध	प	ध	म	ग	र	म	ग	-	स	-	र	ग	म	प
सू	ऽ	नी	ऽ	दु	नि	यां	ऽ	सा	ऽ	री	ऽ	❀	❀	❀	❀

प	ध	प	ध	म	ग	र	म	ग	-	स	-	रग	मग	रस	ऩस
सू	ऽ	नी	ऽ	दु	नि	यां	ऽ	सा	ऽ	री	ऽ	❀	❀	❀	❀

जब से गये बनवारी……………………………………………………।

ग	म	ग	म	म	-	म	ग	ग	म	म	प	प	-	प	-
कै	ऽ	से	ऽ	भू	ऽ	लूं	ऽ	रा	ऽ	स	की	रा	ऽ	तें	ऽ

प	ध	ध	सं	सं	रं	रं	-	रं	गं	गं	गं	रं	सं	सं	-
कै	ऽ	से	ऽ	भू	ऽ	लूं	ऽ	प्री	ऽ	त	की	बा	ऽ	तें	ऽ
सं	-	सं	न	न	-	न	-	ध	-	पध	न	ध	-	प	-
कै	ऽ	से	ऽ	भू	ऽ	लूं	ऽ	मी	ऽ	ठीऽ	ऽ	बा	ऽ	तें	ऽ
सं	-	नसं	रंसं	न	-	न	ध	ध	-	पध	न	ध	-	प	-
कै	ऽ	सेऽ	ऽऽ	भू	ऽ	लूं	ऽ	मी	ऽ	ठीऽ	ऽ	बा	ऽ	तें	ऽ
प	ध	प	ध	म	ग	र	म	ग	-	र	-	र	ग	म	प
ला	ऽ	ख	ज	त	न	क	र	हा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	ध	म	ग	र	म	ग	-	र	-	रग	मग	रस	नस
ला	ऽ	ख	ज	त	न	क	र	हा	ऽ	री	ऽ	*	*	*	*

जब से गये बनवारी.........................।

57—N P. K.

ये कौन आज आया..........!

न्यूथियेटर्स		ताल		गायक
फिल्म "नर्तकी"	* *	"झपताल और दादरा"	* *	"पंकज मलिक"

यह कौन आज आया सवेरे सवेरे, कि दिल चौंक उट्ठा सवेरे सवेरे ।
कहा रूप ने चांद है चौधवीं का, मगर चांद कैसा सवेरे सवेरे ।
गया मन का धीरज बढ़ी बेकली भी, ये मुझको हुआ क्या सवेरे सवेरे ।
आते ही एक तरह दार ने दिल छीन लिया ।
दिलरुबा बनके दिलज़ार ने दिल छीन लिया ॥
बांकी चितवन के छुपे प्यार ने दिल छीन लिया ।
देके धोका इसी अय्यार ने दिल छीन लिया ॥
आंखों में जादू बातों में टोना, दिया कैसा चरका सवेरे सवेरे ॥

स
ये

स्वरलिपि ☞

+		२			०		३		
स	-स	म	-	म	ध	रं	रं	-	रं
कौ	ऽन	आ	ऽ	ज	आ	ऽ	या	ऽ	स
सं	-	सं	ध	ध	सं	-	सं	-	ध
वे	ऽ	रे	ऽ	स	वे	ऽ	रे	ऽ	कि
प	प	प	-	प	प	-	पध	पम	म
दि	ल	चौं	ऽ	क	उ	ऽ	ठाऽ	ऽऽ	स
ग	र	गम	प	म	र	-	स	-	प
वे	ऽ	रेऽ	ऽ	स	वे	ऽ	रे	ऽ	क
ध	-	सं	-	सं	सं	-	संरं	गं	गं
हा	ऽ	रू	ऽ	प	ने	ऽ	चांऽ	ऽ	द
गं	-	गं	-	गं	रं	-	संरं	गं	गं
है	ऽ	चौ	ऽ	ध	वीं	ऽ	काऽ	ऽ	क
संरं	संन	ध	-	न	सं	-	संरं	गं	गं
हाऽ	ऽऽ	रू	ऽ	प	ने	ऽ	चांऽ	ऽ	द
गं	-	गं	-	गं	रं	-	संरं	गं	गं
है	ऽ	चौ	ऽ	ध	वीं	ऽ	काऽ	ऽ	म

रं	रं	सं	न	न	प	न	नसं	रं	रं
ग	र	चां	ऽ	द	कै	ऽ	साऽ	ऽ	स
सं	-	सं	ध	न	न	सं	सं	-	ध
वे	ऽ	रे	ऽ	स	वे	ऽ	रे	ऽ	ग
ध	म	म	न	न	ध	-	म	ग	-
या	ऽ	म	न	का	धी	ऽ	र	ज	ऽ
-	-	-	-	ग	प	-	प	न	न
*	*	*	*	ब	ढ़ी	ऽ	वे	ऽ	क
न	-	न	-	-	-	-	-	-	न
ली	ऽ	भी	ऽ	*	*	*	*	*	ग
ध	म	म	न	न	ध	-	म	ग	ग
या	ऽ	म	न	का	धी	ऽ	र	ज	ब
प	-	प	न	न	न	-	न	-	न
ढ़ी	ऽ	बे	ऽ	क	ली	ऽ	भी	ऽ	ये
सं	सं	सं	-	सं	नसं	रं	सं	-	सं
मु	झ	को	ऽ	हु	आऽ	ऽ	क्या	ऽ	*
न	सं	प	-	न	पन	संरं	सं	-	न
*	*	*	*	*	*	*	*	*	ये

सं		सं	सं	–	सं	सं		–	सं	रं	सं
मु		झ	को	ऽ	हु	आ		ऽ	क्या	ऽ	स
न		सं	ध	–	न	धन		संरं	सं	–	स
वे		ऽ	रे	ऽ	स	वेऽ		ऽऽ	रे	ऽ	*
स		–स	म	–	म	ध		रं	रं	–	रं
*		*	*	*	*	*		*	*	*	*
सं		–	सं	ध	ध	सं		–	सं	–	–
*		*	*	*	*	*		*	*	*	*

दादरा

								ध	ध	ध	–
								आ	ते	ही	ऽ
+			–			+					
ध	–	ध	ध	ध	–	प	–	प	प	म	म
ए	ऽ	क	त	र	ह	दा	ऽ	र	ने	दि	ल
ग म	ग म	ग म	प	म	–	गम	पध	ध	ध	ध	–
छी	ऽ	ऽन	लि	या	ऽ	हांऽ	ऽऽ	आ	ते	ही	ऽ
ध	–	ध	ध	ध	–	प	–	प	प	म	म
ऐ	ऽ	क	त	र	ह	दा	ऽ	र	ने	दि	ल
ग म	ग म	ग म	प	मं	–	न	–	न	न	न	न
छी	ऽ	ऽन	लि	या	ऽ	*	*	दिल	रु	बा	ऽ

न	सं	न	ध	ध	–	न	–	ध	ध	ध	ध
ब	न	के	दि	ल	ऽ	ज़ा	ऽ	र	ने	दि	ल
पम	गम	पध	प	म	–	सं	–	सं	सं	सं	सं
छीऽ	ऽऽ	ऽन	लि	या	ऽ	❀	❀	बां	की	चि	त
सं	सं	सं	सं	सं	–	सं	–	रं	सं	न	न
ब	न	के	छु	पे	ऽ	प्या	ऽ	र	ने	दि	ल
(ध) न	(ध) न	(ध) न	सं	ध	न	ध	न	न	न	ध	–
छी	ऽ	ऽन	लि	या	ऽ	ऽ	ऽ	दे	के	धो	ऽ
ध	–	ध	ध	ध	–	प	–	प	प	म	म
खा	ऽ	कि	सी	अ	ई	या	ऽ	र	ने	दि	ल
(ग) म	(ग) म	(ग) म	प	म	–						
छी	ऽ	ऽन	लि	या	ऽ						

(झपताल)

×		२			०		३		
सं	–	सं	–	न	सं	रं	रंगं	मं	–
आं	ऽ	खों	ऽ	में	जा	ऽ	दूऽ	ऽ	ऽ
गरं	सं	सं	–	न	नसं	रं	सं	–	सं
बाऽ	ऽ	तों	ऽ	में	टोऽ	ऽ	ना	ऽ	दि

सं	-	ध	-	प	ध	न	नसं	रंगं	रं
या	ऽ	कै	ऽ	सा	च	र	काऽ	ऽऽ	स

गं	रं	सं	-	न	ध	सं	सं	-	स
वे	ऽ	रे	ऽ	स	वे	ऽ	रे	ऽ	ये

कौन आज आया……………………………………।

58—N. P. K.

तेरी इन आंखों ने…………।

"सागर" कृत		ताल		गायक
"अलीबाबा"	**	कहरवा	**	सुरेन्द्र, वहीदन

तेरी इन आंखों ने किया बीमार हाये !
तेरे इन जल्वों ने दिया आज़ार हाये !
मैं हूँ और राह तेरी, दिलमें हो चाह तेरी,
यूं ही मदहोश रहूँ, यूं ही सरशार हाये !
तेरा दीवाना रहूँ, सब से बेगाना रहूँ,
हो, तेरी चाहत में, लब पै हरवार हाये !

(बैक ग्राउन्ड म्यूज़िक)

+				।				+				।			
स	-	-	प़	स	-	प़	-	स	-	-	प़	स	-	प़	-
सं	न	सं	रं	-	सं	न	ध	प	म	प	ध	-	-	-	-
प	म	प	ध	-	प	म	ग	र	स	र	स	-	-	-	-
स	-	-	-	-	-	र	ग	र	स	र	ध़	स	-	स	ध़

.स	–	–	–	–	–	र	ग॒	र	स	र	ध़	स	–	–	–
सं	–	–	–	–	–	रं	गं॒	रं	सं	रं	ध	सं	–	सं	ध
सं	–	–	–	–	–	रं	गं॒	रं	सं	रं	ध	सं	–	–	–
–	गं॒	रं	सं	ध	प	ध	ग	–	गं॒	रं	सं	ध	प	ध	ग
प	–	प	ग	प	–	प	ग	–	ध	प	ग	ग॒	र	गं॒	र
–	गं॒	रं	सं	ध	प	ध	ग	–	गं॒	रं	सं	ध	प	ध	ग
प	–	प	ग	प	–	प	ग	–	ध	प	ग	ग॒	र	ग॒	र
स	–	–	–	–	–	–	–	सं	न	सं	रं	–	सं	न॒	ध
प	म	प	ध	–	–	–	–	प	म	प	ध	–	प	म	ग
र	स	र	स	–	–	–	–	सं	न	सं	रं	–	सं	न॒	ध

[ ] ऐसे निशानों में जितनी सरगम बन्द हैं वह २ बार बजाना।

—* गीत *—

प	म	प	ध	–	–	–	–	–	–	ध	–:	ध	–	ध	न॒
										ते	ऽ	री	ऽ	इ	न
प	न॒	ध	प	म	ग	र	ग	स	र	र	प	प	म	म	ग
आं	ऽ	ऽ	ऽ	खों	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	कि	ऽ	या	ऽ	बी	ऽ
र	स	–	स	र	–	स	र	–	–	स	–	स	–	स	–
मा	ऽ	ऽ	र	हा	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ते	ऽ	रे	ऽ	इ	न
स	र	र	म	म	प	–	–	–	–	प	ध	ध	–	ध	प
ज	ल	वों	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दी	ऽ	या	ऽ	आ	ऽ

म	प	म	ध	ध	–	प	–	–	–	ध	–	ध	–	ध	न
ज़ा	ऽ	ऽ	र	हा	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ते	ऽ	री	ऽ	इ	न
प	न	ध	प	म	ग	र	ग	स	र	र	प	प	–	म	ग
आं	ऽ	ऽ	ऽ	खों	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	की	ऽ	या	ऽ	बी	ऽ
र	स	–	र	र	–	स	–								
मा	ऽ	ऽ	र	हा	ये	ऽ	ऽ								

(बैक ग्राउन्ड म्यूजिक)

ध	प	ध	न	ध	प	म	ग	र	स	र	ग	म	प	ध	न
सं	न	सं	रं	सं	न	ध	प	ध	न	ध	प	म	ग	र	स
र	–	ध	–	म	–	प	–	ध	–	रं	सं	न	–	ध	–
*	*	मैं	ऽ	हूँ	ऽ	औ	र	रा	ऽ	ऽ	ह	ते	ऽ	री	ऽ
–	–	म	प	ध	सं	ध	–	म	–	प	म	ग	–	र	–
ऽ	ऽ	दि	ल	में	ऽ	है	ऽ	चा	ऽ	ऽ	ह	ते	ऽ	री	ऽ
–	–	र	ध	ध	–	ध	प	म	–	प	म	ग	–	र	–
ऽ	ऽ	यूं	ऽ	हीं	ऽ	म	द	हो	ऽ	ऽ	श	र	ऽ	हूँ	ऽ
–	–	र	प	प	–	म	ग	र	स	–	र	र	स	–	–
ऽ	ऽ	यूं	ऽ	ही	ऽ	स	र	शा	ऽ	ऽ	र	हा	ये	ऽ	ऽ

-	-	स	ध	ध	-	ध	न॒	प	न॒	ध	प	म	ग	र	ग
ऽ	ऽ	ते	ऽ	री	ऽ	इ	न	आँ	ऽ	ऽ	ऽ	खों	ऽ	ने	ऽ

स	र	र	प	प	॰	म	ग	र	स	-	र	र	स	-	-
ऽ	ऽ	की	ऽ	या	ऽ	बी	ऽ	मा	ऽ	ऽ	र	हा	ये	ऽ	ऽ

[ध	न॒	ध	प	म	र	-	म	ध	न॒	ध	प	म	र	म	प]
ध	ध॒	ध	सं	न	सं	गं	रं	गं	मं	गं	रं	सं	-	गं	-
गं॒	-	-	-	-	-	रं	-	सं	ध	प	ग	ग॒	र	स	-
सं	न	सं	रं	-	सं	न॒	ध	प	म	ग	र	स	-	-	-
ग	-	म	-	प	-	ध	-	न	-	ध	-	प	-	-	-

-	-	न	-	न	-	न	ध	प	ध	ध	न	ध	प	प	-
ऽ	ऽ	ते	ऽ	रा	ऽ	दी	ऽ	वा	ऽ	ना	ऽ	र	ऽ	हूँ	ऽ

-	-	प	ध	ध	सं	सं	रं	सं	रं	रं	गं	रं	सं	सं	-
ऽ	ऽ	ते	ऽ	रा	ऽ	वे	ऽ	गा	ऽ	ना	ऽ	र	ऽ	हूँ	ऽ

-	-	स	-	स	-	स	-	स	र	र	म	म	प	-	-
ऽ	ऽ	हो	ऽ	ते	ऽ	री	ऽ	चा	ऽ	ह	त	में	ऽ	ऽ	ऽ

-	-	ध	-	ध	-	ध	प	म	प	म	ध	ध	प	-	-
ऽ	ऽ	लव	ऽ	पे	ऽ	ह	र	बा	ऽ	ऽ	र	हा	ये	ऽ	ऽ

रूँठ गये क्यों मुरारी..........!

नेशनल स्टूडियोज	❈ ❈	ताल	❈ ❈	गायिका
फिल्म "राधिका"	❈ ❈	कहरवा	❈ ❈	नलिनी जयन्त

रूँठ गये क्यों मुरारी, हमसे रूँठ गये क्यों मुरारी ?
कैसी भयानक आंधी आई, हाथ को हाथ न देत सुझाई।
ऐसे समय क्यूं सुध बिसराई ॥ रूँठ गये..............॥
डूबरही मँझधार में नैया, पार लगादो बन के खिवैया।
तुम बिन हमरा कौन रखैया ॥ रूँठ गये..............॥

+				+				+				+			
*	र	-	र	र	-	र	र	स	-	स	ऩ	स	र	स	-
*	रूँ	ऽठ	ग	ये	ऽ	क्यों	मु	रा	ऽ	री	ऽ	ह	म	से	ऽ
*	ग	-	प	ग	-	र	र	स	-	स	ऩ	स	र	स	-
*	रूँ	-ठ	ग	ये	ऽ	क्यों	मु	रा	ऽ	री	ऽ	ह	म	से	ऽ
*	ध	-	ध	ध	-	ध	ध	प	-	ध म	-	ग	ग	र	स
*	रूँ	ऽठ	ग	ये	ऽ	क्यों	मु	रा	ऽ	री	ऽ	ह	म	से	ऽ
*	ग	-	प	ग	-	र	र	स	-	स	ऩ	स	र	स	-
*	रूँ	-ठ	ग	ये	ऽ	क्यों	मु	रा	ऽ	री	ऽ	ह	म	से	ऽ
*	ऩ	ऩ	ऩ	स	-	स	स	*	ग	र	ग	र	-	स	-
*	कै	सी	भ	या	ऽ	न	क	*	आँ	ऽ	धी	आ	ऽ	ई	ऽ

															ध	
*	म	म	म	म	-	ग	म	-	ध	ध	प	म	-	(प)	-
*	हा	थ	को	हा	ऽ	थ	न	ऽ	दे	त	सु	झा	ऽ	ई	ऽ

								ध						ग	
*	न	न	न	ध	-	प	-	म	म	ग	ग	र	-	स	-
*	ऐ	से	स	म	य	क्यों	ऽ	सु	ध	बि	स	रा	ऽ	ई	ऽ

के स्वरों पर "रूँठ गये क्यों मुरारी हम से"......................!

*	म	म	म	ध	-	ध	ध	ध	न	न	सं	सं	-	सं	-
*	डू	ब	र	ही	ऽ	म	झ	धा	ऽ	र	में	नै	ऽ	या	ऽ

				प											
*	न	न	नध	ध	-	प	म	* मप	प	न	ध	-	प	-
*	पा	र	लऽ	गा	ऽ	दो	ऽ	* बन	के	खि	वै	ऽ	या	ऽ

												ग			
*	ध	ध	ध	ध	ध	पध	पध	पध	म	म	म	र	-	स	-
*	तुम	बि	न	ह	म	राऽ	ऽऽ	ऽऽ	कौ	न	र	खै	ऽ	या	ऽ

दूसरी पंक्ति के स्वरों पर "रूँठ गये क्यों मुरारी हम से" फिर बजाइये............।

तीसरी पंक्ति के स्वरों पर "रूँठ गये क्यों मुरारी हमसे" फिर बजाइये...........।

दूसरी पंक्ति के स्वरों पर "रूँठ गये क्यों मुरारी हमसे" फिर बजाइये............।

नांचो नांचो प्यारे मन के मोर !

बौम्बेटाकीज कृत	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"पुनर्मिलन"	卐 卐	"दादरा"	卐 卐	"स्नेहप्रभा"

नांचो नांचो प्यारे मन के मोर ।
आज मेरे जीवन में छाया असाढ़ ॥ नांचो नांचो.........॥
चारों दिशाओं में रिमझिम का राज ।
सरगम का साज़, छाया है आज ॥
बन बन की डालों पै होता है शोर ॥ नांचो नांचो......... ॥
आज मैं हूं मगन मेरा तन मन मगन ।
सारा जीवन है आनन्द विभोर ॥
घुमड़े हैं भावों के बादल घनघोर ॥ नांचो नांचो.........॥
बादल में छुप के मोती लुटाने ।
नींद भरे मेरे सपने जगाने ॥
अंगना में आये मेरे चित चोर ॥ नांचो नांचो.........॥

—:( ):—

स्वरलिपि☞

															प	प	–
															नां	चो	ऽ
+						+						+					
ग	–	म	–	ग	–	र	–	म	–	म	–	प	–	प	प	प	–
नां	ऽ	चो	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ	म	न्	के	ऽ	मो	ऽ	र	नां	चो	ऽ
ग	–	म	–	ग	–	र	–	म	–	म	–	प	–	–	–	–	–
नां	ऽ	चो	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ	म	न्	के	ऽ	मो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
प	–	प	ग	म	–	प	–	सं	–	सं	–	न	–	ध	–	प	–
आ	ऽ	ज	मे	रे	ऽ	जी	ऽ	व	न्	में	ऽ	छा	ऽ	या	ऽ	अ	ऽ

(ग)म - - (ग)म - -	ग॒ - ग॒ स ऩ -	स - र र ग॒ -
सा ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ	आ ऽ ढ़ नां चो ऽ	नां ऽ ऽ चो ऽ ऽ
र - - स ऩ -	स - र - र -	ग॒ - म - म -
ऽ ऽ ऽ नां चो ऽ	नां ऽ चो ऽ प्या ऽ	रे ऽ म न् के ऽ
प - प प प -	ग - म - ग॒ -	र - म - म -
मो ऽ र नां चो ऽ	नां ऽ चो ऽ प्या ऽ	रे ऽ म न् के ऽ
प - - - - -	ध - ध रं - रं	रं - रं - रं -
मो ऽ ऽ ऽ ऽ र	चा ऽ रों ऽ ऽ दि	शा ऽ ओं ऽ में ऽ
ध - ध -ध सं -	धसं रंग॒ं - - - -	रं - रं - रं -
रि ऽम झि ऽम का ऽ	राऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ज	स र ग म का ऽ
रं - - - - -	रं - रं - न -	सं - - - - -
सा ऽ ऽ ऽ ऽ ज़	छा ऽ या ऽ है ऽ	आ ऽ ऽ ऽ ऽ ज
सं - सं - सं -	न॒ - न॒ - न॒ -	ध - ध - म -
ब न् ब न् की ऽ	डा ऽ लों ऽ पै ऽ	हो ऽ ता ऽ है ऽ
प - - - - -	सं - सं - सं -	न॒ - न॒ - न॒ -
शो ऽ ऽ ऽ ऽ र	ब न् ब न् को ऽ	डा ऽ लों ऽ पै ऽ
ध - ध - म -	प - प प प -	ग - म - ग॒ -
हो ऽ ता ऽ है ऽ	शो ऽ र नां चो ऽ	नां ऽ चो ऽ प्या ऽ

र	-	म	-	म	-	प	-	प	स	-	स	स	-	ग	-	र	-
रे	ऽ	म	न्	के	ऽ	मो	ऽ	र	आ	ऽ	ज	में	ऽ	हूं	ऽ	म	ऽ
ग	-	-	ग	र	-	ग	-	प	-	मं	-	प	-	-	प	प	-
ग	ऽ	न	मे	रा	ऽ	त	न	म	न	म	ऽ	ग	ऽ	न	सा	रा	ऽ
प	-	न	-	न	-	न	-	प	-	मं	-	प	-	-	-	-	-
जी	ऽ	व	न	है	ऽ	आ	ऽ	नं	ऽद	वि	ऽ	भो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
सं	सं	सं	-	सं	-	न	-	न	-	न	-	ध	-	ध	-	म	-
घु	म	ड़े	ऽ	हैं	ऽ	भा	ऽ	वों	ऽ	के	ऽ	बा	ऽ	द	ल	घ	न
प	-	-	-	-	-	सं	सं	सं	-	सं	-	न	-	न	-	न	-
घो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	घु	म	ड़े	ऽ	हैं	ऽ	भा	ऽ	वों	ऽ	के	ऽ
ध	-	ध	-	म	-	प	-	प	प	प	-	ग	-	म	-	ग	-
बा	ऽ	द	ल	घ	न	घो	ऽ	र	नां	चो	ऽ	नां	ऽ	चो	ऽ	प्या	ऽ
र	-	म	-	म	-	प	-	-	-	-	-	प	न	प	-	प	-
रे	ऽ	म	न	के	ऽ	मो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	बा	ऽ	द	ल	में	ऽ
म	-	प	ग	-	म	प	-	न	-	न	-	सं	-	-	सं	-	-
छु	ऽ	प	के	ऽ	ऽ	मो	ऽ	ती	ऽ	लु	ऽ	टा	ऽ	ऽ	ने	ऽ	ऽ
प	-	रं	-	रं	-	रं	-	सं	सं	रं	-	न	-	सं	-	सं	-
नीं	ऽ	द	ऽ	भ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	मे	रे	ऽ	स	प	ने	ऽ	ज	ऽ

धन सं - पध मप -	न न न - न -	न - न सं सं -
गाऽ ऽ ऽ नेऽ ऽऽ ऽ	अं ग ना ऽ में ऽ	आ ऽ ये ऽ मे ऽ
प - न सं - रं	प - न म - प	न न न - न -
रे ऽ ऽ चि ऽ त	चो ऽ ऽ ऽ ऽ र	अं ग ना ऽ में ऽ
न - न सं सं -	प - न सं - रं	प - न म -
आ ऽ ये ऽ मे ऽ	रे ऽ ऽ चि ऽ त	चो ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ
प - प प प -		
ऽ ऽ र नां चो ऽ	नांचो प्यारे...।	

61—N. P. K.

जय माधव मुकुन्द मुरारी......!

वाडिया मोवीटोन	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायक
"राजनर्तकी"	✠ ✠	"कहरवा"	✠ ✠	ज्ञानदत्त व कोरस

जय माधव मुकुन्द मुरारी।
बनवारी-बनवारी, गिरवरधारी। माधव मुकुन्द मुरारी ....॥
मैं दीन हूँ तुम हो दयालु, मैं बूंद तुम सागर विशाल।
तुम दुखहारी सुखकारी। माधव मुकुन्द मुरारी.........॥
मोरे अवगुन चित्त न धारो, मोरे अगनित पाप हरो।
जय मोहन कुन्ज बिहारी। जय माधव मुकुन्द............॥

स्वरलिपि☞														प़	प़
														ज	य
ध़	स	स	स	-	ग	ग	स	सग	मप	-	म	ग	र	स	-
मा	ऽ	ध	व	ऽ	मु	कुं	ऽ	दऽ	ऽऽ	ऽ	मु	रा	ऽ	री	ऽ
-	-	प़	प़	ध़	स	स	स	-	ग	ग	स	सग	मप	-	म
ऽ	ऽ	ज	य	मा	ऽ	ध	व	ऽ	मु	कुं	ऽ	दऽ	ऽऽ	ऽ	मु
ग	र	स	-	-	-	ग	ग	रग	मग	रग	मग	स	र	ग	ग
रा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ब़	न	वाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	री	ऽ	ब	न
रग	मग	स	र	-	-	ग	ग	र	म	ग	र	स	ऩ	ध़	प
वाऽ	ऽऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	गि	र	व	र	धा	ऽ	री	ऽ	ज	य

माधव मुकुन्द मुरारी, जय माधव मुकुन्द मुरारी ।

*	स	ग	ग	सग	म॑प	-	-	*	म॑	म॑	प	ग	म	(र)ग	-
*	मैं	दी	न	हूंऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	*	तुम	हो	द	या	ऽ	ऽ	ऽलु
*	ग	-	ग	-	ग	र	स	*	र	र	र	ग	ग	प	म
*	मैं	ऽ	बूं	ऽ	द	तु	म	*	सा	ग	र	ऽ	ऽ	ऽ	वि
ग	-	-	-	-	-	र	स	*	ग	-	ग	-	ग	र	स
शा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल	*	मैं	ऽ	बूं	ऽ	द	तु	म

*	र	र	र	ग	ग	प	म	ग	–	–	–	–	–	र	स
*	सा	ग	र	ऽ	ऽ	ऽ	वि	शा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल
*	प	प	प	प	–	प	–	ग	प	म	ग	र	स	ऩ	स
*	तुम	दु	ख	हा	ऽ	री	ऽ	सु	ख	का	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ

माधव मुकुन्द मुरारी जय माधव मुकुन्द मुरारी ।

														ग	म
														मो	रे
म	प	प	प	*	प	प	ध	ग	प	म	ग	र	ग	स	स
अ	व	गु	न	*	चि	त्त	न	धा	ऽ	रो	ऽ	ऽ	ऽ	मो	रे
*	र	र	र	ग	–	प	म	ग	–	–	–	र	–	ग	म
*	अग	नि	त	पा	ऽ	प	ह	रो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ज	य
म	प	प	प	*	प	ध	न	प ध	–	प	–	–	–	म	म
मो	ऽ	ह	न	*	कुं	ज	वि	हा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ज	य
*	म	म	म	म	म	ग	म	र	ग	र	म	ग	–	ध़	प़
*	मा	ध	व	मु	कुं	द	मु	रा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	ज	य

माधव मुकुन्द मुरारी, जय माधव मुकुन्द मुरारी ।

झूमो झूमो री आशा..........।

नेशनल स्टूडियोज़ फिल्म		ताल		गायिका
"पूजा"	**	"दादरा"	**	"मिस ज्योती"

मोरी बगिया में आयेंगे माली, झूमो झूमो री आशा की डाली ।
ज़रा जीवन की कलियां खिलालूं, ज़रा मन की नगरिया सजालूं ॥
उनकी राह में नैना बिछालूं, जिसने नैनों की निंदिया चुरालीं ।
झूमो झूमो री...॥
आयें आयें बलमवा आयें, मोहे प्रेम के झूले झुलायें ।
मोरी आशा के दीपक जलायें, आए प्रेम नगर में दिवाली ॥
झूमो झूमो री आशा की ....॥

स्वरलिपि☞

															स	स	-
															मो	री	ऽ
+						+						+					
र	म	र	-	-	स	ध़	-	ध़	स	र	-	र	-	-	मप	ध	-
ब	गि	या	ऽ	ऽ	में	आ	ऽ	यें	ऽ	गे	ऽ	मा	ऽ	ऽ	लीऽ	ऽ	ऽ
ध	-	-	ध	ध	-	प	-	ध	-	-	प	म	-	ग	-	-	र
*	*	*	झू	मो	ऽ	झू	ऽ	मो	ऽ	ऽ	री	आ	ऽ	शा	ऽ	ऽ	की
र	-	-	स	-	-	-	-	-	सं	सं	-	न	-	न	-	न	न
डा	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ	*	*	*	ज़	रा	ऽ	जो	ऽ	ब	ऽ	न	की
ध	ध	प	-	-	म	प	-	-	ध	-	-	ध	-	-	सं	सं	-
क	लि	यां	ऽ	ऽ	खि	ला	ऽ	ऽ	लूं	ऽ	ऽ	*	*	*	ज़	रा	ऽ

न न न – – न	ध ध प – – म	प – – ध – –
म न की ऽ ऽ न	ग रि या ऽ ऽ स	जा ऽ ऽ लूं ऽ ऽ
ध – रं सं सं –	न – न – न न	ध ध प – – म
ओ ऽ ऽ ज़ रा ऽ	जो ऽ ब ऽ न की	क लि यां ऽ ऽ खि
प – – ध – –	ध – – सं सं –	न न न – – न
ला ऽ ऽ लूं ऽ ऽ	* * * ज़ रा ऽ	म न की ऽ ऽ न
ध ध प – – म	प – – ध – –	ध – – स स स
ग रि या ऽ ऽ स	जा ऽ ऽ लूं ऽ ऽ	* * * उ न की
स – – ग ग –	ग – प – – प	म – – म मध पम
रा ऽ ऽ ऽ ह में	नै ऽ ना ऽ ऽ बि	छा ऽ ऽ लूं ऽऽ ऽऽ
ग – – ग – म	प – प – – प	ध ध न – – न
ऽ ऽ ऽ जि स ने	नैं ऽ नों ऽ ऽ की	निं दि या ऽ ऽ चु
ध – – प – –	ध सं – सं – न॒	न॒ – ध – – प
रा ऽ ऽ ली ऽ ऽ	ओ ऽ ऽ झू ऽ मो	झू ऽ मो ऽ ऽ री
म – ग – – ग	र – – स – –	सं – – स स –
आ ऽ शा ऽ ऽ की	डा ऽ ऽ ली ऽ ऽ	* * * मे री ऽ
र म र – – स	ध़ – ध़ स र –	र – – मप ध –
ब गि या ऽ ऽ में	आ ऽ यें ऽ गे ऽ	मा ऽ ऽ लीऽ ऽ ऽ

ध	–	–	सं	ध	–	प	–	ध	–	–	प	म	–	ग	–	–	र
*	*	*	झू	मो	ऽ	झू	ऽ	मो	ऽ	ऽ	री	आ	ऽ	शा	ऽ	ऽ	की
र	–	–	स	–	–												
डा	ऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ												

अन्तरा २

															पध	प	–
															आऽ	यें	ऽ
ग॒	–	र	–	–	स	स	–	र	ऩ	–	–	ऩ	–	स	ऩस	र	–
आ	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ब	ल	ऽ	म	वा	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	येंऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	स	स	–	ग	–	–	ग	ग	–	म	–	प	–	–	प
ऽ	ऽ	ऽ	मो	हे	ऽ	प्रे	ऽ	ऽ	म	के	ऽ	झू	ऽ	ले	ऽ	ऽ	झु
प	–	–	पध	नसं	–	प	–	–	पध	प	–	ग॒	–	र	–	–	स
ला	ऽ	ऽ	येंऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आऽ	यें	ऽ	आ	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ब
स	–	र	ऩ	–	–	ऩ	–	स	ऩस	र	–	–	–	–	स	स	–
ल	ऽ	म	वा	ऽ	ऽ	आ	ऽ	ऽ	येंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मो	हे	ऽ
ग	–	–	ग	ग	–	म	–	प	–	–	प	प	–	–	प	मध	पम
प्रे	ऽ	ऽ	म	के	ऽ	झू	ऽ	ले	ऽ	ऽ	झु	ला	ऽ	ऽ	यें	ऽऽ	ऽऽ
ग	–	–	ग	म	–	प	–	प	–	–	प	ध	–	न	–	न	न
ऽ	ऽ	ऽ	मो	री	ऽ	आ	ऽ	शा	ऽ	ऽ	के	दी	ऽ	प	ऽ	क	ज

ध - - प - -	पध प - ग म -	प - प - - प
ला ऽ ऽ यें ऽ ऽ	ऽऽ ऽ ऽ मो री ऽ	आ ऽ शा ऽ ऽ के
ध - न - न न	ध - - प - -	* * * म प -
दी ऽ प ऽ क ज	ला ऽ ऽ यें ऽ ऽ	* * * आ ये ऽ
ध सं - सं - ध	सं - रं रं - गं	रं - - सं - -
प्रे ऽ ऽ म ऽ न	ग ऽ र में ऽ दि	वा ऽ ऽ ली ऽ ऽ
प - - ध सं -	ध - प - * *	ग - प ध सं -
ऽ ऽ ऽ झू मो ऽ	झू ऽ मो ऽ * *	ओ ऽ ऽ झू मो ऽ
ध - प - - म	ग - र - - ग	र - - स - -
झू ऽ मो ऽ ऽ री	आ ऽ शा ऽ ऽ की	डा ऽ ऽ ली ऽ ऽ
सं - - स स -		
* * * मो री ऽ	बगिया में......................................।	

63—N P. K.

भूलने वाले भुलाने पे भी....!

रणजीत मोवीटोन	ताल	गायिका
फिल्म "शादी"	"दादरा"	"खुर्शीद"

भूलने वाले भुलाने पे भी याद आते हैं। दर्द बन के मेरी नस-नस में चुभे जाते हैं॥
ऐ दिल कहां ले जाऊँ अब कौन ठिकाना है। अपने न हुये अपने, ये कैसा ज़माना है॥
बिजली में है पोशीदा तूफान क़यामत का। हँसना भी तो दुनियां में रोने का बहाना है॥
फिर आंख भर आई है फिर याद तेरी आई। यह गीत हैं दरदीले यह राग रुलाना है।

प	–	प	प	–	ध	पमं	प	प	–	–	–	–	–	न	–	न	न	–
भू	ऽ	ल	ने	ऽ	वा	ऽऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	भू	ऽ	ल	ने	ऽ

प	प	ध	पध	नध	प	प	–	–	–	–	प	प	–	प	प	प
ऽ	वा	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ	*	*	भु	ला	ऽ	ने	पे	भी

म	–	म	–	ग	प	म	–	–	–	–	–	गम	पध	मप	धन	ध	–
या	ऽद	आ	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀	❀

ध	ध	ध	ध	पध	न	पध	प	म	–	–	ग	ग	ग	ग	ग	ग
द	ई	ब	न	केऽ	ऽ	ऽऽ	मे	री	ऽ	❀	न	स	न	स	में	चु

रग	म	स	स	ग	रग	मप	गम	र	स	–	–	–	❀	❀	स	र
भेऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ते	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	ऐ	ऽ

ग	ग	म	म	–	म	ग	मपध	मप	म	–	ग	–	सर	ग	स	–
दि	ल	क	हां	ऽ	ले	ऽ	जाऽऽ	ऽऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ

–	–	स	र	ग	ग	म	म	❀	ध	न	ध	प	म	–	ग	र
❀	❀	ऐ	ऽ	दि	ल	क	हां	❀	ले	ऽ	जा	ऽ	ऊँ	ऽ	अ	ब

ग	म	ग	र	र	–	ग	स	स	–	स	र
कौ	ऽ	न	ठि	का	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	ऐ	ऽ

ग	ग	म	म	ध	न	ध	प	म	–	ग	र
दि	ल	क	हां	ले	ऽ	जा	ऽ	ऊं	ऽ	अ	ब

ग	म	ग	र	र	-	ग	स	स	-	स	र
कौ	ऽ	न	ठि	का	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	अ	प
ग	-	म	म	म	-	म	प	म	-	ग	र
ने	ऽ	न	हु	ए	ऽ	अ	प	ने	ऽ	ये	ऽ
ग	म	ग	र	र	-	ग	स	स	-	स	र
कै	ऽ	सा	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	अ	प
ग	-	म	म	ध	न	ध	प	म	-	ग	र
ने	ऽ	न	हु	ए	ऽ	अ	प	ने	ऽ	ये	ऽ
ग	म	ग	र	र	-	ग	स	स	-	❀	❀
कै	ऽ	सा	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	❀	❀

(ठेका बन्द)

गम	पध	नध	नसं	-	-	प	ध	सं	-	-	न	सं	-	-
❀	❀	❀	❀	❀	❀	बि	ज	ली	ऽ	ऽ	में	है	ऽ	ऽ

न	न	-	प	ध	प	म	-	-	-	म	प	-	प	ध	न	-
पो	शी	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❀	❀	तू	फा	ऽ	न	क़	या	ऽ

प	न	नध	प	-	-	❀	मप	धध	पप	मग	गम	पप
म	त	काऽ	ऽ	ऽ	ऽ	❀	आऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ

मम	गर	स	-	*	*	स	र	ग	-	म	म	-	म	म	मपध	मप
ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	*	*	हं	स	ना	ऽ	भी	तो	ऽ	दु	नि	यांऽऽ	ऽऽ

म	-	ग	-	सर	ग	स	-	-	-	स	र	ग	-	म	म	*
में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	हं	स	ना	ऽ	भी	तो	*

ध	न	ध	प	म	-	ग	र	
दु	नि	यां	ऽ	में	ऽ	रो	ऽ	इसके बाद ठेका शुरू

ग	म	ग	र	र	-	ग	स	स	-	स	र
ने	ऽ	का	ब	हा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	हं	स
ग	-	म	म	ध	न	ध	प	म	-	ग	र
ना	ऽ	भी	तो	दु	नि	यां	ऽ	में	ऽ	रो	ऽ
ग	म	ग	र	र	-	ग	स	स	-	-	-
ने	ऽ	का	ब	हा	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	*	*

(ठेका बन्द)

स	र	ग	-	ग	म	म	-	ग	प	म	-	-	-	प	ध
फि	र	आं	ऽ	ख	भर	आ	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	फि	र

ध	-	र	र	र	र	ग	ग	स	स	-	-	-	पध	सं	-	प	ध
या	ऽ	ऽ	द	ते	री	ऽ	आ	ऽ	ई	ऽ	*	*	*	*	*	फि	र

सं – न सं सं – – न न – प ध प म – – – म म
आं ऽ ख भ र ऽ ऽ आ ई ऽ है ऽ ऽ ऽ ऽ * * फि र

प – प ध न – प न नध प – – – मप धध पप
या ऽ द ते री ऽ आ ऽ ईऽ ऽ ऽ ऽ * हाये ऽऽ ऽऽ

मग गम पप मम गर स – – – स र ग – म म –
ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ * * ये ऽ गी त हैं ऽ ऽ

म म मपध मप म – ग – सर ग स – – – स र
द र दीऽऽ ऽऽ ले ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ * * ये ऽ

ग – म म * ध न ध प म – ग र	ठेका शुरू
गी ऽ त हैं * द र दी ऽ ले ऽ ये ऽ	

ग	म	ग	र	र	–	ग	स	स	–	स	र
रा	ऽ	ग	रु	ऽ	ला	ना	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ
ग	–	म	म	ध	न	ध	प	म	–	ग	र
गी	ऽ	त	हैं	द	र	दी	ऽ	ले	ऽ	ये	ऽ
ग	म	ग	र	र	–	ग	स	स	–	प	ध
रा	ऽ	ग	रु	ला	ऽ	ना	ऽ	है	ऽ	ऐ	ऽ
सं	सं	सं	सं	सं	रं	न	–	न	–	प	म
दि	ल	क	हां	ले	ऽ	जा	ऽ	ऊं	ऽ	ऐ	ऽ

प	प	ध	ध	न	सं	ध	–	प	–	स	र
दि	ल	क	हां	ले	ऽ	जा	ऽ	ऊं	ऽ	ऐ	ऽ

ग	ग	म	म	ध	न	ध	प	म	–	ग	र
दि	ल	क	हां	ले	ऽ	जा	ऽ	ऊं	ऽ	अ	ब

कौन ठिकाना है, अपने न हुये अपने ………………।

64—N. P. K.

मैं इन नैनन में साजन………!

रणजीत मोवीटोन	**	ताल	**	गायक
फिल्म "नदी किनारे"	**	कहरवा	**	कान्तीलाल व कल्यानी

वह दिल ही नहीं जिसमें न हो चाह किसी की।
वह आंख नहीं जो न तके राह किसी की॥
मैं इन नैनन में साजन तुम्हें बसाऊँ।
मैं सजनी तुमको मन का मीत बनाऊँ॥
मेरे मन की एक गली है तुम उसमें आजाओ।
जोगी बन के धीरे-धीरे मन के तार बजाओ॥
फिर मैं पास तुम्हारे चोरी-चोरी आऊँ॥ मैं इन…॥
जोगी जोगन मिल के साजन चल दें नदी किनारे।
मैं छुप जाऊँ तुम ढूँढ़ो आऊँ ना हाथ तुम्हारे॥
फिर मैं दूर कहीं से प्रीतम-प्रीतम गाऊँ॥ मैं इन…॥

बिना ठेका!

सर	मप	ध	–	–	–	ध	–	–	–	प	ध	–	–	–	–	–	–
वोऽ	ऽऽ	दिल	ऽ	ऽ	ऽ	ही	ऽ	ऽ	ऽ	न	हीं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	* *

प प प – – म म म – गम ग – – – – – – – ग र
जि स में ऽ ऽ ऽ न हो ऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * * चा ऽ

– स र र स – ग र – – – – – – – म – – –
ऽ ह कि सी ऽ ऽ ऽ की ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * वो ऽ ऽ ऽ

म म म गम गम ग – – – – – – – ग – ग ग
आं ख न हीं ऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * * जो ऽ न त

र – – – – सर स र – – र र र – – स – – – – – – –
के ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ रा ऽ ऽ ह कि सी ऽ ऽ की ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * *

ठेका शुरू

														प़	–
														मैं	ऽ
+				–				+				–			
ध़	ध़	स	–	र	ग	ग	–	ग	–	म	म	ग	र	–	स
इ	न	नैं	ऽ	न	न	में	ऽ	सा	ऽ	ज	न	तु	म्हें	ऽ	ब
स	ग	र	–	–	–	प़	–	ध़	ध़	स	–	र	ग	ग	–
सा	ऽ	ॐ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	इ	न	नैं	ऽ	न	न	में	ऽ
ग	–	म	म	ग	र	–	स	स	ग	र	–	–	–	प़	–
सा	ऽ	ज	न	तु	म्हें	ऽ	ब	सा	ऽ	ॐ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
ध़	ध़	स	–	र	ग	ग	–	ग	ग	म	–	ग	–	र	स
स	ज	नी	ऽ	तु	म	को	ऽ	म	न	का	ऽ	मी	ऽ	त	ब

स	ग	र	-	-	-	प़	-	ध़	ध़	स	-	र	ग	ग	-
ना	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	स	ज	नी	ऽ	तु	म	को	ऽ
ग	ग	म	-	ग	-	र	स	स	ग	र	-	-	-	*	*
म	न	का	ऽ	मी	ऽ	त	ब	ना	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	प	-	प	प	प	प	-	म॑	-	म॑	म॑	म॑	-	म	-
*	मे	ऽ	रे	म	न	की	ऽ	ए	ऽ	क	ग	ली	ऽ	हो	ऽ
ग	ग	ग	-	र	-	स	-	स	ग	र	स	-	-	-	-
उ	स	मैं	ऽ	तुम	ऽ	आ	ऽ	जा	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	म	-	म	म	म	म	-	*	प	-	ध	प	-	म	-
*	जो	ऽ	गी	ब	न	के	ऽ	*	धी	ऽ	रे	धी	ऽ	रे	ऽ
*	म	-	म	म	म	म	-	*	प	-	ध	प	-	म	-
*	जो	ऽ	गी	ब	न	के	ऽ	*	धी	ऽ	रे	धी	ऽ	रे	ऽ
ग	ग	ग	-	र	-	स	स	स	ग	ग	-	-	-	-	-
म	न	के	ऽ	ता	ऽ	र	ब	जा	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न॒	न॒	न॒	न॒	-	न॒	न॒	प	ध	ध	प	म	ग	र	स
*	फि	र	मैं	पा	ऽ	स	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	ग	-	र	स	-	र	ग	ग	-	स	-	-	-	-	-
*	चो	ऽ	री	चो	ऽ	री	ऽ	आ	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

न	न	न	–	न	–	न	न	प	ध	ध	प	म	ग	र	स
फि	र	मैं	ऽ	पा	ऽ	स	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	ग	–	र	स	–	र	ग	ग	–	स	–	–	–	प़	–
*	चो	ऽ	री	चो	ऽ	री	ऽ	आ	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ
ध़	ध़	स	–	र	ग	ग	–	ग	–	म	म	ग	र	–	स
इ	न	नै	ऽ	न	न	में	ऽ	सा	ऽ	ज	न	तु	म्हें	ऽ	ब
स	ग	र	–	–	–	प़	–								
सा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ	सजनी तुमको…… ……… ।							
*	प	–	प	म	–	म	म	ग	ग	ग	–	र	–	स	स
*	जो	ऽ	गी	जो	ऽ	ग	न	मि	ल	के	ऽ	सा	ऽ	ज	न
र	र	म	–	म	ध	प	प	ध	सं	सं	–	–	–	–	–
च	ल	दें	ऽ	न	दी	ऽ	कि	ना	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	न	–	न	ध	–	प	म	ग	ग	ग	–	र	–	स	स
ऽ	जो	ऽ	गी	जो	ऽ	ग	न	मि	ल	के	ऽ	सा	ऽ	ज	न
र	र	म	–	म	ध	प	प	ध	सं	सं	–	–	–	–	–
च	ल	दें	ऽ	न	दी	ऽ	कि	ना	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	–	सं	रं	न	–	न	–	ध	ध	ध	–	प	–	म	–
मैं	ऽ	छु	प	जा	ऽ	ऊं	ऽ	तु	म	हूं	ऽ	ढ़ो	ऽ	आ	ऽ

प	ध	म	प	म	–	ग	ग	ग	–	म	–	–	–	–	–
ऊँ	ऽ	ना	ऽ	हा	ऽ	थ	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
न	न	न	–	न	–	न	न	प	ध	ध	प	म	ग	र	स
फि	र	मैं	ऽ	दू	ऽ	र	क	हीं	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध़	स	स	स	–	र	ग	ग	–	स	–	–	–	–	–
*	प्री	त	म	प्री	ऽ	त	म	गा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
न	न	न	–	न	–	न	न	प	ध	ध	प	म	ग	र	स
फि	र	मैं	ऽ	दू	ऽ	र	क	हीं	ऽ	से	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध़	स	स	स	–	र	ग	ग	–	स	–	–	–	प़	–
*	प्री	त	म	प्री	ऽ	त	म	गा	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	मैं	ऽ

इन नैनन में.........................!

65—N. P. K.

गंगा का निर्मल पानी.................!

रणजीत मोवीटोन	**	ताल	**	गायिका
"मुसाफिर"	**	कहरवा	**	'वासन्ती'

गङ्गा का निर्मल पानी, तेरा जीवन एक कहानी।
पंछी जगजा, हाड़ मास का पिंजरा लेकर भगजा॥ गङ्गा का......।
दिन आये अच्छे प्यारे जब चला चली कहलाये।
पंछी जगजा, हाड़ मास का पिंजरा लेकर भगजा॥ गङ्गा का......॥

स्वरलिपि☞

+				।				+				।			
														प	–
														गं	ऽ
ध	सं	सं	–	न	ध	प	ध	ध	सं	सं	–	सं	प	प	–
गा	ऽ	का	ऽ	नि	र	म	ल	पा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	गं	ऽ
ध	सं	सं	–	न	ध	प	ध	ध	सं	सं	–	सं	प	ध	प
गा	ऽ	का	ऽ	नि	र	म	ल	पा	ऽ	न	ऽ	ऽ	ऽ	ते	रा
–	प	प	ध	*	सं	रं	गं	संरं	गं	गं	रं	सं	–	ध	प
ऽ	जी	व	न	*	ए	क	क	हाऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ते	रा
–	प	प	ध	*	सं	रं	गं	संरं	गं	गं	रं	सं	–	सं	सं
ऽ	जी	व	न	*	ए	क	क	हाऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	पं	छी
न	सं	न	ध	प	–	ध	ध	ध	न	न	ध	प	म	ग	म
ज	ग	जा	ऽ	ऽ	ऽ	पं	छी	ज	ग	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	–	ध	ध	–	ध	ध	–	प	प	मप	मग	रग	रस	र	ग
हा	ऽ	ड़	मा	ऽ	स	का	ऽ	पिं	ज	राऽ	ऽऽ	लेऽ	ऽऽ	क	र
ग	र	स	–	–	–	गम	पध	ध	–	ध	ध	–	ध	ध	–
भ	ग	जा	ऽ	ऽ	ऽ	हांऽ	ऽऽ	हा	ऽ	ड़	मा	ऽ	स	का	ऽ
प	प	मप	मग	रग	रस	र	ग	ग	र	स	–	–	–	प	–
पिं	ज	राऽ	ऽऽ	लेऽ	ऽऽ	क	र	भ	ग	जा	ऽ	ऽ	ऽ	गं	ऽ

गा का निरमल पानी..............................।

अन्तरा २

														स	स
														दि	न
+				।				+				।			
र	म	म	–	*	प	न	न	पध	न	प	–	प	र	स	स
आ	ऽ	यें	ऽ	*	अ	ऽ	च्छे	प्याऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	दि	न
र	म	म	–	*	प	न	न	पध	न	प	-	–	–	प	ग
आ	ऽ	यें	ऽ	*	अ	ऽ	च्छे	प्याऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ब
ध	सं	–	रं	गं	–	गं	गं	रं	गं	गं	रं	सं	–	प	प
च	ला	ऽ	च	ली	ऽ	क	ह	ला	ऽ	ये		ऽ	ऽ	ज	ब
ध	सं	–	रं	गं	–	गं	गं	रं	गं	गं	रं	–	*	गं	गं
च	ला	ऽ	च	ली	ऽ	क	ह	ला	ऽ	ये	ऽ	ऽ	*	पं	छी
रं	गं	गं	रं	–	*	रं	रं	रं	गं	गं	रं	सं	–	सं	सं
ज	ग	जा	ऽ	ऽ	*	पं	छी	ज	ग	जा	ऽ	ऽ	ऽ	पं	छी
न	सं	सं	न	ध	प	ग	म	ध	–	ध	ध	–	ध	ध	–
ज	ग	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हा	ऽ	ड़	मा	ऽ	स	का	ऽ
प	प	मप	मग	रग	रस	र	ग	ग	र	स	–	–	–	प	–
पिं	ज	राऽ	ऽऽ	लेऽ	ऽऽ	क	र	भ	ग	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गं

गा का निरमल पानी..।

66–N. P. K

ओ जीने वाले.............।

बोम्बे टाकीज फिल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
"पुनर्मिलन"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	"किशोर साहू"

ओ जीने वाले, हँसते-हँसते जीना ।
आँसू तेरे छलक न आयें, छलक-छलक कर ढलक न जायें ।
आँखों में ही पीना, हंसते हंसते जीना-ओ जीने वाले......॥
सूरज कभी ना डूबे तेरा, जब तू जागे तभी सवेरा ।
तेरा बदले रङ्ग कभी ना, हसते-हंसते जीना, ओ जीने वाले......॥
बिजली तुझको राह बताये, बादल यह सन्देश सुनाये ।
सुख के स्वर में बजा बावरे, अपनी जीवन बीना ॥
हंसते २ जीना, ओ जीने वाले.................................॥

स्वरलिपि

														ग	स
														ओ	ऽ
+				ı				+				ı			
–	ग	–	म	ध	–	ध	–	ध	प	–	–	–	–	मग	रग
ऽ	जी	ऽ	ने	वा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ
–	ग	–ग	म	प	–प	ध	प	म	–	ग	–	–	–	ग	स
ऽ	हं	ऽस	ते	हँ	ऽस	ते	ऽ	जी	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ
–	ग	–	म	ध	–	ध	–	ध	प	–	–	–	–	–	–
ऽ	जी	ऽ	ने	वा	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
* स	–	स	ग	–	ग	म	म	म	प	प	प	–	प	–
* आँ	ऽ	सू	ते	ऽ	रे	ऽ	छ	ल	ऽक	न	आ	ऽ	यें	ऽ

प	ध	-ध	ध	ध	न॒	प	ध	सं	सं	-सं	सं	रं	-	सं	-
छ	ल	ऽक	छ	ल	ऽक	क	र	ढ	ल	ऽक	न	जा	ऽ	यें	ऽ
-	-	-	-	-	-	-	-	*	स	-	स	ग	-	ग	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	आँ	ऽ	सू	ते	ऽ	रे	ऽ
म	म	प	प	प	-	प	-	प	ध	-ध	ध	ध	न॒	प	ध
छ	ल	ऽक	न	आ	ऽ	यें	ऽ	छ	ल	ऽक	छ	ल	ऽक	क	र
सं	सं	-सं	सं	रं	-	सं	-	*	न	-	न	न	रं	सं	-
ढ	ल	ऽक	न	जा	ऽ	यें	ऽ	*	आँ	ऽ	खों	में	ऽ	ही	ऽ
न	सं	न	ध	प	म	ग	म	*	प	-प	न	न	ध	प	-
पी	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	हँ	ऽस	ते	हँ	ऽस	ते	ऽ
प	म	ग	-	-	-	ग	स								
जी	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ	जीने वाले.........................।							
ग	ग	ग	म	ग	-	र	स	-	स	-	ध़	ध़	स	स	-
सू	र	ज	क	भी	ऽ	ना	ऽ	ऽ	डू	ऽ	बे	ते	ऽ	रा	ऽ
*	ग	ग	ग	ग	प	प	-	*	ग	ग	म	ग	र	स	-
*	ज	ब	तू	जा	ऽ	गे	ऽ	*	त	भी	स	वे	ऽ	रा	ऽ
❀	म	ध	ध	ध	ध	ध	-	प	ध	ध	न॒	ध	-	प	-
❀	ते	ऽ	रा	ब	द	ले	ऽ	रं	ऽ	ग	क	भी	ऽ	ना	ऽ

❀	ग	-ग	म	प	-प	ध	प	म	-	ग	-	-	-	ग	स
❀	हं	ऽस	ते	हं	ऽस	ते	ऽ	जी	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ

जीने वाले हंसते हंसते ·········!

❀	स	स	स	ग	ग	ग	प	-	ग	ग	प	ग	र	स	-
❀	बि	ज	ली	तु	झ	को	ऽ	ऽ	रा	ह	ब	ता	ऽ	ये	ऽ

❀	स	-	गग	ग	-	प	-	❀	प	ध	सं	न	-	ध	-
❀	बा	ऽ	दल	ये	ऽ	सं	ऽ	❀	दे	श	खु	ना	ऽ	ये	ऽ

❀	न	न	न	न	न	न	-	सं	सं	-	ग	रं	रं	सं	-
❀	सु	ख	के	सु	र	में	ऽ	ब	जा	ऽ	बा	ऽ	ब	रे	ऽ

❀	न	न	न	न	रं	सं	सं	न	सं	न	ध	प	म	ग	म
❀	अ	प	नी	जी	ऽ	व	न	बी	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

❀	प	-प	न	न	ध	प	-	प	म	ग	-	-	-	ग	स
❀	हं	ऽस	ते	हं	ऽस	ते	ऽ	जी	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ओ	ऽ

जीने वाले·················· ।

67—N P. K.

घर घर दीप जले..............!

रणजीत फिल्म	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायक
"दिवाली"	✠ ✠	"कहरवा"	✠ ✠	"कोरस"

घर घर दीप जले, घर घर दीप जले ॥
घर घर शोभा छाई, घर घर साज सजे ।
घर घर लक्ष्मी खेलें सजनी, घर घर मौज मजे ॥
घर घर दीप जले.............................॥
घर घर अमृत बरसे, सब घर लगे भले ।
घर घर खुशियां झूमें सजनी, सुखका दौर चले ॥
घर घर दीप जले.............................॥

+				।				+				।			
ध़	स	स	स	स	र	ऩ	स	र	ग	म	प	ध	प	म	ग
घ	र	घ	र	दी	ऽ	प	ज	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	प	प	म	ग	र	स	ऩ	स	–	–	–	पध	पम	गर	स
घ	र	घ	र	दी	ऽ	प	ज	ले	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
ध़	स	स	स	स	र	ऩ	स	र	ग	म	प	ध	प	म	ग
घ	र	घ	र	दी	ऽ	प	ज	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	प	प	म	ग	र	स	ऩ	स	–	–	–	–	–	–	–
घ	र	घ	र	दी	ऽ	प	ज	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
र	ग	ग	ग	ग	–	र	ग	ग	प	प	–	–	–	–	–
घ	र	घ	र	शो	ऽ	भा	ऽ	छा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

म	ध	ध	ध	ध	-	प	ध	प	-	-	-	म	ग	र	स
घ	र	घ	र	सा	ऽ	ज	स	जे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	ग	ग	ग	ग	-	र	ग	ग	प	प	-	-	-	-	-
घ	र	घ	र	शो	ऽ	भा	ऽ	छा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
म	ध	ध	ध	ध	-	प	ध	प	-	-	-	-	-	-	-
घ	र	घ	र	सा	ऽ	ज	ल	जे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ग	ग	प	प	ध	ध	न	-	सं	-	सं	रं	न	न	सं	-
घ	र	घ	र	ल	ल	मी	ऽ	खे	ऽ	लें	ऽ	स	ज	नी	ऽ
सं	सं	गं	रं	सं	-	ध	न	सं	-	-	-	-	-	-	-
घ	र	घ	र	मौ	ऽ	ज	म	जे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
सं	सं	गं	रं	सं	-	ध	न	सं	-	-	-	-	-	सं	ध
घ	र	घ	र	मौ	ऽ	ज	म	जे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
प	ध	प	म	ग	र	स	ऩ	स	-	-	-	-	-	-	-
घ	र	घ	र	दी	ऽ	प	ज	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ध़	स	स	स	स	र	ऩ	स	र	ग	म	प	ध	प	म	ग
घ	र	घ	र	दी	ऽ	प	ज	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	प	प	म	ग	र	स	ऩ	स	-	-	-	-	-	-	-
घ	र	घ	र	दी	ऽ	प	ज	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

ग	म	म	म	म	ग	र	ग	म	प	प	-	-	-	-	-
घ	र	घ	र	अ	म	र	त	ब	र	से	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
म	म	ध	प	म	र	-	ऩ	स	-	-	-	-	-	-	-
स	ब	घ	र	ल	गे	ऽ	भ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ग	ग	प	प	ध	ध	न	-	सं	-	सं	रं	न	न	सं	-
घ	र	घ	र	खु	शि	यां	ऽ	झू	ऽ	में	ऽ	स	ज	नी	-
सं	सं	गं	रं	सं	-	ध	न	सं	-	-	-	-	-	-	-
सु	ख	का	ऽ	दौ	ऽ	र	च	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
सं	सं	गं	रं	सं	-	ध	न	सं	-	-	-	-	-	सं	ध
सु	ख	का	ऽ	दौ	ऽ	र	च	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	म	ग	र	स	ऩ	स	-	-	-	-	-	-	-
घ	र	घ	र	दी	ऽ	प	ज	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ध़	स	स	स	स	र	ऩ	स	र	ग	म	प	ध	प	म	ग
घ	र	घ	र	दी	ऽ	प	ज	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	प	प	म	ग	र	स	ऩ	स	-	-	-	-	-	-	-
घ	र	घ	र	दी	ऽ	प	ज	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

68—N. P. K.

देखो देखो जी बदरवा.......।

रणजीत फिलम	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
"दिवाली"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	इक़बाल व कान्तिलाल

कित चले हमारे सैंयां !

देखो-देखो जी बदरवा कारे, जियरा डराये ।
किन गये हमारे सैयां, अजहूँ न आये ॥ देखो...॥
खोये-खोये नैनों वाली, किसकी याद सताये ?
गङ्गा मैया फूल चढ़ाऊँ, जो प्रीतम घर आये ॥ देखो...॥
पवन चले पुरवैया, डोले मन की नैया ।
ओ मेरे रूठ गये खिवैया, हाय नैया झोंके खाये ॥ देखो...॥

(बिना ताल)

स स - र म - - - - - - - ग ग - र - स -
कि त ऽ च ले ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * * ह मा ऽ रे ऽ सै ऽ

न॒ - ध॒ - - - - - स स र स र - स - -
यां ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * * * * * * * * * * *

- स स र ग म - - - - - ग ग ग र स स न॒
* दे खो दे खो जी ऽ ऽ ऽ ऽ * ब द र वा ऽ का ऽ

न॒ ध॒ - - - - - स स र स र - स - - -
रे ऽ ऽ ऽ ऽ * * जि य रा ड रा ऽ ये ऽ ऽ ऽ

यहाँ से ताल कहरवा शुरू होगी ☞

+				।				+				।			
														स	स
														कि	ल
र	म	–	म	ग	–	र	–	स	र	ऩ	ध़	स	स	र	स
ग	ये	ऽ	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	सैं	ऽ	या	ऽ	अ	ज	हु	न
र	–	स	–	–	–	स	स	र	ग	म	म	ग	ग	र	–
आ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	दे	खो	दे	खो	जी	ब	द	र	वा	ऽ
स	र	ऩ	ध़	स	स	र	स	र	–	स	–	–	–	–	–
का	ऽ	रे	ऽ	जि	य	रा	ड	रा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
प़	ध़	ध़	प़	ध़	स	स	स	र	म	म	मग	र	स	–	–
खो	ये	खो	ये	नै	नों	वा	ली	किस	की	या	दस	ता	ये	ऽ	ऽ
प	ध	प	म	प	पध	प	म	प	ध	प	म	ग	र	स	स
गं	गा	मै	या	फू	लच	ढ़ा	ऊँ	जो	प्री	तम	घर	आ	ये	दे	खो
र	ग	म	–	–	–	*	*	प	ध	प	म	प	पध	प	म
दे	खो	जी	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	गं	गा	मै	या	फू	लच	ढ़ा	ऊँ
प	ध	प	म	ग	र	स	स	र	ग	म	–	–	–	स	स
जो	प्री	तम	घर	आ	ये	दे	खो	दे	खो	जी	ऽ	ऽ	ऽ	दे	खो

देखो जी बदरवा कारे…………………………………… …… . …………………!

प	न	न	न	न	–	सं	रं	न	–	सं	–	–	–	–	–
प	व	न	च	ले	ऽ	पु	र	वै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

-	-	-	-	-	-	-	-	प	न	न	न	न	-	सं	रं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	व	न	च	ले	ऽ	पु	र
न	-	सं	-	-	-	-	-	*	ध	-	म	प	ध	न̱	-
वै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	डो	ऽ	ले	म	न	की	ऽ
ध	-	प	-	-	-	न	-	न	न	न	न	न	-	सं	रं
नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प	व	न	च	ले	ऽ	पु	र
न	-	सं	-	-	-	-	-	*	ध	-	म	प	ध	न̱	-
वै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	डो	ऽ	ले	म	न	की	ऽ
ध	-	प	-	-	न̱	न̱	न̱	न̱	न̱	न̱	न̱	ध	ध	प	प
नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ओ	मे	रे	रू	ठग	ये	खे	वै	या	हा	य
प	ध	प	म	ग	-ग	र	स	र	ग	म	-	-	न̱	न̱	न̱
नै	या	झो	के	खा	ऽये	दे	खो	दे	खो	जी	ऽ	ऽ	ओ	मे	रे
न̱	न̱	न̱	न̱	ध	ध	प	प	प	ध	प	म	ग	-ग	र	स
रू	ठग	ये	खे	वै	या	हा	य	नै	या	झो	के	खा	ऽये	दे	खो
र	ग	म	-	-	-	स	स	र	ग	म	म	ग	ग	र	-
दे	खो	जी	ऽ	ऽ	ऽ	दे	खो	दे	खो	जी	ब	द	र	वा	ऽ
स	र	न̱	ध़	स	स	र	स़	र	-	स	-	-	-	स	स
का	ऽ	रे	ऽ	जि	य	रा	ड	रा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	कि	त

गये हमारे सैंया........।

चलो नीर भरन पनघट सजनी !

मिनर्वा मोवीटोन	ताल	गायिका
फिल्म "वसीयत"	कहरवा	"शीला और कोरस"

चलो नीर भरन पनघट सजनी।
आओ गीत खुशी के गाते चलें, पनघट पै धूम मचाते चलें।
सब कमर पे रख गगरी अपनी ॥ चलो नीर.................॥
मतवाली चाल चलत जायें, और जल से गगरिया भर लायें।
हम गांव की हैं चंचल रमनी ॥ चलो नीर.................॥

स्वरलिपि

														स	स
														च	लो
+				।				+				।			
स	प	प	प	प	प	ध	प	म	म	ग	प	म	–	ग	र
नी	ऽ	र	भ	र	न	प	न	घ	ट	स	ज	नी	ऽ	च	लो
रग	म	ग	र	स	स	र	र	ग	ग	म	म	प	–	न	न
नीऽ	ऽ	र	भ	र	न	प	न	घ	ट	स	ज	नी	ऽ	आ	ओ
न	–	न	न	न	–	न	–	धन	सं	न	ध	पन	धप	प	म
गी	ऽ	त	खु	शी	ऽ	के	ऽ	गाऽ	ऽ	ते	च	लेंऽ	ऽऽ	प	न
म	ग	प	–	प	ध	न	सं	नध	पम	प	ध	प	–	न	न
घ	ट	पै	ऽ	धू	ऽ	म	म	चाऽ	ऽऽ	ते	च	लें	ऽ	स	ब
न	सं	ध	न	प	ध	म	म	प	–	ग	म	प	–	स	स
क	म	र	पै	र	ख	ग	ग	री	ऽ	अ	प	नी	ऽ	च	लो

स	प	प	प	प	प	ध	प	म	म	ग	प	मप	गम	ग	र
नी	ऽ	र	भ	र	न	प	न	घ	ट	स	ज	नीऽ	ऽऽ	च	लो
रग	म	ग	र	स	स	र	र	ग	ग	म	म	प	–	न	न
नीऽ	ऽ	र	भ	र	न	प	न	घ	ट	स	ज	नी	ऽ	म	त
न	–	न	–	न	–	न	न	न	सं	न	ध	पन	धप	प	म
वा	ऽ	ली	ऽ	चा	ऽ	ल	च	ल	त	जा	ऽ	येंऽ	ऽऽ	औ	र
म	प	प	प	प	ध	न	सं	न	म	प	ध	प	–	न	न
ज	ल	से	ग	ग	रि	या	ऽ	भ	र	ला	ऽ	यें	ऽ	ह	म
न	सं	ध	न	प	ध	म	–	म	प	ग	म	प	–	स	स
गां	ऽ	व	की	हैं	ऽ	चं	ऽ	च	ल	र	म	नी	ऽ	च	लो

नीर भरन……………।

70—N. P. K. 10—40

॥ "फ़िल्म सङ्गीत" तीसरा भाग समाप्त ॥

सङ्गीत सम्बन्धी पुस्तकें

[MUSICAL BOOKS]

१—सङ्गीत सागर-सङ्गीत का विशाल ग्रन्थ, दूसरी बार छप कर तैयार हुआ है, जिसका विज्ञापन आपने 'सङ्गीत' में कईबार देखा होगा। मू० ४)

२—फिल्म सङ्गीत (प्रथम भाग)-७० फिल्मी गानों की स्वरलिपियां हैं। मू० २)

३—फिल्म सङ्गीत (दूसरा भाग)-इसमें ७२ फिल्मी गीतों की स्वरलिपियां हैं। मू० २)

४—रागदर्शन-छै तिरङ्गे चित्रों सहित रागभैरव और उसके परिवार की स्वरलिपियां। मू०३)

५—सङ्गीत पारिजातः- पं० अहोबल का लिखा हुआ प्राचीन संस्कृत ग्रन्थ ५०० श्लोकों की सरल हिन्दी टीका सहित। मूल्य २)

६—विष्णुदिगम्बरांक—सङ्गीत १९३७ का विशेषांक (पृष्ठ २००) स्वरलिपियां और सङ्गीत सम्बन्धी लेख देखकर आप प्रसन्न होजायेंगे। मू० १)

७—भात खण्डे अङ्क—सङ्गीत १९३८ का विशेषांक है जिसमें २०० पृष्ठ हैं. बहुत सी स्वरलिपियां तथा सङ्गीताचार्य भातखण्डे की जीवनी और बहुत सी सङ्गीत सम्बन्धी पठनीय सामग्री है। मू० १)

८—म्यूज़िक मास्टर-बिना मास्टर के हारमोनियम, तबला और बांसुरी सिखाने वाली पुस्तक, जिसके ८ संस्करण होचुके हैं। मू० १)

९—गवैयों का मेला-तरह तरह के चुने हुये ५०० गायनों का संग्रह मू० १।)

१०-गवैयों का जहाज़ इसमें भी तबियत खुश करदेने वाले ४०० गाने हैं मू० १)

११-पुष्प वाटिका-भजन, गज़ल प्रार्थना, आरती, फिलम गीत इत्यादि ४०४ मू० १)

१२-महिला हारमोनियम गाइड-स्त्री व कन्याओं के लिये मनोहर गीतों सहित बाजा बजाना बताया गया है। मू० ।॥)

१३-रुक्मणि मङ्गल राधेश्यामी तर्ज में समस्त रुक्मणि मङ्गल की कथा। मू० ॥)

१४-गीता गायन-राधेश्यामी तर्ज में गीता की सरल कथा। मू० ॥)

१५-सङ्गीत सौरभ-(लेखक 'नीलूबाबू') ३२ प्रकार की राग-रागनियों के नोटेशन ताल तथा सरगमों सहित बड़े सुन्दर ढङ्ग से दिये है। मू० २)

१६-मृदङ्ग सागर-मृदङ्ग की बहुत सी परन और रेले चित्रों सहित दिये हैं। मू० ४)

१७-मङ्गलामुखी-घोड़ी, बन्ना, सोहर, ज्यौनार, गाली, जनेऊ, भात, मांडवा, कङ्गन, मेंहदी, जच्चा इत्यादि अनेक उत्सवों पर गाने योग्य स्त्री गीतों का संग्रह इस पुस्तक में किया गया है, यह दो भागों में छपी हैं, दोनों भागों का मू० ।॥)

१८-सङ्गीत चन्द्रिका-(लेखक पं० रामचन्द्र गायनाचार्य) ताल, स्वर, नाद, राग, श्रुतिचक्र, ग्रामचक्र, ठाठव्याख्या इत्यादि बहुत सी बातें बताई गई हैं मू० ।॥)

मिलने का पताः—गर्ग एण्ड कम्पनी, हाथरस-यू० पी०।



अपने परिवार में

संगीत कला का प्रचार करके जीवन सफल बनाइये

"सङ्गीत"

मासिक पत्र *—* वार्षिक मू० २।)

प्रतिमास ठीक समय पर निकल रहा है, ग्राहक संख्या बड़ी तेज़ी से बढ़ रही है।

—क्योंकि—

भारतवर्ष में इस विषय का यह अकेला ही पत्र है, और बहुत ही सस्ता है।

इसमें क्या-क्या मिलेगा ? सुनिये !

१—हारमोनियम पर निकालने के लिये तरह-तरह की राग-रागनियों तथा फ़िल्म गीतों के नोटेशन सरगम सहित मिलेंगे।

२—हारमोनियम, तबला, बेला बाँसुरी तथा सितार बजाने की शिक्षा घर बैठे मिलेगी।

३—तबले के ठेके और परन नक़्शे सहित दिए जाते हैं और उनके बोल अंगुलियों से किस प्रकार निकाले जांयगे ? यह भली प्रकार समझाया जाता है।

४—प्रत्येक महीने नई-नई तर्जों के फ़िल्मगीत तथा चुने हुए भजन प्रार्थना दिये जाते हैं।

५—प्रति मास रेडियो और फ़िल्मों के नये-नये गाने भी निकलते रहते हैं। इनके अलावा सङ्गीत विद्वानों व प्रोफ़ेसरों के लेख तथा नृत्यकला पर लेख निकलते रहते हैं।

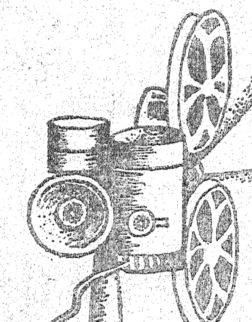
> १९३७ की जनवरी में २०० पृष्ठ का 'विष्णुदिगम्बर अङ्क' निकला था १९३८ में 'भातखण्डे अङ्क' १९३९ में 'ध्रुपद अङ्क', १९४० में २०० पृष्ठ का 'ताल अङ्क' १९४१ में 'नृत्य अङ्क' निकला था और १९४२ की जनवरी में 'भजनांक' निकलेगा। इस प्रकार प्रतिवर्ष १ विशेषांक निकलता है, जो स्थायी ग्राहकों को मुफ्त मिलता है।

हम दावे के साथ कहते हैं ?

सङ्गीत का ज्ञान बढ़ाने वाला इससे सस्ता दूसरा साधन आपको नहीं मिलेगा आज ही २।) मनीआर्डर से भेज दीजिये और घर बैठे १ वर्ष तक सङ्गीत लहरी का आनन्द लीजिये। रुपया मिलते ही चालू वर्ष का विशेषांक तथा उसके बाद के अङ्क आपको भेज दिये जाँयगे। वी० पी० मँगाने से २॥) लगेंगे।

पता—मैनेजर "सङ्गीत" हाथरस—यू० पी०।





फ़िल्म संगीत

(चौथा भाग)



LIGHT MUSIC

(PART IV)

70 FILM SONGS WITH COMPLETE NOTATIONS

प्रकाशकः—संगीत कार्यालय, हाथरस—यू० पी०।

फ़िल्म-संगीत

[चौथा भाग]

LIGHT MUSIC
PART IV.

सम्पादक—
प्रभूलाल गर्ग

प्रकाशक—
सङ्गीत कार्यालय—हाथरस।

मूल्य २) रुपया

प्रथम संस्करण — जून १९४२

प्रकाशक—
प्रभूलाल गर्ग
सङ्गीत कार्यालय, हाथरस.

पुस्तक मिलने के पते—
१—सङ्गीत कार्यालय, हाथरस.
२—गर्ग एण्ड कम्पनी, हाथरस.

मुद्रक—
प्रभूलाल गर्ग
"सङ्गीत प्रेस"-हाथरस.

भूमिका

वर्तमान समय में शास्त्रीय गायन (Classical) तथा फिल्म-सङ्गीत में भयानक संघर्ष दृष्टिगोचर हो रहा है। शास्त्रीय गायन के ज्ञाता तथा पक्षपाती फिल्म-सङ्गीत को नितान्त तत्व रहित समझते हैं, तथा फिल्म-सङ्गीत के पक्षपातियों का यह मत है कि शास्त्रीय गायन (Classical Music) सर्वथा सार-हीन है, क्योंकि इस प्रकार के सङ्गीत में दो-दो घण्टे तक केवल आ-आ करके चिल्लाते रहने के सिवा और कुछ नहीं होता। इसी कारण इस पक्ष के अनुयायी यह चाहते हैं कि शास्त्रीय गायन का पूर्ण बहिष्कार हो जाय तथा दूसरे पक्ष के समर्थकों की यह हार्दिक अभिलाषा होती है कि फ़िल्म-सङ्गीत का जड़-मूल से नाश जितना शीघ्र हो सके उतना ही समाज के लिये श्रेयस्कर होगा।

परन्तु यह निश्चित रूप से समझ लेना चाहिये कि वर्तमान स्थिति ऐसी है कि न तो शास्त्रीय गायन ही बहिष्कृत हो सकता है और न फिल्म-सङ्गीत का ही लोप हो जाना सम्भव है। दोनों का अपना-अपना एक निश्चित और स्वतन्त्र स्थान है, तथा दोनों ही अपने-अपने क्षेत्र में सङ्गीताकाश के दो जगमगाते नक्षत्र हैं। स्वर तथा ताल की यावज्जीवन कठोर आराधना करने के पश्चात् भी जब कोई सङ्गीतज्ञ यह देखता है कि उसके गायन का जनता पर उतना प्रभाव नहीं पड़ता, जितना एक ऐसे साधारण मनुष्य का; जो केवल चार-पाँच मिनट किसी फिल्म का गाना गाकर श्रोताओं को मुग्ध कर लेता है, तब वह बहुत ही विक्षिप्त हो उठता है और फिल्म-सङ्गीत (Light Music) के प्रति विद्रोह की प्रबल ज्वाला उसके हृदय-कुण्ड में प्रज्वलित हो उठती है। प्रति-शोध की ज्वालायें उसकी अन्तरात्मा को भस्मी-भूत करने लगती हैं और यहाँ से उस संघर्ष का सूत्रपात होता है जिसका उल्लेख उपरोक्त पंक्तियों में किया जा चुका है।

उक्त कथित तर्क से पाठकों को कदाचित यह धारणा होगी कि इस लेख का तात्पर्य शास्त्रीय गायन की अपेक्षा फिल्म-सङ्गीत को अधिक महत्ता प्रदान करना ही है। परन्तु इस लेख का यह आशय लेश-मात्र भी नहीं है, यह तो निर्विवाद सिद्ध है कि स्वर तथा ताल का चमत्कार तथा लय का चातुर्य जो शास्त्रीय गायन में दृष्टि-गोचर होता है वह अन्यत्र सर्वथा दुर्लभ है। और इसी तत्व के आधार पर प्रसिद्ध पाँच ललित कलाओं में सङ्गीत का स्थान सर्वोच्च है। इस लेख का तात्पर्य तो केवल इतना है कि जिस प्रकार हिन्दुस्तानी सङ्गीत पद्धति में ध्रुपद, ख्याल, ठुमरी, टप्पा, भजन, ग़ज़ल आदि भिन्न-भिन्न गीत हैं, उसी प्रकार इस तालिका में फिल्म-सङ्गीत नामक गीत तथा गायन शैली एक नवीन समावेश मात्र है। इस दृष्टि से प्रचलित संघर्ष में उपस्थित अनेक भ्रान्तियों का समाधान सरलता पूर्वक हो जाता है। हिन्दुस्तानी सङ्गीत पद्धति में क्रमशः ध्रुपद तथा ख्याल का स्थान सर्वोच्च है।

चैती होली, भजन, ग़ज़ल आदि का प्रयोग और प्रचार भी समाज में है। परन्तु इनकी उपस्थिति ध्रुपद तथा ख्याल के महत्व को कभी कम नहीं करती, इसी तर्क के आधार पर यह भी कहा जा सकता है कि फ़िल्म सङ्गीत यद्यपि आजकल अधिक प्रचार में है तथापि वह ध्रुपद तथा ख्याल के महत्व को न्यून नहीं कर सकता।

इस विवेचन के साथ ही स्वतः यह प्रश्न उपस्थित हो जाता है कि यदि ध्रुपद तथा ख्याल की अपेक्षा फ़िल्म सङ्गीत कम महत्व का है, तो क्या कारण है कि वह इतना लोकप्रिय हो रहा है, तथा ध्रुपद और ख्याल को समाज उतने चाव से सुनने को तैयार नहीं है जितने प्रेम से वह (Light Music) फ़िल्म सङ्गीत को सुनने के लिये उत्सुक तथा लालायित है ? इसका एक मात्र कारण यही है कि एक महान वस्तु को समझने के लिए मस्तिष्क के विकास की आवश्यकता होती है। मैं ऐसे अनेक महानुभावों को जानता हूँ जो पं० कृष्णराव जी विनायक राव पटवर्धन, नारायणराव व्यास इत्यादि सङ्गीत के सफल कलाकारों को केवल इसीलिए श्रेष्ठ मानते हैं क्योंकि उनके अन्य सङ्गीतज्ञ मित्र उन्हें महान कलाकार स्वीकार करते हैं, अन्यथा उनकी कला को समझना तो उनके लिए एक दुरूह कार्य है। इसके अतिरिक्त मेरे अनेक मित्र ऐसे भी हैं जो आरम्भ में केवल ग़ज़ल, भजन तथा फ़िल्म-सङ्गीत के ही पुजारी थे, परन्तु फ़िल्म संगीत के आधार पर ही उन्होंने स्वर का माधुर्य तथा लय और ताल का चमत्कार समझा और आज ये शास्त्रीय संगीत (Classical Music) के हृदय से पुजारी हैं। इस दृष्टि से देखा जाय तो (Light Music) फ़िल्म संगीत किसी सीमा तक शास्त्रीय गायन का प्रथम सोपान कहा जा सकता है, क्योंकि मस्तिष्क के समुचित विकास में यह सहायक सिद्ध हुआ है।

फ़िल्म संगीत को लोक प्रिय बनाने में "फ़िल्म" का कथानक तथा वातावरण भी प्रबल सहायक होता है। गीत की पंक्तियों तथा धुन (Tune) के साथ श्रोताओं के मानसिक नेत्रों के सम्मुख फ़िल्म का कथानक एक मधुर स्मृति के समान उपस्थित हो जाता है,फलतः श्रोताओं को रसानुभूति पूर्ण रूप से हो जाती है। इसके विपरीत यदि श्रोताओं को किसी ऐसे फ़िल्म का गाना सुनाया जाय जो उन्होंने देखा न हो, तो उन्हें उतना आनन्द प्राप्त नहीं होता जितना देखे हुए फ़िल्म के गीत से उनका मनोरञ्जन होता है। जिसने "सिकन्दर" फ़िल्म नहीं देखा है उसे कदाचित "ज़िंदगी है प्यार से" नामक गीत में विशेष आनन्द नहीं आयेगा परन्तु एक बार इस फ़िल्म को देखने पर यदि यही गाना फिर सुना जाये तो योद्धाओं का वीरता पूर्वक चलना तथा उस समय के पूर्ण वातावरण का स्मरण गीत को पूर्णतया रञ्जक बना देता है।

फ़िल्म संगीत की रचना शास्त्रीय गायन, बङ्गाली संगीत, तथा यूरोपियन संगीत के सम्मिश्रण से हुई है। इस शैली में मुख्यतः मध्यसप्तक और तार सप्तक के स्वरों का उपयोग होता है, उचित स्थान पर स्वरों का आंदोलन पाश्चात्य तथा बंगला संगीत का अङ्ग स्पष्ट कर देता है। ख्याल के समान लम्बी-लम्बी तथा क्लिष्ट तानों के स्थान पर ठुमरी के ढङ्ग की छोटी-छोटी सुन्दर मुरकियाँ इस शैली की

विशेषता है। प्रायः फिल्म की चीज़ों में साङ्गोपाङ्ग किसी विशेष राग का निर्वाह दृष्टिगोचर नहीं होता तथापि अनेक चीज़ें ऐसी हैं जो शास्त्रीय परीक्षा की कसौटी में भी स्वर्ण के समान खरी उतरती हैं, उदाहरणार्थ "अमृत मंथन" फिल्म में भूप राग का तराना चित्रलेखा में "नील कमल मुसकाए" (भैरवी) बन्धन फिल्म में पियु पियु बोल (भैरवी) तथा अनेक चीज़ें ऐसी भी हैं, जिन में भिन्न-भिन्न रागों का उचित मिश्रण है, जैसे अनजान फिल्म का गाना "मेरे जीवन के पथ पर छाई यह कौन ?" में विहाग तथा शङ्करा का अङ्ग है। साथ ही फिल्म की चीज़ों की बन्दिश कविता के रस के आधार पर होती है, अतः गाते समय कहाँ जोर दिया जायगा, कहाँ आवाज़ हलकी रखनी होगी इत्यदि बातें भी अत्यन्त महत्व की हैं। "लाइट म्यूज़िक" की शैली की इन विशेषताओं को भली भांति हृदयङ्गम कर लेने से फिल्मी गीत गाने में यथेष्ट सहायता होती है।

मासिक पत्र "सङ्गीत" के उत्साही संचालक श्रीयुत प्रभूलाल जी गर्ग ने दिसम्बर सन् १९३९ में फिल्म सङ्गीत का प्रथम भाग दिसम्बर सन् १९४० में फिल्म संगीत दूसरा भाग और अक्टूबर सन् १९४१ में तीसरा भाग प्रकाशित किया। जनता की मांग नये नये फिल्मी गायनों के लिये बढ़ती गई, अतः जून सन् १९४२ में फ़िल्म संगीत का चौथा भाग प्रकाशित किया जा रहा है। इस भाग में पिछले तीन भागों में प्रकाशित किये हुए गीतों में से कोई गीत नहीं हैं, तथा स्वरलिपि सहित कुल ७० गाने प्रकाशित किए जा रहे हैं जो प्रायः सभी प्रसिद्ध फिल्मों के चुने हुए तथा ख्याति प्राप्त गाने हैं।

यदि पाठकों ने पिछले तीन भागों के समान ही इस भाग को अपना कर प्रकाशक महोदय का उत्साह बढ़ाया तो शीघ्र ही भावी नवीन फिल्मों की स्वरलिपियाँ भी फिल्म संगीत पांचवे भाग के रूप में पाठकों की भेंट की जायेंगी।

आगरा
१-जून १९४२

विश्वम्भरनाथ भट्ट,
बी० ए० एल० एल० बी०

धन्यवाद !

इस पुस्तक के लिये जिन महानुभावों ने स्वरलिपियां तैयार की हैं तथा जिन फिल्म कम्पनियों के अमर गीत इसकी शोभा को बढ़ा रहे हैं उन्हें मैं हृदय से धन्यवाद दिये बिना नहीं रह सकता। आशा है इनका "संगीत" के प्रति ऐसा ही प्रेम बना रहेगा। मेरे परम मित्र पं० विश्वम्भरनाथ जी भट्ट और पंडित निरंजनप्रसाद जी "कौशल" तथा अन्य सज्जनों ने अत्यन्त परिश्रम के साथ इसके लिये स्वरलिपियां तैयार करके दी हैं अतः मैं इनका अत्यन्त कृतज्ञ हूं और आशा करता हूँ कि पांचवे भाग के लिये भी मुझे आपका ऐसा ही सहयोग प्राप्त होगा।

फिल्म संगीत (चौथा भाग) की गायन सूची !

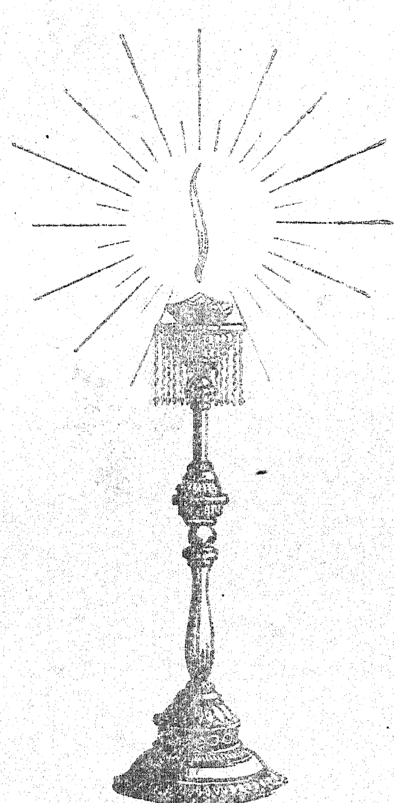
चिन्ह-परिचय ——— फिल्म–संगीत (भाग ४)

निम्नलिखिति चिन्हों का प्रयोग इस पुस्तक में किया गया है। प्रत्येक पाठक के लिए इनका ध्यान पूर्वक अवलोकन कर लेना अत्यन्त आवश्यक है।

ग	जिस स्वर पर कोई चिन्ह न हो, वह मध्य सप्तक का शुद्ध स्वर है।
ग (नीचे रेखा)	जिस स्वर के नीचे पड़ी रेखा हो, वह कोमल स्वर है।
म	कोमल मध्यम पर कोई चिन्ह न होगा क्योंकि वह शुद्ध स्वर माना गया है।
म (ऊपर खड़ी रेखा)	तीव्र मध्यम इस प्रकार होगा। अन्य किसी भी तीव्र स्वर पर यह निशान न होगा क्योंकि मध्यम के सिवा सभी तीव्र स्वर शुद्ध माने गए हैं।
ध़	इस प्रकार नीचे बिंदी वाले स्वर मन्द्र सप्तक के हैं।
सं	ऊपर बिन्दी वाले स्वर उच्च (तार) सप्तक के हैं।
ग –	जिस स्वर के आगे ऐसी जितनी लकीरें हों, उसे उतनी ही मात्रा तक और बजाइये, जैसे ग— — यहां पर गांधार के आगे २ मात्रा ठहरना होगा, किन्तु कहीं पर ग-- इस प्रकार सटी हुई लकीरें आवें, वहां एक मात्रा काल में ही (गअअ) बजा कर पूरा करना होगा।
ऽ	गीत में जिन अक्षरों के आगे यह चिन्ह जितने हों, उसे उतनी ही मात्रा तक और गाइये, जैसे मे ऽ ऽ २ मात्रा बढ़ाकर 'मे ए ए' गाया जायगा। किन्तु कहीं-कहीं मेऽऽ इस प्रकार मिले हुये (सटे हुये) हों तो वहाँ १ मात्रा में ही (मेओओ) बोला जायगा।
मप, मपध	इस प्रकार २ या ३ स्वर मिले हुये (सटे हुये) हों वे १ मात्रा समय में ही बजाए जांयगे।
⁀	यह चिन्ह स्वरों के ऊपर जहां आवे, वहां पर मीड़ देनी होगी।
+ । ०	सम, खाली, ताली, के चिन्ह हैं।
(प)	कोई स्वर इस प्रकार ब्रैकिट में बन्द हो तो उसके आगे का स्वर और वह स्वर और पहिले का स्वर फिर वही स्वर लेकर १ मात्रा में ही धपमप इस तरह बजाइए।
*	यह फूल जहां पर हो, वहां १ मात्रा काल के लिए चुप रहना होगा।
〰	ऐसे निशान जिन स्वरों के ऊपर होंगे, वे स्वर हिलाकर गाए जांयगे।

LIHGT MUSIC

PART IV



फिल्म संगीत (चौथा भाग)

७० फ़िल्मी गायन, स्वरलिपियों सहित !

प्रभु भक्तन के हितकारी.......!

प्रभात फ़िल्म	ताल	गायक
"सन्त सखू"	कहरवा	❋

प्रभु भक्तन के हितकारी। प्रभु दीनन के दुखहारी॥
भक्त सुदामा मिलने आये, मल-मल के प्रभु ने पग धोये।
दुख दरिद्द दिये निवारी॥ प्रभु भक्तन के...........॥
पाण्डव दूत बने यदुराई, बनकर आये नन्दा नाई।
नरसी की हुण्डी तारी॥ प्रभु भक्तन के...........॥
दास मलूका की गठरी को, धर के सीस चले नगरी को।
मीरा की विपता टारी॥ प्रभु भक्तन के...........॥
नामदेव का छप्पर छाया, धन्ना का प्रभु खेत रखाया।
दया तुम्हारी पै बलिहारी॥ प्रभु भक्तन के...........॥

स्वरलिपि☞

+				+				+				+			
														प	पध
														प्र	भुऽ
−	म	म	मग	रग	−	ऩ	स	सर	ग	रग	प	−	−	ग	म
ऽ	भ	क्त	नऽ	केऽ	ऽ	हि	त	काऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	ऽ	ऽ	प्र	भु
प	ध	ध	ध	ध	−	ध	न	म॑	−	प	न	ध	−	प	पध
दी	ऽ	न	न	के	ऽ	दु	ख	हा	ऽ	ऽ	ऽ	री	ऽ	प्र	भुऽ

भक्तन के हितकारी...........!

❋	ग	ग	ग	ग	−	मग	र	ग	म	प	ध	ग	पम	ग	−
❋	भ	क्त	सु	दा	ऽ	माऽ	ऽ	मि	ल	ने	ऽ	आ	ऽऽ	ये	ऽ
ग	म	प	ध	ध	−	ध	(न)	ध	−	प	ध	ग	प	म	ग
म	ल	म	ल	के	ऽ	प्र	भु	ने	ऽ	प	ग	धो	ऽ	ये	ऽ

ग	म	प	ध	न	संन	ध	नध	म॑	–	प	–	–	–	प	पध
दु	ख	दा	रि	द	दि॒ऽ	ये	निऽ	वा	ऽ	री	ऽ	*	*	प्र	भुऽ

भक्तन के हितकारी…………!

*	ग	ग	ग	ग	–	ग	प	ग	–	स	स	सर	गम	ग	–
*	पां	ड	व	दू	ऽ	त	व	ने	ऽ	य	दु	राऽ	ऽऽ	ई	ऽ

ग	म	प	ध	ध	–	ध	–	ध	–	ध	–	प	न	ध	–
ब	न	क	र	आ	ऽ	ये	ऽ	नं	ऽ	दा	ऽ	गा	ऽ	ई	ऽ

ग	म	प	ध	न	–	न	सं	(ध)	–	प	म॑	(प)	–	प	पध
न	र	सी	ऽ	की	ऽ	हुं	ऽ	डी	ऽ	ता	ऽ	री	ऽ	प्र	भुऽ

भक्तन के हितकारी…………!

*	ग	ग	ग	ग	–	ग	र	म (ग)	स	ध़	प़	सर	गप	रग	–
*	दा	स	म	लू	ऽ	का	ऽ	ऽ	की	ग	ठ	रीऽ	ऽऽ	कोऽ	ऽ

ग	म	प	ध	ध	–	प	ध	ध	–	प	ध	पध	नसं	ध	–
ध	र	के	ऽ	सी	ऽ	स	च	ले	ऽ	न	ग	रीऽ	ऽऽ	को	ऽ

ग	म	प	ध	न	–	सं	सं	ध	–	प	म॑	(प)	–	प	पध
मी	ऽ	रा	ऽ	की	ऽ	वि	प	ता	ऽ	टा	ऽ	री	ऽ	प्र	भुऽ

भक्तन के हितकारी…………!

*	ग	ग	ग	–	ग	मग	र	*	ग	प	प	धन	संन	ध	प
*	ना	म	दे	ऽ	व	काऽ	ऽ	*	छ	प्प	र	छाऽ	ऽऽ	या	ऽ

*	ग	प	प	पध	नसं	सं	सं	*	न	न	संन	ध	–	प	–
*	ध	न्ना	ऽ	काऽ	ऽऽ	प्र	भु	*	खे	त	रऽ	खा	ऽ	या	ऽ
ग	ग	–	म	पध	–प	धन	–ध	(सं)	–	ध	प	मं	–ध	प	–
द	या	ऽ	तु	म्हाऽ	ऽऽ	रीऽ	ऽऽ	पै	ऽ	ब	लि	हा	ऽऽ	री	ऽ

भक्तन के हितकारी··························!　　1—B. N B.

किये जा सब का भला·········!

नेशनल स्टूडियोज़ फिल्म		ताल		गायक
'बहिन'		दादरा		'अनिल विश्वास'

किये जा सब का भला, किये जा सब का भला।
तू मुसाफिर है, ये दुनियाँ है मुसाफिरखाना।
यहाँ दिन रात लगा रहता है आना जाना॥
एक ने आके बसेरा लिया और एक चला।
किये जा सबका भला·····························॥
"शाम" दम भर में ये जीवन का सवेरा होगा।
यही कहता है उजाला कि अँधेरा होगा॥
बस ढला देख, कोई आन में सूरज ये ढला—
किये जा सब का भला·····························॥

+			०			+			०		
		ग॒	र	स	न॒	न॒	स	स	स	स	–
		कि	ये	जा	ऽ	स	ब	का	भ	ला	ऽ
–	–	ग॒	र	न॒	स	र	म	प	प	रम	पध
ऽ	ऽ	कि	ये	जा	ऽ	स	ब	का	भ	लाऽ	ऽऽ

मप	-	ग	र	स	ऩ	ऩ	स	स	स	स	-
ऽऽ	ऽ	कि	ये	जा	ऽ	स	ब	का	भ	ला	ऽ
-	-	सं	सं	रंसं	नसं	न	न	न	ध	प	म
ऽ	ऽ	तू	मु	साऽ	ऽऽ	फि	र	है	ये	दु	नि
मप	धन	ध	प	म	ग	ग	र	सर	गर	स (र)	-
यांऽ	ऽऽ	है	मु	सा	ऽ	फि	र	खाऽ	ऽऽ	ना	ऽ
*	*	सं	सं	रंसं	नसं	न	न	न	ध	प	म
*	*	तू	मु	साऽ	ऽऽ	फि	र	है	ये	दु	नि
मप	धन	ध	प	म	ग	ग	र	सर	गर	स (र)	-
यांऽ	ऽऽ	है	मु	सा	ऽ	फि	र	खाऽ	ऽऽ	ना	ऽ
*	*	स	ग	ग	ग	ग	-	म	ध	प	-
*	*	य	हाँ	दि	न	रा	ऽ	त	ल	गा	ऽ
म	ग	ग	ग	र	-	प	म	ग	र	स	-
र	ह	ता	है	आ	ऽ	ना	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ
*	*	स	ग	ग	ग	ग	-	म	ध	प	-
*	*	य	हां	दि	न	रा	ऽ	त	ल	गा	ऽ
म	ग	ग	ग	र	-	प	म	ग	र	स	-
र	ह	ता	है	आ	ऽ	ना	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ

प	–	प	–प	ग	म	प	–	ध	सं	सं	–
*	*	ए	ऽक	ने	ऽ	आ	ऽ	के	ब	से	ऽ
न	–	ध	प	प	म	प	–	म	ध	मप	धन
रा	ऽ	लि	या	औ	र	ए	ऽ	क	च	लाऽ	ऽऽ
धन	धप	ध	प	ग	म	प	–	ध	सं	सं	–
ऽऽ	ऽऽ	ए	क	ने	ऽ	आ	ऽ	के	ब	से	ऽ
न	–	ध	प	प	म	प	–	म	प	रम	पध
रा	ऽ	लि	या	औ	र	ए	ऽ	क	च	लाऽ	ऽऽ
मप	–	ग	र	स	ऩ	ऩ	स	स	स	स	–
ऽऽ	ऽ	कि	ये	जा	ऽ	स	ब	का	भ	ला	ऽ
–	–	ग	र	ऩ	स	र	म	प	प	रम	पध
ऽ	ऽ	कि	ये	जा	ऽ	स	ब	का	भ	लाऽ	ऽऽ
मप	–	ग	र	स	ऩ	ऩ	स	स	स	स	–
ऽऽ	ऽ	कि	ये	जा	ऽ	स	ब	का	भ	ला	ऽ
*	*	प	धध	ध	न	प	ध	प	म	म	प
*	*	शा	ऽम	द	म	भ	र	में	ये	जी	ऽ
ध	सं	सं	सं	सं	–	न	–	न	रं	रंसं	नसं
व	न	का	स	वे	ऽ	रा	ऽ	हो	ऽ	गाऽ	ऽऽ

न	ध	प	धध	ध	न	प	ध	प	म	म	प
ऽ	ऽ	शा	ऽम	द	म	भ	र	में	ये	जी	ऽ
ध	सं	सं	सं	सं	–	न	–	न	रं	सं	–
व	न	का	स	ये	ऽ	रा	ऽ	हो	ऽ	गा	ऽ
रं	सं	सं	रं	रं	रं	नसं	रं	सं	न	ध	प
ऽ	ऽ	ये	ही	क	ह	ताऽ	ऽ	है	उ	जा	ऽ
पध	न	ध	प	म	र	र	म	मप	ध	नध	पध
लाऽ	ऽ	कि	अँ	धे	ऽ	रा	ऽ	होऽ	ऽ	गाऽ	ऽऽ
म	*	सं	रं	रं	रं	नसं	रं	सं	न	ध	प
ऽ	*	ये	ही	क	ह	ताऽ	ऽ	है	उ	जा	ऽ
पध	न	ध	प	म	र	र	म	मप	ध	नध	पध
लाऽ	ऽ	कि	अँ	धे	ऽ	रा	ऽ	होऽ	ऽ	गाऽ	ऽऽ
सं	–	सं	ध	प	म	म	प	प	*	प	प
ऽ	ऽ	बस	ढ	ला	ऽ	दे	ऽ	ख	*	को	ई
मप	धन	न	न	न	–	ध	ध	प	ध	ध	–
आऽ	ऽऽ	न	में	सू	ऽ	र	ज	ये	ढ	ला	ऽ
नध	प	सं	ध	प	म	म	प	प	*	प	प
ऽऽ	ऽ	बस	ढ	ला	ऽ	दे	ऽ	ख	*	को	ई

मप	धसं	-न	न	न	-	ध	ध	प	ध	ध	प
आऽ	ऽऽ	ऽन	मैं	सू	ऽ	र	ज	ये	ढ	ला	ऽ
धप	-	ग	र	स	न्	न्	स	स	स	स	-
ऽऽ	ऽ	कि	ये	जा	ऽ	स	ब	का	भ	ला	ऽ
-	-	ग	र	न्	स	र	म	प	प	रम	पध
ऽ	ऽ	कि	ये	जा	ऽ	स	ब	का	भ	लाऽ	ऽऽ
मप	-	ग	र	स	न्	न्	स	स	स	स	-
ऽऽ	ऽ	कि	ये	जा	ऽ	स	ब	का	भ	ला	ऽ
-	-	ग									
ऽ	ऽ	कि	ये जा सब का भला..।								

2—N. P. K.

मैं सोते भाग जगा दूंगा.......!

न्यूथियेटर्स फिल्म		ताल		गायक
'लगन'		कहरवा		'सहगल'

मैं सोते भाग जगा दूंगा, मैं जागे भाग खुला दूंगा।
जिसने जीवन सुख छीना है, वो जीवन ही मिटा दूंगा॥ मैं सोते......॥
दूध का दूध और पानी का पानी, देखोगे तो दिखा दूंगा।
झूँठा मंडल तोड़ फोड़ कर सच्चा महल बना दूंगा॥ मैं सोते......॥
कर्म हीन अन्यायी कृपा को, देख-देख जी जलता है।
अत्यचारी न्याय दिखा कर, जलता कमल बुझा दूंगा॥ मैं सोते......॥

स्वरलिपि

														स	–
														मैं	ऽ
+				।				+				।			
रग	म	ग	र	स	ऩ	स	ऩ	ध़	ऩ	स	ऩ	स	–	स	–
सोऽ	ऽ	ते	ऽ	भा	ऽ	ग	ज	गा	ऽ	दूँ	ऽ	गा	ऽ	मैं	ऽ
र	–	म	–	पध	सं	प	प	पन	धप	म	–	गम	गर	गर	स
जा	ऽ	गे	ऽ	भाऽ	ऽ	ऽग	खु	लाऽ	ऽऽ	दूं	ऽ	गाऽ	ऽऽ	मैंऽ	ऽ
रग	म	ग	र	स	ऩ	स	ऩ	ध़	ऩ	स	ऩ	स	–	ध	ध
सोऽ	ऽ	ते	ऽ	भा	ऽ	ग	ज	गा	ऽ	दूं	ऽ	गा	ऽ	जि	स
ध	–	ध	–	ध	ध	ध	ध	मप	ध	पध	न	ध	–	*	पध
ने	ऽ	जी	ऽ	व	न	सु	ख	छीऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	है	ऽ	*	वोऽ
म	प	म	ग	सर	ग	स	स	ध़	ऩ	स	र	ग	–	ध	ध
जी	ऽ	व	न	हीऽ	ऽ	ऽ	मि	टा	ऽ	दूं	ऽ	गा	ऽ	जि	स
ध	–	ध	–	ध	ध	ध	ध	मप	ध	पध	न	ध	–	*	पध
ने	ऽ	जी	ऽ	व	न	सु	ख	छीऽ	ऽ	नाऽ	ऽ	है	ऽ	*	वोऽ
म	प	म	ग	सर	ग	स	स	ध़	ऩ	स	र	म	ग	र	स
जी	ऽ	व	न	हीऽ	ऽ	ऽ	मि	टा	ऽ	दूं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ
रग	म	ग	र	स	ऩ	स	ऩ	ध़	ऩ	स	ऩ	स	–	स	–
सोऽ	ऽ	ते	ऽ	भा	ऽ	ग	ज	गा	ऽ	दूं	ऽ	गा	ऽ	मैं	ऽ

जागे भाग खुला दूंगा मैं सोते..................।

प	ध	ध	सं	ध	प	म	र	स	ध़	–	स	र	म	म	–
दू	ऽ	ध	का	दू	ऽध	औ	र	पा	नी	ऽ	का	पा	ऽ	नी	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	म	प	प	–	प	–	प	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दे	ऽ	खो	ऽ	गे	ऽ	तो	दि
म	प	ध	प	ध	–	–	–	प	ध	ध	सं	ध	प	म	र
खा	ऽ	दूं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	दू	ऽ	ध	का	दू	ऽध	औ	र
स	ध़	–	स	र	म	म	–	म	प	प	–	प	–	प	प
पा	नी	ऽ	का	पा	ऽ	नी	ऽ	दे	ऽ	खो	ऽ	गे	ऽ	तो	दि
म	प	ध	प	ध	–	–	–	*	सं	ध	ध	सं	–	सं	सं
खा	ऽ	दूं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	*	भूँ	ऽ	ठा	मं	ऽ	ड	ल
सं	ध	ध	सं	ध	म	मप	मग	–	ग	–	ग	ग	ग	ग	ग
तो	ऽ	ड़	फो	ऽ	ड़	केऽ	ऽऽ	ऽ	स	ऽ	च्चा	म	ह	ल	व
मग	रग	रग	म	म	–	–	–	*	सं	ध	ध	सं	–	सं	सं
नाऽ	ऽऽ	दूंऽ	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ	*	भूँ	ऽ	ठा	मं	ऽ	ड	ल
सं	ध	ध	सं	ध	म	मप	मग	–	ग	–	ग	ग	ग	ग	ग
तो	ऽ	ड़	फो	ऽ	ड़	केऽ	ऽऽ	ऽ	स	ऽ	च्चा	म	ह	ल	व
मग	रग	म	ग	स	–	स	–								
नाऽ	ऽऽ	दूं	ऽ	गा	ऽ	मैं	ऽ	सोते भाग जगा दूंगा..........!							

म	-	म	म	ध	ध	ध	-	धन	सं	सं	सं	सं	-	सं	-
क	ऽ	र्म	ही	ऽ	न	अं	ऽ	न्याऽ	ऽ	थी	कृ	पा	ऽ	को	ऽ
*	न	न	न	-	न	न	सं	ध	न	धन	संन	ध	-	-	-
*	दे	खि	दे	ऽ	ख	जी	ऽ	ज	ऽल	ताऽ	ऽऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
म	-	मप	धन	सं	सं	-	सं	म	ग	-	ग	र	-	स	स
अ	ऽ	त्या	ऽऽ	ऽ	चा	ऽ	री	ऽ	न्या	ऽय	दि	खा	ऽ	क	र
* स	र	स		न	ध	ध	न	स	-	ग	-	म	म	ध	ध
* ज	ऽल	ता		क	म	ल	बु	झा	ऽ	दूं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ
न	म	मप	धन	सं	सं	-	सं	म	ग	-	ग	र	-	स	स
ऽ	अ	त्याऽ	ऽऽ	ऽ	चा	ऽ	री	ऽ	न्या	ऽय	दि	खा	ऽ	क	र
* स	र	स		न	ध	ध	न	स	-	ग	-	म	ग	र	स
* ज	ऽल	ता		क	म	ल	बु	झा	ऽ	दूं	ऽ	गा	ऽ	ऽ	ऽ
रग	म	ग	र	स	न	स	न	ध	न	स	न	स	-	स	-
सोऽ	ऽ	ते	ऽ	भा	ऽ	ग	ज	गा	ऽ	दूं	ऽ	गा	ऽ	मैं	ऽ

जागे भाग खुला दूंगा मैं सोते..........................!

दिवाली फिर आगई सजनी !

पंचोली आर्ट पिक्चर्स	✠ ✠	ताल	✠ ✠	गायिका
"खज़ांची"	✠ ✠	"कहरवा" (द्रुतलय)	✠ ✠	"कोरस"

दिवाली फिर आगई सजनी, रूप का दीप जलालें-हां हां ।
आओ सखी यूं दीप जलायें, ज्यों आकाश के तारे,
जगमग जगमग हो सब दुनियां, सो जायें अँधियारे ।
आंखें मलते—मलते सजनी, जाग उठें उजियारे ॥
दिवाली फिर·······································॥
ऐरी सखी चल नन्द गांव को लेकर मन की माला ।
दे आयें अँधियारे मनके ले आयें उजियाले ॥
जमना तट पर चल कर सजनी, जीवन के सुख पालें ॥
दिवाली फिर·······································॥

स्वरलिपि☞

+				।				+				।			
														म	–
														दि	ऽ
ग	म	ग	म	ग	म	ग॒	र	र	म	ग॒	र	स	–	र	ग॒
वा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	फि	र	आ	ऽ	ऽ	ग	ई	ऽ	स	ज
र	–	❋	❋	❋	❋	म	–	ग	म	ग	म	ग	म	ग॒	र
नी	ऽ	❋	❋	❋	❋	दि	ऽ	वा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	फि	र
र	म	ग॒	र	स	–	र	ग॒	र	–	❋	❋	र	प	प	–
आ	ऽ	ऽ	ग	ई	ऽ	स	ज	नी	ऽ	❋	❋	हां	ऽ	हां	ऽ
स	–	स	स	र	–	म	म	र	–	स	–	र	प	प	–
रू	ऽ	प	का	दी	ऽ	प	ज	ला	ऽ	ले	ऽ	हां	ऽ	हां	ऽ

स	–	स	स	र	–	म	म	र	–	स	–	❋	❋	म	–
रू	ऽ	प	का	दी	ऽ	प	ज	ला	ऽ	ले	ऽ	❋	❋	दि	ऽ
ग	म	ग	म	ग	म	ग॒	र	र	म	ग॒	र	स	–	र	ग॒
वा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	फि	र	आ	ऽ	ऽ	ग	ई	ऽ	स	ज
र	–	❋	❋	❋	❋	❋	❋	न॒	ध	ध	प	प	–	म	र
नी	ऽ	❋	❋	❋	❋	❋	❋	आ	ऽ	वो	स	खी	ऽ	यूँ	ऽ
र	म	म	म	प	ध	ध	–	ध	–	ध	–	प	–	म	प
दी	ऽ	प	ज	ला	ऽ	यें	ऽ	ज्यूँ	ऽ	आ	ऽ	का	ऽ	श	के
ग	–	म	–	❋	❋	❋	❋	ग	म	ग	म	ग	म	ग॒	र
ता	ऽ	रे	ऽ	❋	❋	❋	❋	ज	ग	म	ग	ज	ग	म	ग
र	–	म	म	प	प	ध	–	ध	न॒	ध	–	प	–	म	प
हो	ऽ	स	ब	दु	नि	यां	ऽ	सो	ऽ	जा	ऽ	यें	ऽ	आँ	धि
ग	–	म	–	❋	❋	❋	❋	र	म	ग॒	र	स	ऩ	स	–
या	ऽ	रे	ऽ	❋	❋	❋	❋	आं	ऽ	खें	ऽ	म	ल	ते	ऽ
र	म	ग॒	र	स	ऩ	स	–	❋	❋	र	–	–	–	म	म
म	ल	ते	ऽ	स	ज	नी	ऽ	❋	❋	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	उ
प	ध	न॒	सं	❋	❋	न॒	ध	प	ध	प	–	❋	❋	म	–
ठें	ऽ	ऽ	ऽ	❋	❋	उ	जि	या	ऽ	रे	ऽ	❋	❋	दि	ऽ

वाली फिर आगई·························!

न॒	ध	ध	प	प	-	म	र	र	म	म	प	-	ध	ध	-
ऐ	ऽ	री	स	खी	ऽ	च	ल	नं	ऽ	द	गाँ	ऽ	व	को	ऽ
ध	न॒	ध	प	म	म	म	प	ग	-	म	-	❋	❋	❋	❋
ले	ऽ	क	र	म	न	की	ऽ	मा	ऽ	ला	ऽ	❋	❋	❋	❋
न॒	ध	ध	प	प	-	म	र	र	म	म	प	-	ध	ध	-
ऐ	ऽ	री	स	खी	ऽ	च	ल	नं	ऽ	द	गाँ	ऽ	व	को	ऽ
ध	न॒	ध	प	म	म	म	प	ग	-	म	-	❋	❋	❋	❋
ले	ऽ	क	र	म	न	की	ऽ	मा	ऽ	ला	ऽ	❋	❋	❋	❋
ग	म	ग	म	ग	म	ग॒	र	र	-	म	-	प	प	ध	-
दे	ऽ	आ	ऽ	यें	ऽ	अं	धि	या	ऽ	रे	ऽ	म	न	के	ऽ
ध	न॒	ध	प	म	-	म	प	ग	-	म	-	❋	❋	❋	❋
ले	ऽ	आ	ऽ	यें	ऽ	उ	जि	या	ऽ	ला	ऽ	❋	❋	❋	ऽ
र	म	ग॒	र	स	ऩ	स	स	र	म	ग॒	र	स	ऩ	स	-
ज	मु	ना	ऽ	त	ट	प	र	च	ल	क	र	स	ज	नी	ऽ
❋	❋	र	-	-	-	म	म	प	ध	न॒	सं	❋	❋	न॒	ध
❋	❋	जी	ऽ	ऽ	ऽ	व	न	के	ऽ	ऽ	ऽ	❋	❋	सु	ख
प	ध	प	-	❋	❋	म	-								
पा	ऽ	लें	ऽ	❋	❋	दि	ऽ	वाली फिर..................							

4—N. P. K. 10—41

तेरे लिये लाई हूँ सँदेशा......!

रणजीत फिल्म		ताल		गायिका
'बेटी'	卐 卐	कहरवा (द्रुत)	卐 卐	'वासन्ती'

तेरे लिए लाई हूं संदेशा—तू कहां है, परदों में निहां है।
जीवन की तू ज्योति है, तू जीवन की कहानी,
सुनले तू जहां है—तेरे लिये..............................॥
करवट को बदलते हुये, कहता है कहां है, तू कहां है।
पल भर भी उसे चैन तेरे बिन नहीं आता,
ये उसका बयां है—तेरे लिये..............................॥
पर नोंच के ज़ालिम ने मुझे बंद किया है, और बंद ज़बां है।
दिन ढलते ही बिक जायगी बुलबुल उसे कहना,
ये मेरा बयां है—तेरे लिये..............................॥

(बिना ताल)

न	-	न	न	न	सं	-	-	-	सं	रं	सं	न	-	-	न	न	-	न	सं
ते	ऽ	रे	लि	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	ला	ई	ऽ	हूँ	ऽ

नध॒	ध॒	प	ध॒	ध॒	म	-	-	मप	ध॒	म	प	सं	-	-	-	-	-
ऽऽ	सँ	दे	ऽ	शा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

-	-	न	-	न	न	न	सं	-	-	-	सं	रं	सं	न	-	-	न	न
*	*	ते	ऽ	रे	लि	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	ला	ई

न	सं	नध॒	ध॒	प	ध॒	+ म	-	-	-	।प म	-	-	-
हूं	ऽ	ऽऽ	सं	दे	ऽ	शा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

+				।				+				।			
*	*	स	म	–	म	म	–	प	–	–	–	–	–	–	–
*	*	तू	ऽ	ऽ	क	हां	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	म	–	म	म	–	प	–	–	–	–	–	प	ध
*	*	तू	ऽ	ऽ	क	हां	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	प	र
सं	–	सं	न	–	ध	प	ध	म	–	–	–	प	–	प	ध
दों	ऽ	में	ऽ	ऽ	नि	हां	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	प	र
सं	–	सं	न	–	ध	प	ध	म	–	–	–	–	–	–	–
दों	ऽ	में	ऽ	ऽ	नि	हां	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	*	न	–	न	न	न	सं	न	सं	–	–	–	–	सं	रं
*	*	ते	ऽ	रे	लि	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	ला	ऽ
न	–	न	सं	–	ध	प	ध	म	–	–	–	प म	–	–	–
ई	ऽ	हूं	ऽ	ऽ	सं	दे	ऽ	शा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	म	–	म	म	–	प	–	–	–	–	–	प	ध
*	*	तू	ऽ	ऽ	क	हां	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	प	र
सं	–	सं	न	–	ध	प	ध	म	–	–	–	.प	–	प	ध
दों	ऽ	में	ऽ	ऽ	नि	हां	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	प	र
सं	–	सं	न	–	ध	प	ध	म	–	–	–	–	–	–	–
दों	ऽ	में	ऽ	ऽ	नि	हां	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

न – न न न – न – – न – न न सं – – – –

जी ऽ व न की ऽ तू ऽ ऽ ज्यो ऽ ति है ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

रं गं रं सं न सं – – – – – न – नसं रं सं – न – ध

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * * तू ऽ जीऽ ऽ व नऽ की ऽ क

प ध म – – – मप ध म प – – – – – – – प ध

हा ऽ नी ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * * * सु न

\+
ध सं सं न | – ध प ध | म – – – | प – प ध

ले ऽ तू ऽ | ऽ ज हां ऽ | है ऽ ऽ ऽ | हां ऽ सु न

ध सं सं न | – ध प ध | म – – – | पध संरं – –

ले ऽ तू ऽ | ऽ ज हां ऽ | है ऽ ऽ ऽ | * * * *

रं रं रं रं रं – – – रं रं – – संरं गंगं संरं गं रं सं –

क र व ट को ऽ ऽ ऽ ब द् ऽ ऽल तेऽ ऽऽ ऽऽ ऽ हु ये ऽ

– – नसं – – – न न न – न सं – – * ध ध न न सं

ऽ ऽ ऽऽ ऽ * * क ह ता ऽ है ऽ ऽ ऽ * क हां ऽ है ऽ

सं सं सं सं
– – – * सं रं – रं रं रं – * रं रं संन – न न –

ऽ ऽ ऽ * हा ये ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * तू ऽ ऽऽ ऽ क हां ऽ

– सं – – – – – – – रं रं रं रं रं – – – रं रं –

ऽ है ऽ ऽ ऽ * * * * क र व ट को ऽ ऽ ऽ ब द् ऽ

- संरं गंगं संरं गं रं सं - - - - नसं - - - - न न न -

ऽल तेऽ ऽऽ ऽऽ ऽ हु ये ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ * * क ह ता ऽ

न सं - - * ध धन सं सं - - - - - - - - - न न न

है ऽ ऽ ऽ * क हांऽ ऽ है ऽ ऽ ऽ ऽ * * * प ल भ

न न न न सं - नसं - - - - ध न ध न धप ध प म

र भी उ से ऽ ऽ ऽऽ ऽ * * चै ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽन ते रे

- - - - - - - - - म म स - स म - प ध प - - - - - -

ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * * बि न ऽ ऽ न हीं ऽ आ ऽ ता ऽ ऽ ऽ * *

पध न,ध नध धन धप - - - - - - प ध

हांऽ ऽ,ऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ * * ये ऽ

+				।				+				।			
सं	-	सं	न	-	ध	प	ध	म	-	-	-	प	-	प	ध
उ	ऽस	का	ऽ	ऽ	ब	यां	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ये	ऽ

+				।				+								
सं	-	सं	न	-	ध	प	ध	म	-	-	-	पध	संरं	-	-	-
उ	ऽस	का	ऽ	ऽ	ब	यां	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*

रं रं रं - रं रं - - - रं - रं रं संरं गंगं संरं गं रं सं - -

प र नों ऽ च के ऽ ऽ ऽ ज़ा ऽ लि म नेऽ ऽऽ ऽऽ ऽ मु झे ऽ ऽ

- नसं - - न न न ध न न सं - - - - - - - धन संरं

ऽ ऽऽ * * बं द कि या ऽ है ऽ ऽ ऽ ऽ * * * ऽऽ ऽऽ

सं सं
रं रं रं सं * सं सं न ध न न सं – – – – – – * *
ऽ ऽ ऽ ऽ * वं द ज़ बां ऽ है ऽ ऽ ऽ ऽ * * * *

रं रं रं – रं रं – – – सं रं रं रं संरं गंगं संरं गं रं सं –
प र नों ऽ च के ऽ ऽ ऽ जा ऽ लि म नेऽ ऽऽ ऽऽ ऽ मु झे ऽ

– – नसं – – न न न ध न न सं – – – – – – – न न
ऽ ऽ ऽऽ * * वं द कि या ऽ है ऽ ऽ ऽ ऽ * * * दि न

न न न न – – – न न सं नसं नध पध न पध न ध
ढ ल ते ही ऽ * * बि क ऽ ऽऽ ऽऽ जाऽ ऽ ऽऽ ऽ य

प – प ध म – – – – – म म ग म प ध (प) – –
गी ऽ बु ऽल बु ऽ ऽ ल * * उ से ऽ ऽ क ह ना ऽ ऽ

– – – पध नसं धन नध प – – – – प ध
ऽ * * हाँऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ * * ये ऽ

+				।				+				।			
सं	–	सं	न	–	ध	प	ध	म	–	–	–	प	–	प	ध
मे	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ब	यां	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ये	ऽ
सं	–	सं	न	–	ध	प	ध	म	–	–	–	–	–	–	–
मे	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ब	यां	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
*	*	न	–	न	न	न	सं								
*	*	ते	ऽ	रे	लि	ये	ऽ	लाई हूँ सँदेशा……………!							

पिया हमरी नगरिया आवो…!

सिर्को प्रोडक्शन		ताल		गायिका
"अनुराधा"	卐 卐	कहरवा और दादरा	卐 卐	वत्सला कुम्ठेकर

पिया हमरी नगरिया आवो ।
पिया आवो ना तरसावो ॥
सूनी है मोरे मन की नगरिया, सूना है देश, बसावो ।
औरन के पिया हँस-हँस बोलें, तुम दिन रैन जरावो ॥
सुनो–सुनो ऐ प्रीतम प्यारा, मैं तो विनती करूँ,
तोरे पैयाँ परूँ, दुख कैसे सहूँ ये सारा ।
मेरी कही मानो नहीं, तुम कछु जानो नहीं,
तुम–सा कौन है और सहारा ॥ पिया हमरी………॥

(ताल कहरवा)

×				×				×				×			
न	गरेंसं	प	पध	प	म	ग	र	सर	नस	ग	स	गम	प	–	–
पि	या	ऽ	हम	री	न	ग	रि	याऽ	ऽऽ	आ	ऽ	वोऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	म	–	प	–	प	पन	धप	ग	म	पध	न	ध	–	पन	धप
पि	या	ऽ	आ	ऽ	वो	नाऽ	ऽऽ	त	र	साऽ	ऽ	वो	ऽ	ऽऽ	ऽऽ
ग	म	–	प	–	प	पन	धप	ग	म	पध	नसं	धन	पन	ध	–
पि	या	ऽ	आ	ऽ	वो	नाऽ	ऽऽ	त	र	साऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	वो	ऽ

पिया हमरी नगरिया आवो………………(दो बार)

*	म	म	प	प	न	न	–	–	नसं	सं	रें	न	न	सं	–
*	सू	नी	है	मो	ऽ	रे	ऽ	ऽ	मन	की	न	ग	रि	या	ऽ

*	रं	सं	रं	न	-	ध	न	ध (प)	-	प	-	-	प	पध	संरं
*	सू	ना	है	दे	ऽ	श	ब	सा	ऽ	बो	ऽ	ऽ	पि	याऽ	ऽऽ
गं	रंगं	सं	रं	न	-	ध	न	ध (प)	-	प	-	-	-	-	-
ऽ	सूऽ	ना	है	दे	ऽ	श	ब	सा	ऽ	बो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

पिया हमरी नगरिया आवो.....................(दो बार)

*	रं	-रं	रं	संगं	रंसं	नध	प	-	पध	-सं	रं	गंरं	गंसं	रंन	सं
*	औ	ऽर	न	केऽ	ऽऽ	पिऽ	या	ऽ	हँस	ऽहँ	स	बोऽ	ऽऽ	ऽऽ	ले
-	न	न	न	*	न-	सं	रं	(न)	-	सं	-	प	न	म	प
ऽ	तुम	दि	न	*	रैऽ	न	ज	रा	ऽ	बो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

पिया हमरी नगरिया आवो.....................(दो बार)

(दादरा)

×			o			×			o		
*	*	न	स	ग	म	पध	नसं	-	ध	प	म
*	*	सु	नो	सु	नो	एऽ	ऽऽ	ऽ	प्री	त	म
म॑	प	म॑	ध	प	-	-	-	न	स	ग	म
प्या	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	सु	नो	सु	नो
पध	नसं	-	ध	प	म	म॑	प	म॑	ध	प	-
एऽ	ऽऽ	ऽ	प्री	त	म	प्या	ऽ	ऽ	ऽ	रा	ऽ

*	*	सं	सं	सं	रं	न	सं	न	ध	न	ध
*	*	मैं	तो	चि	न	ती	ऽ	ऽ	क	रूँ	ऽ
प	-	प	ध	प	म	म	प	ध	न	ध	-
ऽ	ऽ	तो	ऽ	रे	ऽ	पै	याँ	ऽ	प	रूँ	ऽ
*	*	ध	न	ध	प	म	ग	र	ग	स	-
*	*	दु	ख	कै	ऽ	से	ऽ	ऽ	स	हूं	ऽ
स	र	म	प	ध	सं	न	ध	म	ध	प	-
ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ
-	-	म॑	प	म	ग	ग	म	प	म॑	प	-
ऽ	ऽ	मे	री	क	ही	मा	नो	ऽ	न	हीं	ऽ
-	-	ग	म	ध	ध	प	ध	सं	न	ध	न
ऽ	ऽ	तु	म	क	छु	जा	ऽ	नो	न	हीं	ऽ
ध	प	सं	सं	सं	रं	न	सं	न	ध	न	ध
ऽ	ऽ	तु	म	सा	ऽ	कौ	ऽ	न	है	ऽ	ऽ
प	-	प	ध	प	म	म	प	-	प	-	-
ऽ	ऽ	औ	ऽ	र	स	हा	ऽ	ऽ	रा	ऽ	ऽ

कब तक बोलो छिपी रहोगी ?

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म		ताल		गायक
"नया संसार"	卐 卐	"कहरवा"	卐 卐	रेणुकादेवी, अशोककुमार

कब तक बोलो छिपी रहोगी, ओ मेरी आशा ?
मैंने पढ़ली आज तुम्हारे नैनों की भाषा ॥
तुमने क्या देखा आंखों में ? एक रङ्गीन बहार।
तुमने क्या देखा आंखों में ? एक नया संसार ॥
जान गई मैं आज तुम्हारे मन की अभिलाषा ।
ओ मेरी आशा, मैंने पढ़ली आज तुम्हारे नैनों की भाषा ॥
आज तुम्हारी आंखों ने, कह दीं लाखों बातें ।
अब तो सोने के दिन होंगे चांदी की रातें ॥
तुमने पल-भरमें समझा दी प्रेम की परिभाषा ।
ओ मेरी आशा, मैंने पढ़ली आज तुम्हारे नैनों की भाषा ॥

×				×				×				×			
स	स	ग	र	ग	म	ग	–	म॑	म॑	–	प	ध	न॒	प	–
क	ब	त	क	बो	ऽ	लो	ऽ	छि	पी	ऽ	र	हो	ऽ	गी	ऽ
म॑	–	प	–	ध	–	न॒	ध	म॑ प	–	–	–	–	–	–	–
ओ	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ	आ	ऽ	शा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म॑	–	म॑	–	प	प	प	–	म॑	–	म॑	म॑	प	–	प	ध
मैं	ऽ	ने	ऽ	प	ढ़	ली	ऽ	आ	ऽ	ज	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ
म	–	ग	म	र	ग	प	म	ग	–	–	–	–	–	–	–
नै	ऽ	नों	ऽ	की	ऽ	भा	ऽ	षा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

स़	स	र	–	ऩ	–	स	–	र	–	ग	प	म	–	ग	–
तु	म	ने	ऽ	क्या	ऽ	दे	ऽ	खा	ऽ	आं	ऽ	खों	ऽ	में	ऽ
ध	ध	ध	न॒	प	ध	सं	न॒	ध	–	–	–	–	–	–	–
ए	क	रं	ऽ	गी	ऽ	न	व	हा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
ध	ध	न॒	ध	प	म॑	प	–	म॑	–	प	ध	म	–	ग	–
तु	म	ने	ऽ	क्या	ऽ	दे	ऽ	खा	ऽ	आं	ऽ	खों	ऽ	में	ऽ
न	–	न	न	न	–	ध	न	(न)सं	–	–	–	–	–	–	–
ए	ऽ	क	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
ध	–	ध	न॒	ध	–	प	–	म॑	–	प	ध	म	–	ग	–
जा	ऽ	न	ग	ई	ऽ	मैं	ऽ	आ	ऽ	ज	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ
स	र	ग	र	ग	म	प	म	(र)ग	–	–	–	–	–	–	–
म	न	की	ऽ	अ	भि	ला	ऽ	षा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	–	न	–	न	–	ध	न	(न)सं	–	–	–	–	–	–	–
ओ	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ	आ	ऽ	शा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	–	ध	–	न॒	ध	प	–	म॑	–	म॑	म॑	प	–	प	ध
मैं	ऽ	ने	ऽ	प	ढ़	ली	ऽ	आ	ऽ	ज	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ
म	–	ग	म	र	ग	प	म	ग	–	–	–	–	–	–	–
नै	ऽ	नों	ऽ	की	ऽ	भा	ऽ	षा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	–	प	प	प	–	प	–	म॑	प	म॑	ध	प	–	–	–
आ	ऽ	ज	तु	म्हा	ऽ	री	ऽ	आँ	ऽ	खों	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ
प	न	न	–	न	–	न	ध	ध	न	न	सं	–	–	–	–
क	ह	दी	ऽ	ला	ऽ	खों	ऽ	बा	ऽ	तें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	सं	सं	रं	रं	–	रं	सं	सं	रं	रं	गं	गं	रं	रं	–
अ	ब	तो	ऽ	सो	ऽ	ने	ऽ	के	ऽ	दि	न	हों	ऽ	गे	ऽ
रं	गं	रं	सं	सं	न	ध	न	नसं	–	–	–	–	–	–	–
चां	ऽ	दी	ऽ	की	ऽ	रा	ऽ	तेंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	ध	न̱	ध	प	म॑	प	ध	म	–	ग	र	ग	म	ग	–
तु	म	ने	ऽ	प	ल	भ	र	में	ऽ	स	म	झा	ऽ	दी	ऽ
स	–	ग	म	प	ध	ग	म	(म) ध	–	–	–	–	–	–	–
प्रे	ऽ	म	की	प	रि	भा	ऽ	षा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	–	न	–	न	–	ध	न	(न) सं	–	–	–	–	–	–	–
ओ	ऽ	मे	ऽ	री	ऽ	आ	ऽ	शा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	–	ध	–	न̱	ध	प	–	म॑	–	म॑	म॑	प	–	प	ध
मैं	ऽ	ने	ऽ	प	ढ़	ली	ऽ	आ	ऽ	ज	तु	म्हा	ऽ	रे	ऽ
म	–	ग	म	र	ग	प	म	ग	–	–	–	–	–	–	–
नै	ऽ	नों	ऽ	की	ऽ	भा	ऽ	षा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

7—B. N. B. 10—41

लौट गई पापिन अँधियारी...!

पंचोली आर्ट पिक्चर्स		ताल		गायिका
"खज़ांची"	✠ ✠	"कहरवा"	✠ ✠	"रमोला"

लौट गई पापिन अँधियारी, शीतल चन्द्रिका आई है।
और चांद की थाली में रखकर आशा के मोती लाई है॥
जिस आंख में रोते थे आंसू, उस आँख में साजन हँसते हैं।
जो रैन सुखों की बैरिन थी, वह रैन ही अब सुखदाई है॥

+				+				+				+			
*	र	म	ग॒	स	–	–	–	*	र	म	ग॒	स	–	र	–
*	लौ	ऽट	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ	*	लौ	ऽट	ग	ई	ऽ	पा	ऽ
ग॒	ग॒	म	प	ग	म	र	–	*	ग॒	र	स	ऩ	स	ऩस	रग॒
पि	न	अँ	धि	या	री	ऽ	ऽ	*	शी	त	ल	चं	द्रि	काऽ	ऽऽ
*	प़	–	ध़	स	ऩस	र	सर	ग॒	रग॒	म	र	*	र	म	ग॒
*	आ	ऽ	ई	है	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	*	लौ	ऽट	ग
स	–	–	–	*	र	म	ग॒	स	–	र	–	ग॒	ग॒	म	प
ई	ऽ	ऽ	ऽ	*	लौ	ऽट	ग	ई	ऽ	पा	ऽ	पि	न	अँ	धि
ग	म	र	–	*	ग॒	र	स	ऩ	स	ऩस	रग॒	*	प़	–	ध़
या	री	ऽ	ऽ	*	शी	त	ल	चं	द्रि	काऽ	ऽऽ	*	आ	ऽ	ई
स	ऩस	र	सर	ग॒	रग॒	प	म	ग	म	ग॒	र	रग॒	प	प	–
है	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	औ	र	चाँ	ऽ	द	की	थाऽ	ऽ	ली	ऽ

मप	ध	प	म	प	–	प	धप	म	पम	ग	मग	र	ग	रग	म
मेंऽ	ऽ	र	ख	क	र	आ	ऽऽ	शा	ऽऽ	के	ऽऽ	मो	ऽ	तीऽ	ऽ
स,	प़	–	ध़	स	ऩस	र	सर	ग	रग	म	र	*	र	म	ग
ऽ,	ला	ऽ	ई	है	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	*	लौ	ऽट	ग

ई। लौट गई पापिन अंधियारी शीतल चन्द्रिका आई है…………!

*	*	स	स	ध़	प़	प़	ध़	स	–	र	प	ग	र	स	ऩ
*	*	जि	स	आँ	ऽ	ख	में	रो	ऽ	ते	ऽ	थे	ऽ	आँ	ऽ
स	–	स	र	ग	स	र	ऩ	स	र	सर	ग	*	प़	–	ध़
सू	ऽ	उ	स	आँ	ऽ	ख	में	सा	ऽ	जऽ	ऽन	*	हँ	ऽस	ते
स	ऩस	र	सर	ग	रग	म	र	*	*	सऩ	ध़प़	ध़	ऩ	स	र
हैं	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	*	*	जोऽ	ऽऽ	रै	ऽ	न	सु
ग	म	प	ग	म	र	ग	स	(र)	–	–	–	(ग)	–	–	–
खों	ऽ	की	ऽ	बै	ऽ	रि	न	थी	ऽ	ऽ	ऽ	थी	ऽ	ऽ	ऽ
(म)	–	–	–	प	म	ग	र	स	ऩ	सर	गम	*	स	ग	स
थी	ऽ	ऽ	ऽ	थी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बोऽ	ऽऽ	*	रै	ऽन	ही
ध़	ध़	प़	प़	*	प़	–	ध़	स	ऩस	र	सर	ग	रग	म	र
अ	ब	सु	ख	*	दा	ऽ	ई	है	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ

लौट गई……………………!

प्रीति नहीं जाने बलम......!

नेशनल स्टूडियो		ताल		गायिका
"बहिन"	卐 卐	'कहरवा'	卐 卐	मिस इक़बाल

प्रीति नहीं जाने बलम मोरे भोले।
छोटी ननद सङ्ग खेलें सँवरिया, छाई सावन की कारी बदरिया।
गहरी तलैया में दादुरवा बोले ॥ प्रीति नहीं.................॥
ऊँची अटरिया पै सेज बिछाई, सोय गये बलमा बयरिया जो आई।
बैठी अकेली मैं जिया मोरा डोले ॥ प्रीति नहीं.................॥

×				×				×				×			
प	-म	ग	र	स	स	–	ऩ	ध़	ऩ	स	र	म	–	म	ध
प्री	ऽति	न	हीं	जा	ने	ऽ	ब	ल	म	मो	रे	भो	ऽ	ले	ऽ
पध	प	–	म	ग	र	स	स	र	म	–	म	प	ध	पध	नसं
छोऽ	टी	ऽ	न	न	द	सं	ग	खे	ले	ऽ	सँ	व	रि	याऽ	ऽऽ
सं	सं	–	संरं	न	नसं	ध	–	पध	प	ध	ग	म	ध	प	–
छा	ई	ऽ	साऽ	व	नऽ	की	ऽ	काऽ	री	ऽ	ब	द	रि	या	ऽ
धन	न	–	नध	पध	ध	–	म	गर	रग	स	–	र	म	प	ध
गह	री	ऽ	तऽ	लैऽ	या	ऽ	में	दाऽ	दुर	वा	ऽ	बो	ऽ	ले	ऽ
प्रीति नहीं जाने बलम मोरे भोले......!															
सं	सं	–	संन	धन	न	–	प	पध	ध	–	ग	म	ध	प	–
ऊँ	ची	ऽ	अऽ	टरि	या	ऽ	पै	सेऽ	ज	ऽ	बि	छा	ऽ	ई	ऽ

ध	–	ध	प	पध	प	ध	म	गर	र	ग	स	र	म	पध	न॒
सो	ऽय	ग	ये	बल	मा	ऽ	व	यरि	या	ऽ	जो	आ	ऽ	ईऽ	ऽ
न॒	न॒	–	न॒ध	पध	पध	–	म	ग	र	ग	स	र	म	प	ध
बै	ठी	ऽ	अऽ	केऽ	लीऽ	ऽ	मैं	जि	या	मो	रा	डो	ऽ	ले	ऽ

9-B N. B.

गोकुल अब तो जाऊँ रे……!

सन राइज़ पिक्चर "घर की लाज"	ताल कहरवा	गायिका शान्ता हुबलीकर

गोकुल अब तो जाऊँ रे।
दूर खड़े घनश्याम बुलावें, कैसे पग अब रोकूं रे ? गोकुल……॥
कहा सुना सब क्षमा करना, अब तो जग को त्यागूं रे॥ गोकुल…॥
नदिया किनारे जल बिच जाकर, सब कुछ अपना जलाऊँ रे॥ गोकुल…॥

×				×				×				×			
*	स	ऩ	ध़	ऩ	ऩस	ध़	प़	–	गर	ग	म	ग र	–	स	–
*	गो	कु	ल	अ	बऽ	तो	ऽ	ऽ	जाऽ	ऊँ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ
*	स	स	स	स	–	स	स	*	सर	ग	र	स	ऩ	ध़	–
*	दू	र	ख	ड़े	ऽ	घ	न	*	श्याऽ	म	बु	ला	ऽ	वें	ऽ
*	प	–	प	म॑	ध	प	म॑	ग	गर	गम॑	प	ग	र	स	–
*	कै	ऽ	से	प	ग	अ	ब	ऽ	रोऽ	कूंऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ

*	स	ग	म	प	–	म	प	*	मप	म	प	ग	प	मग	रग
*	क	हा	सु	ना	ऽ	स	ब	*	तुऽ	मा	ऽ	क	र	नाऽ	ऽऽ
*	प	प	प	म	मध	प	म	ग	गर	गम	प	गम	गर	सन्	स
*	अ	ब	तो	ज	गऽ	को	ऽ	ऽ	त्याऽ	गूंऽ	ऽ	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ

गोकुल अब तो जाऊँ रे......!

*	स	ग	म	प	–	म	प	–	मप	म	प	ग	प	मग	रग
*	नदि	या	कि	ना	ऽ	रे	ऽ	ऽ	जल	बि	च	जा	ऽ	कऽ	रऽ
*	प	प	प	म	ध	प	म	ग	र	गम	पम	गम	गर	सन्	स
*	सब	कु	छ	अ	प	ना	ज	ला	ऽ	ऊँऽ	ऽऽ	रेऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ

गोकुल अब तो जाऊँ रे......!

10—B. N. B.

आजा आजा मेरे नैनन बीच.....!

नवयुग चित्रपट फ़िल्म	ताल	गायक
"संगम"	"कहरवा"	मीनाक्षी व सुरेश

आजा आजा, मेरे नैनन बीच समाजा।
मन कुंज में फाग मचाजा, छाजा छाजा,
दिल पर बसन्त बन छाजा, आजा।
अंग उमंग लहर सागर की। प्रेम पुनम का चंदा।
रूप ज्वार में इठलाती तू, ये तट मेरा छूजा।
आजा आजा मेरे नैनन बीच समाजा।
बही बयार बनी मतवाली। जीवन बगिया में हरियाली॥
रात की रानी महक महक तू। सुख की सेज बिछाजा, आजा आजा मेरे...॥

—*—

स्वरलिपि ☞

														स	र
														आ	ऽ
+				।				+				।			
र	प	–	–	(प)	–	स	र	र	प	–	–	–	–	प	प
जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	मे	रे
प	ध	प	म	म	ग	र	स	र	–	स	–	–	–	प	प
नै	ऽ	न	न	बी	ऽ	च	स	मा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे
प	पध	प	म	म	ग	र	स	र	–	स	–	–	–	ऩ	स
नै	ऽऽ	न	न	बी	ऽ	च	स	मा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	म	न
–	र	म	प	र	–	स	स	ऩ	स	(र)	–	(र)	–	ऩ	स
ऽ	कुं	ज	में	फा	ऽ	ग	म	चा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	म	न
–	र	म	प	र	–	स	स	ऩ	स	(र)	–	(र)	–	स	र
ऽ	कुं	ज	में	फा	ऽ	ग	म	चा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	छा	ऽ
र	प	–	–	(प)	–	प	–	प	सं	–	–	सं	ध	ध	–
जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	छा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दि	ऽल
प	ध	प	म	–	ग	र	स	र	–	स	–	–	–	ध	–
प	र	ब	सं	ऽ	त	ब	न	छा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	दि	ऽल
प	ध	प	म	–	ग	र	स	र	–	स	–	–	–	स	र
प	र	व	सं	ऽ	त	ब	न	छा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ

र	प	–	–	–	–	प	र	स	र	र	स	ऩ	स	–	–
जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	*
स	–	स	स	स	र	र	र	र	प	र	म	र	र	स	–
अं	ऽ	ग	उ	मं	ऽ	ग	ल	ह	र	सा	ऽ	ग	र	की	ऽ
*	स	स	स	स	र	र	र	र	प	र	म	र	र	स	–
*	अं	ग	उ	मं	ऽ	ग	ल	ह	र	सा	ऽ	ग	र	की	ऽ
*	स	म	म	म	–	पम	गम	र	–	र	म	–	–	ऩ	–
*	प्रे	ऽम	पु	न	ऽम	काऽ	ऽऽ	चं	ऽ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	न	न	न	–	न	संन	धन	*	न	न	न	प	म	न	–
*	रू	प	ज्या	ऽ	र	मेंऽ	ऽऽ	*	इ	ठ	ला	ती	ऽ	तू	ऽ
*	न	न	न	न	–	सं	–	ध	सं	न	ध	प	म	स	र
*	ये	त	ह	में	ऽ	रा	ऽ	छू	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ
र	प	–	–	(प)	–	स	र	र	प	–	–	–	–	प	प
जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	मे	रे

नैनन बीच समाजा ....।

*	रं	सं	सं	न	म	म	प	न	–	सं	रं	न	न	सं,	सं
*	ब	हीं	ब	या	ऽ	र	ब	नी	ऽ	म	त	वा	ऽ	ली	ऽ
–	रं	रं	रं	रं	रं	सं	न	–	न	न	प	प	प	न	–
*	जी	व	न	ब	गि	या	ऽ	ऽ	में	ह	रि	या	ऽ	ली	ऽ

*	प	न	न	न	सं	सं	–	म	म,	म	म	रग	म	ग	–
*	रा	ऽत	की	रा	ऽ	नी	ऽ	ऽ	म	हक	म	हऽ	ऽक	तू	ऽ
*	न	न	न	न	–	सं	सं	ध	सं	न	ध	प	म	स	र
*	सु	ख	की	से	ऽ	ज	वि	छा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ
र	प	–	–	–	–	–	–	*	न	न	न	न	–	सं	सं
जा	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	सु	ख	की	से	ऽ	ज	वि
ध	सं	न	ध	प	म	स	र	र	प	–	–	(प)	–	स	र
छा	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ
र	प	–	–	–	–	प	प								
जा	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	मे	रे	नैनन बीच समाजा……………।							

11—N. P. K.

कौन किसी का मीत……….!

सिरको प्रोडक्शन्स	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
फिल्म "स्वामी"	卐 卐	'कहरवा'	卐 卐	सितारा व राजकुमारी

कौन किसी का मीत रे बाबा, कौन किसी का मीत।
दुनियां की है झूठी काया, जीवन है सुपनों की छाया।
आशा क्या है माया माया, मन का सौदा मन से करले॥
मन की बाजी जीत–कौन किसी का मीत……………॥
मतलब के हैं दुनियां वाले, तन के उजले मन के काले।
रिश्ते नाते देखे भाले, कोई न दुख में तेरा साथी॥
सुख के सारे मीत–कौन किसी का मीत……………॥

+				।				+				।			
स	र	स	स	र	प	प	-	स	र	स	स	र	प	प	-
कौ	ऽ	न	कि	सी	ऽ	का	ऽ	कौ	ऽ	न	कि	सी	ऽ	का	ऽ
प	ध	प	न	ध	प	ग	म	प	ध	प	म	ग	र	स	न्
मी	ऽ	त	रे	वा	ऽ	वा	ऽ	कौ	ऽ	न	कि	सी	ऽ	का	ऽ
स	र	ग	र	र	ग	म	-	स	र	स	स	र	प	प	-
मी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	कौ	ऽ	न	कि	सी	ऽ	का	ऽ
प	ध	प	न	ध	प	ग	म	प	ध	प	म	ग	र	स	न्
मी	ऽ	त	रे	वा	ऽ	वा	ऽ	कौ	ऽ	न	कि	सी	ऽ	का	ऽ
स	र	ग	र	र	ग	म	-	*	स	ग	ग	ग	-	ग	-
मी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	*	दु	नि	यां	की	ऽ	है	ऽ
*	ग	म	प	म	-	ग	-	-	-	-	प	म	ग	र	स
*	भूँ	ऽ	ठी	का	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	स	ग	ग	ग	-	ग	-	*	ग	म	प	म	-	ग	-
*	दु	नि	यां	की	ऽ	है	ऽ	*	भूँ	ऽ	ठी	का	ऽ	या	ऽ
*	ग	ग	म	प	-	प	प	प	ध	पध	न	नध	पध	प	-
*	जी	व	न	है	ऽ	स	प	नों	ऽ	कीऽ	ऽ	छाऽ	ऽऽ	या	ऽ
*	प	न	न	न	-	न	-	*	ध	-	न	(ध)	-	धप	मप
ऽ	आ	ऽ	शा	क्या	ऽ	है	ऽ	*	मा	ऽ	या	मा	ऽ	याऽ	ऽऽ

म	पध	नसं	न	न	–	न	–	*	ध	–	न	(ध)	–	(प)	–
ऽ	आऽ	ऽऽ	शा	क्या	ऽ	है	ऽ	*	मा	ऽ	या	मा	ऽ	या	ऽ
*	म	म	प	प	न	न	–	*	न	सं	सं	सं	सं	सं	रं
*	म	न	का	सौ	ऽ	दा	ऽ	*	म	न	से	क	र	ले	ऽ
न	सं	–	–	–	–	–	प	*	म	म	प	प	न	न	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	म	न	का	सौ	ऽ	दा	ऽ
*	न	सं	सं	सं	सं	सं	रं	न	सं	–	–	–	–	नसं	रंसं
*	म	न	से	क	र	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ
प	म	म	प	प	न	न	–	*	न	सं	सं	सं	सं	(सं)	–
ऽ	म	न	का	सौ	ऽ	दा	ऽ	*	म	न	से	क	र	ले	ऽ
ध	ध	ध	ध	ध	–	सं	–	ध	न	प	ध	म	प	प	–
ऽ	म	न	की	बा	ऽ	जी	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त
*	म	म	प	प	न	न	–	*	न	सं	सं	सं	सं	(सं)	–
*	म	न	का	सौ	ऽ	दा	ऽ	*	म	न	से	क	र	ले	ऽ
ध	ध	ध	ध	ध	–	सं	–	ध	न	प	ध	म	प	प	स
ऽ	म	न	की	बा	ऽ	जी	ऽ	जी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽत

कौन किसी का, कौन किसी का, मीत रे बाबा ! कौन किसी का मीत ।

प	ध	प	म	ग	–	ग	स	*	स	र	ग	ग	म	ग	–
म	त	ल	ब	के	ऽ	हैं	ऽ	*	दु	नि	यां	वा	ऽ	ले	ऽ
*	ग	प	प	प	प	प	ग	*	पध	न	–	ध	–	प	–
*	त	न	के	उ	ज	ले	ऽ	*	मन	के	ऽ	का	ऽ	ले	ऽ
*	न̲	–	न̲	न̲	–	न̲	–	*	ध	–	न̲	(ध)	–	धप	मप
*	रि	ऽ	श्ते	ना	ऽ	ते	ऽ	*	दे	ऽ	खे	भा	ऽ	लेऽ	ऽऽ
म	न̲	–	न̲	न̲	–	न̲	–	*	ध	–	न̲	(ध)	–	(प)	–
ऽ	रि	ऽ	श्ते	ना	ऽ	ते	ऽ	*	दे	ऽ	खे	भा	ऽ	ले	ऽ
*	म	म	प	प	न	न	–	*	न	सं	सं	सं	–	सं	रं
*	को	ई	न	दु	ख	में	ऽ	*	ते	ऽ	रा	सा	ऽ	थी	ऽ
न	सं	–	–	–	–	–	प	*	म	म	प	प	न	न	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	को	ई	न	दु	ख	में	ऽ
*	न	सं	सं	सं	–	(सं)	–	ध	ध	ध	ध	ध	–	सं	–
*	ते	ऽ	रा	सा	ऽ	थी	ऽ	ऽ	सु	ख	के	सा	ऽ	रे	ऽ
ध	न̲	प	ध	म	प	प	–								
मी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त	कौन किसी का, कौन किसी का मीत रे···।							

नैनों के बान की रीति.......!

पन्चोली आर्ट पिक्चर्स	ताल	गायिका
"ख़ज़ान्ची"	कहरवा	"रमोला"

नैनों के बान की रीति अनोखी, बान चलें और नैन न देखें।
नैन से निकलें नैनों में आयें, नैनों से हृदय में समायें॥
एक बान से आग लगाकर, एक बान से आग बुझायें।
ज़ालिम दिन और रैन न देखें, बान चलें और नैन न देखें॥
कलियों की मुसकान निराली, भँवरों का सुख चैन न देखें।
हँसी-हँसी में मन यूँ छीने, हंस चुगें ज्यों सीप से मोती॥
या ज्यूं पवन चले और चलकर हां, छीन ले निर्बल दीप से ज्योती।
नैन सुनें और नैन न देखें, बान चलें और नैन न देखें॥

+				+				+				+			
*	ग़	प़	ध़	ध़स	-स	स	-	*	ध़	स	र	गम	गर	स	-
*	नै	नों	के	बाऽ	ऽन	की	ऽ	*	री	त	अ	नोऽ	ऽऽ	खी	ऽ
*	सर	-स	ऩ	धऩ	पध़	*	ग	ग	रग	-ग	प	मग	रग	स	-
*	बाऽ	ऽन	च	लेंऽ	ऽऽ	*	औ	र	नैऽ	ऽन	न	देऽ	ऽऽ	खें	ऽ
*	सर	-स	ऩ	धऩ	पध़	*	ग	ग	गर	-ग	म	मग	रग	स	-
*	बाऽ	ऽन	च	लेंऽ	ऽऽ	*	औ	र	नैऽ	ऽन	न	देऽ	ऽऽ	खें	ऽ
*	ग़	प़	ध़	ध़स	-स	स	-	*	सप	प	प	पध	पध	प	म
*	नै	नों	के	बाऽ	ऽन	की	ऽ	*	नैऽ	न	से	निऽ	कऽ	लें	ऽ
*	ग	ग	स	सर	ग	रग	म	*	सर	-र	म	पध	म	म	ग
*	नै	नों	में	आऽ	ऽ	येंऽ	ऽ	*	नैऽ	ऽनों	ऽ	सेऽ	ऽ	हि	र

मप ग ग म | मग रग गर स | ग गग मम मप | ग मप ध ध
देऽ ऽ में स | माऽ ऽऽ यैंऽ ऽ | ए कवा ऽन सेऽ | ऽ आऽ न ल

पऩ धऩ प – | ग गग मम मप | ग मप ध ध | पऩ धऩ प –
गाऽ ऽऽ क ऽर | ए कवा ऽन सेऽ | ऽ आऽ ग ल | गाऽ ऽऽ क ऽर

* प प म | ग म मप ध | म मप –ग म | मग रग स –
* ए क वा | ऽ न सेऽ ऽ | ऽ आऽ ऽग बु | झाऽ ऽऽ यें ऽ

* ग़ प़ ध़ | ध़ स स स | * ध़ स र | गम गर स –
* ज़ा लि म | दि न औ र | * रै न न | देऽ ऽऽ खें ऽ

* सर –स ऩ | धऩ पध़ * ग | ग रग –ग प | मग रग स –
* बाऽ ऽन न | लेंऽ ऽऽ * औ | र नैऽ ऽन न | देऽ ऽऽ खें ऽ

* सर –स ऩ | धऩ पध़ * ग | ग गर –ग म | मग रग गर स
* बाऽ ऽन न | लेंऽ ऽऽ * औ | र नैऽ ऽन न | देऽ ऽऽ खेंऽ ऽ

* ग़ प़ ध़ | धस –स स – | सर गम मप ग | * गग र सस
* नै नों के | बाऽ ऽन की ऽ | कलि योंऽ कीऽ ऽ | * मुस का ननि

र स सर गम | गम पध ध – | * धध ध पध | म॑ प – ग
रा ली ऽऽ ऽऽ | भँव रोंऽ का ऽ | * सुख चै नन | दे खें ऽ ऽ

गम पध ध – | * धध ध पध | म॑ प – – | मम –म म (म)
भँव रोंऽ का ऽ | * सुख चै नन | दे खें ऽ ऽ | हँसी ऽहँ सी में

र रम मप ध	* मप ध पम	मम -म म (म)	र रम मप ध
ऽ मन यूंऽ ऽ	* छीऽ ऽ नेऽ	हँसी ऽहँ सी में	ऽ मन यूंऽ ऽ
* मप ध पम	प धध धसं -	- सं सं धन	ध प - -
* छीऽ ऽ नेऽ	हं सचु गेंऽ ऽ	ऽ ज्यूं सी पसे	मो ती ऽ ऽ
प धध धसं -	- सं सं धन	ध प - -	पध धप मप मम
हं सचु गेंऽ ऽ	ऽ ज्यूं सी पसे	मो ती ऽ ऽ	याऽ ज्यूंऽ पत्र नच
ग गग रर सस	पध धप मप मम	ग गग रर सस	स -ग मम म
ले और चल कर	याऽ ज्यूंऽ पत्र नच	ले और चल कर	हां ऽझी ऽन ले
र गम -प ध	* मप -ग -म	मग रग स -	* ग़ प़ ध़
ऽ निर ऽब ल	* दीऽ ऽप ऽसे	ज्योऽ ऽऽ ती ऽ	* नै न सु
धस - स स	* ध़ स र	गम गर स -	
नेंऽ ऽ औ र	* नै न न	देऽ ऽऽ खें ऽ	

बान चलें और नैन न देखें, नैनों के बान की.................!

13—N. P. K.

प्रभु के गुन गाऊँ मैं.............!

रणजीत फ़िल्म		ताल		गायक
"शादी"	卐 卐	'कहरवा'	卐 卐	"खुर्शीद व कोरस"

प्रभु के गुन गाऊँ मैं गाऊँ मैं !
मन की आशा पूरी करो प्रभु, मोरी विपता आन हरो।
डगमग डोले मोरी नैया, आप हरि आ बनो खेवैया ॥
बलि-बलि जाऊँ मैं, प्रभु के गुन.....................॥
किसको मनकी बात सुनाऊँ, किसके द्वारे प्रभु मैं जाऊँ।
पल में मारो पल में तारो, आप बिगाड़ो आप सँवारो।
किस विधि गाऊँ मैं, प्रभु के गुन.....................॥

स्वरलिपि☞

														र	ग
														प्र	भु
×				।				×				।			
रग	रस	स	ऩ	ध़	ऩ	र	स	र	–	–	–	–	र	ग	र
केऽ	ऽऽ	गु	न	ऽ	गा	ऽ	ऊँ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऊँ
र	स	–	–	–	–	र	ग	रग	रस	स	ऩ	ध़	ऩ	र	स
मैं	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	प्र	भु	केऽ	ऽऽ	गु	न	ऽ	गा	ऽ	ऊँ
र	–	–	–	–	र	ग	र	र	स	–	–	–	–	–	–
मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऊँ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
स	स	स	प	प	–	प	–	*	प	प	ध	प	म	म	म
म	न	की	ऽ	आ	ऽ	शा	ऽ	*	पू	री	क	रो	ऽ	प्र	भु

*	र	म	म	म	म	म	–	म	र	ग	म	ग	–	र	स
*	मो	ऽ	री	वि	प	ता	ऽ	आ	ऽ	न	ह	रो	ऽ	ऽ	ऽ
स	स	स	प	प	–	प	–	*	प	प	ध	प	म	म	म
म	न	की	ऽ	आ	ऽ	शा	ऽ	*	पू	री	क	रो	ऽ	प्र	भु
*	र	म	म	म	म	म	–	म	र	ग	म	ग	–	–	–
*	मो	ऽ	री	वि	प	ता	ऽ	आ	ऽ	न	ह	रो	ऽ	*	*
ग	म	प	प	पध	न	धन	सं	*	न	ध	प	ध	ग	प	–
ड	ग	म	ग	डोऽ	ऽ	लेऽ	ऽ	*	मो	री	ऽ	नै	ऽ	या	ऽ
*	गम	प	प	पध	न	धन	सं	*	न	ध	प	ध	ग	प	–
*	डग	म	ग	डोऽ	ऽ	लेऽ	ऽ	*	मो	री	ऽ	नै	ऽ	या	ऽ
*	गम	प	प	पध	न	धन	सं	*	न	ध	प	ध	ग	प	–
*	आऽ	प	ह	रिऽ	ऽ	आऽ	ऽ	*	ब	नो	खे	वै	ऽ	या	ऽ
म॑	प	म॑	प	*	रग	प	म	ग	–	–	–	–	ऩ	–	र
ब	लि	ब	लि	*	जाऽ	ऽ	ऊं	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऊँ
स	–	–	–	ध़	सस	ग	प	म॑	प	म॑	प	*	रग	प	म
मैं	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	ब	लि	ब	लि	*	जाऽ	ऽ	ऊँ
ग	–	–	–	–	ऩ	–	र	स	–	–	–	ध़	सस	र	ग
मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ	ऊँ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	प्र	भु

र	ग	र	स	❊	❊	र	ग	र	ग	र	स	❊	❊	र	ग
के	ऽ	गु	न	❊	❊	ह	रि	के	ऽ	गु	न	❊	❊	प्र	भु
र	ग	र	स	ध़	ऩ	र	स	र	–	–	–	–	र	ग	र
के	ऽ	गु	न	ऽ	गा	ऽ	ऊं	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऊं
र	स	–	–	–	–	–	–	❊	ग	ग	ग	प	न	न	–
मैं	ऽ	ऽ	ऽ	❊	❊	❊	❊	❊	कि	स	को	म	न	की	ऽ
न	प	ग	प	न	सं	सं	–	❊	गं	रं	गं	गं	सं	सं	सं
बा	ऽ	त	सु	ना	ऽ	ऊं	ऽ	❊	कि	स	के	द्वा	ऽ	र	प्र
न	–	धन	सं	न	ध	प	–	❊	ग	प	प	पध	न	धन	सं
भू	ऽ	मैंऽ	ऽ	जा	ऽ	ऊँ	ऽ	❊	प	ल	में	माऽ	ऽ	रोऽ	ऽ
❊	न	ध	प	ध	ग	प	–	❊	ग	प	प	पध	न	धन	सं
❊	प	ल	में	मा	ऽ	रो	ऽ	❊	आ	प	वि	गाऽ	ऽ	ड़ोऽ	ऽ
❊	न	ध	प	ध	ग	प	–	म॑	प	म॑	प	❊	रग	प	म
❊	आ	प	सँ	वा	ऽ	रो	ऽ	कि	स	बि	धि	❊	गाऽ	ऽ	ऊँ
ग	–	–	–	–	ऩ	–	र	स	–	–	–	ध़	स	ग	प
मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऊँ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	❊	❊	❊	❊
म॑	प	म॑	प	❊	रग	प	म	ग	–	–	–	–	ऩ	–	र
कि	स	बि	धि	❊	गाऽ	ऽ	ऊँ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऊं

स	–	–	–	ध़	स	र॰	ग	र	ग	र	स	*	*	र	ग
मैं	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	प्र	भु	के	ऽ	गु	न	*	*	ह	रि
र	ग	र	स	*	*	र	ग	र	ग	र	स	ध़	ऩ	र	स
के	ऽ	गु	न	*	*	प्र	भु	के	ऽ	गु	न	ऽ	गा	ऽ	ऊँ
र	–	–	–	–	र	ग	र	र	स	–	–	–	–	र	ग
मैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गा	ऽ	ऊँ	मैं	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	ह	रि

के गुन गाऊँ मैं........................!

14–N P K, 11–41

किस रुत में प्रीतम रूठ गये....!

'कमला मोवीटोन फिल्म'	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
'हिम्मत'	卐 卐	"कहरवा"	卐 卐	❀

किस रुत में प्रीतम रूँठ गये ।
जब जोबन पर है कली–कली, भरी फूलों से है गली–गली ।
नया जनम लिया है तारों ने, और मीत मेरे परदेस गये ॥
किस रुत में प्रीतम रूँठ गये ।
हैं रूप के मोती बिखरे हुए, कुछ दबे हुए कुछ निखरे हुए ।
आकाश पे नीली बदली ने, कुछ बदले हैं रङ्ग नए–नए ॥
किस रुत में प्रीतम रूँठ गये ।

स्वरलिपि☞

														ऩ	स
														कि	स
×				।				×				।			
रग	र	र	प	म	ग	र	स	गर	ग	र	स	स	–	ऩ	स
रुऽ	त	में	ऽ	प्री	ऽ	त	म	रूँऽ	ऽ	ठ	ग	ये	ऽ	कि	स

रग	र	र	प	म	ग	र	स	गर	ग	र	स	सर	सन्	ध्	न्स
रुऽ	त	में	ऽ	मी	ऽ	त	म	रूँऽ	ऽ	ठ	ग	येऽ	ऽऽ	ऽ	किस
स	र	र	–	रग	रस	–र	ग	र	र	स	–	–	–	ग	म
रु	त	में	ऽ	हाऽ	ऽये	ऽकि	स	रु	त	में	ऽ	※	※	ज	ब
म	–	म	म	ग	ग	गर	स	स	र	ध	स	ग	–	र	ग
जो	ऽ	व	न	प	र	हैऽ	ऽ	क	ली	ऽ	क	ली	ऽ	भ	री
ग	–	ग	–	र	–	रस	न्	स	न्	स	र	स	–	म	म
फू	ऽ	लों	ऽ	से	ऽ	हैऽ	ऽ	ग	ली	ऽ	ग	ली	ऽ	भ	री
ग	–	ग	–	र	–	रस	न्	स	न्	स	र	स	–	प	प
फू	ऽ	लों	ऽ	से	ऽ	हैऽ	ऽ	ग	ली	ऽ	ग	ली	ऽ	न	या
सं	सं	सं	प	म	–	ग	–	स	–	र	ग	स	–	न्	स
ज	न	म	लि	या	ऽ	है	ऽ	ता	ऽ	रों	ऽ	ने	ऽ	औ	र
रग	सर	र	प	म	ग	र	स	गर	ग	र	स	स	–	न्	स
मीऽ	ऽऽ	त	मे	रे	ऽ	प	र	देऽ	ऽ	स	ग	ये	ऽ	औ	र
रग	सर	र	प	म	ग	र	स	गर	ग	र	स	सर	सन्	ध्	न्स
मीऽ	ऽऽ	त	मे	रे	ऽ	प	र	देऽ	ऽ	स	ग	येऽ	ऽऽ	ऽ	किस
स	र	र	–	रग	सर	–र	ग	र	र	स	–	–	–	न्स	रग
रु	त	में	ऽ	हाऽ	ऽये	ऽकि	स	रु	त	में	ऽ	※	※	हैंऽ	ऽऽ

गस	सन्ध-	ध्	न्	स	-	स	-	ग	स	र	न्	स	-	न्स	रग
ऽऽ	रूऽऽऽ	प	के	मो	ऽ	ती	ऽ	बि	ख	रे	हु	ये	ऽ	हैंऽ	ऽऽ
गस	सन्ध-	ध्	न्	स	-	स	-	ग	स	र	न्	स	-	ग	ग
ऽऽ	रूऽऽऽ	प	के	मो	ऽ	ती	ऽ	बि	ख	रे	हु	ये	ऽ	कु	छ
ग	ग	-	ग	रग	मप	गमप	पमग	गग	सन्	-स	र	स	-	ग	ग
द	बे	ऽ	हु	येऽ	ऽऽ	ऽऽऽ	ऽऽऽ	कुछ	निख	ऽरे	हु	ये	ऽ	कु	छ
ग	ग	-	ग	ग	म	प	गग	स	न्	स	र	स	-	म	प
द	बे	ऽ	हु	ये	ऽ	ऽ	कुछ	नि	ख	रे	हु	ये	ऽ	आ	ऽ
सं	-	सं	प	ध	-	पम	गर	स	र	ग	र	स	-	न्	स
का	ऽ	श	पे	नी	ऽ	लीऽ	ऽऽ	ऽ	ब	द	ली	ने	ऽ	कु	छ
रग	सर	र	प	म	ग	र	स	गर	ग	-	र	स	-	न्	स
बऽ	दऽ	ले	ऽ	हैं	ऽ	रं	ग	नऽ	ये	ऽ	न	ये	ऽ	कु	छ
रग	सर	र	प	म	ग	र	स	गर	ग	-	र	सर	सन्	ध्	न्स
बऽ	दऽ	ले	ऽ	हैं	ऽ	रं	ग	नऽ	ये	ऽ	न	येऽ	ऽऽ	ऽ	किस
स	र	र	-	रग	रस	-र	ग	र	र	स	-	-	-	न्	स
रु	त	में	ऽ	हाऽ	ऽये	ऽकि	स	रु	त	में	ऽ	*	*	कि	स
रग	र	र	प	म	ग	र	स	गर	ग	र	स	सर	सन्	ध्	न्स
रुऽ	त	में	ऽ	प्री	ऽ	त	म	रूँऽ	ऽ	ठ	ग	येऽ	ऽऽ	ऽ	किस

स	र	र	-	रग	रस	-र ग		र	र	स	-	-	-	-	-
रु	त	में	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽकि स		रु	त	में	ऽ	※	※	※	※

15—N. P. K.

गोकुल वाले सांवरिया........!

नेशनल स्टूडियोज़	ताल	गायक
"बहिन"	कहरवा	'नलिनी जयवंत व हुस्नबानू'

मुझे ले चल अपनी नागरिया !
गोकुल वाले सांवरिया ॥ मुझे ले चल............॥
तेरे नशे में चूर रहूँ, इस संसार से दूर रहूँ !
ये है पाप की बाजरिया ॥ गोकुल वाले...........॥
शुभ दर्शन दरशाता जा, राह मुझे दिखलाता जा !
छाई काली बादरिया ॥ गोकुल वाले..............॥

+				।				+				।			
प	सं	सं	सं	न॒	रं	(सं)	-	ध	-	ध	सं	(न॒)	-	म	प
ले	ऽ	च	ल	अ	प	नी	ऽ	ना	ऽ	ग	रि	या	ऽ	मु	झे
प	सं	सं	सं	न॒	रं	(सं)	-	ध	-	ध	सं	(न॒)	-	-	-
ले	ऽ	च	ल	अ	प	नी	ऽ	ना	ऽ	ग	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध॒	प	न॒	ध॒	प	म	-	म	-	प	न॒	ध॒	-	-	-
गो	ऽ	कु	ल	वा	ऽ	ले	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	प	न॒	ध॒	प	म	ग	म	ग	स	र	म	-	-	-
गो	ऽ	कु	ल	वा	ऽ	ले	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ

प	ध	-	ध	पध	पम	धप	म	पध	-	ध	न	धन	पध	-	*
ते	रे	ऽ	न	शेऽ	ऽऽ	मेंऽ	ऽ	चूऽ	ऽ	र	र	हूँऽ	ऽऽ	ऽ	*
प	सं	सं	-	रंसं	नसं	ध	न	सं	-	न	रं	संरं	नसं	-	-
इ	स	सं	ऽ	साऽ	ऽऽ	र	से	दू	ऽ	र	र	हूंऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	न	ध	प	म	ग	म	-	प	न	न	ध	-	-
ये	ऽ	है	ऽ	पा	ऽ	प	की	बा	ऽ	ज	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	प	न	ध	प	म	ग	म	ग	स	र	म	-	-	-
गो	ऽ	कु	ल	वा	ऽ	ले	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	न	ध	प	म	ग	म	-	प	न	न	ध	-	-
ये	ऽ	है	ऽ	पा	ऽ	प	की	बा	ऽ	ज	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	प	न	ध	प	म	ग	म	ग	स	र	म	-	म	प
गो	ऽ	कु	ल	वा	ऽ	ले	ऽ	साँ	ऽ	व	रि	या	ऽ	*	*

ले चल अपनी नागरिया मुझे ले चल अपनी नागरिया गोकुल वाले……!

प	ध	प	म	प	-	प	न	ध	न	न	ध	प	-	-	-
शु	भ	द	र	श	ऽन	द	र	शा	ऽ	ता	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ
म	ध	ध	ध	ध	-	ध	न	न	रं	सं	रं	न	ध	न	-
रा	ऽ	ह	मु	झे	ऽ	दि	ख	ला	ऽ	ता	ऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ

शुभ दरशन दरशाता जा!

प	ध	प	न	ध	प	म	ग	म	–	प	न	न	ध	–	–
छा	ऽ	ई	ऽ	का	ऽ	ली	ऽ	बा	ऽ	द	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	प	न	ध	प	म	ग	म	ग	स	र	म	–	–	–
गो	ऽ	कु	ल	वा	ऽ	ले	ऽ	साँ	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	न	ध	प	म	ग	म	–	प	न	ध	–	–	–
छा	ऽ	ई	ऽ	का	ऽ	ली	ऽ	बा	ऽ	द	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	प	न	ध	प	म	ग	म	ग	स	र	म	–	म	प
गो	ऽ	कु	ल	वा	ऽ	ले	ऽ	साँ	ऽ	व	रि	या	ऽ	*	*

ले चल अपनी नागरिया, मुझे ले चल अपनी नागरिया ! गोकुल वाले……!

16—N. P. K. 3—42

हमने किसी से सुनी कहानी…!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म		ताल		गायक
"झूला"		कहरवा और दादरा		"अशोक कुमार"

हमने किसी से सुनी कहानी, एक सफ़र है ये ज़िन्दगानी।
किस को पगले तू कहता है अपना, प्रेम की दुनियां का झूठा है सपना।
उनका फूलों से रिश्ता ही क्या, जिनकी क़िस्मत ही कांटों के बीच पली रे—
चली रे चली रे, मेरी नाव चली रे। ना जाने किधर आज मेरी नाव चली रे।
चली रे चली रे, मेरी नाव चली रे।
कल की बातों को भूल मेरे मनुआं, प्रीत है दुखों की मूल मेरे मनुआं।
सपने किसी के कभी होत न पूरे, रोज़ बनाऊँ फिर भी अधूरे ॥
बीते हुए सपनों का बोझा उठाए, दूर कहीं दूर मेरी नाव चली रे।
ना जाने किधर आज मेरी नाव चली रे। चली रे चली रे…………………॥

(ताल कहरवा)

+				।				+				।			
*	स	ग	ग	ग	–	ग	र	*	ग	प	प	पध	मप	प	म
*	हम	ने	कि	सी	ऽ	से	ऽ	*	सु	नी	क	हाऽ	ऽऽ	नी	ऽ
म	ग	–	म	ग	र	र	स	स	ऩ	–	ऩ	स	म	म	–
ऽ	ए	ऽक	स	फ़	र	है	ऽ	ये	ज़ि	ऽ	न्द	गा	ऽ	नी	ऽ
*	ग	–	म	ग	र	र	स	स	ऩ	–	ऩ	ऩ	स	स	–
*	ए	ऽक	स	फ़	र	है	ऽ	ये	ज़ि	ऽ	न्द	गा	ऽ	नी	ऽ
–	स	–	प	म	ग	र	स	ऩ	स	स	–	–	स	स	स
(बाजा)···	···	···		···	···	···	··· ···	···	···	···	··· ···	···	···कि	स	को
रग	ग	–	ग	गप	प	–	प	म	ध	(प)	–	*	प	म	म
पग	ले	ऽ	तू	कह	ता	ऽ	है	अ	प	ना	ऽ	*	प्रे	ऽम	की
मम	म	ग	ग	रग	ग	–	ग	र	म	ग	–	–	ग	प	प
दुनि	यां	ऽ	का	भूंऽ	ठा	ऽ	है	स	प	ना	ऽ	ऽ	उ	ऽन	का
पध	ध	–	ध	ध	पध	न	ध	(प)	–	–	म	–	ग	प	प
फूऽ	लों	ऽ	से	रि	श्ताऽ	ऽ	ही	क्या	ऽ	ऽ	ऽ	*	उ	ऽन	का
पध	ध	–	ध	ध	पध	न	ध	प	*	म	ग				
फूऽ	लों	ऽ	से	रि	श्ताऽ	ऽ	ही	क्या	*	जिन	की				

यहाँ से ताल "दादरा"

+			०			+			०		
ग	ग	ग	ग	ग	–	र	–	र	–	र	–
कि़	स	म	त	हीं	ऽ	कां	ऽ	टों	ऽ	के	ऽ
र	–	स	स	ग	–	र	–	–	*	स	–
बी	ऽ	च	प	ली	ऽ	रे	ऽ	ऽ	*	च	ऽ
स	र	स	ग	र	–	स	–	ऩ	ध़	प़	–
ली	ऽ	रे	ऽ	च	ऽ	ली	ऽ	रे	मे	री	ऽ
ध़	ऩ	ध़	ऩ	ऩ	र	स	–	–	–	स	–
ना	ऽ	व	च	ली	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ
र	ग	ग	ग	ग	ग	स	–	ऩ	ध़	स	–
जा	ऽ	ने	कि	ध	र	*	*	*	*	ना	ऽ
र	ग	ग	ग	ग	ग	र	ग	ग	ग	म	ग
जा	ऽ	ने	कि	ध	र	आ	ऽ	ज	मे	री	ऽ
र	ग	ग	म	ग	म	र	–	–	–	स	–
ना	ऽ	व	च	ली	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	च	ऽ
स	र	स	ग	र	–	स	–	ऩ	ध़	प़	–
ली	ऽ	रे	ऽ	च	ऽ	ली	ऽ	रे	मे	री	ऽ

ध़	ऩ	ध़	ऩ	ऩ	र	स	–	–	–	–	–
ना	ऽ	व	च	ली	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	*	स	ध़	ध़	स	ध़	स	स	र	र	–
*	*	क	ल	की	ऽ	वा	ऽ	तों	ऽ	को	ऽ
र	ग	र	ग	ग	प	ग	म	–	ग	–	–
भू	ऽ	ल	मे	रे	ऽ	म	नु	ऽ	आं	ऽ	ऽ
*	*	स	र	र	–	र	–	र	–	र	–
*	*	प्री	ऽत	है	ऽ	दु	ऽ	खों	ऽ	की	ऽ
स	र	स	र	ग	प	ग	र	–	(स)	–	–
भू	ऽ	ल	मे	रे	ऽ	म	नु	ऽ	आँ	ऽ	ऽ
स	र	स	र	प	–	ग	र	–	स	–	–
(बाजा)		...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
स	र	र	ग	प	–	प	ध	ध	ध	ध	–
स	प	ने	ऽ	कि	ऽ	सी	ऽ	के	क	भी	ऽ
प	ध	ध	प	प	–	ध	–	सं	सं	–	*
हो	ऽ	त	ऽ	ना	ऽ	पू	ऽ	ऽ	रे	ऽ	*
*	*	ध	सं	–	सं	ध	–	–	प	ग	–
*	*	रो	ऽ	ज़	ब	ना	ऽ	ऽ	ॐ	ऽ	ऽ

ग	ग	ग	-	र	-	स	-	ग	र	-	-
फि	र	भी	ऽ	अ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
*	*	ध	सं	-	सं	ध	-	-	प	ग	-
*	*	रो	ऽ	ज़	व	ना	ऽ	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ
ग	ग	ग	-	र	-	स	-	ग	र	-	-
फि	र	भी	ऽ	अ	ऽ	ध	ऽ	ऽ	रे	ऽ	ऽ
सं	-	गं	रं	सं	रं	सं	सं	सं	-	सं	-
बी	ऽ	ते	हु	ए	ऽ	स	प	नों	ऽ	का	ऽ
न	-	न	ध	प	-	ध	-	सं	सं	-	-
बो	ऽ	आ	ऽ	उ	ऽ	ठा	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ
ध	-	सं	न	न	-	ध	-	प	म	ग	-
दू	ऽ	र	क	हीं	ऽ	दू	ऽ	र	मे	री	ऽ
र	-	स	स	ग	-	र	-	-	-	स	-
ना	ऽ	व	च	ली	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ
र	ग	ग	ग	ग	ग	र	ग	ग	ग	म	ग
जा	ऽ	ने	कि	ध	र	आ	ऽ	ज	मे	री	ऽ

नाव चली रे। चली रे चली रे मेरी नाव……………।

सखीरी चलो नीर भरन.......!

मुरली मोवीटोन	ताल	गायक
"प्यास"	'कहरवा'	स्नेहप्रभा और कोरस

सखीरी चलो नीर भरन को जायें।
दो नैन कमल भर लायें। सखीरी चलो..................॥
नीर चोर के, धीर चुरा कर, चीर-चोर के चीर उठाकर।
दूर खड़े मुसकायें। सखीरी चलो..................॥
यमुना के हृदय में होंगे सखीरी, कृष्ण कन्हैया भी सखीरी, कृष्ण कन्हैया भी।
कृष्ण कन्हैया के हृदय में होंगी, राधा मैया भी सखीरी, राधा मैयाभी॥
दोनों को हर लायें ॥ सखीरी चलो....................॥

+				।				+				।			
			म	र	म	ध	प	-	ग़	-	स	र	ऩ	स	र
			स	खी	री	च	लो	ऽ	नी	ऽर	भ	र	न	को	ऽ
ग	-	म	म	र	म	ध	प	-	ग़	-	स	र	ऩ	स	र
जा	ऽ	यें	स	खी	री	च	लो	ऽ	नी	ऽर	भ	र	न	को	ऽ
ग	-	म	-	-	-	ग	म	*	म	प	प	प	म	प	ध
जा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	*	नै	ऽन	क	म	ल	भ	र
पध	ऩ	ध	प	म	प	ग	म	*	म	प	प	प	म	प	ध
लाऽ	ऽ	यें	ऽ	हां	हां	दो	ऽ	*	नै	ऽन	क	म	ल	भ	र
पध	ऩ	ध	प	ग	म	ध	प	-	ग़	-	स	र	ऩ	स	र
लाऽ	ऽ	यें	स	खी	री	च	लो	ऽ	नी	ऽर	भ	र	न	को	ऽ

ग	–	म	–	–	–	–	–	*	म	म	प	न	न	संन	धन
जा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	नी	र	चो	ऽ	र	केऽ	ऽऽ
–	न	सं	सं	सं	–	सं	सं	–	रं	रं	गं	सं	रं	संरं	नसं
ऽ	धी	र	चु	रा	ऽ	क	ऽर	*	ची	र	चो	ऽ	र	केऽ	ऽऽ
–	संनध–	ध	सं	धसं	नध	प	–	*	न	–	न	पध	–	ग	म
ऽ	चीऽऽऽ	ऽर	उ	ठाऽ	ऽऽ	क	ऽर	*	दू	ऽर	ख	ड़ेऽ	ऽ	मु	स
प	प	–	म	र	म	ध	प	–	ग	–	स	र	न	स	र
का	यें	ऽ	स	खी	री	च	लो	ऽ	नी	ऽर	भ	र	न	को	ऽ
ग	–	म	म	र	म	ध	प	–	ग	–	स	र	न	स	र
जा	ऽ	यें	स	खी	री	च	लो	ऽ	नी	ऽर	भ	र	न	को	ऽ
ग	–	म	–	–	–	ग	म	*	म	प	प	प	म	प	ध
जा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	दो	ऽ	*	नै	ऽन	क	म	ल	भ	र
पध	न	ध	प	म	प	ग	म	*	म	पं	प	प	म	प	ध
लाऽ	ऽ	यें	ऽ	हां	हां	दो	ऽ	*	नै	ऽन	क	म	ल	भ	र
पधं	न	ध	प	ग	म	ध	प	–	ग	–	स	र	न	स	र
लाऽ	ऽ	यें	स	खी	री	च	लो	ऽ	नी	ऽर	भ	र	न	को	ऽ
ग	–	म	म	र	म	ध	प	–	ग	–	स	र	न	स	र
जा	ऽ	यें	स	खी	री	च	लो	ऽ	नी	ऽर	भ	र	न	को	ऽ

ग	–	म	–	–	–	–	–	धन	न	–	न	ध	ध	–	प
जा	ऽ	यें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	यमु	ना	ऽ	के	ह	द	य	में
ग	ग	मध	प	ग	स	र	–	*	म	म	म	ग	स	र	न
हों	ऽ	गेऽ	स	खी	ऽ	री	ऽ	*	कृ	ष्ण	क	न्है	ऽ	या	ऽ
स	–	–	स	सर	ग	रग	म	*	म	म	प	ग	स	र	न
भी	ऽ	ऽ	स	खीऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	*	कृ	ष्ण	क	न्है	ऽ	या	ऽ
स	–	गम	पध	न	धप	मग	रस	धन	न	–	न	ध	ध	–	प
भी	ऽ	*	*	*	*	*	*	यमु	ना	ऽ	के	ह	द	य	में
ग	ग	मध	प	ग	स	र	–	*	म	म	म	ग	स	र	न
हों	ऽ	गेऽ	स	खी	ऽ	री	ऽ	*	कृ	ष्ण	क	न्है	ऽ	या	ऽ
स	–	–	स	सर	ग	रग	म	*	म	म	प	ग	स	र	न
भी	ऽ	ऽ	स	खीऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	*	कृ	ष्ण	क	न्है	ऽ	या	ऽ
स	–	रग	मप	न	पम	प	–	म	प	–	प	न	सं	–	सं
भी	ऽ	*	*	*	*	*	*	कृ	ष्ण	ऽ	क	न्है	या	ऽ	के
ध	ध	सं	न	नध	पध	प	–	*	न	–	न	पध	–	ग	म
ह	द	य	में	होंऽ	ऽऽ	गी	ऽ	*	रा	ऽ	धा	मैऽ	ऽ	या	ऽ
प	–	–	प	पध	न	धन	सं	*	न	–	न	पध	–	ग	म
भी	ऽ	ऽ	स	खीऽ	ऽ	रीऽ	ऽ	*	रा	ऽ	धा	मैऽ	ऽ	या	ऽ

प	-	गम	पध	न	पम	प	-	*	न	-	न	सं	-	सं	रं
भी	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	दो	ऽ	नों	को	ऽ	ह	र
न	प	-	म	र	म	ध	प	-	रं	-	रं	सं	-	सं	रं
ला	यें	ऽ	स	खी	री	च	लो	ऽ	दो	ऽ	नों	को	ऽ	ह	र
न	प	-	म	र	म	ध	प	-	ग	-	स	र	न	स	र
ला	यें	ऽ	स	खी	री	च	लो	ऽ	नी	ऽर	भ	र	न	को	ऽ

जायें, सखीरी चलो नीर भरन को जायें। दो नैन कमल..........।

18—N. P. K.

चहुँ ओर चांदनी छिटकी है....!

सिरको प्रोडेक्शन		ताल		गायिका
अनुराधा		कहरवा		वत्सला कुम्ठेकर

चहुँ ओर चांदनी छिटकी है, तारों की बस्ती बसती है।
मैं हाय अकेली ! आजावो, विरहा की आग सुलगती है।
ये मन्द-मन्द वायू की लहरें, सुख के गीत सुनाती हैं।
छेड़-छेड़ मन के तारों को, ऐसे साज़ बजाती हैं।
रोम-रोम थर-थर काँपे, नन्हीं सी जान मचलती है।
मैं हाय अकेली, आजावो। विरहा की आग सुलगती है। चहुँओर...
दूर-दूर सागर का पानी, प्रेम का नाद सुनाता है।
मस्त बना पागल सा डोले, पर्वत से टकराता है।
डोल रही हिरदय की नैया, कैसे पार उतरती है।
मैं हाय अकेली आजावो। चहुँ ओर...........................।

स्वरलिपि ☞

×				×				×				×			
														ध	न
														च	हुँ
न	सं	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	ध	प	सं	न
ओ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	च	हुँ
सं	रं	सं	न	ध	प	ध	प	म	ग	र	ग	स	–	स	–
ओ	ऽ	र	चाँ	ऽ	द	नी	ऽ	छि	ट	की	ऽ	है	ऽ	ता	ऽ
र	–	म	–	प	ध	पध	सं	न	ध	प	ध	प	–	प	–
रों	ऽ	की	ऽ	ब	ऽ	स्तीऽ	ऽ	ब	स	ती	ऽ	है	ऽ	मैं	ऽ
प	ध	ध	न	न	सं	सं	प	–	–	–	–	–	–	–	–
हा	ऽ	य	अ	के	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	ध	न	प	ध	म	प	म	ध	प	न	ध	प	–	म	ग
आ	ऽ	जा	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वि	र
म	प	म	ग	र	ग	र	स	र	ग	प	म॑	प	–	ध	न
हा	ऽ	की	ऽ	आ	ऽ	ग	सु	ल	ग	ती	ऽ	है	ऽ	च	हुँ
ओर चहुँ ओर (प्रथम पंक्ति की दो बार पुनरावृत्ति)														सं	न
														ये	ऽ
सं	रं	रं	रं	–	रं	सं	न	सं	रं	रं	–	रं	रं	रं	–
मँ	ऽ	द	मँ	ऽ	द	वा	ऽ	यू	ऽ	की	ऽ	ल	ह	रें	ऽ

रं	मं	मं	–	मं	–	मं	गं	रं	गं	रं	मं	गं	रं	–	–
सु	ख	के	ऽ	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	ती	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ

न	सं	न	रं	सं	न	ध	प	प	ध	प	न	ध	प	म	गं
छे	ऽ	ड़	छे	ऽ	ड़	म	न	के	ऽ	ता	ऽ	रों	ऽ	को	ऽ

प	ध	प	म	ग	म	ग	र	र	म	ग	र	स	–	–	–
ऐ	ऽ	से	ऽ	सा	ऽ	ज़	ब	जा	ऽ	ती	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ

ग	–	ग	ग	–	ग	ग	म	र	ग	ग	प	म	–	म	ग
रो	ऽ	म	रो	ऽ	म	थ	र	थ	र	काँ	ऽ	पे	ऽ	न	ऽ

म	ध	ध	–	ध	न	ध	न	प	ध	सं	न	सं	–	प	–
न्हीं	ऽ	सी	ऽ	जा	ऽ	न	म	च	ल	ती	ऽ	है	ऽ	मैं	ऽ

हाय अकेली, आजावो, विरहा की आग सुलगती है, । चहुँ ओर………………।

स	म	म	म	–	म	म	र	र	म	र	म	म	प	प	–
दू	ऽ	र	दू	ऽ	र	सा	ऽ	ग	र	का	ऽ	पा	ऽ	नी	ऽ

*	न	न	न	न	–	न	प	प	न	सं	गं	रं	सं	–	–
*	प्रे	म	का	ना	ऽ	द	सु	ना	ऽ	ता	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ

*	प	–	प	प	–	प	–	ध	सं	रं	गं	रं	सं	सं	–
*	मस्	त	ब	ना	ऽ	पा	ऽ	ग	ल	सा	ऽ	डो	ऽ	ले	ऽ

न	ध	न	ध	न	ध	न	प	प	ध	ध	सं	सं न	—	—	—
प	र	व	त	से	ऽ	ट	क	रा	ऽ	ता	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ
रं	गं	गं	रं	सं	रं	रं	सं	न	सं	सं	न	ध	न	ध	प
डो	ऽ	ल	र	ही	ऽ	हि	र	द	य	की	ऽ	नैं	ऽ	या	ऽ
*	प	म	प	ग	—	म	प	ग	म	ग	र	स	—	प	—
*	कै	ऽ	से	पा	ऽ	र	उ	त	र	नी	ऽ	है	ऽ	मैं	ऽ

19--B. N. B.

ना जाने किधर आज मेरी····!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म	ताल	गायक
"भूला"	दादरा	"अशोक कुमार"

ना जाने किधर आज मेरी नाव चली रे ।
चली रे, चली रे मेरी नाव चली रे ॥
कोई कहे यहाँ चली, कोई कहे वहाँ चली ।
मन ने कहा, पिया के गांव चली रे ॥
चली रे, चली रे मेरी नाव चली रे ॥
मन के मीत मेरे मिल जा जल्दी ।
दुनियां के सागर में नाव मेरी चल दी ॥
बिलकुल अकेली, अकेली चली रे ।
चली रे, चली रे मेरी नाव चली रे···········॥
ऊँची-नीची लहरों पै नाव मेरी डोले ।
मन में प्रीत मेरी पियु-पियु बोले ॥
मेरे मन मुझको बता, मेरी मंज़िल का पता ।
बोल मेरे साजन की कौन गली रे ॥
चली रे, चली रे मेरी नाव चली रे···········॥

+			०			+			०		
सं	सं	न	–	ध	–	म	–	ध	प	प	–
त	न	ना	ऽ	ता	ऽ	ना	ऽ	न	न	ना	ऽ
म	–	ग	र	–	–	*	*	स	–	स	–
ता	ऽ	न	ना	ऽ	ऽ	*	*	ता	ऽ	ना	ऽ
र	ग	म	र	ग	–	*	*	स	–	स	–
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	ना	ऽ	ना	ऽ
र	ग	–	–	स	–	र	ग	ग	ग	ग	ग
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ऽ	जा	ऽ	ने	कि	ध	र
र	ग	ग	ग	म	ग	र	ग	ग	म	ग	म
आ	ऽ	ज	मे	री	ऽ	ना	ऽ	व	च	ली	ऽ
र	–	–	–	स	–	स	र	स	ग	र	–
रे	ऽ	ऽ	ऽ	च	ऽ	ली	ऽ	रे	ऽ	च	ऽ
स	–	ऩ	ध़	प़	–	ध़	ऩ	ध़	ऩ	ऩ	र
ली	ऽ	रे	मे	री	ऽ	ना	ऽ	व	च	ली	ऽ
स	–	–	–	स	–	स	र	स	ग	र	–
रे	ऽ	ऽ	ऽ	च	ऽ	ली	ऽ	रे	ऽ	च	ऽ
स	–	ऩ	ध़	प़	–	ध़	ऩ	ध़	ऩ	ऩ	र
ली	ऽ	रे	मे	री	ऽ	ना	ऽ	व	च	ली	ऽ

स	–	–	–	–	–	प	न	सं	सं	सं	–
रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	को	ई	ऽ	क	हे	ऽ
सं	सं	–	सं	सं	–	न	न	–	ध	प	–
य	हां	ऽ	च	ली	ऽ	को	ई	ऽ	क	हे	ऽ
ध	न	–	ध	प	–	*	*	न	सं	सं	सं
व	हां	ऽ	च	ली	ऽ	*	*	को	ई	क	हे
सं	सं	–	सं	सं	–	*	*	न	न	ध	प
य	हां	ऽ	च	ली	ऽ	*	*	को	ई	क	हे
ध	न	–	ध	प	–	स	–	ग	प	प	र
व	हां	ऽ	च	ली	ऽ	म	ऽन	ने	क	हा	ऽ
*	*	प	म॑	प	–	र	ग	र	ग	ग	प
*	*	पि	या	के	ऽ	गां	ऽ	व	च	ली	ऽ
म	–	म	म	म	–	र	ग	र	ग	ग	प
रे	ऽ	पि	या	के	ऽ	गाँ	ऽ	व	च	ली	ऽ
म	ग	र	स	स	–	स	र	स	ग	र	–
रे	ऽ	ऽ	ऽ	च	ऽ	ली	ऽ	रे	ऽ	च	ऽ
स	–	ऩ	ध़	प़	–	ध़	ऩ	ध़	ऩ	ऩ	र
ली	ऽ	रे	मे	री	ऽ	ना	ऽ	व	च	ली	ऽ

स	–	–	–	–	–	*	*	ग	प	प	ग
रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	म	ऽन	के	ऽ
प	ध	ध	ध	ध	प	*	*	प	ध	ध	प
मी	ऽ	त	मे	रे	ऽ	*	*	मि	ऽल	जा	ऽ
ग	प	–	प	*	*	प	ध	ध	–	ध	प
ज	ऽल	ऽ	दी	*	*	दु	नि	यां	ऽ	के	ऽ
प	ध	ध	सं	सं	–	सं	रें	रें	रें	सं	–
सा	ऽ	ग	र	में	ऽ	ना	ऽ	व	मे	री	ऽ
ध	–	सं	सं	–	–	प	ध	ध	सं	सं	–
च	ऽ	ऽल	दी	ऽ	ऽ	बि	ऽल	कु	ऽल	अ	ऽ
ध	–	प	म	–	–	प	ध	ध	सं	सं	–
के	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	बि	ऽल	कु	ऽल	अ	ऽ
ध	–	प	म	म	–	म	–	ध	प	म	प
के	ऽ	ली	ऽ	अ	ऽ	के	ऽ	ली	च	ली	ऽ
म	ग	र	स	स	–						
रे	ऽ	ऽ	ऽ	च	ऽ	ली रे चली रे मेरी नाव………॥					
ध	सं	सं	न	सं	–	न	न	न	–	ध	–
ऊँ	ऽ	ची	नी	ची	ऽ	ल	ह	रों	ऽ	पै	ऽ

म	-	ध	ध	ध	-	ध	प	म	म	ग	र
ना	ऽ	व	मे	री	ऽ	डो	ऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ
*	*	स	ध़	ध़	-	स	-	र	र	ग	-
*	*	म	ऽन	में	ऽ	प्री	ऽ	त	मे	री	ऽ
ग	र	-	म	ग	-	स	र	ग	स	ऩ	स
पि	यू	ऽ	पि	यू	ऽ	बो	ऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ
रं	सं	सं	न	सं	-	न	न	न	-	ध	-
ऊँ	ऽ	ची	नी	ची	ऽ	ल	ह	रों	ऽ	पै	ऽ
म	-	ध	ध	ध	-	ध	प	म	म	ग	र
ना	ऽ	व	मे	री	ऽ	डो	ऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ
*	*	स	ध़	ध़	-	स	-	र	र	ग	-
*	*	म	ऽन	में	ऽ	प्री	ऽ	त	मे	री	ऽ
ग	र	-	म	ग	-	स	र	ग	स	ऩ	स
पि	यू	ऽ	पि	यू	ऽ	बो	ऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ
*	*	प	ध	ध	प	ध	-	सं	सं	सं	-
*	*	मे	रे	म	ऽन	मु	ऽझ	को	ब	ता	ऽ
*	*	रं	रं	रं	-	रं	गं	रं	सं	सं	ध
*	*	मे	री	मं	ऽ	ज़ि	ल	का	प	ता	ऽ

ध	प	प	ध	ध	प	ध	–	सं	सं	सं	–
ऽ	ऽ	मे	रे	म	ऽन	मु	ऽझ	को	ब	ता	ऽ
*	*	रं	रं	रं	–	रं	गं	रं	सं	सं	ध
*	*	मे	री	मं	ऽ	ज़ि	ऽल	का	प	ता	ऽ
प	–	ध	सं	सं	–	ध	–	प	प	म	–
बो	ऽ	ल	मे	रे	ऽ	सा	ऽ	ज	न	की	ऽ
म	–	ध	प	म	प	म	ग	र	स	*	*
कौ	ऽ	न	ग	ली	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
प	–	ध	सं	सं	–	ध	–	प	प	म	–
बो	ऽ	ल	मे	रे	ऽ	सा	ऽ	ज	न	की	ऽ
म	–	ध	प	म	प	म	ग	र	स	स	–
कौ	ऽ	न	ग	ली	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	च	ऽ
स	र	स	ग	र	–	स	–	ऩ	ध़	प़	–
ली	ऽ	रे	ऽ	च	ऽ	ली	ऽ	रे	मे	री	ऽ

नाव चली रे, ना जाने किधर......................।

मोहे भावी लादो भैया.....!

पंचोली आर्ट पिक्चर्स	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"खज़ाची"	卐 卐	"दादरा"	卐 卐	"मनोरमा"

मोहे भावी लादो भैया, मोरा मन बहलादो भैया ॥
सूरज का टीका गढ़वादूं, चांद का झूमर बनवा दूं।
चोली में तारे टंकवा दूं, राम रहे रखवइया ॥
फूल-फूल का रंग चुराकर, कली-कली का रूप उड़ाकर।
इनको उनकी भेंट चढ़ाकर, लूँगी मैं रोज़ बलइयां ॥
मोहे भावी लादो भइया.................................॥

×			।			×			।		
ग	गम	गम	ग	र	*	ध़	स	ग	र	*	*
मो	ऽहे	ऽऽ	भा	वी	*	ला	दो	भै	या	*	*
गम	पध	न	*	धन	धप	पध	प	मप	(म)ग	(म)ग	म
मोऽ	राऽ	ऽ	*	मन	बह	लाऽ	दो	भै	या	ऽ	ऽ
ग	गम	गम	ग	र	*	ध़	स	ग	र	*	*
मो	हेऽ	ऽऽ	भा	वी	*	ला	दो	भै	या	*	*
रग	रग	प	प	ध	धन	ध	प	*	रग	रग	प
सूऽ	रज	का	टी	का	गढ़	वा	दूं	*	सूऽ	रज	का
प	ध	धन	ध	प	*	ध	धध	सं	धन	धप	मग
टी	का	गढ़	वा	दूं	*	चां	दका	ऽ	झूऽ	मर	बन

ग	र	–	ध	धध	सं	धन	धप	मग	ग	र	–
वा	हूं	ऽ	चां	दका	ऽ	भूऽ	मर	बन	वा	हूं	ऽ
पध	ध	प	धसं	सं	संरं	रं	सं	–	पध	ध	प
चोऽ	ली	में	ताऽ	रे	टक	वा	हूं	ऽ	चोऽ	ली	में
धसं	सं	संरं	रं	सं	–	धसं	पध	मप	गप	–र	ग
ताऽ	रे	टक	वा	हूं	ऽ	राऽ	मऽ	रऽ	हेऽ	ऽर	ख
र	स	*	धसं	पध	मप	गप	–र	ग	र	स	*
वै	या	*	राऽ	मऽ	रऽ	हेऽ	ऽर	ख	वै	या	*
ग	गम	गम	ग	र	*	ध़	स	ग	र	*	*
मो	हेऽ	ऽऽ	भा	वी	*	ला	दो	मै	या	*	*
गग	गग	गग	गग	–	*	सर	रस	ध़स	ग	–	–
फूऽ	लफू	लऽ	केऽ	ऽ	*	रंऽ	गचु	राऽ	क	र	*
रग	रग	प	गप	स	*	स	रर	ग	र	–	–
कली	ऽक	ली	काऽ	ऽ	*	रू	पउ	ड़ा	क	र	*
सर	ध़	*	सग	र	*	रम	पध	सं	सं	–	–
इन	को	*	उन	की	*	भेऽ	टच	ढ़ा	क	र	*
धसं	पध	मप	गप	गग	ग	र	स	*	धसं	पध	मप
लूँऽ	गीऽ	मैंऽ	रोऽ	ऽज़	ब	लैं	यां	*	लूँऽ	गीऽ	मैंऽ

गप	गग	ग	र	स	*	ग	गम	गम	ग	र	*
रोऽ	जऽ	ब	लै	यां	*	मो	हेऽ	ऽऽ	भा	वी	*
धृ	स	ग	र	*	*						
ला	दो	भै	या	*	*						

21–N. P. K. 11–41

कभी याद आंसू बन के......!

रणजीत फिल्म	✤ ✤	ताल	✤ ✤	गायक
"बेटी"	✤ ✤	"दादरा"	✤ ✤	"खुर्शीद, वासंती व अरुण"

कभी याद आंसू बन के, आंखों में समाई है ।
कभी ग़म से दिल भर आया, कभी आंख भर आई है ।
ये दर्दे मोहब्बत है, ये दर्दे जुदाई है ॥
ये मीठी–मीठी पीड़ा, दिल को है जिसने चीरा ।
टुकड़े किये जिगर के, फिर भी मुझे भाई है ।
ये दर्दे मोहब्बत है ये दर्दे जुदाई है ॥
जी चाहे हुई जाये जब तक कि तू न आये ।
ये पीर कलेजे की, ज़खमों की दवाई है ।
ये दर्दे मोहब्बत है, ये दर्दे जुदाई है ॥

×			०			×			०			×			०		
				न	सं	रं	–	सं	रं	–	न	सं	–	सं	–	पं	–
				क	भी	या	ऽ	द	आं	ऽ	सू	ब	ऽन	के	ऽ (बांसुरी)		
मं	–	पं	गं	–	रं	सं	–	*	*	न	सं	रं	–	सं	रं	–	न
...	...	...	...	...	...	...	...	*	*	क	भी	या	ऽ	द	आं	ऽ	सू

सं - सं	- सं सं	ध प म	प ग र	स - *	* ऩ स
ब ऽन के	ऽ ह ह	ह ह ह	ह ह ह	हा ऽ *	* आं ऽ
स ग ग	स ग म	म प प	- ध प	प ध न	प ध न
खों ऽ में	स मा ऽ	ई ऽ है	ऽ (बांसुरी)	… … …	… … …
प - *	* ऩ स	स ग ग	स ग म	म प प	- * *
… … *	* आं ऽ	खों ऽ में	स मा ऽ	ई ऽ है	ऽ * *
प ध न	प ध न	प - *	* प न	न - न	न - न
ह ह ह	ह ह ह	हा ऽ *	* क भी	ग़ ऽम से	दि ऽल भर
प सं सं	- सं सं	सं रं सं	न न -	प न प	- रं -
आ ऽ या	ऽ क भी	आं ऽ ख	भ रा ऽ	ई ऽ है	ऽ ये ऽ
रं गं रं	सं रं न	सं सं सं	प प -	म - प	न न -
द र दे	मो हो ऽ	ब्ब त है	ऽ ये ऽ	द ऽ दें	जु दा ऽ
न सं सं	- प न	ग - स	ग - म	म प प	- ध प
ई ऽ है	ऽ ये ऽ	मी ऽ ठी	मी ऽ ठी	पी ऽ ड़ा	ऽ (बांसुरी)
प ध न	प ध न	प - *	* प न	ग - स	ग - म
… … …	… … …	… … *	* ये ऽ	मी ऽ ठी	मी ऽ ठी
म प प	- ध प	प ध न	प ध न	प - *	* प न
पी ऽ ड़ा	ऽ ह ह	ह ह ह	ह ह ह	हा ऽ *	* दि ऽल

ग – स	ग ग म	म प प	– ध प	प ध न	प ध न
को ऽ है	जि स ने	ची ऽ रा	ऽ (बांसुरी)	… … …	… … …
प – *	* प न	ग – स	ग ग म	म प प	– ध प
… … *	* दि ऽल	को ऽ है	जि स ने	ची ऽ रा	ऽ ह ह
प ध न	प ध न	प – *	* प ध	सं रं रं	रं – रं
ह ह ह	ह ह ह	हा ऽ *	* टु क	ड़े ऽ कि	ये ऽ जि
रं गं गं	– गं मं	गं रं रं	सं सं –	न सं सं	– रं –
ग र के	ऽ फि र	भी ऽ मु	झे भा ऽ	ई ऽ है	ऽ ये ऽ
रं गं रं	सं रं न	सं सं सं	प प –	म – प	न न –
द र दे	मो हो ऽ	ब्ब त है	ऽ ये ऽ	द ऽ दें	जु दा ऽ
न सं सं	– प –	ध – प	– प प	ध – प	– सं –
ई ऽ है	ऽ जी ऽ	चा ऽ हे	ऽ हु ई	जा ऽ ये	ऽ ज ऽब
रं – सं	रं – सं	रं – सं	– सं रं	रं – रं	रं सं –
त ऽक कि	तू ऽ न	आ ऽ ये	ऽ ये ऽ	पी ऽ र	क ले ऽ
न – प	– प प	ध सं सं	रं रं गं	रं – सं	– रं –
जे ऽ की	ऽ ज ख़	मों ऽ की	द वा ऽ	ई ऽ है	ऽ ये ऽ
रं गं रं	सं रं न	सं सं सं	प प –	म – प	न न –
द र दे	मो हो ऽ	ब्ब त है	ऽ ये ऽ	द ऽ दें	जु दा ऽ

न	सं	सं	–	रं	–	रं	गं	रं	सं	रं	न	सं	सं	सं	प	प	–
ई	ऽ	हैं	ऽ	ये	ऽ	द	र	दे	मो	हो	ऽ	ब्ब	त	है	ऽ	ये	ऽ
म	–	प	न	न	–	न	सं	सं	–	–	–						
द	ऽ	दें	जु	दा	ऽ	ई	ऽ	है	ऽ	ऽ	ऽ						

22–N. P. K.

जीवन मधुर बनायें

सिरको प्रोडक्शन्स	ताल	गायक
फिल्म "स्वामी"	कहरवा	सितारा और खान मस्ताना

जीवन मधुर बनायें आवो प्यार करें।
मन की आग बुझाओ स्वामी, प्रेम के गीत सुनाओ स्वामी।
दुख के दीपक राग को अब मलहार करें॥ जीवन..............॥
तारों के सब दीप जला कर, अपने-अपने गीत सुनाकर।
खोई हुई क़िस्मत को अब बेदार करें॥ जीवन..............॥
आओ बिगड़ी बात बनायें, अपनी दुनियां आप बसायें।
हर ज़र्रे को एक नया संसार करें॥ जीवन..............॥

+				।				+				।			
न	सं	सं	सं	सं	सं	सं	सं	न	–	न	–	ध	प	न	ध
जी	ऽ	व	न	म	धु	र	ब	ना	ऽ	यें	ऽ	*	*	*	*
न	सं	सं	सं	सं	सं	सं	सं	न	–	न	–	ध	–	ध	–
जी	ऽ	व	न	म	धु	र	ब	ना	ऽ	यें	ऽ	आ	ऽ	वो	ऽ

प	ध	प	म	ग	म	प	ध	प	ध	न	सं	न	–	ध	–
प्या	ऽ	र	क	रें	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ	आ	ऽ	वो	ऽ

प	ध	प	म	ग	म	प	ध	म	प	(ध)प	–	(ध)प	–	(ध)प	–
प्या	ऽ	र	क	रें	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

जीवन मधुर बनायें आवो प्यार, कि हां आवो…………

प	ध	प	म	ग	म	प	ध	म	प	–	–	प	म	प	ध
प्या	ऽ	र	क	रें	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*

*	ग	प	प	ध	सं	सं	सं	न	–	ध	प	ध	न	न	प
*	म	न	की	आ	ऽ	ग	बु	झा	ऽ	वो	ऽ	स्वा	ऽ	मी	ऽ

*	प	–	प	ध	सं	सं	सं	न	–	ध	प	ध	न	न	प
*	प्रे	ऽम	के	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	वो	ऽ	स्वा	ऽ	मी	ऽ

*	(न)ध	सं	सं	सं	–	सं	सं	न	–	न	न	ध	ध	ध	ध
*	दु	ख	के	दी	ऽ	प	क	रा	ऽ	ग	को	अ	ब	म	ल

प	ध	प	म	ग	म	प	ध	प	ध	न	सं	न	न	ध	ध
हा	ऽ	र	क	रें	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	कि	अ	ब	म	ल

प	ध	प	म	ग	म	प	ध	म	प	–	–	ग	म	प	–
हा	ऽ	र	क	रें	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*

जीवन मधुर बनायें आवो प्यार करें…………।

* प	म	म	म	–	म	म	म	प	प	प	प	–	प	–	
* ता	ऽ	रों	के	ऽ	स	ब	दी	ऽ	प	ज	ला	ऽ	क	ऽर	
म	प	ध	ध	ध	ध	ध	–	ध	प	ध	न	ध	–	प	–
ऽ	अ	प	ने	अ	प	ने	ऽ	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	क	ऽर
* ध	सं	सं	सं	–	सं	रं	सं	न	न	–	ध	ध	ध	–	
* खो	ई	हु	ई	ऽ	कि	स	म	त	को	ऽ	अ	ब	वे	ऽ	
प	ध	प	म	ग	म	प	ध	प	ध	न	सं	न	न	ध	–
दा	ऽ	र	क	रें	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	कि	अ	ब	वे	ऽ
प	ध	प	म	ग	म	प	ध	म	प	–	–	ध प	–	ध प	–
दा	ऽ	र	क	रें	ऽ	ऽ	ऽ	हाँ	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ

जीवन मधुर बनायें आवो प्यार करें..............।

* ध	न	न	न	न	न	–	न	सं	सं	सं	सं	–	रं	गं
* आ	ऽ	वो	बि	ग	ड़ी	ऽ	वा	ऽ	त	ब	ना	ऽ	यें	ऽ
गं –	सं	–	–	–	–	–	न	सं	न	ध	प	ध	प	–
ऽ ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
* ध	न	न	न	न	न	–	न	सं	सं	सं	सं	–	सं	–
* आ	ऽ	वो	बि	ग	ड़ी	ऽ	बा	ऽ	त	ब	ना	ऽ	यें	ऽ
* सं	रं	रं	रं	रं	रं	–	रं	सं	रं	गं	रं	–	सं	–
* अ	प	नी	दु	नि	यां	ऽ	आ	ऽ	प	ब	सा	ऽ	यें	ऽ

* सं	–	सं	सं	–	सं	रं	न	–	न	न	ध	–	ध	–
* ह	र	ज़	रँ	ऽ	को	ऽ	ए	ऽ	क	न	या	ऽ	सं	ऽ
प	ध	प	म	ग	म	प	ध	प	ध	न	सं	न	–	ध	–
सा	ऽ	र	क	रँ	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	न	या	ऽ	सं	ऽ
प	ध	प	म	ग	म	प	ध	म	प	–	–	ध प	–	ध प	–
सा	ऽ	र	क	रँ	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ

जीवन मधुर बनायें आवो प्यार करें…………!

23—N. P. K.

प्यारे प्यारे सपने हमारे……!

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म		ताल		गायक
"अनजान"	卐 卐	'कहरवा'	卐 卐	अशोककुमार और बच्चे

प्यारे–प्यारे सपने हमारे ।
जनम जनम तक सङ्ग रहें हम, कभी न हों न्यारे ॥ प्यारे प्यारे…॥
एक हमारा राज महल हो, यमुना किनारे ।
हम वहाँ पर रहें यूँ जैसे गगन में तारे ॥ प्यारे प्यारे…॥
एक डोर में बँधगये अबतो, मन हमारे, तन हमारे, जीवन हमारे ।
हमको अलग न कर सकेंगे, दुनियां के इशारे ॥ प्यारे प्यारे…॥

+				।				+				।			
ग	प	प	ग	प	ध	ध	प	ध	प	प	प	ध	प	ग	म
प्या	ऽ	रे	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	स	प	ने	ह	मा	ऽ
ग	–	स	र	ग	ध	प	–								
रे	ऽ	(बाजा)		…	…	…	…	प्यारे प्यारे सपने……………………।							

स	र	र	ग	र	ग	र	प	*	*	र	म	ग	र	स	ग
प्या	ऽ	रे	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ	*	*	स	प	नै	ह	मा	ऽ
र	–	प	ध	सं	गं	रं	–	स	र	र	ग	र	ग	र	प
रे	ऽ	(बाजा)	*	*	*	*	*	प्या	ऽ	रे	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ
*	*	र	म	ग	र	स	ग	र	–	प	ध	ध	सं	रं	गं
*	*	स	प	ने	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	*	*
स	स	प	प	प	प	ग	म	प	ध	प	सं	न	ध	प	प
ज	न	म	ज	न	म	त	क	सं	ऽ	ग	र	हैं	ऽ	ह	म
प	प	न	न	ध	–	प	ध	ध	सं	*	प	म	ग	र	स
क	भी	ऽ	न	हों	ऽ	न्या	ऽ	रे	ऽ	* (बाजा)		*	*	*	*
स	र	र	ग	र	ग	र	प	*	*	र	म	ग	र	स	ग
प्या	ऽ	रे	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ	*	*	स	प	ने	ह	मा	ऽ
र	–	प	ध	सं	गं	रं	–	स	र	र	ग	र	ग	र	प
रे	ऽ	(बाजा)	*	*	*	*	*	प्या	ऽ	रे	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ
*	*	र	म	ग	र	स	ग	र	–	स	र	म	प	ध	–
*	*	स	प	ने	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	(बाजा)	*	*	*	*	*
प	ध	सं	रं	सं	न	ध	–	प	ध	म	ध	–	ध	र	ग

र	प	-	प	र	म	ग	र	स	ऩ	स	म	र	प	म	ध
प	न	-न	न	न	-	न	ध	न	सं	सं	सं	सं	सं	सं	-
ए	ऽ	ऽक	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	रा	ऽ	ज	म	ह	ल	हो	ऽ
*	*	ध	सं	न	ध	प	म	म	ध	-	-	प	ध	सं	रं
*	*	ज	मु	ना	कि	ना	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
न	सं	ध	सं	न	ध	प	म	म	ध	-	-	-	-	-	न
*	*	ज	मु	ना	कि	ना	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
प	न	-न	न	न	-	न	ध	न	सं	सं	सं	सं	सं	सं	-
ए	ऽ	ऽक	ह	मा	ऽ	रा	ऽ	रा	ऽ	ज	म	ह	ल	हो	ऽ
*	*	ध	सं	न	ध	प	म	म	ध	प	ध	सं	रं	सं	-
*	*	ज	मु	ना	कि	ना	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*	*	*
म	ध	-	ध	ध	-	ध	सं	सं	रं	सं	न	ध	प	प	ध
ह	ऽ	ऽम	व	हां	ऽ	प	र	र	हें	ऽ	यों	ऽ	ऽ	जै	ऽ
ध	सं	प	प	ध	सं	रं	मं	गं	रं	रं	-	सं	न	ध	प
से	ऽ	ऽ	ग	ग	न	में	ऽ	ता	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*
म	ध	-	ध	ध	-	ध	सं	सं	रं	सं	न	ध	प	प	ध
ह	ऽ	ऽम	व	हां	ऽ	प	र	र	हें	ऽ	यों	ऽ	ऽ	जै	ऽ

ध	सं	प	प	ध	सं	रं	मं	गं	रं	रं	–	मं	गं	रं	सं
से	ऽ	ऽ	ग	ग	न	में	ऽ	ता	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*
स	र	र	ग	र	ग	र	प	*	*	र	म	ग	र	स	ग
प्या	ऽ	रे	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ	*	*	स	प	ने	ह	मा	ऽ
र	–	प	ध	सं	गं	रं	–	स	र	र	ग	र	ग	र	प
रे	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	प्या	ऽ	रे	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ
*	*	र	म	ग	र	स	ग	र	ध	–	ध	सं	रं	गं	मं
*	*	स	प	ने	ह	मा	ऽ	रे	*	*	*	*	*	*	*
गं	मं	पं	मं	गं	रं	सं	न	रं	मं	गं	–	गं	पं	मं	–
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	*
मं	धं	पं	मं	पं	–	–	–	स	ग	ग	म	ग	र	स	–
*	*	*	*	*	*	*	*	ए	ऽ	क	डो	ऽ	र	में	ऽ
स	ग	म	प	ग	म	प	म	*	म	ध	ध	प	–	प	म
बँ	ध	ग	ये	अ	ब	तो	ऽ	*	म	न	ह	मा	ऽ	रे	ऽ
*	प	न	न	ध	–	ध	प	ध	सं	सं	–	–	न	ध	सं
*	त	न	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	जी	ऽ	वन	ऽ	ऽ	ह	मा	ऽ
न	–	पध	प	मप	म	ग	–	स	ग	ग	म	ग	र	स	–
रे	ऽ	*	*	*	*	*	*	ए	ऽ	क	डो	ऽ	र	में	ऽ

स	ग	म	प	ग	म	प	म	*	म	ध	ध	प	–	प	म
वँ	ध	ग	ये	अ	ब	तो	ऽ	*	म	न	ह	मा	ऽ	रे	ऽ

*	प	न	न	ध	–	ध	प	ध	सं	सं	–	–	न	ध	सं
*	त	न	ह	मा	ऽ	रे	ऽ	जी	ऽ	वन्	ऽ	ऽ	ह	मा	ऽ

न	–	प	ध	न	सं	सं	–								
रे	ऽ	*	*	*	*	*	*								

प	ध	ध	न	ध	न	सं	रं	सं	रं	सं	न	ध	न	प	–
ह	ऽम	को	ऽ	ऽ	अ	ल	ग	न	क	र	स	कें	ऽ	गे	ऽ

प	ध	ध	सं	सं	रं	–	मं	गं	–	रं	–	सं	न	ध	प
दु	नि	यां	ऽ	के	ऽ	ऽ	इ	शा	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*

प	ध	ध	न	ध	न	सं	रं	सं	रं	सं	न	ध	न	प	–
ह	ऽम	को	ऽ	ऽ	अ	ल	ग	न	क	र	स	कें	ऽ	गे	ऽ

प	ध	ध	सं	सं	रं	–	मं	गं	–	रं	–	मं	गं	रं	सं
दु	नि	यां	ऽ	के	ऽ	ऽ	इ	शा	ऽ	रे	ऽ	*	*	*	*

स	र	र	ग	र	ग	र	प	*	*	र	म	ग	र	स	ग
प्या	ऽ	रे	ऽ	प्या	ऽ	रे	ऽ	*	*	स	प	ने	ह	मा	ऽ

र	–	प	ध	सं	गं	रं	–								
रे	ऽ	*	*	*	*	*	*	प्यारे प्यारे.............................. ॥							

24—N. P. K.—12—41

ये कैसा अन्याय, दाता····!

न्यूथियेटर्स फिलम	ताल	गायक
'लगन'	'कहरवा'	'के० एल० सहगल'

ये कैसा अन्याय दाता, ये कैसा अन्याय ?
मेरा बनता काम बिगड़ कर, बिगड़े काम बनाये।
बेड़ा पार लगाये दाता, ये कैसा अन्याय दाता ॥
दुख झेले जिस सुख के कारण, वह सुख भी छिन जाय,
जैसे अपने दिए की ज्योती, दूजे के घर जाय ॥ दाता ये कैसा······॥
मैं भी यूँ ही जमा रहूँगा, कैसा ही तूफान आये।
घाट का पत्थर हिल नहीं सकता, लाख थपेड़े खाय।
कभी तो दुख को सुख कर देगा, अन्याई का न्याय।
अन्धा तो जब ही पतिआए, जब दो आँखें पाय ॥ दाता ये कैसा······॥

+				।				+				।			
म	प	म	ग	र	स	ऩ	र	सर	ऩस	–	स	सर	गम	प	म
ये	ऽ	कै	ऽ	सा	ऽ	अ	ऽ	न्याऽ	ऽऽ	ऽ	य	दाऽ	ऽऽ	ऽ	ता
*	म	प	ग	र	स	ऩ	र	सर	ऩस	–	–	सर	गम	सर	ग
*	ये	ऽ	कै	सा	ऽ	अ	ऽ	न्याऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
–	ग	ग	ग	ग	–	ग	–	गम	रग	म	म	म	म	म	–
ऽ	मे	ऽ	रा	ब	ऽन	ता	ऽ	काऽ	ऽऽ	म	बि	ग	ड़	क	ऽर
*	र	र	ग	म	–	प	ध	पध	मप	–	–	म	ध	प	म
*	बि	ग	ड़े	का	ऽ	म	ब	नाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

ग	ग	–	ग	ग	–	ग	–	गम	पध	प	प	म	ग	म	–
ऽय	मे	ऽ	रा	ब	ऽन	ता	ऽ	काऽ	ऽऽ	म	बि	ग	ड़	क	ऽर
*	र	र	ग	म	–	प	ध	पध	मप	–	–	–	प	म	ध
*	बि	ग	ड़े	का	ऽ	म	ब	नाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	ध	–	ध	ध	–	न	सं	न	ध	न	ध	प	ध	प	म
य	वे	ऽ	ड़ा	पा	ऽ	र	ल	गा	ऽ	ऽ	य	दा	ऽ	ता	ऽ
म	प	म	ग	र	स	ऩ	र	सर	ऩस	–	स	सर	गम	प	म
ये	ऽ	कै	ऽ	सा	ऽ	अ	ऽ	न्याऽ	ऽऽ	ऽ	य	दाऽ	ऽऽ	ऽ	ता
*	म	प	ग	र	स	ऩ	र	स	र	ग	म	प	ध	सं	–
*	ये	ऽ	कै	सा	ऽ	अ	ऽ	न्या	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
सं	सं	सं	रं	रं	गं	गं	गं	सं	संसं	सं	रं	रं	गं	गं	–
दु	ख	झे	ऽ	ले	ऽ	जि	स	ऽ	सुख	के	ऽ	का	ऽ	र	ऽन
*	ग	–	ग	म	प	ग	र	स	–	–	ऩ	ध़	प़	स	–
*	वो	ऽ	सु	ख	भी	छि	न	जा	ऽ	ऽ	य	*	*	*	*
*	स	स	र	र	म	म	म	प	ध	न	सं	न	ध	प	–
*	जै	से	ऽ	अ	प	ने	दि	ये	ऽ	की	ऽ	ज्यो	ऽ	ती	ऽ
*	प	न	ध	प	म	ग	प	म	–	–	ग	ग	र	र	स
*	दू	जे	ऽ	के	ऽ	घ	र	जा	ऽ	ऽ	य	दा	ऽ	ता	ऽ

*	स	स	र	र	म	म	म	प	ध	न	.सं	न	ध	प	–
*	जै	से	ऽ	अ	प	ने	दि	ये	ऽ	की	ऽ	ज्यो	ऽ	ती	ऽ

प	न	न	ध	प	म	ग	प	म	–	–	ग	गम	पध	प	म
दू	ऽ	जे	ऽ	के	ऽ	घ	र	जा	ऽ	ऽ	य	दाऽ	ऽऽ	ता	ऽ

*	म	प	ग	र	स	न	र	सर	नस	–	स	सर	गम	प	म
*	ये	ऽ	कै	सा	ऽ	अ	ऽ	न्याऽ	ऽऽ	ऽ	य	दाऽ	ऽऽ	ऽ	ता

*	म	प	ग	र	स	न	र	सर	नस	–	–	–	–	–	–
*	ये	ऽ	कै	सा	ऽ	अ	ऽ	न्याऽ	ऽऽ	ऽ	य	*	*	*	*

(कुछ थोड़ी सी लय बढ़ाके)

म	–	प	ध	सं	–	सं	–	सं	संरं	गं	गं	गं	–	गं	–
मैं	ऽ	भी	ऽ	यूं	ऽ	हीं	ऽ	ज	माऽ	ऽ	र	हूँ	ऽ	गा	ऽ

*	गं	गं	गं	गं	–	गं	–	गं	मं	–	–	पं मं	–	मं	गं
*	कै	सा	ही	तू	ऽ	फा	ऽन	आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

–	गं	रं	रं	रं	–	रं	रं	रं	रं	रं	रं	रं	रं	सं	–
य	घा	ऽट	का	प	ऽ	त्थ	र	हि	ल	न	हीं	स	क	ता	ऽ

*	सं	ध	ध	ध	–	ध	न	न	सं	–	–	–	–	*	*
*	ला	ऽख	थ	पे	ऽ	ड़े	ऽ	खा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य	*	*

(कुछ धीमी लय कर के)

*	स	स	स	स	स	स	र	र	ग	म	म	म	-	म	ग
*	क	भी	तो	दु	ख	को	ऽ	सु	ख	क	र	दे	ऽ	गा	ऽ
*	ग	प	प	प	-	म	प	ग	म	-	-	ग	ग	र	स
*	अ	ऽ	न्या	यी	ऽ	का	ऽ	न्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽय
*	स	स	स	स	स	स	र	र	ग	म	म	म	-	म	ग
*	क	भी	तो	दु	ख	को	ऽ	सु	ख	क	र	दे	ऽ	गा	ऽ
*	ग	प	प	प	-	म	प	ग	म	-	-	म	-	न	-
*	अ	ऽ	न्या	यी	ऽ	का	ऽ	न्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य
*	प	न	न	न	-	न	सं	(सं)	-	सं	न	न	-	न	ध
*	अ	ऽ	न्धा	तो	ऽ	ज	ब	ही	ऽ	प	ति	आ	ऽ	ये	ऽ
*	प	प	प	प	-	प	म	ग	-	प	-	म	प	न	-
*	ज	ब	दो	आं	ऽ	खें	ऽ	पा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य
*	प	न	न	न	-	न	सं	(सं)	-	सं	न	न	-	न	ध
*	अ	ऽ	न्धा	तो	ऽ	ज	ब	ही	ऽ	प	ति	आ	ऽ	ये	ऽ
*	प	प	प	प	-	प	म	ग	म	-	-	प	ध	सं	-
*	ज	ब	दो	आं	ऽ	खें	ऽ	पा	ऽ	ऽ	य	दा	ऽ	ता	ऽ

-	-	-	-	-	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

25—N. P K.

अब किसको बसायें.....?

नेशनल स्टूडियोज़	ताल	गायक
फ़िल्म "आसरा"	कहरवा	सरदार अख़्तर और मुकर्जी

अब किसको बसायें आंखों में ।
मन बसगई, आँखें-आँखों में ॥
कुछ रह-रह कर दिल कहता है, तू अलग-अलग क्यूँ रहता है ।
ए रसिया जग के मन बसिया, आ तुझको बिठायें आंखों में ॥ मन बसगई.......॥
ये दुखिया आंखें रोती हैं, जगती हैं लेकिन सोती हैं ।
जो छाले दिल के फूट गये, वो नीर बने हैं आँखों में ॥
हम किसको बसायें आँखों में, मन बसगई.......................॥

स्वरलिपि☞

×				×				×				×			
														सं	न
														अ	ब
ध	न	सं	रं	संन	सं	ध	प	-	म॑प	ध	प	म	-	म	मर
कि	स	को	ब	साऽ	ऽ	यें	ऽ	ऽ	आँऽ	ऽ	खों	में	ऽ	म	नऽ
र	रप	प	प	-	-	म॑	प	ध	न	सं	रं	सं	संरं	गं	रं
ब	सऽ	ग	ई	ऽ	ऽ	म	न	ब	स	ग	ई	ऽ	आँऽ	ऽ	खें
-	संन	ध	न	सं	-	सं	न	ध	न	सं	रं	संन	सं	ध	प
ऽ	आँऽ	ऽ	खों	में	ऽ	अ	ब	कि	स	को	ब	साऽ	ऽ	यें	ऽ
-	म॑प	ध	प	म	-	म	मर	र	रप	प	प	-	-	प	म॑
ऽ	आँऽ	ऽ	खों	में	ऽ	म	नऽ	ब	सऽ	ग	ई	ऽ	ऽ	कु	छ
प	न॒	न॒	प	प	न॒	सं	रं	*	ध	न॒	ध	प	-	प	म॑
र	ह	र	ह	क	र	दिल	ऽ	*	क	ह	ता	है	ऽ	तू	ऽ

प	न	न	प	न	सं	नसं	रं	*	न	न	न	सं	–	सं	न
अ	ल	ग	अ	ल	ग	क्यूँऽ	ऽ	*	र	ह	ता	है	ऽ	ए	ऽ

सं	रं	रं	सं	रं	गं	गं	मं	रं	रं	रं	गं	सं	–	प	–
र	सि	या	ऽ	ज	ग	के	ऽ	म	न	ब	सि	या	ऽ	आ	ऽ

प	रं	रं	रं	सं	न	सं	–	*	न	–	प	म	–	म	मर
तु	झ	को	बि	ठा	ऽ	यें	ऽ	*	आँ	ऽ	खों	में	ऽ	म	नऽ

बसगई, मन बसगई आँखें आँखों में, अब किस को बसायें आँखों में, मन बसगई…!

														ग	म
														ये	ऽ

प	न	ध	प	प	ध	प	म	*	म	प	म	ग	र	स	र
दु	खि	याँ	ऽ	आँ	ऽ	खें	ऽ	*	रो	ऽ	ती	हैं	ऽ	ज	ग

र	ग	ग	र	*	गम	प	पर	*	र	ग	र	स	–	स	न
ती	ऽ	हैं	ऽ	*	लेऽ	ऽ	किन	*	सो	ऽ	ती	हैं	ऽ	जो	ऽ

स	ध	ध	–	ध	ध	ध	प	ध	रं	रं	गं	सं	–	सं	न
छा	ऽ	ले	ऽ	दि	ल	के	ऽ	फू	ऽ	ट	ग	ये	ऽ	वो	ऽ

सं	रं	रं	सं	रं	गं	गं	–	*	रंसं	न	रं	सं	–	सं	संन
नी	ऽ	र	ब	ने	ऽ	हैं	ऽ	*	आँऽ	ऽ	खों	में	ऽ	ह	मऽ

किस को बसायें आँखों में, मन बस गई……………………।

एदी कैसी सोंणी चाल है....!

पंचोली आर्ट पिक्चर्स	ताल	गायिका
"चौधरी"	कहरवा (द्रुतलय)	*

छम छम छम !
लड़का—एदी कैसी सोंणी चाल है, देखो-देखो ।
करदी दिलां नूं पायमाल है ॥
लड़की—मालिक तूं मेरी जिंद जान दा ।
दिल दियां जान दा, रमज़ां पछान दा ॥
लड़का—हाय एदी कैसी सोंणी चाल है ॥
लड़की—जेड़ा मैनूं प्यार करेगा, नाल ओहदे मैं बोलां ।
लड़का—तेरे कदमां उते मैं तां जान अपनी नूं घोलां, ज़रा बोल लै ॥
लड़की—ऊं-हूं !
लड़का—गंड खोल लै ज़रा बोल लै ।
हां मालिक तूं मेरी जिंद जान दी ।
दिल दियां जान दी, रमज़ां पछान दी ॥
लड़की—अच्छा ।
लड़का—आहो एदी कैसी सोंणी..................॥
लड़की—मेरियां लगियां तोर निभाईं, ते भुल ना जाईं ।
वे सुणियां जे, बीबां वे मुख मोड़ीं ना, दिल तोड़ीं ना ॥
लड़का—तेरे उते सदके मेरा बाल-बाल है ।
दोनों— हाए साडी कैसी सोंणी चाल है.........॥

स्वरलिपि

				स	स
				ए	दी

र	-ग	म	प	म	-ग	र	-	गर	-	स	नध	प	-	स	स
कै	ऽसी	सों	णीं	चा	ऽल	है	ऽ	देऽ	ऽ	खो	देऽ	खो	ऽ	ए	दी
र	-ग	म	प	म	-ग	र	-	सप	प	-	प	पन	-ध	प	म
कै	ऽसी	सों	णीं	चा	ऽल	है	ऽ	कर	दी	ऽ	दि	लांऽ	ऽनुं	पा	य

ग	-प	म	-	गमर			गसर	सप	प	-	प	पन	-ध	प	म
मा	ऽल	है	ऽ	हांऽऽ			ऽऽऽ	कर	दी	ऽ	दि	लांऽ	ऽनुं	पा	य
ग	-प	म	-	रप	-	स	स	र	-ग	म	प	म	-ग	र	-
मा	ऽल	है	ऽ	हाय	ऽ	ए	दी	कै	ऽसी	सों	णीं	चा	ऽल	है	ऽ
गर	-	स	नध	प	-	स	स	र	-ग	म	प	म	-ग	र	-
देऽ	ऽ	खो	देऽ	खो	ऽ	ए	दी	कै	ऽसी	सों	णीं	चा	ऽल	है	ऽ
पसंसं			संसंरं	सं	-न	ध	प	ग	-प	म	-	गमप			धनसं
माऽलि			कलूंऽ	मे	ऽरी	जिं	द	जा	ऽन	दा	ऽ	हांऽऽ			ऽऽऽ
पसंसं			संसंरं	सं	-न	ध	प	ग	-प	म	-	-	मग	म	प
माऽलि			कलूंऽ	मे	ऽरी	जिं	द	जा	ऽन	दा	ऽ	ऽ	दिल	दि	यां
म	-ग	र	-	-	गर	ग	म	म	-स	स	-	-	मग	म	प
जा	ऽन	दा	ऽ	ऽ	रम	जां	प	छा	ऽन	दा	ऽ	ऽ	दिल	दि	यां
म	-ग	र	-	-	गर	ग	म	म	-स	स	-	रप	-	स	स
जा	ऽन	दा	ऽ	ऽ	रम	जां	प	छा	ऽन	दा	ऽ	हाए	ऽ	ए	दी
र	-ग	म	प	म	-ग	र	-	गर	-	स	नध	प	-	स	स
कै	ऽसी	सों	णीं	चा	ऽल	है	ऽ	देऽ	ऽ	खो	देऽ	खो	ऽ	ए	दी
र	-ग	म	प	म	-ग	र	-	(बाजा बन्द)			···	···	···	···	···
कै	ऽसी	सों	णीं	चा	ऽल	है	ऽ	जे	ड़ा	मैं	नुं	प्या	रक	रे	गा

ना	लओह	दे	में	बो	लां	ऽ	ऽ	ते	रे	कद	मां	उ	ते	में	नां
...	...	...	...	...	...	स	स	र	-ग	म	म	सं	-	स	स
जान	आप	नी	नूं	घो	लां	ज़	रा	बो	ऽल	लै	उ	हूं	ऽ	गं	ड
र	-ग	म	-	रप	-	स	स	र	-ग	म	-	गमप			धनसं
खो	ऽल	लै	ऽ	हाय	ऽ	ज़	रा	बो	ऽल	लै	ऽ	हांऽऽ			ऽऽऽ
पसंसं			संसंरं	सं	-न	ध	प	ग	-प	म	-	गमप			धनसं
माऽलि			कनूंऽ	मे	ऽरी	जि	द	जा	ऽन	दी	ऽ	हांऽऽ			ऽऽऽ
पसंसं			संसंरं	सं	-न	ध	प	ग	-प	म	-	-	मग	म	प
माऽलि			कनूंऽ	मे	ऽरी	जि	द	जा	ऽन	दी	ऽ	ऽ	दिल	दि	यां
म	-ग	र	-	-	गर	ग	म	म	-स	स	-	-	मग	म	प
जा	ऽन	दी	ऽ	ऽ	रम	जां	प	छा	ऽन	दी	ऽ	ऽ	दिल	दि	यां
म	-ग	र	-	-	गर	ग	म	म	-स	स	-	म	सं	-	र
जा	ऽन	दी	ऽ	ऽ	रम	जां	प	छा	ऽन	दी	ऽ	अ	छा	ऽ	आ
प	-	स	स	र	-ग	म	प	म	-ग	र	-	गर	-	स	नध
हो	ऽ	ए	दी	कै	ऽसी	सों	णीं	चा	ऽल	है	ऽ	देऽ	ऽ	खो	देऽ
प	-	स	स	र	-ग	म	प	म	-ग	र	-	गर	प	प	प
खो	ऽ	ए	दी	कै	ऽसी	सों	णीं	चा	ऽल	है	ऽ	Only Tune			

धन	धप	मग	म	गर	स	–	रग	म	गम	प	–	–	प	प	प
धन	धप	मग	म	गर	स	–	रग	म	गम	प	–	–	सं	सं	सं
ध	सं	रं	गं	रं	–सं	–	न	धन	धन	प	–	–	सं	सं	सं
ध	सं	रं	गं	रं	–सं	–	न	धन	धन	प	–	गं	–रं	–	सं
धन	धन	सं	–	रं	–सं	–	न	धन	धन	प	–	गं	–रं	–	सं
धन	धन	सं	–	रं	–सं	–	न	धन	धन	प	–	म	–ग	र	स
–	र	ग	प	मग	म	गर	ग	र	–	–	–	म	–ग	र	स
–	र	ग	प	मग	म	गर	ग	र	–	पप	प	–	प	प	प
*	*	*	*	*	*	*	*	*	*	मेरि	यां	ऽ	ल	गि	यां
धन	धप	मग	म	प	प	–	पन	ध	प	मग	म	प	प	–	*
तोऽ	ऽऽ	रऽ	नि	भा	ईं	ऽ	वेऽ	भु	ल	नाऽ	ऽ	जा	ईं	ऽ	वे
*	*	*	*	*	प	प	प	पन	धप	मग	म	प	प	–	पन
सुणि	या	जे	ऽ	*	ल	गि	याँ	मऽ	ऽऽ	रऽ	नि	भा	ईं	ऽ	वेऽ
ध	प	मग	म	प	प	–	म	र	म	प	ध	न	रं	संरं	नसं
भु	ल	नाऽ	ऽ	जा	ईं	ऽ	बी	बां	वे	मु	ख	मो	ड़ीं	नाऽ	ऽऽ
–	प	प	ध	न	रं	संरं	नसं	–	प	पप	प	–	प	प	प
ऽ	ऽ	दि	ल	तो	ड़ीं	नाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	मेरि	यां	ऽ	ल	गि	यां
पन	धप	मग	म	प	प	–	पन	ध	प	मग	म	प	प	–	म
तोऽ	ऽऽ	रऽ	नि	भा	ईं	ऽ	वेऽ	भु	ल	नाऽ	ऽ	जा	ईं	ऽ	बी

र म प ध न रं सरं नसं | - प प ध | न रं संरं नसं

बां थे मु ख मो ड़ीं नाऽ ऽऽ | ऽ ऽ दि ल | तो ड़ीं नाऽ ऽऽ

रं सं न ध प -म - ग | रग स - र | ग -प म -

ने रे उ ने सद ऽके ऽ मे | राऽ वा ऽ ल | वा ऽल है ऽ

रप - स स र -ग म प | म -ग र - | गर - स नध

हाए ऽ सा डी कै ऽसी सों गीं | चा ऽल है ऽ | देऽ ऽ खो देऽ

प - स स

खो ऽ सा डी कैसी सोंगीं चाल है..................।

27—D. N. DHAWAL

रूप ये अनूप देखते नयना....!

प्रभात पिक्चर्स	• •	ताल	• •	गायक
"सन्त सखू"	• •	कहरवा	• •	शङ्कर कुलकर्णी और हंसा

रूप ये अनूप देखके नयना ।
रूप के रूप में समा गये ॥ रूप................॥
छाया तेरा रङ्ग मेरे अङ्ग-अङ्ग, मन में भी छाया पांडु रङ्ग ।
रूप ये अनूप देखते नयना..........................॥
देखे बिना मोहि चैन,नाहि आये, मनाये न माने मोरा मन ॥

स्वरलिपि☞

ग म
रू ऽ

×				×				×				×			
	र							र							
ग	स	–	र	स	र	ग	म	ग	–	–	–	–	–	ग	–
प	ये	ऽ	अ	नू	ऽ	ऽ	ऽ	प	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	दे	ऽ
								प							
म	प	–	ध	मप	धन	पध	–	म	–	ग	–	–	–	स	–
ख	के	ऽ	न	यऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रू	ऽ
र	रग	पम	ग	–	–	–	–	–	–	ग	–	ग	गप	धसं	न
प	केऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रू	ऽ	प	मेंऽ	ऽऽ	ऽ
–	–	–	ध	म	–	मं	–	ग	म	ग	–	–	–	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	स	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

रूप ये अनूप देखते नयना……………………।

*	*	स	म	–	म	म	–	ग	–	–	–	र	–	स	–
*	*	छा	या	ऽ	ते	रा	ऽ	रं	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	स	ग	–	म	प	–	मग	र	–	–	स	–	–	–
ऽ	ऽ	मे	रे	ऽ	अं	ऽ	ग	अंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प़	ध़	–	स	र	–	(स)	–	–	–	ध़	–	–	–
ऽ	ऽ	म	न	ऽ	में	ऽ	ऽ	भी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ध़	स	सर	गम	र	ग	–	–	–	–	सर	गम	ग	र
ऽ	ऽ	छा	ऽ	याऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	पांऽ	ऽऽ	डु	ऽ

स	–	–	ऩ	ध़	ऩ	ध	–
र	ऽ	ऽ	ऽ	ग	ऽ	ऽ	ऽ

रूप ये अनूप.......................!

✱	✱	ऩ	स	–	ऩ	स	–	ऩ	–	–	–	ध़	–	प़	–
✱	✱	दे	ले	ऽ	बि	ना	ऽ	मो	ऽ	ऽ	ऽ	हे	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प़	–	ध़	स	–	र	सर	गम	–	–	ग	–	र	–
ऽ	ऽ	चै	ऽ	न	ना	ऽ	हीं	आऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग	ग	–	ग	–	रस	स	र	र	ग	ऩ	–	स	–
ऽ	ऽ	म	ना	ऽ	ये	ऽ	नऽ	मा	ऽ	ने	ऽ	मो	ऽ	रा	ऽ
सर	ग	म	–	गर	सर	ग	–	–	–	र	–	स	–	ग	म
मऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	रू	ऽ

प ये अनूप देख के नयना...............................!

28--B. N. B

ज़िन्दगी है प्यार से…………!

मिनर्वा मोवीटोन	ताल	गायक
"सिकन्दर"	"कहराव"	'कोरस'

ज़िन्दगी है प्यार से, प्यार में बिताये जा।
हुस्न के हुज़ूर में, अपना दिल लुटाये जा॥
अपना सिर झुकाये जा॥ ज़िन्दगी………॥

ज़िन्दगी है एक रात, प्यार उसमें है चिराग़।
यह चिराग़ जितनी देर जल सके जलाये जा॥
रोशनी लुटाये जा॥ ज़िन्दगी है………॥

ज़िन्दगी है एक बाग़, प्यार उसमें है बहार।
उसमें आँख का खुमार, ढाल कर मिलाये जा॥
शौक़ से पिलाये जा॥ ज़िन्दगी है………॥

ज़िन्दगी है एक जुआ, दूर से देखता है क्या है?
आगे बढ़कर अपनी जान, दाव पर लगाये जा॥
हँस के मात खाये जा॥ ज़िन्दगी है………॥

ज़िन्दगी जुनून है, जुनून से निभाये जा।
तू अपने अज़्म को, खुदाये ज़िन्दगी बनाये जा॥
आस्मां पै छाये जा॥ ज़िन्दगी है………॥

हुस्न है शवाब है, वक्त लाजवाब है।
मैं भी चहचहा उठूँ, तू भी चहचहाये जा॥
सुर में सुर मिलाए जा॥ ज़िन्दगी है………॥

ज़िन्दगी है एक रात, रात का अँधेरा पाख।
चाँद बन के उसमें आ, चाँदनी खिलाये जा॥
प्रेम-रस पिलाये जा॥ ज़िन्दगी है………॥

भूल हो गई तो क्या, कल जो हुआ हो चुका।
आज भला सो भला, आज गीत गाये जा॥
बाँसुरी बजाये जा॥ ज़िन्दगी है………॥

+				।				+				।			
नृ	स	गृ	म	प	-प	प	-	प	धृ	नृ	सं	प	धृ	प	-
ज़ि	न्द	गी	है	प्या	ऽर	से	ऽ	प्या	ऽर	में	वि	ता	ये	जा	ऽ

प	प	प	ध	म	-म	म	-	ग	र	ग	म	म	स	स	-
हु	स्न	के	हु	ज़ू	ऽर	में	ऽ	अप	ना	दिल	लु	टा	ये	जा	ऽ
प	म	ग	म	म	स	स	-	न	स	ग	म	प	-प	प	-
अप	ना	सर	झु	का	ये	जा	ऽ	ज़ि	न्द	गी	है	प्या	ऽर	से	ऽ
स	स	ग	म	प	ध	ध	-ध	ध	न	न	न	सं	-सं	सं	-सं
ज़ि	न्द	गी	है	ए	ऽक	रा	ऽत	प्या	ऽर	उस	में	है	ऽचि	रा	ऽग़
संगं	-गं	सं	-सं	न	न	धप	मम	म	प	ध	न	न	म	ग	-
येऽ	ऽचि	रा	ऽग़	जित	नी	देऽ	ऽर	जल	स	के	ज	ला	ये	जा	ऽ
म	प	ध	न	न	म	ग	-	न	स	ग	म	प	-प	प	-
रो	ऽश	नी	लु	टा	ये	जा	ऽ	ज़ि	न्द	गी	है	प्या	ऽर	से	ऽ
प	ध	न	सं	प	ध	प	-	प	प	प	ध	म	-म	म	-
प्या	ऽर	में	बि	ता	ये	जा	ऽ	हु	स्न	के	हु	ज़ू	ऽर	में	ऽ
ग	र	ग	म	म	स	स	-	प	म	ग	म	म	स	स	-
अप	ना	दिल	लु	टा	ए	जा	ऽ	अप	ना	सर	झु	का	ये	जा	ऽ
न	स	ग	म	प	-प	प	-	स	स	ग	म	प	ध	ध	-ध
ज़िं	द	गी	है	प्या	ऽर	से	ऽ	ज़िं	द	गी	है	ए	ऽक	बा	ऽग़
ध	न	न	न	सं	-सं	सं	-सं	सं	गं	सं	गं	सं	-न	धप	म
प्या	ऽर	उस	में	है	ऽब	हा	ऽर	उस	में	आँ	ऽख	का	ऽख़ु	माऽ	ऽर

म	प	ध	न	न	म	ग	–	म	प	ध	न	न	म	ग	–
ढा	ऽल	कर	मि	ला	ये	जा	ऽ	शौ	ऽक	से	पि	ला	ये	जा	ऽ

ज़िंदगी है प्यार से, प्यार में बिताये जा··················!

29–N. P K 3–42

फूलों ने रास रचाई················!

सिरको प्रोडक्शन		ताल		गायिका
"स्वामी"		कहरवा		राजकुमारी

फूलों ने, फूलों ने, फूलों ने रास रचाई, कलियों ने धूम मचाई ।
नैनों को मटकाये नर्गिस, छुई-मुई बलखाये ।
पीकर रस की मदिरा गैंदा, चम्पा संग लहराये ॥
क्यों चन्द्रमुखी शर्माई ॥ फूलों ने रास·····················॥
कलियाँ खेलैं आँख मिचौनी, कुञ्ज-कुञ्ज इतराय ।
थिरक-थिरक कर नाचे तितली;भँवरा गीत सुनाय ।
कोयल ने तान उड़ाई ॥ फूलों ने रास·······················॥

स्वरलिपि

														स	न
														फू	ऽ
×				×				×				×			
स	प	प	–	*	*	स	–	स	प	प	–	*	*	स	–
लों	ऽ	ने	ऽ	*	*	फू	ऽ	लों	ऽ	ने	ऽ	*	*	फू	ऽ
स	प	प	–	प	ध	न	सं	सं	–	प	–	प	–	प	म
लों	ऽ	ने	ऽ	रा	ऽ	स	र	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	क	लि

											र		ग		
प	ध॒	प	म	ग॒	र	स	स	र	–	ग	ग	म	म	प	म
यों	ऽ	ने	ऽ	धू	ऽ	म	म	चा	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	क	लि

प	ध॒	प	म	ग॒	र	ग॒	म	म	स	स	–	–	–	स	–
यों	ऽ	ने	ऽ	धू	ऽ	म	म	चा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	फू	ऽ

लों ने रास रचाई, कलियों ने धूम मचाई·········।

*	स	–	स	स	–	स	स	र	–	ग	–	म	प	प	–
*	नै	ऽ	नों	को	ऽ	म	ट	का	ऽ	ये	ऽ	न	र	गि	स

*	ध	प	म	ग	स	र	ग	ग	स	स	–	–	–	–	–
*	छु	ई	मु	ई	ऽ	व	ल	खा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	ध	ध	ध	ध	ध	ध	–	*	धन॒	सं	न॒	ध	न॒	प	–
*	पी	क	र	र	स	की	ऽ	*	मदि	रा	ऽ	गें	ऽ	दा	ऽ

									म		प		ध		
*	ध	–	न॒	प	ध	ग	म	प	प	ध	ध	न॒	न॒	सं	–
*	चं	पा	ऽ	सं	ग	ल	ह	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ

									स		प		ध		
*	ध	–	न॒	प	ध	ग	म	प	प	ध	ध	न॒	न॒	सं	–
*	चं	ऽ	पा	सं	ग	ल	ह	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	क्यों	ऽ

*	रं	रं	रं	रं	–	गं॒	रं	न	–	सं	–	–	–,	स	–
*	चं	द्र	मु	खी	ऽ	श	र	मा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ,	फू	ऽ

लों ने रास रचाई·························।

*	र	म	म	प	ध	ध	–	*	सं	सं	सं	सं	रं	न	–
*	क	लि	याँ	खे	ऽ	ले	ऽ	*	आँ	ख	मि	चौं	ऽ	नी	ऽ

									म		प				
*	ध	ध	न	प	ध	ग	म	प	प	ध	ध	न	ध	प	–
*	कु	ञ्ज	कु	ऽ	ञ्ज	इ	त	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य

ध	न	सं	रं	रं	रं	रं	सं	*	रंमं	गं	रं	सं	न	(सं)	न
थि	र	क	थि	र	क	क	र	*	नाऽ	चे	ऽ	ति	त	ली	ऽ

									म		प				
*	न	न	ध	प	ध	ग	म	प	प	ध	ध	न	सं	न	ध
*	भँ	व	रा	गी	ऽ	त	सु	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	य	को	ऽ

न	रं	रं	–	रं	–	गं	रं	न	–	सं	–	–	–,	स	–
य	ल	ने	ऽ	ता	ऽ	न	उ	ड़ा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ.	फू	ऽ

लों ने रास रचाई……………………।

30–B. N. B.

मेरे जीवन के पथ पर………!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म		ताल		गायक
'अनजान'		'कहरवा'		देविकारानी, अशोककुमार

मेरे जीवन के पथ पर छाई ये कौन? पुनम की चांदनी।
बड़ी मधुर-मधुर मन भाई यह कौन? पुनम की चांदनी॥
धीमे-धीमे मेरी कुटी में, इठलाती हुई बल खाती हुई।
चुप-चाप कहाँ से आई यह कौन? पुनम की चांदनी॥
कौन परी यह स्वर्ग से उतरी, बड़ी लाज भरी मेरे आस-पास।
खेलन लागी रस रंग रास, पल-पल लेकर अँगड़ाई।
यह कौन? पुनम की चांदनी, तुम कौन? पुनम की चांदनी॥

														न	न
														मे	रे

स्वरलिपि☞

+				।				+				।			
न	सं	सं	सं	सं	-	लं	रं	न	सं	ध	न	प	ध	ग	म
जी	ऽ	व	न	के	ऽ	प	थ	प	र	छा	ऽ	ई	ऽ	ये	ऽ
म	प	-	म	ग	म	प	-	प	प	-	प	-	प	ग	म
कौ	ऽ	ऽन	*	*	*	*	*	पु	न	ऽम	की	ऽ	चां	ऽ	द
ग	-	-	*	*	*	*	*	प	ग	-	म	प	न	-	सं
नी	ऽ	ऽ	*	कौ	न	*	*	पु	न	ऽम	की	ऽ	चां	ऽ	द
न	न	ध	ध	प	प	न	न	न	सं	सं	सं	न	सं	सं	रं
नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	जी	ऽ	व	न	के	ऽ	प	थ
न	सं	ध	न	प	ध	ग	म	म	प	-	म	ग	म	प	-
प	र	छा	ऽ	ई	ऽ	ये	ऽ	कौ	ऽ	ऽन	*	*	*	*	*
प	प	-	प	-	प	ग	म	ग	-	र	र	स	स	स	स
पु	न	ऽम	की	ऽ	चां	ऽ	द	नी	ऽ	*	*	*	*	ब	ड़ी
स	र	र	र	र	र	र	ग	म	प	प	प	म	ग	र	स
म	धु	र	म	धु	र	म	न	भा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	र	र	र	र	र	ग	म	प	प	-	र	*	ग	म
म	धु	र	म	धु	र	म	न	भा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ

म	प	–	*	*	*	स	स	स	र	र	र	र	र	र	ग
कौ	ऽ	ऽन	*	*	*	ब	ड़ी	म	धु	र	म	धु	र	म	न

म	प	प	–	म	ग	प	–	प	ग	–	म	प	न	–	सं
भा	ऽ	ई	ऽ	*	*	*	*	पु	न	ऽम	की	ऽ	चां	ऽ	द

न	न	ध	ध	प	प	न	न	न	सं	सं	सं	न	सं	सं	रं
नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	जी	ऽ	व	न	के	ऽ	प	थ

न	सं	ध	न	प	ध	ग	म	म	प	–	म	ग	म	प	–
प	र	छा	ऽ	ई	ऽ	ये	ऽ	कौ	ऽ	ऽन	*	*	*	*	*

प	प	–	प	–	प	ग	म	ग	–	प	म	ग	म	ग	र
पु	न	ऽम	की	ऽ	चां	ऽ	द	नी	ऽ	(बाजा)		…	…	…	…

स	ऩ	–	प़	ऩ	स	ग	–	ग	म	प	–	ग	म	प	–
ग	म	प	म	ग	म	ग	र	स	ऩ	–	प़	ऩ	स	ग	–
ग	म	प	प	–	प	ग	म	प	न	–	प	न	सं	गं	रं
सं	न	ध	प	–	प	ग	म	ग	–	गम	प	–	र	–	स

गम	प	प	–	र	–	स	–	स	र	ग	म	ग	–	गम	रग
धीऽ	ऽ	मे	ऽ	धी	ऽ	मे	ऽ	मे	ऽ	री	कु	टी	ऽ	मेंऽ	ऽऽ

गम	प	प	–	मग	र	स	–	स	र	ग	म	ग	–	गम	रग
धीऽ	ऽ	मे	ऽ	धीऽ	ऽ	मे	ऽ	मे	ऽ	री	कु	टी	ऽ	मेंऽ	ऽऽ

–	–	म॑	प	ग	र	ग	र	ग	प	–	म॑	प	–	प	म॑
ऽ	ऽ	*	*	*	*	इ	ठ	ला	ती	ऽ	हु	ई	ऽ	ब	ल

प	न	–	ध	प	–	प	प	पध	न	न	न	न	–	न	–
खा	ती	ऽ	हु	ई	ऽ	चु	प	चाऽ	ऽ	प	क	हीं	ऽ	से	ऽ

ध	सं	न	ध	प	म	ग	म	प	न	न	न	न	–	न	–
आ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	चु	प	चा	ऽ	प	क	हीं	ऽ	से	ऽ

न	रं	सं	न	ध	प	ग	म	म	प	–	*	*	*	स	स
आ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	कौ	ऽ	ऽन	*	*	*	चु	प

स	र	र	र	र	–	ग	–	ग	प	प	–	म	ग	प	–
चा	ऽ	प	क	हीं	ऽ	से	ऽ	आ	ऽ	ई	ऽ	*	*	*	*

प	ग	–	म	प	न	–	सं	न	न	ध	ध	प	प	न	न
पु	न	ऽम	की	ऽ	चाँ	ऽ	द	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे

जीवन के पथ पर छाई ये कौन ? पुनम की··········!

स	म	म	म	म	–	ग	–	ग	म	प	ध	प	ग	प	–
कौ	ऽ	न	प	री	ऽ	ये	ऽ	स्व	ऽ	र्ग	से	उ	त	री	ऽ

स	म	म	म	म	–	ग	–	ग	म	प	ध	प	ग	प	–
कौ	ऽ	न	प	री	ऽ	ये	ऽ	स्व	ऽ	र्ग	से	उ	त	री	ऽ

प	–	ध	प	ग	प	ग	ग	ग	प	ध	प	ध	–	न	न
*	*	*	*	*	*	ब	ड़ी	ला	ऽ	ज	भ	री	ऽ	मे	रे
ध	प	प	न	ध	ध	पध	न	न	न	न	–	धन	सं	सं	सं
आ	ऽ	स	पा	ऽ	स	खेऽ	ऽ	ल	न	ला	ऽ	गीऽ	ऽ	र	स
सं	रं	रं	सं	न	सं	पध	न	न	न	न	–	धन	सं	सं	सं
रं	ऽ	ग	रा	ऽ	स	खेऽ	ऽ	ल	न	ला	ऽ	गीऽ	ऽ	र	स
सं	रं	रं	सं	न	सं	*	*	स	स	ग	म	प	ध	न	सं
रं	ऽ	ग	रा	ऽ	स	*	*	प	ल	प	ल	ले	ऽ	क	र
ध	न	प	ध	मप	गम	गर	स	स	स	ग	म	प	ध	न	सं
अँ	ग	ड़ा	ऽ	ईऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	प	ल	प	ल	ले	ऽ	क	र
गं	रं	सं	न	ध	प	ग	म	म	प	–	प	म	ग	र	स
अँ	ग	ड़ा	ऽ	ई	ऽ	ये	ऽ	कौ	ऽ	ऽन	*	*	*	*	*
स	स	ग	म	प	ध	न	सं	ध	सं	न	ध	प	–	–	–
प	ल	प	ल	ले	ऽ	क.	र	अँ	ग	ड़ा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ
प	ग	–	म	प	न	–	सं	न	न	ध	ध	प	प	न	न
पु	न	ऽम	की	ऽ	चां	ऽ	द	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे
न	सं	सं	सं	न	सं	सं	रं	न	सं	ध	न	प	ध	ग	म
जी	ऽ	व	न	के	ऽ	प	थ	प	र	छा	ऽ	ई	ऽ	ये	ऽ

म	प	–	म	ग	म	प	–	प	प	–	प	–	प	ग	म
कौ	ऽ	ऽन	*	*	*	*	*	पु	न	ऽम	की	ऽ	चां	ऽ	द
ग	–	म	ग	प	–	प	न	न	सं	–	म	ग	प	न	सं
नी	ऽ	*	*	*	*	तु	ऽम	कौ	ऽ	ऽन	*	*	*	*	*
प	ग	–	म	प	न	–	सं	न	–	–	–	*	*	*	*
पु	न	ऽम	की	ऽ	चां	ऽ	द	नी	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*

31—N.P K.

एक कली नाज़ों की पली....!

पंचोली आर्ट पिक्चर्स	ताल	गायिका
"ख़ज़ान्ची"	"कहरवा"	"मनोरमा"

एक कली नाज़ों की पली, रहती थी सदा गुलज़ारों में।
चर्चा था उसके यौवन का, नीले आकाश के तारों में॥
एक दिन खेल रही थी हँस-हँस, रङ्ग बिरंगे फूलों में।
झूल रही थी झूला डाले, पुष्पलता के झूलों में॥
इतने में इक भँवरे ने, उस कली से नयन मिलाये।
नयनों की भाषा में जाने, क्या—क्या भेद बताये॥
कली जो हँसकर फूल बनी, तब भँवरा आगया पास।
छिन भर में फिर छीन लिया, सब रंग-रूप और बास॥

+				।				+				।			
न	–	सं	रं	सं	–	–	–	न	सं	ध	न	प	–	–	–
ए	ऽ	क	क	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ज़ों	की	प	ली	ऽ	ऽ	ऽ
न	–	सं	रं	सं	–	–	–	न	सं	ध	न	प	–	म	प
ए	ऽ	क	क	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ना	ज़ों	की	प	ली	ऽ	र	ह

र	म	र	स	म	–	–	–	–	–	प	ध	सं	ध	प	ध
ती	ऽ	थी	स	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गु	ल	ज़ा	ऽ	रों	ऽ
सं	–	सं	न	ध	प	म	–	न	न	सं	रं	सं	न	सं	–
में	ऽ	*	*	*	*	*	*	च	र	चा	था	उ	स	के	ऽ
न	सं	ध	न	प	–	प	ध	स	–	स	र	म	–	म	म
यौ	ऽ	व	न	का	ऽ	नी	ऽ	ले	ऽ	आ	ऽ	का	ऽ	श	के
प	–	ध	–	सं	–	*	*	न	न	सं	रं	सं	न	सं	–
ता	ऽ	रों	ऽ	में	ऽ	*	*	च	र	चा	था	उ	स	के	ऽ
न	सं	ध	न	प	–	प	ध	स	–	स	र	म	–	म	म
यौ	ऽ	व	न	का	ऽ	नी	ऽ	ले	ऽ	आ	ऽ	का	ऽ	श	के
प	–	ध	–	रं	–	–	–	–	–	–	–	रं	गं	रं	सं
ता	ऽ	रों	ऽ	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	इ	क	दि	न
सं	–	सं	रं	न	–	सं	–	–	–	*	*	सं	सं	सं	सं
खे	ऽ	ल	री	ही	ऽ	थी	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	हं	स	हं	स
सं	–	प	–	म	म	प	प	ध	ध	सं	–	रं	सं	रं	न
के	ऽ	ऽ	ऽ	ह	ह	ह	ह	ह	ह	हा	ऽ	ह	ह	ह	ह
सं	–	*	*	रं	गं	गं	गं	गं	–	गं	गं	संरं	गं	गं	–
हा	ऽ	*	*	इ	क	दि	न	खे	ऽ	ल	र	हीऽ	ऽ	थी	ऽ

रं	रं	सं	सं	न	–	न	न	ध	प	म	ग	म	र	ग	र
हँ	स	हँ	स	रं	ऽ	ग	बि	रं	ऽ	गे	ऽ	फू	ऽ	लों	ऽ
स	–	*	*	स	म	म	म	म	–	म	–	म	ध	ध	–
में	ऽ	*	*	झू	ऽ	ल	र	ही	ऽ	थी	ऽ	झू	ऽ	ला	ऽ
ध	–	ध	–	ध	न	न	न	न	–	सं	–	रं	सं	सं	न
डा	ऽ	ले	ऽ	पु	ऽ	ष्प	ल	ता	ऽ	के	ऽ	झू	ऽ	लों	ऽ
सं	–	–	–	म	प	प	–	प	–	प	प	प	ध	म	प
में	ऽ	ऽ	ऽ	इ	त	ने	ऽ	में	ऽ	इ	क	भँ	व	रे	ऽ
ग	म	–	–	प	ध	न	सं	न	–	न	सं	ध	प	–	प
ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उ	स	क	ली	ऽ	से
गम	प	ग	स	ग	प	प	–	–	–	–	–	स	ग	ग	स
नैंऽ	ऽ	न	मि	ला	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	तै	ऽ	नों	ऽ
ग	प	प	ग	प	न	न	प	न	–	रं	–	–	–	–	–
की	ऽ	भा	ऽ	पा	ऽ	में	ऽ	जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	ध	प	–	*	रं	गं	गं	रं	सं	सं	रं	न	–	सं	–
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	क्या	ऽ	क्या	भे	ऽ	द	ब	ता	ऽ	ये	ऽ
–	–	–	–	स	ग	ग	स	ग	प	प	ग	प	न	न	प
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	नै	ऽ	नों	ऽ	की	ऽ	भा	ऽ	पा	ऽ	में	ऽ

न	–	रं	–	–	–	–	–	न	ध	प	–	*	रं	गं	गं
जा	ऽ	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	क्या	ऽ	क्या
रं	सं	सं	रं	न	–	सं	–	–	–	–	सं	ध	ध	ध	ध
ऐ	ऽ	द	व	ता	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क	ली	जो
ध	ध	ध	ध	न	ध	न	सं	न	–	–	–	न	न	ध	ध
हं	स	क	र	फू	ऽ	ल	ब	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	प	प	ध	ध	प	–	ग	–	स	ग	ग	प	–	–
ऽ	ऽ	त	व	भँ	व	रा	ऽ	आ	ऽ	ग	या	पा	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	–	गं	गं	गं	गं	रं	–	सं	सं	*	न	सं	रं
ऽ	ऽ	ऽ	स	छि	न	भ	र	में	ऽ	फि	र	*	छी	न	लि
प	–	प	प	ग	प	प	ग	–	ग	र	ग	स	–	–	–
या	ऽ	स	ब	रं	ऽ	ग	रू	ऽ	प	औ	र	बा	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	*	*	स	म	म	म	म	–	म	म	म	ध	ध	ध
ऽ	स	*	*	छि	न	भ	र	में	ऽ	फि	र	छी	ऽ	न	लि
ध	–	ध	ध	ध	न	न	न	–	न	सं	रं	सं	न	सं	–
या	ऽ	स	ब	रं	ऽ	ग	रू	ऽ	प	औ	र	बा	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	–												
ऽ	ऽ	ऽ	स												

32—N. P. K 12—41

आई जवानी जिया लहराय !

नेशनल स्टूडियोज़	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"बहिन"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	नलिनी जयवन्त

आई जवानी जिया लहराय !
पिया घर जाना, सजन घर जाना।
नैहर की गलियों में कछु ना सुहाय ॥
सखियाँ सहेलियां होगईं सुहागिन ।
हाय-हाय मोरा जिया लहराय ॥
टीके झूमर बिन सूनी-सूनी लागूँ ।
सुन्दर गहनवा मोरे मन भाय ॥

प	म	–	प	गम	गर	स	–	ग	ग	ग	र	ग	म	प	ध
आ	ई	ऽ	ज	वाऽ	ऽऽ	नी	ऽ	जि	या	ल	ह	रा	ऽ	ऽ	य

न	न	न	न	सं	सं	–	सं	सं	रं	सं	न	न	प	नसं	रं
पि	या	घ	र	जा	ना	ऽ	स	ज	न	घ	र	जा	ऽ	नाऽ	ऽ

न	न	–	न	न सं	सं	–	सं	प	ध	प	म	ग	–	–	–
नै	ह	र	का	गलि	यों	ऽ	में	क	छु	न	सु	हा	ऽ	ऽ	य

आई जवानी जिया लहराय…………………।

स	ग	–	म	प	प	पध	नसं	न	न	–	नसं	ध	–	प	प
सखि	याँ	ऽ	स	हे	लि	याँऽ	ऽऽ	हो	गई	ऽ	सुऽ	हा	ऽ	गि	न

न	सं	सं	प	प	ध	ध	म	प	ध	प	म	ग	–	–	–
हा	य	हा	य	मो	ऽ	रा	ऽ	जि	या	ल	ह	रा	ऽ	ऽ	य

स	ग	–	म	प	प	प	ध	ध	सं	रं	गं	(सं) रं	–	सं	–
टी	के	ऽ	धू	म	र	बि	न	सू	नी	सू	नी	ला	ऽ	गूं	ऽ
सं	सं	–	प	प	ध	प	म	प	ध	प	म	ग	–	–	–
सुं	द	ऽर	ग	ह	न	वा	ऽ	मो	रे	म	न	भा	ऽ	ऽ	य

आई जवानी जिया लहराये……!

33—B. N. B.

छलको-छलको न रस की……!

बौम्बे टाकीज़ फिल्म	ताल	गायिका
'अनजान'	'कहरवा'	राजकुमारी

छलको-छलको न रस की गगरिया, मोरी पनघट पै भीजे चुन्दरिया।
आई पीने पिलाने की बेला, आज पनघट पै प्यासों का मेला ॥
देखो-देखो न लागे नजरिया, देखो लागे न मोहि नजरिया।

×				×				×				×			
*	*	स	स	र	म	–	म	प	ध	–	प	ध	रं	सं	–
*	*	छल	को	छल	को	ऽ	न	रस	की	ऽ	ग	ग	रि	या	ऽ
–	–	ध	प	पध	प	ध	म	ग	र	–	स	र	(र) ग	स	–
ऽ	ऽ	मो	री	पन	घ	ट	पै	भी	जे	ऽ	चुं	द	रि	या	ऽ
रग	रस	नृ	धृ	धृस	धृ	स	स	सर	रम	–	मग	र	(र) ग	स	–
हांऽ	ऽऽ	मो	री	पन	घ	ट	पै	भीऽ	जेऽ	ऽ	चुंऽ	द	रि	या	ऽ

*	*	ध	प	पध	धन	–	धप	पध	धन	–	धप	ग	प	प	–
*	*	आ	ई	पीऽ	नेऽ	ऽ	पिऽ	लाऽ	नेऽ	ऽ	कीऽ	बे	ऽ	ला	ऽ
धन	धप	ध	सं	संरं	रं	(रं) गं	सं	संरं	रं	(रं) गं	सं	ध	सं	सं	–
हांऽ	ऽऽ	आ	ज	पन	घ	ट	पै	प्याऽ	सों	ऽ	का	मे	ऽ	ला	ऽ
–	–	सं	सं	संरं	रं	मं	मंग	रं	–	संन	धप	प	ध	(ध) न	प
ऽ	ऽ	दे	खो	देऽ	खो	ऽ	नऽ	ला	ऽ	गेऽ	नऽ	ज	ऽ	रि	या
–	–	प	प	पध	ध	न	धप	मग	र	–	स	सर	रग	(र) स	–
ऽ	ऽ	दे	खो	लाऽ	गे	ऽ	नऽ	मोऽ	हे	ऽ	न	जऽ	रिऽ	या	ऽ

34–B- N- B-

बतादो कोई कौन गली……!

चित्रा प्रोडक्शन फ़िल्म "कञ्चन"	ताल कहरवा (दुगन)	गायिका "लीला चिटनिस"

बतादो कोई कवन गली मोरे श्याम।
माधो मदन मुरारी जाको नाम ॥ बतादो कोई…………॥
गोकुल के ग्वालों में ढूँड़ा, कुंज के मतवालों में ढूँड़ा।
ढूँड़ फिरी नन्द गाम, बतादो कोई……………………।
ढूँड़ फिरी नन्द गाम ॥ कवन गली मोरे श्याम…………॥
हाथ में जिस के बांस की पोरी, मनहर लेवे जोरा-जोरी।
हार गई मोरे राम, बतादो कोई……………………।
हार गई मोरे राम ॥ कवन गली मोरे श्याम…………॥

ग

व

स्वरलिपि☞

+				+				+				+			
ग	ग	र	स	स	र	र	स	सर	गप	ग	र	र	स	–	ग
ता	दो	को	ई	क	व	न	ग	लीऽ	ऽऽ	मो	रे	श्या	ऽ	ऽम	व
ग	ग	र	स	स	र	र	स	सर	गप	ग	र	र	स	–	–
ता	दो	को	ई	क	व	न	ग	लीऽ	ऽऽ	मो	रे	श्या	ऽ	ऽ	ऽम
*	स	म	म	म	म	म	म	प	ध	प	म	मप	गम	रग	सर
*	मा	ऽ	धो	म	द	न	मु	रा	री	जा	को	नाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
र	स	म	म	म	म	म	म	प	ध	प	म	मप	ग	–	ग
ऽम	मा	ऽ	धो	म	द	न	मु	रा	री	जा	को	नाऽ	ऽ	ऽम	व

तादो कोई कवन गली मोरे श्याम...........!

*	सर	र	र	र	–	र	–	र	–	ग	प	गम	गर	सर	ऩस
*	गोऽ	कु	ल	के	ऽ	ग्वा	ऽ	लों	ऽ	में	ऽ	ढूंऽ	ऽऽ	डाऽ	ऽऽ
धऩ	सर	र	र	र	–	र	–	र	–	ग	प	गम	गर	स	–
ऽऽ	गोऽ	कु	ल	के	ऽ	ग्वा	ऽ	लों	ऽ	में	ऽ	ढूँऽ	ऽऽ	ड़ा	ऽ
*	प	प	प	ध	ध	ध	प	ध	सं	सं	न	ध	–	पध	मप
*	कु	अ	के	म	त	वा	ऽ	लों	ऽ	में	ऽ	ढूँ	ऽ	ड़ाऽ	ऽऽ

* प प प	धप म म म	मप ग – ग	ग ग र स
* ढूँ ड फि	रीऽ ऽ नं द	गाऽ ऽ ऽम ब	ता दो को ई
* प प प	धप म म म	म प – ध	म प – -
* ढूँ ड़ फि	रीऽ ऽ नं द	गा ऽ ऽ ऽ	ऽ ऽ ऽ म
स र र स	सर गप ग र	र स – ग	ग ग र स
क व न ग	लीऽ ऽऽ मो रे	श्या ऽ ऽम ब	ता दो को ई
स र र स	सर गप ग र	र स – म	ग प ध –
क व न ग	लीऽ ऽऽ मो रे	श्या ऽ ऽम *	* * * *
* ध ध म	प प धन पध	ध सं सं सं	ध – न ध
* हा थ में	जि स केऽ ऽऽ	बाँ ऽ स की	ऽ ऽ पो ऽ
प – ध सं	ध सं न ध	प ध ध म	प प धन पध
री ऽ * *	* * * *	* हा थ में	जि स केऽ ऽऽ
ध सं सं सं	ध – न ध	प – ग म	प न ध प
बां ऽ स की	ऽ ऽ पो ऽ	री ऽ * *	* * * *
मप – प प	म प ध ध	– पध प म	प म ग र
* * मन ह	र ले ऽ वे	ऽ जोऽ ऽ रा	जो ऽ री ऽ
– प प म	प ध ध –	* पध प म	मप म ग –
ऽ मन ह र	ले ऽ वे ऽ	* जोऽ ऽ रा	जोऽ ऽ री ऽ

*	प	प	प	धप	म	म	म	मप	ग	–	ग	ग	ग	र	स
*	हा	र	ग	ईऽ	ऽ	मो	रे	राऽ	ऽ	ऽम	ब	ता	दो	को	ई
*	प	प	प	धप	म	म	म	म	प	–	ध	म	प	–	–
*	हा	र	ग	ईऽ	ऽ	मो	रे	रा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	म
स	र	र	स	सर	गप	ग	र	र	स	–	ग	ग	ग	र	स
क	व	न	ग	लीऽ	ऽऽ	मो	रे	श्या	ऽ	ऽम	ब	ता	दो	को	ई

कवन गली मोरे श्याम..............................।

35—N. P. K.

सुन्दर सजनी सुन्दर साजन...!

नेशनल स्टूडियोज़	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
"संस्कार"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	'रोज़ व हरीश'

सुन्दर सजनी, सुन्दर साजन !
सुन्दर रात मिलन की, सूर्य देव जाये,
चन्द्र देव आये, सजनी बने सजन की,
सजनी बने सजन की प्यारी, सुन्दर रात मिलन की । सुन्दर......॥
झूला शीतल पवन झुलाये, फूलों का मुख ओस झुलाये ।
झूम उठे मन मतवाला, पी-पी कर मद का प्याला ॥
प्रेम मन्दिर में हो उजियाला, हँसे चाँदनी मधुर हँसी ।
रहे न सुध तन मन की, रहे न सुध तन मन की प्यारी—
सुन्दर रात मिलन की ! प्यारी, सुन्दर रात मिलन की ॥
सुन्दर सजनी सुन्दर साजन.........................॥

+				।				+				।			
र	म	म	म	म	म	म	ग	र	ग	ग	ग	र	स	स	स
सु	ऽ	न्द	र	स	ज	नी	ऽ	सुं	ऽ	द	र	सा	ऽ	ज	न
र	–	म	म	ध	प	प	ध	ध	न	ध	प	–	–	–	–
सुं	ऽ	द	र	रा	ऽ	त	मि	ल	न	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	ध	म	प	प	ध	ध	सं	–	–	ध	सं	रं	–
सू	ऽ	र्य	दे	ऽ	व	जा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
रं	–	सं	प	ध	प	म	–	ग	र	–	–	–	–	–	–
चं	ऽ	द्र		ऽ	व	आ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
र	र	म	–	प	ध	न	न	ध	ध	प	–	ग	म	ग	र
स	ज	नी	ऽ	व	ने	ऽ	स	ज	न	की	ऽ	*	*	*	*
र	र	म	–	प	ध	न	न	ध	ध	प	–	प	ध	न	सं
स	ज	नी	ऽ	ब	ने	ऽ	स	ज	न	की	ऽ	प्या	ऽ	री	ऽ
*	र	म	म	ध	प	प	ध	ध	न	ध	प	–	–	–	–
*	सुं	द	र	रा	ऽ	त	मि	ल	न	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

सुन्दर सजनी सुन्दर साजन, सुन्दर रात मिलन की…………।

ग	–	ग	–	ग	म	ध	प	ग	म	र	स	ऩ	र	स	–
भू	ऽ	ला	ऽ	शी	ऽ	त	ल	प	व	न	झु	ला	ऽ	ये	ऽ

ध	–	ध	–	ध	–	ध	प	ध	सं	सं	सं	ध	–	प	म
फू	ऽ	लों	ऽ	का	ऽ	मु	ख	ओ	ऽ	स	झु	ला	ऽ	ये	ऽ
*	ध	म	म	न	ध	प	ध	न	न	सं	–	सं	–	ध	न
*	झू	म	उ	ठे	ऽ	म	न	म	त	वा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
रं	–	रं	–	रं	गं	रं	गं	(सं)रं	–	रं	गं	(रं)सं	–	–	–
पी	ऽ	पी	ऽ	क	र	म	द	का	ऽ	प्या	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
ध	–	म	म	न	ध	प	ध	न	न	सं	–	सं	–	ध	न
झू	ऽ	म	उ	ठे	ऽ	म	न	म	त	वा	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
रं	–	रं	–	रं	गं	रं	गं	(सं)रं	–	संरं	गं	(रं)सं	–	–	–
पी	ऽ	पी	ऽ	क	र	म	द	का	ऽ	प्याऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ
गं	मं	गं	मं	रं	गं	रं	–	सं	–	ध	ध	सं	रं	रं	–
प्रे	ऽ	म	मं	दि	र	में	ऽ	हो	ऽ	उ	जि	या	ऽ	ला	ऽ
न	न	–	न	ध	न	प	ध	म	प	म	ग	र	–	–	–
हं	से	ऽ	चां	ऽ	द	नी	ऽ	म	धु	र	हं	सी	ऽ	ऽ	ऽ
प	रं	–	रं	रं	रं	रं	रं	सं	न	सं	–	प	ध	म	प
र	हे	ऽ	न	सु	ध	त	न	म	न	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	रं	–	रं	रं	रं	रं	रं	सं	न	सं	–	प	ध	न	सं
र	हे	ऽ	न	सु	ध	त	न	म	न	की	ऽ	प्या	ऽ	री	ऽ

* र	म	म	ध	प	प	ध	ध	न	ध	प	प	ध	न	सं	
* सु	ं द	र	रा	ऽ	त	मि	ल	न	की	ऽ	प्या	ऽ	री	ऽ	

* र	म	म	ध	प	प	ध	ध	न	ध	प	–	–	–	–	
* सु	ं द	र	रा	ऽ	त	मि	ल	न	की	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	

सुन्दर सजनी सुन्दर साजन, सुन्दर रात मिलन की…………।

36—N. P. K.

फुलवारिन लागे चोर……………।

मिनर्वा मोवीटोन		ताल		गायिका
"सिकन्दर"		"कहरवा"		'शीला'

फुलवारिन लागे चोर, मलिनियां सोय रही ।
इन चोरन सों चौकस रहियो, छा रहे चारों ओर ॥ मलिनियां……॥
दूजे चोर अँधियारा खोजें,साया देख सहारा खोजें।
फुलवारिन के चोर निराले—
इनको जैसी रैन अँधियारी, वैसी उजली भोर ॥ मलिनियां……॥
दूजे चोर चुरायें चांदी, सोना-हीरा-मानक-मोती।
फुलवारिन के चोर भयानक—
सोने, चाँदी की का बतियाँ, तन–मन लेत मरोर ॥ मलिनियां……॥

स्वरलिपि

														स	स
														फु	ल
×				।				×				।			
र	प	प	म	प	ध	ध	प	प	म	म	ग	र	ग	र	स
चा	ऽ	रि	न	ला	ऽ	गे	ऽ	चो	ऽ	ऽर	म	लि	नि	यां	ऽ

*	ध	स	स	र	ग	र	स	धस	धस	*	म	र	ग	स	*
*	सो	य	र	ही	ऽ	ऽ	ऽ	हांऽ	हांऽ	*	म	लि	नि	यां	*
ध	स	स	स	र	ग	स	र	र	प	प	म	प	ध	ध	प
सो	ऽ	य	र	ही	ऽ	फु	ल	वा	ऽ	रि	म	ला	ऽ	गे	ऽ
प	म	म	ग	र	ग	र	स	*	ध	स	स	र	ग	र	स
चो	ऽ	ऽर	म	लि	नि	यां	ऽ	*	सो	य	र	ही	ऽ	ऽ	ऽ
धस	धस	*	म	र	ग	स	*	ध	स	स	स	र	ग	र	स
हांऽ	हांऽ	*	म	लि	नि	यां	*	सो	ऽ	य	र	ही	ऽ	ऽ	ऽ
*	प	ध	प	ध	स	स	–	*	र	र	म	र	ग	(स)	–
*	इ	ऽन	चो	र	न	सों	ऽ	*	चौ	क	स	र	हि	यो	ऽ
*	ग	–	ग	ग	म	प	ग	म	–	*	ग	र	ग	र	स
*	छा	ऽ	र	हे	ऽ	चा	रों	ओ	ऽर	*	*	*	*	*	*
*	ग	–	ग	ग	म	प	ग	म	–	*	ग	र	ग	र	स
*	छा	ऽ	र	हे	ऽ	चा	रों	ओ	ऽर	*	म	लि	नि	यां	ऽ
ध	स	स	स	र	ग	र	स	धस	धस	*	म	र	ग	स	*
सो	य	ऽ	र	ही	ऽ	ऽ	ऽ	हाँऽ	हाँऽ	*	म	लि	नि	यां	*
ध	स	स	स	र	ग	स	र								
सो	ऽ	य	र	ही	ऽ	फु	ल	वारिन लागे चोर, मलिनियां……………।							

*	ग	-	ग	ग	म	ग	म	र	ग	र	म	ग	र	स	-
*	दू	ऽ	जे	चो	ऽर	अँ	धि	या	ऽ	र	म	खो	ऽ	जें	ऽ
*	प	-	प	प	ध	ग	म	प	ध	प	सं	न	ध	प	-
*	छा	ऽ	या	दे	ऽ	ख	स	हा	ऽ	रा	ऽ	खो	ऽ	जें	ऽ
*	प	-	ध	ध	सं	सं	रं	न	ध	प	ध	ध	सं	सं	-
*	फु	ऽल	वा	र	न	के	ऽ	चो	ऽ	र	नि	रा	ऽ	ले	ऽ
*	न	-	न	धसं	नध	प	-	*	प	ध	प	ग	-	म	-
*	इ	ऽन	को	जैऽ	ऽऽ	सी	ऽ	*	रै	ऽन	अंधि	या	ऽ	री	ऽ
*	प	ध	प	म	ग	र	ग	म	-	*	ग	र	ग	र	स
*	वै	ऽ	सी	उ	ज	ली	ऽ	भो	ऽर	*	*	*	*	*	*
*	प	ध	प	म	ग	र	ग	म	-	*	ग	र	ग	र	स
*	वै	ऽ	सी	उ	ज	ली	ऽ	भो	ऽर	*	म	लि	नि	यां	ऽ
ध	स	स	स	र	ग	र	स	धस	धस	*	म	र	ग	स	*
सो	ऽ	य	र	ही	ऽ	ऽ	ऽ	हाँऽ	हाँऽ	*	म	लि	नि	याँ	*
ध	स	स	स	र	ग	स	र								
सो	ऽ	य	र	ही	ऽ	फु	ल	वारिन लागे चोर………………………।							
*	सं	-	सं	सं	न	न	न	ध	-	ध	न	ध	ध	प	-
*	दू	ऽ	जे	चो	ऽ	र	चु	रा	ऽ	वें	ऽ	चां	ऽ	दी	ऽ

*	ध	-	ध	प	-	म	-	ग	-	र	ग	गर	सर	रम	पध
*	सो	ऽ	ना	ही	ऽ	रा	ऽ	मा	ऽ	न	क	मोऽ	ऽऽ	तीऽ	ऽऽ
-	ध	-	ध	प	-	म	-	ग	-	र	ग	गर	सर	स	-
ऽ	सो	ऽ	ना	ही	ऽ	रा	ऽ	मा	ऽ	न	क	मोऽ	ऽऽ	ती	ऽ
*	स	स	स	र	ग	र	स	*	स	स	स	र	ग	र	स
*	फु	ल	वा	र	न	के	ऽ	*	चो	र	भ	या	ऽ	न	क
*	ध	-	ध	ध	-	ध	न	*	ध	प	ध	प	प	म	-
*	सो	ऽ	ने	चां	ऽ	दी	ऽ	*	की	का	ऽ	ब	ति	याँ	ऽ
ध	ध	-	ध	ध	-	ध	न	*	ध	प	ध	प	प	म	-
ऽ	सो	ऽ	ने	चाँ	ऽ	दी	ऽ	*	की	का	ऽ	ब	ति	याँ	ऽ
*	ग	ग	ग	ग	म	प	ग	म	-	*	ग	र	ग	र	स
*	तन	म	न	ले	ऽ	त	म	रो	ऽर	*	*	*	*	*	*
*	ग	ग	ग	ग	म	प	ग	म	-	*	ग	र	ग	र	स
*	तन	म	न	ले	ऽ	त	म	रो -ऽर		*	म	लि	नि	याँ	ऽ
ध़	स	स	स	र	ग	र	स	ध़स	ध़स	*	म	र	ग	स	*
सो	ऽ	य	र	ही	ऽ	ऽ	ऽ	हांऽ	हांऽ	*	म	लि	नि	याँ	*
ध़	स	स	स	र	ग	स	र								
सो	ऽ	य	र	ही	ऽ	फु	ल	वारिन लागे चोर.........................।							

मैं मैंना आज़ाद बन मैं······!

ग्रेट इन्डिया पिक्चर्स	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"अकेला"	卐 卐	'कहरवा'	卐 卐	'बिब्बो'

मैं मैंना आज़ाद, बन में उड़ने वाली।
इस डाली से उस डाली, उस डाली से इस डाली। मैं मैंना·········॥
बन्धन में ना आने वाली, गीत खुशी के गाने वाली। मैं मैंना·········॥
बन की रानी मन की रानी, करती फिरती हूं मनमानी।
नहीं किसी से डरने वाली ॥ मैं मैंना आज़ाद·····················॥

×				×				×				×			
ध़	स	र	ग	म	–ग	रग	स	र	ग	म	प	म	ग	र	स
मैं	मैं	ना	आ	ज़ा	ऽद्	बन	में	उड़	ने	वा	ली	❊	❊	❊	❊
रस	ऩ	स	र	गर	सऩ	स	–	रस	ऩ	स	र	गर	सऩ	स	–
इस	डा	ली	से	उस	डाऽ	ली	ऽ	इस	डा	ली	से	उस	डाऽ	ली	ऽ
मग	रग	म	प	मग	रग	म	–	मग	रग	म	प	मग	रग	म	–
उस	डाऽ	ली	से	इस	डाऽ	ली	ऽ	उस	डाऽ	ली	से	इस	डाऽ	ली	ऽ

मैं मैंना आज़ाद बन में उड़ने वाली

न	न	न	नध	पध	धन	धप	प	रग	रस	रग	प	पध	धन	धप	प
बँ	धन	में	ना	आऽ	ने	वाऽ	ली	गीऽ	तखु	शीऽ	के	गाऽ	ने	वाऽ	ली

मैं मैंना आज़ाद········

म	म	मप	प	पध	धन	ध	प	संसं	संन	संरं	रंसं	न	नध	पध	मप
बन	की	राऽ	नी	मन	कीऽ	रा	नी	कर	तीऽ	फिर	तीऽ	हूं	मन	माऽ	नीऽ

संन –न न नध	नध पम मध प	संन –न न नध	नध पम मध प
नहीं ऽकि सी सेऽ	डर नेऽ वाऽ ली	नहीं ऽकि सी सेऽ	डर नेऽ वाऽ ली
ध़ स र ग	म –ग (सं) –	संन –न न नध	नध पम मध प
मैं मैं ना आ	ज़ा ऽद् हाँ ऽ	नहीं ऽकि सी सेऽ	डर नेऽ वाऽ ली
ध़ स र ग	म –ग रग स	र ग म प	म ग र स
मैं मैं ना आ	ज़ा ऽद् बन में	उड़ ने वा ली	* * * *

38--B N. B

हमरी लाज निभाओ........!

न्यूथियेटर्स फिल्म "लगन"	ताल "कहरवा"	गायिका काननबाला

हमरी लाज निभाओ स्वामी !
मौज भँवर में आन फँसी है, प्रेम वचन की नाव ॥ हमरी......॥
सुनती हूं, सुनती हूं, सुनती हूं ऐसी बातें, पाप की हैं जो घातें।
तुम हो देवता मैं पतिवरता, सत अग्नी दहकावो, और मुझे अपनावो॥
आँख से घट में समाओ ॥ हमरी लाज......................॥
विनती, विनती, विनती, विनती मोरी मानो, भले बुरे को जानो।
बचो आप भी दुख सङ्कट से और मुझे भी बचावो ॥ हमरी......॥

×	×	×	×
* स म ध	ध सं सं सं	सं रं रं –	(न) न सं (सं)
* ह म री	ला ऽ ज नि	भा ऽ ओ ऽ	ऽ स्वा ऽ मी

ध,	सं	न	ध	(म)	–	ग	र	र	म	म	–	म	ध	न	सं
ऽ,	ह	म	री	ला	ऽ	ज	नि	भा	ऽ	वो	ऽ	*	*	*	*
रं,	रं	रं	रं	रं	रं	रं	–	*	संरं	सं	न	धन	संरं	सं	–
*,	मौ	ज	मैं	व	र	में	ऽ	*	आऽ	न	फँ	सीऽ	ऽऽ	है	ऽ
*	रं	सं	न	ध	ध	म	म	ध	न	न	–	–	–	(न)	–
*	प्रे	म	व	च	न	की	ऽ	ना	ऽ	व	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	धसं	ध	सं	ध	सं	–	–	रं,	मं	गं	रं	सं	–	–	–
*	सुन	ती	ऽ	हूँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	सु	न	ती	हूँ	ऽ	ऽ	ऽ
*	गं	गं	गं	गं	*	मंमं	मंमं	गं	मं	मं	–	–	–	–	न
*	सु	न	ती	हूँ	*	ऐऽ	सीऽ	बा	ऽ	तें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	सं	गं	रं	सं	(न)	ध	(म)	–	म	–	–	–	–	–
*	पा	प	की	हैं	ऽ	जो	ऽ	घा	ऽ	तें	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	मम	न	न	–	न	ध	(न)	प	न	सं	गं	रं	रं	सं	–
*	तुम	हो	दे	ऽ	व	ता	ऽ	मैं	ऽ	प	ति	ब	र	ता	ऽ
*	नरं	रं	सं	नसं	–न	ध	न	धन	संरं	नसं	–	संरं	संरं	संरं	न
*	सत	अ	ग	नीऽ	ऽऽ	द	ह	काऽ	ऽऽ	वोऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ
*	न	न	न	(न)	–	ध	न	(सं	–	(रं)	–	(गं)	रं	(गं)	सं
*	औ	र	मु	झे	ऽ	अ	प	ना	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

												प		प	
* सं	सं	सं		संगं	रंसं	न	सं	ध	सं	न	–	ध	–	म	–
* आँ	ख	से		घऽ	टऽ	में	स	मा	ऽ	थो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
															सं
प	ध	प	म	–	–	–	–	प	न	सं	रं	–	–	–	न
वि	न	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वि	न	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
							रं सं								
सं	गं	रं	सं	–	–	–	न	मं	मं	मं	–	–	(गं)	–	सं
वि	न	ती	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वि	न	ती	ऽ	ऽ	मो	ऽ	री
		रं													
रं	मं	मं	–	–	–	–	सं	*	म	प	न	सं	गं	रं	सं
मा	ऽ	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	भ	ले	बु	रे	ऽ	को	ऽ
ध	प	म	–	–	–	–	–	*	न	सं	सं	–	सं	सं	–
जा	ऽ	नो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	ब	चो	आ	ऽ	प	भी	ऽ
सं	रं	(न)	–	सं	रं	संरं	गं	(मं)	गं	गं	गंरं	संरं	–	न	नसं
दु	ख	सं	ऽ	क	ट	सेऽ	ऽ	ऽ	औ	र	मुऽ	झेऽ	ऽ	भी	बऽ
पन	संगं	रं	सं	(प)	न	सं	गं	सं	न	सं	सं	–	सं	सं	–
चाऽ	ऽऽ	थो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	चो	आ	ऽ	प	भी	ऽ
सं	रं	(न)	–	सं	रं	संरं	गं	(मं)	गं	गं	गंरं	संरं	–	न	नसं
दु	ख	सं	ऽ	क	ट	सेऽ	ऽ	ऽ	औ	र	मुऽ	झेऽ	ऽ	भी	बऽ

				प		प									गं
ध	सं	न	–	ध	–	म	–	*	म	प	न	न	–	सं	रं
चा	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	हु	म	री	ला	ऽ	ज	नि
सं	–	न	–	ध	–	प	–	*	पन	म	प	न	–	सं	(गं)
भा	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	हुऽ	म	री	ला	ऽ	ज	नि
रं	–	सं	–												
भा	ऽ	वो	ऽ												

39—B. N. B

अम्बुवा पै आई बहार.......।

अत्रे पिक्चर्स–फ़िल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"चरणों की दासी"	卐 卐	दादरा	卐 卐	बनमाला

अम्बुवा पै आई अनोखी बहार, सजनवा ने सुध हू न लीनी, न लीनी–हो।
डारी पै कोयल बोले, मेरी सखियों ने डाले हिण्डोले।
पी–पी बोले पपीहा पुकार, सजनवा ने सुधहू न लीनी॥ न लीनी हो......॥
कैसे मैं मन समझाऊं, आग विरहा की कैसे बुझाऊं।
मेरे जियरा न आवे करार, सजनवा ने सुध हू न लीनी॥..................॥

×			०			×			०		
प़	स	स	स	ऩ	स	ऩस	र	स	र	–म	म
अँबु	वा	पै	आ	ई	अ	नोऽ	खी	ब	हा	ऽर	स
म	म	म	गग	र	स	र	स	–	*	*	स
जन	वा	ने	सुध	हू	न	ली	नी	ऽ	*	*	न

				स							
र	स	–	ऩध़	(ऩ)	धप़						
ली	नी	ऽ	होऽ	ऽ	ऽऽ						

अँवुवा पै आई अनोखी बहार, सजनवा ने सुध हू न लीनी······॥

पध	प	म	ग	रग	स	रग	रग	म	–	म	म
डाऽ	ली	पै	को	यऽ	ल	बोऽ	ऽले	ऽ	ऽ	मे	री
पध	प	म	ग	रग	स	रग	रग	म	–	म	म
सखि	यों	ने	डा	लेऽ	हिं	डोऽ	लेऽ	ऽ	ऽ	पी	पी
							म				
पध	प	म	ग	र	स	रस	र	–	–	–स	म
बोऽ	ले	प	पी	हा	पु	काऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽर	स
म	म	म	गग	र	स	र	स	–	*	*	स
जन	वा	ने	सुध	हू	न	ली	नी	ऽ	*	*	न
				स							
र	स	–	ऩध़	(ऩ)	धप़						
ली	नी	ऽ	होऽ	ऽ	ऽऽ						

अँवुआ पै आई अनौखी बहार, सजनवा ने सुध हू न लीनी···········।

		ग									
ग	ग	म	गर	स	र	ऩ	स	–	*	प	म
कै	से	मैं	मन	स	म	भा	ऊँ	ऽ	*	आ	ग
पध	प	म	ग	र	स	रग	रग	म	ग	र	स
बिर	हा	की	कै	से	बु	भाऽ	ऊँऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

ग	ग	ग म	गर	स	र	ऩ	स	–	*	प	म
कै	से	मैं	मन	स	म	झा	ऊँ	ऽ	*	मो	रे
पध	पध	म	ग	र	स	रस	म र	–	–	–स	म
जिय	राऽ	न	आ	वे	क	राऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽर	स
म	म	म	ग	र	स	रस	म र	–	स	–	–
जन	चा	ने	सुध	हु	न	लीऽ	ऽ	ऽ	नी	ऽ	ऽ

नोट—यह गीत मध्यम को स्वर मानकर गाना चाहिये।

40–B- N- B-

आओ आओ देर न..........!

प्रभात फिल्म		ताल		गायिका
"सखूबाई"	**	"कहरवा"	**	'हंसा'

आओ आओ, देर न लगाओ।
दयानिधे आओ, नाम को निभाओ, माता पिता बन्धुसखा, नाथ तुम्हीं हो।
मेरा और कौन है, जग में प्रभो। सुनलो, सुनलो, सुनलो दुखिया पुकारे—
कहां सोये मेरी बारी, नन्द के दुलारे, आओ आओ आओ दरश दिखावो।
दयानिधे आओ, नाम को निभाओ...॥

(ठेका बन्द)

प़ ध़ ध़ स – – स ग र ग – – ग – म ग – – – रस स सर – – सध़
आ वो आ वो ऽ ऽ आ ऽ वो ऽ ऽ ऽ दे ऽ र ना ऽ ऽ ऽ ऽऽ ल गाऽ ऽ ऽ वोऽ

र
ध़ स स स – – र ग र ग – – ग – म ग – – – रस, स सर ग – स ऩ

आ वो आ वो ऽ ऽ आ ऽ वो ऽ ऽ ऽ दे ऽ र ना ऽ ऽ ऽ ऽऽ, ल गाऽ ऽ ऽ वो ऽ

(ठेका शुरू कहरवा)

×				×				×				×			
*	*	प़	ध़	–	स	स	–	र	ग	र	ग	–	–	–	–
*	*	द	या	ऽ	नि	धे	ऽ	आ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग	–	म	ग	–	र	स	–	–	–	(र)	–	–	–
ऽ	ऽ	ना	ऽ	म	को	ऽ	नि	भा	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	प़	ध़	–	स	स	–	र	ग	र	ग	–	–	–	–
*	*	द	या	ऽ	नि	धे	ऽ	आ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	ग	–	म	ग	–	र	स	–	–	–	स	–	–	–
ऽ	ऽ	ना	ऽ	म	को	ऽ	नि	भा	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	प़	ध़	–	ऩ	ध़	–	*	*	प़	ध़	–	ऩ	ध़	–
ऽ	ऽ	मा	ता	ऽ	पि	ता	ऽ	*	*	ब	न्धू	ऽ	स	खा	ऽ
*	*	ध़	स	–	र	ग	म	ग	र	ग	म	र ग	–	–	–
*	*	ना	ऽ	ऽ	थ	ऽ	तु	म्हीं	ऽ	ऽ	ऽ	हो	ऽ	ऽ	ऽ
*	*	स	म	–	म	–	म	ग	–	–	म	र	–	–	–
*	*	मे	रा	ऽ	औ	ऽ	र	कौ	ऽ	ऽ	न	है	ऽ	ऽ	ऽ

–	–	ग	म	–	र	–	स	नृ	–	–	–	धृ	–	–	–
ऽ	ऽ	ज	ग	ऽ	में	ऽ	प्र	भू	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

स – – – – – – – –
मेरा और कौन है जग में प्र भू ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

सस	स	–	–	सस	स	रम	म	–	पध	–प	म	ग	–	र	–
सुन	लो	ऽ	ऽ	सुन	लो	सुन	लो	ऽ	दुखि	याऽ	पु	का	ऽ	रे	ऽ

–	पप	प	ध	म	म	ग	र	–	ग	मर	–स	नृ	–	धृ	–
ऽ	कहां	सो	ये	मे	री	बा	री	ऽ	नं	दके	ऽदु	ला	ऽ	रे	ऽ

स – स –
कहां सोये मेरी बारी नन्द के दु ला ऽ रे ऽ

									प						
*	सप	प	प	प	–	प	–	*	पप	ध	–प	म	–	ग	र
*	आओ	आ	ओ	आ	ऽ	ओ	ऽ	*	दर	स	ऽदि	खा	ऽ	ओ	ऽ

*	रप	–प	प	म	–	ग	र	–	ग	मर	–स	नृ	–	धृ	–
*	दया	ऽनि	धे	आ	ऽ	ओ	ऽ	ऽ	ना	मको	ऽनि	भा	ऽ	वो	ऽ

स – स –
दयानिधे आओ नाम को नि भा ऽ वो ऽ

माता पिता बन्धू सखा नाथ तुम्हीं हो, मेरा और कौन है जग में प्रभू ।
आओ आओ आओ दरस दिखाओ, दयानिधे आओ..............॥

–	ग	गप	ध	सं	–	सं	–	*	ग	गप	ध	सं	–	सं	–
ऽ	ना	मको	नि	भा	ऽ	ओ	ऽ	*	ना	मको	नि	भा	ऽ	ओ	ऽ

तुझ बिन मेरी बात बनेना.....!

अत्रे पिक्चर्स–फ़िल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"चरणों की दासी"	卐 卐	(ठेका बन्द)	卐 卐	"बनमाला"

तुझ बिन मेरी बात बनेना, बिगड़ी की रखवाली।
भरी पेंठ बिन खोले लुटती, कैसे देखा जाये ॥ बिगड़ी के...॥
अँसुवन की नदिया चढ़ि आई, जीवन की नैया टकराई।
तुझ बिन को पतवार लगाये, सुन नैया के वाली ॥ बिगड़ी के...॥

र	ग	म	प	मग	(म)	ग	र	र	ग॒	र	स	ऩ	स	ऩ॒	ध़
तु	झ	बि	न	मेऽ	ऽ	री	ऽ	बा	ऽ	त	ब	ने	ऽ	ना	ऽ
ऩ	ऩ	स	–	सऩ	(स)	ऩ॒	ध़	ऩ॒	र	र	–	–	–	–	–
बि	ग	ड़ी	ऽ	कीऽ	ऽ	र	ख	वा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
म	प	न	न	–	न	न	सं	पन	संन	ध	प	म	ग	रग	(म)
भ	री	ऽ	पैं	ऽ	ठ	बि	न	खोऽ	ऽऽ	ले	ऽ	लु	ट	तीऽ	ऽ
ग	–	ग	–	ग	म	गम	धप	ध	ग (प/म)	(म)	ग॒	र	–	–	–
कै	ऽ	से	ऽ	दे	ऽ	खाऽ	ऽऽ	ऽ	जा	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
मम	पप	न–	नन	नसं	नसं	सं–	सं–	नसंरं	रंरं	रं–	रंगं॒	गं॒रंसं	रंगं॒	संरं (न)	सं–
अँसु	वन	कीऽ	नदि	याऽ	चढ़ि	आऽ	ईऽ	जीऽऽ	वन	कीऽ	नैऽ	याऽऽ	टक	राऽ	ईऽ
नसंरं	रंरं	रं–	रंगं॒	गं॒रंसं	रंगं॒	रं	–	संरं	गं॒	–	–	सं	सं	धसं	रं
जीऽऽ	वन	कीऽ	नैऽ	याऽऽ	टक	रा	ऽ	ईऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ट	क	राऽ	ऽ

रंगं	–	–	–	–	रंसं	सं	रं	–	–	सं	–	–	–	–	–
ईऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ध	सं	रं	सं	ध	–	प	प	ग	–	र	स	सर	ग	र	–
तु	झ	बि	न	को	ऽ	प	त	वा	ऽ	र	ल	गाऽ	ऽ	ये	ऽ
र	ग	प	ध	ध	सं	धप	ध	(ग)	–	रग	(ग)	स	–	–	–
सु	न	नै	ऽ	या	ऽ	केऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बाऽ	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ

नोट—इस गीत पर आरम्भ से अन्त तक ठेका बन्द है, परन्तु यह त्रिताल में गाया जा सकता है, यह गीत राग जयजयवन्ती के आधार पर है।

42-B N.B

नया ज़माना आया......!

बॉम्बे टाकीज़ फ़िल्म	राग बिहारी	गायक
"नया संसार"	ताल कहरवा	"अरुणकुमार और प्रदीप"

नया ज़माना आया, लोगो ! नया ज़माना आया ।
आज नया संसार, संग में नई कहानी लाया, हां-हां ।
नई कहानी लाया । हां लो नया ज़माना आया.........॥
जग में जीवन ज्योति जगाने, आज़ादी का बिगुल बजाने ।
आज 'नया संसार' नई धुन नई ज़िन्दगी लाया । हां-हां ।
नई ज़िन्दगी लाया । लो नया ज़माना आया............॥
हल-चल चारों ओर मची है, चहल-पहल घनघोर मची है।
लो दुनियां भर के समाज की, पलट चुकी है काया ॥ नया...॥
क़दम-क़दम पर नया तराना, कौन सुनेगा गीत पुराना ?
क्या धरती क्या आसमान, दोनों पर जोबन छाया ॥ नया...॥

+			०	|				+				|			
ऩ	ऩ	-	ऩ	स	-	स	-	स	ग	ग	र	ग	प	म	-
न	या	ऽ	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ	लो	ऽ	गो	ऽ
ग	ग	-	र	र	म	ग	र	ऩ	-	स	-	-	-	-	-
न	या	ऽ	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ग	म	म	म	म	-	म	-	ग	म	ग	र	ग	र	स	-
आ	ऽ	ज	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	र	सं	ऽ	ग	में	ऽ
स	ग	-	र	ग	प	म	-	र	म	ग	र	स	र	ऩ	स
न	ई	ऽ	क	हा	ऽ	नी	ऽ	ला	ऽ	या	ऽ	हां	ऽ	हां	ऽ
स	ग	-	र	ग	प	म	-	र	म	ग	र	स	-	ग	-
न	ई	ऽ	क	हा	ऽ	नी	ऽ	ला	ऽ	या	ऽ	हाँ	ऽ	लो	ऽ

नया ज़माना आया लोगो··············।

प	ध	ध	सं	सं	-	सं	सं	प	ध	ध	सं	सं	-	न॒	ध
ज	ग	में	ऽ	जी	ऽ	व	न	ज्यो	ऽ	ति	ज	गा	ऽ	ने	ऽ
प	ध	ध	सं	सं	-	न॒	ध	ध	न॒	-	ध	प	-	म	ग
आ	ऽ	ज़ा	ऽ	दी	ऽ	का	ऽ	बि	गु	ऽल	ब	जा	ऽ	ने	ऽ
ग	प	प	प	प	-	ध	सं	(न॒)	-	-	ध	प	-	म	ग
आ	ऽ	ज	न	या	ऽ	सं	ऽ	सा	ऽ	र	न	ई	ऽ	धु	न

र	ग	–	ग	म	म	म	–	ग	–	ग	–	र	ग	स	र
न	ई	ऽ	ज़ि	ऽ	न्द	गी	ऽ	ला	ऽ	या	ऽ	हां	ऽ	हां	ऽ
र	ग	–	र	ग	म	ग	–	र	–	स	–	–	–	ग	–
न	ई	ऽ	ज़ि	ऽ	न्द	गी	ऽ	ला	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	लो	ऽ

नया ज़माना आया..................।

स	स	र	र	र	–	र	–	र	ग	ग	ग	म	–	प	–
ह	ल	च	ल	चा	ऽ	रों	ऽ	ओ	ऽ	र	म	ची	ऽ	है	ऽ
प	ध	ध	ध	ध	ध	ध	न̲	प	ध	न̲	ध	प	–	म	–
च	ह	ल	प	ह	ल	च	न	घो	ऽ	र	म	ची	ऽ	है	ऽ
म	न̲	न̲	न̲	न̲	–	न̲	ध	प	ध	ध	ध	–	प	प	–
लो	ऽ	दु	नि	यां	ऽ	भ	र	के	ऽ	स	मा	ऽ	ज	की	ऽ
ध	सं	–	सं	रं	–	गं	–	रं	–	सं	–	–	–	न̲	–
प	ल	ऽट	चु	की	ऽ	है	ऽ	का	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
न̲	न̲	–	न̲	न̲	–	न̲	ध	प	ध	ध	प	म	–	ग	–
न	या	ऽ	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ	लो	ऽ	गो	ऽ
म	प	–	प	म	ग	र	ग	र	–	स	–	–	–	–	–
न	या	ऽ	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ग	प	–	प	प	ध	ध	ध	ध	सं	–	रं	सं	न	सं	–
क़	द	ऽम	क़	द	ऽम	प	र	न	या	ऽ	त	रा	ऽ	ना	–

प	ध	ध	सं	न	सं	न	ध	प	ध	सं	सं	न	ध	प	–
कौ	ऽ	न	सु	ने	ऽ	गा	ऽ	गी	ऽ	त	पु	रा	ऽ	ना	ऽ
ध	सं	सं	सं	सं	–	सं	रं	न	–	न	ध	–	प	प	–
क्या	ऽ	ध	र	ती	ऽ	क्या	ऽ	आ	ऽ	स	मा	ऽ	न	दो	ऽ
प	ध	ध	ध	ध	–	प	म	म	प	प	–	म	ग	र	स
नों	ऽ	प	र	जो	ऽ	ब	न	छा	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
र	प	–	प	म	ग	र	–	ग	–	स	–	–	–	–	–
न	या	ऽ	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
ऩ	ऩ	–	ऩ	स	–	स	–								
न	या	ऽ	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ	आया लोगो नया ज़माना आया, आज···॥							
न	सं	–	सं	न	ध	प	ध	न	सं	सं	–	–	–	–	–
न	या	ऽ	ज़	मा	ऽ	ना	ऽ	आ	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

43—N. P. K

आये अकेला जाये अकेला····!

ग्रेट इन्डिया पिक्चर्स		ताल		गायिका
"अकेला"		दादरा		"शामो"

आये अकेला जाये अकेला, चार दिनों का मेला मनवा चार दिनों का मेला ॥
कबतक रहता कौन किसी का, कौन किसी का, कौन किसी का।
रिश्ता नाता जीते जी का, झूठा है ये झमेला। चार दिनों का······॥
झूंठा अपना और पराया, झूंठी है धन दौलत माया।
जाने वाला क्या ले जाये, आने वाला क्या है लाया।
समझे को अलबेला, चार दिनों का मेला मनवा चार दिनों का मेला।
आये अकेला, जाय अकेला·····················॥

×			○			×			○		
स	-	स	ग	ग	म	प	-	ध	म̍	प	-
आ	ये	अ	के	ला	ऽ	आ	ये	अ	के	ला	ऽ
प	-	ध	न॒	ध	-	प	म	ग	गम	प	ध
चा	ऽर	दि	नों	का	ऽ	मे	ला	ऽ	मनु	वा	ऽ
प	-	म	ग	र	स	र	र	-स	-	-	-
चा	ऽर	दि	नों	का	ऽ	मे	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	-	प	प	प	-	ध	सं	सं	सं	सं	सं
क	ब	तक	रह	ता	ऽ	कौ	ऽन	कि	सी	का	ऽ
सं	रं	रं	रं	रं	-	रं	सं	रं	गं	रं	सं
कौ	ऽन	कि	सी	का	ऽ	कौ	ऽन	कि	सी	का	ऽ
सं	सं	न	रं	सं	-	न	न	ध	ध	प	-
रि	श्ता	ऽ	ना	ता	ऽ	जी	ते	ऽ	जी	का	ऽ
प	-	ध	न॒	ध	प	म	प	म	ग	र	ग
भू	ऽ	ठा	है	ऽ	ऽ	ये	ऽ	झ	मे	ला	ऽ

चार दिनों का मेला। आये अकेला..............।

स	ध़	-	स	स	र	र	ग	ग	ग	र	ग
झूं	ठा	ऽ	अप	ना	ऽ	औ	ऽर	प	रा	या	ऽ

ग	म	म	म	म	म	म	प	ध	म	ग	—
भूँ	ऽ	ठी	है	ध	न	दौ	ल	त	मा	या	ऽ
ग	प	—	प	प	—	प	ध	न	ध	प	—
जा	ने	ऽ	वा	ला	ऽ	क्या	ले	ऽ	जा	ए	ऽ
प	ध	—	ध	सं	—	सं	रं	रं	रं	सं	—
आ	ने	ऽ	वा	ला	ऽ	क्या	ऽ	है	ला	या	ऽ
न	—	न	न	सं	रं	न	सं	न	ध	प	—
स	म	झे	को	म	ल	बे	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ

चार दिनों का··················।

44—B. N. B

उठ जाग जवानी आती है····!

मिनर्वा मोवीटोन फ़िल्म	ताल	गायिका
"सिकन्दर"	"कहरवा"	"मेनका"

उठ जाग जवानी आती है। उठ जाग······॥
उठ-उठ दरवाज़ा खोल ज़रा, कुछ देख ज़रा कुछ बोल ज़रा।
कुछ हँसले, कुछ गाले, कुछ अपना रङ्ग जमाले ॥
तू क़िस्मत से खुश-क़िस्मत है, उठ तेरे घर में फूलों की—
रङ्गीन कहानी आती है ॥ उठ जाग·····························॥
पीने का मौसम आया है, जीने का मौसम आया है।
कुछ खाले, कुछ पीले, मरने से पहिले जीले।
कब रोज़-रोज़ उजड़े दरिया में नई रवानी आती है ॥ उठ······॥

स्वरलिपि☞

+				।				+				।			
														ग	म
														उ	ठ
प	–	–	प	ध	प	प	–	म	प	म	ध	प	–	म	प
जा	ऽ	ग	ज	वा	ऽ	नी	ऽ	आ	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	उ	ठ
म	ग	–	प	प	–	म	–	ग	म	ग	रे	स	–	ग	म
जा	ऽ	ग	ज	वा	ऽ	नी	ऽ	आ	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	उ	ठ
प	–	–	*	*	*	ग	म	प	–	–	प	ध	प	प	–
जा	ऽ	ग	*	*	*	उ	ठ	जा	ऽ	ग	ज	वा	ऽ	नी	ऽ
म	प	म	ध	प	–	म	प	म	ग	–	प	प	–	म	–
आ	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	उ	ठ	जा	ऽ	ग	ज	वा	ऽ	नी	ऽ
ग	म	ग	रे	स	–	ग	म	प	–	–	*	*	*	सं	सं
आ	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	उ	ठ	जा	ऽ	ग	*	*	*	उ	ठ
सं	सं	न	ध	प	ध	ध	प	म	प	म	ध	प	–	स	स
उ	ठ	द	र	वा	ऽ	ज़ा	ऽ	खो	ऽ	ल	ज़	रा	ऽ	कु	छ
रे	म	म	म	प	–	प	प	म	प	म	ध	प	–	प	प
दे	ऽ	ख	ज़	रा	ऽ	कु	छ	बो	ऽ	ल	ज़	रा	ऽ	कु	छ
म	ध	प	–	*	*	सं	सं	सं	रें	रें	सं	*	*	सं	सं
हँ	स	ले	ऽ	*	*	कु	छ	गा	ऽ	ले	ऽ	*	*	कु	छ

सं	रं	सं	सं	न	न	ध	प	धन	सं	सं	–	*	*	ध	–
अ	प	ना	ऽ	रं	ऽ	ग	ज	माऽ	ऽ	ले	ऽ	*	*	तू	ऽ
ध	सं	ध	ध	प	–	म	प	म	प	म	ध	प	–	ध	–
कि	स	म	त	से	ऽ	खु	श	कि	स	म	त	है	ऽ	तू	ऽ
ध	सं	ध	ध	प	–	म	प	म	प	म	ध	प	–	प	प
कि	स	म	त	से	ऽ	खु	श	कि	स	म	त	है	ऽ	उ	ठ
ध	–	सं	–	–	रं	गं	गं	गं	रं	सं	न	नध	प	प	ध
ते	ऽ	रे	ऽ	ऽ	घ	र	में	फू	ऽ	लों	ऽ	कीऽ	ऽ	रं	ऽ
पध	न	–	ध	प	ध	म	प	ग	म	ग	र	स	–	ग	म
गीऽ	ऽ	न	क	हा	ऽ	नी	ऽ	आ	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	उ	ठ
प	–	–	*	*	*	प	प	ध	–	सं	–	–	रं	गं	गं
जा	ऽ	ग	*	*	*	उ	ठ	ते	ऽ	रे	ऽ	ऽ	घ	र	में
गं	रं	सं	न	नध	प	प	ध	पध	न	–	ध	प	ध	म	प
फू	ऽ	लों	ऽ	कीऽ	ऽ	रं	ऽ	गीऽ	ऽ	न	क	हा	ऽ	नी	ऽ
ग	म	ग	र	स	–	ग	म	प	–	–	*	*	*	ग	म
आ	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	उ	ठ	जा	ऽ	ग	*	*	*	उ	ठ
प	–	–	प	ध	प	प	–	म	प	म	ध	प	–	म	प
जा	ऽ	ग	ज	वा	ऽ	नी	ऽ	आ	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	उ	ठ

म	ग	–	प	प	–	म	–	ग	म	ग	र	स	–	ग	म
जा	ऽ	ग	ज	वा	ऽ	नी	ऽ	आ	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	उ	ठ
प	–	–	*	*	*	प	–	ध	–	सं	–	–	गं	–	पं
जा	ऽ	ग	*	*	*	पी	ऽ	ने	ऽ	का	ऽ	ऽ	मौ	ऽ	सम
गं	पं	गं	रं	सं	–	मं	पं	मं	–	मंगं	रंगं	–	सं	–	रं
आ	ऽ	या	ऽ	है	ऽ	जी	ऽ	ने	ऽ	काऽ	ऽऽ	ऽ	मौ	ऽ	सम
ध	सं	रं	गं	गं	सं	सं	रं	न	ध	ध	प	*	*	प	ध
आ	ऽ	या	ऽ	है	ऽ	कु	छ	खा	ऽ	ले	ऽ	*	*	कु	छ
मप	ध	म	–	*	*	ध	न	प	ध	प	म	ग	स	ग	म
पीऽ	ऽ	ले	ऽ	*	*	म	र	ने	ऽ	से	ऽ	प	हि	लें	ऽ
प	–	प	–	*	*	सं	सं	न	सं	न	ध	न	ध	प	ध
जी	ऽ	ले	ऽ	*	*	क	ब	रो	ऽ	ज़	रो	ऽ	ज़	उ	ज
पध	न	ध	ध	पध	न	प	–	ध	पध	न	ध	प	ध	म	प
ड़ेऽ	ऽ	द	रि	याऽ	ऽ	में	ऽ	न	ईऽ	ऽ	र	वा	ऽ	नी	ऽ
ग	म	ग	र	स	–	ग	म	प	–	–	*	*	*	सं	सं
आ	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ	उ	ठ	जा	ऽ	ग	*	*	*	क	ब

रोज़-रोज़ उजड़े दरिया में नई रवानी आती है,उठ जाग………………।

45-NPK

चांदनी चांद है कितनी....!

अशोक पिक्चर्स फ़िल्म	ताल	गायक
'चन्दन'	"कहरवा"	'राजकुमारी व आशिक़ हुसैन

चांदनी चांद है कितनी दूर ?
तेरा चांद है कितनी दूर, चांदनी चाँद है कितनी दूर......?
काहे तू धरती पर आई, क्या बालम से हुई लड़ाई ।
जोगन बन कर भटक रही तू, जोगन बन कर भटक रही—
तेरा पिया नशे में चूर ! चांदनी पिया नशे में चूर ॥
चांदनी चांद है कितनी दूर..........................॥
चांदनी है चन्दा का नूर, रहे वह कैसे उस से दूर ।
धरती पर वह रस बरसाती, जग को स्वप्न लोक ले जाती ।
अमृत और मदिरा के प्याले, पिला रही भरपूर ॥
चांदनी तू क्यों जागे री ? तू क्यों जागे री कि जब—
सोवे सारा संसार ! क्यूँ खड़ी निहारे बाट सजन की ।
कर सोलह सिंगार ! चांदनी तू क्यों जागे री ॥
चांदनी जागे रस की रात, जागे रस की रात—
जगावे प्रेमी जन की प्रीत ! भूल जांय अपनापन दोनों ।
ये सुर और सङ्गीत । नचावें मन के मस्त मयूर ॥
चांदनी चांद है कितनी दूर..........................॥

+				।				+				।			
*	*	*	प	म	प	(सं)	–	प	मप	धध	प	ग	र	स	र
*	*	*	चां	ऽ	द	नी	ऽ	ऽ	चांऽ	ऽद	है	कि	त	नी	ऽ
म	–	–	प	म	प	(सं)	–	प	मप	धध	प	ग	र	स	र
दू	ऽ	ऽर	चां	ऽ	द	नी	ऽ	ऽ	चांऽ	ऽद	है	कि	त	नी	ऽ
म	–	–	–	*	*	स	स	ग	–	–	ग	स	ग	म	प
दू	ऽ	ऽ	र	*	*	ते	रा	चां	ऽ	द	है	कि	त	नी	ऽ

पम	प	प	ग	र	र	स	-	सर	गग	गग	ग	स	ग	म	प
दूऽ	ऽ	ऽर	चां	ऽ	द	नी	ऽ	चांऽ	ऽऽ	ऽद	है	कि	त	नी	ऽ
पम	प	*	प	म	प	(सं)	-	प	मप	धध	प	ग	र	स	र
दूऽ	ऽर	*	चाँ	ऽ	द	नी	ऽ	ऽ	चांऽ	ऽद	है	कि	त	नी	ऽ
म	-	-	म	ग	र	स	ध	-	(स)	-	स	न	-	ध	न
दू	ऽ	र	*	*	*	*	*	*	का	ऽ	हे	तू	ऽ	ध	र
र	-	र	म	म ग	-	र	-	*	र	-	र	म	प	प	-
ती	ऽ	प	र	आ	ऽ	ई	ऽ	*	क्या	ऽ	बा	ल	म	से	ऽ
प	म	-	प	ग	-	म	-	*	पध	ध	ध	ध	ध	ध	ध
हु	ई	ऽ	ल	ड़ा	ऽ	ई	ऽ	*	जोऽ	ग	न	ब	न	क	र
*	पप	प	प	म	-	रम	रम	-	ध	ध	ध	ध	ध	ध	ध
*	भट	क	र	ही	ऽ	तूऽ	ऽऽ	ऽ	जो	ग	न	ब	न	क	र
*	पप	प	प	म	-	र	म	म	गम	प	प	ग	-	र	स
*	भट	क	र	ही	ऽ	ते	रा	पि	याऽ	ऽ	न	शे	ऽ	में	ऽ
र	स	-	र	स	र	म	-	म	गम	प	प	ग	-	र	स
चू	ऽ	ऽर	चां	ऽ	द	नी	ऽ	पि	याऽ	ऽ	न	शे	ऽ	में	ऽ
र	स	-	प	म	प	(सं)	-	प	मप	धध	प	ग	र	स	र
चू	ऽ	ऽर	चां	ऽ	द	नी	ऽ	ऽ	चांऽ	ऽद	है	कि	त	नी	ऽ

म	–	–	न	ध	न	प	–	प	ध	प	म	म	प	म	ग
दू	ऽ	ऽर	चां	ऽ	द	नी	ऽ	है	ऽ	चं	ऽ	दा	ऽ	का	ऽ
म	–	–	न	ध	न	प	–	प	ध	प	म	म	प	म	ग
नू	ऽ	ऽर	चां	ऽ	द	नी	ऽ	है	ऽ	चं	ऽ	दा	ऽ	का	ऽ
म	–	–	म	रग	सर	म	–	–	म	ग	म	ग	र	सर	ग
नू	ऽ	ऽर	र	हैऽ	ऽऽ	वो	ऽ	ऽ	कै	ऽ	से	उ	स	सेऽ	ऽ
र	–	–	र	स	र	ग	–	*	गग	ग	–	र	र	र	स
दू	ऽ	ऽर	*	*	*	*	*	*	धर	ती	ऽ	प	र	ब	ह
–	सग	ग	ग	म	–	प	–	*	धध	न	–	ध	–	प	प
ऽ	रस	ब	र	सा	ऽ	ती	ऽ	*	जग	को	ऽ	स्व	ऽ	प्न	लो
म	म	ग	स	ग	म	म	–	*	ध	ध	ध	ध	ध	ध	ध
ऽ	क	ले	ऽ	जा	ऽ	ती	ऽ	*	अ	मृ	त	औ	र	म	दि
–	ध	ध	–	प	–	रम	रम	–	ध	ध	ध	ध	ध	ध	ध
ऽ	रा	के	ऽ	प्या	ऽ	लेऽ	ऽऽ	ऽ	अ	मृ	त	औ	र	म	दि
*	ध	ध	–	प	–	म	–	म	गम	प	म	ग	–	र	स
*	रा	के	ऽ	प्या	ऽ	ले	ऽ	पि	लाऽ	ऽ	र	ही	ऽ	भ	र
र	स	–	र	स	र	म	–	म	गम	प	म	ग	–	र	स
पू	ऽ	र	चां	ऽ	द	नी	ऽ	पि	लाऽ	ऽ	र	ही	ऽ	भ	र

म	–	–	ध	प	म	ग॒	र	–	र	–	प	म	ग॒	र	स
धू	ऽ	र (बाजा)		...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
र	स	–	ध	प	म	ग॒	र	–	र	–	प	म	ग॒	र	स
...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
र	स	–	ध	प	प	र	म	प	ध	प	म	म	र	र	न॒
...	...	...	चां	ऽ	द	नी	ऽ	तू	ऽ	क्यों	ऽ	जा	ऽ	गे	ऽ
स	–	न॒	स	र	म	प	–	*	म	–	म	म	–	म	र
री	ऽ	*	*	*	*	*	*	*	तू	ऽ	क्यों	जा	ऽ	गे	ऽ
रम	प	–	प	प	प	ध	–	न	–	सं	–	नध	प	प	ध
रीऽ	ऽ	ऽ	कि	ज	ब	सो	ऽ	वे	ऽ	सा	ऽ	राऽ	ऽ	सं	ऽ
प	–	ध प	–	ध प	–	ध प	–	*	म	–	म	म	–	म	र
सा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	*	तू	ऽ	क्यों	जा	ऽ	गे	ऽ
रम	प	–	प	प	प	ध	–	न	–	सं	–	नध	प	प	ध
रीऽ	ऽ	ऽ	कि	ज	ब	सो	ऽ	वे	ऽ	सा	ऽ	रा	ऽ	सं	ऽ
प	–	र	म	प	ध	सं	–	सं	सं	–	सं	सं	–	नसं	रं
सा	ऽर	*	*	*	*	क्यों	ऽ	ख	ड़ी	ऽ	नि	हा	ऽ	रेऽ	ऽ
सं	न	–	न	ध	ध	(प)	–	ध	न॒	ध	–	प	प	ग	म
ऽ	बा	ऽट	स	ज	न	की	ऽ	क	र	सो	ऽ	ल	ह	सिं	ऽ

(प)	–	–	ग	र	ग	स	–	*	स	र	–	ग	ग	म	म
गा	ऽ	र	चां	ऽ	द	नी	ऽ	*	तू	क्यों	ऽ	जा	ऽ	गे	ऽ
प	–	–	र	स	र	म	–	ध	ध	–	न	ध	म	प	ग
री	ऽ	ऽ	चां	ऽ	द	नी	ऽ	ऽ	जा	ऽ	गे	र	स	की	ऽ
म	–	–	र	स	र	म	–	ध	ध	–	न	ध	म	प	ग
रा	ऽ	त	चां	ऽ	द	नी	ऽ	ऽ	जा	ऽ	गे	र	स	की	ऽ
म	–	र	ग	म	ध	प	–	*	प	न	न	न	न	न	प
रा	ऽत	*	*	*	*	*	*	*	जा	ऽ	गे	र	स	की	ऽ
प	ध	सं	रं	न	ध	पध	न	रं	रं	–	गं	रं	सं	रं	न
रा	ऽ	त	ज	गा	ऽ	वेऽ	ऽ	ऽ	प्रे	ऽ	मी	ज	न	की	ऽ
सं	–	–	न	ध	–	पध	न	रं	रं	–	गं	रं	स	रं	न
प्री	ऽ	त	ज	गा	ऽ	वेऽ	ऽ	ऽ	प्रे	ऽ	मी	ज	न	की	ऽ
सं	–	–	ध	सं	रं	गं	रं	–	न	–	न	सं	सं	सं	सं
प्री	ऽ	त	*	*	*	*	*	*	भू	ऽल	जां	ऽ	य	आ	प
धसं	रं	सं	सं	न	–	पध	पध	न	न	–	न	सं	सं	सं	सं
नाऽ	ऽ	प	न	दो	ऽ	नोंऽ	ऽऽ	ऽ	भू	ऽल	जाँ	ऽ	य	आ	प
धसं	रं	सं	सं	न	–	पध	पध	*	ध	ध	न	ध	म	प	ग
नाऽ	ऽ	प	न	दो	ऽ	नोंऽ	ऽऽ	*	ए	सु	र	औ	र	सं	ऽ

म	–	–	ग	रग	सर	म	–	*	प	ध	प	ग	–	र	स
गी	ऽ	त	न	चाऽ	ऽऽ	वें	ऽ	*	म	न	के	म	ऽ	स्त	म
र	स	–	ग	रग	सर	म	–	*	प	ध	प	ग	–	र	स
यू	ऽ	र	न	चाऽ	ऽऽ	वें	ऽ	*	म	न	के	म	ऽ	स्त	म
र	म	–	प	म	प	(सं)	–	प	मप	धध	प	ग	र	स	र
यू	ऽ	र	चां	ऽ	द्	नी	ऽ	ऽ	चांऽ	ऽद्	है	कि	त	नी	ऽ
म	–	–	–	*	*	*	*								
दू	ऽ	ऽ	र												

46—N. P. K.

तुम बिन कल न आवै.......!

न्यू थियेटर्स फ़िल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"लगन"	卐 卐	त्रिताल	卐 卐	काननदेवी

तुम बिन कल न आवे मोहे । कछुहु नाहिं सुहावे भावे ॥ तुम..........॥
और को राज रजावे, आप चैन ना पावे । येही सोच सतावे ॥ तुम...॥
कठिन डगर का पेड़, जैसे कठिन डगर का पेड़ ।
दया के फूल लुटावे, कड़ी धूप ले अपने सर पर—
छाँव में सबको बिठावे, वही पेड़ जब सूखे जल बिन कैसे देखा जावे ।
न्याई आँख बहावे आँसू, कोमल मन कुम्हलावे ॥
तुम बिन कल न आवे मोहे.........................॥

०				३				×				२			
सं	न	ध	प	-	म	र	ग	म	प	प	-	ध	म	प	ध
तु	म	बि	न	ऽ	क	ल	न	आ	ऽ	वे	ऽ	मो	ऽ	हे	ऽ
सं	न	ध	प	-	म	र	ग	म	प	प	-	-	-	-	-
तु	म	बि	न	ऽ	क	ल	न	आ	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	न	सं	-	ध	-	न	प	पध	न	ध	प	ग	म	प	ध
क	छु	छु	ऽ	ना	ऽ	हिं	सु	हाऽ	ऽ	वे	ऽ	भा	ऽ	वे	ऽ

तुम बिन कल न आवे मोहे..........!

म	ध	ध	ध	ध	-	ध	न	न	सं	सं	-	-	-	-	-
औ	ऽ	र	को	रा	ऽ	ज	र	जा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	न	न	न	-	सं	नसं	रंसं	ध	न	ध	-	-	-	म	प
आ	ऽ	प	नै	ऽ	न	नाऽ	ऽऽ	पा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ
प	-	-	प	-	प	-	ध	न	-	सं	-	न	ध	न	-
ही	ऽ	ऽ	सो	ऽ	च	ऽ	स	ता	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ
न	-	-	न	-	न	-	सं	पन	संरं	सं	रं	न	ध	प	ध
ही	ऽ	ऽ	सो	ऽ	च	ऽ	स	ताऽ	ऽऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

तुम बिन कल न आवे मोहे, तुम बिन कल न आवे......!

ध	प	म	ग	स	र	ग	म	ग	-	-	र	ग	म	प	-
क	ठि	न	ड	ग	र	का	ऽ	पे	ऽ	ऽ	ड़	जै	ऽ	से	ऽ

ग	म	ग	र	स	र	ग	म	ग	–	–	–	–	–	–	स
क	ठि	न	ड	ग	र	का	ऽ	पे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	इ
स	ग	म	प	प	–	प	ध	पध	न̲	ध	–	–	–	–	न̲प
र	या	ऽ	के	फू	ऽ	ल	लु	ठाऽ	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ
ध	न̲	सं	रं	–	रं	रं	–	–	–	–	–	–	–	–	–
क	ड़ी	ऽ	धू	ऽ	प	ले	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	न̲	ध	प	ध	न̲	ध	प	–	–	–	–	–	–	–	–
अ	प	ने	ऽ	सि	र	प	र	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	प	प	प	प	ध	ग	म	पध	न̲	ध	–	–	–	–	ध न̲प
छाँ	ऽ	व	में	स	ब	को	वि	ठाऽ	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ
ध	न̲	सं	रं	–	रं	रं	–	सं	न̲	ध	प	ध	न̲	ध	प
क	ड़ी	ऽ	धू	ऽ	प	ले	ऽ	अ	प	ने	ऽ	सि	र	प	र
स	प	प	प	प	ध	ग	म	पध	न̲	ध	–	–	–	–	ध नप
छाँ	ऽ	व	में	स	ब	को	वि	ठाऽ	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ
म	ध	–	ध	–	ध	ध	न	न	सं	सं	रं	न	सं	सं	सं
व	ही	ऽ	पे	ऽ	ड़	ज	ब	सू	ऽ	खे	ऽ	ज	ल	बि	न
नसंनधनधपधपम				म	ध	–	ध	–	ध	ध	न	न	सं	सं	रं
ऽऽऽ ऽऽऽ ऽऽऽ ऽ				व	ही	ऽ	पे	ऽ	ड़	ज	ब	सू	ऽ	खे	ऽ

न	सं	सं	सं	*	न	–	न	न	–	न	(सं)	ध	सं	न	ध
ज	ल	बि	न	*	कै	ऽ	से	दे	ऽ	खा	ऽ	जा	ऽ	वे	ऽ
*	म	प	प	प	–	प	ध	म	–	म	ग	रे	ग	स	–
*	न्या	ऽ	ई	आँ	ऽ	ख	ब	हा	ऽ	वे	ऽ	आँ	ऽ	सू	ऽ
स	–	ग	म	प	प	प	ध	प	ध	न	सं	न	ध	प	ध
को	ऽ	म	ल	म	न	कु	म्ह	ला	ऽ	ऽ	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ

तुम बिन कल न आवे मोहे तुम बिन·······················।

47—B- N- B-

बनूंगी जोगनियाँ बनूंगी·······!

ग्रेट इन्डिया पिक्चर्स		ताल		गायिका
"अकेला"	卐 卐	'कहरवा'	卐 卐	मिस बिब्बो

हां रे, बनूंगी जोगनियां बनूंगी।
लेके कमण्डल फिरूंगी मैं बन-बन, तन मन की माया तजूंगी।
रँगूंगी चुन्दरिया साजन के रंग में, भजूंगी उन्हीं को भजूंगी॥ हां रे बनूंगी···॥
रूँठा है मुझसे मेरा सँवरिया, बीतेगी यूँ ही सारी उमरिया।
रोया करूँगी जल-जल मरूंगी, बनूंगी जोगनियां बनूंगी॥

×				×				×				×			
*	स	ध़	ऩ	स	स	–	ग	ग	रे	–	ऩ	ऩस	रे	स	–
*	हां	रे	ब	नूं	गी	ऽ	जो	गनि	यां	ऽ	ब	नूं	ऽ	गी	ऽ

-	प	प	प	प	-	प	प	*	पध	प	ध	म	प	ग	म
ऽ	ले	के	क	मं	ऽ	ड	ल	*	फिरूं	गी	मैं	ब	न	ब	न
*	म	म	म	म	गम	प	म	र	-	स	-	-	-	-	-
*	तन	मन	की	मा	याऽ	ऽ	त	जूं	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	ग	ग	ग	ग	म	म	-	म	म	-	म	ग	प	म,	ध
रं	गूं	गी	चु	न	रि	या	ऽ	सा	जन	ऽ	के	रं	ग	में,	भ
ध	ध	-	म	मप	प	-	ग	र	-	म	ग	-	-	-	-
जूं	गी	ऽ	उ	न्हींऽ	को	ऽ	भ	जूं	ऽ	ऽगी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

हां रे बनूंगी जोगनियाँ बनूंगी..........।

*	ग	ग	ग	र	म	ग	-	सर	ग	-	र	स	न	स	-
*	रूँ	ठा	है	मु	झ	से	ऽ	मेऽ	रा	ऽ	सँ	व	लि	या	ऽ
*	प	प	प	मप	न	ध	प	मप	म	ध	प	ग	र	ग	-
*	बी	ते	गी	यांऽ	ऽ	ही	ऽ	साऽ	ऽ	री	उ	म	रि	या	ऽ
*	म	म	म	गम	मं	म	-	र	ग	-	र	स	न	स,	धन
*	रो	या	क	रूंऽ	ऽ	गी	ऽ	जल	जल	ऽ	म	रूं	ऽ	गी,	बऽ
स	स	-	र	ग	र	-	न	नस	र	-	-	स	-	-	-
नूं	गी	ऽ	जो	गनि	याँ	ऽ	ब	नूंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ

देखो कह दूँगी, तुम्हारे......!

बॉम्बे टाकीज़ फ़िल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
"झूला"	卐 卐	"कहरवा"	卐 卐	लीलाचिटनिस, अशोककु०

एक बात बताओ हमें गोरी कहो किसने सिखाई तुम्हें चोरी, हो गोरी।
किसने सिखाई तुम्हें चोरी ॥
एक चोर से मेरा नाता, वह मेरी गली में आता।
हां उसने सिखाई हमें चोरी, हां-हां उसने सिखाई हमें चोरी ॥
देखो कह दूंगी, हां-हां देखो कह दूंगी, तुम्हारे मन की बतियां।
तुमने चोरी-चोरी भेजीं हमें पतियां ॥ देखो..............॥
चोरी पै सीना जोरी, हमसे करो ना गोरी।
दे दो हमारी हमको पतियां ॥ देखो..............॥
बातें बनाना छोड़ो, चोरी छिपाना छोड़ो।
हमरी गली में देखो, तुम कल से आना छोड़ो।
वरना हँसेंगी हमारी सखियां ॥ देखो..............॥
मीठी-मीठी बातों में, हमको लुभाया तुमने।
भोला-सा मन हमारा, चंचल बनाया तुमने।
बड़ी रसीली हैं तुम्हारी अँखियां ॥ देखो..............॥
छोड़ो ये बातें गोरी, आओ-आओ किशोरी।
तुमने की हमसे चोरी, हमने की तुमसे चोरी।
आओ बसालें दिल की दुनियां ॥ देखो..............॥

+				।				+				।			
प़	-स	-	स	स	र	ऩ	ऩ	ऩ	स	रग	सर	-	-	र	ग
ए	कबा	ऽत	ब	ता	ओ	ह	में	गो	ऽ	रीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	क	हो
स	-र	-	म	ग	र	स	र	स	ऩ	-	प़	ऩ	स	र	-
कि	सने	ऽ	सि	खा	ई	तु	म्हें	चो	री	ऽ	हो	गो	ऽ	री	ऽ
स	-र	-	म	ग	र	स	र	ऩ	स	स	-	-	-	-	-
कि	सने	ऽ	सि	खा	ई	तु	म्हें	चो	ऽ	री	ऽ	*	*	*	*

स	र	-	र	र	म	म	-	म	प	प	-	*	*	प	-
एक	चो	ऽर	से	मे	ऽ	ग	ऽ	ना	ऽ	ता	ऽ	*	*	वो	ऽ
*	प	प	म	मप	ध	प	-	म	-	ग	-	र	-	स	*
*	मे	री	ग	लीऽ	ऽ	में	ऽ	आ	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	हां	*
ऩ	स	*	स	स	र	ऩ	ऩ	ऩ	स	ऩस	रग	र	-	र	ग
उस	ने	*	सि	खा	ई	ह	में	चो	ऽ	रीऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	हाँ	हाँ
स	र	*	म	ग	र	स	र	ऩ	स	स	-	-	-	-	-
उस	ने	*	सि	खा	ई	ह	में	चो	ऽ	री	ऽ	*	*	*	*

दुगुन कहरवा

														स	स
														दे	खो
+				+				+				+			
सर	म	म	*	ग	ग	र	स	सर	म	म	म	ग	ग	र	स
कह	दूं	गी	*	हां	हां	दे	खो	कह	दूं	गी	तु	म्हा	रे	म	न
सर	सऩ	ध़	ऩ	स	-	म	म	गम	म	म	म	प	म	*	म
कीऽ	ऽऽ	ब	ति	यां	ऽ	तुम	ने	चोऽ	री	चो	री	मे	जी	*	ह
रग	रम	म	ग	रग	रस	स	स	सर	म	म	*	ग	ग	र	स
मेंऽ	ऽऽ	प	ति	यांऽ	ऽऽ	दे	खो	कह	दूं	गी	*	हां	हां	दे	खो
सर	म	म	म	ग	ग	र	स	सर	सऩ	ध़	ऩ	स	-	-	-
कह	दूं	गी	तु	म्हा	रे	म	न	कीऽ	ऽऽ	ब	ति	यां	ऽ	*	*

*	स	ध	न	स	र	न	स	*	ग	र	म	र	ग	स	सर
*	चो	री	पै	सी	ना	जो	री	*	हम	से	क	रो	ना	गो	रीऽ
ग	स	ध	न	स	र	न	स	*	ग	र	म	र	ग	स	स
ऽ	चो	री	पै	सी	ना	जो	री	*	हम	से	क	रो	ना	गो	री
*	म	म	म	प	ध	ध	ध	पध	प	म	म	गम	रग	र	स
*	दे	दो	ह	मा	री	ह	म	कोऽ	ऽ	प	ति	यांऽ	ऽऽ	दे	खो
सर	म	म	–	सर	म	म	–	*	म	म	म	प	ध	ध	ध
कह	दूं	गी	ऽ	*	*	*	*	*	दे	दो	ह	मा	री	ह	म
पध	प	म	म	गम	रग	र	स								
कोऽ	ऽ	प	ति	यांऽ	ऽऽ	दे	खो	कह दूंगी तुम्हारे मन की………!							
*	म	ग	म	प	ध	म	प	*	ध	ध	न	प	ध	म	प
*	बा	तें	ब	ना	ना	छो	ड़ो	*	चो	री	छि	पा	ना	छो	ड़ो
*	म	म	म	प	ध	ध	प	*	म	म	म	र	ग	र	स
*	हम	री	ग	ली	में	दे	खो	*	तुम	कल	से	आ	ना	छो	ड़ो
*	म	म	म	स	मप	म	म	रग	रस	म	ग	रग	रस	स	स
*	वर	ना	हूँ	सैं	गीऽ	ऽ	ह	माऽ	रीऽ	स	खि	यांऽ	ऽऽ	दे	खो
सर	म	म	*	ग	ग	र	स								
कह	दूं	गी	*	हां	हां	दे	खो	कह दूंगी तुम्हारे मन की बतियाँ………।							

*	स	न्	स	र	ग	स	र	*	र	र	ग	म	ध	प	प
*	मी	ठी	मी	ठी	बा	तों	में	*	हम	को	भु	ला	या	तुम	ने
*	ध	ध	ध	पध	–सं	न	ध	*	ध	पप	प	म	ध	प	प
*	भो	ला	सा	मऽ	नूह	मा	रा	*	च	ञ्चल	ब	ना	या	तुम	ने
*	म	म	म	प	ध	ध	ध	प	प	म	म	गम	रग	र	स
*	ब	ड़ी	र	सी	ली	हैं	तु	म्हा	री	अं	खि	याँऽ	ऽऽ	दे	खो
सर	म	म	–	सर	म	म	–	*	म	म	म	प	ध	ध	ध
कह	दूं	गी	ऽ	*	*	*	*	*	ब	ड़ी	र	सी	ली	हैं	तु
प	प	म	म	गम	रग	र	स								
म्हा	री	अँ	खि	यांऽ	ऽऽ	दे	खो	कह दूंगी तुम्हारे मन की………………।							
*	म	म	प	न	न	सं	सं	*	रं	रं	सं	रं	न	सं	सं
*	छो	ड़ो	ये	बा	तें	गो	री	*	आ	वो	आ	वो	कि	शो	री
*	सं	सं	सं	सं	रं	सं	न	*	ध	ध	म	प	न	ध	प
*	तुम	ने	की	हम	से	चो	री	*	हम	ने	की	तुम	से	चो	री
*	सं	सं	सं	न	न	ध	ध	पध	प	म	म	गम	रग	र	स
*	आ	वो	ब	सा	लें	दि	ल	कीऽ	ऽ	दु	नि	यांऽ	ऽऽ	दे	खो
सर	म	म	–	सर	म	म	–	*	सं	सं	सं	न	न	ध	ध
कह	दूं	गी	ऽ	*	*	*	*	*	आ	वो	ब	सा	लें	दि	ल

पध	प	म	म	गम	रग	र	स	सर	म	म	म	ग	ग	र	स
कीऽ	ऽ	ढु	नि	यांऽ	ऽऽ	दे	खो	कह	दूं	गी	तु	म्हा	रे	म	न

की बतियाँ·····························।

49—N. P. K

बिरहिन जागे आधी रात·····!

सिरको प्रोडक्शन		ताल		गायिका
"स्वामी"		तीनताल		"राजकुमारी"

बिरहिन जागे आधी रात, कौन सुने अब बात।
जिसने प्रीतम से मुँह फेरा, उसका सूना साँझ सवेरा।
वह क्या सोवे वह क्या जागे, नैन भरी बरसात ॥ बिरहिन···॥
फूल भरी सेजों पै सजनी, कांटे खटक रहे हैं।
किस बेदर्दी के दर्शन को, नैना भटक रहे हैं ॥
सब कुछ अपना खो बैठी तू, हँसते-हँसते रो बैठी तू।
आज अकेली हो बैठी तू—अब काहे पछतात ॥ बिरहिन···॥

२				०				३				×			
											ग				
स	सर	सन्	न्स	रग	–	–	गमप	प	मग	(म)	सन्	स	–	–	स
बि	रऽ	हिऽ	नऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	जाऽऽ	गे	आऽ	ऽ	धीऽ	रा	ऽ	ऽ	त
स	प	प	प	प	–	प	पध	(म)	–	(म)	–	ग	(म)	ग	–स
कौ	ऽ	न	सु	ने	ऽ	अ	बऽ	बा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽत
											ग				
प	पसं	प	मप	मग	(म)	ग	गमप	प	मग	(म)	सन्	स	–	–	स
बि	रऽ	हि	नऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	जाऽऽ	गे	आऽ	ऽ	धीऽ	रा	ऽ	ऽ	त

*	सप	प	–	*	प	प	प	*	पध	प	म	गम	–ग	मप	(प)
*	जिस	ने	ऽ	*	प्री	त	म	*	सेऽ	मुँ	ह	फेऽ	ऽऽ	राऽ	ऽ

*	स	ग	स	सग	मप	प	–	*	मपध	–न	सं	नध	न	पध	मप
*	उ	स	का	सृऽ	ऽऽ	ना	ऽ	*	सांऽऽ	ऽफ़	स	वेऽ	ऽ	राऽ	ऽऽ

*	म	–	पध	न	–	सं	–	*	नसं	नसं	रंगं	रंसं	रं	संन	(सं)
*	वो	ऽ	क्याऽ	सो	ऽ	वे	ऽ	*	वोऽ	क्याऽ	ऽऽ	जाऽ	ऽ	गेऽ	ऽ

न	–	न	न	न	–	सं	रं	संन	(सं)	पम	(प)	मग	(म)	ग	–
नै	ऽ	न	भ	री	ऽ	व	र	साऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	त	ऽ

(लय बढ़ाकर)

*	स	प	प	प	–	प	म	प	ध	न	ध	प	ध	म	प
*	फ़	ऽल	भ	री	ऽ	से	ऽ	जों	ऽ	प	र	स	ज	नी	ऽ

*	प	न	प	ग	स	ग	स	गम	प	प	–	–	–	–	–
*	कां	ऽ	टे	ख	ट	क	र	हेऽ	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	प	न	न	न	न	न	प	*	पन	सं	रं	संन	संन	पम	(प)
*	कि	स	वे	द	र	दी	ऽ	*	केऽ	द	र	शऽ	ऽन	कोऽ	ऽ

*	प	न	प	ग	स	ग	स	गम	प	प	–	–	–	–	–
*	नै	ऽ	ना	भ	ट	क	र	हेऽ	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	म	प	ध	न	न	सं	–	*	न	सं	रं	संन	(सं)	प	म
*	सब	कु	छ	अ	प	ना	ऽ	*	खो	बै	ऽ	ठीऽ	ऽ	तू	ऽ
*	म	प	ध	न	न	सं	–	*	न	सं	रं	संन	(सं)	प	म
*	हँस	ते	ऽ	हँ	स	ते	ऽ	*	रो	बै	ऽ	ठीऽ	ऽ	तू	ऽ
*	रं	रं	रं	रं	–	संरं	गं	*	रंसं	न	प	पन	संरं	संन	(सं)
*	आ	ज	अ	के	ऽ	लीऽ	ऽ	*	होऽ	बै	ऽ	ठीऽ	ऽऽ	तूऽ	ऽ
*	न	न	–	न	–	सं	रं	संन	(सं)	–	–	प	–	म	ग
*	अब	का	ऽ	हे	ऽ	प	छ	ताऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	त
*	सग	म	प	मग	(म)	स	न	स	–	–	–	*	*	*	*
*	अब	का	ऽ	हेऽ	ऽ	प	छ	ता	ऽ	ऽ	त	*	*	*	*

बिरहिन जागे आधी रात…………!

50--B N. B

भुलाना ना याद करो………!

मुरली मोवीटोन	* *	ताल	* *	गायक
फिल्म "प्यास"	* *	"कहरवा"	* *	'स्नेहप्रभा व ईश्वरलाल'

भुलाना ना, याद करो न करो।
आज के वायदे पै कहदो कल-कल।
क़सम हमारी आंख से ओझल, ओ जाना ना, याद करो न करो॥
जो दिल लिया है दग़ा न करना, वफ़ा के बदले वफ़ा ही करना।
रुलाना ना, याद करो न करो……………………………॥
विरहा की रतियां कटें नाहीं मोसे, छोटासा दिल मोरा लागा तोसे।
सताना ना, याद करो न करो……………………………॥

स्वरलिपि☞

+				।				+				।			प्
															भु
ध्	स	स	र	रग	-	ग	-	स	र	-	स	रग	ग	-	र
ला	ऽ	ना	ऽ	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	या	दऽ	क	रोऽ	ना	ऽ	क
स	-	-	-	ध्	न्	ध्	प्	ध्	स	स	र	रग	-	ग	-
रो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	भु	ला	ना	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	-	स	रग	ग	-	र	स	-	-	-	ध्	न्	ध्	प्
ऽ	या	ऽद	क	रोऽ	ना	ऽ	क	रो	ऽ	ऽ	ऽ	(बाजा)...	...	...	...
ध्	स	-	र	रग	-	ग	-	स	र	-	स	रग	ग	-	र
...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
स	-	-	-	स	ग	ग	-	-	सर	ग	ग	ग	-	ग	स
...	...	...	...	...	...	...	...	...	आऽ	ऽज	के	वा	य	दों	पे
-	र	र	ग	र	-	स	-	ग	सर	ग	ग	ग	-	ग	स
ऽ	क	ह	दो	क	ऽल	क	ऽल	ऽ	आऽ	ऽज	के	वा	य	दों	पे
-	र	र	ग	र	-	स	-	*	म	म	म	म	-	गम	प
ऽ	क	ह	दो	क	ऽल	क	ऽल	*	कु	सम	ह	मा	ऽ	रीऽ	ऽ

ग	ग	-	स	र	-	स	-	प़	ध़	स	र	रग	-	ग	-
ऽ	आं	ऽख	से	ओ	ऽ	झ	ऽल	ओ	जा	ऽ	ना	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	-	स	रग	ग	-	र	स	-	गग	रस	ध़स	ऩध़	ऩध़	प़
ऽ	या	ऽद	क	रोऽ	ना	ऽ	क	रो	ऽ	ओऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
प़	ध़	स	र	रग	-	ग	-	स	र	-	स	रग	ग	-	र
भु	ला	ऽ	ना	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽद	क	रोऽ	ना	ऽ	क
स	-	-	-	ध़	ऩ	ऩध़	प़	ध़	स	-	र	रग	-	ग	-
रो	ऽ	ऽ	ऽ	(बाजा)…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…
स	र	-	स	रग	ग	-	र	स	-	-	-	ग	प	प	-
गप	प	-	प	प	ध	(प)	-	*	ग	ग	स	र	र	स	-
जोऽ	दि	ऽल	लि	या	ऽ	है	ऽ	*	द	ग़ा	न	क	र	ना	ऽ
र	र	ग	ग	म	म	प	प	प	प	-	प	प	ध	(प)	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	जो	दि	ऽल	लि	या	ऽ	है	ऽ
*	ग	ग	स	र	र	स	-	म	म	-	म	म	म	गम	प
*	द	ग़ा	न	क	र	ना	ऽ	व	फ़ा	ऽ	के	ब	द	लेऽ	ऽ
ग	ग	ग	स	र	र	स	-	प़	ध़	स	र	रग	-	ग	-
ऽ	व	फ़ा	ही	क	र	ना	ऽ	रु	ला	ऽ	ना	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ

स	र	-	स	रग	ग	-	र	स	-	गग	रस	ध़स	ऩध़	ऩध़	प़
ऽ	या	ऽइ	क	रोऽ	ना	ऽ	क	रो	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ

प़	ध़	स	र	रग	-	(र) ग	-	स	र	-	स	रग	ग	-	र
भु	ला	ऽ	ना	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽइ	क	रोऽ	ना	ऽ	क

स	-	-	-	ध़ऩ	ध़ऩ	ध़ऩ	प़	ध़	स	-	र	रग	-	(र) ग	-
रो	ऽ	ऽ	ऽ	(बाजा)…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…

स	र	-	स	रग	ग	-	र	स	-	-	-	-	-	-	-

ग	ग	गसि	स	ऩ	ऩ	ध़प़	प़	ध़	स	-	र	सर	ग	र	-
बि	र	हाऽ	की	र	ति	यांऽ	क	टे	ना	ऽ	हीं	मोऽ	ऽ	से	ऽ

(ग) र	-	-	-	-	-	-	-	ग	ग	गसि	स	ऩ	ऩ	ध़प़	प़
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	बि	र	हाऽ	की	र	ति	यांऽ	क

ध़	स	-	र	सर	ग	र	-	*	प	प	प	म	-	ग	ग
टे	ना	ऽ	हीं	मोऽ	ऽ	से	ऽ	*	छो	टा	सा	दि	ऽल	मो	रा

स	र	-	ग	र	-	स	-	प़	ध़	स	र	रग	-	(र) ग	-
ऽ	ला	ऽ	गा	तो	ऽ	से	ऽ	स	ता	ऽ	ना	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ

स	र	-	स	रग	ग	-	र	स	-	गग	रस	ध़स	ऩध़	ऩध़	प़
ऽ	या	ऽइ	क	रोऽ	ना	ऽ	क	रो	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ

प़	ध़	स	र	रग	–	ग	–	स	र	–	स	रग	ग	–	र
स	ता	ऽ	ना	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	या	ऽद	क	रोऽ	ना	ऽ	क

स	–	–	–	ध़	ऩ	ध़	प़	
रो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भुलाना ना याद करो ना करो······।

51—N P K.

ये खेल तमाशा दो दिन का··!

पैरामाउन्ट फ़िल्म	ताल	गायक
"सरकस की सुन्दरी"	"कहरवा"	'ख़ान मस्ताना व कमला'

ये खेल तमाशा दो दिन का, भाई खेल तमाशा दो दिन का।
ये ताना-बाना दो दिन का, ये हँसना-गाना दो दिन का॥
ये रौनक़ प्यारी दो दिन की, ये महल अटारी दो दिन की।
क्या ठौर ठिकाना है इनका॥ ये खेल························॥
चलते-फिरते सौदागर हम, जहां डाल दें अपना डेरा,
वहीं बसादें एक नगर, हम पंछी हैं परमेश्वर के।
ले जाते हैं चुन-चुन कर के, अपना-अपना तिनका-तिनका॥
ये खेल तमाशा दो दिन का·····································॥

स्वरलिपि

																स
																ये
+				।				+				।				
प	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	*	*	स	र	
खे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल	*	*	ये	ऽ	

प	–	–	प	प	–	प	म	प	ध	ध	ध	प	–	म	–
खे	ऽ	ऽल	त	मा	ऽ	शा	ऽ	दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	भा	ई
ग	–	–	ग	र	–	स	–	स	र	र	ग	र	–	स	र
खे	ऽ	ऽल	त	मा	ऽ	शा	ऽ	दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	ये	ऽ
प	–	–	–	–	–	स	र	प	–	–	प	प	–	प	म
खे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ये	ऽ	खे	ऽ	ऽल	त	मा	ऽ	शा	ऽ
प	ध	ध	ध	प	–	म	–	ग	–	–	ग	र	–	स	–
दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	भा	ई	खे	ऽ	ऽल	त	मा	ऽ	शा	ऽ
स	र	र	ग	र	–	स	र	ध	–	ध	–	ध	–	ध	प
दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	ये	ऽ	ता	ऽ	ना	ऽ	बा	ऽ	ना	ऽ
ध	न	न	सं	न	–	न	–	ध	ध	ध	–	ध	–	धप	म
दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	ये	ऽ	हँ	स	ना	ऽ	गा	ऽ	नाऽ	ऽ
म	प	म	ध	(प)	–	प	म	म	–	म	म	म	–	म	–
दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	ये	ऽ	रौ	ऽ	न	क़	प्या	ऽ	री	ऽ
म	ग	ग	प	म	–	म	ग	ग	ग	ग	ग	ग	–	ग	र
दो	ऽ	दि	न	की	ऽ	ये	ऽ	म	ह	ल	अ	टा	ऽ	री	ऽ
ऩ	स	र	ग	र	–	स	–	र	म	म	म	प	–	ध	प
दो	ऽ	दि	न	की	ऽ	क्या	ऽ	ठौ	ऽ	र	ठि	का	ऽ	ना	ऽ

प	म	म	ध	प	–	स	र	प	–	–	–	–	–	स	र
है	ऽ	इ	न	का	ऽ	ये	ऽ	खे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ये	ऽ
प	–	–	प	प	–	प	म	प	ध	ध	ध	प	–	म	–
खे	ऽ	ऽल	त	मा	ऽ	शा	ऽ	दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	भा	ई
ग	–	–	ग	र	–	स	–	स	र	र	ग	र	–	र	ध
खे	ऽ	ऽल	त	मा	ऽ	शा	ऽ	दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	च	ऽल
ध	–	ध	ध	ध	–	ध	–	ध	सं	सं	सं	सं	–	नसं	रं
ते	ऽ	फि	र	ते	ऽ	सौ	ऽ	दा	ऽ	ग	र	ह	ऽम	चऽ	ऽल
रं	–	रं	रं	संरं	संन	ध	न	न	सं	सं	सं	सं	–	नसं	रं
ते	ऽ	फि	र	तेऽ	ऽऽ	सौ	ऽ	दा	ऽ	ग	र	ह	ऽम	चऽ	ऽल
रं	–	रं	रं	संरं	संन	ध	न	न	सं	सं	सं	–	–	*	*
ते	ऽ	फि	र	तेऽ	ऽऽ	सौ	ऽ	दा	ऽ	ग	र	ऽ	ऽ	*	*
रं	रं	–	रं	–	रं	रं	–	रं	मं	मं	गं	गं	रं	रं	सं
ज	हां	ऽ	डा	ऽ	ल	दें	ऽ	अ	प	ना	ऽ	डे	ऽ	रा	ऽ
सं	रं	–	सं	न	–	ध	प	प	ध	ध	सं	सं	–	–	–
व	हीं	ऽ	ब	सा	ऽ	दें	ऽ	ए	ऽ	क	न	ग	ऽ	ऽ	र
रं	रं	–	रं	–	रं	रं	–	रं	मं	मं	गं	गं	रं	रं	सं
ज	हां	ऽ	डा	ऽ	ल	दें	ऽ	अ	प	ना	ऽ	डे	ऽ	रा	ऽ

सं	रं	–	सं	न	–	ध	प	प	ध	ध	सं	सं	–	न	–
ब	हीं	ऽ	ब	मा	ऽ	हैं	ऽ	ए	ऽ	क	न	ग	ऽर	ह	ऽम
न	–	(सं)	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	न	–
पं	ऽ	छी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	ऽम
न	–	नसं	रं	रं	सं	सं	न	न	–	ध	ध	प	–	प	म
पं	ऽ	छीऽ	ऽ	हैं	ऽ	प	र	मे	ऽ	श्व	र	के	ऽ	ले	ऽ
म	प	प	–	प	ध	ध	सं	सं	न	न	ध	प	–	न	न
जा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	चु	न	चु	न	क	र	के	ऽ	ह	म
न	सं	सं	रं	रं	सं	सं	न	न	–	ध	ध	प	–	प	म
प	न	छी	ऽ	हैं	ऽ	प	र	मे	ऽ	श्व	र	के	ऽ	ले	ऽ
म	प	प	–	प	ध	ध	सं	सं	न	न	ध	प	–	प	म
जा	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	चु	न	चु	न	क	र	के	ऽ	अप	ना
प	ध	ध	प	प	म	म	ग	ग	र	र	–	प	प	प	म
अ	प	ना	ऽ	ति	न	का	ऽ	ति	न	का	ऽ	अ	प	ना	ऽ
प	ध	ध	प	प	म	म	ग	ग	र	र	–	–	–	र	स
अ	प	ना	ऽ	ति	न	का	ऽ	ति	न	का	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ
स	रं	र	र	र	ग	र	स	स	र	र	ग	र	–	स	र
खे	ऽ	ल	त	मा	ऽ	शा	ऽ	दो	ऽ	दि	न	का	ऽ	ये	ऽ

प	–	–	–	–	–	स	र	
खे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ल	ये	ऽ	खेल तमाशा..........................!

52—N. P. K.

आँख मूँद कर ध्यान..........!

न्यू थियेटर्स फ़िल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"नर्तकी"	卐 卐	'कहरवा'	卐	लीला देसाई

आँख मूँद कर ध्यान ! मूरख आँख मूँद कर ध्यान।
इधर-उधर काहे ताकत है ? आँख मूंद कर ध्यान...॥
बन परवत फुलवारी, उजियारी—अँधियारी ।
ये सब हैं आकारी, निराकार को मान। मूरख आँख...॥
वोही जगत को तारे, सुन्दर रूप संवारे ।
उन्हीं अँखियन दिया बारे, ज्ञानी हो तो निहारे ॥
बिना गुरू नहीं ज्ञान। आँख मूँद कर..............॥
सकल विकार मिटावे, मन में खोज लगावे ।
यहीं मन्दिर बन जावे, यहीं काशी खिच आवे ॥
भक्ति चाहे भगवान ॥ आँख मूँद कर..............॥

+				।				+				।			
प	म	म	म	ग	स	र	ऩ	स	–	–	स	सर	ग	स	र
आँ	ऽ	ख	मूँ	ऽ	द	क	र	ध्या	ऽ	ऽ	न	मूऽ	ऽ	र	ख
प	म	म	म	ग	स	र	ऩ	स	–	–	–	–	स	*	*
आँ	ऽ	ख	मूँ	ऽ	द	क	र	ध्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न	*	*
स	म	म	म	म	म	र	म	म	प	प	म	प	ध	ध	प
इ	ध	र	उ	ध	र	का	ऽ	हे	ऽ	ता	ऽ	क	त	है	ऽ

–	–	–	–	ध प	–	प	म	म	म	म	म	म	म	र	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	इ	ध	र	उ	ध	र	का	ऽ
म	प	प	सं	न॒	ध	प	–	प	ध	प	प	म	म	म	ग
हे	ऽ	ता	ऽ	क	त	है	ऽ	आं	ऽ	ख	मूं	ऽ	द	क	र
ग	र	–	–	–	–	–	–	प	म	म	म	ग	स	र	ऩ
ध्या	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	आं	ऽ	ख	मूं	ऽ	द	क	र
स	–	–	स	सर	ग	स	र	प	म	म	ग	–	स	र	ऩ
ध्या	ऽ	ऽ	न	(बाजा)		...	...	...	...	...	...	...	...	...	...
स	–	–	–	–	–	–	–	प	प	प	प	ध	प	धन	प
...	...	...	...	...	...	...	...	ब	न	प	र	व	त	फुऽ	ल
ध	न	न	–	–	–	–	–	न	न	न	–	न	प	ध	न
वा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उ	जि	या	ऽ	री	ऽ	अं	धि
न	सं	सं	–	–	–	न	सं	न	न	न	न	न	प	धन	प
या	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ब	न	प	र	व	त	फुऽ	ल
ध	न	न	–	–	–	–	–	न	न	न	–	न	प	ध	न
वा	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	उ	जि	या	ऽ	री	ऽ	अं	धि
न	सं	सं	–	–	–	*	*	न	–	न	न	*	न	–	सं
या	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	मे	ऽ	स	ब	*	हैं	ऽ	आ

ध	सं	सं	–	न	–	–	–	धसं	नध	पम	गम	प	–	*	*
का	ऽ	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	*	*
प	प	–	प	–	प	प	म	प	प	ध	ध	न	सं	न	ध
नि	रा	ऽ	का	ऽ	र	को	ऽ	मा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	–	–	–	मप	मग	र	प	प	म	म	म	ग	स	र	ऩ
ऽ	ऽ	ऽ	न्	मूऽ	ऽऽ	र	ख	आं	ऽ	ख	मूं	ऽ	द	क	र
स	–	–	स	सर	ग	स	र	प	म	म	ग	–	स	र	ऩ
ध्या	ऽ	ऽ	न	(बाजा)	···	···	···	···	···	···	···	···	···	···	···
स	–	–	–	–	–	–	–	ध	न	सं	–	–	–	पध	न
···	···	···	···	···	···	···	···	वो	ऽ	ही	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ऽ
रं	–	–	–	सं	सं	न	न	ध	ध	–	न	ध	ध	पध	नसं
ही	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वो	ही	ऽ	ज	ग	त	कोऽ	ऽऽ
न	–	ध	–	–	–	ध	प	प	ध	प	न	ध	प	ग	म
ता	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	सु	ऽ	न्द	र	रू	ऽ	प	सं
प	प	ध	ध	न	सं	न	ध	प	ध	प	न	ध	प	ग	म
वा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सु	ऽ	न्द	र	रू	ऽ	प	सं
म	प	प	–	–	–	–	–	स	स	स	स	स	स	स	स
वा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	*	*	*	उ	न्हीं	आँ	खि	य	न	दि	या

सर	गम	म	–	–	–	–	–	म	–	म	–	म	–	म	म
वाऽ	ऽऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	ज्ञा	ऽ	नी	ऽ	हो	ऽ	तो	नि
म	–	न	ध	सं	–	–	न	न	न	–	न	न	–	प	न
हा	ऽ	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	वि	ना	ऽ	गु	रू	ऽ	न	हीं
न	–	–	–	–	–	–	–	ध	ध	–	ध	प	–	म	ध
ज्ञा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	वि	ना	ऽ	गु	रू	ऽ	न	हीं
पध	मप	–	–	पम	गर	सर	प								
ज्ञाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽन	आंख मूंद कर ध्यान………।							
स	र	स	ग	र	स	न	स	ध	न	स	–	–	–	–	–
स	क	ल	वि	का	ऽ	र	मि	टा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
स	ग	ग	–	ग	–	म	प	मग	रग	म	–	म	ग	म	स
म	न	में	ऽ	खो	ऽ	ज	ल	गाऽ	ऽऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
स	र	स	ग	र	स	न	स	ध	न	स	–	–	–	–	–
स	क	ल	वि	का	ऽ	र	मि	टा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
स	ग	ग	–	ग	–	म	प	मग	रग	म	–	–	–	–	–
म	न	में	ऽ	खो	ऽ	ज	ल	गाऽ	ऽऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
म	प	प	–	प	प	ग	म	प	ध	पध	न	ध	न	नध	प
य	हीं	मं	ऽ	दि	र	ब	न	जा	ऽ	वेऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ

प	ध	प	न॒	ध	प	म	प	ग	म	प	-	सं	न॒	ध	-
य	हीं	का	ऽ	शी	ऽ	बि	च	आ	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	न॒	ध	प	म	प	ग	म	प	-	-	-	-	-
य	हीं	का	ऽ	शी	ऽ	बि	च	आ	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
न	न	न	न	-	न	न	न	न	सं	-	-	-	-	-	-
भ	ग	ति	चा	ऽ	है	भ	ग	वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	-	-	-	-	-	-	न	न	न	न	-	न	न	सं
ऽ	ऽ	ऽ	न्	*	*	*	*	भ	ग	ति	चा	ऽ	है	भ	ग
सं	रें	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्	*	*	*	*
न	न	न	न	-	न	न	सं	रें	गं॒	-	-	-	-	-	सं
भ	ग	ति	चा	ऽ	है	भ	ग	वा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
सं	रें	-	-	-	-	-	न	न	सं	-	-	-	-	-	-
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	न्

क्यूँ करता मूरख आशा......!

नेशनल स्टूडियोज़ फ़िल्म	ताल	गायक
'बहिन'	"कहरवा"	अनिल विस्वास व देवकुमार

सब कहां कुछ लालाओ गुल में नुमायां हो गईं ।
ख़ाक में क्या सूरतें होंगी, कि पिनहां हो गईं ॥
क्यूं करता मूरख आशा, झूंठी है तेरी अभिलाषा । क्यूं करता...॥
जिस बाग़ में थी हरियाली, है आज वहां पामाली ।
मुँह ढाँपे रोता माली, दुनियां का यही तमाशा ॥ क्यूँ करता...॥

(बिना ताल)

स स र रग म - - - - - - - * * म म म म
स ब क हांऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * * कु छ ला ला

मप ध.म पध प म म म मप ध - - - - - - पध पम
ओऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ गु ल मेंऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽऽ

गर स - * स स र सर गम पध मग र स ऩ स र
ऽऽ ऽ * * नु मा ऽ यांऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ हो ग

सऩ स - - - - - - म प प धम प - - - - -
ईंऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * * * ख़ा ऽ क मेंऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

स - प - प - ध पध सं - - - नसं नध प पध
* * क्या ऽ सू ऽ र तेंऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽ होंऽ

म	–	–	–	गम	गर	सर	सन	धन	–	–	–	स	स	स
गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि	पि	न

सर	ग	–	–	–	र	–	गम	पध	धप	मग	र	स	न	स	र
हांऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	हो	ग

सन	स	–	–	–	–	–	–
ईंऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*

ताल शुरू

														स	न
														क्यूं	ऽ
+				।				+				।			
स	र	र	–	र	–	र	स	न	स	स	–	–	–	स	न
क	र	ता	ऽ	मू	ऽ	र	ख	आ	ऽ	शा	ऽ	ऽ	ऽ	क्यूं	ऽ
स	र	र	–	र	–	र	स	न	स	स	–	–	–	स	र
क	र	ता	ऽ	मू	ऽ	र	ख	आ	ऽ	शा	–	ऽ	ऽ	क्यूँ	ऽ
म	–	म	म	म	–	म	म	ग	–	ग	म	गम	स	स	न
ठी	ऽ	है	ते	री	ऽ	अ	भि	ला	ऽ	षा	ऽ	ऽऽ	ऽ	क्यूं	ऽ
स	र	र	–	र	–	र	स	न	स	स	–	–	–	प	ध
क	र	ता	ऽ	मू	ऽ	र	ख	आ	ऽ	शा	ऽ	ऽ	ऽ	जि	स
ध	–	ध	ध	प	–	म	प	ध	सं	सं	–	–	–	सं	रं
बा	ऽ	ग़	में	थी	ऽ	ह	रि	या	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ

रें	-	रें	रें	रें	-	रें	सं	न	सं	सं	-	सं	ध	प	ध
आ	ऽ	ज	ब	हां	ऽ	पा	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	जि	स
ध	-	ध	ध	प	-	म	प	ध	सं	सं	-	-	-	सं	रें
बा	ऽ	ग	में	थी	ऽ	ह	रि	या	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	है	ऽ
रें	-	रें	रें	रें	-	रें	सं	न	सं	सं	-	सं	ध	ध	प
आ	ऽ	ज	ब	हां	ऽ	पा	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मुं	ह
म	ध	ध	-	ध	-	प	-	म	प	प	ध	प	-	म	ग
डां	ऽ	पे	ऽ	गो	ऽ	ता	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	मुं	ह
म	ध	ध	-	ध	-	प	-	म	प	प	ध	प	-	म	म
डां	ऽ	पे	ऽ	गो	ऽ	ता	ऽ	मा	ऽ	ली	ऽ	ऽ	ऽ	दु	नि
न	-	-	ध	प	म	-	रे	स	-	म	-	-	-	स	न
याँ	ऽ	ऽ	का	य	ही	ऽ	त	मा	ऽ	शा	ऽ	*	*	क्यूं	ऽ

करता मूरख आशा........................।

* *

*

कित जाऊँ रे मना..........!

रणजीत फिल्म	ताल	गायिका
"शादी"	त्रिताल अथवा कहरवा (द्रुत)	खुर्शीद

कित जाऊँ रे मना।
चार सांस सुख के और दुख के, आख़िर को सपना॥ कित...॥
आगे-आगे लेचल नैया, देख कहीं मिलजायें खिवैया।
ओ मना, ओ मना, अपनी आप बना। कित जाऊँ............॥
आशा मेरी पूरन होगी, जोगिन को मिलजायेंगे जोगी।
ओ मना ओ मना, अपनी आप बना। कित जाऊँ............॥

स्वरलिपि

														स	र॒
														कि	त
+				+				+				+			
प	म	ग	र॒	स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
जा	ऊँ	रे	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	म	म	म	–	म	ग	म	प	–	प	ध॒	न॒	ध॒	प ·	म
*	चा	र	सां	ऽ	स	सु	ख	के	ऽ	औ	र	दु	ख	के	ऽ
*	न॒	ध॒	प	म	ग	स	र॒	ग	–	–	–	म	म	प	प
*	आ	खि	र	को	ऽ	स	प	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न॒	ध॒	प	म	ग	स	र॒	ग	–	–	–	–	–,	स	र॒
*	आ	खि	र	को	ऽ	स	प	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ,	कि	त

आऊँ रे मना...।

*	ध	-	ध	ध	-	ध	-	*	प	न	ध	प	म	म	प
*	आ	ऽ	गे	आ	ऽ	गे	ऽ	*	ले	च	ल	नै	ऽ	या	ऽ

ग	म	-	-	-	-	गम	पध	*	न	-	ध	न	-	-	-
आ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	*	दे	ख	क	हीं	ऽ	ऽ	ऽ

ध	सं	न	ध	प	म	गम	पध	(म)प	-	-	-	-	-	न	-
मिल	जा	य	खि	वै	ऽ	याऽ	ऽऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	सं	-	न	सं	-	-	-	*	प	ध	प	म	-	-	-
*	ओ	ऽ	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ	*	ओ	ऽ	म	ना	ऽ	ऽ	ऽ

ओ मना ओ मना (ऊपर वाली पंक्ति की पुनरुक्ति)

*	(प)न	ध	प	म	ग	स	र	ग	-	-	-	म	म	प	प
*	अ	प	नी	आ	ऽ	प	ब	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	(प)न	ध	प	म	ग	स	र	ग	-	-	-	-	-	स	र
*	अ	प	नी	आ	ऽ	प	ब	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि	त

जाऊँ रे मना……………….।

*	म	-	प	न	न	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
*	आ	ऽ	शा	मे	री	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	सं	सं	सं	सं	-	सं	रें	न	सं	-	-	-	-	-	म
*	पू	र	न	हो	ऽ	गी	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

*	म	–	ध	–	न	न	–	*	सं	सं	संरं	न	सं	सं	–
*	आ	ऽ	शा	ऽ	मे	री	ऽ	*	पू	र	नऽ	हो	ऽ	गी	ऽ
*	सं	न	ध	प	–	–	–	प	ध	प	म	ग	म	प	ध
*	जो	ग	न	को	ऽ	ऽ	ऽ	मिल	जा	ऽ	यें	गे	ऽ	जो	ऽ
म प	–	–	–	–	–	–	–	*	सं	न	ध	प	–	–	–
गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	जो	ग	न	को	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	प	म	ग	म	प	ध	म प	–	–	–	–	–	–	–
मिल	जा	ऽ	यें	गे	ऽ	जो	ऽ	गी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

* ओ मना, ओ मना, ओ मना, ओ मना, अपनी आप बना················।

55--B N. B 1-42

बोलेजा, बोलेजा तू रूप के···!

नेशनल स्टूडियोज़	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
फिल्म "आसरा"	卐 卐	"कहरवा"	卐 卐	अनिलविश्वास,स०अख्तर

बोलेजा, बोलेजा, तू रूप के पंछी बोलेजा।
रस भरदे मन के प्याले में, ऐ रूप के पंछी बोलेजा ॥
डोलेजा, डोलेजा, तू वन के बहेलिया डोलेजा।
मैं पुष्पलता बन झूमत हूँ, तू बनके बहेलिया डोलेजा ॥
है मुखड़ा तेरा लताओं में,या चांद घिरा है घटाओं में,
आ काटदे अपने बन्धन को, ये जगके बन्धन खोलेजा। तू रूप के···॥
सन-सन जो हवायें चलती हैं,आशायें मन की मचलती हैं,
दिल पड़े हैं तेरे चरणों में, हां होले-होले खोलेजा ॥ तू बन के···॥

×				×				×				×			
*	प	न	न	न	सं	न	सं	*	ध	सं	न॒	प	–	म	ग॒
*	बो	ऽ	ले	जा	ऽ	ऽ	ऽ	*	बो	ऽ	ले	जा	ऽ	तू	ऽ
म	प	प	प	प	ध	पध	नसं	नसं	न॒	धप	म	ग	–	स	ऩ
रू	ऽ	प	के	पं	ऽ	छीऽ	ऽऽ	ऽऽ	बो	ऽऽ	ले	जा	ऽ	र	स
स	ग	ग	–	ग	म	र	ग	ग	म	प	म॑	प	–	म	ग॒
भ	र	दे	ऽ	म	न	के	ऽ	प्या	ऽ	ले	ऽ	मैं	ऽ	ए	ऽ
ग	म	प	प												
रू	ऽ	प	के	पंछी बोलेजा…………(पहिले स्वरों पर)											

डोले जा, डोले जा तू……
वन के बहेलिया डोलेजा…
मैं पुष्पलता वन भ्रमत हूँ…
तू बनके बहेलिया डोलेजा…

} इन चार पंक्तियों की स्वरलिपि क्रम से उपरोक्त चार पंक्तियों की स्वरलिपि के समान है।

														न	सं
														है	ऽ
ध	न	धन	सं	न	ध	प	ग	प	–	न	–	न	–	प	–
मु	ख	ड़ाऽ	ऽ	ते	ऽ	रा	ल	ता	ऽ	ओं	ऽ	मैं	ऽ	या	ऽ
प	न	न	न	न	सं	रं	गं	न	–	रं	–	सं	–	न	सं
चाँ	ऽ	द	ग्रि	रा	ऽ	है	घ	टा	ऽ	ओं	ऽ	मैं	ऽ	आ	ऽ

सं	गं॒	गं॒	गं॒	गं॒	गं॒	गं॒	रं	न	सं	सं	गं॒	रं	–	न	–
का	ऽ	ट	दे	अ	प	ने	ऽ	बं	ऽ	ध	न	को	ऽ	ये	ऽ
न	न	न	ध	न	रं	सं	–	*	न	प	ध	प	–	म	ग॒
ज	ग	के	ऽ	बं	ऽ	ध	न	*	खो	ऽ	ले	जा	ऽ	ए	ऽ
रूप के पंछी बोलेजा, रस भरदे मन के प्याले में…………।														म	ग॒
														स	न
म	ध	ध	ध	ध	न॒	प	ध	न	सं	रं	न	सं	–	प	–
स	न	जो	ह	वा	ऽ	यें	ऽ	च	ल	ती	ऽ	हैं	ऽ	आ	ऽ
प	न	न	ध	न	सं	रं	गं	न	सं	ध	न॒	ध	–	न॒	ध
शा	ऽ	यें	ऽ	म	न	की	म	च	ल	ती	ऽ	हैं	ऽ	दि	ल
न॒	रं	–	रं	रं	गं॒	रं	सं	सं	रं	सं	गं॒	रं	–	न	–
प	ड़े	ऽ	हैं	ते	ऽ	रे	ऽ	च	र	नों	ऽ	में	ऽ	आ	ऽ
न	सं	सं	–	न	रं	सं	–	*	न	प	ध	प	–	म	ग॒
हो	ऽ	ले	ऽ	हो	ऽ	ले	ऽ	*	खो	ऽ	ले	जा	ऽ	तू	ऽ

बन के बहेलिया डोले जा, ऐ रूप के पंछी बोले जा……………….।

मेरे बिछुड़े हुये साथी........!

बौम्बेटाकीज़ फ़िल्म		ताल		गायक
"झूला"		"कहरवा"		"प्रदीप"

मेरे बिछुड़े हुये साथी, तेरी याद सतावे।
वार वार तेरी सुध आवे, विरहा अगिन जलावे॥ मेरे बिछुड़े......॥
चुपके चुपके दिल रोता है, मेरा प्यार थका सोता है॥
दूर किसी झुरमुट में कोयल, शोर मचावे। तेरी याद सतावे......॥
तुमने हँस कर हमें रुलाया, मेरी पूजा को ठुकराया।
फिर भी क्यों तसवीर तुम्हारी, हमको तरसावे॥ मेरे........॥
मेरे ग़म को कोई क्या जाने, दिल की पीड़ा को दिल पहिचाने।
तुम तो हम से दूर बसे हो, आंसू कौन लुटावे॥ मेरे........॥

स्वरलिपि

														स	स
														मे	रे
×				।				×				।			
र	ग	ग	–	*	ग	प	म	प	ध	ध	प	म	प	म	ग
बि	छु	ड़े	ऽ	*	हु	ये	ऽ	सा	ऽ	थी	ऽ	ते	ऽ	री	ऽ
र	स	स	नृ	नृ	स	र	ग	र	स	–	–	–	–	स	स
ऽ	ऽ	या	ऽ	द	स	ता	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	मे	रे
र	ग	ग	–	*	ग	प	म	प	ध	ध	प	म	प	म	ग
बि	छु	ड़े	ऽ	*	हु	ये	ऽ	सा	ऽ	थी	ऽ	ते	ऽ	री	ऽ
र	स	सं	नृ	नृ	स	र	ग	र	स	–	–	–	–	–	–
ऽ	ऽ	या	ऽ	द	स	ता	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*

स	प	प	म	प	प	प	म	प	ध	प	ध	ध	सं	सं	–
बा	ऽ	र	बा	ऽ	र	ते	ऽ	री	ऽ	सु	ध	आ	ऽ	वे	ऽ
सं	सं	सं	रं	न॒	ध	प	म	प	न॒	ध	प	म	ग	र	स
वि	र	हा	ऽ	अ	ग	ऽन	ज	ला	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे
र	ग	ग	–	*	ग	प	म	प	ध	ध	प	म	प	म	ग
बि	छु	ड़े	ऽ	*	हु	ये	ऽ	सा	ऽ	थी	ऽ	ते	ऽ	री	ऽ
र	स	स	ऩ॒	ऩ॒	स	र	ग॒	र	स	–	–	–	–	–	–
ऽ	ऽ	या	ऽ	द	स	ता	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
ग	म	ग	र	र	ग॒	र	स	स	र	स	ऩ॒	ऩ॒	स	स	–
चु	प	के	ऽ	चु	प	के	ऽ	दि	ल	रो	ऽ	ता	ऽ	है	ऽ
*	ग	–	ग	ग	–	ग	स	ग	म	प	ध	ग	–	म	–
*	मे	ऽ	रा	प्या	ऽ	र	थ	का	ऽ	सो	ऽ	ता	ऽ	है	ऽ
*	प	–	प	प	–	प	ध	न	न	सं	–	रं	सं	सं	–
*	दू	ऽर	कि	सी	ऽ	भु	र	मु	ट	में	ऽ	को	ऽ	थ	ऽल
*	*	न	सं	न	ध	प	–	प	ध	प	म	म	प	म	ग
*	*	शो	ऽ	ऽ	र	म	ऽ	चा	ऽ	वे	ऽ	ते	ऽ	री	ऽ
र	स	स	ऩ॒	ऩ॒	स	र	ग॒	र	स	–	–	–	–	स	स
ऽ	ऽ	या	ऽ	द	स	ता	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	मे	रे

बिछुड़े हुए साथी तेरी याद सतावे…………!

*	गं	-	गं	गं	गं	गं	गं	रं	रं	-	सं	सं	रं	रं	-
*	तु	ऽम	ने	हँ	स	क	र	ह	में	ऽ	रु	ला	ऽ	या	ऽ

*	ध	सं	रं	रं	-	रं	-	सं	ध	प	प	ध	सं	सं	-
*	मे	ऽ	री	पू	ऽ	जा	ऽ	को	ऽ	ठु	क	रा	ऽ	या	ऽ

*	सं	सं	रं	न	-	न	न	ध	-	-	न	ध	-	प	म
*	फि	र	भी	क्यों	ऽ	न	स	धी	ऽ	ऽर	तु	म्हा	ऽ	री	ऽ

*	प	ध	ध	ध	ध	प	म	म	प	-	-	-	-	स	स
*	ह	ऽम	को	न	र	मा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	मे	रे

बिछुड़े हुए साथी तेरी याद सतावे..........!

*	प	-	प	प	ध	ध	-	*	प	ध	प	ग	प	प	-
*	मे	ऽ	रे	ग़	ऽम	को	ऽ	*	को	ई	क्या	जा	ऽ	ने	ऽ

*	स	स	स	र	ग	-	ग	र	स	र	ग	र	स	स	-
*	दि	ल	की	पी	ड़ा	ऽ	को	दि	ल	प	हि	चा	ऽ	ने	ऽ

*	प	-	प	ध	सं	सं	-	*	सं	रं	गं	रं	-	(सं)	-
*	तु	ऽम	तो	ह	ऽम	से	ऽ	*	दू	ऽर	ब	से	ऽ	हो	ऽ

*	न	-	सं	न	ध	प	म	प	म	ग	-	ग	न	न	न
*	आं	ऽ	सू	कौ	ऽ	न	लु	टा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे

*	न	–	सं	न	ध	प	म	प	म	ग	–	–	–	स	स
*	आं	ऽ	सू	कौ	ऽ	न	छु	टा	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे

बिछुड़े हुए साथी तेरी याद सतावे…………! 57—N P. K.

नील कमल मुसकाये………!

फ़िल्म कारपोरेशन	ताल	गायिका
"चित्रलेखा"	त्रिताल या कहरवा	रामदुलारी

नील कमल मुसकाये, भँवरा झूठी क़समें खाये।
रूप पै रीझे प्रीत न जाने, मीत कहे और ना पहिचाने॥
रस चूसे उड़ जाय, पापी रस चूसे उड़ जाय।
सुन-सुन, नील कमल मुसकाय॥ भँवरा…………॥
देख पतङ्गे क्या कहते हैं, जलने वाले चुप रहते हैं।
छलिया भँवरा कली-कली को, जाकर गीत सुनाये,
रस चूसे उड़ जाय, पापी झूठी क़समें खाय॥ सुन-सुन नील…॥

×				×				×				×			
*	प ध	प	पध	म	प	ग	म	म	प	प	ध	स	ग	म	प
*	नी	ल	कऽ	म	ल	मु	स	का	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न,	प ध	प	पध	म	प	ग	म	म	प	प	ध	म	म	(म)	–
ऽ,	नी	ल	कऽ	म	ल	मु	स	का	ऽ	ये	ऽ	भँ	व	रा	ऽ
–	–	–	–	सग	मपध	पम	ग रस	रंसं	गं	रं	न	ध	म	ग	र
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	झूऽ	ठीऽऽ	कस	मेंऽ	खाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

स	ध (प)	प	पध	म	प	ग	म	म	प	प	ध	स	ग	म	प
य	नी	ल	कऽ	म	ल	मु	स	का	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

स	-	ग	प	धप	न	ध	पम	ग	-	मप	म	रे (ग)	-	स	-
रू	ऽ	प	पै	रीऽ	ऽ	भे	ऽऽ	प्री	ऽ	तऽ	न	जा	ऽ	ने	ऽ

म	-	प	ध	सं	-	नसं	गं	रें	सं	न	ध	म	ध	सं	-
मी	ऽ	त	क	है	ऽ	औऽ	र	ना	ऽ	प	हि	चा	ऽ	ने	ऽ

रें	रें	रें	-	संरें	-	म	ध	सं	-	-	न	ध	म	धन	सं
र	स	चू	ऽ	सेऽ	ऽ	उ	ड़	जा	ऽ	ऽ	य	पा	ऽ	पीऽ	ऽ

संगं	रेंसं	नसं	धन	सं	-	-	सं	नरें	संन	धप	मप	ग	-	-	मप
रस	चूऽ	सेऽ	उड़	जा	ऽ	ऽ	य	रस	चूऽ	सेऽ	उड़	जा	ऽ	य	उड़

स	पन	ध	न	
जाय	सुन	सु	न	नील कमल मुसकाये भँवरा.....................।

(ठेका बन्द)

न	-	न	ध	न	-	मप	ध	मप	-	न	-	न	-	धन	सं	न	न	प	न
दे	ऽ	ख	प	तं	ऽ	गेऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	क्या	ऽ	ऽऽ	ऽ	क	ह	ते	ऽ

ध	प	-	-	म	म	म	-	पमग	सग	प (म)	प	न	न	धन	सं-	नध	पम
हैं	ऽ	ऽ	ऽ	ज	ल	ने	ऽ	वाऽऽ	ऽऽ	ऽ	ले	चु	प	रह	ऽऽ	तेऽ	ऽऽ

गस गम प – प – – – सं सं सं – न रं सं – ध न – प पध

ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ हैं ऽ ऽ ऽ छ लि या ऽ भँ व रा ऽ क ली ऽ क लीऽ

न पध सं – सं – न – ध न ध न प ध म प – – – –

ऽ ऽऽ ऽ ऽ को ऽ जा ऽ क र गी ऽ त सु ना ऽ ऽ ऽ ऽ य

(ठेका शुरू)

पसं सं- सं- नरं	सं- -सं न- नध	नसं नध पम गम	प -प पन ध
रस चूऽ सेऽ उड़	जाऽ ऽय पाऽ पीऽ	झूंऽ ठीऽ कस मेंऽ	खा ऽय सुन सु

न

न नील कमल मुसकाय.................................।

58—B N. B

मोरे मन की नगरिया.....!

चित्रा प्रोडक्शन फ़िल्म	**	ताल	**	गायक
"कञ्चन"	**	कहरवा	**	'लीला चिटनिस व घोष'

मोरे मन की नगरिया बसाई रे, माधो जी माधो जी, माधो जी माधो जी।
भोले खाती थी जीवन की नैया, बने मन के बसैया खेवैया ॥
डगमगाती किनारे लगाई रे, माधो जी माधो जी ॥ मोरे मन............॥
माधो माधो जगत पुकारे, मैं कहूँ मेरा काला। मैं कहूँ मेरा काला ॥
जब-जब भीड़ पड़े भक्तन पर, पहुँचे बांसुरी वाला ॥
माधो जी, माधो जी ! मोरे मन की नगरिया बसाई रे.........................॥

स	र
मो	रे

स्वरलिपि☞

+				:				+				'			
ध़	स	-	स	र	ग	ग	र	ग	ध	प	ध	म	प	गम	ग
मन	की	ऽ	न	ग	रि	या	ब	सा	ई	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
*	स	-	र	ग	-	-	-	स	र	-	ग	स	-	स	र
*	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	मो	रे
ध़	स	-	स	र	ग	ग	र	ग	ध	प	ध	म	प	गम	ग
मन	की	ऽ	न	ग	रि	या	ब	सा	ई	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
*	स	-	र	ग	-	-	-	स	र	-	ग	स	-	-	-
*	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध	सं	सं	ध	न	ध	प	-	ध	न	न	ध	प	-	-
*	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ
*	ध	सं	सं	ध	न	ध	प	-	ध	न	न	ध	प	-	ध
*	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ
प	म	ग	र	ग	र	स	र	ध़	स	-	स	र	ग	ग	र
*	*	*	*	*	*	मो	रे	मन	की	ऽ	न	ग	रि	या	ब
ग	ध	प	ध	म	प	गम	ग	*	स	-	र	ग	-	-	-
सा	ई	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	*	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ

स	र	–	ग	स	–	न॒	न॒	प	धप	म	म	प	–ध	–	प
ऽ	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	भो	ले	खा	ऽती	ऽ	थी	जी	ऽव	ऽन	की
ध	सं	सं	–	सं	न॒	न॒	न॒	प	धप	म	म	प	–ध	–	प
नै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	भो	ले	खा	ऽती	ऽ	थी	जी	ऽव	ऽन	की
ध	सं	सं	–	*	*	सं	रं	न॒	–न॒	–	ध	पध	म	–	म
नै	ऽ	या	ऽ	*	*	बो	ले	म	नुके	ऽ	ब	सैंऽ	या	ऽ	खे
प	ध	प	–	–	–	सं	रं	न॒	–न॒	–	ध	पध	म	–	म
वै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	बो	ले	म	नुके	ऽ	ब	सैंऽ	या	ऽ	खे
पध	न॒	प	–	–	–	संसं	सं	सं	रंरं	–	सं	संरं	गंगं	–	रं
वै	ऽ	या	ऽ	ऽ	ऽ	डग	म	गा	ऽती	ऽ	कि	नाऽ	ऽरे	ऽ	ल
सं	रं	सं	–	*	*	संसं	सं	सं	रंरं	–	सं	संरं	गंगं	–	रं
गा	ई	रे	ऽ	*	*	डग	म	गा	ऽती	ऽ	कि	नाऽ	ऽरे	ऽ	ल
सं	रं	सं	रं	न	सं	–	–	*	ध	सं	सं	ध	न	ध	प
गा	ई	रे	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ
–	ध	न	न	ध	प	–	–	*	ध	सं	सं	ध	न	ध	प
ऽ	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ	*	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ
–	ध	न	न	ध	प	–	ध	प	म	ग	र	र	स	स	र
ऽ	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*	मो	रे

मन की नगरिया……………………।

*	म	–	म	र	ग	र	स	र	म	प	ध	पध	न॒	प	–
*	मा	ऽ	धो	मा	ऽ	धो	ऽ	ज	ग	त	पु	काऽ	ऽ	रे	ऽ
*	न॒	–	न॒	ध	म	प	न॒	ध	–	प	–	प	–	न॒	–
*	मैं	ऽ	क	हूँ	रे	मे	रा	का	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	न॒	–	न॒	ध	म	प	न॒	ध	–	प	–	–	–	*	*
*	मैं	ऽ	क	हूँ	रे	मे	रा	का	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	प	–	प	ध	सं	रं	गं	संरं	गं	रं	सं	–	–	–	–
*	मैं	ऽ	क	हूं	रे	मे	रा	काऽ	ऽ	ला	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	मं	मं	मं	मं	–	मं	मं	गं	–	गं	गं	रं	–	सं	–
*	जब	ज	ब	भी	ऽ	ड़	प	ड़े	ऽ	भ	ग	तों	ऽ	पै	ऽ
*	गं	–	गं	रंगं	रंसं	संरं	संन	नसं	नध	धन	धप	पध	पम	गम	ग
*	प	हुँ	चे	बांऽ	ऽऽ	ऽसु	रीऽ	वाऽ	ऽऽ	लाऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ
*	स	–	र	ग	–	–	–	स	र	–	ग	स	–	स	र
*	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मा	ऽ	धो	जी	ऽ	मो	रे

मन की नगरिया बसाई रे·····························।

59—N. P K. I—42

साँवरिया रे साँवरिया

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
"अनजान"	卐 卐	'कहरवा'	卐 卐	अरुनकुमार व सुशीला

सांवरिया रे, सांवरिया !
चल चल रे, चल रे सांवरिया । साँवरिया रे……॥
एक नगरिया हम दोनों की, एक डगरिया ॥ चल रे चल रे…॥
राह कटीली दूर ठिकाना. फिर भी हम को चलते जाना ।
बीत जाय चाहे सारी उमरिया ॥ चल रे सांवरिया हां-चल रे चल रे…॥
मैं तेरा रहूँ तू मेरी रहे । हां, सांवरिया रे सांवरिया ।
मैं तेरा रहूँ तू मेरी रहे, जैसे दिन के साथ उजेरा रहे । हां सांवरिया ॥
आबाद रहें हम तुम दोनों, आबाद हमारा डेरा रहे ।
बजता रहे ये इकतारा, मधुर प्रीत की बांसुरिया—चल रे सांवरिया ।

+				।				+				।			
स	प	प	प	प	ध	न॒	ध	प	–	म	ग	प म	–	प म	–
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	रे	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ
स	प	प	प	प	ध	न॒	ध	प	–	म	ग	म	–	स	स
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	रे	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	च	ल
स	प	प	–	म	ग	म	–	ग॒	र	स	ऩ	स	–	स	स
च	ल	रे	ऽ	च	ल	रे	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	च	ल
स	प	प	–	म	ग	म	–	ग॒	र	स	ऩ	स	–	–	–
च	ल	रे	ऽ	च	ल	रे	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	*	*
स	ग	ग	म	ग	र	स	–	स	र	सर	ग	ग	–	म	–
ए	ऽ	क	न	ग	रि	या	ऽ	ह	म	दोऽ	ऽ	नों	ऽ	की	ऽ

म	र	र	म	र	म	प	ध	प	–	ध	प	म	ग	र	स
ए	ऽ	क	ड	ग	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*

स	ग	ग	म	ग	र	स	–	न	र	सर	ग	ग	–	म	–
ए	ऽ	क	न	ग	रि	या	ऽ	ह	म	दोऽ	ऽ	नों	ऽ	की	ऽ

म	र	र	म	र	म	प	ध	प	–	संन	सं	पध	पम	गर	स
ए	ऽ	क	ड	ग	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	*

स	प	प	–	म	ग	म	–	ग	र	स	ऩ	स	–	–	–
च	ल	रे	ऽ	च	ल	रे	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ

सांवरिया रे सांवरिया चल, चल रे चल रे सांवरिया..........।

*	प	प	प	म	प	ग	म	प	न	न	न	न	–	सं	रं
*	रा	ह	क	टी	ऽ	ली	ऽ	दू	ऽ	र	ठि	का	ऽ	ना	ऽ

न	सं	–	–	संरं	नसं	धन	पध	प	प	प	प	म	प	ग	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*	*	रा	ह	क	टी	ऽ	ली	ऽ

प	न	न	न	न	सं	सं	प	*	न	सं	सं	सं	सं	न	–
दू	ऽ	र	ठि	का	ऽ	ना	ऽ	*	फि	र	भी	ह	म	को	ऽ

सं	सं	संरं	गं	रं	–	सं	–	प	प	प	प	म	प	ग	म
च	ल	तेऽ	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	ऽ	रा	ह	क	टी	ऽ	ली	ऽ

प	न	न	न	न	सं	सं	–	*	न	सं	सं	सं	सं	न	–
दू	ऽ	र	ठि	का	ऽ	ना	ऽ	*	फि	र	भी	ह	म	को	ऽ

सं	सं	संरं	गं	रं	-	सं	-	सं	रं	सं	सं	न	न	न	ध
च	ल	तेऽ	ऽ	जा	ऽ	ना	ऽ	बी	ऽ	त	जा	ऽ	य	चा	हे
प	ध	न	सं	न	ध	प	-	प	प	प	-	म	ग	ग	प
सा	ऽ	री	उ	म	रि	या	ऽ	च	ल	रे	ऽ	सां	ऽ	व	रि
म	-	-	स	स	प	-	-	स	प	प	-	म	ग	म	-
या	ऽ	ऽ	हां	हां	ऽ	ऽ	*	च	ल	रे	ऽ	च	ल	रे	ऽ
ग	र	स	ऩ	स	-	-	-	स	प	प	प	प	ध	न	ध
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	*	*	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	रे	ऽ
प	-	म	ग	म	-	स	स	स	प	प	-	म	ग	म	-
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	च	ल	च	ल	रे	ऽ	च	ल	रे	ऽ
ग	र	स	ऩ	स	-	ऩ	स	ग	ग	-	र	ग	-	प	-
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	मैं	ऽ	ते	रा	ऽ	र	हूँ	ऽ	तू	ऽ
ग	र	-	ऩ	स	-	रग	म	-	ग	ग	र	ग	-	प	-
मे	री	ऽ	र	हे	ऽ	मैंऽ	ऽ	ऽ	ते	रा	र	हूँ	ऽ	तू	ऽ
ग	र	-	ऩ	स	-	स	-	स	प	प	प	प	ध	न	ध
मे	री	ऽ	र	हे	ऽ	हां	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	रे	ऽ
प	-	म	ग	प म	-	प म	-	स	प	प	प	प	ध	न	ध
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	रे	ऽ

प	–	म	ग	म	–	ऩ	स	ग॒	ग॒	–	र	ग॒	–	प	–
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	मैं	ऽ	ते	रा	ऽ	र	हूं	ऽ	तू	ऽ
ग॒	र	–	ऩ	स	–	स	ऩ	सग	ग	ग	ग	ग	–	ग	ग
मे	री	ऽ	र	हे	ऽ	जै	ऽ	सेऽ	दि	न	के	सा	ऽ	थ	उ
म	म	ग॒	ग॒	ग॒	–	ऩ	स	ग॒	ग॒	–	र	ग॒	–	प	–
जे	ला	ऽ	र	हे	ऽ	मैं	ऽ	ते	रा	ऽ	र	हूं	ऽ	तू	ऽ
ग॒	र	–	ऩ	स	–	स	–	स	प	प	प	प	ध	न॒	ध
मे	री	ऽ	र	हे	ऽ	हां	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	रे	ऽ
प	–	म	ग	(प) म	–	(प) म	–	स	प	प	प	प	ध	न॒	ध
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	रे	ऽ
प	–	म	ग	म	–	ग	म	प	–	प	प	प	–	प	ध
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	आ	ऽ	वा	ऽ	द	र	हैं	ऽ	ह	म
ध	न॒	न॒	ध	धन॒	धप	ग	म	प	–	प	प	प	–	प	ध
तु	म	दो	ऽ	नोंऽ	ऽऽ	आ	ऽ	बा	ऽ	द	र	हैं	ऽ	ह	म
ध	न॒	न॒	ध	प	–	ग	म	प	न	न	न	न	–	सं	–
तु	म	दो	ऽ	नों	ऽ	आ	ऽ	बा	ऽ	द	ह	मा	ऽ	रा	ऽ
र	न॒	–	न॒	ध	प	–	–	प	रं	–	रं	रं	–	रं	–
डे	रा	ऽ	र	हे	ऽ	ऽ	ऽ	बज	ता	ऽ	र	हे	ऽ	ये	ऽ

रं	गं	रं	–	(सं)	–	–	–	प	रं	रं	रं	सं	सं	न	ध
इ	क	ता	ऽ	रा	ऽ	ऽ	ऽ	म	धु	र	प्री	ऽ	त	की	ऽ
प	म	म	प	ग	–	–	–	प	रं	रं	रं	सं	सं	न	ध
बां	ऽ	सु	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	म	धु	र	प्री	ऽ	त	की	ऽ
प	म	ग	र	स	–	–	–	स	प	प	–	म	ग	ग	प
बां	ऽ	सु	रि	या	ऽ	ऽ	ऽ	च	ल	रे	ऽ	सां	ऽ	व	रि
म	–	–	स	स	प	–	–	स	प	प	–	म	ग	म	–
या	ऽ	ऽ	हां	ऽ	ऽ	ऽ	※	च	ल	रे	ऽ	च	ल	रे |	ऽ
ग	र	स	न	स	–	–	–	स	प	प	प	प	ध	न	ध
सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	※	※	सां	ऽ	व	रि	या	ऽ	रे	ऽ

सांवरिया चल चल रे, चल रे सांवरिया..........! 60—N. P. K

इस जीवन की फुलवारी में....!

न्यू थियेटर्स फ़िल्म	ताल	गायक
"अधिकार"	"कहरवा"	"पहाड़ी सान्याल"

इस जीवन की फुलवारी में सदा मगन रहना।
आशा के फूल चुना करना, कांटा दुख का चुभे हँसना ॥ सदा......॥
इस ज़िन्दगी की शाख में गुल भी है, ख़ार भी।
आती है इस चमन में ख़िज़ा भी बहार भी ॥
चन्द्र हँसे जब गुल कुम्हलायें, घूंघट खोल कली मुस्काये।
दिन ढलकर जब शोक रचाये, बन के सुहागन आज रहना ॥ सदा......॥
शबनम की तरह किस लिये ऐ शमा! रोती है?
चुप रह के रात ढल गई अब सुबह होती है ॥
बोली शमा क्यों घबराती है, दुख की रात से भय खाती है।
दुख की रात ही दिखलाती है, सुख आनन्द का सुन्दर सपना ॥ सदा......॥

×				×				×				×			
न	न	धन	संन	ध	ध	प	–	म	म	मध	पम	ग	र	स	–
इ	स	जीऽ	ऽऽ	व	न	की	ऽ	फु	ल	वाऽ	ऽऽ	री	ऽ	में	ऽ
स	सर	सन्	न्	स	र	ग	म	र	स	–	–	–	–	–	–
स	दाऽ	ऽऽ	म	ग	न	र	ह	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
ग	ग	–	ग	प	–	प	प	पध	नध	न	सं	ध	–	प	–
आ	शा	ऽ	के	फू	ऽ	ल	चु	नाऽ	ऽऽ	क	र	ना	ऽ	ऽ	ऽ
म	–	म	–	ग	म	म	ग	गम	प	ग	म	र	–	स	–
कां	ऽ	टा	ऽ	दु	ख	का	चु	भेऽ	ऽ	हैं	स	ना	ऽ	ऽ	ऽ

सदा मगन रहना, इस जीवन की············!

म	म	–	म	ध	–	न	–	–	सं	–	न	सं	–	–	–
इस	जिं	ऽ	द	गी	ऽ	की	ऽ	ऽ	शा	ऽ	ख	में	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	–	सं	ध	–	प	म	*	प	–	न	ध	–	प	–
*	गुल	ऽ	भी	हैं	ऽ	ऽ	ऽ	*	खा	ऽ	र	भी	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	–	न	न	–	–	–	*	न	रं	सं	ध	सं	न	ध
*	आ	ऽ	ती	है	ऽ	ऽ	ऽ	*	इ	ऽस	च	म	न	में	ऽ
*	ध	ध	न	ध	प	–	–	म	र	म	प	ध	प म	–	–
*	खि़	जां	ऽ	भी	ऽ	ऽ	ऽ	ब	हा	ऽ	ऽ	र	भी	ऽ	ऽ

स	-	स	स	म	-	म	म	ध	प	ध	न	सं	न	ध	-
चं	ऽ	द्र	हँ	से	ऽ	ज	ब	गु	ल	कु	म्ह	ला	ऽ	ये	ऽ
प	-	प	प	प	-	प	प	मप	ध	ध	प	म	ग	र	स
घूं	ऽ	घ	ट	खो	ऽ	ल	क	लोऽ	ऽ	मु	स	का	ऽ	ये	ऽ
ध	सं	सं	रं	सं	न	न	न	*	न	ध	प	पध	न	ध	-
द्दि	न	ढ	ल	क	र	ज	ब	*	शो	क	र	चाऽ	ऽ	ये	ऽ
म	ध	न	रं	सं	-	न	ध	ग	-	-	ग	र	ग	र	स
ब	न	के	सु	हा	ऽ	गि	न	आ	ऽ	ऽ	ज	र	ह	ना	ऽ

सदा मगन रहना, इस जीवन की.....................।

न	न	न	सं	(न)	-	-	प म	*	न	ध	न	सं	-	-	-
शब	नम	की	त	र	ह	ऽ	ऽ	*	कि	स	लि	ये	ऽ	ऽ	ऽ
*	न	-	न	सं	-	-	-	*	नसं	रं	सं	न	-	म	प
*	ए	ऽ	श	मा	ऽ	ऽ	ऽ	*	रोऽ	ऽ	ती	है	ऽ	ऽ	ऽ
*	प	न	प	न	-	-	-	*	न	रं	सं	न	-	म	प
*	चुप	रह	के	रा	ऽ	ऽ	त	*	ढल	ऽ	ग	ई	ऽ	ऽ	ऽ
*	म	प	प	प	-	र	म	*	मप	ध	प	र	-	न स	-
*	अ	ब	सु	बू	ऽ	ऽ	ऽ	*	होऽ	ऽ	ती	है	ऽ	ऽ	ऽ
र	म	र	म	प	-	प	-	ध	प	धन	सं	न	ध	प	-
बो	ली	ऽ	श	मा	ऽ	क्यूं	ऽ	घ	ब	राऽ	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ

म̍	म̍	म̍	–	म̍	प	प	प	ग॒	म̍	प	ध॒	प	म̍	प	–
दु	ख	की	ऽ	गा	ऽ	न	से	भ	य	खा	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ
प	रं	रं	रं	रं	–	न॒	सं	रं	मं	रं	सं	न॒	ध	प	–
दु	ख	की	ऽ	गा	ऽ	न	हीं	दि	ख	ला	ऽ	ती	ऽ	है	ऽ
प	न	न	–	न	–	न	ध	*	न	न	ध	ध	न	सं	–
सु	ख	आ	ऽ	नं	ऽ	द	का	*	सुं	द	र	स	प	ना	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	स	सर	सऩ॒	ऩ॒	स	र	ग॒	म
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	स	दाऽ	ऽऽ	म	ग	न	र	ह

ना ऽऽऽ ऽऽऽ इस जीवन की फुलवारी में सदा………………।

61—B. N. B

पति चरनन गुन गाऊँ………!

रणजीत फिल्म		ताल		गायिका
"शादी"	卐 卐	"कहरवा"	卐 卐	खुर्शीद

पति चरनन गुन गाऊँ।
जनम-जनम सुख पाऊँ॥ पति चरनन……॥
चरन पती के गङ्गा जमुना, धो-धो कर पी जाऊँ।
चरन धूल चंदन से अच्छी, माथे तिलक लगाऊँ॥ पति चरनन…॥
जैसे राम चरन सेवा से, सीता सती कहाई।
पति चरनन से सावित्री ने, यम को हार बताई॥
चरनन शीश नवाऊँ, पति चरनन गुन गाऊँ॥

+				।				+				।			
*	सग	र	स	ऩ	ध़	–	ऩस	र	गर	स	–	–	–	–	–
*	पति	च	र	न	न	ऽ	गुन	गा	ऽऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	पध़	ध़	ध़	स	र	–	रग	प	म	ग	–	–	–	गर	स
*	जन	म	ज	न	म	ऽ	सुख	पा	ऽ	ऊँ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
*	सग	र	स	ऩ	ध़	–	ऩस	र	गर	स	–	–	–	–	–
*	पति	च	र	न	न	ऽ	गुन	गा	ऽऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	गम	प	प	प	–	पध	मप	*	प	म	–	ग	म	ग	–
*	चर	न	प	ती	ऽ	केऽ	ऽऽ	*	गं	गा	ऽ	य	मु	ना	ऽ
*	प	प	–	र	र	–	स	र	गर	स	–	–	–	–	–
*	धो	धो	ऽ	ऽ	के	ऽ	पी	जा	ऽऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	गम	प	पध	नसं	सं	सं	–	*	नन	न	ध	ध	–	प	–
*	चर	न	धूऽ	ऽऽ	ल	चं	ऽ	*	दन	से	ऽ	अ	ऽ	च्छी	ऽ
*	ग	ध	ध	प	प	म	ग	रग	म	ग	–	ग	म	प	ध
*	मा	ऽ	थे	ति	ल	क	ल	गाऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	ग	ध	ध	प	प	म	ग	रग	म	ग	–	–	–	गर	स
*	मा	ऽ	थे	ति	ल	क	ल	गाऽ	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
*	सग	र	स	ऩ	ध़	–	ऩस	र	गर	स	–	–	–	–	–
*	पति	च	र	न	न	ऽ	गुन	गा	ऽऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

*	प	–	प	पध	न	ध	प	प	ध	म	ग	प	–	प	–
*	जै	ऽ	सं	गाऽ	ऽ	म	च	र	ण	से	ऽ	वा	ऽ	से	ऽ
*	प	ध	ध	ध	ध	–	प	ध	रं	सं	सं	न	न	ध	प
*	सी	ऽ	ता	स	ती	ऽ	क	हा	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
*	पध	ध	ध	ध	ध	ध	प	*	पध	प	म	गम	पम	ग	–
*	पति	च	र	न	न	व	ल	*	सा	वि	त	रीऽ	ऽऽ	ने	ऽ
*	प	प	प	पध	न	ध	प	ध	–	प	–	–	–	गम	ग
*	य	म	को	हाऽ	ऽ	र	व	ता	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
*	प	प	प	पध	न	ध	प	ध	–	प	–	–	–	मग	रस
*	य	म	को	हाऽ	ऽ	र	व	ता	ऽ	ई	ऽ	ऽ	ऽ	*	*
*	पध़	ध़	स	स	र	ग	ग	प	म	ग	–	–	–	गर	स
*	चर	न	न	सी	ऽ	स	न	वा	ऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
*	सग	र	स	ऩ	ध़	–	ऩस	र	गर	स	–	–	–	–	–
*	पति	च	र	न	न	ऽ	गुन	ना	ऽऽ	ऊं	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

62—N. P. K.

बन चले राम रघुवीर……………!

प्रकाश पिक्चर्स	卐 卐	ताल	卐 卐	गायक
"भरत मिलाप"	卐 卐	"कहरवा"	卐 卐	*

बन चले राम रघुवीर।
कहां जानकी जनक दुलारी, कहां लाड़ला लछमन रे।
झूले थे जो फूल हिंडोले, आज चले कंटक बन रे॥
हो गई सूनी आज अयोध्या, सूना सरजू तीर ॥ बन चले……॥
रोको कोई रोको, रथ रोको हे पुरवासी, जाते हैं पुन्य प्रवासी।
होते हैं क्यूं बनवासी, गई खुशी और रही उदासी ॥
राम का रथ क्या चलता है, सबको यह चक्र कुचलता है।
रघुकुल का भाग्य बदलता है, उगता सा सूरज ढलता है॥
प्रान चले हैं सङ्ग राम के, सूना पड़ा शरीर ॥ बन चले……॥

ताल कहरवा☞

														स	स
														ब	न
+				।				+				।			
र	म	–	मग	रग	स	र	स	स	–	–	–	–	–	प	प
च	ले	ऽ	राऽ	ऽऽ	म	र	घु	वी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	ब	न
म	प	–	मग	रग	स	र	स	स	–	–	म	प	ध	सं	–
च	ले	ऽ	राऽ	ऽऽ	म	र	घु	वी	ऽ	ऽर	*	*	*	*	*
प	प	प	प	प	प	प	म	–	पध	सं	न	सं	–	सं	–
*	क	हां	जा	ऽ	न	की	ऽ	ऽ	जन	क	दु	ला	ऽ	री	ऽ
प	न	प	न	सं	सं	सं	–	*	संरं	न	न	ध	–	प	–
क	हां	ऽ	ला	ऽ	ड़	ला	ऽ	*	लछ	म	न	रे	ऽ	ऽ	ऽ

* न	–	न	ध	–	प	म	* प	ध	न	ध	–	प	–
* फू	ऽ	ले	थे	ऽ	जो	ऽ	* फू	ल	हिं	ड	ऽ	ले	ऽ

* ध	ध	ध	पध	मप	म	–	र	स	स	र	स	म	–	–
* आ	ज	च	लेऽ	ऽऽ	कं	ऽ	ट	क	ब	न	रे	ऽ	ऽ	ऽ

ठेका बन्द ।

– – – – – – – * * ध रं रं रं रं – रं – – – – – – सं –

ऽ ऽ ऽ ऽ * * * * हो ऽ ग ई सू ऽ नी ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

नसं रं रं रं रं – र गं – – – – – – – – – – – – – गं सं

आऽ ऽ ज अ यो ऽ ध्या ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

* * गं – गंरं सं – – न ध प – न सं – – – – – – –

* * सू ऽ नाऽ ऽ ऽ * स र यू ऽ ती ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

– – – – सं – सं रं – – – – – – – – – सं न * न सं

ऽ ऽ * * सू ऽ ना ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * स र

ध प ध म म प – – – – – – – * * प प

यू ऽ ऽ ऽ नी ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ र * * ब न

ठेका कहरवा शुरू ।

म	प	–	मग	रग	स	र	स	स	–	–	–	म	मम	मम	म
च	ले	ऽ	राऽ	ऽऽ	म	र	घु	बी	ऽ	ऽ	ऽर	(बाजा)	...	...	...

ग	गग	–ग	गर	र	रर	रर	स	स	सस	-स	स	म	मम	मम	म
…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…
ग	गग	–ग	गर	र	रर	रर	स	स	सस	-स	स	म	मम	मम	म
…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…
ग	गग	–ग	गर	र	रर	रर	स	स	सस	-स	स	म	मम	मम	म
…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…
ग	गग	–ग	गर	र	रर	रर	स	स	सस	-स	स	म	मम	मम	म
…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…
ग	गग	–ग	गर	र	रर	प	–	रं	–	–	–	–	–	–	–
…	…	…	…	…	…	रो	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	रं	गं
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को	ई
रं	–	सं	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–	प	ध
रो	ऽ	को	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	थ
–	सं	–	सं	*	(न)	ध	प	म	प	प	–	–	–	प	–
ऽ	रो	ऽ	को	*	हे	पु	र	वा	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ऽ	जा	ऽ
–	ध	सं	–	*	न	ध	प	म	प	प	–	–	–	प	–
ऽ	ते	हैं	ऽ	*	पु	न्य	प्र	वा	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ऽ	हो	ऽ

-	ध	रं	रं	*	रं	रं	रं	संरं	गं	रं	-	-	-	प	-
ऽ	ते	ऽ	हैं	*	वृं	ब	न	बाऽ	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

प	ध	रं	रं	*	रं	रं	रं	संरं	गं	रं	-	-	-	-	-
हो	ते	ऽ	हैं	*	वृं	ब	न	बाऽ	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ

(ठेका बन्द)

-	-	-	-	-	गं	गं	-	गं	गं	-	-	-	-	-	-	-	रं	सं	सं	सं	*
ऽ	ऽ	*	*	*	ग	ई	ऽ	खु	शी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	औ	ऽ	ऽ	र	*

न	ध	ध	प	प	ध	रं	-	-	-	-	-	-	-	सं	-	-	-	-	-	-	-
र	ही	ऽ	ऽ	उ	दा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	सी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*

गं - रं - सं - न - ध - प - - मं - ग - र - स - - -
(बाजा)… … … … … … … … … … … … … … … … … … …

(ठेका शुरू)

*	स	स	स	र	ग	गर	स	-	रप	प	-	मध	पध	प	म
*	रा	म	का	र	थ	क्याऽ	ऽ	ऽ	चल	ता	ऽ	हैऽ	ऽऽ	स	ब

मग	रग	र	-	*	र	र	स	सग	रग	र	-	स	-	प	प
कोऽ	ऽऽ	ये	ऽ	*	च	क	कु	चऽ	ऽल	ता	ऽ	है	ऽ	र	घु

ध	ध	सं	सं	न	-	ध	प	पन	धन	ध	-	प	-	प	प
ऽ	कु	ल	का	भा	ऽ	ग्य	ब	दऽ	ऽल	ता	ऽ	है	ऽ	उ	ग

म मप ध ध | मग रग र स | * रग र – स – स –
ऽ ताऽ ऽ सा | सूऽ ऽऽ र ज | * ढल ता ऽ है ऽ ए ऽ

रं – रं – | रं रं रं – रं – – – – – सं * सं रं रं
ऽ ऽ प्रा ऽ | ण च ले ऽ हैं ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * सं ऽ ग

गं – गं गं – – – – – – – – – – सं * * न न – – –
रा ऽ म के ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * * सू ना ऽ ऽ ऽ

– * न ध प ध म म म प – – – – – – – – – * *
ऽ * प ड़ा ऽ ऽ ऽ श री ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽर * *

63—N P. K.

साजन बड़ी सुहानी भोर.......!

न्यू थियेटर्स फ़िल्म	ताल	गायक
"डाक्टर"	"कहरवा"	पङ्कजमलिक और भारती

साजन बड़ी सुहानी भोर, बड़ी सुहानी भोर !
कोयलिया जब कूक सुनाये, कोमल मन पर बान चलाये ।
करे पपीहा शोर ॥ साजन बड़ी सुहानी.................॥
चातुर कोयल बड़ी सयानी, दुख की लय में सुख की बानी ।
चातुर कोयल बड़ी सयानी, ताल पै नाचे मोर ॥ सजनी...॥
छेड़त चली पवन मतवाली, झूम रही डाली पर डाली ।
रुत बरषा का जोर ॥ बड़ी सुहानी भोर.................॥
इन गालों की शफ़क में लाली, मद बरसावें जुलफ़ें काली ।
छाई घटा घनघोर, जैसे छाई घटा घनघोर ॥ सजनी...॥

बिना ताल —

प – ध – – – – – म र म – म र म धप धप धप मप – – – –

सा ऽ ज ऽ ऽ न * व ह्री ऽ ऽ सु हा ऽ नीऽ ऽऽ भोऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ र

* * * प – ध – – –

* * * सा ऽ ज ऽ ऽ न

ताल कहरवा —

+				।				×				।			
म	र	म	म	प	ध	ध	रं	सं	सं	न	न	ध	ध	प	प
व	ह्री	ऽ	सु	हा	ऽ	नी	ऽ	भो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
म	र	म	म	प	ध	ध	रं	रं	सं	–	–	–	–	ध	ध
व	ह्री	ऽ	सु	हा	ऽ	नी	ऽ	भो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
*	ध	ध	ध	ध	–	ध	ध	*	ध	–ध	सं	धन	धप	प	म
*	को	य	लि	या	ऽ	ज	ब	*	कू	ऽक	सु	नाऽ	ऽऽ	ये	ऽ
म	म	प	प	ध	ध	सं	सं	रं	सं	सं	सं	ध	–	ध	ध
ऐ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	को	य	लि	या	ऽ	ज	ब
*	ध	–ध	सं	धन	धप	प	म	*	म	म	प	ध	सं	सं	सं
*	कू	ऽक	सु	नाऽ	ऽऽ	ये	ऽ	*	को	म	ल	म	न	प	र
*	सं	रं	रं	रं	सं	सं	ध	ध	ध	–	ध	ध	–	धन	संरं
*	बा	ऽन	च	ला	ऽ	ये	ऽ	क	रे	ऽ	प	पी	ऽ	हाऽ	ऽऽ

रं	–	–	–	संरं	संन	ध	–	म	र	म	म	*	ध	ध	रं
शो	ऽ	ऽ	ऽ	ओऽ	ऽऽ	ऽ	र	ब	ड़ी	ऽ	सु	हा	ऽ	नी	ऽ
सं	सं	न	न	ध	–	प	प	म	र	म	म	प	ध	ध	रं
भो	ऽ	ऽ	र	सा	ऽ	ज	न	ब	ड़ी	ऽ	सु	हा	ऽ	नी	ऽ
रं	सं	–	–	–	–	ध	ध	*	ध	–	ध	ध	–	ध	ध
भी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	*	चा	ऽ	तुर	को	ऽ	य	ल
*	प	प	प	म	प	प	–	प	ध	म	प	पध	नन	न	ध
*	ब	ड़ी	स	या	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ
ध	ध	–	ध	ध	–	ध	ध	*	प	प	प	म	प	प	ध
ऽ	चा	ऽ	तुर	को	ऽ	य	ल	*	ब	ड़ी	स	या	ऽ	नी	ऽ
म	र	म	म	म	म	म	–	*	प	प	प	प	ध	सं	–
ऽ	दु	ख	की	ल	य	में	ऽ	*	सु	ख	की	वा	ऽ	नी	ऽ
रं	रं	सं	सं	ध	प	म	र	ध	ध	–	ध	ध	–	ध	ध
ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	चा	ऽ	तुर	को	ऽ	य	ल
*	प	प	प	म	प	प	ध	म	प	–प	ध	*	ध	सं	सं
*	ब	ड़ी	स	या	ऽ	नी	ऽ	ऽ	ता	ऽल	पै	*	ना	ऽ	चे
ध	सं	–	–	सं	रं	रं	रं	सं	प	–प	ध	*	ध	सं	सं
मो	ऽ	ऽ	र	स	ज	नी	ऽ	ऽ	ता	ऽल	पै	*	ना	ऽ	चे

ध॒	मं	–	–	सं	रं	रंमं	रंगं॒	रं	रं	सं	सं	ध॒	सं	सं	ध॒
मो	ऽ	ऽ	र	म	ज	नीऽ	ऽऽ	व	ड़ी	ऽ	सु	हा	ऽ	नी	ऽ
प	–	–	–	–	–	र	–	म	र	म	म	प	ध	ध	रं
भों	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	व	ड़ी	ऽ	सु	हा	ऽ	नी	ऽ
रं	सं	–	–	–	–	ध॒	ध॒	न	सं	सं	न	ध॒	ध॒	*	प
भों	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	झे	ऽ	ड़	त	च	ली	*	प
म	प	प	म	ग	रे॒	स	–	स	म	म	म	ग	प	–	–
व	न	म	न	वा	ऽ	लीं	ऽ	भ्रु	ऽ	म	र	ही	ऽ	ऽ	ऽ
म	ध॒	प	म	ग	–	–	–	स	–	स	स	ग	–	ग	म
ई	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	भ्रु	ऽ	म	र	ही	ऽ	डा	ऽ
ग	म	प	ध॒	म	प	प	–	प	प	प	प	ध॒	सं	सं	ध॒
लीं	ऽ	प	र	डा	ऽ	लीं	ऽ	रु	त	व	र	पा	ऽ	का	ऽ
मं	सं	रं	रं	गं॒	–	–	–	गं॒	रं	सं	सं	ध॒	सं	संरं	गं॒
ज़ों	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	व	ड़ी	ऽ	सु	हा	ऽ	नीऽ	ऽ
रं	–	–	–	रं	सं	रं	गं॒	रं	सं	न	न	न	ध॒	ध॒	रं
भों	ऽ	ऽ	र	मा	ऽ	ज	न	व	ड़ी	ऽ	सु	हा	ऽ	नी	ऽ
रं	सं	–	–	–	–	–	–	गं	गं	मंगं	रंगं	रं	–	सं	–
भों	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	इ	न	गाऽ	ऽऽ	लों	ऽ	की	ऽ

ध	ध	सं	रं	मंगं	रंगं	सं	–	मं	मं	मं	मं	मं	–	गंमं	पं
श	फ़	क	में	लाऽ	ऽऽ	ली	ऽ	म	द	व	र	पा	ऽ	येंऽ	ऽ
गं	गं	–	रं	संरं	गं	गं	–	सं	न	सं	सं	ध	न	न	ध
ऽ	जु	ऽ	ल्फ़ें	काऽ	ऽ	ली	ऽ	छा	ऽ	ई	घ	टा	ऽ	घ	न
प	–	–	–	स	र	प	गं	गं	–	गं	गं	गं	–	रं	गं
घो	ऽ	ऽ	र	जै	ऽ	से	ऽ	छा	ऽ	ई	घ	टा	ऽ	घ	न
रं	–	–	–	रं	रं	गं	रं	रं	सं	न	न	प	ध	ध	रं
घो	ऽ	ऽ	र	स	ज	नी	ऽ	ब	ड़ी	ऽ	सु	हा	ऽ	नी	ऽ
रं	सं	–	–	–	–	प	–	सं	सं	न	न	ध	ध	प	प
भो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र	भो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र
म	र	म	म	प	ध	ध	रं	सं	सं	न	न	ध	–	प	प
ब	ड़ी	ऽ	सु	हा	ऽ	नी	ऽ	भो	ऽ	ऽ	र	सा	ऽ	ज	न
म	र	म	म	प	ध	ध	रं	रं	सं	–	–	–	–	–	–
ब	ड़ी	ऽ	सु	हा	ऽ	नी	ऽ	भो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र

64—N.P K. 4—42

ये दर्दे मुहब्बत है............!

रणजीत फ़िल्म	ताल	गायिका
'बेटी'	"दादरा"	'खुर्शीद'

ये दर्दे मुहव्वत है, कैसे वो भला जाने।
क्या दिल पे गुज़रती है, ये उनकी बला जाने॥ ये दर्दे......॥
उफ़ तेरी मुहब्बत ने, क्या जुल्म किये हम पे।
या मेरा जिगर जाने, या मेरा जिया जाने॥ क्या दिल पै......॥
अब एक ही हसरत है, मेरे दिले बिस्मिल की।
मैं तेरा किया भूलूं, तू मेरा किया जाने॥ क्या दिल पै......॥

(बिना ताल)

ऩ - ऩ - ऩ ऩ स - - - स स सर गग सर गम रग रस ऩस
ये ऽ द ऽ र्दे मो हो ऽ ऽ ऽ ब्ब त हैऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ

रग रस ऩस ऩध़ - - - - - ऩ - ऩ - ऩ ऩ स - - -
ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ * * ये ऽ द ऽ र्दे मो हो ऽ ऽ ऽ

स स रस ऩध़ - - - - ध़ ऩ
ब्ब त हैऽ ऽऽ ऽ ऽ * * कै ऽ

(ठेका दादरा शुरू)

+			०			+			०		
र	-	स	र	रग	म	र	म	गर	स	स	र
से	ऽ	वो	भ	लाऽ	ऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	ये	ऽ
ऩ	स	ऩ	ऩ	स	र	ऩ	स	ऩ	ध़	ध़	ऩ
द	र	दे	मो	हो	ऽ	ब्ब	त	है	ऽ	कै	ऽ

र	-	स	र	रग	म	र	म	गर	स	ग	-
से	ऽ	वो	भ	लाऽ	ऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	क्या	ऽ
ग	-	ग	ग	ग	म	रग	म	ग	र	ध़	ऩ
दि	ऽल	पे	गु	ज़	र	तीऽ	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ
र	-	स	स	रग	म	र	म	गर	स	ग	-
उ	ऽन	की	ब	लाऽ	ऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	क्या	ऽ
ग	-	ग	ग	ग	म	रग	म	ग	र	ध़	ऩ
दि	ऽल	पे	गु	ज़	र	तीऽ	ऽ	है	ऽ	ये	ऽ
र	-	स	र	पध	मप	र	म	गर	स	ध़	ऩ
उ	ऽन	की	ब	लाऽ	ऽऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	ये	ऽ
स	-	स	स	स	-	स	स	ऩ	ध़	ध़	ऩ
द	ऽ	दें	मु	ह	ऽ	ब्ब	त	है	ऽ	(बाजा)···	
र	-	स	र	रग	म	र	म	गर	स	स	र
ऩ	स	ऩ	ऩ	स	र	ऩ	स	ऩ	ध़	ध़	ऩ
र	-	स	र	रग	म	र	म	गर	स	-	-

(ठेका बन्द)

प - प - प प प - म प पम गर - - - र -

उ ऽफ़ ते ऽ री मो हो ऽ ब्ब त नेऽ ऽऽ ऽ ऽ * क्या ऽ

र - र र रग मम ग र र ग गर स - - - र म

ज़ु ऽ ल्म कि येऽ ऽऽ ऽ ऽ ह ऽम ऽपै ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ

पम रन् स - - - - - - - - प - प - प प प -

ऽऽ ऽ; ऽ ऽ ऽ ऽ * * * * उ ऽफ़ ते ऽ री मो हो ऽ

म प मग रग र - - - - स प् - - ध् स स स सर गग सर गग

ब्ब त नेऽ ऽऽ ऽ ऽ ऽ ऽ क्या ऽ ऽ ऽ ज़ु ऽ ल्म कि येऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ

न् स - - न् ध् स - - - न् - न् - न् न् न् स - - -

हम पै ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ * * या ऽ मे ऽ रा जि ग र ऽ * *

सर गस रग सर सन् ध् - - - ध् न्

जाऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ नेऽ ऽ ऽ * * या ऽ

+ (ठेका शुरू)			०			+			०		
र	-	स	र	रग	म	र	म	गर	स	स	र
मे	ऽ	रा	जि	या	ऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	या	ऽ
न्	स	न्	न्	स	र	न्स	र	न्	ध्	ध्	न्
मे	ऽ	रा	जि	ग	र	जाऽ	ऽ	ने	ऽ	या	ऽ
र	-	स	र	रग	म	र	म	गर	स	ग	-
मे	ऽ	रा	जि	याऽ	ऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	क्या	ऽ
ग	-	ग	ग	पम	गम	रग	म	गर	स	ध्	न्
दि	ऽल	पे	गु	ज़ऽ	ऽर	तीऽ	ऽ	हैऽ	ऽ	ये	ऽ

र	-	स	र	पध	मप	र	म	गर	स	ध़	ऩ
उ	ऽन	की	ब	लाऽ	ऽऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	ये	ऽ

स	-	स	स	स	-	स	स	सऩ	ध़	ध़	ऩ
द	ऽ	हैं	मो	हो	ऽ	ब्ब	त	हैऽ	ऽ	कैं	ऽ

र	-	स	र	रग	म	र	म	गर	स	स	र
से	ऽ	वो	भ	लाऽ	ऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	(बाजा)···	···

ऩ	स	ऩ	ऩ	स	र	ऩस	र	ऩ	ध़	ध़	ऩ
···	···	···	···	···	···	···	···	···	···	···	···

र	-	स	र	रग	म	र	म	गर	स	-	-
···	···	···	···	···	···	···	···	···	···	···	···

(ठेका बन्द)

रग	मप	ध	ध	ध	ध	-	ध	ध	-	-	र	-	र	र	ग	प
···	···	···	अ	ब	ए	ऽ	क	ही	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ह	स	र	त

गप	धन	धन	धन	-	प	प	प	प	पध	न,प	धन	धप	म	म
हैऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	दि	लेऽ	ऽ.ऽ	ऽऽ	ऽऽ	बि	स

र ग स र र - रग प - प म ध प म ग र - - - प प प -

मि ऽ ऽ ऽल की ऽ (बाजा) ··· ··· ··· ··· ··· ··· ··· ··· ··· ··· ···अ ब ए ऽ

प	प	-	प	प	प	प	पम	गर	सर	-स	र	-	प़	-	प़	प़	ध़
क	ही	ऽ	ह	स	र	त	हैऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	मे	रे	दि

ध़ स – र ग सर ग – स – – – र म पम रऩ स
ले ऽ ऽ वि स मिऽ ऽ ल की ऽ ऽ ऽ ऽ ऽ ऽऽ ऽऽ ऽ

– – – – – ऩ – ऩ – ऩ ऩ स – – – सर ग,स रग
ऽ * * * * मैं ऽ ते ऽ रा कि या ऽ ऽ * भूऽ ऽऽ ऽऽ

रग रस ऩ ध़ – – – ध़ ऩ स – ऩ – ऩ – ऩ ऩ (स) सस
ऽऽ ऽऽ लूं ऽ ऽ ऽ हा ये ऽ ऽ मैं ऽ ते ऽ रा कि या ऽऽ

प़ – ध़स रध़ सर रर रर सऩ ध़ – – – ध़ ऩ
ऽ * भूऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ ऽऽ लूंऽ ऽ ऽ * * तू ऽ

+ (ठेका शुरू)			o			+			o		
र	–	स	र	रग	म	र	म	गर	स	स	र
मे	ऽ	रा	कि	याऽ	ऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	मैं	ऽ
ऩ	स	ऩ	ऩ	स	*	ऩस	र	ऩ	ध़	ध़	ऩ
ते	ऽ	रा	कि	या	*	भूऽ	ऽ	लूं	ऽ	तू	ऽ
र	–	स	र	रग	म	र	म	गर	स	ग	–
मे	ऽ	रा	कि	याऽ	ऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	क्या	ऽ
ग	–	ग	ग	पम	गम	रग	म	गर	स	ध़	ऩ
दि	ऽल	पे	गु	ज़ऽ	ऽर	तीऽ	ऽ	हैऽ	ऽ	ये	ऽ
र	–	स	र	रग	म	र	म	गर	स	ग	–
उ	ऽन	की	ब	लाऽ	ऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	क्या	ऽ

ग	-	ग	ग	पम	गम	रग	म	गर	स	ध़	ऩ
दि	ऽल	पे	गु	ज़ऽ	ऽर	तीऽ	ऽ	हैऽ	ऽ	ये	ऽ
र	-	स	र	पध	मप	र	म	गर	स	ध़	ऩ
उ	ऽन	की	ब	लाऽ	ऽऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	ये	ऽ
स	-	स	स	स	-	स	स	सऩ	ध़	ध़	ऩ
द	ऽ	ईं	मो	हो	ऽ	ब्ब	त	हैऽ	ऽ	कै	ऽ
र	-	स	र	रग	म	र	म	गर	स	-	-
से	ऽ	वो	भ	लाऽ	ऽ	जा	ऽ	नेऽ	ऽ	ऽ	ऽ

65-N. P. K.

हिंडोरे कैसे झूलूँ ?

बौम्बे टाकीज़ फ़िल्म		ताल		गायिका
"झूला"	卐 卐	'दादरा और कहरवा'	卐 卐	'लीला चिटनिस'

हिंडोरे कैसे झूलूं, मेरा जिया डोले रे,
मैं झूला कैसे झूलूं, मेरा जिया डोले रे।
सावन की ऋतु आई है भीनी-भीनी,
प्रेम बदरिया छाई है झीनी-झीनी ॥
छोटे से मनमें मोरे, भावों के बन में मोरे।
प्रीत की कोयलिया बोलेरे, ऐ मेरा जाने क्यूं—
आज जिया डोले रे ॥ हिंडोरे कैसे······॥
बड़े हठीले मेरे नैना, बड़ी हठीली मेरी मन की मैंना।
इन दोनों को कौन मनाये, बोलो कौन मनाये ?
मन का भेद मेरा खोले रे। ऐ मेरा जाने क्यूं आज जिया डोले रे ?
हिंडोरे कैसे झूलूं मेरा जिया डोले रे ॥ मैं झूला··············॥

(दादरा)

+			०			+			०		
ध़	स	न	र	सर	स	प	ध	म	ग	सर	स
ला	ला	ला	ला	लल	ला	ला	ला	ला	ला	लल	ला

(कहरवा)

+				।				+				।			
नसं	–	–	–	नसं	नध	प	*	पध	–	–	–	पध	पम	ग	*
(बाजा)	…	…	…	लल	लल	ला	*	(बाजा)	…	…	…	लल	लल	ला	*
रग	–	–	–	गम	गर	स	*	सर	ग	रग	म	गम	प	पध	नध
(बाजा)	…	…	…	लल	लल	ला	*	लाऽ	ऽ	लाऽ	ऽ	लाऽ	ऽ	लल	लल
सं	*	संन	धप	मग	रस	ऩ	–	स	स	र	प	*	गम	गर	र
ला	*	(बाजा)	…	…	…	…	…	ल	ल	ल	ला	*	(बाजा)	…	…
स	स	र	प	*	गम	गर	र	स	स	र	प	*	गम	गर	र
ल	ल	ल	ला	*	(बाजा)	…	…	ल	ल	ल	ला	*	(बाजा)	…	…
स	सस	सस	सस	ध़स	सस	सस	स	र	ग	म	ग	रग	रस	सर	सऩ
(बाजा)	…	…	…	…	…	…	हिं	डो	रे	कै	से	झूऽ	ऽऽ	लूंऽ	ऽऽ
ऩ	ऩ	स	र	ऩ	स	स	स	र	ग	म	ग	रग	रस	सर	सऩ
मे	रा	जि	या	डो	ले	रे	हिं	डो	रे	कै	से	झूऽ	ऽऽ	लूंऽ	ऽऽ

ऩ	ऩ	स	र	ऩ	स	स	स	र	ग	म	म	रग	रस	सर	सऩ
मे	रा	जि	या	डो	ले	रे	मैं	झू	ला	कै	से	झूऽ	ऽऽ	लूंऽ	ऽऽ
ऩ	ऩ	स	र	ऩ	स	स	स	र	ग	म	म	रग	रस	सर	सऩ
मे	रा	जि	या	डो	ले	रे	मैं	झू	ला	कै	से	झूऽ	ऽऽ	लूंऽ	ऽऽ
ऩ	ऩ	स	र	ऩ	स	स	–	स	स	र	प	*	गम	गर	र
मे	रा	जि	या	डो	ले	रे	ऽ	मे	रा	जि	या	*	डोऽ	ऽऽ	ले
स	–ग	मगम (२ मात्रा)		रगम (२ मात्रा)		प	–	प	–सं	नधप (२मात्रा)		मगर (२मात्रा)		स	–
रे	(बाजा)	...		...		...	...	...	...	...		...		...	...
*	र	प	म	म	प	प	प	*	प	प	प	प	पध	प	मग
*	सा	व	न	की	ऽ	रु	त	*	आ	ई	है	भी	नीऽ	भी	नीऽ
र	र	म	म	प	न॒	ध	प	*	प	प	प	प	पध	प	मग
ऽ	प्रे	ऽम	ब	द	रि	या	ऽ	*	छा	ई	है	भी	नीऽ	भी	नीऽ
र	र	म	म	र	म	म	म	*	र	म	म	र	म	म	म
ऽ	छो	टे	से	मन	में	मो	रे	*	भा	वों	के	बन	में	मो	रे
*	र	म	म	म	प	म	ग	र	रम	म	–	गम	गर	स	र
*	प्री	ऽत	की	को	य	लि	या	बो	लेऽ	रे	ऽ	ऐऽ	ऽऽ	मे	रा
*	स	ऩ	ऩ	स	–	र	ग	स	र	र	स	ध़स	सस	ध़स	स
*	जा	ने	क्यूं	आ	ऽज	जि	या	डो	ले	रे	ऽ	(बाजा)	...	...	...

*	र	म	म	म	प	म	ग	र	रम	म	–	गम	गर	स	र
*	प्री	ऽत	की	को	य	लि	या	बो	लेऽ	रे	ऽ	एऽ	ऽऽ	मे	रा

*	स	न॒	न॒	स	–	र	ग	स	र	र	स	न॒ध	पम	गर	स
*	जा	ने	क्यूं	आ	ऽज	जि	या	डो	ले	रे	ऽ	(बाजा)	···	···	हिं

र	ग	म	ग	रग	रस	सर	सन॒	न॒	न॒	स	र	न॒	स	स	स
डो	रे	कै	से	झूऽ	ऽऽ	लूंऽ	ऽऽ	मे	रा	जि	या	डो	ले	रे	मैं

र	ग	म	म	रग	रस	सर	सन॒	न॒	न॒	स	र	न॒	स	स	–
भू	ला	कै	से	झूऽ	ऽऽ	लूंऽ	ऽऽ	मे	रा	जि	या	डो	ले	रे	ऽ

स	स	र	प	*	गम	गर	र	स	न॒ध	प	नसं	न॒ध	प	गम	गर
मे	रा	जि	या	*	डोऽ	ऽऽ	ले	रे	(बाजा)	···	···	···	···	···	···

स	ऩ	ऩ	ऩ	ऩ	स	स	–	प	म	र	स	न॒	स	स	–
···	ब	ड़े	ह	ठी	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ब	ड़े	ह	ठी	ऽ	ले	ऽ

*	सं	सं	सं	सं	–	(सं)	–	*	न॒	–	न॒	प	ध	पध	न॒
*	ब	ड़े	ह	ठी	ऽ	ले	ऽ	*	मे	ऽ	रे	नै	ऽ	नाऽ	ऽ

–	न॒	ध	प	म	प	म	मग	र	स	र	स	न॒	र	र	स
*	ब	ड़ी	ह	ठी	ली	मे	रीऽ	ऽ	म	ऽन	की	मैं	ऽ	ना	ऽ

*	स	म	म	म	–	(म)	–	*	प	न॒	ध	प	पध	प	म
*	इ	ऽन	दो	नों	ऽ	को	ऽ	*	कौ	न	म	ना	येऽ	बो	लो

*	प	न्	ध	पध	पम	म	–	*	र	म	म	म	–प	म	ग
*	कौ	ऽन	म	नाऽ	ऽऽ	ये	ऽ	*	म	ऽन	का	भे	ऽद	मे	रा
र	रम	म	–	र	म	म	म	*	र	म	म	म	–प	म	ग
खो	ऽले	रे	ऽ	दे	खो	दे	खो	*	म	ऽन	का	भे	ऽद	मे	रा
र	रम	म	–	गम	गर	स	र	*	स	न्	न्	स	–	र	ग
खो	ऽले	रे	ऽ	एऽ	ऽऽ	मे	रा	*	जा	ने	क्यूं	आ	ऽज	जि	या
स	र	र	स	सर	ग,स	रग	स	सरं	गंसं	रंगं	संन्	धप	मग	रस	स
डो	ले	रे	ऽ	(बाजा) …	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	हिं
र	ग	म	ग	रग	रस	सर	सन्	न्	न्	स	र	न्	स	स	स
डो	ले	कै	से	झूऽ	ऽऽ	लूंऽ	ऽऽ	मे	रा	जि	या	डो	ले	रे	मैं
र	ग	म	म	रग	रस	सर	सन्	न्	न्	स	र	न्	स	स	–
झू	ला	कै	से	झूऽ	ऽऽ	लूंऽ	ऽऽ	मे	रा	जि	या	डो	ले	रे	ऽ
स	स	र	प	*	गम	गर	र	स	स	र	प	*	गम	गर	र
मे	रा	जि	या	*	*	*	*	मे	रा	जि	या	*	*	*	*
स	स	र	प	*	गम	गर	र	स	*	*	*	*	*	*	*
मे	रा	जि	या	*	डोऽ	ऽऽ	ले	रे							

66--N. P. K 4–42

बस बस वे ढोलना..............!

पंचोली पिक्चर्स	ताल	गायक
"चौधरी"	"कहरवा"	बेबी नूर जहां और पाल

बस बस वे ढोलना कि तेरे लाल बोलना । बस बस......॥
हस रस बोलना शहद शीरी घोलना कि तेरे नाल बोलना । बस बस......

दोस्ती नादान दी, सुलां विच फसना–
हाल कवलड़ा वे दर्दां नु दसणां ।

फुलां नुं है साड़ना ते मोतियां नुं रोलनां । बस बस.........

होया जे कस्सूर जेड़ा, उस नूं ना तारिये,
छुप वट वट के नां, आशकां नुं मारिये ।

गुस्से वाली गंडनूं, ते तुझे चाहिये खोलना ॥ बस बस.........

प्यार दे वपार विच, लगे कानूं फकड़ी ।
त्रगड़ी बनाके पैलूं नैना वाली त्रकड़ी ॥

मन नाल मन नूं ते वन पूरा तोलना ॥ बस बस.........

(आरम्भ में यह टियून बजेगी, फिर गाना शुरू होगा)

स	ग	प	म	ग	म	स	–	स	ग	प	म	ग	म	स	–
ध	–	–	–	–	–	म	–	ध	–	–	–	–	–	–	–
म	ध	न	सं	रं	सं	रं	न	सं	–	–	–	–	–	–	–
ध	–	–	–	–	–	म	–	ध	–	–	–	–	–	–	–
म	ध	न	सं	रं	सं	रं	न	सं	–	–	–	–	–	–	–
नसं	धन	पध	मप	गम	रग	सर	ऩ	स	ग	–	स	ग	प	–	म
प	–	–	मं	गं	रं	सं	–	प	–	ध	प	ध	म	प	म
...	...	...	...	...	...	...	...	बस	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ढो	ऽ	ल

गम	–	–	–	ग	र	स	स	स	र	ग	म	–	ग	–	र
नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि	ते	रे	ना	ल	ऽ	बो	ऽ	ल
स	–	–	–	–	–	प	–	प	–	ध	प	ध	म	प	म
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बस	ऽ	बस	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ढो	ऽ	ल
गम	–	–	–	ग	र	स	स	स	र	ग	म	–	ग	–	र
नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि	ते	रे	ना	ल	ऽ	बो	ऽ	ल
स	–	–	–	–	–	ग	म	प	ध	न	सं	–	न	–	रं
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	की	ऽ	ते	रे	ना	ल	ऽ	बो	ऽ	ल
सं	न	ध	प	म	ग	ग	म	प	ध	न	सं	–	न	–	रं
ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	की	ऽ	ते	रे	ना	ल	ऽ	बो	ऽ	ल
संरं	नसं	–	–	–	प	प	–	प	–	ध	प	ध	म	प	म
नाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बस	ऽ	बस	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ढो	ऽ	ल
गम	–	–	–	ग	र	स	स	स	र	ग	म	–	ग	–	र
नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि	ते	रे	ना	ल	ऽ	बो	ऽ	ल
स	–	–	न	ध	न	–	ध	प	–	–	ध	म	–	–	–
ना	ऽ	ऽ	ह	स	र	ऽ	स	बो	ऽ	ऽ	ल	ना	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	स	स	–	ग	–	ग	गम	प	–	म	मप	ध	–	–
ऽ	ऽ	श	हद	ऽ	शी	ऽ	रीं	घोऽ	ऽ	ऽ	ल	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ

–	–	–	न	ध	न	–	ध	प	–	–	ध	म	–	–	–
ऽ	ऽ	ऽ	ह	स	र	ऽ	स	बो	ऽ	ऽ	ल	ना	ऽ	ऽ	ऽ
–	–	स	स	–	ग	–	ग	गम	प	–	म	मप	ध	–	–
ऽ	ऽ	श	हद	ऽ	शी	ऽ	रीं	घोऽ	ऽ	ऽ	ल	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ
प	ध	न	सं	–	न	–	रं	सं	न	ध	प	म	ग	ग	म
ते	रे	ना	ल	ऽ	बो	ऽ	ल	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	की	ऽ
प	ध	न	सं	–	न	–	रं	संरं	नसं	–	–	–	प	प	–
ते	रे	ना	ल	ऽ	बो	ऽ	ल	नाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	बस	ऽ
प	–	ध	प	ध	म	प	म	गम	–	–	–	ग	र	स	स
बस	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ढो	ऽ	ल	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि
स	र	ग	म	–	ग	–	र	स	–	प़	ऩ	स	ग	प	–
ते	रे	ना	ल	ऽ	बो	ऽ	ल	ना	ऽ	...	...	...	...	...	...
प	–	ध	न	न	धप	म	–	प	गम	–	सग	प	म	स	–
दोल	ऽ	ती	ना	दा	नऽ	दी	ऽ	...	...	...	...	...	...	...	...
न	ध	न	ध	प	ध	न	–	–	प	रं	संरं	नसं	पन	सं	–
सु	लां	बि	च	फ	स	नां	ऽ	ऽ	ऽ	...	...	...	...	...	...
प	–	ध	न	न	–धप	म	–	प	गम	–	सग	प	म	स	–
दो	स	ती	ना	दा	नऽ	दी	...	...	...	...	...	...	...	...	...

न	ध	न	ध	प	ध	न	–	–	प	रं	संरं	नसं	पन	सं	–
सु	लां	वि	च	फ	ल	नां	…	…	…	…	…	…	…	…	…
सं	–	न	रं	सं	न	ध	प	म	ग	म	–	–	–	गर	स
हा	ऽ	ल	क	व	ल	ड़ा	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ
र	ग	म	–ग	र	स	स	–								
बे	दर	दां	ऽनुं	द	स	णां	ऽ	हाल कवलड़ा। बेदर्दां नुं दसणां………।							
स	म	म	म	ग	म	न	–	–	–	–	ध	प	ध	न	सं
फु	लां	नु	है	सा	ड़	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ते	मो	ति	यां	नुँ
न	रं	संरं	नसं	–	प	प	–	प	–	ध	प	ध	म	प	म
रो	ल	नाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	बस	ऽ	बस	ऽ	वे	ऽ	ऽ	ढो	ऽ	ल
गम	–	–	–	ग	र	स	स	स	र	ग	म	–	ग	–	र
नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि	ते	रे	ना	ल	ऽ	बो	ऽ	ल
स	–	प	न	स	ग	ध	–	सं	–	–	–	नध	–न	सं	न
ना	ऽ	(बाजा)…		…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…	…
ध	प	–	ग	प	म	स	–	सर	गम	पध	नसं	रंगं	–	–	–
रं	सं	न	ध	रं	–	–	–	सं	न	ध	न	सं	–	नसं	धन

पध	मप	गम	स	प	प	ध	न	न	-धप	म	म	प	गम	-	सग
...	...	...	...	हो	या	जे	क	सू	रऽ	जे	ड़ा	...	...	...	...
प	म	स	-	न	ध	न	ध	प	ध	न	-	-	प	रं	संरं
...	...	...	...	उ	स	नूं	ना	ता	रि	ये	ऽ	ऽ	ऽ	...	...
नसं	पन	सं	-	सं	सं	न	रं	सं	न	ध	प	म	ग	म	-
...	...	...	...	छु	प	च	ट	व	ट	के	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ
-	-	गर	स	र	ग	म	-ग	र	स	स	-	सं	सं	न	रं
ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	आ	श	कां	ऽनुं	मा	रि	ये	ऽ	छु	प	व	ट
सं	न	ध	प	म	ग	म	-	-	-	गर	स	र	ग	म	-ग
व	ट	के	ऽ	ना	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽऽ	ऽ	आ	श	का	ऽनुं
र	स	स	-	स	म	म	म	ग	म	न	-	-	-	-	ध
मा	रि	ये	ऽ	गु	से	वा	ली	गं	ड	नूं	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ते
प	ध	न	सं	न	रं	संरं	नसं	-	प	प	-	प	-	ध	प
तु	झे	चाहि	ये	खो	ल	नाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	बस	ऽ	बस	ऽ	वे	ऽ
ध	म	प	म	गम	-	-	-	ग	र	स	स	स	र	ग	म
ऽ	ढो	ऽ	ल	नाऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	कि	ते	रे	ना	ल
-	ग	-	र	स	-	प़	ऩ	स	ग	प	-	सं	-	-	-
ऽ	बो	ऽ	ल	ना	ऽ	...	...	...	...	...	...	...	...	...	...

नध	-न	सं	न	ध	प	-	ग	प	म	स	-	सर	गम	पध	नसं
रंगं	-	-	-	रं	सं	न	ध	रं	-	-	-	सं	न	ध	न
सं	-	नसं	धन	पध	मप	गम	स	ग	स	ग	म	म	प	प	प
...	...	...	...	...	...	...	...	प्या	आर	दे	व	पा	आर	बि	च
प	गम	-	सग	प	म	स	-	न	ध	न	ध	प	ध	न	-
...	...	...	...	...	...	...	...	ल	गे	का	नूं	फ	क	ड़ी	ऽ
-	प	रं	संरं	नसं	पन	सं	-	प	प	प	ध	प	म	म	प
ऽ	ऽ	...	...	...	...	...	...	त्र	ग	ड़ी	ब	ना	के	पै	लूं
म	ग	स	ग	ग	प	प	-	प	प	प	ध	प	म	म	प
नै	ना	वा	ली	त्र	क	ड़ी	ऽ	त्र	ग	ड़ी	ब	ना	के	पै	लूं
म	ग	स	ग	ग	प	प	-	स	म	म	म	ग	म	न	-
नै	ना	वा	ली	त्र	क	ड़ी	ऽ	म	न	ना	ल	म	न	नूं	ऽ
-	-	-	ध	प	ध	न	सं	न	रं	संरं	नसं	-	प	प	-
ऽ	ऽ	ऽ	तें	च	न	पू	रा	तो	ल	नाऽ	ऽऽ	ऽ	ऽ	बस	ऽ

बस वे ढोलना............!

67—D N DHAWAN,

रुत आये रुत जाये................!

फ़िल्म कारपोरेशन	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"चित्रलेखा"	卐 卐	कहरवा	卐 卐	*

रुत आये रुत जाये पंछी, रुत आये रुत जाये ।
फागुन आया, कलियां जागीं, शाखों ने उज्ज्वल वस्त्र पहने ।
सज-धज कर सब सुन्दरियों ने, पहन लिये फूलों के गहने ॥
गीत सुहाने गाये ॥ पंछी..................................॥
सावन की घनघोर घटायें, आईं आकर जल बरसाया ।
नदियां दौड़ीं सागर को सब, कोयल ने जब सावन गाया ॥
झूले खूब झुलाये ॥ पंछी..................................॥

×				×				×				×			
स	र	स	ऩ॒	ध़	म़	प़	ध़	ऩ	स	स	-	स	र	स	ऩ
रु	त	आ	ऽ	ये	ऽ	रु	त	जा	ऽ	ये	ऽ	पं	ऽ	छी	ऽ
स	र	स	ऩ॒	ध़	म़	प़	ध़	ऩ	स	स	-	र	म	मपध	मप
रु	त	आ	ऽ	ये	ऽ	रु	त	जा	ऽ	ये	ऽ	पं	ऽ	छीऽऽ	ऽऽ
र	ग॒	र	स	र	म	पध	मप	ग॒	र	ग॒	स	र	ऩ	स	-
रु	त	आ	ऽ	ये	ऽ	रुऽ	तऽ	जा	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ
*	ग॒	ग॒	ग॒	ग॒	-	ग॒	-	*	रग॒	र	स	*	ऩ॒	र	स
*	फा	गु	न	आ	ऽ	या	ऽ	*	कलि	यां	ऽ	*	जा	ऽ	गीं
र	-	म	म	प	-	प	ध	पध	न॒	ध	प	म	ध	प	-
शा	ऽ	खों	ने	उ	ऽ	ज्ज्व	ल	वऽ	ऽ	स्त	र	प	ह	ने	ऽ

प	सं	सं	प	प	न	न	न	*	ग	र	स	र	म	प	–
स	ज	ध	ज	क	र	स	ब	*	सु	द	रि	यों	ऽ	ने	ऽ

स	र	म	प	न	–	–	–	प	ग	र	स	ऩ	र	स	–
प	ह	न	लि	ये	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	फू	लों	के	ग	ह	ने	ऽ

म़	–	प़	प़	ध़	–	ऩ	–	स	–	–	ग	र	स	ऩ	स
गी	ऽ	त	सु	हा	ऽ	ने	ऽ	गा	ऽ	य	रे	पं	ऽ	छी	ऽ

म़	–	प़	प़	ध़	–	ऩ	–	स	–	–	स	र	म	मपध	मप
गी	ऽ	त	सु	हा	ऽ	ने	ऽ	गा	ऽ	य	रे	पं	ऽ	छीऽऽ	ऽऽ

रुत आये रुत जाय……………………………।

*	प	प	प	प	न	म	प	प	सं	–	–	–	–	–	प
*	सा	व	न	की	ऽ	घ	न	घो	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	र

*	प	प	प	प	न	म	प	प	सं	–	न	प	न	न	प
*	सा	व	न	की	ऽ	घ	न	घो	ऽ	ऽर	घ	टा	ऽ	यें	ऽ

*	प	न	न	न	–	न	प	प	न	प	म	र	म	प	न
*	आ	ऽ	ई	आ	ऽ	क	र	ज	ल	ब	र	सा	ऽ	या	ऽ

प	न	प	म	र	म	प	न	प	न	प	म	र	म	प	–
ज	ल	ब	र	सा	ऽ	या	ऽ	ज	ल	ब	र	सा	ऽ	या	ऽ

प	प	पन	पम	म	म	पऩ	पम	र	रग	र	स	ऩ	ऩर	स	स
न	दि	याऽ	ऽऽ	दौ	ऽ	ड़ीऽ	ऽऽ	सा	ऽऽ	ग	र	को	ऽऽ	स	ब

*	र	म	म	प	न	म	प	*	रं	सं	रं	न	सं	प	न
*	को	य	ल	ने	ऽ	ज	ब	*	सा	व	न	गा	ऽ	या	ऽ
प	रं	सं	रं	न	सं	प	न	प	रं	सं	रं	न	सं	प	–
ऽ	सा	व	न	गा	ऽ	या	ऽ	ऽ	सा	व	न	गा	ऽ	या	ऽ
सं	–	–	–	सं	–	–	प	प	न	–	–	न	–	–	म
झू	ऽ	ऽ	ऽ	ले	ऽ	ऽ	ऽ	खू	ऽ	ऽ	ऽ	ब	ऽ	ऽ	झु
र	–	–	–	र	–	–	स	न्	–	र	–	स	–	–	–
ला	ऽ	ऽ	ऽ	ये	ऽ	ऽ	ऽ	पं	ऽ	ऽ	ऽ	छी	ऽ	ऽ	ऽ

रुत आये रुत आये......................।

68-B N B

खिलो खिलो, मतवाली......!

मिनर्वा मोवीटोन फ़िल्म	卐 卐	ताल	卐 卐	गायिका
"सिकन्दर"	卐 卐	'दादरा और कहरवा'	卐 卐	'मीना'

खिलो खिलो, मतवाली कलियो, खिलने की रुत आई आज।
कुदरत ने कलियों के कानों में यह बात सुनाई आज ॥ खिलो खिलो...॥
इस रुत की हर बात सुहानी, हर दिन गीत हर रात सुहानी।
इस बाँके हरियाले जुग में जग हरियाली छाई आज ॥ खिलो खिलो...॥
नगर डगर जङ्गल बन महके, देख देख रसिया मन चहके।
सब के सर पर झूम रही है जोबन की अंगड़ाई आज ॥ खिलो खिलो...॥

×			।			×			।		
स	प	स	प	*	*	स	प	स	प	प	म
खि	लो	खि	लो	*	*	खि	लो	खि	लो	म	त

पध	धसं	प	धम	प	-	पध	प	म	ग	र	स
वाऽ	लीऽ	ऽ	कलि	यो	ऽ	खिल	ने	ऽ	की	रु	त
स	प	स	प	-	-	धन	ध	प	म	ग	र
आ	ऽ	ई	आ	ऽ	ज	खिल	ने	ऽ	की	रु	त
रग	मग	र	स	-	-	नन	न	न	न	न	न
आऽ	ऽऽ	ई	आ	ऽ	ज	कुद	र	त	ने	क	लि
ध	ध	न	पध	ध	प	रग	र	स	र	म	म
यों	के	ऽ	काऽ	नों	ऽ	मेंऽ	ये	ऽ	बा	ऽत	सु
प	पध	न	नध	प	न	नन	न	न	न	न	न
ना	ईऽ	ऽ	आऽ	ज	ऽ	कुद	र	त	ने	क	लि
ध	ध	न	पध	ध	प	रग	र	स	र	म	म
यों	के	ऽ	काऽ	नों	ऽ	मेंऽ	ये	ऽ	बा	ऽत	सु
प	पध	न	नध	प	-	स	प	स	प	*	*
ना	ईऽ	ऽ	आऽ	ऽ	ज	खि	लो	खि	लो	*	*

खिलो खिलो मतवाली कलियो खिलने की रुत····················!

ध	ध	ध	ध	ध	ध	पध	न	सं	सं	प	प
इस	रु	त	की	ह	र	बाऽ	त	सु	हा	ऽ	नी
पध	प	म	ग	र	स	र	म	म	पध	प	ध
हर	दि	न	गी	ऽत	हर	रा	ऽत	क	हाऽ	नी	ऽ

ध	ध	ध	ध	ध	ध	पध	न	सं	संप	प	–
इम	रु	त	की	ह	र	बाऽ	त	सु	हाऽ	नी	ऽ
पध	प	म	ग	र	स	र	म	म	पध	प	–
हर	दि	न	गी	ऽत	हर	रा	ऽत	क	हाऽ	नी	ऽ
न	न	–	संरं	नसं	प	पध	पम	ग	पध	प	–
इस	वां	ऽ	केऽ	हरि	ऽ	याऽ	लेऽ	ऽ	जुग	में	ऽ
पन	प	म	प	न	न	सं	रं	न	सं	–	प
जग	ह	रि	या	ऽ	ली	छा	ई	ऽ	आ	ऽ	ज
पन	प	म	प	न	न	सं	रं	न	सं	–	–
जग	ह	रि	या	ऽ	ली	छा	ई	ऽ	आ	ऽ	ज
स	प	स	प	*	*	स	प	स	प	प	म
खि	लो	खि	लो	*	*	खि	लो	खि	लो	म	त

वाली कलियो खिलने की रुत आई आज. खिलने..............।

कहरवा

+				।				+				।			
स	प	स	प	स	प	प	–	ध	प	ध	म	प	ग	म	–
न	ग	र	ड	ग	र	जं	ऽ	ग	ल	ब	न	म	ह	के	ऽ
प	न	प	ग	–	र	स	स	र	म	म	प	ध	न	प	–
दे	ऽ	ख	दे	ऽ	ख	र	सि	या	ऽ	म	न	च	ह	के	ऽ

*	न	न	न	न	न	न	–	*	सं	–	सं	सं	–	संरं	सं
*	स	ब	के	सि	र	पै	ऽ	*	झू	ऽम	र	ही	ऽ	हैऽ	ऽ
*	न	न	न	न	न	न	–	*	सं	–	सं	सं	–	संरं	सं
*	स	ब	के	सि	र	पै	ऽ	*	झू	ऽम	र	ही	ऽ	हैऽ	ऽ
न	न	न	न	ध	–	प	म	प	ध	न	सं	सं	–	–	–
ऽ	जो	ब	न	की	ऽ	अं	ग	ड़ा	ऽ	ई	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ऽ
न	न	न	न	ध	–	प	म	प	ध	न	ध	ध	म	प	–
ऽज	जो	ब	न	की	ऽ	अं	ग	ड़ा	ऽ	ई	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज
स	प	–	स	प	–	*	*	स	प	–	स	प	–	प	म
खि	लो	ऽ	खि	लो	ऽ	*	*	खि	लो	ऽ	खि	लो	ऽ	म	त
प	ध	न	सं	ध	म	प	–	प	ध	प	म	ग	र	स	न
वा	ऽ	ली	ऽ	क	लि	यो	ऽ	खि	ल	ने	ऽ	की	ऽ	रु	त
स	प	प	स	प	–	–	–	ध	न	ध	प	म	ग	र	र
आ	ऽ	ई	ऽ	आ	ऽ	ऽ	ज	खि	ल	ने	ऽ	की	ऽ	रु	त
–	रग	मग	र	स	–	–	–								
ऽ	आऽ	ऽऽ	ई	आ	ऽ	ऽ	ज								

तीर उनका कलेजे के..........!

रणजीत फिल्म		ताल		गायिका
"मेहमान"	卐 卐	"कहरवा"	卐 卐	'मिस शमीम'

तीर उनका कलेजे के, उस पार नहीं होता।
इस दिल को मुहब्बत का, आज़ार नहीं होता॥
ऐसा मेरी उल्फ़त ने, मजबूर किया उनको।
इक़रार नहीं करते, इनकार नहीं होता॥
वैसे तो मेरे दिल में, वो छुपके ही रहते हैं।
जब सामने आते हैं, इक़रार नहीं होता॥

स्वरलिपि

×				।				×				।			
														स	–
														ती	ऽर
र	प	–	प	प	ध	म	–	र	ग	स	र	र	–	–	–
उन	का	ऽ	क	ले	ऽ	जे	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*
र	प	–	म	ग	स	र	ऩ	स	–	–	–	–	–	स	स
उस	पा	ऽर	न	हीं	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	इ	स
र	प	–	प	प	ध	म	म	र	ग	स	र	र	–	–	–
दिल	को	ऽ	मो	ह	ऽ	ब्ब	त	का	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*
र	प	–	म	ग	स	र	ऩ	स	–	–	–	–	–	स	स
आ	ज़ा	ऽर	न	हीं	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	इ	स

र	प	–	प	प	ध	म	म	र	ग	स	र	र	–	–	–
दिल	को	ऽ	मु	ह	ऽ	ब्ब	त	का	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
र	प	–	म	ग	स	र	ऩ	स	–	–	–	–	–	–	–
आ	ज़ा	ऽर	न	हीं	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
सं	–	सं	–	प	प	ध	रं	रं	सं	सं	–	सं	सं	सं	न
ऐ	ऽ	सा	ऽ	मे	री	उ	ल्	फ	त	ने	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	न	न	–	म	प	प	ध	ध	प	प	–	–	–	–	–
म	ज	बू	ऽ	र	कि	या	ऽ	उ	न	को	ऽ	*	*	*	*
र	प	–	म	प	ध	म	म	र	ग	स	र	र	–	–	–
इक़	रा	ऽर	न	हीं	ऽ	क	र	ते	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*
र	प	–	म	प	ध	म	म	र	ग	स	र	र	–	–	–
इक़	रा	ऽर	न	हीं	ऽ	क	र	ते	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*
र	प	–	म	ग	स	र	ऩ	स	–	–	–	–	–	–	–
इन	का	ऽर	न	हीं	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
सं	–	सं	–	प	प	ध	रं	रं	सं	सं	–	सं	सं	सं	न
वै	ऽ	से	ऽ	तो	मे	रे	ऽ	दि	ल	में	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ
न	–	न	न	ध	म	प	ध	ध	प	प	–	–	–	–	–
वो	ऽ	छु	प	के	ही	र	ह	ते	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	*	*	*

र	प	–	म	प	ध	म	–	र	ग	स	र	र	–	–	–
जब	सा	ऽ	म	ने	ऽ	आ	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	*	*	*
र	प	–	म	प	ध	म	–	र	ग	स	र	र	–	–	–
जब	सा	ऽ	म	ने	ऽ	आ	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	*	*	*
र	प	–	म	ग	स	र	ऩ	स	–	–	–	–	–	–	–
इक़	रा	ऽर	न	हीं	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*	*
र	प	–	म	प	ध	म	–	र	ग	स	र	र	–	–	–
जब	सा	ऽ	म	ने	ऽ	आ	ऽ	ते	ऽ	हैं	ऽ	ऽ	*	*	*
र	प	–	म	ग	स	र	ऩ	स	–	–	–	–	–	स	–
इक़	रा	ऽर	न	हीं	ऽ	हो	ऽ	ता	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	ती	ऽर
र	प	–	प	प	ध	म	–	र	ग	स	र	र	–	–	–
उन	का	ऽ	क	ले	ऽ	जे	ऽ	के	ऽ	ऽ	ऽ	ऽ	*	*	*

उस पार नहीं होता, इस दिल की मुहब्बत का.....................।

70—N P- K-

——"फ़िल्म संगीत" चौथा भाग समाप्त——